



भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान गांधीनगर

वार्षिक प्रतिवेदन 2023 - 24

वार्षिक प्रतिवेदन | www.iitgn.ac.in

विषय तालिका

दृष्टि, ध्येय एवं मूल्य	03
निदेशक की कलम से	04
संगठन	06
शैक्षणिक	14
छात्र मामले	26
अनुसंधान और विकास	42
बाह्य मामले	82
पुरस्कार और मान्यताएँ	88
आउटरीच गतिविधियां	94
आयोजन एवं गतिविधियां	99
परिसर	112
संस्थान को सहयोग	116
लोग	134
पूर्व छात्र संबंध	148

दृष्टि, ध्येय एवं मूल्य

मूल विशेषताएं

- » एक सुरक्षित व शांत वातावरण
- » समाज एवं छात्रों की बदलती जरूरतों के अनुरूप क्रियाएं
- » शैक्षणिक स्वायत्तता व लचीलापन
- » अनुसंधान परिवेश
- » संकाय सदस्यों एवं छात्रों की प्रकृति:
 - संकाय नियुक्ति मापदंड भारत के ज्यादातर शैक्षणिक संस्थानों से कहीं ऊंचा है।
 - छात्रों का चयन पूर्णतः योग्यता के आधार पर होता है।
- » समुदाय हितकारी नीतियों के साथ सर्वांगीण विकास
- » आधारभूत सुविधाएं- प्रयोगशाला सुविधा को विश्वस्तरीय बनाने के लिए उदार निधिकरण।
- » प्रशासन- भा०प्रौ०सं० गांधीनगर का विशिष्ट सरोकार व आंतरिक प्रबंधन
 - निदेशक को शैक्षणिक, प्रशासनिक व वित्तीय मामलों के प्रबंधन के लिए पर्याप्त विशेषाधिकार (ढांचगत) प्राप्त हैं।
- » आवासीय परिसर:
 - छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच करीबी शैक्षणिक व सामाजिक मेल-मिलाप की ओर प्रेरित करता है।
 - ज्यादा घनिष्ठ सामुदायिक भावना का विकास करता है तथा एक दूसरे से सीखने का अवसर देता है।
 - सतत शैक्षणिक का माहौल बनाए रखता है जिससे सभी की ओर से सृजनात्मकता आती है।

सिद्धान्त

- » आजीवन सीखते रहने की प्रतिबद्धता
- » योग्यता को बढ़ावा
- » कार्य के प्रति उत्साह एवं अभिप्रेरणा
- » व्यवसायिकता
- » कानून का सम्मान
- » सामाजिक सुधार से सरोकार
- » संस्थान के कामकाज में पारदर्शिता
- » संस्थान के प्रति समर्पण

मूल्य

- » प्रतिभातंत्र
- » अतुलनीय गुणवत्ता और उत्कृष्टता
- » ईमानदारी, अखंडता, लगन और अनुशासन
- » विश्वास व जवाबदेही युक्त आजादी
- » सृजनात्मकता की प्रोत्साहन एवं सम्मान
- » नए विचारों का स्वागत एवं गलती करने की अनुमति
- » सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी
- » प्रत्येक व्यक्ति व विविधता का सम्मान
- » सहयोग, सहयोजन व मिलकर कार्य करना

ध्येय

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर प्रौद्योगिकी व संबंधित क्षेत्रों में एक उच्चतर शिक्षण संस्थान के रूप में वर्तमान व भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए उच्च कोटि के वैज्ञानिकों, अभियंताओं व उद्दिष्टों के विकास की आकांक्षा रखता है। इससे बढ़कर महात्मा गांधी की इस भूमि पर उनके उच्च नैतिक मूल्यों व समाज सेवा के भाव को ध्यान में रखते हुए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर शोध के लिए प्रथम कदम बढ़ाने और कठिनाइयों से उभरने वाले ऐसे उत्पाद विकसित करने की जिम्मेदारी लेता है जो हमारे समुदायों की जंदिगी को बेहतर बनाएगी।

लक्ष्य

- » एक विश्वस्तरीय संस्था का निर्माण व विकास करना जहाँ स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरल स्तर पर ऐसा ज्ञान प्रदान किया जाए जो सम्पूर्ण मानवता के विकास के लिए योगदान दे।
- » ऐसे दूरदर्शी नेतृत्व का विकास करना जिसमें सृजनात्मक सोच व सामाजिक जागरूकता हो और जो हमारे मूल्यों का आदर करे।
- » सार्वभौमिक प्रभाव के लिए शिक्षण व अनुसंधान में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।
- » राष्ट्रीय नीतियों को प्रभावित करने वाले पथ-निर्धारक अनुसंधान के लिए संलग्नित रहना।
- » सामाजिक समस्याओं के लिए चिर स्थायी रहने वाले प्रौद्योगिकी समाधान का लक्ष्य प्राप्त करना।
- » सदा बने रहने वाले विकास के लिए प्रौद्योगिकी पर ध्यान बनाए रखना।
- » राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न विषयों में शैक्षणिक व औद्योगिकी सहयोग के क्षेत्र में अग्रणी बनना।
- » ज्ञान अर्जित करने व शिक्षा देने के वास्तविक महत्व के प्रति जागरूकता पैदा करना।
- » मूल्यों पर आधारित पारस्परिक आदान-प्रदान के माध्यम से स्थानीय विद्यालयों व समुदायों को समृद्ध करना।
- » संस्थागत संस्कृति के एक हिस्से की तरह उत्तम भाषा-कौशल को प्रोत्साहन देना।
- » छात्रों को न केवल उनकी पहली नियुक्ति के लिए अपितु उनकी अन्तिम नौकरी के लिए तैयार करना।

दृष्टि

- » भा०प्रौ०सं० गांधीनगर को ज्ञान अर्जित करने, शिक्षा व शोध के लिए एक दिलचस्प स्थान के रूप में ढालना।
- » ज्ञान अर्जन करने वाली ऐसी व्यवस्था को स्थापित करना जो आजादी के साथ पूर्णता व आनन्द का अनुभव कराने वाली हो।
- » एक ऐसा सुगम वातावरण तैयार करना जो समालोचनात्मक व सृजनात्मक मस्तिष्क का परिपोषण करे और उत्कृष्टता तक ले जाने के लिए प्रेरित करे।
- » एक ऐसा वातावरण तैयार करना जो आने वाले कल के लिए अग्रणी अन्वेषक, वैज्ञानिक, अभियंता, उद्दिष्ट, शिक्षक तथा विचारक पैदा करे।
- » छात्रों के लिए ऐसे अवसर प्रदान करना ताकि वे जहाँ से, जैसे भी और जो भी चाहें पढ़ सकें।
- » भा०प्रौ०सं० गांधीनगरको भावी पीढ़ी के छात्रों, कर्मचारियों व संकायों के लिए वरीयता प्राप्त स्थान बनाना।

निदेशक की कलम से



रजत मूना

निदेशक, भा.प्रौ.सं गांधीनगर

यह वर्ष विविध क्षेत्रों में ऐसी कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों का साक्षी है जिसने संस्थान की उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूती से प्रदर्शित किया है। शैक्षणिक उपलब्धियों से लेकर संकाय सदस्यों और छात्रों की सराहनीय प्रशस्तियों तक - आईआईटी गांधीनगर ने अपनी सीमाओं के विस्तार और नए प्रतिमानों की स्थापना की निरंतरता अक्षुण्ण रखी है।

शैक्षणिक उत्कृष्टता में अपने असाधारण दृढसंकल्प को प्रदर्शित करते हुए आईआईटी गांधीनगर ने नेशनल इंस्टीच्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनाईआरएफ) द्वारा जारी भारतीय रैंकिंग 2023 में अभियांत्रिकी श्रेणी में 18वाँ और 13 पायदान की छलाँग लगाते हुए समेकित रूप से 24वाँ स्थान हासिल किया है।

संस्थान के 20 शोधार्थी छात्रों को 11वें चक्र में प्रधानमंत्री शोध छात्रवृत्ति (पीएमआरएफ) प्राप्त हुई है जो एक रिकॉर्ड है। इसके बाद संस्थान में पीएमआरएफ प्राप्त करनेवाले शोधार्थियों की कुल संख्या 67 पहुंच गई है।

हम अत्यंत गौरवान्वित हैं कि हमारे संकाय सदस्यों को पहचान के साथ साथ प्रतिष्ठित पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं जिसमें गणित विभाग के प्राध्यापक प्रो. इंद्रनाथ सेनगुप्ता को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार एवं सिविल अभियांत्रिकी विभाग के प्राध्यापक प्रो. विमल मिश्रा को शान्ति स्वरूप भटनागर जैसे लब्धप्रतिष्ठ पुरस्कार शामिल हैं।

“ संस्थान के 20 शोधार्थी छात्रों को 11वें चक्र में प्रधानमंत्री शोध छात्रवृत्ति (पीएमआरएफ) प्राप्त हुई है जो एक रिकॉर्ड है। इसके बाद संस्थान में पीएमआरएफ प्राप्त करनेवाले शोधार्थियों की कुल संख्या 67 पहुंच गई है।

“ हम अत्यंत गौरवान्वित हैं कि हमारे संकाय सदस्यों को पहचान के साथ साथ प्रतिष्ठित पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं जिसमें गणित विभाग के प्राध्यापक प्रो. इंद्रनाथ सेनगुप्ता को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार एवं सिविल अभियांत्रिकी विभाग के प्राध्यापक प्रो. विमल मिश्रा को शान्ति स्वरूप भटनागर जैसे लब्धप्रतिष्ठ पुरस्कार शामिल हैं।

अपने संपोषणीय प्रयासों की दिशा में व्यापक प्रतिबद्धता की बदौलत संस्थान को संयुक्त राज्य अमेरिका की एक गैर-सरकारी संस्था ग्रीन मेटर्स, जिसे संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद में एक विशेष परामर्शदाता का दर्जा प्राप्त है, उनसे अंतर्राष्ट्रीय हरित विश्वविद्यालय पुरस्कार 2023 प्राप्त हुआ है। साथ ही, अपनी वास्तुकला की दक्षता को प्रमाणित करते हुए आईआईटी गांधीनगर के सेंट्रल आर्केड-छात्र क्रियाकलाप केंद्र ने लोक भवन की श्रेणी में ३२वाँ जेके आर्किटेक्ट ऑफ द ईयर पुरस्कार प्राप्त किया है।

अपने शुभचिंतकों की सतत सहायता के प्रति संस्थान की कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए संस्थान ने इस वर्ष से इंस्टीच्यूट फेलो अवॉर्ड की शुरुआत की है और श्री कुशल संचेती और श्री राजेश मशरुवाला को आईआईटी गांधीनगर की उन्नति में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए सम्मानित किया है।

आईआईटी गांधीनगर के शासी मंडल के अध्यक्ष के रूप में आईटीसी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री संजीव पुरी की नियुक्ति संस्थान की एक अन्य स्मरणीय गतिविधि रही। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में संस्थान ने अपेक्षित समय से पूर्व ही प्रत्येक क्षेत्र में अपनी उन्नति यात्रा आरम्भ कर दी है।

औद्योगिक प्रगति के प्रति छात्रों की जागरूकता सुनिश्चित करने हेतु हमने शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में दो नए पाठ्यक्रम की शुरुआत की है - कृत्रिम बौद्धिकता में बीटेक और यांत्रिक अभियांत्रिकी में बीटेक एमटेक की दोहरी उपाधि। इस वजह से आईआईटी गांधीनगर के पूर्वस्रातक पाठ्यक्रम में लगभग 80 नए सीटों की वृद्धि हुई है। कृत्रिम बौद्धिकता में बीटेक पाठ्यक्रम के प्रारंभ होने से हमारे छात्रों को उन पद्धतियों को विकसित करने में बल मिलेगा जो महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों के समाधान हेतु डाटा संग्रहण और अभिकलन का उपयोग करती हैं। संस्थान ने कार्यरत व्यवसायियों के कौशल विकास की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पहले ई-मास्टर्स डिग्री प्रोग्राम की शुरुआत कर अपने दायरे को और अधिक विस्तृत कर लिया है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान और शैक्षिक उत्कृष्टता के लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए, संस्थान ने दो अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं: कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा विज्ञान के लिए गोरधनभाई बी गेलोत प्रयोगशाला और कुशल पुनर्वास और प्रभावी कम्प्यूटिंग प्रणालियों के लिए सरिता जी गेलोत प्रयोगशाला का उद्घाटन किया।

हमारे परिसर के बुनियादी ढांचे का चरण 1 बी पूर्ण होने के बाद माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया था। माननीय प्रधानमंत्री ने संस्थान के चरण 2 ए के निर्माण के लिए आईआईटी गांधीनगर के छात्रावासों और कर्मचारियों के

आवासों की आधारशिला भी रखी। आईआईटी गांधीनगर के नए शैक्षणिक भवनों में संस्थान का पुस्तकालय, छात्रों के लिए कई कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, संकाय कार्यालय और एक निर्मित स्थल है। इसके अतिरिक्त, चरण 1 बी परियोजना के तहत एक जल मंडप और चार लॉन टेनिस कोर्ट का निर्माण किया गया।

बदलते समय को ध्यान में रखते हुए और प्रौद्योगिकी की शक्ति का उपयोग करते हुए, जुलाई 2023 में आयोजित 12वें दीक्षांत समारोह से, संस्थान ने स्नातक छात्रों को सत्यापन-योग्य और छेड़छाड़-रहित डिजिटल डिग्री, मार्कशीट और पदक प्रमाण-पत्र प्रदान करना शुरू कर दिया है।

संस्थान को कई प्रतिष्ठित आगंतुकों की मेजबानी करने का सौभाग्य भी मिला। इनमें टोक्यो की गवर्नर सुश्री कोइके युरिको के साथ एक जापानी प्रतिनिधिमंडल; लॉरेंस वोंग, उप प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री, सिंगापुर; माननीय जेसन क्लेयर सांसद, शिक्षा मंत्री, ऑस्ट्रेलिया सरकार; श्री धर्मेन्द्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री; और ओसाका, जापान के 21 प्रतिनिधियों का एक विशेष प्रतिनिधिमंडल शामिल हैं।

अनुसंधान, विकास, शिक्षण और प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए नई पीठों की स्थापना की गई और छात्रवृत्ति की स्थापना की गई। इसके अतिरिक्त, लगातार पांचवें वर्ष, 50% से अधिक पूर्व छात्रों ने अपने अल्मा मेटर को महत्वपूर्ण समर्थन दिखाया है और आईआईटी गांधीनगर के विकास के लिए उदारता से योगदान दिया है।

संस्थान नए सहयोग और साझेदारी बनाकर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। इसने कई प्रमुख उद्यमियों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ औपचारिक रूप समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

आउटरीच गतिविधियों पर संस्थान के निरंतर जोर के साथ, नीव, न्यासा और रचनात्मक शिक्षा केंद्र (सीसीएल) ने विभिन्न पहलों और कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए समुदाय के भीतर सार्थक संबंधों को बढ़ावा देना जारी रखा है। नवाचार और उद्यमिता केंद्र (आई. आई. ई. सी.) ने विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों के माध्यम से संस्थान के भीतर और बाहर उद्यमशीलता संस्कृति का निरंतर समर्थन और पोषण करता है।

जब हम अपनी उपलब्धियों और प्रगति को देखते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि संस्थान निरंतर विकास के रास्ते पर है। शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार और सामुदायिक भागीदारी पर मजबूत ध्यान देने के साथ, संस्थान समाज में और भी अधिक योगदान देने के लिए तैयार है। हम साथ मिलकर उत्प्रेरण, नवाचार और नेतृत्व जारी रखेंगे।

संगठन

शासक मण्डल

(31 मार्च, 2024 तक)

अध्यक्ष

श्री संजीव पुरी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
आईटीसी लिमिटेड
कोलकाता

सदस्य

डॉ. बी. एन. गंगाधर
पूर्व निदेशक
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका-विज्ञान संस्थान
बेंगलुरु

श्री बी. सी. त्रिपाठी
पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
गेल (इंडिया) लिमिटेड
नई दिल्ली

श्री कमल बाली
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
वोल्वो ग्रुप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
बेंगलुरु

श्रीमती सौम्या गुप्ता, भा.प्र.से.
संयुक्त सचिव, तकनीकी शिक्षा
उच्च शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री राज कुमार, भा.प्र.से.
प्रमुख शासन सचिव
गुजरात सरकार
गांधीनगर

श्री प्रफुलभाई के पटेल
प्रशासक
दमन और दीव (केंद्र शासित प्रदेश) प्रशासन
दमन (केंद्र शासित प्रदेश)

प्रो. रजत मूना
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

प्रो. विमल मिश्रा
प्रोफेसर, सिविल अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

प्रो. इंद्रनाथ सेनगुप्ता
प्रोफेसर, गणित विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सचिव

श्री पी. के. चोपड़ा
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर



वित्त समिति

(31 मार्च, 2024 तक)

अध्यक्ष

श्री संजीव पुरी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
आईटीसी लिमिटेड
कोलकाता

सदस्य

प्रो. रजत मूना
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

श्रीमती सौम्या गुप्ता, भा.प्र.से.
संयुक्त सचिव, तकनीकी शिक्षा
उच्च शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

श्रीमती संजोग कपूर, भा.रा.से.
संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री भद्रेश मेहता
चार्टर्ड एकाउंटेंट
अहमदाबाद

डॉ. प्रतीक मुथा
संकायाध्यक्ष, सांस्थानिक उन्नयन
सह - प्राध्यापक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सचिव

श्री पी. के. चोपड़ा
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

भवन एवं निर्माण समिति

(31 मार्च, 2024 तक)

अध्यक्ष

प्रो रजत मूना
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
सदस्य

सदस्य

श्री ए के जैन
पूर्व विशेष महानिदेशक
केंद्रीय लोक निर्माण विभाग
भारत सरकार
नई दिल्ली

श्री प्रमोद कुमार सिंह
पूर्व विशेष महानिदेशक
केंद्रीय लोक निर्माण विभाग
भारत सरकार
नई दिल्ली

प्रो. नीरज गुप्ता
प्रोफेसर, वास्तुकला विभाग
राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय
राजस्थान

श्री एम बी भलाला
पूर्व मुख्य अभियंता
सड़क एवं भवन विभाग
गुजरात सरकार
गांधीनगर

श्री राजीव गर्ग
पूर्व अधीक्षक अभियंता
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
कानपुर

प्रो. गौरव श्रीवास्तव
संकायाध्यक्ष, परिसर विकास
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
गांधीनगर

सचिव

श्री पी. के. चोपड़ा
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सीनेट/अभिषद् सभा

(31 मार्च, 2024 तक)

अध्यक्ष

प्रो रजत मूना
निदेशक

सदस्य

प्रो. अभिजीत मिश्रा
प्रो. अम्बिका अयादुरई
प्रो. अमित प्रशान्त
प्रो. अनिर्बन दासगुप्ता
प्रो. अरुण लाल चक्रवर्ती
प्रो. अतुल भार्गव
प्रो. बीरेश्वर दास
प्रो. सी. एन. पांडे
प्रो. चिन्मय घोरोई
प्रो. दीपक कुंजरू
प्रो. दिलीप पाटिल
प्रो. दिलीप श्रीनिवास सुंदरम

प्रो. एमिला पाण्डा
प्रो. गौरव श्रीवास्तव
प्रो. गायत्री मेनन
प्रो. हरीश पी. एम.
प्रो. हिमांशु शेखर
प्रो. इंद्रनाथ सेनगुप्ता
प्रो. जगमोहन त्यागी
प्रो. जैसन मांजली
प्रो. कबीर जसूजा
प्रो. कृष्ण कांति डे
प्रो. मनीष कुमार
प्रो. मिथुन राधाकृष्णा
प्रो. नमित महाजन
प्रो. निहार रंजन मोहापात्रा
प्रो. नितिन वी. जॉर्ज
प्रो. प्रणव कुमार मोहापात्रा
प्रो. प्रतीक मुथा
प्रो. एस. पी. मेहरोत्रा
प्रो. समीर वी. दलवी
प्रो. समीर पटेल
प्रो. शरद गुप्ता

प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण
प्रो. श्रीराम काण्वा
प्रो. सुनील पारेख
प्रो. उर्जित ए. याज्ञिक
प्रो. उत्तमा लाहिड़ी
प्रो. विक्रान्त जैन
प्रो. विमल मिश्रा
प्रो. विनोद चंद्रा

सचिव

श्री पी. के. चोपड़ा
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

आमंत्रित छात्रगण

अभिषेक मुंगेर (महासचिव)
अमान अंसारी (संयोजक, छात्र अभिषद् सभा)
अदिति अग्रवाल (बीटेक 2020)
मेदुरी रित्विक (एमटेक 2023)
सेनकांतिर्वनन के. (पीएचडी 2022)

अभिषद् सभा की स्थायी समितियाँ

अभिषद् सभा अकादमिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति (एसएपीईसी)

प्रो. नितिन वी. जॉर्ज, संकायाध्यक्ष,
शैक्षणिक मामले, अध्यक्ष [पदेन]
प्रो. सुब्रमणियन शंकरनारायणन
प्रो. प्राची थरेजा
प्रो. सुधांशु शर्मा

प्रो. उदित भाटिया
प्रो. मनोज गुप्ता
प्रो. शारदा सी. वी.
प्रो. एस. राजेंद्रन
प्रो. शर्मिता लाहिड़ी

प्रो. सुपर्ब मिश्रा
प्रो. विपुल सौरभ
प्रो. सुदीप्ता सरकार
अन्वीक्षा मिश्रा

अभिषद् सभा शैक्षणिक कार्यक्रम समिति (एसएपीसी)

प्रो. नितिन वी. जॉर्ज, संकायाध्यक्ष,
शैक्षणिक मामले, अध्यक्ष [पदेन]
प्रो. शरद गुप्ता
प्रो. कार्तिक पुष्पवनम
प्रो. उदित भाटिया

प्रो. अनिर्बन दासगुप्ता
प्रो. उत्सव मन्नु
प्रो. हिमांशु शेखर
प्रो. निशांत चोकसी
प्रो. सुपर्ब मिश्रा

प्रो. प्रोजेश नाथ चौधरी
प्रो. रवि अय्यागरी
प्रो. सुदीप्ता सरकार
रुबेन शिबु देवानेसन
नोकजेंडी एस. अय्यर

अभिषद् सभा छात्रवृत्ति और पुरस्कार समिति (एसएसपीसी)

प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, संकायाध्यक्ष
छात्र गतिविधियाँ, पदेन अध्यक्ष

प्रो. मणीष कुमार, सह-संकायाध्यक्ष, छात्र उन्नयन
प्रो. श्रीराम काण्वा गुंडीमेडा

प्रो. जगमोहन त्यागी
प्रो. चेतन पहलजानी

अभिषद् सभा छात्र मामलों की समिति (एसएसएसी)

प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, संकायाध्यक्ष
छात्र गतिविधियाँ, पदेन अध्यक्ष
प्रो. बिस्वजीत मंडल, पदेन सदस्य
प्रो. हरमीत सिंह, पदेन सदस्य

प्रो. हरिणी सुब्रमणियन, पदेन सदस्य
प्रो. नवीन सिसोदिया, पदेन सदस्य
अमान अंसारी (बीटेक 2020)
अभिषेक मुंगेर (बीटेक 2020)

मोनिका जैन (एमएससी)
श्रेया शुक्ला (बीटेक 2020)

अभिषद् सभा पुस्तकालय समिति

प्रो. नितिन पट्टियार, अध्यक्ष
डॉ. टी. एस. कुम्बर

श्री निर्मल झा
प्रो. अनिर्बन दासगुप्ता

प्रियांशु सोराउत (एमएससी 2022)

शैक्षणिक अधिकारी

निदेशक

प्रो रजत मूना

शैक्षणिक मामले

प्रो नितिन जॉर्ज, संकायाध्यक्ष

शैक्षणिक मामले

प्रो नितिन जॉर्ज, संकायाध्यक्ष

शैक्षणिक मामले

प्रो समीर पटेल, सह- संकायाध्यक्ष

स्नातक अध्ययन

प्रो. मिथुन राधाकृष्ण

सह- संकायाध्यक्ष, स्नातकोत्तर अध्ययन

प्रो. वी. एन. प्रभाकर

सांस्थानिक लोकपाल

प्रो. कबीर जसूजा

संकाय प्रभारी, अंतर्राष्ट्रीय एवं अतिथि छात्र

प्रो. मनोज गुप्ता

संकाय प्रभारी, समय-सारणी

प्रो. रवि शास्त्री अय्यागिरी

संकाय प्रभारी, कक्षा एवं अतिथि द्वारा अल्पावधि पाठ्यक्रम

प्रो. सुपर्ब मिश्रा

संकाय प्रभारी, स्नातकोत्तर प्रवेश

प्रो. तरुण अग्रवाल

संकाय प्रभारी, स्नातकोत्तर सहायता

प्रो. शर्मिष्ठा मजूमदार

संकाय प्रभारी, पीएमआरएफ

प्रो. झूमा साहा

संकाय प्रभारी, राइटिंग स्टूडियो

प्रो. कार्ला पी. एम. शेखर

संकाय प्रभारी, वैज्ञानिक लेखन प्रमाणन

प्रो. रवि हेगड़े

संकाय प्रभारी, पीआरएल प्रोग्राम

प्रो. प्रदीप्ता घोष

संकाय प्रभारी, स्नातक प्रवेश

प्रो. जॉयसी मेकी, (प्राथमिक)

प्रो. अक्षा वाटवानी (द्वितीयक)

संकाय प्रभारी, स्नातक कार्य

प्रो. अर्का चट्टोपाध्याय

संकाय प्रभारी, स्नातक शोध

प्रो. मीरा एम. सनी

संकाय प्रभारी, प्रबंध माइनर

प्रो. रोहित कुमार मिश्रा

संकाय प्रभारी, गाइडेड प्रोग्रेस स्कीम और पीयर असिस्टेड

लर्निंग

परिसर विकास और प्रबंधन

प्रो. गौरव श्रीवास्तव

संकायाध्यक्ष, परिसर विकास

प्रो. अभय राज सिंह गौतम

सह- संकायाध्यक्ष, स्थान योजना

प्रो. नरन पिंडोरिया

सह- संकायाध्यक्ष, परिसर प्रबंधन

प्रो. के राघवन, अध्यक्ष

आवास आबंटन समिति (एचएसी)

प्रो. सी एन पांडे

अध्यक्ष, हरित परिसर समिति

श्री सचिन कुमार पटेल

अध्यक्ष, आवासीय प्रबंधन समिति (एचएमसी)

प्रो. उद्दीप्ता घोष

अध्यक्ष, पशु प्रबंधन समिति

प्रो. अतुल भार्गव

अध्यक्ष, शिशु देखभाल समिति

बाह्य संबंध

प्रो एसपी मेहरोत्रा

प्रभारी प्राध्यापक, बाह्य संपर्क

प्रो. अमित अरोड़ा

प्रो. प्रतीक मुथा

संकाय प्रभारी, शोध पार्क

प्रो. वेंकट मधुकांत वडाली

संकाय प्रभारी, बाह्य छात्रवृत्ति एवं उद्यमिता

श्री निर्मल झा

सलाहकार, शोध पार्क

प्रो. जैसन मंजली

संकाय प्रभारी, पूर्ववर्ती छात्र संबंध

संकाय मामले

प्रो. उर्जित ए याज्ञिक

संकाय प्रभारी, संकाय मामले

प्रो. जी. के. शर्मा

संकाय प्रभारी, संकाय मामले के सलाहकार

प्रो. दिलीप एस सुंदरम

सह- संकायाध्यक्ष, संकाय संबंध

प्रो. उदित भाटिया

सह- संकायाध्यक्ष, संकाय भर्ती

प्रो. हिमांशु शेखर

सह- संकायाध्यक्ष, संकाय आउटरीच एवं अध्यक्ष, संकाय

खोज समिति

सामान्य प्रशासन

प्रो हरीश पी एम

संकायाध्यक्ष, सामान्य प्रशासन

प्रो. अभिजीत मिश्रा

सह- संकायाध्यक्ष, सामान्य प्रशासन

प्रो. मयंक सिंह

संकाय प्रभारी, सूचना सेवा एवं तकनीकी सुविधाएँ
(आईएसटीएफ)

प्रो. समीर कुलकर्णी

संकाय प्रभारी, आईएमएस
 प्रो. सौम्यकांति खट्टुआ
 संकाय प्रभारी, केंद्रीय उपकरण सुविधाएँ (सीआईएफ)
 प्रो. लेज़्ज़ी लेजर
 अध्यक्ष, कर्मचारी विकास प्रकोष्ठ
 प्रो. पल्लवी भारद्वाज
 संकाय प्रभारी, आतिथ्य
 प्रो. प्रसन्ना वी बालसुब्रमणियन
 संकाय प्रभारी, चिकित्सा केंद्र
 प्रो. अभिजीत मिश्रा
 संकाय प्रभारी, खेल-कूद/क्रीड़ा
 प्रो. अर्णब साहा, अध्यक्ष
 संकाय प्रभारी, व्यावसायिक संस्था प्रबंधन समिति
 (सीईएमसी)
 प्रो. तान्या श्रीवास्तव
 अध्यक्ष, मीडिया एवं संचार समिति
 प्रो. श्रीहरिता रोवथु
 संकाय प्रभारी, न्यासा

सांस्थानिक उन्नति

प्रो. प्रतीक मुथा
 संकायाध्यक्ष, सांस्थानिक उन्नति
 प्रो. आशुतोष श्रीवास्तव
 सह- संकायाध्यक्ष , सांस्थानिक संलग्नता
 श्री निर्मल झा
 सलाहकार, सांस्थानिक उन्नति

अनुसंधान एवं विकास

प्रो. अमित प्रशांत
 संकायाध्यक्ष , अनुसंधान एवं विकास
 प्रो. कृष्ण कांति डे
 सह-संकायाध्यक्ष, बाह्य परियोजनाएँ
 प्रो. विनीत वशिष्ठ
 संकाय प्रभारी, अनुसंधान एवं विकास संचार
 प्रो. प्रत्युष दयाल (प्राथमिक)
 प्रो. उत्सव मन्नु (द्वितीयक)
 संकाय प्रभारी, आईआईटी जीएनएक्स
 प्रो. धीरज भाटिया
 संकाय प्रभारी, अनुदान सुविधा
 प्रो. सौम्यदीप सेट्टु (प्राथमिक)
 प्रो. राघवन रंगनाथन (द्वितीयक)
 संकाय प्रभारी, उद्योग संबंध

छात्र गतिविधियाँ

प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरन
 संकायाध्यक्ष, छात्र गतिविधियाँ
 प्रो. बिस्वजीत मंडल
 सह-संकायाध्यक्ष, छात्र कल्याण
 प्रो. मणीष कुमार
 सह- संकायाध्यक्ष, छात्र विकास

प्रो. कौस्तुभ राणे
 संकाय प्रभारी, व्यवसाय विकास सेवाएँ और नियोजन
 प्रो. धीमान बसु
 संकाय प्रभारी, प्रशिक्षुता
 प्रो. अभिषेक बिछावत
 संकाय प्रभारी, उच्चतर शिक्षा
 प्रो. हरमीत सिंह
 प्रो. हरिणी सुब्रमनियन
 प्रो. नवीन सिसोदिया
 वार्डन, छात्र कल्याण
 प्रो. भास्कर दत्ता (प्राथमिक)
 प्रो. नीलधरा मिश्रा (द्वितीयक)
 संकाय प्रभारी, परामर्श सेवा
 प्रो. सुब्रमनियन शंकरनारायणन
 समन्वयक, छात्र कल्याण उपक्रम
 प्रो. शर्मिता लाहिरी
 प्रो. उदित भाटिया
 प्रो. इति गुप्ता
 छात्रों के मध्य सम्पूर्ण साहचर्य एवं संबंध प्रबंधन से संबंधित
 समिति (CHARMS)
 प्रो. अतुल अभय दीक्षित
 संकाय प्रभारी, छात्र कार्यक्रम (तकनीकी एवं सांस्कृतिक)
 प्रो. निपुण बत्रा
 प्रो. योगेश कुमार मीणा
 संकाय प्रभारी, कोडिंग पहल
 प्रो. अभिन्या संपत
 संकाय प्रभारी, एलडीआई

केंद्र समन्वयक

पुरातत्व विज्ञान केंद्र
 प्रो. वी एन प्रभाकर, समन्वयक
 प्रो. शारदा सी वी, सह-समन्वयक
जैव-चिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र
 प्रो. उत्तमा लाहिड़ी, समन्वयक
 प्रो. कार्लो पी. मर्काडो-शेखर, सह-समन्वयक
संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान केंद्र
 प्रो. प्रतीक मुथा, समन्वयक
 प्रो. विनीत वशिष्ठ, सह-समन्वयक
डिजाइन और नवाचार केंद्र
 प्रो. मधु वडाली, समन्वयक
 प्रो. मानसी कानेतकर, सह-समन्वयक
संरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र
 प्रो. चिन्मय घोरोई, समन्वयक
 प्रो. गौरव श्रीवास्तव, सह-समन्वयक
डॉ. किरण सी पटेल सतत/संपोषित विकास केंद्र
 प्रो. सी. एन. पांडे, समन्वयक
 प्रो. विमल मिश्रा, सह-समन्वयक
रचनात्मक अध्ययन केंद्र
 प्रो. मनीष जैन, समन्वयक
 प्रो. बीरेश्वर दास, सह-समन्वयक

विभागाध्यक्ष

प्रो. शरद गुप्ता
जैव विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग
प्रो. समीर वी. दलवी
रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग
प्रो. वेंकट श्रीराम काण्वा गुंडिमेडा
रसायन विज्ञान विभाग
प्रो. प्रणब कुमार महापात्रा
सिविल अभियांत्रिकी विभाग
प्रो. समीर वी दलवी
संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान विभाग
प्रोफेसर अनिर्बान दासगुप्ता
संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग
प्रो. विक्रान्त जैन
पृथ्वी विज्ञान विभाग

प्रो. उत्तमा लाहिड़ी
विद्युत अभियांत्रिकी विभाग
प्रो. विक्रान्त जैन
मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग
प्रो. एमिला पांडा
पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग
प्रोफेसर इंद्रनाथ सेनगुप्ता
गणित विभाग
प्रो. अतुल भार्गव
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग
प्रो. विनोद चंद्र
भौतिकी विभाग

आंतरिक अभियोजन समिति

प्रो. अंबिका अयादुराई
अध्यक्ष

छात्र नेतृत्व

अमान अंसारी:
अभिषेक वी मुंगेकर:
हर्षवर्धन वाला:
भावेश जैन:
रुबेन शिबू देवनेसन:
मिहिर अग्रवाल:
अमन सामरिया:
धैर्य शाह:
गौरव महेंद्र:

संयोजक, छात्र अभिषद् सभा
महासचिव
कल्याण और सांस्कृतिक सचिव
संबंध और परियोजनाएं (IR&P)
शैक्षणिक सचिव
तकनीकी समन्वयक
खेल सचिव
सचिव, व्यावसायिक विकास परिषद (PDC)
मेस सचिव

प्रशासनिक अधिकारीगण

श्री पी. के. चोपड़ा
कुलसचिव
श्री राम बाबू भगत
संयुक्त कुलसचिव, स्थापना एवं प्रशासन और जनसूचना
अधिकारी
श्री एच. के. शर्मा
संयुक्त कुलसचिव, वित्त और लेखा और सहायक जनसूचना
अधिकारी
श्री बिपुल कुमार चौधरी,
उप-कुलसचिव, संकाय मामले
श्री पीयूष मजूमदार
सहायक कुलसचिव, छात्र मामले और सहायक जनसूचना
अधिकारी
सुश्री मीना जोशी
सहायक कुलसचिव, सामान्य प्रशासन और सहायक जनसूचना
अधिकारी

श्री प्रणव एस रोहित
सहायक कुलसचिव, सामान्य प्रशासन
श्री बीरेश चौबे
सहायक कुलसचिव, छात्र मामले-I एंड सहायक जनसूचना
अधिकारी
सुश्री इशानी एम सुतारिया
सहायक कुलसचिव, छात्र मामले-II
सुश्री नेहा शर्मा
सहायक कुलसचिव, अनुसंधान एवं विकास
श्री विकास कुमार
सहायक कुलसचिव, सामग्री प्रबंधन
श्री जितेश वी. के.
सहायक कुलसचिव, निदेशक के निजी सचिव
श्री विरल वाई. शाह
सहायक कुलसचिव, अकादमिक और सहायक जनसूचना
अधिकारी



आईआईटी गांधीनगर शैक्षणिक वर्ष 2024-25 से एकीकृत **परिपथ अभिकल्प एवं प्रौद्योगिकी इंटीग्रेटेड सर्किट डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी** (आईसीडीटी) में नए बीटेक और एमटेक प्रोग्राम प्रारंभ कर रहा है। इसके अतिरिक्त, हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के क्षेत्र में एमटेक और पीएचडी कार्यक्रमों की शुरुआत करके इस पाठ्यक्रम का विस्तार कर रहे हैं। इसके अलावा, संस्थान आगामी शैक्षणिक वर्ष में अंतरिक्ष उपयोग केंद्र {स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (एसएसी)} अहमदाबाद के साथ एक सहयोगात्मक पीएचडी कार्यक्रम शुरू कर रहा है।

शैक्षणिक

प्रदत्त कार्यक्रम

बीटेक

कृत्रिम बुद्धि | रासायनिक अभियांत्रिकी | सिविल अभियांत्रिकी | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | विद्युत अभियांत्रिकी | पदार्थ अभियांत्रिकी | यांत्रिक अभियांत्रिकी

एमएससी

रसायन विज्ञान | संज्ञानात्मक विज्ञान | गणित | भौतिकी

एमए

समाज एवं संस्कृति

एमटेक/ पीजीडीआईआईटी

जैविक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | रासायनिक अभियांत्रिकी | सिविल अभियांत्रिकी | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | भू प्रणाली विज्ञान | विद्युत अभियांत्रिकी | पदार्थ अभियांत्रिकी | यांत्रिक अभियांत्रिकी

पीएचडी

जैविक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | रासायनिक अभियांत्रिकी | रसायन विज्ञान | सिविल अभियांत्रिकी | संज्ञानात्मक एवं मस्तिष्क विज्ञान | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | भू विज्ञान | विद्युत अभियांत्रिकी | मानविकी एवं समाज विज्ञान | पदार्थ अभियांत्रिकी | गणित | यांत्रिक अभियांत्रिकी | भौतिक विज्ञान

डुअल मेजर बीटेक कार्यक्रम

- जिससे एक विद्यार्थी दो विषयों में उपाधि ग्रहण कर सकता है

बीटेक-एमटेक दोहरी उपाधि

- जिससे एक विद्यार्थी पांच वर्षों में बीटेक व एमटेक की दोनों उपाधियां ग्रहण कर सकता है

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 से, छात्रों को शैक्षणिक वर्ष 2023-24 से कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी और यांत्रिक अभियांत्रिकी के विषयों में सीधे जेईई (उन्नत) के माध्यम से बीटेक-एमटेक दोहरी डिग्री कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया है।

बीटेक-एमएससी दोहरी उपाधि

जिससे एक विद्यार्थी पांच वर्षों में बीटेक व एमएससी की दोनों उपाधियां ग्रहण कर सकता है

बीएससी (अभियांत्रिकी)

- तीन वर्ष का यह बीएससी कार्यक्रम एक तीन वर्ष की "निर्मग" उपाधि है तथा इस कार्यक्रम में अलग से प्रवेश नहीं दिया जाता है। बीएससी अभियांत्रिकी में कोई उप-विशेषज्ञता नहीं है।

अभ्यागत छात्र कार्यक्रम

एक छात्र जो भारत या विदेश में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय में डिग्री के लिए पंजीकृत है, और जो आधिकारिक तौर पर भा०प्रौ०सं०गां० में अपनी शैक्षणिक आवश्यकताओं का हिस्सा पूरा करने के लिए उस संस्थान या विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित है, वह अभ्यागत के रूप में भा०प्रौ०सं०गां० में प्रवेश के विद्यार्थी लिए आवेदन कर सकता है।

उपर्युक्त कार्यक्रमों के अलावा, ऊर्जा नीति और विनियमन (ईपीआर) और निर्णय लेने के लिए डेटा विज्ञान (डीएसडीएम) में ई-मास्टर्स डिग्री कार्यक्रम भी पेश किए जाते हैं।

e-Masters

 No GATE
required

 IITGN Alumni
Membership

 Flexible
Learning

 Placement
Support

ई-मास्टर्स

ई-मास्टर डिग्री कार्यक्रम: प्रौद्योगिकी परिदृश्य तेजी से विकसित होने के साथ, पेशेवरों के लिए निरंतर कौशल उन्नयन अनिवार्य है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, भा०प्रौ०सं०गां० ने एक ई-मास्टर्स डिग्री कार्यक्रम शुरू किया है, जो अभ्यास करने वाले पेशेवरों को विशिष्ट ज्ञान क्षेत्रों में विशेषज्ञता विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है, जिससे व्यक्तियों और कॉर्पोरेट संगठनों दोनों को लाभ होता है। इस कार्यक्रम में उम्मीदवार आमतौर पर थीसिस आवश्यकता के बिना, कोर्सवर्क के 48 क्रेडिट पूरे करते हैं। भा०प्रौ०सं०गां० ने निम्नलिखित कार्यक्रम शुरू किये हैं

- ऊर्जा नीति और विनियमन: यह कार्यक्रम व्यावहारिक अनुप्रयोग के साथ सैद्धांतिक ज्ञान को प्रभावी ढंग से मिश्रित करके ऊर्जा और बिजली क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कौशल विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। दो-वर्षीय पाठ्यक्रम के रूप में संरचित, यह एक लचीला, कार्यकारी-अनुकूल प्रारूप प्रदान करता है, जो नामांकित उम्मीदवारों को एक साथ अपनी कार्यप्रतिबद्धताओं का प्रबंधन करने में सक्षम बनाता है। कार्यक्रम में शाम और सप्ताहांत के दौरान लाइव इंटरैक्टिव सत्र शामिल हैं, जो रणनीतिक सीखने और चर्चाओं के लिए स्व-गति शिक्षण मॉड्यूल द्वारा यह पूरक हैं।
- निर्णय लेने के लिए डेटा विज्ञान: भा०प्रौ०सं०गां० द्वारा निर्णय लेने के लिए डेटा विज्ञान में ई-मास्टर्स (डीएसडीएम) कार्यक्रम डेटा विज्ञान शिक्षा में उद्योग के अधिकारियों और कामकाजी पेशेवरों को कौशल प्रदान करने और उनके डेटा विज्ञान कौशल को रणनीतिक निर्णय लेने में अनुवाद करने के अग्रणी प्रयास के रूप में कार्य करता है। पारंपरिक बाधाओं के विपरीत, जो अक्सर विशिष्ट विभागों तक शैक्षिक पेशकशों को सीमित करती हैं, भा०प्रौ०सं०गां० में डीएसडीएम में ई-मास्टर्स का पाठ्यक्रम समावेशी, अभिनव और व्यावहारिक है, जो विविध पृष्ठभूमि के चिकित्सकों के लिए उपयुक्त है। कार्यक्रम डेटा विज्ञान और इसके अनुप्रयोग के लिए एक व्यापक और बहु-विषयक दृष्टिकोण प्रदान करता है ताकि ठोस परिणाम प्राप्त हो सके। कठोर पाठ्यक्रम और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के माध्यम से, कार्यक्रम का लक्ष्य छात्रों को इस गतिशील परिदृश्य को नेविगेट करने के लिए आवश्यक उपकरण, कौशल और मानसिकता से लैस करना है। यह कार्यक्रम जनवरी 2024 में लॉन्च किया गया, कक्षाएं मई 2024 में शुरू होने वाली हैं।

फोकस स्कूल कार्यक्रम: कार्यक्रम मुख्य रूप से विभिन्न संस्थानों से स्नातक छात्रों की व्यावसायिक तैयारी को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है; इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन्हें नए और उभरते क्षेत्रों में प्रशिक्षित करना है। भा०प्रौ०सं०गां० ने 8 जनवरी, 2024 को सिविल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा प्रस्तावित जियोटेक्निकल इंफ्रास्ट्रक्चर डिजाइन (जीआईडी) में 14-सप्ताह का फोकस स्कूल शुरू किया, जो प्रतिभागियों को बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित वास्तविक जीवन की परियोजनाओं में शामिल होने के अवसर प्रदान करता है, जिसमें भू-तकनीकी डिजाइन पहलू पर विशेष जोर दिया जाता है।



12वाँ दीक्षांत समारोह

भा०प्रौ०सं०गां० ने 29 जुलाई, 2023 को कुल 456 छात्रों को डिग्री प्रदान करके अपने 12वें दीक्षांत समारोह की मेजबानी की। वैश्विक प्रौद्योगिकी समाधान कंपनी साईंट के संस्थापक अध्यक्ष और बोर्ड सदस्य डॉ बी वी आर मोहन रेड्डी इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर कैडिला फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा भा०प्रौ०सं०गां० अधिशासी मंडल के अध्यक्ष डॉ. राजीव मोदी भी उपस्थित थे। निदेशक प्राध्यापक रजत मूना ने वर्ष के दौरान संस्थान की गतिविधियों और उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण दिया। पहली बार, संस्थान ने 73 पीएचडी छात्रों, 43 एमटेक छात्रों, 1 बीटेक-एमटेक दोहरी डिग्री छात्र, 108 एमएससी छात्रों, 23 एमए, 8 पीजीडीआईआईटी छात्र, 3 बीटेक डुअल मेजर छात्र, 196 बीटेक छात्र और 1 बीएससी (अभियांत्रिकी) छात्रों को यूएसबी ड्राइव में सत्यापन योग्य और छेड़छाड़-प्रूफ डिजिटल डिग्री, मार्कशीट और पदक प्रमाण पत्र प्रदान किए। इसके अलावा, संस्थान ने इन डिजिटल डिग्रियों को छात्रों के डिजिटलॉकर में भी अपलोड कर दिया है। इस वर्ष, 48 छात्रों को विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्टता के लिए 58 पदक प्राप्त हुए, जिनमें 42 स्वर्ण पदक और 16 रजत पदक शामिल हैं। श्रेया सिंह को बीटेक के लिए राष्ट्रपति के स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया, एस अंकिता कुमारी जैन को एमटेक के लिए राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक मिला, और कौशिक खमारी को एमएससी और एमए के लिए राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक मिला। ईशा बयाद ने बीटेक के लिए निदेशक का स्वर्ण पदक जीता, एमटेक के लिए निदेशक का स्वर्ण पदक रिद्धि जौहरी को दिया गया, पीएचडी के लिए निदेशक का स्वर्ण पदक शांति स्वरूप महतो को प्रदान किया गया, और राम्या वारियर ने एमएससी और एमए के लिए निदेशक का स्वर्ण पदक जीता। पूरे कार्यक्रम को भा०प्रौ०सं०गां० के यूट्यूब पर भी ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया

विद्या-वाचस्पति उपाधि के प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक	नाम	उपाधि
16310003	चैत्रा	जैविक अभियांत्रिकी
17310023	अंजलि राजवर	जैविक अभियांत्रिकी
17310028	शेवाले दिपेश्वरी जनार्दन	जैविक अभियांत्रिकी
17310037	ऋचा रश्मि	जैविक अभियांत्रिकी
14210012	मोहम्मद उमैर इकबाल	रसायन अभियांत्रिकी
15310003	पाटील पराग शंकर	रसायन अभियांत्रिकी
15310032	नीतू वरुण	रसायन अभियांत्रिकी
17310007	पोथुकुछी नागा वैकटा राजेश पवन	रसायन अभियांत्रिकी
17310029	दीप्तिरंजन पाईतल	रसायन विज्ञान
17310036	दहिवदकर राहुल बंडोपंत	रसायन विज्ञान
18310051	अमन बाजपेई	रसायन विज्ञान
14210029	नंदिता जे. एस.	सिविल अभियांत्रिकी
15210014	कोल्लि मोहन कृष्ण	सिविल अभियांत्रिकी
15350006	साबू अनिरुद्ध सतीशकुमार	सिविल अभियांत्रिकी
18310014	चंद्रशेखर देवेन्द्र भगत	सिविल अभियांत्रिकी
14510017	जगिनी किशोर कुमार	संज्ञानात्मक विज्ञान
15510011	सोह्रम बंधोपाध्याय	संज्ञानात्मक विज्ञान

18310061	पंकज पांडे	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
16310006	पृथा चक्रवर्ती	भू - विज्ञान
17330001	ऋषितोष कुमार सिन्हा	भू - विज्ञान
17330004	अलका रानी	भू - विज्ञान
17330005	अमित पाण्डेय	भू - विज्ञान
17330013	हिमांशु सक्सेना	भू - विज्ञान
17330018	मिलन कुमार महला	भू - विज्ञान
17330021	पार्थ सारथी जेना	भू - विज्ञान
17330030	शिवानी बालियान	भू - विज्ञान
18310040	शान्ति स्वरूप महतो	भू - विज्ञान
11110001	आलोक अशोक गंगोपाध्याय	विद्युत अभियांत्रिकी
16310004	उपाध्याय पार्थ तरुण	विद्युत अभियांत्रिकी
17310043	सौम्यश्री सौम्यप्रकाश पण्डा	विद्युत अभियांत्रिकी
17350003	कुमारी नीरज कौशल	विद्युत अभियांत्रिकी
18210043	कृष्णा कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी
16310031	शिवानी शर्मा	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
16310033	सुसन्ना जी.	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
16310037	अंकिता नायर	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
18310046	जोशी स्वाति सतीश	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
15210043	प्रतीक गोयल	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
15210044	राकेश बेहेरा	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
16310025	रंजीत कुमार देहरी	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
13510011	शिवम धामा	गणित
16310042	आयुष जायसवाल	गणित
16510085	सुदीप पंडित	गणित
17310031	कमलेश साहा	गणित
17310033	प्रांजल श्रीवास्तव	गणित
18310028	ओम प्रकाश	गणित
18310041	शिवाजी	गणित
15210055	नक्का सूर्यासत्यासंजीवी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
16310040	आशीष कुमार शुक्ला	भौतिकी
16330008	अयान बिस्वास	भौतिकी
17330002	अभय कुमार	भौतिकी
17330003	अभिजीत कयाल	भौतिकी
17330006	अंकित कुमार	भौतिकी
17330007	अंशिका बंसल	भौतिकी
17330008	अरविंद के	भौतिकी
17330010	विश्वजीत मंडल	भौतिकी
17330011	दीपक कुमार	भौतिकी
17330014	हृदेश कुमार	भौतिकी
17330015	साबले ऋषिकेश शशिकांत	भौतिकी
17330016	कमलेश बोरा	भौतिकी
17330020	नीरज कुमारी	भौतिकी
17330022	प्रवीन कुमार नटवरिया	भौतिकी
17330024	रामानुज मित्र	भौतिकी
17330025	ऋतुपर्णा दास	भौतिकी
17330026	सना अहमद	भौतिकी
17330027	सारिका मिश्रा	भौतिकी
17330028	पाटील सत्यजीत जयवंत	भौतिकी
17330031	शोभन साहा	भौतिकी

17330033	सुदीप्त साउ	भौतिकी
17330034	सूरज साहू	भौतिकी
17330035	सुशांत दत्ता	भौतिकी
17330036	तन्मय कुमार पोद्दार	भौतिकी
17330039	विपिन कुमार	भौतिकी
17330040	नगैरंगबम विशाल सिंह	भौतिकी

एम. टेक. उपाधि प्राप्तकर्ता

जैविक अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक	नाम
20210013	राकेश ठाकुर
21210002	अदिति लक्ष्मी एस
21210019	पिसे प्रज्ञा विवेकानंद
21210026	सौरव भट्टाचार्य
21210030	श्रेयोशी दास
21210031	सुगंधा सिंह
21210039	मेकड्स बुबेट बेजब
21250008	मरी भानू प्रसाद

रसायन अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक	नाम
20250006	हर्षित शर्मा
16110088	मनजोत सिंह
21250002	अमिषा रस्तोगी
21250020	रूपान्तर चौधूरी
21250023	शाश्वत श्रीवास्तव
21250030	आकवरम विश्वास रेड्डी

सिविल अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक	नाम
20250010	एकता जायसवाल
16110045	दानिश मंसूर
21210035	वैदिका चौधरी
21210038	सन्देश त्रिपाठी
21250003	अमितेश सबुत
21250015	के नंदना दिलिप

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक	नाम
21210036	गविनी वेंकट साई कुमार
21250004	एस अंकिता कुमारी जैन
21250011	इरम नवाब
21250019	रिद्धि जोहरी
21250024	शोएब आलम

भू - विज्ञान

अनुक्रमांक	नाम
20210010	ओमकार
21210009	गिरिवेंद्र प्रताप यादव

विद्युत अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक	नाम
21210022	राहुल कुमार
21210037	मिट्टपल्लि यशवंत राम
21250001	आलोक प्रधान
21250007	आयुष श्रीवास्तव
21250021	साक्षी सवाई
21250026	सिद्देश पटनायक
21250031	यश वर्धन ओमर

पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक	नाम
20210012	राकेश चौबे
21210008	चितरंजन कुमार झा
21250022	सम्बित कुमार साहू

यांत्रिक अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक	नाम
20250042	तूरपाटि सुनीलकुमार
21210010	गौरव चक्रबोर्ती
21210041	बिकी कुमार साह कलवार
21250010	इप्सिता साहू
21250013	मधुस्मिता राय
21250027	शुभ्रजित चान्द

बीटेक-एमटेक उपाधि-द्वय प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक	नाम	उपाधि
18110166	सौरित्र गराई	रसायन अभियांत्रिकी में बीटेक और यांत्रिक अभियांत्रिकी में एमटेक

एमएससी उपाधि प्राप्तकर्ता

रसायन

अनुक्रमांक	नाम
20510021	आकाश पांडेय
20510031	जीवनज्योति दास
20510039	समन्वय दास
21510021	आक्षी गौतम
21510023	अदिति भार्गव
21510025	अमेय अशोक बाईत
21510030	अंकित धीमन
21510031	अंकिता राकेश जमने
21510036	आशु
21510038	अश्वनी शर्मा

21510043	चौहान चेतनसिंह केसरीसिंह
21510051	हिमाद्रि कोच
21510067	प्रधान नचिकेत किशोर सायली
21510069	नम्रता गोयल
21510070	नवीन कुमार
21510072	निखिल
21510073	निशा सिंगला
21510074	निशांक चौहान
21510076	पलक
21510087	राजेश कश्यप
21510090	रेणुका एल
21510095	सात्विक सुमन
21510096	सचिन कुमार
21510106	सुदीप्त पोडेल
21510115	तुषार गुप्ता
21570005	पटेल खंतिल प्रकाशभाई
21570008	प्रियश वर्मा

संज्ञानात्मक विज्ञान

अनुक्रमांक	नाम
20510001	आदिश्री अतुल दीक्षित
20510008	देवांगशु नंदी
17110034	बानोत विष्णु साई नायक
21510002	अशला सेल्वम ए
21510003	अन्नी घोष
21510004	गायत्री नारायण नेरपगार
21510005	गोपिका वेलायुधन
21510006	हितेश प्रधान
21510007	मालविका कृष्ण कुमार
21510008	मृगाल जितेंद्र चव्हाण
21510009	मुर्शिद हुसैन
21510011	राही महादेव भालेकर
21510012	रम्या वारियर
21510013	राशी
21510014	समर्पिता मल्लिक
21510015	शिवम चौधरी
21510017	स्मृति सैनी
21510018	कोट्टु श्रीसाई राकेश
21510019	सुसान अजित
21510020	वृद्धि जतिन रोहिरा

गणित

अनुक्रमांक	नाम
20510049	अमर चन्द मीणा
20510069	पारस निगम
20510072	राहुल कुमार मीना
21510026	अममोथ श्रीनिवास
21510029	अनिकेत चंद्रकांत वालेकर
21510032	अंकिता यादव
21510033	अनमोल चुग
21510034	डामेरा अरविंद प्रभाथ

21510035	अर्घा सरदार
21510037	आशू वर्मा
21510039	भुसारे बालाजी अशोक
21510044	देबांशु घोष
21510045	दुष्यंत कुमार थुरवाल
21510048	हर्षित सिंह चौहान
21510050	हेमंती साहा
21510052	हितेश कुमार
21510056	कौशिक खमारी
21510057	कीर्तिका
21510061	कुलदीप कुमार
21510071	नेहा यादव
21510081	प्रेरणा चांडक
21510083	पुलकित कुमार
21510086	चौहाण राज विनोदभाई
21510092	वज्रा रितु वालजी नीता
21510094	रोहित महरिया
21510097	सैकत मन्ना
21510099	सौरव
21510101	शुभो रॉय
21510104	श्रीकृष्ण दास
21510107	सुमन पाल
21510111	स्वागत दास
21510112	स्वर्णदीप बागची
21510119	देशपांडे विनय मिलिंद शुभदा
21510120	विश्वजीत
21570002	अरिजित पाल
21570009	राहुल
21570011	तुषार कर्मकार

भौतिकी

अनुक्रमांक	नाम
20510114	सुरभि जगदीश मेनन
21510040	भागचंद मीना
21510042	चंचल शर्मा
21510047	हंसराज सैनी
21510055	कौशिक कंसाबनिक
21510058	कौस्तुभ गुहा
21510059	कृष्णा थोरी
21510060	कुलदीप ज्याणी
21510066	मौसमी मित्रा
21510077	पार्थ लोकंडा
21510091	ऋषभ कुमार सिंह
21510093	रोहित धारिया
21510098	समृद्ध मजूमदार
21510103	सोहम आचार्य
21510105	सुभाशीष गुहा
21510110	सुशिल कुमार
21510113	तन्त्रू
21510121	जायभाये गोविंद योगेश

21510122	जैनुल खान
21510123	मनन शाह
21570003	आयुषी दिव्येशकुमार भट्ट
21570004	त्रिवेदी डेनिश नरेंद्रभाई
21570006	नीलाभो अधिकारी
21570007	निलाचौल चक्रबोर्ती

21520004	आही मेघा
21520006	अनिकेत गौतमराव लखपती
21520007	अर्जुन यादव
21520009	दर्शना जे वोरियर
21520010	दीक्षा गौतम
21520011	ई पी सरफरास
21520012	फुलमोनी मुंडा
21520014	जिडुगु काव्य हर्षिता
21520017	मितेश शिवराम सोलंकी
21520018	मोहम्मद आसिम
21520020	प्रेज़ी रेचल डेविड
21520021	प्रणति श्रीधर
21520023	ऋतुजा जगदीश गोगाणे
21520024	सफा फ़तिम
21520026	शीर्शा बारिक
21520027	श्रेया कपूर
21520028	तजमुल इस्लाम

कला में स्नातकोत्तर उपाधि के प्राप्तकर्ता

समाज और संस्कृति

अनुक्रमांक	नाम
20520003	अनीशा मोहंती
20520017	सागर सुधाकर
20520026	अंजली सिंह
21520001	आंचल शर्मा
21520002	अभिलाषा हज़ारिका
21520003	अफीफ अहमद

संस्थान के स्नातकोत्तर डिप्लोमा के प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक	नाम	उपाधि
17310004	चंदा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में संस्थान का स्नातकोत्तर डिप्लोमा
20310069	शुभम कुमार	सिविल अभियांत्रिकी में संस्थान का स्नातकोत्तर डिप्लोमा
20310071	सुस्मिता मण्डल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में संस्थान का स्नातकोत्तर डिप्लोमा
21310026	रजत कुमार बसक	विद्युत अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
21250016	प्रकाश कुमार	सिविल अभियांत्रिकी में संस्थान का स्नातकोत्तर डिप्लोमा
21310017	मैत्रेयी तिवारी	सिविल अभियांत्रिकी में संस्थान का स्नातकोत्तर डिप्लोमा
21210006	पुस्तोडे भ्रमर संजय	पदार्थ अभियांत्रिकी में संस्थान का स्नातकोत्तर डिप्लोमा
22410001	जरीवाला मेघावी केतन प्रीति	रसायन अभियांत्रिकी में संस्थान का स्नातकोत्तर डिप्लोमा

दोहरी प्रमुख बीटेक की डिग्री प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक	नाम	उपाधि
18110072	जयेश ज्ञानेश्वर साळुंखे	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक एवं संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110169	ताहा मोहम्मद सैयद	रसायन अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक एवं संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110180	खंडारे वैभव दिलीप	रसायन अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक एवं संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

प्रौद्योगिकी स्नातक की उपाधि प्राप्तकर्ता

रासायनिक अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक	नाम	उपाधि
18110019	अमित कुमार सुन्डा	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110043	डरेन आर	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110060	परमार हरिहर ज्ञानेश्वर	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110002	आदित्य शेखर सिन्हा	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110003	अखिलेश चौहान	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110004	अक्षय चौरसिया	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110006	अविनाश कुमार	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110007	मीतकुमार अल्पेशभाई बावरिया	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110008	बायड ईशा जयराज	यांत्रिक अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110010	दीपक पटेल	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110011	इंगले धनश्री संजय	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110013	माली दिग्विजय वैभव	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110014	गोहिल विश्वराज भावेश	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

19110016	हिरल शर्मा	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110018	मोनिता सैनी	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110019	मुड़े हर्षवर्धन नायक	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110021	पाहुनी जैन	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइजर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110022	पय्यावुला जगदीश	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110026	सेवलकर रोहित शशिकांत	प्रबंधन में माइजर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110027	साई यशवर्धन	प्रबंधन में माइजर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110029	सारांश राकेश चौधरी	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110030	शाह रेवंत नीरव	प्रबंधन में माइजर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110031	श्रेयांश चौरसिया	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110034	ताहिर नक्वाश	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110036	विशाल कुमार	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110044	चौधरी क्षितिज मनीष	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में माइजर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110066	श्रेयाश अग्रवाल	प्रबंधन में माइजर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110145	सी फहीम शानवास	प्रबंधन में माइजर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110154	पार्थ मदन	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

सिविल अभियंत्रिकी

अनुक्रमांक	नाम	उपाधि
18110150	इंगळे साहिल पुरुषोत्तम	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइजर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110023	पियूष जगरवाल	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110037	आकाश मीना	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110038	पटेल अगम जितेंद्र	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइजर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110039	आकाश मीना	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110040	अनुष्का नीति	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइजर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110041	आरुषी अर्णव	सिविल अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
19110042	अशोक कुमार	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110043	अश्वनी सुनील राय	सिविल अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
19110045	दीपेंद्र कुमार राजोरिया	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110047	दुधात्रा हर्ष प्रवीणकुमार	प्रबंधन में माइजर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110048	गुराला प्रियंका	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110049	हर्ष विनायक	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110050	हेमंत पूनिया	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110051	हिमांशु सिंघल	प्रबंधन में माइजर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110052	जेट्टी हेमसागर	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110053	केशव कुमार वर्मा	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110054	मनीष लक्ष्कार	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110055	पार्थ सचान	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइजर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110056	प्रशांत मालव	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110058	पटेल रावी विनोदकुमार	संघारणीय विकास में माइजर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110060	रितेश कुमार	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110061	रोहित गोयल	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110062	सचिन यादव	प्रबंधन में माइजर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110063	शाश्वत पाराशर	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110064	शाश्वत आर. जैन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइजर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110067	गोहाड स्नेहल ज्ञानेश्वर	प्रबंधन में माइजर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110068	उपासना पंकज	प्रबंधन में माइजर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110070	यावलकर अभिषेक गणपती	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइजर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110144	बिक्कुमल्ला ऋषिता	सिविल अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक	नाम	उपाधि
18110006	अभिनव सिंह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110094	लवप्रीत सिंह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110032	श्रेयाषी सिंह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110057	पुरोहित हर्षिल प्रवाल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

19110071	अभिज्ञान मार्टिन निनामा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110072	आदित्य शाक्य	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110074	आयुष आनंद	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110076	भूमिका मंडलोई	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110078	ब्रह्मादंडी देवेंदर	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110079	चौहान मिहिर हर्षदकुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110080	चेतन किशोर	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110081	दिव्यांशु मीणा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110082	ईशान रणधीर गुजराथी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
19110083	जी बी हर्ष वर्धन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110084	गिरियाम साई नरसिम्हा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110085	गुनुरु मनोज तारक रामाराव	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110086	हार्दिक माहुर	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110087	हितार्थ गांधी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
19110088	हृष्टि नायक	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
19110089	कनिष्क संजयकुमार सिंह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110090	लावटी शुभ सुनील	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110091	लिखिता बस्वानी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110092	महिका ओम जागृष्टे	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110093	मानस मूलपूरि	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110094	मेकला रिषिता रवि	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110095	नलामोलु जया सूर्या वम्सि	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110096	पारस जैन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110097	रामिरेड्डी लक्ष्मी नागेश्वरी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110098	रिथिक् एम	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110100	शांतनु साहू	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110101	श्रीधर सोमिनाथ पवार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110102	तलारी वेंकट सत्री	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110103	तुमाटि रोहित कुमार रेड्डी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110104	वी पी शिवसंकरन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
19110105	वरुण बराला	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110106	विरमगामी गौरव हितेशकुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
19110127	निपुण महाजन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
19110128	पारस गुप्ता	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110136	श्रेया सिंह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
19110184	कृष्णम हसीजा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110207	सोनी विशाल जयेश	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

विद्युत अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक	नाम	उपाधि
17110071	करिं रेवंत रत्ना किरिटी	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110025	ऋषभ गुप्ता	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइजर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110028	संचित मिश्र	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110035	वशिष्ठ गौतम प्रशांत	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइजर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110108	अचल कनोजिया	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइजर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110109	अजितेश जोशी	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110110	गवई अंजलि मिलिंद	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110111	अनुराग कुर्ले	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइजर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110112	आर्यमन तोमर	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110113	चेल्ली संतोष चंद	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110114	चितलपाटि श्रीविद्या	विद्युत अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
19110115	दीपक सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110116	देसाई आदेश केतन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइजर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110117	धीरज कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110118	इरांडी साईनीथ	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110120	हितेन फेरवानी	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

19110160	प्रथम पंचाल	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110165	सायन विश्वास	प्रबंधन और संचारणीय विकास में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110172	दुमर मीत धिरजलाल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110174	विश्वास जोशी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110175	आदर्श गोलाईत	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110176	अक्षता नायकू कोकणे	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110177	आनंद कुमार यादव	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110178	अनिकेत रजनीश	डिज़ाइन में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110179	आर्यन शाह	यांत्रिक अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी में स्नातक
19110180	दवे दीप कांत	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110181	गौरव शर्मा	प्रबंधन में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110182	मन्सुरी इन्शा सबरेजभाई	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110183	कनिश भगत	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110185	कृतिका कुमावत	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110186	मांडळिया हर्ष देवेद्रभाई	रोबोटिक्स में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110187	मानवेद्र सिंह सोनगरा	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110190	निकिता	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110192	पटेल विदेह प्रेरकभाई	रोबोटिक्स में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110193	पिन्टू कुमार मीना	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110194	इशान सुनील प्रयागी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110195	प्रीत संकेतभाई शाह	रोबोटिक्स में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110197	राहुल मीना	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110198	ऋषभ रोहिल	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110201	संस्कार अनिल नलकांडे	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110202	सवूदम साई सात्विक	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110203	शुभम वर्मा	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110205	स्नेहा शामराव सावले	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110208	सौरव यादव	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
19110209	तेजेंद्र पटेल	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

छात्र

भा0प्रौ0सं0गां0 में छात्रों का कार्यक्रम-वार सारांश

कार्यक्रम	31 मार्च 2024 तक छात्रों की संख्या
बीटेक	1050
बीटेक - एमटेक दोहरी डिग्री	82
ई-मास्टर्स	24
एमए	67
एमएससी	256
एमटेक	250
पीजीडीआईआईटी	10
पीएचडी	646
अभ्यागत स्टूडेंट्स प्रोग्राम-पीजी	1
अभ्यागत स्टूडेंट्स प्रोग्राम-यूजी	19
कुल	2405



लघु कार्यक्रम

भा०प्रौ०सं०गां० ने 2010 से छोटे पाठ्यक्रमों की पेशकश शुरू की है। ये सामान्य 10 से 12 घंटे की अवधि वाले 1-क्रेडिट पाठ्यक्रम हैं। संस्थान प्रति सेमेस्टर औसतन 8-9 पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो अब तक कुल 244 पाठ्यक्रम हैं। विशेष रूप से, संस्थान ने शैक्षणिक वर्ष अप्रैल 2023 - मार्च 2024 में 26 लघु पाठ्यक्रमों की पेशकश की है। इनमें इओटवोस विश्वविद्यालय, सामग्री भौतिकी विभाग, बुडापेस्ट, हंगरी के संकाय प्राध्यापक गैबोर रिबारिक द्वारा एक्स-रे विवर्तन प्रोफाइल से माइक्रोस्ट्रक्चर निर्धारण से लेकर अलबर्टा विश्वविद्यालय के एमेरिटस प्रोफेसर प्राध्यापक सिरिश एल शाह द्वारा डेटा एनालिटिक्स को प्रोसेस करने जैसे विविध पाठ्यक्रम शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों से विभिन्न विषयों और स्तरों के 350 से अधिक छात्र लाभान्वित हुए हैं। लघु पाठ्यक्रम संस्थान के सर्व-समावेशी दर्शन का प्रमाण हैं।

लघु पाठ्यक्रम निम्नलिखित की अनुमति देते हैं:

- क. वैश्विक स्तर पर पेशेवरों और शोधकर्ताओं के साथ सक्रिय जुड़ाव को बढ़ावा देता है और पाठ्यक्रमों के इनहाउस पोर्टफोलियो में विविधता लाता है
- ख. इसमें विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है जिन्हें पाठ्यक्रम में शामिल नहीं किया जा सकता है
- ग. सभी के लिए खुली पेशकशों के माध्यम से छात्रों के बीच अंतःविषय सोच को बढ़ावा देना

अप्रैल 2023 - मार्च 2024 के दौरान आयोजित किए गए लघु पाठ्यक्रमों की सूची इस प्रकार है:

- व्यावसायिक नैतिकता और जिम्मेदार नेतृत्व, डॉ. रामचन्द्रन वीतिकाजी, संयुक्त डॉक्टरेट धारक, भा०प्रौ०सं० मद्रास, अप्रैल 1-9, 2023
- प्रो जूयाना किम, सहायक शिक्षण प्रोफेसर, संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान, भा०प्रौ०सं०गां० द्वारा अभियांत्रिकी के लिए लेखन, 28 मार्च-12 अप्रैल, 2023
- अपना व्याकरण दुरुस्त करें: डॉ. मोनल के.देसाई, शिक्षण सहयोगी और आकांक्षा वर्मा, पीएचडी छात्रा, भा०प्रौ०सं०गां० द्वारा शुरूआती लोगों के लिए एक पाठ्यक्रम, 12-21 जून, 2023
- डॉ. मोनल के. देसाई, शिक्षण सहयोगी, भा०प्रौ०सं०गां० द्वारा वैज्ञानिक लेखन, 17-28 जुलाई, 2023
- प्रो पंकज खन्ना, सहायक प्राध्यापक, पृथ्वी विज्ञान, भा०प्रौ०सं०गां० द्वारा ड्रोन डेटा अधिग्रहण, प्रसंस्करण और व्याख्या, 10-14 अगस्त, 2023
- व्यावसायिक नैतिकता और जिम्मेदार नेतृत्व, डॉ. रामचंद्रन वीतिकाजी, संयुक्त डॉक्टरेट धारक, भा०प्रौ०सं० मद्रास, 18 अगस्त- 09 सितंबर, 2023
- वेब विकास का परिचय (श्रृंखला का भाग I) रुबेन देवनेसन, अनंथु जेपी, कनिष्क सिंघल, प्रोफेसर दास, पीएचडी छात्र, और प्राध्यापक शनमुगनाथन रमन, जिबाबेन पटेल चेर एसोसिएट प्राध्यापक, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी, 21-28 अगस्त, 2023
- मशीन लर्निंग का गणित (श्रृंखला का भाग I) द्वीप दलाल, प्रोफेसर दास, रुबेन देवनेसन, पीएचडी छात्र और प्राध्यापक अनिबर्न दासगुप्ता, एन रामाराव चेर प्राध्यापक, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं०गां०, 21-28 अगस्त, 2023
- प्रो गैबोर रिबारिक द्वारा एक्स-रे विवर्तन प्रोफाइल से माइक्रोस्ट्रक्चर निर्धारण, इओटवोस विश्वविद्यालय में संकाय, सामग्री भौतिकी विभाग, बुडापेस्ट, हंगरी, 21 अगस्त - 8 सितंबर, 2023
- प्रो राज छाबड़ा, प्रतिष्ठित प्राध्यापक, शिव नादर विश्वविद्यालय, इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस द्वारा इंजीनियरों के लिए अनुसंधान के तरीके और कौशल, 04 अक्टूबर - 03 नवंबर, 2023
- प्रो रवि एन बनावर, प्राध्यापक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, प्रो विनीत वशिष्ठ, एसोसिएट प्राध्यापक, मैकेनिकल अभियांत्रिकी, और प्रतीक प्रजापति, पीएचडी छात्र, भा०प्रौ०सं०गां० द्वारा क्वाड्रोटर मॉडलिंग और नियंत्रण, 16-19 अक्टूबर, 2023।
- रुबेन देवनेसन, कनिष्क सिंघल, अनंथु जेपी, पीएचडी छात्र, भा०प्रौ०सं०गां० द्वारा रिफ्लेक्ट जेएस (श्रृंखला का भाग II) का परिचय, 16 अक्टूबर-4 नवंबर, 2023
- प्रो काओ हाओ-त्सुंग द्वारा संवेदी ताइवान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान के ताइवानी संकाय, 30 अक्टूबर - 4 नवंबर, 2023
- प्रो पाउलो स्कैल्को, यूएफजी, ब्राजील में गोइआस राज्य की स्थानीय सरकार के विभाग, राजकोष में आर्थिक अध्ययन विभाग के प्रमुख द्वारा सामाजिक आर्थिक डेटा विश्लेषण का परिचय, 31 अक्टूबर - 11 नवंबर, 2023
- लचीले इलेक्ट्रॉनिक्स के बुनियादी सिद्धांत और अनुप्रयोग, डॉ. कल्याणी पात्रिकर, प्रारंभिक करियर फेलो, रसायन विज्ञान, भा०प्रौ०सं०गां०, 31 अक्टूबर - 8 नवंबर, 2023
- प्रो सिरिश एल शाह द्वारा प्रक्रिया डेटा विश्लेषण, अलबर्टा विश्वविद्यालय में एमेरिटस प्रोफेसर, 11-15 दिसंबर, 2023
- प्रो उर्जित याजनिक, अभ्यागत प्राध्यापक, भौतिकी, भा०प्रौ०सं०गां० द्वारा थर्मल क्वांटम क्षेत्र सिद्धांत का परिचय, 18 जनवरी-7 मार्च, 2024
- ईआईए (पर्यावरण प्रभाव आकलन) प्रक्रिया के माध्यम से पर्यावरण प्रशासन, प्रो सीएन पांडे, अभ्यास के प्राध्यापक, पृथ्वी विज्ञान, भा०प्रौ०सं०गां०, 03 - 12 फरवरी, 2024
- इटली के इस्टिटुटो इटालियनो डि टेक्नोलोजिया (भा०प्रौ०सं०) की पुनर्वास प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला के शोधकर्ता डॉ. गियासिंटो बैरिनी द्वारा मानव-रोबोट संपर्क में संज्ञानात्मक एगॉनॉमिक्स और न्यूरोएगॉनॉमिक्स, 06-15 फरवरी, 2024
- तकनीकी उद्योग के दिग्गज डॉ. सुबीर वर्मा द्वारा सुदृढीकरण सीखना, फरवरी 10-20, 2024
- स्वायत्त एजेंट और मानविकी: प्रौद्योगिकी और मानव समाज के अंतर्संबंध की खोज, डॉ. एंटोनियो फिलिप फोन्सेका, आईएससीटीई में सहायक प्राध्यापक और जटिलता विज्ञान शोधकर्ता, 12-15 फरवरी, 2024
- डॉ. मोनल के.देसाई और सुश्री रश्मी शाजू द्वारा प्रभावी संचार की नींव, टीचिंग एसोसिएट्स, भा०प्रौ०सं०गां०, फरवरी 14-24, 2024
- प्रो फ्रेडरिक कूलिज, मनोविज्ञान के प्राध्यापक, कोलोराडो विश्वविद्यालय, अमेरिका द्वारा नींद, सपने और सपनों की व्याख्या, 16-18 फरवरी, 2024
- विकासवादी न्यूरोसाइकोलॉजी: मानव मस्तिष्क का एक परिचय और यह कैसे विकसित हुआ, प्रो फ्रेडरिक कूलिज, मनोविज्ञान के प्राध्यापक, कोलोराडो विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका, 23-25 फरवरी, 2024
- यॉर्क यूनिवर्सिटी, टोरंटो, कनाडा में संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान के प्रो विनोद गोयल द्वारा मानव व्यवहार को समझना, 26 फरवरी- 01 मार्च, 2024
- क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के पूर्व सीईओ प्रो राजीव शौरी द्वारा कंप्यूटर नेटवर्क में विशेष विषय, 26 फरवरी-01 मार्च, 2024

विद्यार्थी संबंधी कार्य

नियुक्ति, प्रशिक्षता और उच्च अध्ययन 2023

कैंपस-नियुक्ति 2023

इस वर्ष करियर विकास सेवाओं ने लगभग 2000 संगठनों से संपर्क किया, जिसमें विगत वर्ष की तुलना में 358 से अधिक संगठनों की वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप, विगत वर्षों की तुलना में अधिकतम नियुक्ति संख्या सहित सभी दृष्टिकोणों से बेहतर आंकड़े सामने आए हैं। 71.15% विद्यार्थियों को कम से कम एक रोजगार प्रस्ताव सहित कुल 203 विद्यार्थियों को रोजगार प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। स्नातक वर्ग की तुलना में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों (एमटेक: 71% से 78% और एमएससी: 38% से 51%) की नियुक्ति में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई थी। विगत वर्ष के 92% की तुलना में 81% पंजीकृत विद्यार्थियों की नियुक्ति हुई थी।

इसके अतिरिक्त, पिछली नियुक्ति की तुलना में इस वर्ष वित्तीय पैकेजों में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है। इस वर्ष, स्नातक के औसत और मध्यम वेतन पैकेज में लगभग 25% की वृद्धि हुई है, जबकि समग्र औसत में 28% की वृद्धि हुई है। हमारे विद्यार्थियों को रोजगार का अवसर प्रदान करने वाले औद्योगिक क्षेत्रों में विगत वर्ष की अपेक्षा कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ है, केवल मुख्य क्षेत्रों पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया है। लगभग 68% रोजगार के प्रस्ताव निरंतर इन मुख्य क्षेत्रों से ही प्राप्त होते हैं, जबकि यह ट्रेंड मुख्य भूमिकाओं के लिए कई विद्यार्थियों के प्राथमिकता को दर्शाता है, अनौपचारिक चर्चा से ज्ञात होता है कि गौण क्षेत्र में अवसरों के संबंध में विद्यार्थियों में जागरूकता और तैयारी की कमी कारण भी ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है। निम्नलिखित संगठनों ने वर्ष 2023 में निवर्तमान बैच को कैंपस नियुक्ति हेतु प्रस्ताव दिया है :-

संगठनों के नाम:-

आकाश बाइजूस	फोर्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	रकुतेन
एक्सेचर	गेल	रिपलिंग
एक्सेचर जापान	जेमियम एलएलपी	एसएसीपीएल
अडानी ग्रुप	जीसीएमएमएफ लिमिटेड (अमूल)	सेल्स फोर्स
अडानी पीपीओ	जनरल एरोनॉटिक्स प्राइवेट लिमिटेड	सेडमैक मेकट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड
एडोब	शेविटन रिसर्च कैपिटल एलएलपी	सीमेंस
अमेज़ॉन	ग्रे ऑरेंज	सिंगुलरिटी डायनेमिक्स प्राइवेट लिमिटेड
एम्डॉक्स	जीएसटीएन	स्कान एआई
अमूल फेड डेयरी	एचसीएल टेक्नोलॉजी	स्मार्टसेंस कंसल्टिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
आर्सेलर मिचल निप्पन स्टील इंडिया लिमिटेड	एचडीएफसी	सॉल्व
एस्पेक्ट रिसियों	आईसीआईसीआई बैंक	स्पेक्ट्रम टेक्नो कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
एटलस क्रोपको गेसिया	आईसीयू मेडिकल इंडिया एलएलपी	स्प्रिंह
एक्सिस बैंक	इम्पेक्ट गुरु	एसआरएफ लिमिटेड
एक्सेल रिसर्च एंड एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड	इन्फोजन लैब्स प्राइवेट लिमिटेड	श्री चैतन्य एडुकेशनल इन्स्टीच्यूट
बनास डेयरी	इंटेक क्रिएटिव सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	स्ट्रैंड लाइफ साइंस
बार्कलेज़	जय केमिकल	स्वास्तिक क्लासेस
सेरेमोफिक	जेएसडब्ल्यू	सिसट्रा इंडिया
कोइन डीसीएक्स	एल एंड टी	टीसीएस
कोपिटीशन	लॉजिक फ्रूट टेक्नोलॉजी	टीसीएस रिसर्च एंड इनोवेशन
क्रेड	लॉरीन म्यूजिक एकेडमी प्राइवेट लिमिटेड	टेक्सस इन्स्ट्रुमेंट
डीई शॉ	मैथवर्क्स	द हाई टेक रोबोटिक सिस्टम्स लिमिटेड
डेसिमल पॉइंट एनालिटिक्स	मीडिया. नेट	थॉर्नटन टोमासेट्टी
दीपक फाउंडेशन	मोदी स्कूल	टाइमटूथ टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड
देवधर क्लासेस	नवी	ट्रेडिंग टेक्नोलॉजीज लिमिटेड
अर्थकिड्स ह्यूमनिटी फाउंडेशन	नाइक	ट्यूटोरियल प्वाइंट
एक्सएल सर्विस	एनएक्सपी सेमिकंडक्टर	विंकुलम सॉल्यूशंस
ईवाई	ओरेकल	जोमेटी
फिटजी	पसेंटिव एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड	
	पब्लिसी सेपियंट	

ग्रीष्मकालीन इंटरशिप 2023

वर्ष 2023 की ग्रीष्म ऋतु में, हमारे विद्यार्थियों ने 21 अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा आयोजित शैक्षणिक और औद्योगिक प्रशिक्षुता में भाग लिया है। चयनित समूह में से 31 विद्यार्थियों ने शैक्षणिक प्रशिक्षुता पूरी की, जबकि 6 ने विभिन्न उद्योगों में औद्योगिक प्रशिक्षुता पूरी की है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षुता के अवसरों का लाभ उठाने वाले विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है। तीसरे वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों की संख्या 118 से बढ़कर 131 हो गई, जबकि दूसरे वर्ष के 65 स्नातक विद्यार्थियों ने भाग लिया। कुल 67 संगठनों ने तीसरे वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों की मेजबानी की है, जबकि 30 संगठनों ने दूसरे वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों की मेजबानी की है।

विदेशी संस्थाएँ/संगठन

विद्यार्थी का नाम	विभाग	मेजबान संस्था/संगठन
अंतरराष्ट्रीय (संस्थान में प्रशिक्षुता)		
मोहम्मद यूसुफ हसन	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	कैलटेक
रीबेन शिबू देवानेसन	केमिकल इंजीनियरिंग	एमआईटीएसीएस
मोरे यश हिरैन	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	बर्गेन विश्वविद्यालय
सोमेश प्रताप सिंह	मकेनिकल इंजीनियरिंग	यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन, सीएटल
ए एम श्रीवाडसा	केमिकल इंजीनियरिंग	एरिजोना स्टेट विश्वविद्यालय
अमन अंसारी	मकेनिकल इंजीनियरिंग	यूएफजी, ब्राजील
करीना बेनीवाल	मकेनिकल इंजीनियरिंग	यूएफजी, ब्राजील
आनंद मुरलीधरन	मैटेरियल इंजीनियरिंग	मिचिगन स्टेट यूनिवर्सिटी
अनुज उज्ज्वल बुच	केमिकल इंजीनियरिंग	टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी
जायसवाल भुवेश ओमप्रकाश	सिविल इंजीनियरिंग	टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी
युवराज गुप्ता	सिविल इंजीनियरिंग	टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी
शाह नील	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी
दिव्या चिंचोले	मैटेरियल इंजीनियरिंग	टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी
शांतनु	केमिकल इंजीनियरिंग	पर्ड्यू यूनिवर्सिटी
यश अधिया	केमिकल इंजीनियरिंग	पर्ड्यू यूनिवर्सिटी
आशुतोष गोयल	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	पर्ड्यू यूनिवर्सिटी
पटेल कुश किरणकुमार	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	पर्ड्यू यूनिवर्सिटी
कदली हम्मिनी	सिविल इंजीनियरिंग	मियामी यूनिवर्सिटी
बहिरत अर्चित प्रशान्त	मैटेरियल इंजीनियरिंग	मियामी यूनिवर्सिटी
चव्हाण सागर भीकन	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	वाटरलू यूनिवर्सिटी
ध्रुव भावेश पारेख	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	कैलटेक
ध्येयकुमार थुम्मर	कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग	टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी
श्रेया शुक्ला	मैटेरियल इंजीनियरिंग	कैलटेक
द्वीप दिव्येश दलाल	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	यूबीसी
जिने ए दगली	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	ईपीएफएल
पटेल वृजेश	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	ईपीएफएल
माधव विक्रम कांडा	कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग	आल्टो यूनिवर्सिटी, फिनलैंड
वरद वी सरदेशपांडे	केमिकल इंजीनियरिंग	वाशिंगटन विश्वविद्यालय
व्यवहारे सौरभ नीलेश	मैटेरियल इंजीनियरिंग	वाशिंगटन विश्वविद्यालय
पटवर्धन सानिया अभय	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	वाशिंगटन विश्वविद्यालय
शांडिली वाजपेई	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	वाशिंगटन विश्वविद्यालय
अंतरराष्ट्रीय (उद्योग में प्रशिक्षुता)		
हितेश जैन	केमिकल इंजीनियरिंग	ग्रेनूलर.एआई
नीलांशी पटेल	केमिकल इंजीनियरिंग	रिसरको और रेसरपा प्राइवेट लिमिटेड
परमा के तेजस दिनेशभाई	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	काकर लैब्स
पीयूष धीरवनी	केमिकल इंजीनियरिंग	बीएनवाई मेलन
प्रीतम छिमपा	सिविल इंजीनियरिंग	पाटिबले.एआई
आयुष सिंह कुसवाहा	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	गल्फटाइम मीडिया एलएलसी

विद्यार्थियों के एक अन्य समूह ने भारत के विभिन्न प्रमुख संगठनों और संस्थानों में अपनी इंटरशिप की है :

भारतीय संगठन/संस्थान

राष्ट्रीय प्रशिक्षता (ग्रीष्मकालीन)

विद्यार्थी का नाम	विभाग	मेजबान संस्थाएँ/संगठन
रामोलिया हर्षित मनसुखभाई	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	जेनस्कर
अभाले महेश एकनाथ	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	स्पीह
अभिराज आर मोहन	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	टीसीएस आरएंडडी
अदिति अग्रवाल	केमिकल इंजीनियरिंग	थौसेंट्रिक
अरुण मणि	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	एचडीएफसी बैंक
हाइकू अशोक खंडोर	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	एचडीएफसी बैंक
हर्षवर्द्धन वाला	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	एचडीएफसी बैंक
अदिति डे	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	एचडीएफसी बैंक
विधनी आसमा आसिफ	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	एचडीएफसी बैंक
उत्कर्ष मिश्रा	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	एचडीएफसी बैंक
ऐश्वर्या उमर	सिविल इंजीनियरिंग	एचडीएफसी बैंक
अमन चौधरी	सिविल इंजीनियरिंग	टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज
अमन सामरिया	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	केंट्रिक्स
अरविंद कृष्ण	सिविल इंजीनियरिंग	सोल स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडर्स
आर्य प्रताप सिंह	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	सिटी बैंक
आर्यन गुप्ता	सामग्री इंजीनियरिंग	सिल्वर टच टेक्नोलॉजीज
बादल चौधरी	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स
बालू कार्तिक राम	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	इंजीनियरिंग सर्विसेज इंटरनेशनल
भावेश जैन	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	सेमुसी टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
भाविनी कोरथी	केमिकल इंजीनियरिंग	डेवेरेव
भुजबल आदित्य रामदास	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज
बोम्मिसेट्टी शिव साई	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	प्युमा
चौधरी आयुष	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज
छवि गौतम	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	वेड्सइन
चिराग सारडा	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	कारोस्टार्टअप
डैनियल गिफ्टसन ई	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	मैथवर्क्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
देसाई संदीप तेजा	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	सेरेमॉर्फिक टेक्नोलॉजीज
पराक्रम सिंह राठौड़	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	ओरेकल
गली सनी	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	ओरेकल
स्पर्श डावरा	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	ओरेकल
कुशाग्र जैन	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	ओरेकल इंडिया
धैर्य शाह	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	ओरेकल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
धीरज यादव	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	बैंक ऑफ न्यूयॉर्क मेलन
हेतवी पटेल	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	अमेज़न
लिपिका राजपाल	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	अमेज़न एडब्ल्यूएस
वानकर	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	अमेज़न, इंडिया
क्षीर सागर अग्रवाल	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	अमेज़न
शुद्ध बांठिया	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	अमेज़न
गौतम बीजू	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	अमेज़न
हर्षिता रामचंदानी	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	एक्सेचर
संकर्षण	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	सिटी (सीएसआईपीएल)
साक्षी जैन	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	सिटीबैंक (सीएसआईपीएल)
नवल जग्गी	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	सिटीबैंक
कमल किशोर वैष्णव	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	सिटी कॉर्प
सुहानी मित्तल	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	सिटी

हृषिकेश सी पी	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	सिटी कॉर्प
इंद्रजीत सिंह भुल्लर	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	मॉफेंडो टेक्नोलॉजीज
जॉय राजेश कुमार मकवाना	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	एटलसियन
कलश कांकरिया	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	स्ट्रैंड लाइफ विज्ञान
आर येशु धुरंधर	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	एसकेईएन. एआई
कनिष्क सिंघल	केमिकल इंजीनियरिंग	एसकेईएन. एआई
करण भारद्वाज	केमिकल इंजीनियरिंग	मैथववर्स
केविन	सिविल इंजीनियरिंग	ट्रेडिंग टेक्नोलॉजीज
माधव बिस्वाम	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	पूमा ग्रुप
मंडवेकर श्रीयश सुधाकर	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	यूएसटी ग्लोबल
मनीष कुमार जांगिड़	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	टीसीएस रिसर्च एंड इनोवेशन
मान कुमार जैन	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	श्रीराम जनरल इंश्योरेंस
मयूख रेड्डी	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	एटलसियन
मेधांशु सिंह	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	हिंदप्रकाश ऑर्गेनिक
नरला कार्तिकेय	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड
नायक साहिल प्रकाशकुमार	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	ऑरियस टेक सिस्टम्स
नेसार चिदम्बरम जोशी	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	कारोस्टार्टअप
ऋषभ जैन	केमिकल इंजीनियरिंग	कियोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
यश खंडेलवाल	केमिकल इंजीनियरिंग	एक्सिस बैंक
निधि भूषण उपासनी	सिविल इंजीनियरिंग	एक्सिस बैंक
नितेश मौर्य	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	टेक्सास इंस्ट्रुमेंट्स
रुचि चंडासमा	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	टेक्सास इंस्ट्रुमेंट्स
पटेल ध्रुव किरिटीभाई	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	एक्सेला रिसर्च एंड एनालिटिक्स
पविधर जैन	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	फेयरफैक्स एशिया
सात्विक राव	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	एटलसियन
राहुल विनोद चम्बकसेरिल	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	एटलसियन
प्रकृति	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	एटलसियन
संस्कार शर्मा	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	एटलसियन
प्रणव राठौड़	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	एमएक्यू सॉफ्टवेयर
प्रिया गुप्ता	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	मॉफेंडो टेक्नोलॉजीज
पुष्पेंद्र प्रताप सिंह	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	ट्रेडिंग टेक्नोलॉजीज
राहुल कुमार	केमिकल इंजीनियरिंग	जीयूवीएनएल
राहुल लालानी	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	स्केल एआई
राहुल आर पई	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	फोर्ड मोटर्स इंडिया लिमिटेड
राहुल राय	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	ट्रूमाइंड्स सॉफ्टवेयर सिस्टम्स
राहुल यादव	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	ओएनजीसी
राजेश कुमार	केमिकल इंजीनियरिंग	इंजीनियरिंग सर्विसेज इंटरनेशनल, रोबोटिक्स कंपनी
रिया बंसल	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	जेएसडब्ल्यू
रिया धंतोलिया	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर, डीआरडीओ
रोहन नाइका	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	मॉफेंडो टेक्नोलॉजीज
रौनक कालरा	केमिकल इंजीनियरिंग	जुबिलेंट इंग्रैविया लिमिटेड
नोकज़ेडी एस. आयर	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	डीई शॉ एंड कंपनी
साहिल प्रशांत अग्रवाल	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	डीई शॉ एंड कंपनी
सुकृता प्रकाश मिदिगेशी	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	डीई शॉ एंड कंपनी
एस श्री मनीष गौड़	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	पब्लिसिस सैपिपेंट
सचिन भारद्वाज	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	कैलोरिक्स ऑर्गनाइजेशन
सक्षम	सिविल इंजीनियरिंग	कॉर्पोरेट सेक्टर
समीक्षा कांबले	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	कॉर्न फेरी
शेजिना एम	सामग्री इंजीनियरिंग	एटीएससी
शिखर अग्रवाल	केमिकल इंजीनियरिंग	एक्सेला रिसर्च एंड एनालिटिक्स
श्रीजा राजेशकुमार अग्रवाल	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	ऑरेंजवुड लैब्स

तन्वी यादव	सिविल इंजीनियरिंग	वनअसिस्ट कंज्यूमर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
सिमरन	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	वनअसिस्ट कंज्यूमर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
सुकन्या सिद्धेश्वर मोरे	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	सेरमोफिक प्राइवेट लिमिटेड
सुमंतो दत्ता	सामग्री इंजीनियरिंग	एएमएनएस इंडिया
तल्ला ज्ञान सै	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	जेमोसो टेक्नोलॉजीज
तन्वी दीक्षित	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	टूमाइंड्स सॉफ्टवेयर सिस्टम
वरुण चांदवानी	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	थर्मैक्स लिमिटेड
वेंकट श्रीमन नारायण मल्ली	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	पब्लिसिस सैपिएंट
विकाश विश्वाई	रासायनिक इंजीनियरिंग	हिंदप्रकाश केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
वीरेंद्र सिंह	सिविल इंजीनियरिंग	फ्रेश बस
विशाल घोनिया	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	स्ट्रैड लाइफ साइंसेज
वुरुगोडा राजेश	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	ओप्लस (पूर्व में वनप्लस) इंडिया आरएंडडी सेटर
वाघ तन्मय मारुति	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	मॉफेंडो
यश संदीप कोकणे	सामग्री इंजीनियरिंग	टीसीएस रिसर्च
यशश्री	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	अल्टस प्राइवेट लिमिटेड

राष्ट्रीय (संस्थान में प्रशिक्षुता)

दीप समीर ठक्कर	केमिकल इंजीनियरिंग	भारतीय विज्ञान संस्थान
अभिनव कुमार	केमिकल इंजीनियरिंग	आईआईटी गांधीनगर
चौधरी तन्वी विजयभाई	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	आईआईटी गांधीनगर
उत्कर्ष मित्तल	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	आईआईटी गांधीनगर
कांक्षी कोमरे	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	आईआईटी गांधीनगर
शनमुखी गणेश साई	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	आईआईटी गांधीनगर
शिवकुमार	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	आईआईटी गांधीनगर
सोनु मीना	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	आईआईटी गांधीनगर
पटाडिया केवल संतोषकुमार	सामग्री इंजीनियरिंग	आईआईटी गांधीनगर
रेकनर चैतन्य राव	सामग्री इंजीनियरिंग	आईआईटी गांधीनगर
श्रेयश अग्रवाल	सामग्री इंजीनियरिंग	आईआईटी गांधीनगर
अमन राज	केमिकल इंजीनियरिंग	परियोजना एडमिन दाहोद
अनावर्त राहुलभाई पंड्या	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	अडानी रक्षा एवं अंतरिक्ष विज्ञान
आशुतोष चौधरी	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	इन्वेन्शन फैक्ट्री 2023
ईशा शिरीष कुलकर्णी	केमिकल इंजीनियरिंग	आईआईटी मद्रास
थेजस आर विनोद	केमिकल इंजीनियरिंग	आईआईटी कानपुर
रवि प्रकाश घोरजिया	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	आईआईटी कानपुर
ऋषभ पाटीदार	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	सिल्वर टच सल्यूशंस
तन्वी सनांदिया	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	आईआईटी गुवाहाटी

राष्ट्रीय प्रशिक्षुता (शरदकालीन)

विद्यार्थी का नाम	विभाग	मेजबान संस्थाएँ/संगठन
देवेन पाटिल	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	आईआईटी गांधीनगर
हिमांशु काटोलकर	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	आईआईटी गांधीनगर
अभिषेक मीना	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	आईआईटी गांधीनगर
आर्यन गुप्ता	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	आईआईटी गांधीनगर
अब्दुल कादिर रौनक	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	आईआईटी गांधीनगर
यश पाटिल	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	आईआईटी गांधीनगर
डबलू कुमार	केमिकल इंजीनियरिंग	ईस्ट कॉमर्स मार्केटप्लेस
प्रोज्ञान दास	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	टेन्सरलैब, कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
तन्मय वाघ	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	मॉफेंडो टेक्नोलॉजी
आर्यन दराद	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	आईआईएम अहमदाबाद
रुद्राश सर्वे	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	एल्सटॉम इंडिया
शांतनु शेम्बेकर	केमिकल इंजीनियरिंग	देवधर क्लासेस
शुभ अग्रवाल	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	गेमिफिकेशन कंपनी
शाह फैसल खान	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	असिस्टेंट.को
भावेश जैन	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	डेवरेव

2023 में विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले स्नातकों की श्रेणी

जुलाई, 2023 में स्नातक पूर्ण करने वाले 383 विद्यार्थियों में से 55 विद्यार्थियों ने आगे की पढ़ाई जारी रखना चाहा है। उनमें से 35 विद्यार्थियों की विदेश में शिक्षा प्राप्त करने की संभावना है, जबकि 20 विद्यार्थी राष्ट्रीय संस्थानों में नामांकन करवाना चाहते हैं। यह विगत वर्ष के आंकड़ों की तुलना में 10% की कमी को दर्शाता है, जबकि स्नातकोत्तर विद्यार्थी में 26% की महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। विद्यार्थियों से संबंधित विस्तृत विवरण नीचे दिए गए हैं:-

नाम	आईआईटी गांधीनगर में विभाग	कार्यक्रम	संस्थान	देश
बीटेक				
दुधात्र हर्ष प्रवीणकुमार	सिविल इंजीनियरिंग	पीएचडी	मियामी विश्वविद्यालय	यूएसए
निपुण महाजन	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	एमएस	जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान	यूएसए
तरुण शर्मा	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	एमएस	न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय	यूएसए
तेजेन्द्र पटेल	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	एमएस	पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय	यूएसए
संस्कार अनिल नालकंडे	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	एमएस	कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स	यूएसए
आर्यन शाह	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	एमएस	मिशिगन विश्वविद्यालय	यूएसए
हितार्थ गांधी	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	एमएस	कैलिफोर्निया इरविन विश्वविद्यालय	यूएसए
संजय वेंकटेश	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	एमएस	जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान	यूएसए
निनाद पार्थिव शाह	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	एमएस	एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी	यूएसए
देसाई आदेश केतन	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	एमएस	कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय	यूएसए
सागर पारिख	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	एमएस	कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी	यूएसए
इशिका पाठक	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	एमएस	कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी	यूएसए
अनिकेत रजनीश	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	एमएस	सेंट्रल फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी	यूएसए
पाहुनी जैन	केमिकल इंजीनियरिंग	पीएचडी	मिनेसोटा यूनिवर्सिटी, ट्रिन सिटीज	यूएसए
जूही अल्पेशकुमार पारिख	मैटेरियल इंजीनियरिंग	पीएचडी	मिनेसोटा यूनिवर्सिटी, ट्रिन सिटीज	यूएसए
अश्वनी सुनील राय	सिविल इंजीनियरिंग	पीएचडी	इलिनोइस यूनिवर्सिटी - अर्बाना-शैम्पेन	यूएसए
आरुषि अर्णव	सिविल इंजीनियरिंग	पीएचडी	इलिनोइस यूनिवर्सिटी - अर्बाना-शैम्पेन	यूएसए
सिद्धि प्रवीण सूरवर	मैटेरियल इंजीनियरिंग	एमएस	इलिनोइस यूनिवर्सिटी अर्बाना-शैम्पेन	यूएसए
वी पी शिवशंकरन	कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग	एमएस	स्टोनी ब्रुक यूनिवर्सिटी	यूएसए
बिबकुमल्ला ऋषिता	सिविल इंजीनियरिंग	पीएचडी	पर्ड्यू यूनिवर्सिटी	यूएसए
बयाद ईशा जयराज	केमिकल इंजीनियरिंग	पीएचडी	पर्ड्यू यूनिवर्सिटी	यूएसए
देसाई रुशिक जतिन	मैटेरियल इंजीनियरिंग	पीएचडी	पर्ड्यू यूनिवर्सिटी	यूएसए
बीटेक एमटेक दो डिग्रियाँ				
सौरित्रा गराई	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	पीएचडी	जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान	यूएसए
एमएससी				
स्मृति सैनी	संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान	पीएचडी	मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी	यूएसए
राम्या वारियर	संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान	एमएससी	ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय	यूके
अरिजीत पॉल	गणित	पीएचडी	कैनसस स्टेट यूनिवर्सिटी	यूएसए
स्वर्णदीप बागची	गणित	पीएचडी	विक्टोरिया विश्वविद्यालय	कनाडा
नवीन कुमार	रसायन विज्ञान	पीएचडी	लीपजिग विश्वविद्यालय	जर्मनी
सात्विक सुमन	रसायन विज्ञान	पीएचडी	बोस्टन विश्वविद्यालय	यूएसए
माणिक	भौतिकी	पीएचडी	जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय	यूएसए
देबांशु घोष	गणित	पीएचडी	रोचेस्टर विश्वविद्यालय	यूएसए
एमएएससी				
जिदुगु काव्या हर्षिता	मानविकी और समाज विज्ञान	पीएचडी	क्वीन्स यूनिवर्सिटी	कनाडा
एमटेक				
विश्वास रेड्डी अकावरम	केमिकल इंजीनियरिंग	पीएचडी	वर्जीनिया पॉलिटेक्निक और राज्य विश्वविद्यालय	यूएसए
दानिश मंसूर	सिविल इंजीनियरिंग	पीएचडी	नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी, बोस्टन	यूएसए
मेकडेस वुबेट बेज़ाभ	जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग	पीएचडी	यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना, चार्लोट	यूएसए

भारत में उच्च शिक्षा में अध्ययनरत वर्ष 2023 स्नातकों की श्रेणी

नाम	आईआईटी गांधीनगर में विभाग	कार्यक्रम	संस्थान	देश
बी.टेक				
सी फहीम शनावस	केमिकल इंजीनियरिंग	पीजीपी	आईआईएम लखनऊ	भारत
हेमन्त पूनिया	सिविल इंजीनियरिंग	एमटेक	आईआईटी गांधीनगर	भारत
साई शुभम्	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	पीएचडी	आईआईटी गांधीनगर	भारत
एमएससी				
कौस्तुभ गुहा	भौतिक विज्ञान	पीएचडी	आईआईएसईआर भोपाल	भारत
कौशिक कंगसाबानिक	भौतिक विज्ञान	पीएचडी	आईआईएसईआर कलकत्ता	भारत
पारस निगम	गणित	पीजीडीबीए	आईआईएम कलकत्ता	भारत
अरघा सरदार	गणित	एमटेक	भारतीय सांख्यिकी संस्थान कोलकाता	भारत
नीलाचल चक्रवर्ती	भौतिकी	पीएचडी	आईआईटी गांधीनगर	भारत
चेतनसिंह केसरीसिंह चौहान	रसायन विज्ञान	पीएचडी	आईआईटी गांधीनगर	भारत
सोहम आचार्य	भौतिकी	पीएचडी	आईआईटी गांधीनगर	भारत
विनय मिलिंद देशपांडे	गणित	पीएचडी	आईआईटी गांधीनगर	भारत
एमएससी				
आंचल शर्मा	मानविकी और समाज विज्ञान	पीएचडी	आईआईटी गांधीनगर	भारत
एमटेक				
भारतीय सांख्यिकी संस्थान कोलकाता	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	पीएचडी	आईआईटी दिल्ली	भारत
आईआईटी गांधीनगर	मैटेरियल इंजीनियरिंग	पीएचडी	आईआईटी गांधीनगर	भारत
आईआईटी गांधीनगर	सिविल इंजीनियरिंग	पीएचडी	आईआईटी गांधीनगर	भारत
आईआईटी गांधीनगर	केमिकल इंजीनियरिंग	पीएचडी	आईआईटी बॉम्बे	भारत
आईआईटी गांधीनगर	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	पीएचडी	आईआईएससी बंगलोर	भारत
गौरव चक्रवर्ती	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	पीएचडी	आईआईटी गांधीनगर	भारत
अदिति सतीश	जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग	पीएचडी	आईआईटी गांधीनगर	भारत
ओंकार	पृथ्वी विज्ञान	पीएचडी	आईआईटी गांधीनगर	भारत



छात्रवृत्ति

विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता

आईआईटी गांधीनगर का मानना है कि किसी भी विद्यार्थी की शैक्षणिक योग्यता में वित्तीय संकट बाधा नहीं बननी चाहिए। संस्थान के अत्यंत उदार वित्तीय सहायता और छात्रवृत्ति कार्यक्रम यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई भी विद्यार्थी अपनी वित्तीय स्थिति के कारण वंचित महसूस न करें। इस प्रकार संस्थान ने दाता छात्रवृत्ति, उत्कृष्टता छात्रवृत्ति, टीएमएल-एफएपी (टाला मोटर्स लिमिटेड वित्तीय सहायता कार्यक्रम), ट्यूशन शुल्क छूट आदि जैसे कई छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता प्रणाली का गठन किया है। उपरोक्त के अलावा, संस्थान वित्तीय अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है और योग्य विद्यार्थियों को ट्यूशन फीस, हॉस्टल और मेस फीस, किताबें, कंप्यूटर, पॉकेट खर्च, चिकित्सा आपात स्थिति (बीमा द्वारा कवर किए गए पहलुओं के अतिरिक्त), सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों, इंटरशिप और शैक्षिक दौरो आदि जैसे खर्च के लिए उनकी जरूरतों को पूर्ण करने हेतु ब्याज-मुक्त अल्प/दीर्घकालिक ऋण प्रदान करता है।

ब्याज रहित ऋण और अनुदान “विद्यार्थी हितकारी निधि” से प्रदान किया जाता है। दीर्घकालीन ऋणों के भुगतान तिथि को प्राप्तकर्ता विद्यार्थी की स्नातक तिथि से अधिकतम 36 महीने तक बढ़ायी जा सकती है। अल्पकालिक और दीर्घकालिक ऋण से भिन्न, वित्तीय अनुदान के रूप में प्राप्त सहायता को लाभार्थी विद्यार्थी द्वारा भुगतान जाना नहीं माना जाएगा।

विद्यार्थियों को प्रदत्त समग्र प्रशिक्षता और वित्तीय सहायता

क्र. सं.	प्रशिक्षता और वित्तीय सहायता के प्रकार	2023-24	
		लाभार्थियों की संख्या	प्रशिक्षता राशि (₹. में)
1	10 माह तक निःशुल्क शुरुआती भोजन एवं प्रतिमाह 250 रुपये की दर से जेब खर्च	117	48,08,700
2	डोनर प्रशिक्षता	94	1,02,55,000
3	उत्कृष्टता प्रशिक्षता	28	4,70,000
4	टीएमएल-एफएपी सहायता	17	10,59,954
5	ग्रीष्मकालीन टर्म सहित शिक्षण शुल्क में छूट	228	3,84,40,706
6	शिक्षण शुल्क में छूट	97	19,20,000
7	ब्याज रहित ऋण और अनुदान (विद्यार्थी हितकारी निधि से आईआईटी गांधीनगर हेतु प्रदत्त वित्तीय सहायता)	68	32,31,572
8	अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षता हेतु विद्यार्थियों को निधि प्रदान करना	19	10,29,000
9	अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षता हेतु विद्यार्थियों को ब्याज रहित ऋण	15	6,00,000
10	फार्मसन-आईआईटी गांधीनगर प्रशिक्षता कार्यक्रम से आईआईटी गांधीनगर के विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना	121	40,00,000
प्रशिक्षता एवं वित्तीय सहायता की कुल राशि		804	6,58,14,932

विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता

स्नातक के विद्यार्थियों के लिए वित्तीय सहायता

मंत्रालय के मानदंडों के अनुसार, यदि किसी विद्यार्थी के माता-पिता की आय एक लाख रुपये से कम है, तो उसे ट्यूशन फीस में पूरी तरह छूट मिलती है, जबकि 1 लाख से 5 लाख रुपये के बीच की आय वाले विद्यार्थियों को शुल्क में दो तिहाई छूट मिलती है। आईआईटी गांधीनगर उन विद्यार्थियों को अतिरिक्त रूप से एक तिहाई शिक्षण-शुल्क की प्रतिपूर्ति प्रदान करता है, जिनके माता-पिता की आय 1 लाख से 2.5 लाख रुपये के बीच है। इसलिए, उन्हें आईआईटी गांधीनगर में अपने ट्यूशन फीस में पूर्णतः छूट मिलती है। यह सहायता उन्हें विद्यार्थी हितकारी और कल्याण कोष या धर्मार्थ दाय में उत्कृष्टता निधि से प्रदान की जाती है।

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के दौरान कुल 61 बी. टेक के विद्यार्थियों को इस अतिरिक्त 1/3 ट्यूशन फीस की छूट प्राप्त हुई थी।

स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए वित्तीय सहायता

2.5 लाख रुपये तक की माता-पिता की आय वाले विद्यार्थियों को आईआईटी गांधीनगर में उनकी शिक्षा के लिए पूर्ण ट्यूशन फीस प्रतिपूर्ति प्रदान की जाती है। यह सहायता विद्यार्थी हितकारी और कल्याण कोष या बंदोबस्ती में उत्कृष्टता निधि से प्रदान की जाती है।

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के दौरान कुल 97 स्नातकोत्तर (एमटेक, एमएससी और एमए) विद्यार्थियों को पूर्ण ट्यूशन फीस में छूट प्राप्त हुई थी।

निःशुल्क बेसिक मेसिंग और पॉकेट भत्ता सहायता

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के सभी विद्यार्थी पूर्ण ट्यूशन फीस छूट का लाभ उठाते हैं। इसके अलावा, संस्थान माता-पिता की 4.5 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले अनुसूचित जाति /अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को 10 महीने के लिए निःशुल्क बेसिक मेसिंग और प्रति माह 250 रुपये पॉकेट भत्ता प्रदान करता है। यह सहायता बीटेक, एमएससी और एमए के अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।

शैक्षिक वर्ष 2023-24 के दौरान दस महीने के लिए कुल 85 स्नातक और 32 स्नातकोत्तर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के विद्यार्थी (जिनके माता-पिता की वार्षिक आय इस सहायता के लिए निर्धारित सीमा के भीतर थी) को निःशुल्क बेसिक मेसिंग और प्रति माह 250 रुपये पॉकेट भत्ते की सुविधा प्रदान की गई थी।

शिक्षाविदों में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

जयसवाल भुवेश ओमप्रकाश, अनुज उज्ज्वल बुच, प्रोग्यान दास, ध्रुव भावना पारेख, शान्दिली वाजपेयी और श्रेया शुक्ला बी.टेक 2020 बैच के शिक्षाविदों में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

टाटा लोकेश पवन, ट्रिंकल प्रेमजी देवदा, इस्हिका राज, रुद्र रवींद्र वेंगुरलेकर, मिथिल पेचीमुथु और आशुतोष कृष्ण अमरम बी.टेक 2021 बैच के शिक्षाविदों में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

गौरव बुधवानी, केशव बंसल, गुंटास सिंह सारण, वेंकट सत्य पावनी तिरुनागरी, अक्षत प्रताप सिंह और हर्ष दीपक कुमार जैन बी.टेक 2022 बैच के शिक्षाविदों में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

खेल और खेल में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

अकादमिक वर्ष 2023-24 के लिए अदित अतुल रामभिया, अमन समरिया, येरुकाला श्रीराम रघु, बुच अश्विनी शंकर, अंजना एस ए और कुशल भावना राठीड़ को खेल में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया था।

कला और संस्कृति में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

वरद वी सरदेशपांडे और आहिरे यश दिलीप को शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए कला और संस्कृति में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया था।

सामाजिक कार्य और नेतृत्व में उत्कृष्टता

रीबेन शिबू देवानेसन और विशाल घोनिया को शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए सामाजिक कार्य और नेतृत्व में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया था।

विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति

प्रो एम एच दिवेकर छात्रवृत्ति

प्रो. एम एच दिवेकर छात्रवृत्ति की शुरुआत वर्ष 2014 में हुई और यह केमिकल इंजीनियरिंग के तीसरे वर्ष के बी.टेक के विद्यार्थियों के लिए लागू है। इसमें छात्रवृत्ति राशि 40,000 रुपये है और यह तीसरे वर्ष के अंत में केमिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में उच्चतम ग्रेड प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को हर साल प्रदान की जाती है। अनुज उज्ज्वल बुच, बी.टेक, केमिकल इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-

24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

सत्यराम छात्रवृत्ति

सत्यराम छात्रवृत्ति वर्ष 2016 में शुरू की गई थी। कम से कम 6.5 के सीपीआई वाले विद्यार्थी और जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय 3 लाख रुपये से अधिक नहीं है, इस छात्रवृत्ति के लिए पात्र हैं। छात्रवृत्ति राशि प्रति विद्यार्थी प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और वर्ष 2023-24 में कुल 2 विद्यार्थियों को इससे सम्मानित किया गया था। प्राप्तकर्ता विद्यार्थी पात्रता मानदंड पूरा करने के आधार पर आईआई टीजीएन में अपने बी.टेक कार्यक्रम पूरा होने तक छात्रवृत्ति सहायता प्राप्त करते हैं। पुरस्कार विजेता से भविष्य में कम से कम एक जरूरतमंद आई आई टी गांधीनगर विद्यार्थी को आर्थिक रूप से मदद मिलने की उम्मीद है। आकाश कुशवाह और दोनों कुरवर साई कृष्ण, बी. टेक, सिविल इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

एराच और मेहरु मेहता मेरिट छात्रवृत्ति

एराच और मेहरु मेहता मेरिट छात्रवृत्ति की शुरुआत वर्ष 2019 में हुई थी और यह वर्ष 2019-20, वर्ष 2020-21 और वर्ष 2021-22 में आई आई टी गांधीनगर में भर्ती हुए बी.टेक के विद्यार्थियों के लिए लागू है। यह छात्रवृत्ति राशि प्रति विद्यार्थी 8 लाख रुपये की कुल छात्रवृत्ति राशि सहित चार साल की अवधि के लिए प्रति विद्यार्थी प्रति वर्ष 2 लाख रुपये है। छात्रवृत्ति आई आई टी गांधीनगर में बी.टेक कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले शीर्ष पांच विद्यार्थियों और 1000 या उससे बेहतर जेईई एडवांस रैंक धारण करने या किसी भी मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। हर साल संतोषजनक शैक्षणिक प्रगति के आधार पर छात्रवृत्ति का नवीनीकरण किया जाता है {8.5 का एसपीआई या 8.00 का न्यूनतम सीपीआई (कम से कम सामान्य शैक्षणिक भार और कोई असफल ग्रेड के साथ)} और यह किसी भी अनुशासनात्मक स्वीकृति के तहत नहीं है। धैर्य शाह, सात्विक राव, भावेश जैन, वेंकट श्रीमान नारायण मल्ली, कनिष्क सिंघल, गौरव जोशी, नमन धर्मानि, आर्य दर्द, पंडित कौशिक और सचिन जालान शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

वेगशक्ति महिला कल्याण संगठन (वीएमके) छात्रवृत्ति

वीएमकेएस छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में शुरू की गई थी और यह प्रथम वर्ष की महिला विद्यार्थियों के लिए लागू है। छात्रवृत्ति राशि प्रति विद्यार्थी प्रति वर्ष 1 लाख रुपये (वीएमके द्वारा समर्थित 75,000 रुपये और आई आई टी गांधीनगर द्वारा 25,000 रुपये) है और आई आई टी गांधीनगर की प्रथम वर्ष की बी.टेक की दो महिला विद्यार्थियों को उनके शैक्षिक खर्चों में सहायता के लिए प्रदान की जाती है। छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता प्रति वर्ष अपने स्नातक कार्यक्रम के दौरान चार वर्ष तक इस छात्रवृत्ति का लाभ प्राप्त करेंगे, बशर्ते कि वे छात्रवृत्ति के वार्षिक नवीनीकरण के लिए शैक्षणिक मानदंडों को पूरा करते हों। प्रिया गुप्ता, बीटेक, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और वीणा के, बी.टेक, सिविल इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

महावीर प्रसाद सुल्तानिया छात्रवृत्ति और दुर्गा देवी सुल्तानिया छात्रवृत्ति

इन छात्रवृत्तियों की शुरुआत वर्ष 2016 में की गई थी और ये सभी बी.टेक के विद्यार्थियों के लिए लागू हैं। छात्रवृत्ति राशि 1 लाख रुपये है और इसे प्रशिक्षुओं (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए हर साल प्रदान किया जाता है। प्रांजल गौर, बीटेक, कंप्यूटर साइंस एंड

कंडोई-डेयर की-गौरव विद्यार्थी वृत्ति

कंडोई-डेयर की-गौरव विद्यार्थी वृत्ति की शुरुआत आईआईटी गांधीनगर में अग्रणी बैच के तीन पूर्व विद्यार्थियों (बीटेक स्नातक 2012) द्वारा की गई थी। यह योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति दूसरे या तीसरे वर्ष के बीटेक विद्यार्थी (जो संस्थान की गैर-शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल और सर्वांगीण विकास की दिशा में आगे बढ़ते हैं) को प्रदान की जाती है। सभी स्रोतों से विद्यार्थी की सकल वार्षिक माता-पिता की आय प्रति वर्ष 8 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। विद्यार्थियों को कम से कम 6.0 का सीपीआई सुरक्षित होना चाहिए। छात्रवृत्ति राशि प्रति शैक्षणिक वर्ष 50,000 रुपये है। राहुल पांडेय, बीटेक, केमिकल इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

अमलथिया छात्रवृत्ति

अमलथिया छात्रवृत्ति वर्ष 2016 में शुरू की गई है और सभी बीटेक विद्यार्थियों के लिए लागू है। इंटरशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए विद्यार्थी वृत्ति राशि प्रति विद्यार्थी प्रति वर्ष 1 लाख रुपये तक है। श्रेयश अग्रवाल, श्रेया शुक्ला, नीलांशी पटेल, शैल्य पटेल, अमन राज, अनुराग जे विशाल और आदिति गर्ग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

निशा और विपिन जैन छात्रवृत्ति

निशा और विपिन जैन छात्रवृत्ति वर्ष 2021 में शुरू की गई और यह सभी बीटेक विद्यार्थियों के लिए लागू है। छात्रवृत्ति राशि प्रति विद्यार्थी प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और प्रशिक्षुओं (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए हर साल एक बीटेक विद्यार्थी को प्रदान की जाती है। कुशल भावेश राठौड़, बीटेक, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

आचार्य एककिराला भारद्वाज छात्रवृत्ति

आचार्य एककिराला भारद्वाज छात्रवृत्ति की शुरुआत वर्ष 2021 में की गई और यह सभी बीटेक विद्यार्थियों के लिए लागू है। छात्रवृत्ति राशि प्रति विद्यार्थी प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और प्रशिक्षुओं (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए हर साल एक बीटेक विद्यार्थी को प्रदान की जाती है। आदित्य मेहता, बीटेक, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

प्रो. बी एल झा मेमोरियल छात्रवृत्ति

प्रो. बी एल झा मेमोरियल छात्रवृत्ति की शुरुआत वर्ष 2022 में की गई और यह सभी बीटेक विद्यार्थियों के लिए लागू है। छात्रवृत्ति राशि प्रति विद्यार्थी प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और प्रशिक्षुओं (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए हर साल एक बीटेक विद्यार्थी को प्रदान की जाती है। पटवर्धन सनिया अभय, बीटेक, मैकेनिकल इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

सेवा छात्रवृत्ति

सेवा छात्रवृत्ति वर्ष 2022 में शुरू की गई और यह सभी बीटेक विद्यार्थियों के लिए लागू है। छात्रवृत्ति राशि प्रति विद्यार्थी प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और प्रशिक्षुओं (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए हर साल एक बीटेक विद्यार्थी को प्रदान की जाती है। पवन दीक्षित डोड्डा, बीटेक, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

लिए हर साल एक बीटेक विद्यार्थी को प्रदान की जाती है। पवन दीक्षित डोड्डा, बीटेक, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

श्रीमती मगन जैन छात्रवृत्ति

श्रीमती मगन जैन छात्रवृत्ति की शुरुआत वर्ष 2022 में की गई और यह सभी बीटेक विद्यार्थियों के लिए लागू है। छात्रवृत्ति राशि प्रति विद्यार्थी प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और प्रशिक्षुओं (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए हर साल एक बीटेक विद्यार्थी को प्रदान की जाती है। साक्षी जैन, बीटेक, केमिकल इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

आशा और चंद्रकांत नवरकर छात्रवृत्ति

आशा और चंद्रकांत नवरकर छात्रवृत्ति वर्ष 2022 में शुरू की गई और यह सभी बीटेक विद्यार्थियों के लिए लागू है। छात्रवृत्ति राशि प्रति विद्यार्थी प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और प्रशिक्षुओं (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए हर साल एक बीटेक विद्यार्थी को प्रदान की जाती है। नीलाश शर्मा, बीटेक, केमिकल इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

देविका और प्रशांत नादकर्णी छात्रवृत्ति

देविका और प्रशांत नादकर्णी छात्रवृत्ति वर्ष 2022 में शुरू की गई और यह सभी बीटेक विद्यार्थियों के लिए लागू है। छात्रवृत्ति राशि प्रति विद्यार्थी प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और प्रशिक्षुओं (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए हर साल एक बीटेक विद्यार्थी को प्रदान की जाती है। आदित्य मिथिलेश राय, बीटेक, मैटेरियल इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

नीलम फाउंडेशन छात्रवृत्ति

नीलम फाउंडेशन छात्रवृत्ति की शुरुआत वर्ष 2022 में की गई और यह सभी बीटेक विद्यार्थियों के लिए लागू है। छात्रवृत्ति राशि प्रति विद्यार्थी प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और प्रशिक्षुओं (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए हर साल एक बीटेक विद्यार्थी को प्रदान की जाती है। हृदय विराज रुपरेल, बीटेक, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

श्रीमती सीता और श्री कामेश्वर राव कोटेटी उत्कृष्टता छात्रवृत्ति

श्रीमती सीता और श्री कामेश्वर राव कोटेटी उत्कृष्टता छात्रवृत्ति की शुरुआत वर्ष 2022 में की गई। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और प्राप्तकर्ता महिला विद्यार्थी अपने बीटेक कार्यक्रम के पूरा होने तक छात्रवृत्ति सहायता प्राप्त करते हैं। सभी स्रोतों से महिला विद्यार्थी की माता-पिता की वार्षिक आय प्रति वर्ष 9 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए और बाद के वर्षों में छात्रवृत्ति जारी रखना न्यूनतम 7.0 सीपीआई प्राप्त करने के अधीन है। अकादमिक वर्ष 2023-24 के लिए लवण्य, बीटेक, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

एरच और मेहरु मेहता दक्शन मेमोरियल दक्शन छात्रवृत्ति

युग और मेहरु मेहता मेमोरियल दक्शन छात्रवृत्ति वर्ष 2022 में शुरू की गई थी और यह पांच विद्यार्थियों की सहायता के लिए है। छात्रवृत्ति का पुरस्कार उसकी प्रवेश की श्रेणी (खुली, सामान्य-

ईडब्ल्यूएस, ओबीसी- एनसीएल, एससी, एसटी) में विद्यार्थी के जीईई एडवांस रैंक पर आधारित होगा, और आई आई टी गांधीनगर विभिन्न प्रवेश श्रेणियों में पुरस्कार विजेताओं का एक समान वितरण करने का प्रयास करेगा। यदि दक्कन विद्वानों के समूह से पर्याप्त उम्मीदवार उपलब्ध नहीं हैं, तो अप्रयुक्त निधि का उपयोग स्पष्ट रूप से प्रदर्शित वित्तीय आवश्यकता वाले किसी भी पहले वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों की सहायता के लिए किया जाएगा। पन्नला नागा शेशु रेड्डी, बीटेक, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और नंदकिशोर कुमार पंडित, बीटेक, मैकेनिकल इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

नितिन पी संत छात्रवृत्ति

नितिन पी संत छात्रवृत्ति की शुरुआत वर्ष 2014 में की गई थी। सिविल इंजीनियरिंग या मैट्रियल इंजीनियरिंग के बीटेक विद्यार्थी, जो दूसरे वर्ष में हैं, न्यूनतम सीपीआई 6.5 और माता-पिता की अधिकतम आय 4.5 लाख रुपये सहित इस योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। छात्रवृत्ति राशि प्रति शैक्षणिक वर्ष 20,000 रुपये है। अमन चौधरी, बीटेक, सिविल इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

श्री टेमसेक@आईआईटी गांधीनगर छात्रवृत्ति

श्री टेमसेक@आईआईटी गांधीनगर छात्रवृत्ति की शुरुआत वर्ष 2016 में की गई थी। यह योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति हर साल एक स्नातक विद्यार्थी को प्रदान की जाती है (दूसरे, तीसरे और चौथे वर्ष के विद्यार्थियों के लिए लागू)। न्यूनतम 6.5 सीपीआई वाले विद्यार्थी और जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय 8 लाख रुपये से अधिक नहीं है, इस छात्रवृत्ति का लाभ उठाने के लिए पात्र हैं। छात्रवृत्ति राशि प्रति शैक्षणिक वर्ष 20,000 रुपये है। श्री अग्रवाल, बीटेक, केमिकल इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

सुशीला प्रभा और सतीश सिंगला छात्रवृत्ति

सुशीला प्रभा और सतीश सिंगला छात्रवृत्ति वर्ष 2023 में शुरू की गई है और यह सभी बीटेक विद्यार्थियों के लिए लागू है। इसका मुख्य उद्देश्य वित्तीय जरूरत, इंटरशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), या विशेष परियोजनाओं और अवसरों आदि की सहायता के लिए बीटेक विद्यार्थी को हर साल छात्रवृत्ति प्रदान करना है। इंटरशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायत के लिए छात्रवृत्ति की राशि प्रति विद्यार्थी 1 लाख रुपये है। सीपीआई कम से कम 6.5 होना चाहिए। भोसले शिवराजसिंह संदीप, बीटेक, केमिकल इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

श्री आनंदीलाल बुबना छात्रवृत्ति

श्री आनंदीलाल बुबना छात्रवृत्ति की शुरुआत वर्ष 2023 में की गई है और यह सभी बीटेक विद्यार्थियों के लिए लागू है। इंटरशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए छात्रवृत्ति की राशि प्रति विद्यार्थी 1 लाख रुपये है। सीपीआई कम से कम 6.5 होना चाहिए। अटल गुप्ता, बीटेक केमिकल इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

श्री जनार्दन तलदेवकर छात्रवृत्ति

श्री जनार्दन तलदेवकर छात्रवृत्ति वर्ष 2023 में शुरू की गई है और एलएलटी गांधीनगर के सभी बीटेक के विद्यार्थी के लिए लागू है।

इंटरशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू) विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए छात्रवृत्ति राशि प्रति विद्यार्थी 1 लाख रुपये है, सीपीआई कम से कम 6.5 होना चाहिए। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए बोमिसेट्टी सिव साई, बी.टेक, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

प्रो. जी वी राव छात्रवृत्ति

प्रोफेसर जी वी राव छात्रवृत्ति की शुरुआत वर्ष 2023 में की गई है और यह सभी बीटेक के विद्यार्थियों के लिए लागू है। इंटरशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए छात्रवृत्ति की राशि प्रति विद्यार्थी 1 लाख रुपये है, सीपीआई कम से कम 6.5 होना चाहिए। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए मदीनेनी दिव्या, बीटेक, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

प्रो. के.वी.वी. मूर्ति छात्रवृत्ति

प्रोफेसर के वी वी मूर्ति छात्रवृत्ति वर्ष 2023 में शुरू की गई है और यह इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के दूसरे साल के बीटेक के विद्यार्थियों के लिए लागू है। इसका मुख्य उद्देश्य वित्तीय जरूरत, इंटरशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू) या विशेष परियोजनाओं और अवसरों आदि की सहायता के लिए इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के दूसरे साल के बीटेक विद्यार्थी को हर साल छात्रवृत्ति प्रदान करना है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति विद्यार्थी 1 लाख रुपये है तथा सीपीआई कम से कम 6.5 होना चाहिए। तामिझनबन ए जी, बीटेक, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

प्रो डी वी पाई छात्रवृत्ति

प्रोफेसर डी वी पाई छात्रवृत्ति की शुरुआत वर्ष 2023 में की गई है और यह इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के द्वितीय वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों के लिए लागू है। इंटरशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए छात्रवृत्ति की राशि प्रति विद्यार्थी 1 लाख रुपये है तथा सीपीआई कम से कम 6.5 होना चाहिए। पराग सर्वोदय साहू, बीटेक, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

प्रो. रमेश गाँवकर छात्रवृत्ति

प्रो. रमेश गाँवकर छात्रवृत्ति की शुरुआत वर्ष 2023 में की गई थी और यह इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के द्वितीय वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों के लिए लागू है। इंटरशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए छात्रवृत्ति की राशि प्रति विद्यार्थी 1 लाख रुपये है तथा सीपीआई कम से कम 6.5 होना चाहिए। माही अग्रवाल, बीटेक, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।

डॉ. माया और डॉ. विश्वनाथ तिवारी छात्रवृत्ति

डॉ. माया और डॉ. विश्वनाथ तिवारी छात्रवृत्ति वर्ष 2023 में शुरू की गई और यह मेटेरियल इंजीनियरिंग की महिला स्नातक विद्यार्थियों के लिए लागू है। इसका मुख्य उद्देश्य वित्तीय जरूरतों, प्रशिक्षुओं (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), या विशेष परियोजनाओं और अवसरों आदि की सहायता के लिए हर साल एक छात्रवृत्ति प्रदान करना है। इंटरशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए छात्रवृत्ति राशि प्रति विद्यार्थी 1 लाख रुपये है तथा सीपीआई कम से कम 6.5 होना

चाहिए। दिव्य चिंचोल, बीटेक, मैटीरियल इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता है।

मालिनी विजय देसाई छात्रवृत्ति

मालिनी विजय देसाई छात्रवृत्ति वर्ष 2023 में शुरू की गई है और यह सभी स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए लागू है। इंटरनशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए छात्रवृत्ति राशि प्रति विद्यार्थी 1 लाख रुपये है तथा सीपीआई कम से कम 6.5 होना चाहिए और आईआईटी गांधीनगर में कम से कम संस्कृत पाठ्यक्रम में नामांकित या पूरा किया जाना चाहिए। थीजस आर विनोद, बीटेक, केमिकल इंजीनियरिंग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता है।

स्नातकोत्तर छात्रवृत्ति

अंजना और अनिल तारा चंद्र छात्रवृत्ति

अंजना और अनिल तारा चंद्र छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में शुरू की गई है और यह सभी स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों के लिए लागू है। छात्रवृत्ति राशि प्रति विद्यार्थी प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और यह प्रशिक्षुओं (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए हर साल एक स्नातकोत्तर विद्यार्थी को प्रदान की जाती है। क्षितिजा वसंत बोथिकर, समाज और संस्कृति में एमए शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता है।

ललिता और श्याम बिहारी छात्रवृत्ति

ललिता और श्याम बिहारी छात्रवृत्ति की शुरुआत वर्ष 2022 में की गई है। छात्रवृत्ति राशि प्रति विद्यार्थी प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और यह प्रशिक्षुओं (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए हर साल स्नातकोत्तर विद्यार्थी को दी जाती है। उदित कुमार, एमएससी, गणित शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता है।

राज किशोर छात्रवृत्ति

राज किशोर छात्रवृत्ति वर्ष 2022 में शुरू की गई है और यह सभी बीटेक और परास्नातक विद्यार्थियों के लिए लागू है। छात्रवृत्ति राशि प्रति विद्यार्थी प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और यह इंटरनशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि की सहायता के लिए हर साल बीटेक या मास्टर विद्यार्थी को प्रदान की जाती है। वसु पिपल, समाज और संस्कृति में एमए शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता है।

प्रोफेसर डीवी पीआई छात्रवृत्ति

प्रोफेसर डी वी पाई छात्रवृत्ति वर्ष 2018 में शुरू की गई है और यह गणित में एमएससी कार्यक्रम के सभी दूसरे वर्ष के ऐसे विद्यार्थियों के लिए लागू है, जिनके माता-पिता की सकल वार्षिक आय प्रति वर्ष 8 लाख रुपये से अधिक नहीं है और न्यूनतम सीपीआई 7.0 है। छात्रवृत्ति राशि प्रति शैक्षणिक वर्ष 25,000 रुपये है। इसके अलावा, प्राप्तकर्ता विद्यार्थी द्वारा किए गए वास्तविक व्यय के सापेक्ष कुल 5,000 रुपये तक के पुस्तक अनुदान का दावा किया जा सकता है। अविनाश पांडे, एमएससी, गणित शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता है।

फार्मसन-आई आई टी गांधीनगर छात्रवृत्ति से वित्तीय सहायता

आईआईटी गांधीनगर ने फलक्रम के सहयोग से फार्मसन-आई आई टी गांधीनगर छात्रवृत्ति की शुरू की है और इसके लिए प्रतिबद्ध निधि के के विधानी फाउंडेशन से प्राप्त हुई है। यह छात्रवृत्ति आईआईटी गांधीनगर में आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों को ट्यूशन फीस, छात्रावास और मेस शुल्क सहित आवास लागत और ऑनलाइन शिक्षा के लिए आवश्यक गैजेट्स और पुस्तकों और स्टेशनरी जैसी अन्य शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। के के विधानी फाउंडेशन से कुल 121 छात्रों को छात्रवृत्ति के रूप में वित्तीय सहायता मिली है।





अनुसंधान एवं विकास

प्रकाशन

अप्रैल, 2023 से मार्च, 2024 के दौरान किए गए अनुसंधान संबंधी प्रकाशनों की संख्या :

कागजात/दस्तावेज	अनुसंधान संबंधी प्रकाशनों की संख्या
पुस्तक के अध्याय	37
पुस्तकें	8
संपादित पुस्तकें	7
ई-प्रिन्ट अभिलेखागार	146
पत्रिका के लेख	592
पत्रिका/समाचार-पत्र/लेख/लघु कथा	9
सम्मेलन में प्रस्तुत कागजात	235
प्रस्तुत पोस्टर	35
समीक्षा	9
अन्य	13
कुल	1091

प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं

वर्ष 2023-24 के दौरान स्वीकृत परियोजनाएं :-

- स्वायत्त लक्षित औषधि - वितरण वाहक के रूप में बायोएक्टिव माइक्रोबबल्स, (एमएचआरडी)। मुख्य अन्वेषक: **प्रोफेसर कृष्ण कांति दे, भौतिकी**
- द्वि-आयामी धातु-कार्बनिक ढाँचों में सब-एनएम चैनलों के माध्यम से अयन ट्रांसपोर्ट परसरणी ऊर्जा संचयन की जांच (आईएनएई)। मुख्य अन्वेषक: **प्रोफेसर गोपीनाथन कालोन, भौतिकी**
- सामूहिक ऊर्जा विक्षेप के तहत मापन आधारित चरण संक्रांति/संक्रमण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो प्रसन्ना वी बालासुब्रमण्यन, भौतिकी**
- हाल ही में किए गए कोलाइडर में सुंदर स्वाद भौतिकी, (एसईआरबी)। मुख्य अन्वेषक: **प्रोफेसर रुसा मंडल, भौतिकी**
- कैविटी आधारित स्कैमजेट कंबुस्टर, (डीआरडीओ) में मिश्रण और दहन, मुख्य अन्वेषक: **प्रो विनोद नारायणन, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- सीमांत क्षेत्रों (डीआरडीओ) में मानवरहित परियल-निगरानी एप्लिकेशन के लिए एक नॉवेल कॉम्पैक्ट, हल्के वजन के 10 केडब्ल्यूई ईंधन सेल आधारित पावर पैक प्लेटफॉर्म का प्रदर्शन। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. अतुल भागवत, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- युवा और बुजुर्ग स्वस्थ व्यक्तियों में शांत मुद्रा के नियंत्रण में सीएनएस द्वारा नियोजित आंतराधिक रणनीति की प्रायोगिक जांच (डीएसटी)। मुख्य अन्वेषक: **प्रोफेसर हरीश पी एम, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- सीखने पर आधारित नियंत्रक, जो पर्यावरण के साथ

अस्थिर रोबोट-एंड-पॉइंट इंटरैक्शन को स्थिर करता है: एल्गोरिदम विकास और हार्डवेयर सत्यापन (एसईआरबी)। मुख्य अन्वेषक: **प्रोफेसर हरीश पी एम, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**

- इंटीग्रेटेड स्लिप डिटेक्शन के साथ एक फोर्स-सेंसिटिव रोबोटिक ग्रिपर, प्रधान अन्वेषक: **प्रो. हरीश पी एम, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- टेक्सटाइल-आधारित सॉफ्ट लेग एक्सोसुइट, (डीआरडीओ) का उपयोग करके मानव कार्य प्रदर्शन में वृद्धि। प्रधान अन्वेषक : **प्रो विनीत वशिष्ठ, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- केबल संचालित रोबोटिक एक्सोस्केलेटन का उपयोग कर विकलांग व्यक्तियों की सहायता के लिए मांसपेशी गतिविधि-आधारित नियंत्रण रणनीति। प्रधान अन्वेषक: **प्रो विनीत वशिष्ठ, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- धातु-आधारित प्रशीतित और जेल्ड कम्पोजिट प्रोपैलेंट, (एसईआरबी) के प्रणोदक निष्पादन का अभिकलनात्मक अध्ययन। प्रधान अन्वेषक: **प्रो दिलीप श्रीनिवास सुंदरम, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- तापीय विलवणीकरण प्रक्रियाओं (बीआरएन) हेतु वाष्प संघनन की जांच करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो सौम्यदीप सेट, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- एलास्टिक रॉड्स (एसईआरबी) में स्थानीय और वैश्विक संपर्क की समस्याएं। प्रधान अन्वेषक : **प्रो हरमीत सिंह, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- एफाइन मोनोमियल कर्व (एसईआरबी) का परिलक्षित क्लोजर। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. इंद्रनाथ सेनगुप्ता, गणित**
- बीजगणितीय सुपरज्यामिति (एसईआरबी) में भजनफल, प्रधान अन्वेषक: **प्रो. संजय कुमार हंसराज अमृतिया, गणित**
- मार्कोव प्रक्रियाओं (एसईआरबी) को स्विच करने के लिए मल्टीस्केल विश्लेषण, प्रधान अन्वेषक : **प्रो. चेतन डी पहलजानी, गणित**

- बायोमेडिकल अनुप्रयोगों (एप्लिकेशनों) (डीआरडीओ) के लिए 3डी प्रिंटेड टीआई-6एल-4वी इंप्लॉट पर स्वदेशी कोटिंग का विकास। प्रधान अन्वेषक: **प्रो एमिला पांडा, मैटेरियल इंजीनियरिंग**
- सोशल ऐक्शन, पॉलिसी लैब और यूनिसेफ साझेदारी 2023-25, (यूनीसेफ)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. जैसन ए मंजली, मानविकी और सामाजिक विज्ञान**
- कच्छ के ग्रेट-रण का परिदृश्य और विवर्तनिक विकास: मानव निपटान और संसाधनों (एमओ ईएस) पर अल्पकालिक (होलोसीन) और दीर्घकालिक (50-100) प्रभाव। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. वी. एन. प्रभाकर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान**
- वडनगर ग्लास और समुद्री नेटवर्क (जीएसए) में इसकी भूमिका। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. आलोक कुमार कानूनगो, मानविकी और सामाजिक विज्ञान**
- एज एप्लिकेशन (एमईआईटीवाई) के लिए मेमोरी-आधारित एआई त्वरक चिप में सुरक्षित और ऊर्जा कुशल मिश्रित डोमेन कंप्यूट। प्रधान अन्वेषक: **प्रो जांयसी एम मेकी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- भारतीय एफासिया बैटरी (आईएबी), (डीबीटी) का विस्तार और डिजिटलीकरण। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. उत्तमा लाहिड़ी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- डीएसटी पीएसी मीटिंग (इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स), (डीएसटी) प्रधान अन्वेषक : **प्रो. विक्रान्त जैन, पृथ्वी विज्ञान**
- एकीकृत महासागर ड्रिलिंग कार्यक्रम, अभियान 389 (एनसीपीओआर)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. पंकज खन्ना, पृथ्वी विज्ञान**
- उच्च दाब-तापमान व्यवहार (एमजी, एफई) 2जीईओ4: गहरे बहिर्ग्रह आंतरिक इलाकों (एसईआरबी) के सिलिकेट के लिए एनालॉग। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. राजकृष्ण दत्ता, पृथ्वी**

विज्ञान

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (टीएआरई), (एसईआरबी) के दृष्टिकोण से नॉनलाइनर डायनेमिक्स अध्ययन। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अनिर्बान दासगुप्ता, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- सक्रिय हवा: वायु गुणवत्ता स्टेशन प्रस्तरणहेतु सक्रिय ज्ञान (लर्निंग) (जीयूजेसीओएसटी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. निपुण बत्रा, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- प्रयोक्ता डेटा (एसईआरबी) की गोपनीयता को समझना और सुनिश्चित करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अभिषेक बिछावत, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- गुप मैसेजिंग प्रोटोकॉल (सीईएफआईपीआर) के सुरक्षात्मक गुणों की पुष्टि करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अभिषेक बिछावत, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- हाइड्रोलॉजिक-हाइड्रो डायनेमिक और सांख्यिकीय डायनेमिकल एप्रोच (आईआईटीएम) का उपयोग करके ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन के लिए एक वास्तविक समय में 2डी बाढ़ पूर्वानुमान प्रणाली। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विमल मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग**
- टॉर्सिनल ग्रांड मोशन के कारण सांयोगिक उत्केन्द्रता-डिजाइन सिफारिशों को समझना और विकसित करना, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. धीमान बसु, सिविल इंजीनियरिंग**
- अदम्यतन ब्रिज (सीएसआईआर) के साथ 3-डी पॉर्फिन सरणी से युक्त जल घुलनशील स्थायी फोटो-उत्प्रेरक का संश्लेषण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. इति गुप्ता गुप्ता, रसायन शास्त्र**
- अमोनिया और तरल अपशिष्ट प्रबंधन (गुजकोस्ट) के उत्सर्जन हेतु मूत्र-उपचार प्रणाली का विकास। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. भास्कर दत्ता, रसायन शास्त्र**
- निवारक दृष्टिकोण और सिलिकोसिस (एसईआरबी) का शीघ्र पता लगाने के लिए एक स्मार्ट ड्राई द्वारा जी-क्वाड्रपलेक्स को मान्यता देना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. भास्कर दत्ता, रसायन शास्त्र**
- बायोमैडिकल एप्लिकेशनों (एसईआरबी) के लिए आकार-स्मृति बहुलक मिश्रण और कंपोजिट के चरण व्यवहार की सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक जांच। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. प्रवृष दयाल, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- सूची सहायता प्राप्त प्रोटीन शुद्धिकरण, (एसईआरबी) के माध्यम से मांग पर जैव-विनिर्माण के लिए माइक्रोफ्लूइडिक प्लेटफॉर्म का विकास। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. कार्तिक पी. सुब्रमण्यम, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- पानी में भारी धातु आयनों को प्रभावी ढंग से हटाने के लिए इंजीनियरिंग नेक्स्ट-जेनरेशन बायोपॉलिमर: एक प्रोटीन इंजीनियरिंग दृष्टिकोण, (डीबीटी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. कार्तिक पी. सुब्रमण्यम, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- मेथनॉल आक्सीकरण से एच₂ उत्पादन हेतु ए-आधारित नैनोकैटलिस्ट (नैनोउत्प्रेरक): स्पेक्ट्रोस्कोपिक और काइनेटिक अध्ययन (एसईआरबी) का संयोजन। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अबिन्या संपत, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- रूमेटोइड आर्थराइटिस, (जीएसबीटीएम) में सिनोवियल मैक्रोफेज को सहक्रियात्मक रूप से लक्षित करने के लिए नैनोस्केल डीएनए टेढ़ाहेड्रन और फोलेट लिपोसोम का उपयोग करके मेथोटेक्सेट और रेता सिरना का सह-वितरण प्रधान अन्वेषक: **प्रो. धीरज डी भाटिया, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- उच्च थ्रूपुट बायोइमेजिंग हेतु प्रोग्रामेबल डीएनए-पेप्टाइड हाइब्रिड नैनोडिवाइस: एकल अणुओं से लाइव सेल और ऊतक, (एमओईएस) तक। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. धीरज डी भाटिया, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- परागण (एसईआरबी) में प्लांट यू-बॉक्स ई3

- लिगेस की भूमिका को समझना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. सुब्रमण्यम शंकरनारायणन, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- नेटवर्क ऑफ नेटवर्क लेंस युग्मित बुनियादी ढांचा प्रणालियों, (एसईआरबी) के लचीलेपन के संरचनात्मक और गतिशील पहलुओं को निर्धारित करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. उदित भाटिया, सिविल इंजीनियरिंग**
- प्रक्रिया-आधारित हाइड्रो-जियोमोर्फिक मॉडल (एसईआरबी) विकसित कर शुष्क भूमि नदियों की वास्तविक स्थिति को परिभाषित करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विक्रान्त जैन, पृथ्वी विज्ञान**
- प्रोग्रामेबल नेटवर्किंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, (एसईआरबी) के साथ विकेंद्रीकृत सुरक्षा ऑर्केस्ट्रेशन और प्रबंधन। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. समीर कुलकर्णी, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- समर्थित और प्रतिस्थापित धातु आक्साइड, (एसईआरबी) के तुलनात्मक दृष्टिकोण का उपयोग कर कोक-प्रतिरोधी बायोगैस सुधार उत्प्रेरक विकसित करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. सुधांशु शर्मा, रसायन विज्ञान**
- नर्मदा नदी बेसिन हेतु परिस्थिति निर्धारण एवं प्रबंधन योजना (कैप), प्रधान अन्वेषक: **प्रो. प्रणव कुमार महापात्रा, सिविल इंजीनियरिंग**
- 3डी प्रिंटेड टिश्यू इंजीनियर्ड आइसलेट ट्रांसप्लांट सिस्टम (3डी-पिप्टस)-विभेदित आइसलेट-जैसे समूहों की व्यवहार्यता और कार्यक्षमता की सुरक्षा और वृद्धि के लिए बाहरी कारकों और सूक्ष्म पर्यावरण का प्रभाव (आईसीएमआर)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. करला पेटीसिया मेरकाडो-शेखर, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- नेस्ट जनरेशन के अल्ट्रा-मजबूत और अल्ट्रा-कठिन हल्के सुरक्षात्मक बायोमीमेटिक कंपोजिट्स की ओर: एनएसीआरई और डकैटिल क्लब (एसईआरबी) से प्रेरणा। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. राघवन रंगनाथन, मैटिरियल इंजीनियरिंग**
- ताराभौतिक वातावरण (एस्ट्रोफिजिकल एनवायर्नमेंट) में ब्लैक होल: गुरुत्वाकर्षण तरंगों (एसईआरबी) में प्रेक्षणात्मक सिगनेचर। प्रधान अन्वेषक: शैलेश कुमार (मैटर: **प्रो. अर्पण भट्टाचार्य, भौतिकी**)
- पीसवाइज रैखिक संरचनाओं की गतिशीलता और ध्वनि, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. जयप्रकाश के. आर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- टीडीपी-43 का लक्षित प्रोटीन क्षरण: ट्रिपल निगेटिव ब्रेस्ट कैंसर, (जीएसबीटीएम) के विरुद्ध चिकित्सीय का लक्ष्य सत्यापन और विकास। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. शरद गुप्ता, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- आईआईटी गांधीनगर, (डीएसटी-फिस्ट) के जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग में प्रोटीमिक्स और मास स्पेक्ट्रोमेट्री सुविधा की स्थापना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. शरद गुप्ता, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- मल्टीकंपोनेंट मिश्र धातु, (एसईआरबी) के यांत्रिक गुणों पर स्थिरता और उनके महत्व को कम करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. प्रदीप घोष, सामग्री इंजीनियरिंग**
- लेयर्ड मेटल डिबोराइड्स, (एसईआरबी) से प्राप्त बोरॉन आधारित नैनोशीट (एक्सबीईएन) के एक नए फैमिली के अर्धचालक गुणों की जांच कर रासायनिक सेंसर का एक नया वर्ग विकसित करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. कबीर जसुजा, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी के लिए विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, (डीआईआईटीवाई)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. उत्तमा लाहिड़ी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- पोरस मीडिया (रामानुजन), विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, (एसईआरबी) में

- प्रतिक्रियाशील परिवहन। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. उदित भाटिया, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- एक सतत नदी प्रबंधन, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) हेतु उपकरण के रूप में एक पूर्वानुमानित जियोमोर्फिक मॉडल का विकास। सैद्धांतिक अन्वेषक: **प्रो. विक्रान्त जैन, पृथ्वी विज्ञान**
- रामानुजन फैलोशिप-स्टेम सेल, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, (एसईआरबी) के प्रोग्रामिंग हेतु डीएनए नैनोडिवाइस। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. धीरज भाटिया, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- इंस्पायर संकाय अवार्ड, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, (डीएसटी) प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अक्षा वटवानी, गणित**
- भारत के लिए नदी बेसिन जल विज्ञान और चरम सीमाओं के लिए प्रायोगिक परिव्यालन हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग और पूर्वानुमान प्रणाली, भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान, (आईआईटीएम)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विमल मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग**
- बेड लोड मापन, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (आईएमपीआरआईएनटी), (डीएसटी) के लिए एक उपकरण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. प्रणव महापात्रा, सिविल इंजीनियरिंग**
- गुजरात राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र (एसईआरबी) की स्थापना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विक्रान्त जैन, पृथ्वी विज्ञान**
- लीशमैनियासिस (डीएनडीआई) के नॉवेल उपचार हेतु लीड केमिस्ट्री को हिट करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, रसायन शास्त्र**
- गांधीपीडिया: गांधीवादी सामग्री/साहित्य, जीवन की घटनाओं और उनके सामाजिक नेटवर्क (एनसीएसएम) को ब्राउज़ करने के लिए वन-स्टॉप एआई-सक्षम पोर्टल। मुख्य अन्वेषक: **प्रो. मयंक सिंह (सीओपीआई), कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग**
- शहरी भारत में इनडोर वीओसी और कण पदार्थ (पीएम) की सांद्रता और स्रोतों का आकलन करना और चीन और अमेरिका (इयूक) में स्तरों की तुलना करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. चिन्मय घोरोई, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- परिवर्तन हेतु जल: रहने योग्य तेजी से बढ़ रहे शहरों (डीएसटी) के लिए एकीकृत और उद्देश्य हेतु उपयुक्त जल संवेदनशील डिजाइन ढांचा। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. प्रणव महापात्रा, सिविल इंजीनियरिंग**
- उच्च ऊर्जा घनत्व अनुप्रयोगों (डीएसटी) के लिए ग्राफ सिद्धांत और आणविक सिमुलेशन द्वारा निर्देशित नॉवेल संरंध वास्तुकला के साथ मजबूत और लचीले 3डी मुद्रित इलेक्ट्रोड का डिजाइन और परीक्षण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. मिथुन राधाकृष्ण, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- CO₂-विस्तारित समाधान के विस्तार द्वारा विस्फोटक का माइक्रोनाइजेशन और संपुटन - (डीआरडीओ), प्रधान अन्वेषक: **प्रो. समीर दलवी, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- बहुघटक भूकंपीय उत्तेजना: डिजाइन स्पेक्ट्रा की विशेषता और संयोजन नियम, (एमओईएस) विकसित करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. धीमान बसु, सिविल इंजीनियरिंग**
- स्थायी और ऊर्जा कुशल इमारतों के लिए सामग्री, इकोल नॉर्मले सुपेरियर डी कैचन, फ्रांस, (एमएचआरडी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अतुल भार्गव, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- सौर फोटोवोल्टाइड्स पर वायु प्रदूषण के प्रभाव को समझना और सौर संयंत्रों, इयूक विश्वविद्यालय, यूएसए (एमएचआरडी) के बेहतर प्रदर्शन के लिए सरफेस इंजीनियर्ड चैनल सामग्री विकसित करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. चिन्मय घोरोई, रासायनिक अभियांत्रिकी**

- हिमालयी नदी प्रणाली, भारत, आंकलैड विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड, (एमएचआरडी) के सतत प्रबंधन के लिए जियोमोर्फिक उपकरण का विकास और अनुप्रयोग। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. विक्रान्त जैन, पृथ्वी विज्ञान**
- गैर-रेखीय ध्वनिक धातुओं, तकनीकी-इज़राइल प्रौद्योगिकी संस्थान, इज़राइल (एमएचआरडी) का विश्लेषणात्मक और संगणतीय (कम्प्यूटेशनल) अध्ययन। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. जयप्रकाश के. आर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- विश्लेषणात्मक और संयोजक संख्या सिद्धांत में समस्याएं, किंगस्टन, कनाडा में क्वीन्स यूनिवर्सिटी, (एमएचआरडी)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. अतुल दीक्षित, गणित**
- स्थायी विकास लक्ष्य, फ़िलिन्डर्स विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के लिए सुविधाकर्ता के रूप में स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. आलोक कुमार कानूनगो, मानविकी और सामाजिक विज्ञान**
- एकल डिग्री-ऑफ फ्रीडम द्विपक्षीय गेट ट्रेनर, (एमएचआरडी) का उपयोग कर लोकोमोटर अनुकूलन का अध्ययन। प्रधान अन्वेषक : **प्रो विनीत वशिष्ठ, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- पैदल चलने के दौरान संधारणीय सेंसर (बाँड़ी-वर्न सेंसर (एमएचआरडी) का उपयोग करके गेट और संतुलन का आँकलन करना। प्रधान अन्वेषक : **प्रो विनीत वशिष्ठ, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- बहुरंगी आणविक इमेजिंग जांच (एमएचआरडी) के रूप में नीर पॉर्फिरिन-माइक्रोबल्लस। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. समीर दलवी, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- संरक्षित धातु संरचनाओं (एमएचआरडी) के उत्पादन के लिए एक नॉवेल वैक्यूम आधारित प्रक्रिया का विकास। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. अभय राज सिंह गौतम, सामग्री इंजीनियरिंग**
- न्यूरोइमेजिंग गाइडेड नॉन-इनवेसिव इलेक्ट्रिकल स्टिम्यूलेशन (एमएचआरडी) के संयोजन में वीआर-आधारित एक्सरोमिंग प्लेटफॉर्म। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. उत्तमा लाहिड़ी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- उच्च प्रदर्शन संख्यात्मक सिमुलेशन और घूर्णी प्रवाह में कण परिवहन और अशांति की प्रयोगात्मक जांच: विलक्षण और शंकवाकार टेलर-कूट कॉम्प्लिगेशन हेतु एप्लिकेशन. (एमएचआरडी)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो उद्दिपता घोष, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- उच्च एन्ट्रापी मिश्र धातु नैनोकणों सीईओ2 उत्प्रेरक CO2, (एसएआएएस) के शुष्क सुधार के लिए। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. सुधांशु शर्मा, रसायन विज्ञान**
- भौतिकी ने हाइड्रोलॉजिकल प्रक्रियाओं, (सितारों) की पूर्वानुमानित समझ के लिए डेटा विज्ञान दृष्टिकोण को निर्देशित किया। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. उदित भाटिया, सिविल इंजीनियरिंग**
- भूकंपीय उत्तेजना के लिए महत्वपूर्ण अभिविन्यास को समझना और भारतीय उपमहाद्वीप, (सितारों) के लिए संबंधित जीएमपी विकसित करना। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. धीमान बसु, सिविल इंजीनियरिंग**
- हाइड्रो जियोमोर्फिक मॉडलिंग, (सितारों) का उपयोग कर जलवायु परिवर्तन परिदृश्य के तहत मानवजनित में उष्णकटिबंधीय नदियों में बाढ़ जोखिम मूल्यांकन। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. विक्रान्त जैन, पृथ्वी विज्ञान**
- स्तरित हाइड्रिड पेरॉक्सिड्स (सितारों) के आधार पर कम लागत, उच्च दक्षता वाली स्थिर फोटोवोल्टाइक्स का दोहन करना। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. रुपक बनर्जी, भौतिकी**
- विलवणीकरण एप्लिकेशन (सितारों) के लिए अन्नक और एसआई-नाइट्राइड शीट पर सब-एनएम रंधक का इलेक्ट्रोकेमिकल निर्माण। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. गोपीनाथन कालोन, भौतिकी**
- औषधि-प्रतिरोधी बैक्टीरिया का सामना करने के लिए एंटीबैक्टीरियल पॉलिमर, (स्टार)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. अभिजीत मिश्रा, मैटेरियल इंजीनियरिंग**
- स्केलेबल संख्यात्मक बहुरेखीय बीजगणित, (गूगल) के लिए यादृच्छिक एल्गोरिदम। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. अनिबान दसगुप्ता, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- भाव-प्रवण चेहरे की पहचान: ऑटिज्म, (डीएसटी) से ग्रसित किशोरों में अंतर्महित तंत्रिका कनेक्टिविटी को समझना। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. उत्तमा लाहिड़ी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- तेज, मजबूत, ऊर्जा-जागरूक इन-मेमरी कंप्यूटिंग आर्किटेक्चर, (एसआरसी)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. जॉयसी मेकी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- स्वच्छ ईंधन के रूप में सौर ऊर्जा के कुशल भंडारण के लिए नए प्लास्मोनिक एंटीना-रिएक्टर प्लेटफॉर्म विकसित करना, (गूजकाॅस्ट)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. सौम्यकांति खतुआ, रसायन शास्त्र**
- गोल्ड नैनो हीटर ने नेक्स्ट जनरेशन केमो फोटो थर्मल थैरेपी, (जीयूजेओएसटी) के लिए कैसर में पावरिंग का मध्यवर्ती लक्ष्यकरण। प्रधान अन्वेषक : **प्रो सुदिपता बसु, रसायन शास्त्र**
- केबल चालित लचीले रोबोटिक मैनिपुलेटर का डिजाइन, गतिशील अध्ययन और नियंत्रण। प्रधान अन्वेषक : **प्रो मधु वडाली, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- शहरी वायु गुणवत्तापरक औद्योगिक उत्सर्जन के प्रभावों की निगरानी के लिए वायुमंडलीय प्रदूषक गैसों के उच्च संवेदनशील का पता लगाना। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. अरूप लाल चक्रवर्ती, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- उच्च निष्पादन फाइबर प्रबलित कंक्रीट (एचपीएफआरसी): क्षमता आधारित मिश्रण डिजाइन फ्रेमवर्क की शुरुआत। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. धीमान बसु, सिविल इंजीनियरिंग**
- कोविड से संबंधित द्वितीयक विषमताओं पर वायु प्रदूषण का प्रभाव। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. निपुण बत्रा, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- भारत के कोविड-19 के कारण लॉकडाउन (एसएसआरसी) के बाद स्वदेशी समुदायों पर रिवर्स माइग्रेशन का प्रभाव। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. निशांत चोक्सी, मानविकी और सामाजिक विज्ञान**
- थैरनोस्टिक्स (डीएसटी) हेतु बायोथैरेबल बायोएक्टिव अल्ट्रासाउंड-संचालित माइक्रोबल। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. कृष्णा कांति डे, भौतिकी**
- स्मार्ट "एडसॉर्बेंट्स (एसआईआरबी) के तर्कसंगत डिजाइन में सहायता करने हेतु थर्मो-डायनामिक मॉडल और मोटे कार्लो सिमुलेशन का उपयोग कर तरल चरण में सह-विलेय सहायता प्राप्त सोखने या सोखने पर शोषक की रासायनिक प्रकृति की भूमिका को समझना।" प्रधान अन्वेषक : **प्रो. कौस्तुभ राणे, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- अगली पीढ़ी के कीमो-फोटो-थैरेपी, (एसआईआरबी) के लिए कैसर में पावरहाउस का छोटा अणु मध्यस्थता लक्ष्यकरण। प्रधान अन्वेषक : **प्रो सुदिपता बसु, रसायन शास्त्र**
- उच्च शक्ति हाइड्रोजेल-संश्लेषण, गठिया और अनुप्रयोग। प्रधान अन्वेषक : **प्रो प्राची थरेजा, रासायनिक इंजीनियरिंग**
- हॉट मैग्नेटाइज्ड और चिपचिपा क्यूसीडी माध्यम (एसआईआरबी) में भारी चौकोर गतिशीलता पर जांच। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. विनोद चंद्र, भौतिकी**
- एएमआर प्रवाह: विनिर्माण प्रवाह से लोगों के लिए एंटीमाइक्रोबियल और प्रतिरोध-संयुक्त प्रयोग, गणतीय मॉडलिंग और जोखिम विश्लेषण, (डीबीटी)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. प्रणव कुमार महापात्रा, सिविल इंजीनियरिंग**
- विशिष्ट फोटोकैटैलिटिक रेडॉक्स प्रतिक्रियाओं (एसआईआरबी) को चलाने के लिए प्लास्मोनिक उत्प्रेरक (कैटैलिस्ट) डिजाइन का अनुकूलन। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. सौम्यकांति खतुआ, रसायन शास्त्र**
- एलएचसी, (एसईआरबी) में मानक मॉडल से परे एचआईजीजीएस भौतिकी। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. बाराधवज कोलेप्पा, भौतिकी**
- कुछ परिवर्तनों का संख्या-सैद्धांतिक विश्लेषण और रामानुजन मास्टर थ्योरम (एसईआरबी) का विस्तार। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. अतुल दीक्षित, गणित**
- ईवॉल्यूशन और रोग में वायरस (सीआईएससीओ) प्रधान अन्वेषक : **प्रो. शर्मिष्ठा मजूमदार, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- एक्सट्रीमल पक्की समीकरणों और संबंधित समरूपता और लियोविले प्रकार के परिणामों (एसईआरबी) के लिए अत्यधिक निर्धारित समस्याएं। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. जगमोहन त्यागी, गणित**
- 6-घटक भूकंपीय उत्तेजनाओं (एसईआरबी) के लिए दिशात्मक संयोजन नियम विकसित करना। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. धीमान बसु, सिविल इंजीनियरिंग**
- ट्रेस प्रदूषकों (डीएसटी) को हटाने के लिए चुंबकीय उत्प्रेरक कोटेड माइक्रोबल्लस का संश्लेषण। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. समीर दलवी, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- एकल अणुओं से जीवित कोशिकाओं में: सीटू में, डीएनए-नैनोटेक्नोलॉजी, (जीयूजेसीओएसटी) के साथ गुणक, उच्च-थ्रूपुट इमेजिंग। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. धीरज भाटिया, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- संरचनाओं के भूकंप संरक्षण (डीएसटी) के लिए स्लाइडिंग बियरिंग का विकास। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. मनीष कुमार, सिविल इंजीनियरिंग**
- शहरी और ग्रामीण भारत (आरएई) में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की यूएवी-आधारित लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपिक निगरानी। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. अरूप लाल चक्रवर्ती, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- प्रीडिटर प्रे इंटैकशन: हेमिपेटेरा में रासायनिक रक्षा: पेटाटोमिडी बग (गोडी बग) और इसके ग्रंथियों के साव, (डीबीटी)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. धीरज भाटिया, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- पकिनसनिस्म में गेट विकारों से रक्षा और उपचार के लिए स्मार्टवेयर। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. उत्तमा लाहिड़ी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- लिथियम थैरैपियों में टोस-इलेक्ट्रोलाइट इंटरफेस के बहु-चरणीय मॉडल: एक्सस्केल सिमुलेशन, (डीएसटी) की ओर। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. राघवन रंगनाथन, सामग्री इंजीनियरिंग**
- स्वयं व्यवस्थापन (डीएसटी) में सामूहिक पारस्परिक प्रभाव। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. प्रसन्ना वेंकटेश बालासुब्रमण्यन, भौतिकी**
- इमजिंग मेमोरी टेक्नोलॉजीज, (एसआईआरबी) का उपयोग करके नेक्स्ट जनरेशन वर्कलोड हेतु मेमोरी कंप्यूटिंग। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. जॉयसी मेकी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- मात्रात्मक अल्ट्रासाउंड और एलास्टिक इमेजिंग का उपयोग करके मुख-कैसर घावों का पता करना। (जीएसबीटीएम) प्रमुख अन्वेषक : **प्रो. करला पेट्टिसिया मार्कांडो-शेखर, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- डीएनए प्रोग्रामित, माइक्रोफ्लुइडिक डिवाइस, कोविड-19 का पता लगाने हेतु लागत-प्रभावी, उच्च-थ्रूपुट पॉइंट-ऑफ-केयर डायग्नोस्टिक प्लेटफॉर्म के रूप में, (जीएसबीटीएम)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. धीरज भाटिया, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- कपाडवज ग्लास का मानचित्रण: भारत में अंतिम अवशिष्ट टैक भट्टी (सीएमओजी)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. आलोक कानूनगो, पुरातात्विक विज्ञान**
- प्रमुख पर्यावरणीय मापदंडों के नॉवेल लेजर-आधारित निगरानी-भारत के विकासशील क्षेत्रों (आरएई) में कल्याण, आजीविका और एक स्वस्थ वातावरण को संबोधित करना। प्रधान अन्वेषक : **प्रो.**

- अरूप लाल चक्रवर्ती, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- स्तन कैंसर उपचार (डीबीटी) के लिए अल्ट्रासाउंड-सक्षम ऑनकोट्रिप्सी। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. हिमांशु शेखर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
 - मिश्रित चरणों (डीएसटी) के प्रतिस्थापन रसायन विज्ञान का उपयोग कर रासायनिक लूपिंग दहन के लिए नॉवेल ऑक्सीजन वाहक विकसित करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. सुधांशु शर्मा, रसायन विज्ञान**
 - गुजरात में मैग्रोव की कहानियां, (एसएसआरसी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अंबिका अय्यादुराई, मानविकी और सामाजिक विज्ञान**
 - गुजरात के लिए एकीकृत रियल टाइम हाइड्रोक्लाइमेटिक फ्रेमवर्क और पूर्वानुमान प्रणाली, (यूनीसेफ)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विमल मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग**
 - कॉम्पैक्ट क्वांटम समूहों और उनके सजातीय स्थानों (एनबीएचएम) का टोपोलॉजिकल इनवैरियर। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. बिपुल सौरभ, गणित**
 - स्मार्ट वियर-पार्किन्सन गेट विकारों की निगरानी और पता, (डीबीटी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. उत्तमा लाहिड़ी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
 - श्रृंखला लोच प्रवर्तक और नियंत्रण इकाई, (इसरो) का विकास। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. हरीश पालनंदलम मदपूसी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
 - ममालियन सैकेडियन क्लॉक कॉम्प्लेक्स (डीबीटी) का एकीकृत और नेटवर्क मॉडलिंग। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. आशुतोष श्रीवास्तव, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
 - क्वांटम जानकारी (बीआरएन) का उपयोग करके क्वांटम गुरुत्वाकर्षण को डिफ्रिक्ट करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अर्पण भट्टाचार्य, भौतिकी**
 - अरुणाचल प्रदेश में वन्यजीव शिकार और ट्रैपिंग का इतिहास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, (आईएनएसए)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अंबिका अय्यादुराई, मानविकी और सामाजिक विज्ञान**
 - अल्जाइमर रोग और संबंधित न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों में चिकित्सीय सहयोग के लिए कार्यात्मक पेप्टाइड्स और डीएनए आधारित नैनो-असेंबलीज, (एचईएफए)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. शरद गुप्ता, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
 - वेब सुरक्षा प्रोटोकॉल (डीएसटी) के सत्यापित मॉडल और कार्यान्वयन। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अभिषेक बिछावत, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग**
 - पश्चिमी भारत में विभिन्न जलवायु और भूवैज्ञानिक सेटिंग्स के साथ तीन अलग-अलग महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पृथ्वी सतह प्रक्रियाओं का अध्ययन, (पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विक्रान्त जैन, पृथ्वी विज्ञान**
 - होमियोथेरेमी के विकास का एपिजिनोमिक आधार: ऊष्मा तनाव प्रतिक्रिया में सीजीजीबीपी-सीटीसीएफ एक्सिस, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. उमाशंकर सिंह, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
 - सटीक जड़त्विय सेंसिंग तत्वों, (इसरो) में पतली फिल्म कोटिंग के प्रदर्शन पर प्रक्रिया मापदंडों के प्रभाव का आकलन करने के लिए सॉफ्टवेयर उपकरण विकास। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. राघवन रंगनाथन, सामग्री इंजीनियरिंग**
 - मानवीय गेट रेस्टोरेशन हेतु संधारणीय रोबोट: एक केबल संचालित लेग एक्सोस्केलेटन, (आईएचएफसी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विनीत वशिष्ठ, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
 - आरएफ पावर एलडीएमओएस उपकरणों (इसरो) का प्रौद्योगिकी विकास। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. निहार रंजन महापात्रा, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
 - पोरस मीडिया में प्रवाह और संचरण की गणितीय मॉडलिंग: एक होमोजेनाइजेशन दृष्टिकोण, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. सत्यजीत**

प्रामाणिक, गणित

- स्मार्टवियर: पार्किन्सन गेट विकारों के लिए एआई-सक्षम समाधान, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. उत्तमा लाहिड़ी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- कम तापमान उच्च चुंबकीय क्षेत्र क्रायोजेनिक प्रणाली, (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. गोपीनाथन कालोन, भौतिकी**
- शहरी भारत (एसईआरबी) में निर्मित वातावरण में वायु गुणवत्ता और इसकी गतिशीलता की जांच करना। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. समीर पटेल, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- वृक्क (गुदा) प्रत्यारोपण मॉनिटरिंग (एसईआरबी) में संभावित एप्लिकेशन हेतु द्वैध अपरूपण तरंग लोच इमेजिंग और अल्ट्राफास्ट डॉपलर अल्ट्रासाउंड विकसित करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. करला पेटीसिया मर्कांडो शेखर, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- एकीकृत मॉडलिंग और मैमेलियन सैकेडियन क्लॉक कॉम्प्लेक्स (एसईआरबी) की गतिशीलता। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. आशुतोष श्रीवास्तव, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- क्वांटम सर्किट जटिलता, (एसईआरबी) का विश्लेषण करके क्यूएफटी की विशेषता प्रदर्शित करना। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. अर्पण भट्टाचार्य, भौतिकी**
- जोखिम-मुक्त सर्किट: एल्गोरिदम और जटिलता, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. बालगोपाल कोमारथ, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- कोरसेट्स (एसईआरबी) के माध्यम से स्केलेबल और निजी मशीन लर्निंग। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अनिर्बान दासगुप्ता, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- संख्यात्मक बहुरेखीय बीजगणित, (एसईआरबी) के लिए व्यावहारिक सन्निकटन एल्गोरिदम। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अनिर्बान दासगुप्ता, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- साइबर भौतिक वितरण प्रणाली सुरक्षा हेतु साइबर अटैक विश्लेषण टूलकिट [साइबर डिस], (सीपीआरआई)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. नारायण पिंडोरिया, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- उच्च शक्ति वाले आरएफ एलडीएमओएस ट्रांजिस्टर, (एसईआरबी) के प्रतिलोम डिजाइन के लिए एक गहन तंत्रिका नेटवर्क (डीएनएनएन) आधारित ढांचा। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. निहार रंजन महापात्रा, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- मॉड्यूलर संबंधों, सामान्य हेर्गलॉटज़ फंक्शन उपगामियों और और मॉक थीटा फंक्शन से उत्पन्न सामान्य लैम्बर्ट श्रृंखला एवं जेटा फंक्शन-प्रधान अन्वेषक : **प्रो. अतुल दीक्षित, गणित**
- एआईएमओ रैखिक डायनेमिकल सिस्टम (एसईआरबी) के लिए सिस्टम इन्वर्टिबिलिटी और सापेक्ष डिग्री। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. हरीश पालनंदलम मदपूसी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- एआई/एमएल अनुसंधान (एफआईएसटी) के लिए उच्च स्तरीय कम्प्यूटेशनल सुविधा। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. मयंक सिंह, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- जेनरफिश मॉडल (एसईआरबी) में कैंसर की प्रारंभिक जांच हेतु डीएनए कार्यात्मक नैनोकणों का विकास और सत्यापन। प्रधान अन्वेषक: **डॉ. कृपा कंसार (सलाहकार) : प्रो. धीरज भाटिया), जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम (इसरो) के लिए अल्ट्रा-हाई संवेदनशीलता ट्यूनेबल लेजर-आधारित स्पेक्ट्रोस्कोपिक गैस डिटेक्शन सिस्टम। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अरूप लाल चक्रवर्ती, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- उन्नत माइक्रोस्कोपी और स्पेक्ट्रोस्कोपी प्रयोगशाला, (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. प्राची थरेजा, केमिकल इंजीनियरिंग,**

वर्तमान प्रायोजित परियोजनाएं

- वडनगर, गुजरात (एसआई) का मल्टी-सेंसर ड्रोन सर्वेक्षण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. मिशेल दानिनो, मानविकी और सामाजिक विज्ञान**
- ओवेरियन कैंसर (जीएसबीटीएम) में अनियंत्रित लॉन्ग नॉन-कोडिंग आरएनए (एलएनसीआर एनए) में आरएनए जी-क्वाड्रुप्लेक्स संरचना की पहचान। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. भास्कर दत्ता, रसायन शास्त्र**
- हाई एंड स्ट्रैटेजिक एप्लिकेशन (एक्सट्रैड/इंजन ट्यूब), (एमओएम) के लिए मीडियम स्ट्रैच अल-एमजी-एसआई (एए6082 आधारित) मिश्र धातु का विकास। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अमित अरोड़ा, सामग्री इंजीनियरिंग**
- वन्यजीव अनुसंधान और संरक्षण में क्षेत्र सहायक: अरुणाचल प्रदेश (एनटीसीए) से केस स्टडीज। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. अंबिका अय्यादुराई, मानविकी और सामाजिक विज्ञान**
- प्रोटीन-आधारित चिकित्सीय (जीएसबीटीएम) के विकास की दिशा में फोटो-क्लेवाज आधारित एफिनिटी शुद्धिकरण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. कार्तिक पुष्पवनम सुब्रमण्यम, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- एस्ट्रोजन रिसेप्टर लक्षित मेटालोकोरल-ड्रग संयुग्म: स्तन कैंसर (एसईआरबी) में संश्लेषण, ऑप्टिकल अध्ययन और जैविक अनुप्रयोग। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. इति गुप्ता, रसायन शास्त्र**
- स्विंग चरण गेट प्रशिक्षण और केबल संचालित रोबोट (डीएसटी) का उपयोग कर स्ट्रोक रोगियों की सहायता। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विनीत वशिष्ठ, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- व्युत्पन्न श्रेणियों (एसईआरबी) के माध्यम से सकारात्मक विशेषता में अपरिवर्तनीय सहानुभूति-पूर्ण किस्में और हाइपरकहलर एनालॉग। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. तान्या कौशल श्रीवास्तव, गणित**
- सतह पर स्थलाकृतिक/स्थलरूपरेखीय और जलवायु नियंत्रण-सामाजिक कल्याण और विकास योजना (डब्ल्यूआईएनएफ) पर भूमिगत जल इसके निहितार्थ। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. विक्रान्त जैन, पृथ्वी विज्ञान**
- क्रिस्टलीकरण के दौरान सक्रिय दवा अवयवों (एपीआई) के पॉलीमोर्फिक व्यवहार को स्पष्ट करना: प्रयोगात्मक और आणविक गतिशीलता सिमुलेशन अध्ययन, (सीईएफआईपीआर) का एक संयुक्त दृष्टिकोण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. समीर वी दलवी, रासायनिक इंजीनियरिंग**
- मल्टीस्केल कम्प्यूटेशन, (एसईआरबी) का उपयोग कर कार्बनिक सेमीकंडक्टरों के रासायनिक स्थान की खोज करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अनिर्बान मंडल, रसायन शास्त्र**
- हाइड्रोजन (एसईआरबी) के सह-उत्पादन के साथ हल्की स्थितियों के तहत बायोमास ऑक्सीकरण के लिए एनोडिक कॉपर उत्प्रेरक का विकास। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विश्वजीत मंडल, रसायन विज्ञान**
- उत्तरी हिंद महासागर होलोसीन यूस्टेटिक सी-लेवल रिकॉर्ड (लक्षद्वीप आर्किपेलागो), (एसई आरबी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. पंकज खन्ना, पृथ्वी विज्ञान**
- यूकेरियोटिक मोबाइल जेनेटिक तत्वों (एसईआरबी) का विनियमन। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. शर्मिष्ठा मजूमदार, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- भारत में गुजरात के ढोलावीरा के विश्व विरासत हड़प्पा स्थल पर मानव-पशु इंटरैक्शन का पुनर्निर्माण: पुरातात्विक हड्डी और दांतों की समस्थानिक संरचना से निष्कर्ष बने हुए हैं, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. शारदा वी चन्नारायपटना, पुरातत्व**
- परिचालन अनिश्चितताओं (एसईआरबी) के तहत एक ऊर्जा प्रणाली के लिए स्पष्ट स्टेकिस्टिक मॉडल

प्रेडिक्टिव नियंत्रण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. हरि साई गणेश, रासायनिक अभियांत्रिकी**

- पौधे प्रजनन के अनुवांशिक और आणविक नियंत्रण को समझना, (डीबीटीआरएल)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. सुब्रमण्यन शंकर नारायणन, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- उत्प्रेरक असममित - ट्राइफ्लोरोमेथाइलेशन और कैस्केड,- प्रसारीकरण, -असंतुप्त एल्लिहाइड, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. चंद्रकुमार अप्पाई, रसायन शास्त्र**
- क्रिस्पर-सीएएस9 जीन एडिटिंग (जीएसबीटीएम) का उपयोग कर पॉलीअनसैचुरेटेड फैटी एसिड समृद्ध मूंगफली की खेती का विकास। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. सुब्रमण्यन शंकर नारायणन, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- आयन ने औद्योगिक प्रसंगिकता (एसईआरबी) की तरल-ठोस विषम प्रतिक्रियाओं के लिए नैनोपोरस जियोपॉलिमर का आदान-प्रदान किया। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. सुधांशु शर्मा, रसायन विज्ञान**
- वडनगर, गुजरात (जीएसए) के ऐतिहासिक शहर से पुरातात्विक सिरेमिक्स, मोड, शेल ऑब्जेक्ट्स और बाहरी व्यापार संबंधों का बहुआयामी विश्लेषण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. वी. एन. प्रभाकर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान**
- प्राचीन भारतीय प्रौद्योगिकियों के लिए आईकेएस सेल, (आईकेएससीएएल)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. वी. एन. प्रभाकर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान**
- कम जटिलता वाले एकल परत तंत्रिका नेटवर्क (एसईआरबी) का विकास और विश्लेषण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. नितिन वी जॉर्ज, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- प्रोटीन फोल्डिंग/अनफोल्डिंग, (एसईआरबी) का अध्ययन करने हेतु संशोधित गैर-बोल्लजमैन मोटे कार्लो सिमुलेशन। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. मिथुन राधाकृष्ण, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- कुछ अभिन्न रूपांतरणों (एसईआरबी) के लिए स्पष्ट और माइक्रोलोकल व्युत्क्रमण प्रश्न। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. रोहित कुमार मिश्रा, गणित**
- बायोएक्टिव प्राकृतिक उत्पादों (एसईआरबी) के कुल संश्लेषण हेतु साइक्लोहेक्सन डेरिवेटिव और उनके अनुप्रयोगों के दोहरे एमिनोकैटेलिटिक असममित संश्लेषण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. चंद्रकुमार अप्पाई, रसायन शास्त्र**
- माइक्रोबैक्टीरियम तपेदिक के लेबलिंग और टैकिंग हेतु सॉल्वेंटोक्रोमिक जांच का संश्लेषण और मूल्यांकन, (एसईआरबी) प्रधान अन्वेषक: **प्रो. वैकट श्रीराम कंवा गुंडीमेडा, रसायन विज्ञान**
- रूमेटोइड आर्थराइटिस, (एसईआरबी) के लिए लंबे समय से अभिनय इंद्रा-आर्टिकुलर थेरेपी के लिए अनुवादक, स्व-स्वास्थ्य, ड्रग क्रिस्टल एनैप्सुलेटेड हाइड्रोजेल प्लेटफॉर्म। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. मुकेश ढांका, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- जटिल तरल पदार्थ (एसईआरबी) में गैर-समान रूप से चार्ज किए गए कणों का इलेक्ट्रोफोरोसिस। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. उद्दिप्ता घोष, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- परमाणु पोर कॉम्प्लेक्स (एनपीसी), (एसईआरबी) की संरचना और कार्य पर ध्रुवीयता और चार्ज पैटर्न की भूमिका को समझना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. मिथुन राधाकृष्ण, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- एरियल इमेजरी और कंप्यूटर विजन (एलएंडटी) का उपयोग कर कपास की स्मार्ट कृषि। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. शनमुगनाथन रमन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- कोर शेल वर्षा के साथ अल-ली मिश्र धातु का विकास, प्रतिरोधी माइक्रोस्ट्रक्चर, (एसईआरबी) को मोड़ने के लिए। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अभयराज सिंह गौतम, सामग्री इंजीनियरिंग**
- स्तन कैसर (जीएसबीटीएम) के सापेक्ष बेहतर प्रभावकारिता के लिए केमि-वैक्सिन उम्मीदवार

और नॉवेल आयनिक तरल आधारित समायोजन का मूल्यांकन। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. शरद गुप्ता, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**

- मशीन लर्निंग, (एमओईएस) का उपयोग कर बारीक दानेदार वायु गुणवत्ता एक्सपोजर मॉडलिंग और पूर्वानुमान। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. निपुण बत्रा, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- सकारात्मकता और संयोजक (डीएसटी) में प्रस्तावित अनुसंधान कार्य। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. प्रोजेश नाथ चौधरी, गणित**
- हिंदी-अंग्रेजी कोड-मिक्सिंग, (एसईआरबी) में कम स्तर के एनएलपी कार्यों के लिए बेंचमार्क को क्यूरेट करना और एमएल मॉडल का विकास करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. मयंक सिंह, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- एपिटेक्सी, (एसईआरबी) को स्पुटर करके जीई1-एक्सएसएनएक्स आधारित फोटोडिटेक्टरों का निर्माण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. कृष्ण आर खियांगटे, भौतिकी**
- स्पर्श धारणा (डीएसटी) की भाषा का प्रभाव। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. लेस्ली लाजर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान**
- पुनर्वास (एसईआरबी) के दौरान सिंक्रोनस वॉकिंग सहायता हेतु एकतरफा निम्न-अंग एक्सोस्केलेटन का विकास। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विनीत वशिष्ठ, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- एमबीआर, (जीएसबीटीएम) के कार्य निष्पादन/प्रदर्शन में सुधार करके वस्तु अपशिष्ट जल उपचार के लिए लाभकारी माइक्रोब-एम्बेडेड नैनोकणों की खोज करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. सुपर्व कुमार मिश्रा, सामग्री इंजीनियरिंग**
- दूषित जल (जीएसबीटीएम) के ट्रीटमेंट हेतु धातु स्कैप से एक पुनः प्रयोज्य, अनुकूलन योग्य और बहुकार्यात्मक धातु कार्बनिक ढांचा आधारित प्रोटोटाइप विकसित करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. सुपर्व कुमार मिश्रा, सामग्री इंजीनियरिंग**
- पश्चिमी भारतीय मार्जिन (जीईएमडब्ल्यूईआईएम), (डीएसटी) के लिए जियोडायनामिक मॉडल। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. उत्सव मन्त्र, पृथ्वी विज्ञान**
- सेंसरीमोटर लर्निंग, (डीएसटी) में असामाजिक न्युट्रि-संवेदनशील तंत्र। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. प्रतीक मुथा, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- ब्रेन इलेक्ट्रिक सिग्नल, (डीएसटी) के आधार पर ध्यान देने वाले राज्यों का वर्गीकरण। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. कृष्णा प्रसाद मियापुरम, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- एलईओ उपग्रह, (इसरो) पर विरल सरणियों का उपयोग कर भूमि-आधारित स्रोत स्थानीयकरण हेतु तकनीकों का विकास। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. नितिन वी जॉर्ज, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- पॉवरलेस वॉटर फिल्टर (एनएमएच) के नोवेल एडसॉर्बेंट और प्रोटोटाइपिंग का विकास। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. विश्वजीत साहा, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- जलवायु नेटवर्क और हाइब्रिड भौतिकी-एमएल संवहन पैरामीटराइजेशन, (एमओईएस) के साथ अल्प-से-मध्यम अवधि के सर्वाधिक वर्षा पूर्वानुमानों में सुधार। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. उदित भाटिया, सिविल इंजीनियरिंग**
- एनिसोट्रोपिक कोलाइड्स (डीएसटी) के तर्कसंगत डिजाइन की सुविधा के लिए टीएमएमसी-आधारित सिमुलेशन पैकेज। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. कौस्तुभ एस. राणे, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- संवर्धित शैक्षिक पॉडकास्ट (आईसीएसएसआर) की प्रभावशीलता। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. समीर सहस्रबुद्धे, डिजाइन**
- आयुर्वेदिक औषधीय सूत्रों में फाइटोकेमिकल्स की प्रोफाइलिंग और उनके एकत्रीकरण व्यवहार को समझना (सीएआरआई)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. सैरम स्वरूप मल्लाजोसिला, रसायन विज्ञान**
- भारतीय जलवायु परिस्थितियों (वज्र),

(एसईआरबी) के लिए टिकाऊ और ऊर्जा कुशल भवन। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अतुल भार्गव, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**

- स्वयं प्रभा, (एमएचआरडी) के लिए चैनलवार अनुरक्षण। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. उदित भाटिया, सिविल इंजीनियरिंग**

परामर्श परियोजनाएं

- जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य से गुजरात राज्य पर कोविड-19 के प्रभाव/विवक्षा (गुजरात ऊर्जा विकास एजेंसी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विमल मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग**
- प्रेरक अनुक्रियात्मक औषधि डिलीवरी एप्लीकेशन के लिए डीएनए हाइड्रोजल, (ब्लास्टो रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो. धीरज भाटिया, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- एलिवेटर डोर हेतु लाइनर इलेक्ट्रिक मशीन, (कोन एलिवेटर)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. रागवन के, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- सीयू/सीडी त्रिअक्षीय परीक्षण के लिए इंजीनियरों का प्रशिक्षण, (आईजीएस)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. अजन्ता सचान, सिविल इंजीनियरिंग**
- एपीआई और 3डी-संरचना पहचान (पीईएल) हेतु अनुकूलन क्रिस्टलीकरण परीक्षण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विजय थिरुवेन्कटम, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- प्रोटीन (एस), (एसएमपीएल) का अनुकूलन और शुद्धिकरण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विजय थिरुवेन्कटम, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- स्वास्थ्य उपकरणों और समाधानों के लिए परामर्श, (आरआईएल)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. धीरज भाटिया, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- मेथेन प्रचुरता गैस, (एटीएमओ) उत्पन्न करने हेतु बायोमास पाइरोलिसिस/गैसीकरण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. सुधांशु शर्मा, रसायन विज्ञान**
- जियो-सेल्स (आरवीएनएल) का उपयोग कर ब्रिज दृष्टिकोण को मजबूत करने हेतु पायलट अध्ययन। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अमित प्रशांत, सिविल इंजीनियरिंग**
- गुजरात ऊर्जा अनुसंधान एवं विकास (गुजरात पावर रिसर्च एंड डेवलपमेंट) (जीपीआरडी) सेल, (जीयूवीएनएल) में अधिकारियों के चयन हेतु प्रश्न पत्र तैयार करने एवं उसके मूल्यांकन हेतु विशेषज्ञों की सेवाएं। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. नारायण पिंडोरिया, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- पेट्टाइड्स (केजीपी) का संश्लेषण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. शरद गुप्ता, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- पौधे आधारित मीट, (ब्लास्टो)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. भास्कर दत्ता, रसायन शास्त्र**
- इलेक्ट्रिक टू व्हीलर (आईएमपीएल) के लिए मोटर की उपयुक्तता का आकलन करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. रागवन के, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- सिक्किम के लिए एसएपीसीसी के अध्याय तैयार करने में विशेषज्ञता, (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. उदित भाटिया, सिविल इंजीनियरिंग**
- प्रासंगिक कोड टिप्पणियों और सरलीकृत दिशानिर्देशों, (टीडब्ल्यूबी) के विकास के माध्यम से भारत में अग्नि सुरक्षा को बढ़ाना। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. गौरव श्रीवास्तव, सिविल इंजीनियरिंग**
- भारत में जलविद्युत (यूपनडीपी) पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विमल मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग**
- हाई-स्पीड रेल हेतु फाउंडेशन निष्पादन के दौरान ट्रबल शूटिंग की स्थिति के दौरान सलाह: (एल एंड टी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. शैलेश आर गांधी, सिविल इंजीनियरिंग**
- जलवायु परिवर्तन अध्ययन और कार्यों (जीडीसी) पर क्षमताओं का स्थागतकरण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विमल मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग**
- प्राथमिक स्लैग (हिल) से कीमती धातुओं की

रिकवरी। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. सुपर्ब कुमार मिश्रा, सामग्री इंजीनियरिंग**

- भद्रभूत बैराज, (केएलपीएसआर) के विभिन्न समूहों के लिए भू-तकनीकी डिजाइन पद्धति। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. अमित प्रशांत, सिविल इंजीनियरिंग**
- पुलिस/बॉबबिन, (सिद्धि) के क्रशिंग/निचोड़ का सिमुलेशन। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अमित अरोड़ा, सामग्री इंजीनियरिंग**
- जेडएनएसओ4 समाधान, (एचजेडएल) की आपूर्ति की गई कंपनी की वर्तमान दक्षता (फराडेक दक्षता) का अनुमान लगाना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. सुधांशु शर्मा, रसायन विज्ञान**
- स्मार्ट वितरण ग्रिड (एनआरआईआई) में साइबर सुरक्षा मूल्यांकन के लिए साइबर भौतिक प्रणाली का डिजाइन और विकास। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. नारायण एम पिंडोरिया, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- छोटे बच्चों और जलवायु पर अध्ययन (आईएनए-2021-009), (आईसीएलआई)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विमल मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग**
- मध्यस्थ न्यायाधिकरण, (आईआईटीएम) के समक्ष उपस्थिति के लिए परामर्श सेवाएं। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. शैलेश आर गांधी, सिविल इंजीनियरिंग**
- क्रिप्टोग्राफी और इस क्षेत्र में एडीएस/सीएफटी का संभावित आवेदन, (एटीपीएल)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. अर्पण भट्टाचार्य, भौतिकी**
- गेट चरण आँकलन और गेट वर्गीकरण (टीटीपीएल) हेतु शंक सेंसर प्रणाली। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विनीत वशिष्ठ, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- अवशिष्ट दूध के आसंजन को रोकने हेतु एल्यूमिनियम दूध कंटेनरों के लिए सतह इंजीनियरिंग कोटिंग की व्यवहार्यता, (पीआईपीएल)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. सौम्यदीप सेट, मैकेनिकल इंजीनियरिंग**
- आयात के लिए सामग्री की पहचान हेतु परामर्श, (डीआरआई)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अमित अरोड़ा, मैटेरियल सामग्री इंजीनियरिंग**
- कोल्ड प्लेट (ईईपीएल) को डिजाइन करने के लिए घर्षण स्टीर चैनलिंग प्रक्रिया का विकास और अनुकूलन। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अमित अरोड़ा, सामग्री इंजीनियरिंग**
- स्वदेशी तरीके से जेडएनओ ब्लॉक बनाने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन, (ईसी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. श्रीहरिता रोथू, मैटेरियल इंजीनियरिंग**
- आईआईटी गांधीनगर-केआईएसईएम उद्योग ऊर्जा मूल्यांकन, (आईआईटीएमएस)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. नारायण एम पिंडोरिया, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- जीयूवीएनएल, (जीयूवीएनएल) के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. नारायण एम पिंडोरिया, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- बिजली क्षेत्र में नियामक ढांचे पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, (जीईटीआरआई)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. नारायण एम पिंडोरिया, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- कॉर्नियल क्रॉस-लिंगिंग डिवाइस (बीवीसी) का डिजिटलीकरण और स्वचालन। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. उत्तमा लाहिड़ी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- आरटीओ ड्राइविंग लाइसेंस परीक्षणों को स्वचालित करने हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण, (एसटीटीएल)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. शनमुगनाथन रमन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- स्मार्ट बॉक्सर सॉफ्टवेयर का विकास (आईआईटीएमएस)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. रवि हेगडे, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- पुरुष और महिला पैटर्न बाल हानि-प्रेक्षण अध्ययन, (मैरिको)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. हिमांशु शेखर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- ए-स्कैन इमेजिंग, (एमएसएल) हेतु डेटा और

आर्टिफैक्ट को हटाना निरूपित करना। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. हिमांशु शेखर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**

- गैर-विनाशकारी परीक्षण एप्लिकेशन (एमएसएल) हेतु चरणबद्ध सरणी अल्ट्रासाउंड सिस्टम। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. हिमांशु शेखर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- 6जी, (क्यूटीआई) के लिए भविष्य के वायरलेस सिस्टम के लिए टेराहर्ट्ज बैंड ऑन-चिप सिग्नल जनरेटर का डिजाइन। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. तरुण कुमार अग्रवाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- कम जड़ता ग्रिड समाधान समीक्षा, (ईयूके)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. पल्लवी भारद्वाज, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- माइक्रोग्रिड ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली विकास, (उत्तर)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. पल्लवी भारद्वाज, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- इलेक्ट्रिक वाहन एप्लिकेशन (ईआरडीए) के लिए तीन चरण प्रेरण मोटर ड्राइव विकास। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. पल्लवी भारद्वाज, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग**
- गुजरात और पश्चिमी महाराष्ट्र (एपीटीआरआई) में डेकन बेसाल्ट में सीओ-2 को अनुक्रमित करने का आँकलन। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. पंकज खन्ना, पृथ्वी विज्ञान**
- वेबसाइट-विशिष्ट प्रश्नों के उत्तर देने के लिए बड़े भाषा मॉडल आधारित चैट प्लगइन का विकास, (एसटीटीएल)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. मयंक सिंह, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- बायोटेक विज्ञान के लिए उत्पाद, (पीआर) से फैको मशीन के लिए सॉफ्टवेयर और प्रौद्योगिकी अद्यतन। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. समीर जी कुलकर्णी, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- उपभोक्ता अनुसंधान में भौतिक उपाय, (डीईसीआर)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. कृष्णा प्रसाद मियापुरम, कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग**
- संज्ञानात्मक कौशल और मानसिक कल्याण (सीटीई) में न्यूरोफीडबैक की प्रभावकारिता का परीक्षण करना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. कृष्णा प्रसाद मियापुरम, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- खावड़ा, गुजरात, (पीजीसीआईएल) प्रधान अन्वेषक में दो सबस्टेशन पर संरचनाओं के लिए फाउंडेशन सिस्टम का डिजाइन: **प्रो. अमित प्रशांत, सिविल इंजीनियरिंग**
- अहमदाबाद-धोलेरा एक्सप्रेसवे (एनएचएआईए) का पर्यवेक्षण, निरीक्षण और लेखा परीक्षा। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. अमित प्रशांत, सिविल इंजीनियरिंग**
- पालनपुर (एलएंडटीसी) के पास रेलवे ओवरब्रिज परियोजना में जीआरएस दीवारों में संकट के लिए उपचारात्मक उपाय। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. अमित प्रशांत, सिविल इंजीनियरिंग**
- महत्वपूर्ण कटाव के बाद प्रस्तावित सुरक्षा कार्यों के साथ आसंग जलविद्युत संरचना के लिए स्थिरता, (एसएसएनएनएल)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. अमित प्रशांत, सिविल इंजीनियरिंग**
- एसजीटीपी, बिरसिंहपुर, (एमपीपीजीसीएल) में राख डाइक-II की संरचनात्मक स्थिरता और सुरक्षा। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अमित प्रशांत, सिविल इंजीनियरिंग**
- मुंद्रा, गुजरात, (आईओसीएल) में उपरोक्त भूमि कच्चे तेल भंडारण टैंकों के लिए फाउंडेशन सिस्टम का डिजाइन। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अमित प्रशांत, सिविल इंजीनियरिंग**
- एनआईडी परिसर (एनआईडी) में निर्मित किए जाने वाले दो उच्च-स्तरीय भवनों के लिए भू-तकनीकी जांच। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. अजन्ता सचान, सिविल इंजीनियरिंग**
- ग्वालियर-झांसी राजमार्ग (टीओटी 13), (एनआईआईएफ) पर बाढ़ का जलवायु परिवर्तन जोखिम मूल्यांकन। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विमल**

मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग

- अखिल भारतीय स्तर पर जलवायु अनुमानों और परिदृश्यों के डेटाबेस का विकास, आईआईएमए)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विमल मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग**
- कर्नाटक(एसीआईडब्ल्यूआरएम) हेतु उच्च विभेदन फसल मानचित्रण और सिंचाई मानचित्रण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विमल मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग**
- वडनगर वाटरशेड क्षेत्र (डीएएमजी) का हाइड्रो-जियोमोर्फिक विश्लेषण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विमल मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग**
- आईओसीएल अंबावाड़ी आवासीय कॉलोनी: भाग 1- संरचनात्मक लेखा परीक्षा और विशेषज्ञ राय(आईओसीएल)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. धीमान बसु, सिविल इंजीनियरिंग**
- पाइल कैप प्रकार एल-आर3-सीपी-1, एल-आर3-सीपी-2 और एल-आर3-सीपी3, (एलएंड टीसी) के लिए रीबार में यांत्रिक युग्मकों के प्रस्ताव पर राय के लिए अनुरोध। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. धीमान बसु, सिविल इंजीनियरिंग**
- आश्रम रोड, अहमदाबाद में आयकर भवन की संरचनात्मक लेखा परीक्षा: भाग-1, (सीपीडब्ल्यू डी)। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. धीमान बसु, सिविल इंजीनियरिंग**
- भावनगर (एसबीआई) में एसबीआई प्रशासनिक भवन की संरचनात्मक स्थिरता हेतु निरीक्षण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. धीमान बसु, सिविल इंजीनियरिंग**
- विश्लेषण और उपचारात्मक उपायों (एल एंड टीसी) पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने सहित टीएसपी के लिए प्रमाण परामर्श और साइट का दौरा। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. धीमान बसु, सिविल इंजीनियरिंग**
- आरसीसी फ्रेम स्ट्रक्चर एसबीआईएलडी बिल्डिंग, गांधीनगर, (एसबीआई) की संरचनात्मक स्थिति मूल्यांकन और निरीक्षण। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. धीमान बसु, सिविल इंजीनियरिंग**
- एचएसआर संरक्षण के 502.654 किमी (एनएचआरसीएल) के चेनेज में नीलामबाग सोसाइटी भवनों पर अत्यधिक कार्य के कारण कंपन के निहितार्थ का आँकलन। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. गौरव श्रीवास्तव, सिविल इंजीनियरिंग**
- एएफ एसटीएन पालम (सीपीबीपीएल) में बोइंग विमान को शामिल करने हेतु कुछ बुनियादी ढांचे के प्रावधान के लिए अग्नि दमन प्रणाली की डिजाइन समीक्षा। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. गौरव श्रीवास्तव, सिविल इंजीनियरिंग**
- अहमदाबाद-धोलेरा एक्सप्रेसवे (एनएचएआईए) का पर्यवेक्षण, निरीक्षण और लेखा परीक्षा। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. गौरव श्रीवास्तव, सिविल इंजीनियरिंग**
- एनपीसीआईएल (आईआईटी कानपुर) के रावतभट्ट स्थल के लिए बांध ब्रेक फ्लो विश्लेषण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. प्रणव कुमार महापात्रा, सिविल इंजीनियरिंग**
- डक्टाइल आयरन पाइप (डब्ल्यूसीएल) के लिए हेजन-विलियम गुणांक का निर्धारण। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. प्रणव कुमार महापात्रा, सिविल इंजीनियरिंग**
- भूकंप सुरक्षित भवनों (ईईआरआई) का अनुवाद। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. मनीष कुमार, सिविल इंजीनियरिंग**
- गोंडल शहर (डब्ल्यूआर) में भारतीय रेलवे द्वारा निर्मित एलएचएस 35 और 36 में जल प्रवेश और रिसाव की समस्या का समाधान। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. उदित भाटिया, सिविल इंजीनियरिंग**
- जीआईडीसी पंपिंग स्टेशन रूंध, (जीआईडीसी) में इन्टेक वेल क्षमता विस्तार के लिए परामर्श। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. उदित भाटिया, सिविल इंजीनियरिंग**
- मेसर्स फॉक्सकॉन (डीआईसीडीएल) के प्रवाह के उपचार के लिए डीआईसीडीएल के मौजूदा सीईटीपी में आवश्यक संशोधन/उन्नयन पर

तकनीकी विशेषज्ञता। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. उदित भाटिया, सिविल इंजीनियरिंग**

- एनएच-47 के 60.000 से 105.000 कि.मी गुजरात (एनएचएआईए) के खंडों का आकलन। अन्वेषक: **प्रो. सुशोभन सेन, सिविल इंजीनियरिंग**
- रेटिनल कैसर (बीवीसी) में संभावित अनुप्रयोग के लिए प्रकाश संश्लेषण और फोटोसेंसिटाइजर अणु का लक्षण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. इति गुप्ता, रसायन शास्त्र**
- बहु-कार्यात्मक कोर-शेल कणों (एलसीएल) का विकास। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. श्रीराम वी गुंडीमेडा, रसायन शास्त्र**
- यदि आरयू/एएल2ओ3 आदि मेचेम ओपीसी प्राइवेट लिमिटेड (एएमपीएल) के आरयू पाउडर नमूनों का उपयोग करके तैयारी करता है। प्रधान अन्वेषक : प्रो. सुधांशु शर्मा, रसायन विज्ञान
- एमसीएफ 7, (केबीएस) के साथ सेलुलर परख। प्रधान अन्वेषक: प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग

- ऑप्टिकल फाइबर-युग्मित पोर्टेबल स्पेक्ट्रोमीटर-आधारित कच्चे हीरे का रंग मापन और मौजूदा विधि (एसआरई) के साथ तुलना। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. सौम्यकांति खट्टा, रसायन शास्त्र**
- अग्नि प्रतिरोधी नैनो-समग्र तैयारी (ओएमईसी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. चिन्मय घोरोई, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- पीएमएमए आधारित कोपॉलीमर (वीटीआईएल) का रासायनिक विश्लेषण। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. प्रत्युष दयाल, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- लिथियम आयन बैटरियों (ओईटी) में इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल और ट्रांसपोर्ट प्रॉपर्टी पर पॉलिमर बाइंडर्स के प्रभाव को समझने के लिए सिलिको अध्ययन में। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. मिथुन राधाकृष्ण, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, (एएमएनएसआईएल) का उपयोग करके निरंतर कास्टिंग के दौरान अनुप्रस्थ क्रेक फॉर्मेशन का पूर्वानुमान। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. हरि साई गणेश,**

रासायनिक अभियांत्रिकी

- हीट ट्रांसफर में सुधार और थर्मल स्टोरेज, (पीआईपीएल) के समय को कम करने के लिए पीसीएम का संशोधन। प्रधान अन्वेषक : **प्रो. विश्वजीत साहा, रासायनिक अभियांत्रिकी**
- मध्य प्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद, (एमपीसीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. मनीष जैन, सृजनात्मक शिक्षण**
- सर्व शिक्षा अभियान, (एसएसए) प्रधान अन्वेषक : **प्रो. मनीष जैन, सृजनात्मक शिक्षण**
- काशीव बायोसाइंसेज, (केबीएस) के साथ परामर्श परियोजना। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. धीरज डी भाटिया, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**
- लिगैंड्स के कम्प्यूटेशनल और मॉडलिंग अध्ययन-रिसेप्टर्स, (स्पिल)। प्रधान अन्वेषक: **प्रो. विजय थिरुवेन्कटम, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग**

बौद्धिक संपदा

वर्ष 2023-24 के दौरान दिए गए पेटेंट:

- रस अवरोधकों के रूप में मायो-इनोसिटोल के फॉस्फेट डेरिवेटिव: आविष्कारकों में प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, प्रो. विजय थिरुवेन्कटम, जीवीना हुसैन और गायत्री पुरुषोत्तमान शामिल हैं। भारतीय पेटेंट संख्या 428697 है।
- बोरान आधारित नैनो-अक्रॉडियन और नैनोशीट तैयार करने की एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रो. कबीर जसुजा और सरोज कुमार दास शामिल हैं। भारतीय पेटेंट संख्या 432027 है।
- पार्किंसन की बीमारी से ग्रसित व्यक्ति के लिए वॉकिंग एड सिस्टम: आविष्कारकों में प्रो. उत्तमा लाहिड़ी, साई राम कृष्ण जी, और मेघ पटेल शामिल हैं। भारतीय पेटेंट संख्या 432194 है।
- प्रतिस्थापित 1,2-डाई हाइड्रो-3एच-पाइरोजोला $o[4,3-c]$ क्यूनोलिन-3-वनएज किनासे इन्हिबिटर्स: आविष्कारकर्ताओं में प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, प्रो. विजय थिरुवेन्कटम, अल्थाफ शेक, और रश्मि भकुनी। भारतीय पेटेंट संख्या 435171 है।
- बहु-मापदंड रोगी निगरानी प्रणाली: आविष्कारकों में प्रो. उत्तमा लाहिड़ी, धवल सोलंकी और पूजन ओजा शामिल हैं। भारतीय पेटेंट संख्या 427385 है।
- ऑर्गेनोफॉस्फोरस हर्बिसाइड्स का पता लगाने के लिए नैनोबिकेटलिस्ट: आविष्कारकों में प्रो. भास्कर दत्ता, संजय कुमा और प्रमिला शर्मा शामिल हैं। भारतीय पेटेंट संख्या 418926 है।
- भौतिक व्यवहार के प्रबंधन के लिए फिजियोलॉजी-संवेदनशील प्रणाली और उसकी एक विधि : आविष्कारकों में प्रो. उत्तमा लाहिड़ी और धवल सोलंकी शामिल हैं। भारतीय पेटेंट संख्या 436853 है।
- कंक्रीट संरचनाओं के 3डी प्रिंटिंग के लिए उपकरण और विधि: आविष्कारकों में शशांक शेखर और प्रो. मनीष कुमार शामिल हैं। भारतीय पेटेंट संख्या 436854 है।
- हाई रेजोल्यूशन हाई स्पीड डिजिटल से एनालॉग कन्वर्टर्स के लिए मिलान किए गए उपकरणों की एक सरणी: आविष्कारकों

में सत्यजीत महापात्र और प्रो. निहार रंजन महापात्र शामिल हैं। भारतीय पेटेंट संख्या 437042 है।

- चुंबकीय संमिश्र और इसकी तैयारी के लिए एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रो. मनीष कुमार सिंह और नीरवकुमार प्रदुमन रावल शामिल हैं। भारतीय पेटेंट संख्या 455776 है।
- क्विनोलीन आधारित यौगिक और इसे तैयार करने की एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, प्रो. विजय थिरुवेन्कटम, श्रीमाधवी रावी, सुगाता बरुई और अल्थाफ शेख शामिल हैं। पेटेंट संख्या है: 466023
- एक स्व-चलित कथा निर्माण और कहानी कहने वाला मंच: आविष्कारकर्ताओं में प्रो. उत्तमा लाहिड़ी, प्रदीप राज और सुजाता सिन्हा शामिल हैं। पेटेंट संख्या है: 472386
- फ्लैम रिटार्डेंट कंपोजिशन और इसे तैयार करने की एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रो. कबीर जसुजा और सरोज कुमार दास शामिल हैं। पेटेंट संख्या है: 476931
- मोटर आंदोलनों में भिन्नताओं का पता लगाने के लिए प्रणाली: आविष्कारकों में प्रो. हरीश पी एम और विनोदकुमार शाह वृतांगकुमार शामिल हैं। पेटेंट संख्या है: 482896
- कैसर रोधी औषधियों के लिए वाहक और इसे तैयार करने की एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रो. चिन्मय घोरोई, जय प्रकाश चौधरी और सोफिया वर्गाज शामिल हैं। पेटेंट संख्या है: 511700
- स्वयं कॉम्पैक्टिंग कंक्रीट का उपयोग करके अतिरिक्त निर्माण: आविष्कारकों में प्रो. मनीष कुमार, शशांक शेखर और ऋषभ माथुर शामिल हैं। पेटेंट संख्या है: 518855
- ध्वनि प्रतिक्रिया को रद्द करने के लिए एक उपकरण और उसका एक उपाय: आविष्कारकों में प्रो. नितिन जॉर्ज, प्रधान सोमनाथ और विनल पटेल शामिल हैं। पेटेंट संख्या है: 507174
- फोटोकॉमिक कार्बनिक यौगिक और उनके संश्लेषण के लिए एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रो. चंद्रकुमार अप्पेयी और वेंकट मणि दुप्पलापुडी पद्मजा शामिल हैं। पेटेंट संख्या है: 498888
- डीजल सुधारकों के लिए एक शांत ज्वाला रिपक्टर: आविष्कारकों में प्रोफेसर अतुल भार्गव और सागरदीप भक्त शामिल हैं। पेटेंट संख्या है: 499543



पेटेंट 2023-24 के दौरान दायर किया गया

- प्रबलित कंक्रीट संरचना और उसकी एक विधि बनाने के लिए उपकरण: आविष्कारकों में प्रो. मनीष कुमार, प्रो. वेंकट मधुकंठ वडली, और चमन मोदी शामिल हैं
- उत्प्रेरक संरचना और इसकी तैयारी की एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रो. सुधांशु शर्मा, चंद्रशेखर तिवारी, और भानु प्रताप सिंह गंगवार शामिल हैं।
- सतह पर आधारित नैनोकम्पोजिट उत्सर्जन और इसकी तैयारी के लिए एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रो. मुकेश धांका और हेमंत सिंह शामिल हैं
- संज्ञानात्मक हानि के लिए गज़ी-संवेदनशील स्क्रीनिंग बैटरी प्रणाली: आविष्कारकों में प्रो. उत्तमा लाहिड़ी, धर्म राणे, अभिजीत दास और अनिर्बान दत्ता शामिल हैं
- एक्सोसूट (केयर) के लिए केबल एक्ट्यूशन और रूटिंग यूनिट: आविष्कारकर्ताओं में प्रोफेसर विनीत वशिष्ठ, योगेश सिंह, अक्षयराज बालासाहेब शिंदे और संजीव नाका शामिल हैं।
- भौतिक गतिविधियों और शारीरिक संकेतों की निगरानी के लिए एक प्रणाली और एक विधि: आविष्कारकों में प्रो बिस्वजीत साहा, रवि प्रकाश वर्मा और प्रतीक सुमन साहू शामिल हैं।
- कार्बन क्वांटम डॉट्स और उसकी तैयारी के लिए एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रोफेसर धीरज भाटिया और पंकज यादव शामिल हैं।
- प्रतिस्थापित और इसकी तैयारी की एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रो चंद्रकुमार अप्पेई, सूरज सिंह, रोहताश कुमार और नवनीत नंदगोपाल दुबे शामिल हैं गीट के ठंड का अनुमान लगाने और उपयोगकर्ता की पूर्व सहायता करने के लिए पहनने योग्य उपकरणों की एक प्रणाली: आविष्कारकों में प्रो उत्तमा लाहिड़ी, प्रिया पल्लवी और अंकिता रघुवंशी शामिल हैं।
- घाव भरने के लिए हाइड्रोजेल फ्लैप और उसके निर्माण की विधि: आविष्कारकों में प्रो मुकेश धनका, हितशा विठलानी और हरशील दवे शामिल हैं।
- टाइटेनियम ऑक्साइड नैनोकणों तैयार करने की प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रोफेसर एमिला पांडा, रेमिया रॉय, रवि तेजा मित्तिरेड्डी और दीपक प्रजापति शामिल हैं।
- मिनिमली इनवेसिव सर्जरी (एमआईएस) करने के लिए एक प्रणाली: आविष्कारकों में प्रो मधु वडाली और मोहम्मद मोदासर फिरदौस शामिल हैं।
- फ्लोरोसेंट स्ट्राइरिल यौगिकों और इसकी तैयारी के लिए एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रो श्रीराम वी गुंडीमेडा और दीक्षा राजपूत शामिल हैं।
- फिल्म संरचना और इसकी तैयारी के लिए एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रो प्राची थरेजा, मंजोत सिंह और मानसी जीनुगु शामिल हैं।
- फेनोथियाज़िन डेरिवेटिव और उनकी तैयारी के लिए एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, प्रो. विजय थिरुवेन्कटम, गौरव राय और भानु प्रिया शामिल हैं।

अनुसंधान गतिविधियां : कार्यक्रम और पहुंच

सम्मेलन, कार्यशालाएं, संगोष्ठी और सेमिनार जैसे अनुसंधान और सहयोगात्मक कार्यक्रम शैक्षणिक गतिविधियों के अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्से हैं, जिन माध्यम से काफी वृहद स्तर पर महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाती है। इनमें से कई गतिविधियों में अन्य संगठनों की भागीदारी होती है और विभिन्न स्तरों पर संस्थान की अस्मिता एवं लोकप्रियता बढ़ायी जाती है। वर्ष 2023-24 के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम / गतिविधियां आयोजित की गईं

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाएं

रसायन विज्ञान कैंप 2023

आईआईटी, गांधीनगर ने रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (आरएससी), भारत के साथ मिलकर 29-31 मार्च, 2023 के दौरान गुजरात के विभिन्न जिलों से कक्षा 9 के 80 से अधिक छात्रों के लिए तीन दिवसीय आवासीय यूसुफ हैमिड केमिस्ट्री कैंप (वाईएचसीसी) का आयोजन किया। शिविर का उद्देश्य व्यावहारिक रसायन शास्त्र सीखने में मनोरंजन और उन्हें विश्वविद्यालय स्तर तथा उससे आगे रसायन विज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना था। इस कार्यक्रम का समन्वय प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण ने किया।



विज्ञान दिवस 2023

आईआईटी, गांधीनगर ने रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री के सहयोग से दिनांक 28 फरवरी, 2023 को परिसर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया, जिसमें स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए कई रोमांचक एवं उत्कृष्ट गतिविधियों और वैज्ञानिक प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। अहमदाबाद, गांधीनगर और आसपास के जिलों के लगभग 1000 स्कूल के छात्रों और 200 कॉलेज के छात्रों ने विज्ञान और उसके चमत्कारों का पता लगाने, अनुभव करने और मनोरंजन हेतु आईआईटी, गांधीनगर परिसर का दौरा किया। इस कार्यक्रम का आयोजन प्रोफेसर शिवप्रिया किरुबाकरण और श्रीराम वी गुंडीमेडा द्वारा किया गया था।

कैंप आर्ट एंड लर्निंग

आईआईटी गांधीनगर की क्युरीअस्टी लैब, सोशल ऐक्शन एवं पॉलिसी लैब ने यूनिसेफ के सहयोग से कक्षा 6 से 12वीं तक के छात्रों के लिए दिनांक 3-5 फरवरी, 2023 तक एक ऑनलाइन शिविर "शिविर आर्ट एवं लर्निंग" का आयोजन किया। इस आयोजन में शिक्षकों के अलावा, विद्यार्थियों के माता-पिता और विद्यालय के प्रतिभावान छात्र (स्कॉलर) भी शामिल थे। इस आयोजन में, भारत

और विदेशों के ख्यातिलब्ध पेशेवरों द्वारा अपने आकर्षक सत्रों के माध्यम से, छात्रों के समग्र विकास के लिए पाठ्यक्रम के भीतर निहित कला को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया गया। इस कार्यक्रम का समन्वय प्रो. जैसन मंजली द्वारा किया गया।



ऊर्जा नीति और विनियमन में ई-मास्टर

ऊर्जा क्षेत्र की उभरती मांगों और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कौशल विकास को पूरा करने हेतु, आईआईटी गांधीनगर ने दिनांक 10 सितंबर 2023 को ऊर्जा नीति और विनियमन (ईपीआर) में काम करने वाले पेशेवरों के लिए अपना प्रथम ई-मास्टर डिग्री कार्यक्रम शुरू किया। कार्यक्रम का पहला बैच जनवरी 2024 से शुरू होगा। दो वर्ष का यह कार्यक्रम एक लचीले, विशिष्ट अनुकूल संरचना के साथ डिज़ाइन किया गया है ताकि नामित/नामांकित उम्मीदवारों को अपनी कार्य प्रतिबद्धताओं को समवर्ती रूप से समायोजित करने में सक्षम बनाया जा सके।

जीआईएएन कोर्स

आईआईटी, गांधीनगर में मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग ने ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क्स पहल के तहत, दिनांक 24-30 सितंबर, 2023 से "दक्षिण एशिया में मातृभाषा : भाषा, शिक्षा और पहचान" पर एक सप्ताह का विस्तृत पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। यह पाठ्यक्रम प्रो क्रिस्टिना पी डेविस, वेस्टर्न इलिनोइस यूनिवर्सिटी; प्रो चैस लाडोसा, हैमिल्टन कॉलेज और प्रो निशांत चोक्सी, आईआईटी गांधीनगर द्वारा अनुदेशित किया गया था। आईआईटी गांधीनगर ने दिनांक 11-15 दिसंबर, 2023 को "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग फॉर मैटीरियल्स साइंस" पर एक ऑनलाइन जीआईएएन पाठ्यक्रम आयोजित किया। प्रोफेसर सुब्रमण्यन शंकरनारायणन, एसोसिएट प्रोफेसर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, इलिनोइस शिकागो विश्वविद्यालय, इसके प्रशिक्षक थे।" इस पाठ्यक्रम में देशभर के 80 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की। इसे प्रो. राघवन रंगनाथन द्वारा समन्वित किया गया था।

थर्मोडायनामिक तर्क पर पाठ्यक्रम

आईआईटी गांधीनगर में डॉ. किरण सी पटेल सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (केपीसीएसडी) ने 9 सितंबर, 2023 को "थर्मोडायनामिक रीजनिंग इन सस्टेनेबिलिटी" पर एक दिवसीय पाठ्यक्रम का आयोजन किया। विभिन्न संस्थानों के लगभग 100 छात्रों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया, जो आईआईटी, गांधीनगर के चार संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें प्रो रविंदर आर पुरी, भौतिकी; प्रो अतुल भार्गव, मैकेनिकल इंजीनियरिंग; प्रो कौस्तुभ राणे, रासायनिक इंजीनियरिंग; और प्रो ऋषि नारायण सिंह, पृथ्वी विज्ञान शामिल थे।



कुतूहल (CURIOSITY) आधारित सम्मेलन

आईआईटी, गांधीनगर की जिज्ञासा प्रयोगशाला ने जिज्ञासा केंद्र, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भागीदारी में 12 और 13 अगस्त, 2023 को आईआईटी, गांधीनगर में 'जिज्ञासा सम्मेलन' की मेजबानी की। दो दिवसीय सम्मेलन में विशेषज्ञ वार्ताओं, कार्यशालाओं, पोस्टर प्रस्तुतियों की श्रृंखला थी और विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा, शिक्षण, अनुसंधान और कार्यस्थल प्रथाओं में सुधार और

नवाचार तथा प्रगति को चलाने में इसके महत्व में जिज्ञासा की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श करने के लिए पेशेवरों द्वारा अभ्यास आधारित प्रदर्शनी थी। इस सम्मेलन में देशभर से लगभग 200 शोधकर्ताओं, शिक्षकों, स्कूल के प्राचार्यों/प्रधानाचार्यों और उद्योग-पेशेवरों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का समन्वय प्रो. जैसन मंजली द्वारा किया गया।

विचारों का इतिहास

संस्थान ने बड़ी संख्या में श्रोता को लक्षित करते हुए दिनांक 15 जुलाई, 2023 को 'विचारों के इतिहास पर संगोष्ठी श्रृंखला' के चौथे संस्करण का आयोजन किया, जिसमें दो अत्यंत रोचक ऑनलाइन वार्ता शामिल थी। "आईआईएसईआर, पुणे से प्रो. सुनील मुखी द्वारा "स्ट्रिंग थ्योरी: मॉडल एंड फ्रेमवर्क" पर पहली संगोष्ठी का आयोजन किया गया और आईआईटी, गांधीनगर से प्रो. अनिर्बान दासगुप्ता द्वारा दिए गए व्याख्यान में "थिंकिंग मशीन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एक विचार के जन्म" पर चर्चा की गई।"

अल्जाइमर रोग पर संगोष्ठी

आईआईटी, गांधीनगर ने दिनांक 23 सितंबर, 2023 को "अल्जाइमर की चुनौतियां और उम्मीदें: डॉट्स को जोड़ना" पर संगोष्ठी का आयोजन किया। पारुल विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अल्जाइमर की बीमारी और डिमेंशिया (स्मृतिभ्रंश) के अन्य रूपों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और न्यूरोडीजनरेटिव बीमारियों के क्षेत्र में काम करने वाले विविध व्यक्तियों/हितधारकों को एक साथ लाना है।" इस संगोष्ठी में 150 से अधिक छात्रों, संकाय सदस्यों, चिकित्सकों और वैज्ञानिकों ने सहभागिता की। इस कार्यक्रम का समन्वय प्रो. शरद गुप्ता द्वारा किया गया।

भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण

संस्थान ने दिनांक 7-23 दिसंबर, 2023 को पुरातात्विक और विरासत अध्ययन के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी पर आधारित/केंद्रित 15 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन

किया। इस पाठ्यक्रम को रिमोट सेंसिंग और जीआईएस में मजबूत नींव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया था, जो भू-स्थानिक प्रलेखन, स्थानिक डेटा प्रबंधन, निकटता विश्लेषण, इमेज प्रोसेसिंग और निर्वचन, टैरेन मॉडलिंग जैसे बहुत से क्षेत्रों में वृहद व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम में 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया और प्रो. वी. एन. प्रभाकर द्वारा इसे समन्वित किया गया।

रोबोटिक्स पर सत्र

"आईआईटी, गांधीनगर ने दिनांक 7 अक्टूबर, 2023 को कक्षा 9 से 12 के युवा रोबोटिक्स उत्साहियों के लिए आकर्षक पारस्परिक चर्चा सत्र का आयोजन किया। "हमारे आसपास रोबोटिक्स" नामक इस सत्र का आयोजन प्रोफेसर हरीश पीएम, एसोसिएट प्रोफेसर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी, गांधीनगर द्वारा किया गया था। 15 विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने इस सत्र में भाग लिया। यह सत्र ऊर्जा और ज्ञान से परिपूर्ण था। इस सत्र के माध्यम से इसमें सम्मिलित युवा प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं को शांत किया गया।

मेट्रो अग्नि सुरक्षा पर प्रतियोगिता

सेंटर फॉर सेफ्टी इंजीनियरिंग ने फायर सेफ बिल्ड इंडिया (एफएसबीआई) के सहयोग से 10 दिसंबर, 2023 को "मेट्रो फायर सेफ्टी" पर एक छात्र पेपर प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में कई छात्रों ने भाग लिया, जिन्होंने डिजाइन, सामग्री, निकास, विनियमन और कोड और मानकों के क्षेत्र में अपने शोध कार्य का प्रदर्शन किया।"

आईसीसीएमएस 2023

आईआईटी, गांधीनगर ने दिनांक 20 से 22 दिसंबर, 2023 तक कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स एंड सिमुलेशन (आईसीसीएमएस 2023) पर 9वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस की मेजबानी की। इंडियन एसोसिएशन फॉर कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स (आईएनडीएसीएम) के तत्वाधान में आयोजित प्रमुख द्विवार्षिक सम्मेलन का यह संस्करण 14 विषयगत क्षेत्रों के आसपास था। इस सम्मेलन में सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, सामग्री इंजीनियरिंग/विज्ञान, भौतिकी, गणित और संबद्ध क्षेत्रों की पृष्ठभूमि वाले 140 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का समन्वय प्रो. अमित प्रशांत, रवि शास्त्री अय्यगारी, और गौरव श्रीवास्तव ने किया।

एचएसएस संगोष्ठी

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग ने 20 नवंबर, 2023 को 'कला, दर्शन और साहित्य में वैश्विक आधुनिकता और आधुनिकीकरण' पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। दो मुख्य वक्ता जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. ब्रिंडा बोस और रोडे द्वीप विश्वविद्यालय के प्रो. आशीष अविकुंठक ने आधुनिकता और आधुनिकता के गतिशील रूब्रिक में भारतीय कला प्रक्रिया से जुड़े विषय पर व्याख्यान दिए। एचएसएस, आईआईटी गांधीनगर से प्रबुद्ध व्याख्याता प्रो. एंगस मैकब्लेन और के प्रो. शारमिता लाहिड़ी ने भारतीय दर्शन और साहित्य से आधुनिकता पर कई जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया। संगोष्ठी का उद्घाटन और समापन भाषण प्रो. अर्का चट्टोपाध्याय द्वारा दिया गया।



स्नातक अनुसंधान शो-केस

संस्थान ने दिनांक 22 नवंबर, 2023 को स्नातक अनुसंधान शो-केस का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के दौरान, विभिन्न विषयों के लगभग 75 स्नातक छात्रों ने पोस्टर के रूप में अपने शोध को प्रदर्शित किया, जिसमें अत्यंत रोचक विषयों की विस्तृत श्रृंखला शामिल थी।

91 महिला छात्राओं हेतु विज्ञान शिविर

आईआईटी, गांधीनगर ने दिनांक 8-9 जनवरी, 2024 को गुजरात क्षेत्र के जवाहर नवोदय विद्यालयों (जेएनवी) की 91 छात्राओं के लिए दो दिवसीय आवासीय विज्ञान शिविर का आयोजन किया। यह कार्यक्रम डीएसटी-विज्ञान ज्योति पहल के एक हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था। इन छात्राओं को स्कूल की परिधि/सीमा से बाहर जाने, उनके प्रयोगात्मक, समलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल को विकसित करने और विज्ञान में उनकी जिज्ञासा और सृजनात्मकता को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने का अवसर प्रदान ही इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य था।

कला और बोध/अनुभूति संगम 2024

आईआईटी, गांधीनगर में क्यूरियासिटी लैब ने कॉग्रिटिव साइंस सोसाइटी, एआरटी, आईआईटी गांधीनगर और कॉग्रिटिव एंड ब्रेन साइंसेज एंड ह्यूमनिटीज एंड सोशल साइंसेज के विभागों के सहयोग से दिनांक 10-11 फरवरी, 2024 को 'कला और कॉग्रिशन संगम 2024' का आयोजन किया। दो दिवसीय रेजिडेंसी ने विश्लेषणात्मक एवं गहन वार्ता हेतु भारत और विदेशों के कलाकारों और शोधकर्ताओं के अनूठे समागम को एक मंच पर लाने का काम किया। इस समागम का समन्वय प्रो. जैसन मंजली और प्रो. अरघा मन्ना द्वारा किया गया।



भारत में गणित का परिचय विषय पर कार्यशाला

आईआईटी गांधीनगर ने स्कूल शिक्षकों के लिए दिनांक 12-14 फरवरी, 2024 को 'भारत में गणित का परिचय' नामक कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला भारत में गणित के इतिहास, आईआईटी गांधीनगर द्वारा प्रायोजित और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रभाग द्वारा सह-प्रायोजित थी। इस कार्यशाला में गुजरात और महाराष्ट्र के 100 से अधिक शिक्षकों ने सहभागिता की। विविध गणितीय प्रायोगिक गतिविधियों और कार्यशालाओं में शामिल प्रतिभागियों और भारत और विदेशों के प्रख्यात विशेषज्ञों द्वारा सत्रों की सार्थकता सिद्ध की गई।

प्रो. पद्मनाभन बलराम द्वारा संगोष्ठी

दिनांक 6 मार्च, 2024 को, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग ने नेशनल सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज, बैंगलोर के अध्यक्ष प्रो. पद्मनाभन बलराम द्वारा 'कोरोनावायरस महामारी के बाद रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान पर आधारित एक अत्यंत आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रो. पद्मनाभन ने अपने पांच दशकों के करियर में आणविक जीव-भौतिकी और रासायनिक जीवविज्ञान के क्षेत्रों में व्यापक योगदान दिया है।

गणित शिक्षक अभिविन्यास शिविर

आईआईटी, गांधीनगर ने होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन, टीआईएफआर, मुंबई के साथ मिलकर दिनांक 11-15 मार्च, 2024 को गणित शिक्षक अभिमुखीकरण शिविर (एमटीओसी) की मेजबानी की। गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गोवा, दमन और दीव, दादरा और नगर हवेली से कक्षा VIII से XII तक पढ़ाने वाले शिक्षक इस कार्यक्रम में शामिल हुए और विशेषज्ञों के गणितीय ओलंपियाड पाठ्यक्रम के आधार पर सिद्धांत और समस्या समाधान के बारे में जाने।

कॉमिक्स कॉन्क्लेव 2.0

दिनांक 16-17 मार्च, 2024 को आईआईटी, गांधीनगर में कॉमिक्स कॉन्क्लेव 2.0 में कॉमिक्स और विज्ञान स्टोरीटेलिंग की जीवंत दुनिया की गहन खोज के लिए कॉमिक्स उत्साहियों, कलाकारों, लेखकों और विद्वानों का एक विविध समूह एक साथ आया। कॉन्क्लेव का आयोजन Art@IITGN और क्युरिओसिटी लैब द्वारा किया गया था। इस कार्यक्रम में पूरे भारत के प्रसिद्ध कॉमिक्स कलाकारों, लेखकों और प्रकाशकों द्वारा दृश्य कथा वाचन पर विविध सत्र शामिल किया गया। इस कार्यक्रम में ग्राफिक आख्यानों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

छात्र सहभागिता को बढ़ावा देने संबंधी कार्यशाला

आईआईटी, गांधीनगर में दिनांक 16 मार्च, 2024 को छात्र जुड़ाव को बढ़ावा देने और शिक्षार्थी-आधारित बड़े पैमाने पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसीएस) बनाने के लिए सीखने पर एक अर्ध-दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी। यह प्रो समीर सहस्रबुद्धे, प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस, डिजाइन द्वारा आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला का आयोजन कमिश्नरी ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (सीटीई), गुजरात द्वारा किया गया था और इसमें 104 संकाय सदस्यों ने सहभागिता की।

कार्यशालाएं

- अप्रैल 1, 2023 को **देवप्रीता जेना**, एसोसिएट, राइटिंग स्टूडियो, आईआईटी गांधीनगर, द्वारा प्रौद्योगिकी के समय में संचार।
- अप्रैल 11, 2023 को **डॉ. शुभरा दत्ता**, समाधान सलाहकार, एल्सवियर द्वारा स्कोपस और मेंडेल के साथ अपने शोध को बढ़ाएं।
- अप्रैल 11-13, 2023 को **प्रो. अर्पण भट्टाचार्य**, आईआईटी गांधीनगर और आईआईआईटी इलाहाबाद व लेथब्रिज विश्वविद्यालय, कनाडा (यूलेथ) के समन्वय से आयोजित सामान्य सापेक्षता के परीक्षण पहलू।
- अप्रैल 13, 2023 को निविद देसाई, शिक्षण सहयोगी, आईआईटी गांधीनगर द्वारा छंद, कविता पर कार्यशाला।
- अप्रैल 13, 2023 को डॉ. टी एस कुम्भर, सलाहकार, पुस्तकालय और संस्थान अभिलेखागार, आईआईटी गांधीनगर द्वारा प्रेडिटर प्रकाशन: कैसे देखना और टालना है।
- अप्रैल 17, 2023 को विश्व शर्मा, वरिष्ठ ग्राहक सफलता प्रबंधक, वैज्ञानिक अनुसंधान प्रभाग,

- स्पष्टता विश्लेषिकी द्वारा विज्ञान और अंत का वेब : अपने शोध को अगले स्तर पर ले जाना।
- जुलाई 13-14, 2023 को प्रो गौरव श्रीवास्तव द्वारा सेंटर फॉर सेप्टी इंजीनियरिंग द्वारा विस्फोट और उनकी विशेषताएं।
- 23 अगस्त, 2023 को श्री संग्राम गोखले, खाता प्रबंधक और एसीएस इंडिया के विशेषज्ञ प्रशिक्षक द्वारा वैज्ञानिक और शैक्षणिक अनुसंधान हेतु 'साइंस फाइंडर'।
- 11 सितंबर, 2023 को श्री विश्व शर्मा, वरिष्ठ ग्राहक सफलता प्रबंधक, स्पष्टता द्वारा 'वेब ऑफ साइंस' और 'एंडनोट' का प्रभावी उपयोग।
- 3 नवंबर, 2023 को अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से प्रो. आशीष एक्सक्सा, आईआईटी गांधीनगर द्वारा समन्वित आदिवासी पहचान, संस्कृति और पारंपरिक ज्ञान।
- 26 नवंबर, 2023 को आईआईटी गांधीनगर पुस्तकालय और केपीसीएसडी द्वारा सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के साथ मनोरंजन: बाल दिवस 2023।

- 27 नवंबर, 2023 को प्रो. गौरव श्रीवास्तव और फायर इंजीनियरिंग रिसर्च लेबोरेटरी (एफई आरएल), आईआईटी गांधीनगर द्वारा समन्वित मेट्रो फायर सेप्टी एंड ईग्रेस।
- 7 जनवरी, 2024 को आईआईटी गांधीनगर पुस्तकालय द्वारा शब्दों और दृश्यों के साथ मनोरंजन।
- 24 फरवरी, 2024 को मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा हैड्स-ऑन सीएनसी मिलिंग वर्कशॉप।
- 25 फरवरी, 2024 को रंग-बिरंगी रचनाएं: बुकमार्क बनाने की कार्यशाला और प्रतिस्पर्धा।
- 2 मार्च, 2024 को मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सीएनसी वुड क्राफ्टिंग वर्कशॉप।
- मार्च, 2-3, 2024 को पुरातात्विक विज्ञान केंद्र द्वारा पुरातत्व विज्ञान में धातु कास्टिंग-लॉस्ट वैक्स टेक्नोलॉजी।
- 7 मार्च, 2024 को सॉफ्ट और लिविंग मेटेरियल्स प्रयोगशाला द्वारा सक्रिय पदार्थ भौतिकी में वर्तमान रुझान 2024

Figures can also have to be drawn from the abstract paintings of Picasso, the impressionist paintings of Monet.

and then to generalize the ideas to other paintings by them and other artists they have never seen before (Watanabe et al. 1999)



पुस्तक विमोचन



पुस्तक विमोचन-पारिस्थितिक समस्याएँ

विश्व पृथ्वी दिवस से पूर्व, आईआईटी, गांधीनगर ने दिनांक 13 अप्रैल, 2023 को 'पारिस्थितिक उलझन: प्रभाव, अवतार और देखभाल की नैतिकता' नामक पुस्तक का विमोचन किया। प्रोफेसर अंबिका ऐयदुरै, अर्का चट्टोपाध्याय और निशांत चोक्सी, आईआईटी गांधीनगर में मानविकी और सामाजिक विज्ञान के संकाय सदस्यों द्वारा संपादित पुस्तक को आईआईटी गांधीनगर के निदेशक प्रो. रजत मूना द्वारा विमोचन किया गया। ओरिएंट ब्लैकस्वान द्वारा प्रकाशित, पुस्तक पारिस्थितिकी के सामाजिक, भौतिक और सांस्कृतिक आयामों को एकीकृत करने वाले ढांचे तैयार कर पारिस्थितिक संकट दूर करने के नए तरीकों का आह्वान करती है।

फुटनोट से कहीं अधिक

दिनांक 29 अगस्त, 2023 को, आईआईटी गांधीनगर ने "फुटनोट से कहीं अधिक: वन्यजीव अनुसंधान और संरक्षण में फील्ड असिस्टेंट्स - अरुणाचल प्रदेश की कुछ कहानियाँ" पुस्तक का शुभारंभ करने के लिए कार्यक्रम की मेजबानी की। बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बीएनएचएस) के पूर्व निदेशक और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. असद रहमानी ने पुस्तक के सह-संपादकों,

प्रतिष्ठित आगतुक

- जापान के अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ टोक्यो की गवर्नर सुश्री कोइके युरिको: दिनांक 8 जुलाई, 2023
- पीआरओएफ टीआईएम व्हाइट, नान्यांग तकनीकी विश्वविद्यालय, सिंगापुर के उपाध्यक्ष (अंतर्राष्ट्रीय संयोजन), दिनांक 14 जुलाई, 2023
- श्री धर्मेन्द्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री: दिनांक 16 जुलाई, 2023 और 6 नवंबर, 2023
- श्री लॉरेंस वोंग, उप-प्रधान मंत्री और वित्त मंत्री, सिंगापुर: दिनांक 16 जुलाई, 2023
- पद्म भूषण से सम्मानित प्रो. अशोक सेन, प्रतिष्ठित सैद्धांतिक भौतिकीविद: दिनांक 29 सितंबर, 2023



प्रोफेसर अंबिका अय्यादुराई, सहायक प्रोफेसर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, आईआईटी गांधीनगर और सुश्री ममता पांड्या, लेखक और शिक्षक के साथ पुस्तक का विमोचन किया।



इंजीनियरों के लिए नेतृत्व परिवर्तन

आईआईटी, गांधीनगर में सामरिक नेतृत्व के सहायक प्रोफेसर प्रो. राजीव रंजन शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक 'लीडरशिप ट्रांजिशन फॉर इंजीनियर्स' हेतु पुस्तक उद्घाटन समारोह का आयोजन दिनांक 9 फरवरी, 2024 को आईआईटी गांधीनगर में किया गया था। इस अवसर के मुख्य अतिथि प्रो. रजत मूना, निदेशक, आईआईटी गांधीनगर थे, जिन्होंने पुस्तक का विमोचन किया। इस कार्यक्रम में लेखक ने पुस्तक के बारे में कुछ मूल्यवान अंतर्दृष्टि भी साझा की।

- टोक्यो महानगर विश्वविद्यालय (टीएमयू) के प्रतिनिधिमंडल ने दिनांक 17 अक्टूबर, 2023 को आईआईटी गांधीनगर का दौरा किया।
- ओसाका, जापान के 21 प्रतिनिधियों के विशिष्ट प्रतिनिधिमंडल ने दिनांक 18 अक्टूबर, 2023 को आईआईटी का दौरा किया।
- प्रो आइयान मार्टिन, उप कुलपति, डेकिन विश्वविद्यालय ने दिनांक 6 नवंबर, 2023 को आईआईटी का दौरा किया।
- माननीय जसन क्लेयर, एमपी, शिक्षा मंत्री ऑस्ट्रेलिया सरकार ने दिनांक 6 नवंबर, 2023 को आईआईटी गांधीनगर का दौरा किया।



भामंत्रित व्याख्यान

- पूर्वोत्तर भारत में क्रिश्चियन मेडिकल मिशन, प्रो. डेविड आर सियमलीह, इतिहास के पूर्व प्रोफेसर, एनईएचयू, पूर्व अध्यक्ष, यूपीएससी, पूर्व कुलपति, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश और पूर्व अध्यक्ष, आईसीएसएसआर-एनईआरसी, एपीआर द्वारा दिनांक 5 अप्रैल, 2023 को व्याख्यान दिया गया।
- डॉ.फारोख मिनेहवर, लिस-मीटनर रिसर्च फेलो और सैद्धांतिक भौतिकी हेतु एफडब्ल्यूएफ-ए एनआर प्रधान अन्वेषक संस्थान (प्रिसिपल इन्वेस्टिगेटर इंस्टीट्यूट) इनसन्नक विश्वविद्यालय, आस्ट्रिया, एपीआर द्वारा फोटन-मध्यस्थ इंटरैक्शन के साथ एकात्मक फर्मों गैस में डेंसिटी-वेव आर्डर पर दिनांक 5 अप्रैल, 2023 को व्याख्यान आयोजित किया गया।
- नंबर कहां से आते हैं? इस विषय पर प्रो. राफेल नुनेज़, प्रोफेसर, संज्ञानात्मक विज्ञान, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो, एपीआर द्वारा दिनांक 5 अप्रैल, 2023 द्वारा व्याख्यान दिया गया।
- आइए पढ़ने की खुशी साझा करें! श्री सत्यनारायण मुंडियूर, विद्वान-इन-निवास, आईआईटी गांधीनगर द्वारा इस विषय पर दिनांक 6 अप्रैल, 2024 को व्याख्यान दिया गया।
- डॉ. अपूर्व भंडारी, संज्ञानात्मक, भाषाई और मनोवैज्ञानिक विज्ञान के सहायक प्रोफेसर, ब्राउन यूनिवर्सिटी, एपीआर द्वारा दिनांक 10 अप्रैल, 2023 को एक नम्य अनुभूति हेतु संरचनात्मक चित्रण पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- अकादमिक अखंडता क्या है और यह कैसे महत्वपूर्ण है। इस विषय पर डॉ. मारिया जोओ अमाटे, स्थानीय छात्र-कार्यक्रम सलाहकार, वैज्ञानिक लेखन कार्यक्रम में प्रमाणीकरण द्वारा दिनांक 10 अप्रैल, 2023 को व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- मारिया वर्गाज़, साबरमती रिसर्च फेलो आईआईटी गांधीनगर द्वारा ड्रीम हाउस एंजेल में कारमेन मैकाडोस में क्वीयर एब्यूज एवं कॉर्पोरियलिटी और केयर पर दिनांक 14 अप्रैल, 2023 को व्याख्यान दिया गया।
- डॉ. प्रभात प्रकाश, रिसर्च एसोसिएट, कैलटेक द्वारा दिनांक 18 अप्रैल, 2023 को प्रगतिशील एवं प्रभावी सामग्री हेतु आणविक सिमुलेशन और एप्लीकेशन की अवधि और आकार के पैमाने के विस्तारण हेतु आधुनिक कार्यनीतियाँ।
- आरओटी की गहराई: प्रो. एन सुकुमार, प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 19 अप्रैल, 2023 को उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति नियोजन पर व्याख्यान दिया गया।
- डॉ. पद्मा कृष्णन, एमेरिटस प्रोफेसर, एमई मेडिकल कॉलेज, पेरिन्यलमन्ना द्वारा दिनांक 19 अप्रैल, 2023 को वैज्ञानिक दृष्टि पर व्याख्यान दिया गया।
- मानव शरीर: डॉ. आर कृष्णन, पूर्व प्रोफेसर और विभाध्यक्ष, जनरल मेडिसिन, कालीकट मेडिकल कॉलेज, द्वारा दिनांक 19 अप्रैल, 2023 को एक अभियांत्रिकी चमत्कार पर व्याख्यान दिया गया।
- नेव मार्क, लेखक द्वारा दिनांक 19 अप्रैल, 2023 को अपराध कथा कौशल पर व्याख्यान दिया गया।
- संस्कृत जीवन शक्ति और भूमिका के संबंध में: इंडिका में विशेष परियोजनाओं के निदेशक, मेघ कल्याणसुंदरम द्वारा कुछ प्रतिबिंब, 20 अप्रैल, 2023।
- "आंटी सेंट्रिज्म डेडलॉक" और "ग्लोबल फेयरनेस" के बीच, प्रो. एडगार्ड ग्रासाउन, स्कॉलर-इन-रेजिडेंस, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी गांधीनगर, 2023
- ले पब्लिक के लिए विज्ञान संचार, डॉ. वास्को मैटो त्रिगो, पत्रकार, 21 अप्रैल 2023
- इवासवा सिद्धांत और अंकगणितीय सांख्यिकी, देबनाजन कुडू, विजिटिंग रिसर्चर, फील्ड इंस्टीट्यूट, कनाडा, अप्रैल 24, 2023
- कुनो में चीते: पर्यावरणीय विषयवस्तु का निर्माण, प्रोफेसर अस्मिता काबरा, प्रोफेसर, मानव पारिस्थितिकी स्कूल, डॉ. बी आर अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली, 24 अप्रैल, 2023
- विभाजक फ्रंक्शन से जुड़े सामान्यीकृत लैम्बर्ट श्रृंखला के लिए स्पष्ट परिवर्तन और उनके एप्लीकेशन, शिवाजी, शोध विद्वान, गणित, आई आई टी गांधीनगर, 26 अप्रैल, 2023
- सुप्रामोलेकुलर असेंबली और प्लास्मोनिक सबस्ट्रेट्स के साथ फ्लोरोसेंस, डॉ. शर्मिष्ठा दत्ता चौधरी, वैज्ञानिक, विकिरण और फोटोकेमिस्ट्री डिवीजन, बीएआरसी, 28 अप्रैल 2023
- एस्ट्रोनोमी के साथ उनके संभावित कनेक्शन और मैगैलिथिक स्टोन एलाइनमेंट्स और उनके संभावित कनेक्शन, डॉ. श्रीकुमार एम मेनन, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ ह्यूमनिटीज, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, बैंगलोर, 6 मई, 2023
- क्वांटम टेक्नोलॉजीज के लिए मशीन लर्निंग, प्रो. फ्लोरियन मार्केट, निदेशक, मैक्स प्लॉक इंस्टीट्यूट फॉर ड साइंस ऑफ लाइट इन एरलैंगन, जर्मनी, 9 मई 2023
- परिदृश्य विकास की गैर-रेखीय गतिशीलता: नियमितता से आत्म-समानता तक, डॉ. शशांक के आनंद, एचएमआईआई-स्टेप फेलो, प्रिंसटन विश्वविद्यालय, 16 मई 2023
- इनसाइड-द-बॉक्स अनुसंधान कहानी, प्रो. मनीष कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग, आईआईटी गांधीनगर, 18 मई, 2023
- भारत में वायु गुणवत्ता प्रबंधन में प्रौद्योगिकी और इंस्ट्रुमेंटेशन की भूमिका, सुश्री स्वगता डे, परियोजना प्रबंधक - वायु गुणवत्ता, पर्यावरण रक्षा कोष, 25 मई 2023
- हडप्पा सभ्यता की जड़ें, डॉ. आरएस बिष्ट, गोस्ट प्रोफेसर, आईआईटी गांधीनगर, 27 मई 2023
- क्या हम कैसर का इलाज कर सकते हैं? हमारे प्रयास, प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, कांकुबेन बख्शिरामभाई गेलोट चेर एसोसिएट प्रोफेसर, रसायन विज्ञान, आईआईटी गांधीनगर, जून 12, 2023
- संख्यात्मक अर्धसूत्रों का कुंज-वाल्डी निर्माण और संभावित विस्तार, प्रो. हेमा श्रीनिवासन, प्रोफेसर, गणित विभाग, मिसौरी विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका, 15 जून, 2023
- शहरी अनुभव: अर्ली इंडिया में शहर का भौतिक और सनसनीखेज प्रतिनिधित्व, प्रोफेसर शोनलीका कौल, प्रोफेसर, सेंटर फॉर हिस्टोरिकल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 24 जून, 2023
- बैलेंस रीहैबिलिटेशन में एआई-सक्षम प्रौद्योगिकी, उत्तमा लाहिडी, प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी गांधीनगर, जून 26, 2023
- परमाणु पैमाने पर विशेषता द्वारा संचालित उन्नत सामग्रियों का सटीक विनिर्माण, डॉ. प्रशांत कुमार, पोस्ट-डॉक्टरल शोधकर्ता, मिशिगन विश्वविद्यालय, जुलाई 3, 2023
- भू-राजनीति अब प्रतिशोध के साथ वापस आ गई है, अतुल सिंह, संस्थापक; प्रधान संपादक, फेयर ऑब्जर्वर और मनु शर्मा, सहायक संपादक, फेयर ऑब्जर्वर, 7 जुलाई, 2023
- बैटरी सामग्री की माइक्रोस्कोपी पर इलेक्ट्रॉन: क्रिस्टलोग्राफिक अस्पष्टताएं और प्रयोगात्मक चुनौतियां, डॉ. अल्पेश शुक्ला, परियोजना वैज्ञानिक, लॉरेंस बर्कले राष्ट्रीय प्रयोगशाला, 10 जुलाई, 2023
- विसकोर्ट: बाइट-एड्जेसेबल स्टोरेज के लिए बाहरी छंटाई, डॉ. सुवराज पटेल, सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, 18 जुलाई, 2023
- आर्कटिक महासागर में जलवायु परिवर्तन प्रभाव: प्रमुख देस तत्वों एवं आइसोटोप का उपयोग कर मूल्यांकन, प्रो. मार्क बास्करन, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, पर्यावरण विभाग विज्ञान एवं भूविज्ञान, वायने राज्य विश्वविद्यालय, 21 जुलाई 2023
- लर्निंग एनालिटिक्स के उपयोग के माध्यम से सहयोगी सीखने के लिए अनुकूली समर्थन विकसित करना, प्रो. जेनिफर के ओलसेन, सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस, सैन डिएगो विश्वविद्यालय, 26 जुलाई 2023
- गुरुत्वाकर्षण लहर विज्ञान, प्रोफेसर तरुण सौरदीप, निदेशक, रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट, बेंगलुरु, 27 जुलाई 2023
- अजंता गुफाएं: उनके कालक्रम को समझना, प्रोफेसर वाई एस एलोन, प्रोफेसर, स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड एस्थेटिक्स, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 29 जुलाई 2023
- आधार पहल और राष्ट्र पर प्रौद्योगिकी प्रभाव - डिजिटल परिवर्तन के साथ जीवन को छूना, सुश्री एनी जॉयस, उप महानिदेशक, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई), अगस्त 1, 2023
- अनुकूली और इंटरैक्टिव भावनात्मक रूप से बुद्धिमान मशीन, डॉ. जैनेंद्र शुक्ला, सहायक प्रोफेसर, आईआईआईटी दिल्ली, 4 अगस्त, 2023
- अब का पुरातत्व: दिल्ली का विभाजन पुनर्वास उपनिवेश, डॉ. एरिन पी रिग्स, सहायक प्रोफेसर, मानव विज्ञान विभाग, इलिनोइस शहरी चम्पेन विश्वविद्यालय, 5 अगस्त, 2023
- ओएस सिंक्रनाइजेशन आदिम विकसित और स्केलिंग करना, डॉ. सैनिध्य कश्यप, सहायक प्रोफेसर, ईपीएफएल, 7 अगस्त 2023
- शोर हार्डवेयर के लिए दोष-सहिष्णु योजनाओं का मूल्यांकन, डॉ. पाविथरन अय्यर, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एक्सनाडु क्वांटम टेक्नोलॉजीज कनाडा, अगस्त 7, 2023
- एचईसीके त्रिभुज समूह और डेसिन डी'फैट, देवेन्द्र तिवारी, पोस्टडॉक्टरल फेलो, भास्कराचार्य प्रतिष्ठान, पुणे, 10 अगस्त, 2023
- क्रिस्टलीन को-होमोलॉजी के लिए आरम्भिक डेल्टा ज्यामितीय दृष्टिकोण, डॉ. सुदीप पंडित, रिसर्च स्कॉलर, आईआईटी गांधीनगर, 14 अगस्त, 2023
- प्रयोगशाला से बाहर गति विश्लेषण: प्रोफेसर कमियार अमीनिया, प्रोफेसर, बायोइंजीनियरिंग संस्थान और निदेशक, आंदोलन विश्लेषण और माप प्रयोगशाला प्रयोगशाला, ईपीएफएल, 17 अगस्त, 2023 द्वारा पहनने योग्य सेंसर के साथ कीनेमेटिक्स और काइनेटिक्स अनुमान।
- स्त्री रोग संबंधी स्वास्थ्य, डॉ. वंदना सिन्हा, स्त्री रोग-ऑन्को और स्त्री रोग एंडोस्कोपी में फेलो, अपोलो हॉस्पिटल्स गांधीनगर, अहमदाबाद, 18 अगस्त
- डूबी हुई रीफ अपतटीय हवाई की ड्रिलिंग, प्रो. पंकज खन्ना, सहायक प्रोफेसर, पृथ्वी विज्ञान, 22 अगस्त, 2023
- कई मुठभेड़: सिनेमा और इतिहास की अनुपस्थिति, डॉ. परिचे पात्रा, सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स, आईआईटी जोधपुर, 23 अगस्त, 2023
- P-ADIC पूर्णांक का स्पेक्ट्रल आयाम, डॉ. सुरजीत विश्वास, आईआईटी गांधीनगर, 24 अगस्त, 2023
- 2+1 फ्लेवर क्यूसीडी डिरैक ऑपरेटर के अभिजात मूल्यों की बहाली और संपत्ति, रवि शंकर, पीएचडी छात्र, गणितीय विज्ञान संस्थान, चेन्नई
- कुछ सजातीय और विषम उत्प्रेरक आर प्रतिक्रियाओं का कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग, प्रो. स्वपन के पाती, प्रोफेसर, जेएनसीएसआर बैंगलोर, 25 अगस्त, 2023
- सेरामिक थिन-सेक्शन देखने के लिए: प्रो. के कृष्णन, एमेरिटस प्रोफेसर, महाराजा सयाजीराव

- विश्वविद्यालय, वडोदरा, 26 अगस्त, 2023 द्वारा विधियां और संभावनाएं।
- गरीबी, भेद्यता, और जलवायु परिवर्तन: पीड़ा के प्रतिस्पर्धी आख्यान और शक्तिशाली लोगों के बहाने' प्रोफेसर टेरी कैन्नन, प्रोफेसर एमेरिटस, ग्रामीण भविष्य क्लस्टर और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन विशेषज्ञ, विकास अध्ययन संस्थान, ससेक्स विश्वविद्यालय, 28 अगस्त, 2023
 - महासागर विज्ञान से स्थायी समुद्री अर्थव्यवस्था तक, डॉ. शैलेश नायक, निदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस कैम्पस, बंगलुरु, 29 अगस्त, 2023
 - कार्यात्मक गतिशील बायोमेडिकल टोमोग्राफिक इमेजिंग: फ्लोरोसेंस-फोटोएकॉस्टिक फार्माकोकाइनेटिक टोमोग्राफी, प्रोफेसर नरेन नाइक, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग और लेजर और फोटोनिक्स केंद्र, आईआईटी कानपुर, 31 अगस्त, 2023
 - आधुनिक असम की खोज: 1942-2000, प्रोफेसर अरुण्योति सैकिया, इतिहास के प्रोफेसर, आईआईटी गुवाहाटी, 1 सितंबर, 2023
 - व्याकुलता के युग में एकाग्रता की कला, अमोघ लीला दास, आध्यात्मिक प्रेक वक्ता, 1 सितंबर 2023
 - जाति ज्ञान और शक्ति: 20वीं सदी के मालाबार में जानने के तरीके, प्रोफेसर केएन सुनंदन, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, 4 सितंबर, 2023
 - मास्किंग इट ऑल अप: कोविड-19 महामारी के लिए दो सॉफ्ट मैटर समाधान, प्रोफेसर महेश एम. बांदी, प्रोफेसर, ओकिनावा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 4 सितंबर, 2023
 - पानी पर साबुन फैलना - एक सतही संबंध, प्रोफेसर महेश एम. बांदी, प्रोफेसर, ओकिनावा विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, 4 सितंबर, 2023
 - मानव पैर की कठोरता और अनुप्रस्थ आर्च का विकास, प्रोफेसर महेश एम बांदी, ओकिनावा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, सितंबर 5, 2023
 - ब्लोगली-बोम परिप्रेक्ष्य से क्वांटम मैकेनिक में आगमन समय की समस्या, सिद्धांत दास, पीएचडी छात्र, एलएमयू म्यूनिच, सितंबर 5, 2023
 - सीएमडब्ल्यूपी पद्धति का उपयोग कर विवर्तन पैटर्न से माइक्रोस्ट्रक्चरल मापदंडों का ऑनलाइन मूल्यांकन, डॉ गैबर रिबारिक, विजिटिंग फैकल्टी, आईआईटी गांधीनगर, सितंबर 8, 2023
 - योजना जो विफल हो गई - उत्तर पूर्व भारत की पहाड़ियों के लिए क्राउन कॉलोनी: अवधारणा से पतन: 1941-1946, प्रोफेसर डेविड सिमलीह, प्रख्यात इतिहासकार, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, मेचालय के पूर्व प्रोफेसर, 8 सितंबर, 2023
 - हाल के दिनों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की उपलब्धियां, प्रो शेखर सी मांडे, विशिष्ट मानद प्रोफेसर, 11 सितंबर 2023
 - सेलुलर ए*1-स्मूथ अल्जेब्रिक वेराइटी ऑफ-होमोलॉजी, आनंद सावंत, टीआईएफएर बॉम्बे, सितंबर 11, 2023
 - मैकेनिकल सिस्टम में विब्रो-इम्पैक्टिंग मोशन मॉडलिंग, प्रो. चंद्रिका प्रकाश वैसरयानी, एसोसिएट प्रोफेसर, मैकेनिकल एंड एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी हैदराबाद, 14 सितंबर, 2023
 - कॉर्पोरेट अपराध, अमीर शाहूल, लेखक, पर्यावरणविद और पूर्व पत्रकार, 21 सितंबर, 2023
 - राजनीतिक धर्मशास्त्र क्या है? धर्मनिरपेक्षता, आधुनिकता और धर्म का प्रश्न, प्रो. सैत्य ब्रत दास, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ लैंग्वेज लिटरेचर एंड कल्चर स्टडीज, जेएनयू, 27 सितंबर 2023
 - पैगंबर से प्यार करने की परंपरा, डॉ सफवान अमीर, सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज, अहमदाबाद विश्वविद्यालय, सितंबर 28, 2023
 - पंक्तियों के बीच: लेक्सिकोग्राफिकल स्रोतों में सिफिलिस और कैप्सिकम, प्रोफेसर वाल्टर हकला, सनी, बफेलो, 29 सितंबर, 2023
 - क्यूब सम प्रॉबलम, सोमनाथ झा, आईआईटी कानपुर, 29 सितंबर 2023
 - पूर्वोत्तर भारत में समकालीन विकास विमर्श और स्वदेशी समुदाय, प्रोफेसर चंदन शर्मा, प्रोफेसर समाजशास्त्र, तेजपुर विश्वविद्यालय, 6 अक्टूबर, 2023 द्वारा
 - लीजेंड, लोर, और इतिहास: भारत के कई अतीत की भावना बनाना, डॉ मनु एस पिल्लई, इतिहासकार और लेखक, 11 अक्टूबर, 2023
 - जातीयता सार्वभौमिक, शक्तिशाली और लगातार समूहीकृत क्यों है: न्यूरोडेवलपमेंट से अंतर्दृष्टि, प्रोफेसर विनोद गोयल, यॉर्क विश्वविद्यालय, कनाडा, अक्टूबर 16, 2023
 - धर्म शास्त्र के विद्वानों द्वारा निर्मित हिंदू आधुनिकता पर प्रवचन, डॉ. राहुल सरवत, सहायक प्रोफेसर, अहमदाबाद विश्वविद्यालय, 18 अक्टूबर, 2023
 - वैकल्पिक बहुजन टकटकी और एजेंसी, ज्योति निशा, लेखक, फिल्म निर्माता, सांस्कृतिक आलोचक, 19 अक्टूबर, 2023
 - हीट शॉक प्रोटीन और कैसर: ड्रोसोफिला मॉडल से सबक, प्रोफेसर एस सी लखोटिया, आजीवन प्रतिष्ठित प्रोफेसर, बीएचयू और एसईआरबी प्रतिष्ठित सदस्य, प्राणी विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, 26 अक्टूबर, 2023
 - तकनीक-संचालित वित्तीय समावेशन: सशक्तिकरण का मार्ग - एटीएम से एआई तक की यात्रा, श्री रविशंकर एक्टिव. एआई के सह-संस्थापक और सीईओ, 9 नवंबर, 2023
 - व्हेल शार्क के अस्तित्व के भविष्य की रक्षा करना: भारत के पश्चिमी तट के साथ समुद्री मेगाफूना, प्रो. बी सी चौधरी, वन्यजीव जीवविज्ञानी, 22 नवंबर, 2023
 - डॉ मालविका सुब्रमण्यम मेमोरियल लेक्चर, डॉ. नंदिता भान, प्रोफेसर, जिंदल स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, 23 नवंबर, 2023
 - माइलेंड ल्यूकेमिया में आंकोपयुजन प्रोटीन की भूमिका को परिभाषित करना, डॉ अमित मंडोली, सहायक प्रोफेसर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर) - अहमदाबाद, 4 जनवरी, 2024
 - अरबों के लिए भवन: डिजिटल परिवर्तन में भारत की यात्रा, डॉ. प्रमोद वर्मा, आधार के मुख्य वास्तुकार, 5 जनवरी, 2024
 - पदार्थ में इलेक्ट्रॉन गतिशीलता की जांच के लिए एटोसेकंड पल्स का प्रायोगिक कार्यान्वयन', प्रोफेसर रुपक बनर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर, भौतिकी, 6 जनवरी, 2024
 - 'क्वांटम डॉट्स: छोटे पदार्थों की आकर्षक दुनिया, जिसकी संपत्तियां उनके आकार से निर्धारित होती हैं, प्रो सौम्यकांत खतुआ, एसोसिएट प्रोफेसर, रसायन विज्ञान, जनवरी 6, 2024
 - फार्मास्यूटिकल क्रिस्टलीकरण के लिए उपन्यास प्रक्रिया अवधारणाएं और कम्प्यूटेशनल उपकरण, प्रो. लकवैल्ड, एसोसिएट प्रोफेसर, रासायनिक और जैविक इंजीनियरिंग विभाग (सीबीई), हांगकांग विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एचकेयूएसटी), जनवरी 10, 2024
 - अंतरिक्ष की खोज को आगे बढ़ाने में रोबोटिक्स की भूमिका, डॉ श्रेया संतरा, सहायक प्रोफेसर, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग, टोहोकू विश्वविद्यालय, जापान, 11 जनवरी, 2024
 - शरीर विज्ञान या चिकित्सा में 2023 नोबेल पुरस्कार, प्रो. धीरज भाटिया, एसोसिएट प्रोफेसर, जैविक इंजीनियरिंग, जनवरी 2024
 - जेल में बंद महिलाएं: संवाद के अंश, प्रोफेसर महया बंधोपाध्याय, प्रोफेसर, समाजशास्त्र आईआईटी दिल्ली, 22 जनवरी, 2024
 - होचिचल्ल-सेरे कोहोमोलॉजी और सतहों पर बिंदुओं की हिल्बर्ट योजनाओं का विरूपण, प्रोफेसर ली फू, यूनिवर्सिटी डी स्ट्रासबर्ग, आईआरएमए, फ्रांस, 22 जनवरी, 2024
 - भारत में राज्य, जनजाति और विकास: विरोधाभास और प्रक्षेप पथ, प्रोफेसर वर्जिनियस ज़ाक्स, 24 जनवरी, 2024
 - प्राचीन वाराणसी के बसावट पैटर्न और पदानुक्रम पर प्रोफेसर विदुला जायसवाल, पूर्व प्रोफेसर और अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, 27 जनवरी, 2024
 - नोबेल शांति पुरस्कार 2023: नरगिस मोहम्मदी के साहस की झलक, प्रोफेसर के चेल्वाकुमार, विजिटिंग प्रोफेसर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, 27 जनवरी, 2024
 - प्रो जलवायु परिवर्तन को दृढ़ करने में सहायक उपग्रह, डॉ. रामकृष्ण नेमानी, सेवानिवृत्त नासा पृथ्वी वैज्ञानिक, 29 जनवरी, 2024
 - बिल्डिंग डिजिटल ट्रिन्स ऑफ इन सीटू डायनामिक विहेवियर एक्सपेरीमेंट्स ऑफ स्ट्रक्चरल मॉडरिटी, प्रो. अविनाश डोंगरे, यूनिवर्सिटी ऑफ कनेक्टिकट, यूएसए, फरवरी 1, 2024
 - क्रिस्टलीय और अमूर्त फार्मास्यूटिकल्स के गुणों की जांच के लिए प्रयोग और सिमुलेशन का संयोजन, प्रोफेसर फ्रेडरिक अफ़ौर्ड, प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी डी लिली, 1 फरवरी, 2024
 - महिलाओं में कैसर की रोकथाम और प्रारंभिक निदान, डॉ. रिद्धी शाह, ज़ीडुस अस्पताल, फरवरी 4, 2024
 - नोबेल पुरस्कार विजेता 'जासूस' क्लाउडिया गोल्डिन और महिलाओं को आर्थिक चर्चा में लाने में उनकी भूमिका, प्रोफेसर दीपक सिंघानिया, सहायक प्रोफेसर, एचएसएस, 10 फरवरी, 2024
 - जॉन फॉसे और आधुनिकता का परवर्ती जीवन, प्रोफेसर अर्का चट्टोपाध्याय, सहायक प्रोफेसर, एचएसएस, 10 फरवरी, 2024
 - लोकतांत्रिक प्रभुत्व और हाशिए पर पड़े समुदाय: भारत में आदिवासी राजनीति की तह तक पहुंचने वाला लेख, प्रोफेसर जगन्नाथ अम्बागुडिया, प्रोफेसर और उप-निदेशक, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, गुवाहाटी, 12 फरवरी, 2024
 - शहरों में शुद्ध शून्य उत्सर्जन की ओर: ज्ञान और कार्रवाई में अंतराल को कम करना, प्रोफेसर मीना पाठक, एसोसिएट प्रोफेसर, ग्लोबल सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एंड एनर्जी, अहमदाबाद विश्वविद्यालय, 15 फरवरी
 - आईएल-15: कैसर की बेहतर टी कोशिका निर्माण और इम्यूनोथेरेपी के लिए संभावित जैविक दवा, प्रोफेसर सरत के दलाई, विज्ञान संस्थान, निरमा विश्वविद्यालय, 15 फरवरी, 2024
 - खानाबदोशता और आधुनिक राज्य: हैदराबाद राज्य में समुदाय, व्यक्तिपरकता और शासन व्यवस्था, प्रोफेसर भांग्या भुक्खा, प्रोफेसर और इतिहास विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष, हैदराबाद विश्वविद्यालय, 19 फरवरी, 2024
 - सत्र मुझसे कुछ भी पूछें: अतुल सिंह, सीईओ और फेयर ऑब्जर्वर के संपादक-इन-चीफ, 22 फरवरी, 2024
 - आरचाओएल्लोमा: पुरातत्व का उपयोग कर भोजन का व्यापक अध्ययन, डॉ कुरुश दलाल, निदेशक, इंस्ट्रूकन स्कूल ऑफ आर्कियोलॉजी, 24 फरवरी, 2024
 - जलवायु परिवर्तन को दृढ़ करने में सहायक उपग्रह, डॉ. रामकृष्ण नेमानी, सेवानिवृत्त नासा पृथ्वी वैज्ञानिक, 29 फरवरी, 2024
 - नैतिक संक्रामक रोग: सारनाथ बनर्जी के साथ बातचीत, सारनाथ बनर्जी, ग्राफिक उपन्यासकार, 21 मार्च, 2024
 - सिंधु सभ्यता में यूनिफॉर्म सील उत्पादन: शैली, कौशल और मानकीकरण का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ ग्रेग जेमिसन, मानव विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर, जनरल स्टडीज कॉलेज, विसकंसिन-मिल्वाउकी विश्वविद्यालय, 23 मार्च, 2024



प्रयोगशालाएं और सुविधाएं

पुरातात्विक विज्ञान प्रयोगशाला

पुरातात्विक विज्ञान प्रयोगशाला में पुरातात्विक कलाकृतियों की जांच करने की सुविधाएं हैं। उपरोक्त सुविधा में एक नमूना तैयारी इकाई के साथ एक सिरेमिक पेट्रोलॉजी प्रयोगशाला भी उपलब्ध है। पतले सेक्शन की तैयारी मशीन जैसे, डिस्कोप्लॉट (कटर और ग्राइंडर) और लेबोपोल-30 (पॉलिशर) एएससी में पूरी तरह से कार्यात्मक रहे हैं। तैयार पतले खंडों/सूक्ष्म-नमूनों का अध्ययन पेट्रोग्राफी लैब में ध्रुवीकरण माइक्रोस्कोप (लीका डीएम-4) और स्टीरियो-माइक्रोस्कोप का उपयोग करके किया जा सकता है। इसके अलावा, पुरातात्विक अनुसंधान एक्सआरडी, एक्सआरएफ, एफटीआईआर और एसईएम जैसे उपकरणों से व्यापक मदद लेता है जो केंद्रीय उपकरण सुविधा (सीआईएफ) में उपलब्ध हैं। सीआईएफ के तहत क्यू-आईसीपीएमएस और आईसीपी-ओई का उपयोग करके रासायनिक विश्लेषण भी किया जा सकता है। एएससी अन्य विषयों के संकाय के साथ भी सहयोग करता है, और संबंधित उपकरण जैसे ग्राउंड पैनिट्रेंटिंग रडार (जीपीआर), लेजर स्कैनर, और धातुकर्म माइक्रोस्कोप का उपयोग विभिन्न पुरातात्विक अनुसंधानों में किया जाता है।

जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग

जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग से जुड़े संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं के अनुसंधान हितों में सेल और आणविक जीवविज्ञान, बायोकेमिस्ट्री, पेप्टाइड इंजीनियरिंग, प्रोटीमिक्स, न्यूरोसाइंस, डीएनए नैनोटेक्नोलॉजी, बायोमेडिकल इमेजिंग, कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान, संयंत्र विकास जीवविज्ञान, एलोग्राफ्ट थेरेपी और बायोमैटीरियल और संरचनात्मक जीवविज्ञान, बायोमैटीरियल, ड्रग डिलीवरी और कैंसर जीव विज्ञान के बुनियादी सिद्धांत शामिल

हैं। प्रयोगशाला सुविधाओं का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

आणविक जीवविज्ञान प्रयोगशाला (मोबाइल) जैव रसायन, आणविक जीवविज्ञान और सेल जीवविज्ञान में विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों का घर है। यह प्रयोगशाला शेकर इनक्यूबेटर, लैमिनार फ्लो हूड, सोनिकेटर, रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज, ग्रेडिएंट थर्मोसाइक्लर, जेल दस्तावेजीकरण प्रणाली, वाटर प्यूरीफायर, अल्ट्रालो और कम तापमान फ्रीजर, रीयल टाइम थर्मोसाइक्लर, नैनो-ड्रॉप यूवी-विज्ञ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, स्पेक्ट्रोफ्लोरिमीटर, मल्टीमोड माइक्रोप्लेट रीडर्स और विभिन्न कॉलमों के साथ फास्ट प्रोटीन लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (एफपीएलसी) सिस्टम से सुसज्जित है।

सेल कल्चर सुविधाओं (सीसीएफ) में तीन सेल कल्चर प्रयोगशालाएं हैं जो बायोसेफ्टी कैबिनेट, CO₂ इनक्यूबेटर, सेंट्रीफ्यूज, एक स्वचालित सेल काउंटर, सोनिकेटर, तरल नाइट्रोजन क्रायोप्रिजर्वर, उल्टे एपिफ्लूरोसेंस माइक्रोस्कोप और उच्च थ्रूपुट परख अनुप्रयोगों के लिए एल्फास्कान परख क्षमताओं के साथ एक मल्टीमोड माइक्रोप्लेट रीडर हैं।

सी एलेगन्स सुविधा एक बीएसएल-1 सुविधा है जो जैव-सुरक्षा कैबिनेट, लैमिनार एयरफ्लो, CO₂ इनक्यूबेटर, फ्रीजर, थर्मो-मिक्सर, ऑटोकलेव, रेफ्रिजरेटेड शेकर्स और सेंट्रीफ्यूज, लिक्विड नाइट्रोजन टैंक, माइक्रोइंजेक्शन स्कोप, फ्लोरोसेंट स्टीरियो-जूम माइक्रोस्कोप और बेसिक स्टीरियो-माइक्रोस्कोप से सुसज्जित है।

मैक्रोमोल्यूलर और केमिकल क्रिस्टलोग्राफी प्रयोगशाला क्रिस्टल विकास के लिए विभिन्न प्रकार के तापमान-नियंत्रित इनक्यूबेटर

और क्रिस्टलीय तैयारियों की स्क्रीनिंग के लिए एक स्टीरियोमिक्रोस्कोप की मेजबानी करती है।

पेटाइड इंजीनियरिंग और प्रोटीमिक्स (पीईपीआर) सुविधा में पेटाइड्स के संश्लेषण, विशेषता और विश्लेषण के लिए विभिन्न उपकरण हैं। इनमें फ्यूम हूड्स, मैनुअल पेटाइड संश्लेषण सेटअप, सेमीऑटोमेटेड पेटाइड सिंथेसाइजर, फ्रीज ड्रायर, विश्लेषणात्मक / प्रारंभिक एचपीएलसी, माइक्रोप्लेट रीडर, सेंट्रीफ्यूज, अल्ट्रासेंट्रीफ्यूज, नैनोपार्टिकल ट्रैकिंग विश्लेषक, अल्ट्रा माइक्रोबैलेंस, रेफ्रिजरेटर और फ्रीजर शामिल हैं। इसके अलावा, हम पूर्ण द्रव्यमान लक्षण, अनुक्रमण, पीटीएम पहचान, तुलनात्मक प्रोटीमिक्स और पॉलिमर विश्लेषण और संबंधित प्रोटीमिक्स वर्कफ्लो उपकरणों जैसे वैक्यूम कंसेंट्रेटर, 2डी-जेल इलेक्ट्रोफोरोसिस सेटअप, सोनिकेटर, सेंट्रीफ्यूज आदि के लिए सॉफ्टवेयर से सुसज्जित उड़ान द्रव्यमान स्पेक्ट्रोमीटर (मालदी टीओएफ / टीओएफ एमएस) की मेजबानी भी करते हैं। हमें हाल ही में डीएसटी-फिस्ट कार्यक्रम से प्रोटीमिक्स, मेटाबोलोमिक्स और लिपिडोमिक्स वर्कफ्लो के लिए आयन गतिशीलता आधारित उच्च रिज़ॉल्यूशन द्रव्यमान स्पेक्ट्रोमीटर की खरीद के लिए समर्थन प्राप्त हुआ है।

क्लॉक लैब- कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान प्रयोगशाला 64 कोर, 512 जीबी रैम, NVIDIA A100 80 जीबी जीपीयू और कंटेनरिक्त प्लेटफॉर्म के साथ 20 टीबी डेटा टियर के साथ एक उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग रैक सर्वर की मेजबानी करती है। इसके अलावा 48 कोर, 128 जीबी रैम, NVIDIA RTX A5000 Gou और 16TB डेटा टियर के साथ एक उच्च अंत वर्कस्टेशन है। प्रयोगशाला में सिमुलेशन और डेटा विश्लेषण पर काम करने के लिए छात्रों के लिए पांच जीपीयू वर्कस्टेशन और एक डेस्कटॉप सिस्टम भी है। डेटा बैकअप और भंडारण के लिए, 60 टीबी की कुल क्षमता के साथ एक एनएसएस स्थापित किया गया है।

मेडिकल अल्ट्रासाउंड इंजीनियरिंग (एमयूएसई) प्रयोगशाला ऊतक लक्षणीकरण और लोच इमेजिंग, आणविक और विपरीत उन्नत इमेजिंग, अल्ट्रासाउंड-मध्यस्थ चिकित्सा, ध्वनिक मापविज्ञान और सेंसिंग में नवाचार के लिए समर्पित उपकरण से सुसज्जित है, और इमेजिंग और थेरपी के लिए ऊतक-नकल फैंटोम। इस सुविधा में 1 से 35 मेगाहर्ट्ज तक के अल्ट्रासाउंड फ्रील्ड बनाने और सेंसिंग करने के लिए एक प्रोग्रामेबल रिसर्च अल्ट्रासाउंड इमेजिंग सिस्टम और उपकरण हैं, जिसमें अल्ट्रासाउंड बीम मैपिंग और कैलिब्रेशन सिस्टम, अल्ट्रासाउंड ट्रांसड्यूसर, हाइड्रोफोन, पल्सर-रिसीवर, मनमाने ढंग से वेवफॉर्म जनरेटर, डिजिटल और मिश्रित सिग्नल ऑसिलोस्कोप और पावर एम्पलीफायर शामिल हैं।

स्टेम सेल और ऊतक इंजीनियरिंग प्रयोगशाला में मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं और ऊतकों सहित प्राथमिक सेल संस्कृति को संभालने के लिए बीएसएल1+ सुविधाएं हैं। प्रयोगशाला में एक सेल कल्चर लैब शामिल है जिसमें दो बायोसेफ्टी कैबिनेट हैं, हाइपोक्सिया चैम्बर सहित CO2 इनक्यूबेटर। नमूना तैयारी कक्ष में एक पीसीआर, एक छोटा माइक्रोस्कोप और जेल उपकरण भी होता है। समानांतर में, हमारे पास जैविक स्रोतों से क्वान्टम डॉट्स,

2डी और 3डी नैनोमैटेरियल जैसे विभिन्न नैनोमैटेरियल के संश्लेषण और विशेषता के लिए रासायनिक फ्यूम हूड और सुविधाएं भी हैं।

संयंत्र आणविक और विकासात्मक सेल जीवविज्ञान प्रयोगशाला, सफल परागण के लिए आवश्यक सेलुलर सिग्नलिंग घटनाओं को समझने में रुचि रखती है। प्रयोगशाला सुविधाओं में पीसीआर मशीन, शेकर इनक्यूबेटर, लैमिनार फ्लो हूड, इलेक्ट्रोफोरोसिस यूनिट, यूवी ट्रांसमीनेटर, माइक्रो-और मिनी-सेंट्रीफ्यूज, पीएच मीटर, हीट ब्लॉक, विच्छेदन माइक्रोस्कोप, एपिफ्लूरोसेंट माइक्रोस्कोप, संयंत्र विकास कक्ष आदि शामिल हैं।

बायोमैटेरियल्स और ड्रग डिलीवरी लेबोरेटरी सामग्री के संश्लेषण, नॉवेल ड्रग डिलीवरी प्लेटफॉर्म की तैयारी, बायोमैटेरियल, विशेषताएं, एंटी-बैक्टीरियल और स्तनधारी सेल संस्कृति में सहायक उपकरणों की मेजबानी करती है। इनमें शेकर इनक्यूबेटर, लैमिनार फ्लो हूड, कार्बनडाई ऑक्साइड इनक्यूबेटर, सेंट्रीफ्यूज, पीएच मीटर, हीट ब्लॉक, माइक्रोस्कोप आदि शामिल हैं।

डीएनए अनुक्रमण और विश्लेषण सुविधा: यह सुविधा ऑक्सफोर्ड नैनोपोर तकनीक से एक मिनिमल डीएनए अनुक्रमण से सुसज्जित है। यह मंच लंबे पठन उत्पन्न करने में सक्षम है और जीनोमिक और एपीजेनोमिक विश्लेषण के लिए उपयोग किया जा रहा है।

इसके अलावा, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग के लिए प्रासंगिक अनुसंधान परियोजनाओं के लिए केंद्रीय उपकरण सुविधाओं से निम्नलिखित उपकरण उपलब्ध हैं।

फ्लो साइटोमीटर सेल सॉर्टर: बीडी फैक्सरिया फ्यूजन फ्लो साइटोमीटर हाई-एंड सेल सॉर्टर अत्यधिक विषम मिश्रण के भीतर बायोमोल्यूल्स और कोशिकाओं की विभिन्न आबादी की निगरानी के लिए एक शक्तिशाली और संवेदनशील साधन प्रदान करता है। उपकरण 11 मापदंडों (13 फॉरवर्ड और साइड स्कैटर सहित) के एक साथ माप के लिए तीन ठोस-स्टेट लेजर का उपयोग करता है। उपकरण सेल चक्र विश्लेषण, सेल व्यवहार्यता परख और इम्यूनोफेनोटाइपिंग के साथ-साथ सेल सॉर्टिंग और झिल्ली संभावित माप जैसे उच्च अंत अनुप्रयोगों सहित नियमित अनुप्रयोगों को करने में सक्षम है।

बायो-एटॉमिक फोर्स माइक्रोस्कोप: ब्रुकर नैनोवाइजार्ड सेंस एएफएम सभी चार रंग इमेजिंग के साथ लीका एपिफ्लूरोसेंस माइक्रोस्कोप के साथ युग्मित है और पूर्ण एकल-अणु इमेजिंग सेटअप के लिए चरण इमेजिंग, संपर्क इमेजिंग, फोर्स मैपिंग और अन्य सभी संबंधित मॉड्यूल निष्पादित कर सकता है। बायो-एएफएम समाधान आधारित इमेजिंग के लिए उपयोगी है जिसमें झिल्ली, कोशिकाओं आदि को फ्लोरोसेंस और एएफएम मोड में एक साथ इमेजिंग किया जा सकता है।

केमिकल इंजीनियरिंग

आईआईटी गांधीनगर में रासायनिक इंजीनियरिंग एक विविध क्षेत्र है, जिसमें पारंपरिक रासायनिक इंजीनियरिंग और उभरते दोनों क्षेत्र शामिल हैं जैसे नैनोटेक्नोलॉजी, बायोइंजीनियरिंग, सॉफ्ट मैटर साइंस, उन्नत सामग्री, कम्प्यूटेशनल केमिकल इंजीनियरिंग, फार्मास्युटिकल इंजीनियरिंग और पर्यावरण इंजीनियरिंग और स्थिरता। यह अनुशासन बीटेक, एमटेक, और पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है और उद्योगों सहित विभिन्न एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित कई अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन करता है।

रासायनिक इंजीनियरिंग में समर्पित स्नातक प्रयोगशालाएं हैं, और अधिकांश स्नातक छात्रों को अनुसंधान परियोजनाओं पर काम करने के लिए अनुसंधान प्रयोगशालाओं तक भी पहुंच है। विषयगत छात्रों के पास एनसिस, स्टार-सीसीएम, एसपेटेक सूट और MATLAB सहित विभिन्न सिमुलेशन टूल तक पहुंच है। इसके अलावा, अनुशासन अनुसंधान प्रयोगशालाओं से लैस है जो स्नातक और स्नातक दोनों कार्यक्रमों में विभिन्न अनुसंधान क्षेत्रों में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

विभाग ने कुछ प्रमुख उपकरणों की भी खरीद की है जैसे: एटीआर और सहायक उपकरणों के साथ एफटीआईआर स्पेक्ट्रोमीटर (मेक: ब्रुकर, मॉडल: प्रोटीन विश्लेषण के लिए कॉन्फो चेक और सहायक उपकरण के साथ इनवेनियो-एस एफटीआईआर); जेल पारगमन क्रोमैटोग्राफी सिस्टम (जीपीसी), (मेक: वाटर, मॉडल: जल 1500 श्रृंखला एचपीएलसी पंप); बायोविया सामग्री स्टूडियो सॉफ्टवेयर, (मेक: डसॉल्ट सिस्टम); ट्यूबलर रिएक्टर सिस्टम, (मेक: अमर उपकरण)।

कोलाइडल इंजीनियरिंग प्रयोगशाला: प्रयोगशाला नैनोकण संश्लेषण, क्रिस्टलीकरण, दवा बहुरूपता और फार्मास्युटिकल और बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए माइक्रोबबल इंजीनियरिंग में सक्रिय अनुसंधान में शामिल है। नैनोकणों के जलीय निलंबन, मार्टिन क्राइस्ट फ्रीज ड्रायर (अल्फा 1-4 एलडी प्लस और अल्फा 2-4 एलएससी, मार्टिन क्रिस्ट, जर्मनी) उच्च दाब पोत (ऑपरेटिंग कंडीशन: 200 बार, और 100o सी), कण आकार विश्लेषक (पीएसएस निकोम टीएस 100एफ), उच्च गति कैमरा (फोट्रॉन यूरोप, मॉडल: आईआईटी गांधीनगर 67 फास्टकैम मिनी), इन-सीटू रमन प्रोब (कैसर यूएसए, मॉडल: आरएक्सएन-1 785), सॉल्यूशन कैलोरिमीटर (पायर यूएसए, मॉडल: 6755ई), वाटर बाथ, ग्लास जैकेटेड रिएक्टर, कंप्यूटर वर्कस्टेशन, आदि।

सॉफ्ट मैटर साइंस एंड इंजीनियरिंग लैबोरेटरी: लैब तनाव और तनाव-नियंत्रित रोटेशनल रियोमीटर, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप, कोलाइडल विशेषता के लिए उपकरणों में प्रयोगात्मक अनुसंधान करता है। प्रयोगशाला में उपकरण हैं; रियोमीटर, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप, टेंजियोमीटर, रेफ्रिजरेटेड और हीटेड सर्कुलेटरी बाथ (मॉडल: आईसी301-के3), डीएल और जेटा संभावित मापन उपकरण (ब्रुखावेन), रेफ्रिजरेटेड टेबलटॉप सेंट्रीफ्यूज, सर्वो स्टेबलाइजर वाला एक कंप्यूटर वर्कस्टेशन।

शुष्क प्रक्रिया प्रौद्योगिकी (ड्राईप्रोटेक) प्रयोगशाला: प्रयोगशाला महीन कणों और पाउडर सामग्री पर काम करती है। अत्याधुनिक ड्रायप्रोटेक प्रयोगशाला में कई परिष्कृत उपकरण हैं जैसे कि सतह ऊर्जा विश्लेषक (उलटे गैस क्रोमैटोग्राफी), नेटजस्क से एक साथ टीजीडीएससी, एफटी 4 पाउडर रियोमीटर (फ्रीमैन टेक्नोलॉजी), सूखे और गीले मोड में विशेषता के लिए लेजर विवर्तन कण आकार विश्लेषक (सीआईएलए)। इसके अलावा, प्रयोगशाला में वी-ब्लेंडर और कोन-मिल (प्रिज्म फार्मा), आर्द्रता-नियंत्रित दस्ताने बॉक्स और फैराडे कप के साथ इलेक्ट्रोस्टैटिक चार्ज मापन सुविधा, ग्रहीय बॉल मिल, भट्टी कक्ष, ट्यूब भट्टियों, उत्प्रेरक रिएक्टर के साथ कैटलिस्ट पाउडर के प्रदर्शन का अध्ययन करने के लिए सुसज्जित है। प्रयोगशाला में एक स्किड-माउंटेड फैब्रिकेटेड CO2 कैप्चर भी शामिल है जो CO2 सॉर्प्शन अध्ययन के लिए कुछ ग्राम नमूनों को संभाल सकता है।

अग्नि अनुसंधान प्रयोगशाला: प्रयोगशाला विभिन्न नई सामग्रियों का उपयोग करके अग्नि दमन और अग्निशमन सामग्रियों के लिए नई तकनीक की खोज कर रही है। प्रयोगशाला में एक शंकु कैलोरीमीटर (एफएफटी, यूके; मॉडल: आइकन मिनी) है, जिसे अग्नि परीक्षण में सबसे महत्वपूर्ण बेंच-स्केल उपकरण माना जाता है। इस उपकरण को अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ 5660-1) द्वारा घटना हीट फ्लक्स के तहत सामग्री की हीट रिलीज दर (एचआरआर) को मापने के लिए अपनाया गया है। इसके प्रतिरूप को अधिकतम 100 किलोवाट/घन मीटर ऊष्मा प्रवाह के संपर्क में लाया जा सकता है। यह उपकरण दहन गैसों का विश्लेषण करता है और इग्निशन और मैसलॉस दर के समय के साथ परीक्षण नमूने से उत्पादित धुएं को मापता है। इस बेंच-स्केल टेस्ट से एकत्र किए गए डेटा का उपयोग फायर मॉडलिंग, रियल-स्केल फायर व्यवहार की भविष्यवाणी, पास/फेल टेस्ट आदि के लिए किया जा सकता है।

पॉलिमर इंजीनियरिंग रिसर्च लैब (PERL): प्रयोगशाला स्व-दोलन रासायनिक प्रतिक्रियाओं, आकार स्मृति बहुलक, स्मार्ट सॉफ्ट सामग्री, बहुलक प्रसंस्करण, बहुलक जेल और कंपोजिट और पैटर्न गठन के क्षेत्रों में प्रयोगात्मक और कम्प्यूटेशनल दोनों कार्यों में शामिल है। प्रयोगशाला अत्याधुनिक वर्कस्टेशन और उच्च प्रदर्शन समूहों तक पहुंच सहित कम्प्यूटेशनल सुविधाओं से सुसज्जित है। प्रयोगात्मक सुविधाओं में फ्रीज-ड्राइंग, सेंट्रीफ्यूज, रेफ्रिजरेटेड और हीटेड सर्कुलेटिंग कूलिंग बाथ (आईसी 301-के3), बाथ सोनिकेटर, मैग्नेटिक स्टिरर (तापमान सेंसर के साथ), वैक्यूम पंप, क्लीन बेंच कैबिनेट आदि के लिए लाइओफिलाइजर (मार्टिन क्रिस्ट, अल्फा 2-4 एलएससी बेसिक) शामिल हैं। हम पैलेट या पाउडर फॉर्म, हॉट प्रेस मशीन और जेल पारगमन क्रोमैटोग्राफी साधन में पॉलिमर ब्लेडिंग पॉलिमर के लिए एक पॉलिमर एक्सट्रूडर/मिक्सर खरीदने की प्रक्रिया में हैं।

कम्प्यूटेशनल तर्कसंगत डिजाइन प्रयोगशाला: प्रयोगशाला तर्कसंगत रूप से ठोस सामग्रियों को डिजाइन करने के लिए कम्प्यूटेशनल विधियों को विकसित करने में शामिल है जो प्रक्रिया-स्थितियों के लिए वांछित प्रतिक्रिया दिखाते हैं। यह प्रयोगशाला चार उच्च निष्पादन वाले कंप्यूटर वर्कस्टेशनों से सुसज्जित है जिनका उपयोग आणविक और नैनो पैमानों पर सिमुलेशन करने के लिए किया जाता है। वर्कस्टेशन जैविक और कृत्रिम प्रणालियों के

आणविक गतिशीलता और मोटे कार्लो सिमुलेशन करने के लिए सॉफ्टवेयर से सुसज्जित हैं, और सिमुलेशन-परिणामों के विजुअलाइजेशन के लिए ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) से सुसज्जित हैं। वर्कस्टेशन का उपयोग उन्नत मोटे कार्लो सिमुलेशन करने के लिए उपयोग किए जाने वाले कंप्यूटर प्रोग्राम को विकसित और परीक्षण करने के लिए भी किया जाता है।

सीआरटीडीएच लैब: सीआरटीडीएच प्रयोगशाला रासायनिक प्रक्रिया और अपशिष्ट जल संबंधी अनुसंधान के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं में से एक है। प्रयोगशाला परिष्कृत उपकरणों जैसे इंडक्टिव युग्मित प्लाज्मा - मास स्पेक्ट्रोमेट्री (आईसीपी-एमएस), प्राथमिक विश्लेषण के लिए ऑप्टिकल उत्सर्जन स्पेक्ट्रोमेट्री (आईसीपी-ओई), कार्बन सामग्री के लिए कुल कार्बनिक कार्बन (टीओसी) विश्लेषक, माइक्रोबियल अध्ययन के लिए मल्टी-मोड प्लेट रीडर, उत्पादों और कच्चे माल के ऑप्टिकल गुणों का निर्धारण करने के लिए फ्लोरोसेंस स्पेक्ट्रोमीटर और यूवी-विज स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, यौगिक पहचान के लिए उच्च प्रदर्शन पतली-परत क्रोमैटोग्राफी (एचपीटीएलसी), गैस विश्लेषण के लिए गैस क्रोमैटोग्राफी और पाउडर रूप में ठोस प्रसंस्करण के लिए तरल के लिए स्प्रे ड्रायर, क्विक सीओडी और फर्मेंटर, सेंट्रीफ्यूज मशीन आदि। इस सुविधा में जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी), रासायनिक ऑक्सीजन मांग (सीओडी), कुल बाध्य नाइट्रोजन (टीएनबी) और कुल विघटित ठोस (टीडीएस) जैसी जल गुणवत्ता परीक्षण सुविधाएं भी हैं।

पायलट संयंत्र सुविधाएं: अनुशासन में प्रक्रिया स्केल-अप के लिए कई सेट अप से सुसज्जित एक पायलट संयंत्र सुविधा भी है। सुविधा में उपलब्ध कुछ उपकरण हैं 20 एल डिस्टिलेशन कॉलम (ग्लास), हाई प्रेशर रिएक्टर, रोटेटिंग डिस्क एक्सट्रैक्शन कॉलम (ग्लास), एजिटेटर के साथ 1100 एल एसएस रिएक्टर (टेफ्लॉन कोटेड), हीटिंग और कूलिंग व्यवस्था के साथ 50 एल जैकेटेड रिएक्टर, एसएस 316 बास्केट सेंट्रीफ्यूज, स्प्रे ड्रायर, एनएल डाक, 30 एल टेफ्लॉन कोटेड टू स्टेज एसएस रिएक्टर, 1000 एल स्किड माउंटेड एसटीपी प्लांट, झिल्ली डिस्टिलेशन के लिए स्किड और फॉरवर्ड ऑस्मोसिस (एफओ), 1 केएल एमबीआर प्लांट, टीडीएस कटौती के लिए रिवर्स ऑस्मोसिस सेट अप (~ 10 एलपीएम फ्लो रेट), 5 एल अनुक्रमिक निरंतर स्टिर्ड टैंक रिएक्टर, 1000 एल एचडीपीई टैंक, 150 एल ग्लास लाइन रिएक्टर, 22 एल फोटोरेक्टर। उद्योग भागीदारों के लिए भी सुविधाएं खुली हैं।

स्मार्ट मैटेरियल लैबोरेटरी: स्मार्ट मैटेरियल लैबोरेटरी (एसएमएल) बहु-विषयक परियोजनाओं के लिए उन्नत समाधान प्रदान करने के लिए रासायनिक इंजीनियरिंग, सामग्री विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार से प्रौद्योगिकियों के एकीकरण की खोज कर रही है। एसएमएल विभिन्न परिस्थितियों में सामग्री के व्यवहार के पीछे मौलिक विज्ञान की व्यापक समझ प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। सामग्री के अनूठे गुणों का लाभ उठाकर, एसएमएल पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स, बायोसेंसर, नियंत्रित खेती, और माइक्रोफ्लूइडिक डिवाइस निर्माण प्रौद्योगिकियों जैसे अनुप्रयोगों को सेंसिंग करने के लिए नवीन उपकरण बनाने का प्रयास कर रहा है।

ग्रीन कैटलिसिस (जीसी) प्रयोगशाला: जीसी प्रयोगशाला काइनेटिक अध्ययनों के साथ सीटू स्पेक्ट्रो स्कोपिक तकनीकों द्वारा निर्देशित उत्प्रेरक डिजाइन पर केंद्रित है। "हमारा उद्देश्य "ग्रीन" उत्प्रेरक विकसित करना है, जो मूल्य-वर्धित रसायनों और ईंधन के उत्पादन के लिए पर्यावरणीय रूप से सौम्य प्रतिक्रियाशील का उपयोग करते हैं।" विभिन्न बैच और निरंतर रिएक्टरों का उपयोग करके विभिन्न विषम प्रतिक्रियाओं की एक विस्तृत यांत्रिक समझ विकसित की गई है। इसके अलावा, हम नैनोकण संश्लेषण, विशेषता और गतिज अध्ययन के लिए उपकरणों से सुसज्जित हैं। वर्तमान में, हम समय-ऑन-स्ट्रीम दर डेटा एकत्र करने के लिए एक द्रव्यमान स्पेक्ट्रोमीटर से जुड़े प्रवाह रिएक्टर के साथ एक सुविधा स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं।

रसायनशास्त्र

रसायन विज्ञान प्रयोगशाला विभाग में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के विभिन्न शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं हैं। श्लैक लाइनों से सुसज्जित फ्यूम हुड गीले रासायनिक सिंथेटिक कार्य के एक बड़े खंड को पूरा करते हैं। संस्थान में परिष्कृत उपकरणों में 500 मेगाहर्ट्ज एनएमआर, सिनाप्ट जी2एस ईएसआई-क्यू-टीओएफ मास स्पेक्ट्रोमीटर, स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एसईएम), सिंगल-क्रिस्टल एक्स-रे डिफ्राक्टोमीटर (एससीसीआरडी), फ्लो साइटोमीटर, मल्टी-प्लेट रीडर, होमोजेनाइजर और मल्टी-एंगल डायनेमिक लाइट स्कैटरिंग (एमएडीएल) शामिल हैं। अन्य अनुसंधान उपकरणों में एक चक्रीय वोल्टामीटर, परिपत्र डिफ्रैक्टोमिटर, फ्लोरोलॉग-3 स्पेक्ट्रोफ्लोराइमीटर, बीट सरफेस एरिया एनालाइजर, आइसोथर्मल टाइमेशन कैलोरीमीटर, फास्ट प्रोटीन लिक्विड क्रोमैटोग्राफी, गैस क्रोमैटोग्राफी, एफटीआईआर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, निकट-आईआर यूवी-विज स्पेक्ट्रोमीटर, और यूवी-विज इंस्ट्रूमेंट्स (प्रतिबिंब और तापमान सहायक उपकरणों के साथ), साथ ही विश्लेषणात्मक और प्रारंभिक एचपीएलसी शामिल हैं। इन उपकरणों का उपयोग शिक्षण और अनुसंधान दोनों के लिए किया जाता है। विभाग में एक अत्याधुनिक ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी सेटअप भी है जो कॉन्फोकल और वाइड-फील्ड डिटेक्शन में एकल अणुओं और नैनोकणों की इमेजिंग करने में सक्षम है। इन उपकरणों ने रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान, सामग्री विज्ञान और नैनोफोटोनिक्स को कवर करने वाले अंतःविषय क्षेत्रों में विभाग की क्षमताओं में काफी वृद्धि की है। विभाग की योजना चालू वित्त वर्ष में एक दस्ताना बॉक्स और एक सीएचएन विश्लेषक की खरीद करने और शिक्षण और अनुसंधान आवश्यकताओं के लिए अन्य विश्लेषणात्मक उपकरणों के साथ बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने की है। विभाग ने अतिरिक्त 500 वर्ग मीटर के साथ छात्रों और शोधकर्ताओं की बढ़ती संख्या को समायोजित करने के लिए भौतिक प्रयोगशाला स्थान का भी विस्तार किया है। फीट

सिविल इंजीनियरिंग

सिविल इंजीनियरिंग अनुशासन ने संरचनात्मक इंजीनियरिंग, भू-तकनीकी इंजीनियरिंग, जल संसाधन इंजीनियरिंग और सर्वेक्षण/जीआईएस के क्षेत्रों में प्रयोगशालाएं विकसित की हैं।

संरचनात्मक इंजीनियरिंग प्रयोगशाला: संरचनात्मक इंजीनियरिंग प्रयोगशाला में यूजी छात्रों के लिए निम्नलिखित सामग्री परीक्षण सुविधाएं हैं: मानक स्थिरता, सीमेंट पेस्ट का प्रारंभिक/अंतिम सेटिंग समय; सीमेंट की सुदृढ़ता; रेत का बल्लिंग; कंक्रीट की कार्यक्षमता के लिए स्लंप परीक्षण; संघनन कारक परीक्षण; वीड मधुमक्खी कंसोमीटर परीक्षण; सीमेंट की विशिष्टता; सीमेंट की बारीकी; बारीकी मॉड्यूलस, विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण, मोटे समुच्चय का थोक घनत्व; मोटे समुच्चय का लम्बाई और फ्लैकिनेस सूचकांक; कुल प्रभाव मूल्य; समग्र घर्षण मूल्य (लॉस एंजिल्स परीक्षण); सीमेंट क्यूब और मोर्टार क्यूब की संपीड़ित ताकत 73; कंक्रीट क्यूब की संपीड़ित ताकत (नाममात्र मिश्रण के अनुसार); कंक्रीट क्यूब की संपीड़ित ताकत (मिक्स डिजाइन के अनुसार); अल्ट्रासोनिक पल्स वेलोसिटी टेस्ट द्वारा कंक्रीट की संपीड़ित शक्ति; रिबाउंड हैमर द्वारा कंक्रीट की संपीड़ित शक्ति; कंक्रीट में हवा की खोज; कंक्रीट की पैठ प्रतिरोध; बिटुमेन की पैठ और आग बिंदु; टार की प्रयोगशाला में 300 टन कंप्रेशन टेस्टिंग मशीन, ऑटोक्लेव, मध्यम आकार की फर्नेस, भाप कक्ष, कंक्रीट स्कूप पंप और संरचनात्मक विश्लेषण के लिए कुशल कंक्रीट स्कैनर उपकरण जैसे उन्नत कंडीशनिंग और परीक्षण उपकरण भी हैं और ऑब्जेक्ट स्थानीयकरण के लिए अधिकतम पहचान गहराई के साथ कई परतों में एम्बेडेड वस्तुओं का पता लगाने के लिए: 300 मिमी।

भू-तकनीकी इंजीनियरिंग प्रयोगशाला: भू-तकनीकी इंजीनियरिंग प्रयोगशाला बुनियादी मिट्टी परीक्षण के साथ उच्च अंत अनुसंधान उपकरणों से सुसज्जित है। मिट्टी की गतिशीलता प्रयोगशाला बड़े (भूकंप) और छोटे तनाव (वाइब्रेटरी) परीक्षण से सुसज्जित है। बड़े तनाव गतिशील लोडिंग: चक्रीय त्रिभुज परीक्षण सेटअप (0.01 - 2 एचजेड, तनाव नियंत्रित); इलेक्ट्रो-मैकेनिकल डायनेमिक ट्रिक्वियल परीक्षण सेटअप (0.01 - 10 एचजेड, तनाव और तनाव नियंत्रित, के0, तनाव-पथ, उपयोगकर्ता परिभाषित वेवफॉर्म, 10000 चक्र चलने की क्षमता), चक्रीय साधारण अपरूपण सेटअप (0.001 - 5 एचजेड, तनाव और तनाव नियंत्रित) 10,000 लोडिंग चक्रों तक मिट्टी के तरलीकरण, अपरूपण मॉड्यूलस और डैम्पिंग अनुपात का मूल्यांकन करने के लिए। स्मॉल स्ट्रेन डायनामिक लोडिंग: के0, स्ट्रेस पाथ, आइसोट्रोपिक, यूयू, सीयू, सीडी संपीड़न और एक्सटेंशन लोडिंग स्थितियों के तहत अपरूपण मॉड्यूलस निर्धारित करने के लिए बेंडर एलिमेंट सिस्टम। अपरूपण शक्ति सुविधा में सामंजस्यहीन मिट्टी के लिए प्रत्यक्ष अपरूपण सेटअप, एकजुट मिट्टी के लिए असीमित संपीड़न (यूसी) परीक्षण, नरम मिट्टी के लिए वेन अपरूपण परीक्षण, और सभी मिट्टी प्रकारों के लिए डीएक्यू और विश्लेषण सॉफ्टवेयर के साथ त्रिभुज सेटअप शामिल हैं। पोर दाब और वॉल्यूम परिवर्तन माप सुविधाएं संपीड़न/विस्तार लोडिंग (यूयू, सीयू, सीडी परीक्षण), के0 समेकन और तनाव पथ परीक्षण के लिए उपलब्ध हैं। विभिन्न प्रकार के भूसंश्लेषण मृदा प्रणाली के इंटरफेस व्यवहार का अध्ययन करने के लिए बड़े प्रत्यक्ष अपरूपण सेटअप भी उपलब्ध है। दानेदार मिट्टी के कुल चूषण (0 - 300 एमपीए) का निर्धारण करने, मोटे अनाज वाली मिट्टी के लिए

पारंपरिक टेजियोमीटर और सभी मिट्टी प्रकारों के मैट्रिक चूषण के लिए फिल्टर पेपर सेटअप का निर्धारण करने के लिए ओस प्वाइंट संभावित मीटर उपलब्ध है। इस सुविधा में महीन और मोटे अनाज वाली मिट्टी की पारगम्यता के लिए गिरने और निरंतर हेड डिवाइस, कार्बनिक पदार्थ मूल्यांकन, ऑप्टिकल और डिजिटल एलसीडी माइक्रोस्कोप के लिए चार 3-गैंग ओडोमीटर (1 डी समेकन) सेटअप, प्रॉक्टर सेटअप, सबग्रेड मिट्टी की ताकत के लिए सीबीआर, साइव शेकर, हाइड्रोमीटर, एटरबर्ग लिमिट (एलएल,पीएल,एसएल), वेल प्रेशर, विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण, सापेक्ष घनत्व, कोर कटटर, रेत प्रतिस्थापन, मफल्ड भट्टी (900ओसी) शामिल हैं। फील्ड परीक्षण प्रयोगशाला में मोटर चालित एंकरिंग प्रणाली, मानक पैठ परीक्षण (एसपीटी), स्वचालित फ्रीफाल हैमरिंग सिस्टम के साथ डायनामिक कोन पैठ परीक्षण (डीसीपीटी), फील्ड कॉम्पेक्शन के लिए वाइब्रेटरी प्लेट कॉम्पेक्टर, फील्ड पारगम्यता सेटअप, मोनोस्टैटिक और बिस्टैटिक ऑपरेशनों के साथ ग्राउंड पैनिट्रेंटिंग रडार (जीपीआर) आवृत्तियों की एंटीना के साथ 100 मेगाहर्ट्ज, बिस्टैटिक ऑपरेशन के साथ 400 मेगाहर्ट्ज और 20-80 मल्टी आवृत्ति एंटीना सहित मोनोस्टैटिक ऑपरेशन के साथ 200 मेगाहर्ट्ज और 900 मेगाहर्ट्ज की प्लेट लोड टेस्ट है, भूकंपीय रिफ्लेक्शन/रिफ्लेक्शन सर्वेक्षण और डाउन/क्रॉशोल परीक्षणों के प्रावधान के साथ सतह तरंगों का मल्टीचैनल विश्लेषण (एमएसडब्ल्यू) सेटअप सहित। प्रयोगशाला में निम्नलिखित उपकरणों का विकास किया गया: मृदाओं के टू-ट्रायक्यूसिल और प्लेन स्ट्रेन परीक्षण करने में सक्षम रियलटाइम फीडबैक नियंत्रण प्रणाली के साथ फ्लेक्सिबल बाउंडरी सिस्टम के साथ बहु अक्षीय घन उपकरण, बारीक ग्रेनुड मृदाओं के रिमोलुडेड नमूने तैयार करने के लिए स्लरी समेकन सेटअप।

जल संसाधन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला: जल संसाधन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला में शिक्षण उद्देश्यों के लिए निम्नलिखित उपकरण हैं: एक हाइड्रोलिक बेंच, पिटोट, रेनॉल्ड का उपकरण, तेज क्रेस्टेड वियर (नोच), बर्नोली का उपकरण, वेंचुराइमीटर और ओरिफिकेमीटर, नोजल मीटर, हाइड्रोलिक टिलिंग फ्लम, बेसिक हाइड्रोलॉजी उपकरण, मुफ्त और फोर्स वोटैक्स फ्लो उपकरण। उपरोक्त के अलावा, लीव ब्रीच सुविधायुक्त नदी ट्रे, एक स्वचालित हाइड्रोलिक टिलिंग फ्लूम और ट्रांसिएंट्स का अध्ययन करने के लिए एक पाइपिंग सिस्टम का उपयोग अनुसंधान उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। फ्लुम प्रयोगों में एक 3डी वेग मापन उपकरण, ध्वनिक डॉपलर वेलोसिमीटर, का उपयोग किया जाता है।

सर्वेक्षण और जीआईएस प्रयोगशाला: सर्वेक्षण और जीआईएस प्रयोगशाला को विभिन्न उच्च-अंत सर्वेक्षण उपकरणों और जीआईएस सॉफ्टवेयर की खरीद के साथ विकसित किया गया है। सर्वेक्षण उपकरणों में उन्नत एकीकृत सर्वेक्षण किट शामिल है, जिसमें गतिज जीपीएस, रोबोटिक कुल स्टेशन और संबंधित क्षेत्र और कार्यालय सॉफ्टवेयर शामिल हैं। यह जीपीएस और कुल स्टेशनों को एक सामान्य फ़ाइल और उपयोगकर्ता इंटरफ़ेस प्रदान करता है, जो एक दूसरे के पूरक हैं। एकीकृत सर्वेक्षण एक ऐसा मंच प्रदान करता है जहां जीपीएस तकनीक व्यापक ट्रेवर्सिंग की आवश्यकता के बिना कुल स्टेशन सर्वेक्षण का विस्तार कर सकती है। इसके अलावा, कई कुल स्टेशन, ऑटो लेवल, डिजिटल लेवल और हैंडहेल्ड जीपीएस भी खरीदे जाते हैं, जिनका उपयोग उन्नत एकीकृत

सर्वेक्षण किट के अलावा किया जाएगा। शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों में जीआईएस विश्लेषण करने के लिए मल्टीयूजर आर्क जीआईएस सूचना किट की खरीद की जाती है। आर्क जीआईएस पैकेज सैटेलाइट डेटा को संभालने के लिए पहले से मौजूद इमेज प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर को जोड़ेगा।

संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान

संज्ञानात्मक विज्ञान प्रयोगशाला में उपलब्ध अनुसंधान सुविधाएं अत्याधुनिक हैं और विभिन्न क्षेत्रों को कवर करती हैं। सुविधाएं अंतःविषय अनुसंधान और सहयोग के लिए एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती हैं। ये सुविधाएं संस्थान को अनुसंधान और नवाचार का केंद्र बनने में मदद करेंगी, जहां छात्र और संकाय दुनिया की कुछ सबसे महत्वपूर्ण समस्याओं को हल करने के लिए एक साथ काम कर सकते हैं।

- टोबी टीएक्स 300 आई-ट्रैकर के साथ आई-ट्रैकिंग सुविधा के लिए सबसे उन्नत सुविधाओं में से एक है।
- खों की गतिविधियों पर नज़र रखना, टुकड़ों को मापना, निर्धारण अवधि, पुतली का आकार और अंधियां। यह भी है
- टोबी टूलबॉक्स से सुसज्जित है जो मैटलैब का उपयोग करके डेटा संग्रह का समर्थन करता है।

128-चैनल जियोडेसिक सेंसर नेट और एकीकृत ई-प्राइम और मैटलैब क्षमताओं के साथ उच्च घनत्व ईईजी सिस्टम उपलब्ध सबसे परिष्कृत ईईजी सिस्टम में से एक है। मस्तिष्क उत्तेजना सुविधा में एक ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना (टीएमएस) प्रणाली और एक न्यूरोनेविगेशन प्रणाली शामिल है, जो उत्तेजना के मस्तिष्क क्षेत्रों को स्थानीय बनाने के लिए एकल या दोहराव वाले चुंबकीय दालों का सटीक लक्ष्यीकरण प्रदान करती है। मस्तिष्क के गैर-आक्रामक उत्तेजना के लिए ट्रांसक्रानियल प्रत्यक्ष वर्तमान उत्तेजना (टीडीसी) का भी उपयोग किया जाता है।

रोबोटिक प्रणाली, टैबलेट का डिजिटलीकरण और मोशन कैप्चर सिस्टम हाथ और हाथ की गतिविधियों के विश्लेषण के लिए उत्कृष्ट उपकरण हैं। रोबोटिक सिस्टम इंटर-आर्म प्रदर्शन की तुलना के लिए दोनों रोबोट के एक साथ नियंत्रण की अनुमति देता है, जिससे यह द्विभाषी समन्वय का अध्ययन करने के लिए एक आदर्श उपकरण बन जाता है। डिजिटलीकरण टैबलेट एंडपॉइंट आर्म मूवमेंट को रिकॉर्ड करता है, और मोशन कैप्चर सिस्टम एक आभासी वास्तविकता वातावरण प्रदान करता है और विभिन्न कार्य स्थितियों के तहत आर्म मोशन डेटा की रिकॉर्डिंग की अनुमति देता है।

व्यवहार क्यूबिकल प्रयोगों के संचालन के लिए एक ध्वनि-क्षीण वातावरण प्रदान करते हैं। निर्णय लेने, ध्यान, एजेंसी और अन्य संज्ञानात्मक कार्यों पर। साइकोफिजियोलॉजी प्रयोगशाला एक वायरलेस फिजियोलॉजी-आधारित डेटा अधिग्रहण प्रणाली से सुसज्जित है जो ईसीजी, ईएमजी और ईडीए जैसे शारीरिक संकेतों के वास्तविक समय के डेटा अधिग्रहण की सुविधा प्रदान करती है।

मल्टीसेंसरी लैब में आसपास के ध्वनि वक्ताओं के साथ सक्रिय शोर रद्द करने वाले उपकरणों के परीक्षण के लिए पूरी तरह से घर में निर्मित एक ड्राइविंग सिम्युलेटर है। अंत में, टैक्टाइल परसेप्शन लैब में टैक्चर भेदभाव, गीलापन की धारणा और पीजोइलेक्ट्रिक वाइब्रेटर्स के साथ टैक्टाइल उत्तेजना के लिए मनोभौतिकी प्रयोगों के संचालन के लिए 3 डी प्रिंटिंग द्वारा पूरक कस्टम-निर्मित आर्दुइनो आधारित उपकरणों की सुविधा है।

टैक्टाइल परसेप्शन लैब में कस्टम बिल्ट आर्दुइनो-आधारित डिवाइस हैं जो टैक्चर भेदभाव, वेटनेस परसेप्शन और पीजो इलेक्ट्रिक वाइब्रेटर्स के साथ टैक्टाइल उत्तेजना के लिए मनोभौतिकी प्रयोगों के संचालन के लिए 3 डी प्रिंटिंग द्वारा पूरक हैं।

पृथ्वी विज्ञान

आईआईटी गांधीनगर में पृथ्वी विज्ञान अपने प्रमुख घटकों जैसे लिथोस्फीयर, हाइड्रोस्फीयर, वायुमंडल और बायोस्फीयर के बहु-विषयक अध्ययनों और विभिन्न स्थानिक पैमानों पर उनकी बातचीत के माध्यम से पृथ्वी प्रणाली की समग्र समझ की परिकल्पना करता है। हम न केवल इन क्षेत्रों के अध्ययन से संबंधित अनुसंधान और प्रयोगों को संचालित करने के लिए समर्पित हैं, बल्कि उन प्रक्रियाओं को भी संचालित करते हैं जो उन्हें नियंत्रित करती हैं। "आईआईटी गांधीनगर में, हमारे पास वर्तमान में दो पृथ्वी विज्ञान प्रयोगशालाएं हैं- प्रयोगशाला-1 और प्रयोगशाला-2, जो विभिन्न बहु-अंतःविषय परियोजनाओं और संदूषक भाग्य से शुरू होने वाली गतिविधियों और हाइड्रोजियोकेमिकल मॉडलिंग, नैनोकण संश्लेषण और उनके आगे के पर्यावरणीय अनुप्रयोगों, "अपशिष्ट से धन" प्रौद्योगिकी, अपशिष्ट जल आधारित महामारी विज्ञान, भू-तकनीकी सामग्रियों का स्थायी उपयोग, पृथ्वी सतह प्रक्रियाओं और टेक्टोनिक जियोमोर्फोलॉजी, कार्बोनेट तलछट विज्ञान और भूगतिविज्ञान के साथ संयुक्त परिवहन अध्ययन से शुरू होने वाली गतिविधियों का घर हैं।" ये प्रयोगशालाएं कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सहयोगी परियोजनाओं के केंद्र हैं, जो विख्यात फंडिंग एजेंसियों (जैसे एमएचआरडी, एसईआरबी, डीएसटी, डीएसटी-यूकेआईआरआई, इंस्पायर, एमओईएस, एमओईएफ; सीसी, केपीसीएसडी, जीएसबीटीएम) द्वारा वित्त पोषित हैं। प्रयोगशाला कई दर्जा परामर्श परियोजनाओं/ सेवाओं के माध्यम से सार्वजनिक/निजी भागीदारी को भी बढ़ावा देती है।

पृथ्वी विज्ञान प्रयोगशाला 1 जल और मृदा रसायन विज्ञान के प्रारंभिक और उन्नत स्तर का संचालन करने के लिए बुनियादी और परिष्कृत अनुसंधान सुविधाओं/उपकरणों से सुसज्जित है। इसका उद्देश्य पर्यावरणीय विकृतियों को दूर करना और जमीनी स्तर पर समाज को एक वैज्ञानिक स्थायी समाधान प्रदान करना है। पृथ्वी विज्ञान प्रयोगशाला में आयन-क्रोमैटोग्राफी (आईसी), हन्ना (एचआई7698194) मल्टीपैरामीटर पीएच/ईसी/डीओ जांच जैसे विभिन्न उपकरणों की मदद से मैक्रोमोल्यूलर स्तर से लेकर अल्ट्रा-ट्रेस स्तर तक अनुसंधान में सहायता करने के लिए कई प्रयोगात्मक सेटअप हैं, उच्च शुद्धता मिली-क्यू ग्रेड पानी (18.2 मीटर सीएम-1, मिली-क्यू © डायरेक्ट 8) शुद्धिकरण प्रणाली, लैमिनार फ्लो हूड, डिसिकेटर, जैविक सुरक्षा कैबिनेट, इंक्यूबेटर, रेफ्रिजरेटर, अल्ट्रासेन्ट्रीफ्यूज, इलेक्ट्रिक मफल फर्नेस, हॉट एयर ओवेन,

मैकेनिकल मिश्रण, सोनिकेटर, हॉट प्लेट, तापमान नियंत्रित मैग्नेटिक स्टिरर, ऑटोक्लेव, पोर्टेबल पीएच और चालकता मीटर और थर्मोवैज्ञानिक आयन चुनिंदा इलेक्ट्रोड। हाल ही में आयन क्रोमैटोग्राफी के लिए ऑटो नमूना, जीएनएसएस रिसेवर के साथ एडीसीपी और हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण के लिए रिमोटली ऑपरेटेड इंटीग्रेटेड फ्लोटिंग डिवाइस (नाव), तलछट अपरदन मॉडलिंग के लिए टेबल टॉप सर्कुलर फ्लूम, कार्बाइड सीटें और सीबीएन सीट, निस्पंदन यूनिट, प्रोग्रामेबल मफल भट्टी और ड्रोन को भी जोड़ा गया है। यह प्रयोगशाला स्नातकोत्तर और पीएचडी अनुसंधान कार्य के रूप में बहु-विषयक अध्ययनों का एक वास्तविक उदाहरण है।

पृथ्वी विज्ञान प्रयोगशाला 2 में प्रमुख उपकरणों में विश्लेषण की जाने वाली नमूना तैयारी सुविधा शामिल है। पृथ्वी विज्ञान प्रयोगशाला का उद्देश्य शुष्क और गीले नमूने तैयार करना है। प्रयोगशाला सामान्य और एचएफ विश्लेषण के लिए पूरी तरह से कार्यात्मक प्यूम हूड्स के माध्यम से रॉक क्रशिंग और ग्राइंडिंग सुविधा, साइविंग, हाथ से आयोजित मजबूत चुंबकीय अलगाव, रेत अनाज की अल्ट्रासोनिक सफाई और लीचिंग और रासायनिक विश्लेषण से सुसज्जित है। इसके अलावा, पृथ्वी विज्ञान अनुशासन ने एक कोर लैब विकसित करना शुरू कर दिया है, जो वर्तमान में कोर को होस्ट करता है जिसका उपयोग शिक्षण के साथ-साथ पैलियोक्लाइमेट और उपसतह जलाशय अध्ययन से संबंधित अनुसंधान के लिए किया जाता है। वर्तमान में प्रयोगशाला में एक कोर प्लगिंग मशीन, और एक हाथ से आयोजित ड्रिल (अधिकतम 9 मीटर तक की पैठ के साथ) है। पृथ्वी विज्ञान में जांच किए जा रहे अधिकांश प्रश्नों के लिए क्षेत्र कार्य की आवश्यकता होती है। आईआईटी गांधीनगर में पृथ्वी विज्ञान अनुशासन वर्तमान में भारतीय उप-महाद्वीप के बड़े हिस्सों में विशेष रूप से गंगा, यमुना (कई अन्य के अलावा) सहित विभिन्न नदी प्रणालियों के साथ-साथ गुजरात और महाराष्ट्र में बेसाल्ट, लद्दाख में गर्म स्प्रिंग और लक्षद्वीप और अंडमान में आधुनिक कार्बोनेट में काम कर रहा है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग लैब: इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग डिसिप्लिन वर्तमान में पांच स्नातक प्रयोगशाला पाठ्यक्रम और अन्य इंजीनियरिंग विषयों के छात्रों को एक बुनियादी प्रयोगशाला पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग प्रयोगशाला डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप, डुअल-चैनल आर्बिट्ररी फंक्शन जनरेटर, डिजिटल मल्टीमीटर, एलसीआर मीटर, मल्टी आउटपुट डीसी विनियमित बिजली आपूर्ति, चार चैनल डिजिटल पावर स्कोप, आठ चैनल स्कोप कोडर, स्रोत और माप इकाइयों, सटीक चुंबकीय विश्लेषक, आरएफ स्पेक्ट्रम विश्लेषक, एसी और डीसी डिजिटल पावर मीटरों जैसे मानक परीक्षण और माप उपकरणों से सुसज्जित है। अनुशासन की अनुसंधान सुविधाओं को नीचे वर्णित विशेष प्रयोगशालाओं में रखा गया है।

वेफर कैरेक्टराइजेशन लैबोरेटरी: वेफर कैरेक्टराइजेशन लैबोरेटरी में वर्तमान में 6" वेफर जांच स्टेशन, एक सेमीकंडक्टर पैरामेट्रिक विश्लेषक (6 एसएमयू, 1 एलसीआर मीटर, 1 पल्स यूनिट के साथ), एक पावर डिवाइस विश्लेषक, 20 गीगाहर्ट्ज वेक्टर नेटवर्क विश्लेषक, एक गतिशील सिग्नल विश्लेषक, एक कम शोर वर्तमान

प्रवर्तक ICCAP मॉडलिंग सॉफ्टवेयर और पैकेज्ड उपकरणों को मापने के लिए सेट-अप। इस प्रयोगशाला में इस वर्ष के अंत तक -60 से 300 डीईजीसी तक तापमान रेंज के साथ एक और जांच स्टेशन (8" और 43.5 गीगाहर्ट्ज वेक्टर नेटवर्क विश्लेषक होगा।

नैनोडक प्रयोगशाला: नैनो उपकरण और सर्किट (नैनोडक) प्रयोगशाला का उपयोग मुख्य रूप से एनालॉग/डिजिटल वीएलएसआई डिजाइन और अर्धचालक उपकरण से संबंधित अनुसंधान के लिए किया जाता है। यह प्रयोगशाला कैडन, मेंटर ग्राफिक्स, सिनोसाइस, Xilinx ISE टूल और GTS TCAD टूल के लिए 72 बहु-उपयोगकर्ता लाइसेंस से सुसज्जित है। प्रयोगशाला एक हाई-एंड एफपीजीए बोर्ड: Xilinx VirtexUltrascale + FPGA VCU118 मूल्योक्त किट से भी सुसज्जित है। इसके अलावा, प्रयोगशाला में अन्य कम्प्यूटेशनल संसाधन हैं जिनमें 80-कोर सर्वर, कई वर्कस्टेशन और मशीनें शामिल हैं जो सीएडी उपकरणों की मेजबानी करते हैं।

पावर सिस्टम और स्मार्ट ग्रिड प्रयोगशाला: प्रयोगशाला पूरी तरह से डिजिटल रीयल-टाइम पावर इंजीनियरिंग सिमुलेशन प्लेटफॉर्म से सुसज्जित है जिसमें ओपल-आरटी (ओपी4508 एफ11-3+1) रीयल-टाइम डिजिटल सिमुलेटर - ओपी5600 और हार्डवेयर के लिए अनुकूलित मॉड्यूलर हार्डवेयर और फर्मवेयर शामिल हैं। -इन-द-लूप (एचआईएल) और पावर सिस्टम और स्मार्ट ग्रिड से संबंधित अनुसंधान गतिविधियों में रैपिड कंट्रोल प्रोटोटाइप (आरसीपी) अध्ययन। प्रयोगशाला पावर सिस्टम सिमुलेशन टूल - डिजीसिलेंट पावरफैक्ट्री, सिमडिस्ट और गोम्स सॉफ्टवेयर से भी सुसज्जित है।

बुद्धिमान पुनर्वास और प्रभावी कंप्यूटिंग प्रणालियों के लिए सरिता जेलोट प्रयोगशाला: बुद्धिमान पुनर्वास और प्रभावी कंप्यूटिंग सिस्टम प्रयोगशाला के पास पांच प्रणालियां हैं जिनके लिए पेटेंट लागू किया गया है (i) संज्ञानात्मक हानि के निदान के लिए स्मार्टीय, (ii) किसी की चाल की विशेषता के लिए इंस्ट्रोल, (iii) SWASTI जो पार्किंसन की बीमारी वाले लोगों में GAIT (कोहन) के फ्रीजिंग को रोकने के लिए AI सक्षम चलने वाली छड़ी है, और (iv) मानव शरीर के विभिन्न शारीरिक मापदंडों के गैर-आक्रामक माप के लिए ऑनकॉलडॉक्टर प्रणाली और (v) Pthreadx जो एक शरीर विज्ञान-संवेदनशील ट्रेडमिल समर्थित VR-आधारित GAIT अभ्यास मंच है। इसके अलावा, यह अनुसंधान प्रयोगशाला एक स्प्लिट-बेल्ड ट्रेडमिल प्लेटफॉर्म, रिमोट एंड वियरेबल आई-ट्रैकर्स, शारीरिक डेटा अधिग्रहण के लिए बायोपैक, हैप्टिक डिवाइस, ईईजी डेटा अधिग्रहण, ट्रांसक्रैनिअल इलेक्ट्रिकल स्टिमुलेटर, फंक्शनल इलेक्ट्रिकल स्टिमुलेटर, साइबरग्लोव, गेट्राइट और वीआर हेडसेट से सुसज्जित है।

कंप्यूटर विज्ञान, इमेजिंग और ग्राफिक्स (सीवीआईजी) प्रयोगशाला: प्रयोगशाला में 3डी प्रिंटर के साथ क्रमशः बड़ी संरचनाओं और कलाकृतियों को स्कैन करने के लिए उपयोग किए जाने वाले 3DX330 और EINSCAN PRO+ LASER स्कैनर पर फोकस किया जाता है। संभावित अनुप्रयोगों में डिजिटल विरासत, आकार विश्लेषण और ज्यामितीय प्रसंस्करण शामिल हैं।

प्रयोगशाला ने इसरोसैक की मदद से गढ़े गए एपर्चर कैमरों को भी एक ही छवि से फील्ड रिकवरी की विस्तारित गहराई पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कोडित किया है। इन कार्यों को प्राप्त करने के लिए किसी भी डीएसएलआर के साथ कोडित एपर्चर कैमरों का उपयोग किया जा सकता है। कंप्यूटर विज्ञान अनुप्रयोगों के लिए डीप लर्निंग से जुड़ी कम्प्यूटेशनल रूप से गहन समस्याओं को हल करने के लिए कई जीपीयू सक्षम वर्कस्टेशन का उपयोग किया जाता है। प्रयोगशाला मानव गतिशीलता पर अनुसंधान के लिए एक मानव गति पकड़ प्रणाली की भी मेजबानी करेगी।

फोटोनिक सेंसर प्रयोगशाला: फोटोनिक सेंसर प्रयोगशाला निकटवर्ती और मिड-आईआर ट्यूनेबल डायोड लेजर अवशोषण स्पेक्ट्रोस्कोपी, फोटोकॉस्टिक अवशोषण स्पेक्ट्रोस्कोपी, प्लास्मोनिक नैनोबियोसेंसिंग, माइक्रोबियल विकास अध्ययन और फाइबर-ऑप्टिक बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के अनुप्रयोगों पर काम करती है। यह प्रयोगशाला बड़ी संख्या में मिड-इन्फ्रारेड क्वांटम कैस्केड लेजर (एल्प्स लेजर), 1392 एनएम एज-एमिटिंग लेजर डायोड (ईबीएलएनए), 1533 एनएम एज-एमिटिंग लेजर डायोड (टॉप्टिका), 100 मेगावाट, 4.3-4.7 यूएम क्वांटम कैस्केड लेजर (डैलाइट सॉल्यूशंस), 1650 एनएम एज-एमिटिंग लेजर डायोड (टॉप्टिका फोटोनिक्स), वीसीएसईएलएस (1278 एनएम, 2004 एनएम, वर्टिलस), ठंडा और बिना ठंडे फोटोडायोड से सुसज्जित है। इसके पास 50 मेगाहर्ट्ज डुअल-चैनल, लॉकइन एम्प्लीफायर (ज्यूरिच इंस्ट्रूमेंट्स), कई लेजर डायोड करंट एंड टेम्परेचर कंट्रोलर (थोरलैब, एसआरएस), एक मनमाना वेवफॉर्म जनरेटर (एजेंटिलेंट), 500 मेगाहर्ट्ज, 1 जीएस/एस डिजिटल फॉस्फोर ऑसिलोस्कोप (टेक्ट्रोनिक्स), एक डिजिटल देरी और पल्स जनरेटर, (एसआरएस), और 3 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम एनालाइजर (एजेंटिलेंट) भी हैं।

कम्प्यूटेशनल नैनोफोटोनिक्स प्रयोगशाला: कम्प्यूटेशनल नैनोफोटोनिक्स प्रयोगशाला इमेजिंग, सेंसिंग और ऊर्जा संचयन में अनुप्रयोगों की दृष्टि से नैनोस्ट्रक्चर्ड सामग्रियों के साथ हल्के इंटरैक्शन के मूलभूत भौतिकी की जांच करती है। प्रयोगशाला द्वारा जांच किए जाने वाले असंख्य अनुप्रयोगों में उच्च-रिज़ॉल्यूशन और बहुत व्यापक क्षेत्र-ऑफ-व्यू माइक्रोस्कोप, एकात्मक एकीकृत अल्ट्रासोनिक कैमरा, नैनोस्केल पर वस्तुओं और गतिशीलता की जांच के लिए अल्ट्रासेटिव गैर-विनाशकारी ऑप्टिकल मापन तकनीक शामिल हैं, जैव प्रेरित स्थायी ऊर्जा कटाई और भंडारण तकनीक। यह प्रयोगशाला ऑप्टिकल नैनोस्ट्रक्चर और मेटासर्फेस की विशेषता के लिए ब्रॉडबैंड सुपरकंडिनम लेजर, यूवी-विज़ एनआईआर स्पेक्ट्रोमीटर और अन्य उपकरणों से सुसज्जित है।

विद्युत मशीनें और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला: प्रयोगशाला विभिन्न विद्युत मशीनों के डिजाइन, नियंत्रण और निदान पर अनुसंधान कार्य करने के लिए सुसज्जित है। इनमें ट्रांसफार्मर, रोटेटिंग इलेक्ट्रिक मशीन और पावर कन्वर्टर शामिल हैं। एनएस मैक्सवेल में 2डी और 3डी इलेक्ट्रोमैग्नेटिक परिमित तत्व विश्लेषण का उपयोग करके उपन्यास और मौजूदा टोपोलॉजी का डिजाइन और विश्लेषण किया जाता है। प्रयोगशाला में विभिन्न घुमावदार इलेक्ट्रिक मशीन टोपोलॉजी पर प्रयोग के लिए परीक्षण-सेटअप उपलब्ध हैं। इनमें स्थायी मैग्नेट ब्रशलेस डीसी मोटर, स्थायी मैग्नेट

सिंक्रोनस मोटर और स्विच अनिच्छा मोटर शामिल हैं। पारंपरिक टोपोलॉजी का विश्लेषण और मॉडलिंग एक एकीकृत परीक्षण बेंच पर किया जाता है जिसमें डीसी मशीन, एक इंडक्शन मशीन और एक सिंक्रोनस मशीन होती है। प्रयोगशाला मोटर लोड करने और टॉर्क वेवफॉर्म प्राप्त करने के लिए एक एडी करंट डायनेमोमीटर से सुसज्जित है। मशीन स्वास्थ्य निदान के लिए, एफआरए विश्लेषण करने के लिए सटीक चुंबकीय विश्लेषक और आवेग जनरेटर का उपयोग किया जाता है। प्रयोगशाला सुविधाओं में प्रोग्रामेबल बिजली आपूर्ति भी शामिल है जिसका उपयोग नकल ग्रिड व्यवहार के लिए संतुलित और असंतुलित आपूर्ति उत्पन्न करने के लिए किया जाता है। प्रयोगशाला में मूल पावर कनवर्टर और उनके संबंधित नियंत्रक और ड्राइवर गढ़े हुए हैं। ये परिवर्तक टोपोलॉजी एसीडीसी, एसी-एसी, डीसी-एसी और डीसीडीसी रूपांतरण के कार्यान्वयन की अनुमति देते हैं।

मेडिकल अल्ट्रासाउंड इंजीनियरिंग (MUSE) प्रयोगशाला: म्युज प्रयोगशाला बायोमेडिकल अल्ट्रासाउंड इमेजिंग, थेरपी और मेट्रोलाजी में अनुसंधान करने के लिए सुसज्जित है। वर्तमान प्रयोगशाला सूची में एकल-तत्व ट्रांसड्यूसर (1 - 20 मेगाहर्ट्ज केंद्र आवृत्ति), उच्च तीव्रता केंद्रित अल्ट्रासाउंड ट्रांसड्यूसर (2 मेगाहर्ट्ज), एक बाधा आधारित कण आकार विश्लेषक, चार अल्ट्रासाउंड डायथर्मि सिस्टम, पल्सर रिसीवर आवृत्ति (1 - 30 मेगाहर्ट्ज), मनमाना तरंग रूप जनरेटर (1 - 50 मेगाहर्ट्ज), एक आरएफ शक्ति प्रवर्धक (1 - 50 मेगाहर्ट्ज), एक प्रोग्रामेबल अल्ट्रासोनिक डेटा अधिग्रहण प्रणाली, एक ब्रॉडबैंड हाइड्रोफोन, डिजिटल भंडारण और मिश्रित सिग्नल ऑसिलोस्कोप (200 और 100 मेगाहर्ट्ज बैंडविड्थ), एक मोटरीकृत 3-एक्सिस पोजिशनिंग सिस्टम, एक प्रीम्पलीफायर (30 मेगाहर्ट्ज बैंडविड्थ), एक प्रोग्रामेबल पावर सप्लाय, एक वैक्यूम डेज़र, एक कैलिब्रेटेड टिसुइम्पकिंग अल्ट्रासाउंड फैटम, एक डिस्सोल्ड ऑक्सीजन प्रोब, वेट लैब उपकरण (पाइपेट्स, एक माइक्रोबैलेन्स, हॉट/स्टिर प्लेट, एक ओवरहेड स्टिर प्रयोगशाला जैविक सामग्री और पूर्व विवो ऊतक के प्रयोगों के लिए सुसज्जित है।

ऑडियो सिग्नल प्रोसेसिंग लैबोरेटरी: इस प्रयोगशाला का प्राथमिक ध्यान सक्रिय शोर नियंत्रण हेडफोन, हियरिंग एड्स और हियरबल सहित ऑडियो उपकरणों के लिए सिग्नल प्रोसेसिंग एल्गोरिदम के विकास और कार्यान्वयन पर है। प्रयोगशाला में ऑडियो इंटरफेस, मापन माइक्रोफोन और स्टूडियो मॉनिटर स्पीकर के अलावा स्पीड बकरी ऑडियो परफॉर्मेंस रियल-टाइम टारगेट मशीन, न्यूमैन कु100 डमी हेड माइक्रोफोन, जीआरएस 45सीए ईयर प्रोटेक्टर टेस्ट मॉड्यूल सहित उपकरण हैं।

स्मार्ट पावर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला: इस प्रयोगशाला का प्राथमिक ध्यान नवीकरणीय ऊर्जा ग्रिड एकीकरण और परिवहन विद्युतीकरण के लिए कुशल बिजली इलेक्ट्रॉनिक कनवर्टर और नियंत्रण प्रणाली विकसित करना है। प्रयोगशाला में नवीनतम वाणिज्यिक द्विआकारीय मोनोऑपरेक प्रौद्योगिकी के 10किलोवाट रूफटॉप फोटोवोल्टिक पैनल हैं। मैटलैब प्रोग्राम-एफपीजीए-आधारित लहर रैपिड कंट्रोल प्रोटोटाइपिंग उपकरण भी बिजली इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए लैब में उपलब्ध है। मशीन-लर्निंग आधारित सिस्टम मॉडलिंग और

नियंत्रण के लिए प्रयोगशाला में कार्य केंद्रों के संदर्भ में उच्च स्तरीय कम्प्यूटेशनल सुविधाएं उपलब्ध हैं। प्रयोगशाला ने बैटरी प्रदर्शन अनुकूलन के लिए थर्मल चैंबर और रियल टाइम मापन प्रणाली के साथ बैटरी इलेक्ट्रो-थर्मल विशेषता उपकरण के आदेश भी दिए हैं। हमने ईवी ड्राइव और नवीकरणीय ऊर्जा संचालित माइक्रोग्रिड अनुप्रयोगों के लिए उच्च शक्ति द्विदिश कनवर्टर तैयार और विकसित किए हैं।

नैनोस्ट्रक्चर और कंपाउंड सेमीकंडक्टर डिवाइस लैब: इस प्रयोगशाला का मुख्य उद्देश्य बहुआयामी ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक और बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए कंपाउंड सेमीकंडक्टर उपकरणों और नैनोस्ट्रक्चर को डिजाइन और गढ़ना है। प्रयोगशाला नैनोस्ट्रक्चर जैसे क्वांटम डॉट्स, सिमुलेशन-आधारित अनुसंधान के लिए समर्पित हाई-एंड वर्कस्टेशन और नेक्स्टनैनो सॉफ्टवेयर के लिए पर्याप्त संख्या में लाइसेंस, नैनोटेक्नोलॉजी और सेमीकंडक्टर उपकरणों के क्षेत्र में परिष्कृत सिमुलेशन और विश्लेषण करने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में संश्लेषित करने की सुविधाओं से लैस है।

मैटेरियल इंजीनियरिंग

मैटेरियल इंजीनियरिंग प्रयोगशाला में चार सक्रिय शिक्षण प्रयोगशालाएं (मेटालोग्राफी, शुष्क और गीला प्रसंस्करण, सामग्री लक्षणीकरण) और छः अनुसंधान प्रयोगशालाएं (कार्यात्मक सामग्री प्रयोगशाला, उन्नत सामग्री प्रसंस्करण, वैक्यूम सिस्टम प्रयोगशाला, (ओपीटीओ) इलेक्ट्रॉनिक्स और पतली फिल्म प्रयोगशाला, जैव पदार्थ प्रयोगशाला, एंटीमाइक्रोबियल सामग्री प्रयोगशाला) शामिल हैं।

मेटालोग्राफी प्रयोगशाला में मैनुअल और स्वचालित पॉलिशिंग मशीनों, अपघर्षक कटिंग मशीनों और ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप वाली नमूना तैयारी इकाइयों की एक विस्तृत श्रृंखला है। शुष्क और गीले प्रसंस्करण प्रयोगशालाओं में सामग्री प्रसंस्करण से संबंधित उपकरण शामिल हैं, जैसे, वैक्यूम आर्क मेल्टिंग और मिश्र धातु संश्लेषण के लिए इंडक्शन मेल्टिंग इकाइयां, गर्मी उपचार के लिए कम और उच्च तापमान फर्नेस, जोमिनी एंड क्वेंच फर्नेस, पर्यावरण नियंत्रित ट्यूब फर्नेस, फ्यूम हूड, इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन और रासायनिक भंडारण सुविधा।

सामग्री लक्षणीकरण प्रयोगशाला में ऐसे उपकरण होते हैं, जो सतह लक्षणीकरण (संपर्क कोण गोनिओमीटर, प्रोफाइलोमीटर, एफटीआईआर), थर्मल लक्षणीकरण (टीजीए, डीएससी, एसटीए), और प्राथमिक संरचना लक्षणवर्णन (एएएस, आईसीपी-ओईएस, आईसीपी-एमएस और एक्सआरएफ) कर सकते हैं।

कार्यात्मक सामग्री प्रयोगशाला में इन-सीटू प्रोफाइलोमीटर के साथ एक उच्च तापमान ट्राइबोमीटर है।

उन्नत सामग्री प्रसंस्करण अनुसंधान प्रयोगशाला में घर्षण स्टीर वेल्डिंग मशीन, गैमी संक्षारण और इलेक्ट्रोकेमिकल परीक्षण

सेटअप, विभिन्न नमूना तैयारी सुविधाएं, और एक स्वचालित कठोरता परीक्षण मशीन है। प्रयोगशाला थर्मोकैल्क सॉफ्टवेयर का उपयोग करके सोलिडिफिकेशन, चरण परिवर्तन और वर्षा के उच्च अंत थर्मोडायनामिक और काइनेटिक सिमुलेशन करने में भी सक्षम है।

वैक्यूम सिस्टम प्रयोगशाला में सामग्री विकास के लिए कस्टम-निर्मित और असेंबल वैक्यूम आधारित प्रसंस्करण और विशेषता प्रणाली है। यह सुविधा वैक्यूम सिस्टम के संशोधन और अनुकूलन को मौलिक और साथ ही लागू अध्ययन करने की अनुमति देती है।

(ऑप्टो) इलेक्ट्रॉनिक्स और पतली फिल्म प्रयोगशाला में विशेषता के लिए यूवी-वीआईएस-एनआईआर, हेम्स और चार-पॉइंट जांच के साथ मुख्य रूप से स्पटरिंग, स्पिन कोटर का उपयोग करके ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए पतली फिल्मों की तैयारी से संबंधित उपकरण हैं।

बायोनोमैटेरियल्स लैब एक पॉज़िटिव प्रेशर लैब (कक्षा 10,000) है जो नैनोकणों को संश्लेषित और अभिलक्षित करने के लिए उपकरणों से सुसज्जित है (डीएल, सीपी, xigo, हाइपरथर्मिया) प्रयोगशाला में विकसित नैनोमैटेरियल पर प्रारंभिक विषाक्त परख करने के लिए एक सेल संस्कृति सुविधा भी है।

एंटीमाइक्रोबियल सामग्री प्रयोगशाला में लैमिनार हुड, इन्क्यूबेटर, लाइओफिलाइजर, सेंट्रीफ्यूज, जांच और स्नान सोनिकेटर, फ्लोरोसेंस माइक्रोस्कोप और माइक्रोप्लेट रीडर होते हैं। ईडीएस, डब्ल्यूडी और ईबीएसडी की क्षमताओं के साथ हमारा फिस्ट-वित्त पोषित विश्लेषणात्मक एसईएम पूरी तरह से चालू है। सामग्री इंजीनियरिंग प्रयोगशालाओं की उपकरण क्षमताओं को नए उपकरणों को जोड़कर लगातार अपग्रेड किया जा रहा है और उनका उपयोग स्नातक छात्रों के लिए उनकी प्रयोगशाला और परियोजना पाठ्यक्रमों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण और अभ्यास सत्रों के लिए किया जाता है। स्नातकोत्तर छात्र नियमित रूप से इन उपकरणों का उपयोग अपनी अनुसंधान गतिविधियों के लिए करते हैं। इसके अलावा, सभी उपकरणों तक सहज पहुंच सुनिश्चित करने के लिए उपयोग के लिए टाइम स्लॉट की आसान बुकिंग को सक्षम करने के लिए एक ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट एक्सेस सिस्टम तैयार किया गया है। उपयोगकर्ता किसी विशेष उपकरण के लिए उपलब्ध स्लॉट और संबंधित टीए आवंटित कर सकते हैं।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग

मैकेनिकल इंजीनियरिंग ब्रांच ने कई प्रयोगशाला और परियोजना आधारित पाठ्यक्रमों में अपने "लर्निंग-बाय-डूइंग" और डार्ड दृष्टिकोण के साथ लगातार प्रगति की है।" निर्माता भवन में संसाधनों के साथ परियोजना की जरूरतों के तंग एकीकरण ने छात्रों को अपनी संबंधित परियोजनाओं या कार्यों के लिए वैकल्पिक समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित किया। इन-क्लास प्रदर्शन आयोजित करने के लिए संसाधन भी इन-हाउस या खरीदे जा रहे हैं। इसके अलावा, वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप सुविधाओं और उपकरणों को लगातार अपग्रेड किया जा रहा है और भविष्य की

एमसी आवश्यकताओं, यदि कोई हो, के अनुपालन में बने हुए हैं। नए संकाय सदस्यों को शामिल करने से अनुसंधान और शिक्षण प्रयोगशालाओं में भी वृद्धि देखी गई है। स्मार्ट ऊर्जा और थर्मल ट्रांसपोर्ट लैब ने इस वर्ष अपना अनुसंधान और शिक्षण कार्य आरंभ कर दिया है।

स्मार्ट ऊर्जा और थर्मल ट्रांसपोर्ट लैब: लैब के अनुसंधान उद्देश्य थर्मो-तरल विज्ञान, इंटरफेस घटना और ऊर्जा के बहु-विषयक क्षेत्रों को बाधित करते हैं। इसका उद्देश्य ऊर्जा (बिजली उत्पादन, तेल और गैस, नवीनीकरणीय), जल, कृषि, परिवहन और इलेक्ट्रॉनिक्स में परिवर्तनकारी दक्षता बढ़ाने के लिए कई लंबाई और समय पैमानों में हीट-तरल सतह इंटरैक्शन में मौलिक रूप से हेरफेर करके कूलिंग करना है। शिक्षण में एक अमूल्य संसाधन होने के अलावा, अनुसंधान मोर्चे पर प्रयोगशाला का ध्यान दोनों की ओर निर्देशित है: 1) चरण परिवर्तन और इंटरफेशियल घटनाओं के लिए माइक्रो/नैनोस्ट्रक्चर्ड सतहों पर मौलिक अध्ययन, और 2) सौर सहित उपकरणों और प्रणालियों पर लागू अनुसंधान, तापीय ऊर्जा रूपांतरण, ऊर्जा भंडारण, और उच्च शक्ति घनत्व इलेक्ट्रॉनिक्स तापीय प्रबंधन। प्रयोगशाला की गतिविधियां मुख्य रूप से सतह इंजीनियरिंग, रासायनिक विविधता के कारण और तरल-वाष्प चरण परिवर्तन घटनाओं की उपस्थिति में आर्द्रता में परिवर्तन की बेहतर समझ विकसित करने की दिशा में तैयार हैं। ये अध्ययन चरण परिवर्तन गर्मी हस्तांतरण अनुप्रयोगों के लिए प्रासंगिक तरल और थर्मल परिवहन के पीछे अंतर्निहित भौतिक तंत्र को स्पष्ट करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, संरचना के कारण हाइड्रोफिलिक सतहों को सुपर हाइड्रोफिलिक बनाया गया, जिसके परिणामस्वरूप उबलने और पतली-फिल्म वाष्पीकरण हीट ट्रांसफर में वृद्धि हुई है। इसके विपरीत, हाइड्रोफोबिक संरचित सतहें यानी सुपरहाइड्रोफोबिक सतहों ने हाल ही में संघनन गर्मी हस्तांतरण की सीमा को बढ़ाने का वादा किया है।

ठोस और तरल यांत्रिकी: इस वर्ष, ठोस यांत्रिकी प्रयोगशाला ने टोरसन परीक्षण सुविधा को पुनर्जीवित करने के लिए काफी प्रयास किया है। विभिन्न प्रयोगात्मक परीक्षण सेट-अप में शामिल हैं: 1) एक बीम में झुकाव के समय, 2) एक बीम में अपरूपण शक्ति, 3) बीम और कैटलीवर का अपस्फीति, 4) एक बीम में झुकाव तनाव, 5) असमान झुकाव और अपरूपण केंद्र, 6) स्ट्रट्स की बकलिंग और 7) निरंतर और अनिश्चित बीम। इन रिगों का उपयोग छात्रों की समझ में सुधार के उद्देश्य से इन-क्लास प्रदर्शन और छात्र परियोजनाओं के लिए किया जाता है। अन्य सुविधाओं में 450J क्षमता (एमटीएस), 10 और 20-टन यूटीएम मशीन, रॉकवेल और विकर्स हार्डनेस टेस्टिंग मशीन (जेडविक रोल) की एक चार्पी इम्पैक्ट टेस्टिंग मशीन और एक थकान टेस्टिंग मशीन शामिल है। प्रयोग करके प्रायोगिक अध्ययन अनुभव के लिए स्ट्रेन गेज और संबद्ध डेटा अधिग्रहण प्रणालियां भी उपलब्ध हैं। द्रव यांत्रिकी प्रयोगशाला में द्रव स्टैटिक्स और गतिशीलता प्रयोगों के संचालन के लिए सेटअप हैं। गियर पंप, सेंट्रीफ्यूगल पंप, पेल्टन व्हील, फ्लो मापन उपकरण, और सहायक उपकरण जैसे कई सामान्य टर्बोमाइन भी स्थापित किए गए हैं। इस वर्ष, हमने प्रयोगों की सहायता के लिए प्रवाह क्षेत्र के विजुअलाइजेशन के लिए अतिरिक्त उपकरण जैसे कि श्रृंखला और समानांतर सेंट्रीफ्यूगल पंप, हॉट वायर एनीमोटर, सतह दबाव सेंसर और डिजिटल माइक्रो मैनोमीटर और

उपकरण खरीदे हैं।

विनिर्माण: विनिर्माण प्रयोगशाला में लाठ, मिलिंग मशीन, एक ऊर्ध्वाधर मशीनिंग केंद्र, एक इलेक्ट्रिक डिस्चार्ज मशीन, वेल्डिंग, फिटिंग और टिन स्मिथी उपकरण जैसी सुविधाएं हैं। यह विनिर्माण प्रथाओं और प्रक्रियाओं पर पाठ्यक्रमों का समर्थन करता है और एकीकृत डिजाइन और विनिर्माण पाठ्यक्रमों में विनिर्माण गतिविधियों का समर्थन करता है। यह स्नातक छात्रों की परियोजनाओं के निर्माण के साथ-साथ अनुसंधान संबंधी उपकरणों और सहायक उपकरणों के लिए एक कार्यशाला के रूप में भी कार्य करता है

नियंत्रण प्रणाली: नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला को कई विषयों के बीच साझा किया जाता है और इसमें प्रयोगों की एक श्रृंखला शामिल होती है जो छात्रों को नियंत्रण प्रणाली के सिद्धांत और डिजाइन पहलुओं और कार्यान्वयन पहलुओं दोनों को समझने में मदद करती है। टिकरर की प्रयोगशाला में संसाधनों का लाभ उठाते हुए और अनुशासन के भीतर, नियंत्रण प्रणालियों में अधिकांश प्रयोग डायरी दृष्टिकोण में बदल गए हैं, जिसमें छात्र अलग-अलग जटिलताओं के प्रयोगों का निर्माण करने और उन पर विभिन्न नियंत्रण रणनीतियों को लागू करने में सक्षम हैं। इसके अलावा, कुछ टेस्ट रिग सेंसर, डेटा अधिग्रहण, अंशांकन, स्थिरता विश्लेषण, पीआईडी नियंत्रक ट्यूनिंग, प्रयोगात्मक डेटा से मॉडलिंग, और प्रदर्शन मानदंडों को पूरा करने के लिए रूट लोकस-आधारित डिजाइन के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं। इस वर्ष, इस दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए ऐसी गतिविधियों के लिए उपलब्ध मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और इंस्ट्रूमेंटेशन घटकों को बढ़ाया गया था।

ऊर्जा प्रणाली: नवीकरणीय ऊर्जा प्रयोगशाला सुविधा के पीछे प्रेरणा नवीकरणीय ऊर्जा में स्नातक और स्नातक छात्रों को प्रयोगात्मक अनुभव की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करना है। इस सुविधा में हवा, तापीय और सौर ऊर्जा पर उच्च गुणवत्ता वाले प्रयोगात्मक सेटअप शामिल हैं। इस प्रयोगात्मक सुविधा में थर्मल एनर्जी स्टोरेज ट्रेनिंग सिस्टम, सोलर कंसेंट्रेटर ट्रेनिंग सिस्टम, विंड एनर्जी ट्रेनिंग सिस्टम और सोलर पीवी ट्रेनिंग एंड रिसर्च सिस्टम शामिल हैं। एक ईंधन-सेल परीक्षण प्रणाली और एक हीट ट्रांसफर प्रायोगिक मॉड्यूल की खरीद की गई है

रोबोटिक्स: हाल के वर्षों में, रोबोटिक्स शिक्षण और अनुसंधान दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण डोमेन के रूप में उभरा है। रोबोट, अनिवार्य रूप से, प्रोग्रामेबल इलेक्ट्रो-मैकेनिकल सिस्टम (मशीन) हैं जिन्हें कई अलग-अलग विषयों की समझ और निष्पादन की आवश्यकता होती है। इन प्रणालियों के विकास और परीक्षण की प्रक्रिया आईआईटी गांधीनगर में छात्रों और संकायों के बीच बहुत रुचि पैदा कर रही है। छात्रों के लिए प्रत्येक वर्ष प्रस्ताव पर कई नियमित और वैकल्पिक पाठ्यक्रम हैं। छात्र परियोजना इन पाठ्यक्रमों का एक महत्वपूर्ण घटक है, जहां लर्निंग-बाय-डूइंग पद्धति अपनाई जाती है। इनमें से कुछ पाठ्यक्रम हैं:

- रोबोटिक्स का परिचय - स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम
- मैकेट्रॉनिक्स - वैकल्पिक स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम
- डायनेमिक्स और कंट्रोल - अनिवार्य अंडरग्रेजुएट लेवल कोर्स
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस - स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम
- मशीन लर्निंग कोर्स - स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम

इन नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा, हर साल आईआईटी गांधीनगर के छात्र तकनीकी कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं, जैसे कि Amlthea और Ignite, जहां बड़ी संख्या में प्रतियोगिताएं रोबोटिक्स संचालित गतिविधियों पर आधारित हैं। प्रत्येक वर्ष, बड़ी संख्या में छात्र बाहरी रूप से संगठित रोबोटिक्स प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं, जैसे कि आईआईटी बॉम्बे ई-यंत्र, डीआरडीओ रोबोटिक्स और मानवरहित सिस्टम एक्सपोजर (डूज), आदि।

डायनेमिक्स, कंपन और तरंगें: इस सुविधा में वर्तमान में विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न संवेदनशीलताओं के एक्सेलरोमीटर, डायनेमिक फोर्स सेंसर और फॉर्म फैक्टर जैसे अत्याधुनिक पीजोइलेक्ट्रिक सेंसर हैं। हमारे पास पोस्ट-प्रोसेसिंग के लिए आवश्यक डेटा अधिग्रहण हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर है। हमने नियंत्रित मॉडल और संरचनात्मक परीक्षण आवेग प्रदान करने के लिए प्रभाव हथौड़ों को प्राप्त किया है। हमारे पास समर्पित नियंत्रक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के साथ कंपन परीक्षण के लिए 1.6 केएन कंपन शेकर और 200 एन मॉडल एक्जिटर हैं। हमने संरचनात्मक गतिशीलता से संबंधित प्रयोगों के संचालन के लिए एक उच्च निष्ठा स्ट्रोबोस्कोप की खरीद की है। इसके अलावा, हमारे पास प्रयोगात्मक सेटअप बढ़ाने के लिए उच्च-परिशुद्धता वाली सतह प्लेट भी हैं।

प्रो. अतुल भार्गव, प्रोफेसर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग ने डीआरडीओ प्रायोजित अनुसंधान परियोजना के हिस्से के रूप में नागरिक और रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए लंबे समय तक चलने वाले यूएवी के लिए स्वच्छ हाइड्रोजन आधारित ईंधन सेल पावरपैक बनाने के लिए बड़ी धनराशि हासिल की है।

भौतिकी

भौतिकी प्रयोगशाला स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर प्रयोग करने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। एमएससी प्रयोगशाला में ऑप्टिक्स, ठोस-स्टेट भौतिकी, स्पेक्ट्रोस्कोपी, आधुनिक भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स में विषयों को कवर करने वाले कई प्रयोग होते हैं। लॉजिक गेट्स के प्रयोग छात्रों को गणितीय ऑपरेटर्स और प्रवर्धक के रूप में लॉजिक सर्किट के कार्यों को समझने में सक्षम बनाते हैं। स्नातक भौतिकी प्रयोगशाला में आधुनिक भौतिकी, ऑप्टिक्स और ध्वनिक विषयों को कवर करने वाले प्रयोग हैं। पाठ्यक्रम में नियमित प्रयोग करने के अलावा, छात्रों को समूहों में अल्पकालिक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की सलाह दी जाती है। यह टिकरिंग लैब अभ्यास सेमेस्टर के अंत में एक ओपन-टू-ऑल पोस्टर सत्र के साथ समाप्त होता है, जिसके दौरान छात्र आईआईटी गांधीनगर समुदाय को अपनी परियोजनाएँ प्रदर्शित करते हैं और अपने निष्कर्षों बताते हैं।

भौतिकी विभाग में अनुसंधान प्रयोगशालाएं प्रायोगिक संघनित पदार्थ भौतिकी और नैनोमैटेरियल के क्षेत्र में अत्याधुनिक अनुसंधान में शामिल हैं। ऊर्जा अनुसंधान, सतहों और इंटरफेस के भौतिकी, नैनोमैटेरियल और थिन फिल्मों के विकास और लक्षण, ग्राफीन आधारित नैनोफ्ल्यूइडिक्स/विलवणीकरण तकनीक, आयन/प्रोटॉन परिवहन, 2डी हेटरोस्ट्रक्चर, सक्रिय मामले, सेल्फ असेंबली और एकल-कण विभेद, कोलाइडल सुपरकूल्ड तरल पदार्थ और चश्मे पर कोलाइड्स की गतिशीलता के क्षेत्रों में अनुसंधान गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित अनुसंधान सुविधाएं स्थापित की गई हैं। अनुसंधान के साथ-साथ शिक्षण उद्देश्यों दोनों के लिए प्रयोगात्मक सुविधाओं में भौतिक वाष्प निक्षेपण प्रणाली, रासायनिक वाष्प निक्षेपण (सीवीडी) प्रणाली, थर्मल वाष्पीकरण, यूवी दृश्यमान स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, स्पेक्ट्रोफ्लोरोमीटर, क्वांटम दक्षता मापन प्रणाली, ऑप्टिकल लिथोग्राफी प्रणाली, सॉफ्ट-लिथोग्राफी, लैंगमुइर ब्लोडगेट टू, ब्रेस्टर एंगल माइक्रोस्कोप, स्पिन कोटर, उच्च परिशुद्धता वजन संतुलन, एकल चौगुनी उच्च परिशुद्धता द्रव्यमान स्पेक्ट्रोमीटर, ऑप्टिकल और उच्च गति कन्फोकल माइक्रोस्कोप, रियोमीटर, प्रोब सोनिकेटर, स्रोत-मापन इकाइयाँ, मिलीक्यू सिस्टम, प्लाज्मा क्लीनर, परिष्कृत नमूना भंडारण और सेंट्रीफ्यूगेशन सुविधाएं शामिल हैं। हमने डीएसटी-फिस्ट अनुदान के तहत भौतिक गुण माप प्रणाली (पीपीएमएस) की खरीद और कमीशन की है। अंतर-विषयक अनुसंधान के लिए भौतिकी विभाग में एक केंद्र बनाने की व्यापक दृष्टि के तहत छात्रों में अनुसंधान योग्यता को सुविधाजनक बनाने और प्रोत्साहित करने के लिए अनुसंधान और शिक्षण सुविधाओं को लगातार अपग्रेड किया जा रहा है।

केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधा (सीआईएफ)

केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधा (सीआईएफ) की स्थापना आईआईटी गांधीनगर के शोधकर्ताओं के साथ-साथ देशभर के विभिन्न शैक्षणिक अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों और उद्योगों को विशिष्ट एवं परिष्कृत सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। सीआईएफ में कई उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण जैसे एसईएम, एक्सआरडी, एएफएम, एनएमआर, एलसी-एमएस, बायो-एएफएम, मालडी-टीओएफ, आईसीपी-एमएस और आईसीपी-ओईएस, कॉन्फोकल माइक्रोस्कोप, सिंगल क्रिस्टल, एक्सआरडी, टीईएम, उन्नत विश्लेषणात्मक एसईएम, फ्लो साइटोमीटर सेल सॉर्टर और बहुउद्देशीय एक्सआरडी उपलब्ध हैं। हमने हाल ही में इसमें दो नए उपकरण, वेफर जांच स्टेशन (कैस्केड शिखर 11k) और क्रायोजेनिक सिस्टम (क्रायोजेनिक लिमिटेड, ब्रिटेन) शामिल किए हैं। पूरे देश के उपयोगकर्ता राष्ट्रीय आई-स्टेम पोर्टल के माध्यम से सीआईएफ सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। आईआईटी गांधीनगर नियमित रूप से तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी) प्रशिक्षण कार्यक्रम और स्टुडी-डीएसटी कार्यशालाओं का आयोजन सुनिश्चित करता है, जहां सीआईएफ सुविधा कर्मचारी और छात्र सीआईएफ इंस्ट्रूमेंटेशन के तकनीकी और एप्लिकेशन पहलुओं के लिए संक्षिप्त व सारगर्भित व्याख्यान दिया जाता है।

उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के साथ आईआईटी गांधीनगर सीआईएफ कनेक्शन :

सीआईएफ विभिन्न उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों की जरूरतों को पूरा कर रहा है। सन फार्मा, पीरामल फार्मा, जाइडस रिसर्च सेंटर, कैडिला हेल्थकेयर, टोरेंट फार्मा और एसयूडी-केमी जैसे कई फार्मास्युटिकल उद्योग हमारी सुविधा के नियमित उपयोगकर्ता हैं। लगभग 30 प्रमुख उद्योग सीआईएफ आईआईटी गांधीनगर के उपयोगकर्ता हैं। कुछ लघु और मध्यम उद्योग भौतिक लक्षण, कठोरता परीक्षण, मौलिक विश्लेषण आदि हेतु हमारी सुविधा का उपयोग करते हैं। विश्लेषणात्मक एफईएसईएम, ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (टीईएम), मल्टी-पर्पस एक्स-रे डिफ्रैक्टोमीटर, क्रायोजेनिक सिस्टम, इंडक्टिव युग्मित प्लाज्मा (आईसीपीएमएस/ओईएस) और बायो-एएफएम जैसे नए उपकरणों के अलावा, हम अपने अनुसंधान एवं विकास कार्य के लिए उद्योग से उपयोगकर्ताओं की संख्या में वृद्धि देख रहे हैं।

सीआईएफ विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों को नियमित सेवाएं भी प्रदान कर रहा है। कुछ संस्थान जो सीआईएफ के नियमित उपयोगकर्ता हैं, एनआईपीईआर, आईआईटी-राम, निर्माण विश्वविद्यालय, इंद्रशील विश्वविद्यालय, एनआईटी सूरत, गुजरात विश्वविद्यालय, आईआईएआर, सीयूजी, पीआरएल, आईपीआर, सीएसएमसीआरआई, एमएसयू, एसपी विश्वविद्यालय, पीडीईयू आदि हैं। हम अहमदाबाद-गांधीनगर क्षेत्र के कई विश्वविद्यालयों और संस्थानों से जुड़ने में सक्षम रहे हैं। इसका प्रमुख लक्ष्य एक ऐसा वातावरण बनाना है, जो गुजरात और उसके आसपास के संस्थानों, विश्वविद्यालयों के बीच उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को सक्षम बनाता है और शैक्षणिक संस्थानों के बीच प्रमुख सहयोग का नेतृत्व करता है।

नया सीआईएफ उपकरण

क्रायोजेनिक सिस्टम: कम तापमान प्रणाली (क्रायोजेनिक लिमिटेड, यूके से) 1.7 k से 400 k के बीच ठोस सैपल के विद्युत और चुंबकीय दोनों गुणों को माप सकती है। सैपल को 9 टेस्ला तक बाहरी चुंबकीय क्षेत्र के अधीन भी किया जा सकता है। सिस्टम सुपरकंडक्टर, धातु, अर्ध-धातु, अर्धचालक और इंसुलेटर जैसे कई प्रकार के नमूनों की विद्युत चालकता और प्रतिरोधकता को माप सकता है। यह प्रणाली वाहक घनत्व को निर्धारित करने के लिए डीसी और एसी हॉल दोनों मापन भी कर सकती है।

200 मिमी मैनुअल वेफर जांच स्टेशन: कैस्केड समिट 11 के जांच स्टेशन विभिन्न अर्धचालक उपकरणों और सामग्रियों के ई-शील्ड, हल्की-तंग और नमी मुक्त परीक्षण वातावरण में अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए 60 डिग्री सेल्सियस से 300 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान रेंज पर वेफर मापन (आई-वी, सी-वी) कर सकता है। सिस्टम डीसी, आरएफ और विश्वसनीयता माप कर सकता है, जो उपकरणों की उपयोगिता निर्धारित करने में सहायता करता है।





पुस्तकालय

शैक्षणिक और अनुसंधान कार्य के एक अभिन्न अंग के साथ-साथ ज्ञान का संसाधन होने के नाते, पुस्तकालय, प्रिंट और डिजिटल दोनों रूपों में अपने “संग्रहण” को निरंतर बढ़ाता है। यह शिक्षण, ज्ञान, अनुसंधान और अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों को सहायता प्रदान करने हेतु नवोन्मेषी सेवाओं को अभिकल्पन (डिजाइन) कर इसे पूर्ण करता है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, पुस्तकालय में कई महत्वपूर्ण गतिविधियों और सेवाओं की शुरुआत की गई है।

पुस्तकालय संग्रह

प्रिंट और दृश्य-श्रव्य संग्रह

पुस्तकालय के अनुसंधान मोनोग्राफ, पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों, सम्मेलन की कार्यवाही, ऑडियो-विजुअल सामग्री आदि के तेजी से बढ़ते संग्रह में संस्थान के शैक्षणिक और अनुसंधान हितों के क्षेत्र शामिल हैं। निम्नलिखित तालिका वर्ष 2023-24 के दौरान संग्रह में परिवर्धन प्रस्तुत करती है :-

दिनांक 31 मार्च, 2024 तक कुल संग्रह :-

संग्रह के प्रकार	वर्ष 2023-24 में वृद्धि	कुल संग्रह
पुस्तक	962	33888
बाउन्ड वॉल्यूम	59	936
बाल पुस्तकें	78	1633
हिन्दी पुस्तकें	257	1131
सीडी	-	996
डीवीडी	-	621

तकनीकी रिपोर्ट	-	456
शोध पत्र एवं शोध निबंध	117	1131
कुल	1473	40792

परिचालन और सूचना सेवाएं

पुस्तकों का परिचालन : इस वर्ष के दौरान हमारे उपयोगकर्ताओं को जारी किए गए दस्तावेजों की कुल संख्या 20015 है, जबकि गत वर्ष यह संख्या 21745 थी।

छुट्टियों के दौरान जारी पुस्तकें : पुस्तकालय ने शरद एवं ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के दौरान भी विद्यार्थियों को पुस्तकें पढ़ने हेतु उन्हें पुस्तकें परिचालित करने की सुविधा जारी रखा है। परिणाम-स्वरूप, विद्यार्थी अपनी सामान्य रुचि की पुस्तकें लेकर उसे पढ़ सकेंगे। मिड सेमेस्टर ब्रेक (दिसंबर 2023) के दौरान कुल 133 पुस्तकें जारी की गई थी और अंतिम सेमेस्टर (ग्रीष्म) ब्रेक (मई-जुलाई 2023) के दौरान कुल 188 पुस्तकें जारी की गई थी।

प्रिंट जर्नल और पत्रिकाएं : पुस्तकालय ने उपयोगकर्ताओं को प्रिंट जर्नल/पत्रिकाओं के लूज अंक को परिचालित करता है। वर्ष के दौरान, पिछले वर्ष के केवल 98 अंकों की तुलना में प्रिंट पत्रिकाओं/पत्रिकाओं के कुल 289 अंको को परिचालित किया गया था।

सूचना/संदर्भ सेवाएं

पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ता समुदाय को संदर्भ और सूचना सेवाओं (व्यक्तिगत और आभासी रूप से) को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है और वर्ष के दौरान निम्नलिखित सेवाएं प्रदान की हैं:-

संकलित और अद्यतन ग्रंथ सूची

पुस्तकालय विभिन्न विषयों पर पुस्तकों की सूची संकलित करता रहता है, जो अकादमिक रुचि या वर्तमान मामलों से संबंधित हैं। अप्रैल, 2023 से मार्च, 2024 तक, पुस्तकालय ने पुस्तकों की 30 ऐसी नई पुस्तकों की रचना की है और कई मौजूदा पुस्तकों को अद्यतन किया है।

व्याकरण (प्रीमियम खाते)

सुविधा का विस्तार करने और पुस्तकालय के सभी उपयोगकर्ताओं को कवर करने हेतु लेखन उपकरण 'व्याकरणीय' तक पहुंचने के लिए खातों की संख्या को 3000 तक बढ़ा दिया गया है। यह संस्थान समुदाय द्वारा बहुत अच्छी तरह से प्राप्त और बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया है।

ओवरलीफ (पेशेवर समूह सदस्यता)

पुस्तकालय में अब ओवरलीफ के लिए एक समूह सदस्यता तक पहुंच है, जो लेटेक्स दस्तावेजों को लिखने और संपादित करने का सहयोगी मंच है। चूंकि हमारी वर्तमान सदस्यता सीमित संख्या को कवर करती है, शुरुआत में केवल संकाय सदस्यों तक ही पहुंच दी गई है। तथापि, वे 10 छात्रों को सहयोगी के रूप में जोड़ सकते हैं।

साहित्यिक चोरी की जांच

पुस्तकालय टर्निटिन सॉफ्टवेयर का उपयोग करके साहित्यिक चोरी की जांच सेवाएं प्रदान कर रहा है। वर्ष के दौरान जांचे गए दस्तावेजों की संख्या 3079 है, जबकि पिछले वर्ष यह 4394 थी।

पढ़ें, समीक्षा करें और रोल

पाठ, समीक्षा और रोल पहल समुदाय में पढ़ने की आदतों को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी, विशेष रूप से छात्रों के बीच, जबकि वे परिसर से दूर थे। वर्तमान में इस पहल के लिए कुल 6596 विचारों के साथ 11 प्रस्तुतियाँ हैं।

पुस्तकालय संसाधन साझा करना

पुस्तकालय अन्य प्रमुख स्थानीय पुस्तकालयों के साथ संसाधनों को साझा करने के लाभों का लाभ उठाने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। अहमदाबाद और गांधीनगर शहरों में आईआईएमए, आईपीआर, पीआरएल, सीईपीटी, एनआईडी, डीए-आईआईसीटी) के साथ-साथ देश में आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम, आईआईएसआईआर, सीएसआईआर पुस्तकालयों और डेलनेट सदस्य पुस्तकालयों के साथ। यह मुख्य रूप से इंटर लाइब्रेरी ऋण और दस्तावेज वितरण सेवाओं के माध्यम से किया गया है।

सदस्यता

संगठनात्मक सदस्यता

लाभ प्राप्त करना जारी रखने हेतु, विकास पुस्तकालय नेटवर्क (डीईएलएनईटी), अहमदाबाद लाइब्रेरी नेटवर्क (एडीआईएनईटी) की सदस्यता के साथ-साथ 12 अन्य पुस्तकालय और पेशेवर निकाय जैसे एएआई, एसीआई, एएमएस, यूरोग्राफिक्स, एफआईबी, आईएचआर, आईएसएस, आईएटीयूएल, आईबीएसई, एमएए, एनआईसीई, एसआईएम और लाइब्रेरी (ब्रिटिश लाइब्रेरी और अमेरिकी पुस्तकालय) का नवीनीकरण किया गया।

ई-शोध सिंधु कंसोर्टियम (एमओई) सदस्यता

पुस्तकालय ईएसएस संघ का मुख्य सदस्य है और ई-संसाधनों की सदस्यता से संबंधित सभी बैठकों में सक्रिय रूप से योगदान दिया है। पुस्तकालय को 17 प्रमुख ई-संसाधनों की सदस्यता के रूप में समर्थन प्राप्त करना जारी है।

पुस्तकालय बाह्य सदस्यता

संस्थान के बाहर व्यक्तियों और संस्थानों के साथ मजबूत संबंध और बातचीत बनाने के लिए संस्थान की समग्र रणनीति का समर्थन करने के लिए, पुस्तकालय ने नाममात्र शुल्क पर पुस्तकालय संसाधनों और सेवाओं तक पहुंच (ऑनसाइट) की पेशकश करने वाली छः श्रेणियों के तहत अधिक से अधिक सदस्यता को आकर्षित करने और नामांकित करने का प्रयास जारी रखा है।

पुस्तकालय पेशेवर प्रशिक्षुता / प्रशिक्षुता

पुस्तकालय पेशेवर प्रशिक्षुता

विगत की तरह, पुस्तकालय ने जुलाई, 2023 के दौरान मासिक वजीफा के साथ एक वर्ष के लिए अनुबंध के आधार पर पांच नए पुस्तकालय पेशेवर प्रशिक्षुओं को लिया।

पुस्तकालय पेशेवर प्रशिक्षु के पूर्व छात्र समूह (एलआईबी-टीएएन)

पुस्तकालय ने अब तक 56+ से अधिक पुस्तकालय पेशेवरों को प्रशिक्षित किया है। पूर्व प्रशिक्षुओं को एक साथ आने और अपनी बातचीत जारी रखने के लिए एक मंच का गठन किया गया था।

छात्र सहायक

पुस्तकालय पुस्तकालय संसाधनों और सेवाओं में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के साथ-साथ हमारे दैनिक कार्य में सहायता करते हुए अपना समय सार्थक रूप से बिताने के लिए महासागर, समाज सेवा के छात्रों और शिक्षण सहायकों के लिए एक मंच के रूप में कार्य जारी रखा है। पुस्तकालय की विभिन्न गतिविधियों में बड़ी संख्या में छात्र लगे हुए थे। यह पहल, एक तरह से, पुस्तकालय को उपयोगकर्ता की जरूरतों को समझने में सहायता कर रही है।

ग्रीष्मकालीन अनुसंधान इंटरशिप कार्यक्रम (एसआरआईपी)

सीएसई,आईआईटी गांधीनगर और एमएलआईसी के बीटेक छात्र। डीआरटीसी (आईएसआई बेंगलुरु) के छात्रों को एसआरआईपी के तहत पुस्तकालय के साथ काम करने के लिए चुना गया था। प्रशिक्षुता के 08 सप्ताह के दौरान, इन छात्रों ने

लाइब्रेरी टीम के मार्गदर्शन में वीयूएफआईडी-ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग कर विषय संसाधन गाइड बनाने और ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग कर एक वेब स्केल खोज सेवा बनाने पर काम किया।

पुस्तकालय स्टाफ कार्यकलाप

स्टाफ प्रशिक्षण

लाइब्रेरी टीम विभिन्न विषयों जैसे लिंकड डेटा, सर्च इंजन ऑप्टिमाइज़ेशन (एसईओ), स्मार्ट लाइब्रेरी, चैट जीपीटी टू कैट जीपीटी, शेरपा रोमियो, लाइब्रेरी अनावरण पर विचार-मंथन सत्र आयोजित कर रही है: लाइब्रेरियन और अन्य सूचना कर्मियों के लिए बुनियादी ढांचे, आधार, कोर, डीबीएलपी, ओएटीडी, दोआब, दोआज, आईएफएलए आचार संहिता और हमारी कहानियों को कैप्चर करने के माध्यम से नेतृत्व को सशक्त बनाना:

सम्मेलन और कार्यशालाओं में भाग लिया :

- पुस्तकालय के छ: स्टाफ सदस्यों ने 12 अगस्त, 2023 को इंफ्लिबनेट सेंटर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एडिनेट द्वारा 'लाइब्रेरी में ओपन एक्सेस रिसोर्स और शिक्षा पर उनका प्रभाव' पर एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- अहमदाबाद के एमआईसीए परिसर में 22 सितंबर, 2023 को भट्टाचार्य, साबरमती और सिद्दीकी, मंताशा ने "लाइब्रेरीज अनलीशड: इम्पावरिंग लीडर टिंगस्ट्रक्चर्स" में भाग लिया।
- "पुस्तकालय पेशेवरों के लिए डेटा कार्पेट्री: डिजिटल युग के लिए व्यावहारिक कौशल" पर आभासी कार्यशाला में भाग लिया। अक्टूबर 12-17, 2023।
- कुंभार, टी एस ने आईआईटी खड़गपुर पुस्तकालय द्वारा आयोजित 20-22 अक्टूबर 2023 से डिजिटल पुस्तकालयों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया: सतत शिक्षा विकास (डीएलएसडीई)।
- कुंभार, टी एस और चौधरी, पन्ना ने 26वें इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और शोध प्रबंध संगोष्ठी (ईटीडी 2023), इन्फ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर, 26-28 अक्टूबर, 2023 में भाग लिया।

स्टाफ प्रकाशन

- "चौधरी, पन्ना और कुंभार, टी एस, "इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और शोध प्रबंध (ईटीडी): अनुसंधान प्रकाशनों का एक वैज्ञानिक विश्लेषण", इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और शोध प्रबंध (ईटीडी 2023), गांधीनगर, आईएन के 26 वें अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में। 26-28, 2023"
- "ग्रेजुएट छात्रों के लिए लाइब्रेरी सेवाओं को नया रूप देने की दूरी तय करते हुए", गुप्ता, अदिति और कुंभार, टी एस, ने 88वीं आईएफएलए वर्ल्ड लाइब्रेरी इंफॉर्मेशन कांग्रेस (डब्ल्यूएलआईसी 2023), रोट्टरडैम, एनएल में पोस्टर प्रस्तुत किया। 21-25, 2023"
- "एस, अराथी; चौधरी, पन्ना और कुंभार, टीएस, "विश्व स्तर पर ईटीडी पहलों का विश्लेषणात्मक अध्ययन", ने 26वें इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और शोध प्रबंध अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (ईटीडी 2023), गांधीनगर, में पोस्टर प्रस्तुत किया। 26-28, 2023

संस्थान अभिलेखागार

पुस्तकालय ने इंस्टीट्यूट आर्काइव बनाने के लिए प्रारंभिक आवश्यकताओं पर काम करना शुरू कर दिया है और उसी का दस्तावेजीकरण कर रहा है। इसने डिजिटल रूप में 3540 से अधिक और प्रिंट में 650 से अधिक वस्तुओं को एकत्र किया है। इन सभी मदों की समीक्षा और प्रसंस्करण किया जा रहा है। इसके अलावा, हमने कोविड-19 से संबंधित लगभग 300 आइटम भी एकत्र किए हैं और एक स्थानीय मशीन पर नमूना संग्रह के साथ ओमेका का उपयोग करके एक प्रोटोटाइप बनाया गया है। 23 अगस्त 2023 को, हमने समुदाय को एक ईमेल भेजा जिसमें सामग्री की तालिका और कोविड-19 आर्काइव प्रोटोटाइप पर प्रतिक्रिया मांगी गई थी। उपर्युक्त कार्य करने के अलावा, संस्थान अभि-लेखागार के लिए एक समर्पित वेबसाइट तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है।

आउटरीच गतिविधियां

- न्यास आईआईटी गांधीनगर द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविर 2023 के एक भाग के रूप में, पलाज गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल के 84 बच्चे और न्यास स्कूल के 19 बच्चे पुस्तकालय गए थे।
- आईआईटी गांधीनगर लाइब्रेरी टीम ने 20 जुलाई, 2023 को न्यास स्कूल के 14 बच्चों के लिए "न्यासा" बच्चों के माध्यम से आईआईटी गांधीनगर लाइब्रेरी में जीवन को समृद्ध करना" का आयोजन किया। मजेदार सत्र पुस्तकालय के निर्देशित दौरों के साथ शुरू हुआ, इसके बाद जल चक्र पर एक शैक्षिक वीडियो और दो आकर्षक कथालेखन सत्रों का आयोजन किया गया।

नई पहलें

इस रिपोर्ट अवधि के दौरान, पुस्तकालय ने निम्नलिखित नई पहलें शुरू की हैं :-

ओवरलीफ (पेशेवर समूह सदस्यता): लाइब्रेरी में अब ओवरलीफ के लिए समूह सदस्यता तक पहुंच है, जो लेटेक्स दस्तावेजों को लिखने और संपादित करने के लिए एक सहयोगी मंच है। चूंकि हमारी वर्तमान सदस्यता सीमित संख्या में खातों को कवर करती है, शुरुआत में केवल संकाय सदस्यों तक ही पहुंच दी गई है। हालांकि, वे 10 छात्रों को सहयोगी के रूप में जोड़ सकते हैं।

समूह अध्ययन कक्ष: एबी 13 में स्थानांतरित होने के बाद, पुस्तकालय ने समूह अध्ययन कक्ष के लिए स्थान प्राप्त कर लिया है। इनमें से अधिकांश कमरे उत्पादक विचार-मंथन सत्रों और सहयोगी कार्यों के लिए स्मार्टबोर्ड, एसी, टेबल और कुर्सियों से सुसज्जित हैं। उपयोग को विनियमित करने के लिए समूह अध्ययन कक्षों की बुकिंग के लिए एक नीति दस्तावेज भी तैयार किया गया है।

शतरंज और जेंगा जैसे इंटरैक्टिव खेल, चाय टाइम गेम शीट: लाइब्रेरी ने छात्रों के मानसिक विकास के लिए शतरंज और जेंगा जैसे खेलों का अभ्यास करने वाले कुछ खेल शुरू किए हैं। 'चाई टाइम' की प्रतियां - अहमदाबाद दर्पण से भरे इंटरैक्टिव गेम्स पेज को भी विभिन्न स्थानों पर रखा जाता है, जिसमें क्रॉसवर्ड, सुडोकू आदि होते हैं।

एट्रियम और शैक्षणिक ब्लॉक में एलईडी: सूचना के प्रभावी प्रसार के लिए, लाइब्रेरी अब एबी 13 एट्रियम में स्थित एलईडी में सूचना विज्ञान प्रदर्शित करती है।

एचडी थीसिस कैटलॉग: लाइब्रेरी ने एक कैटलॉग (800+ पृष्ठ) बनाने का प्रयास किया है, जिसमें सभी पीएचडी थीसेस का बचाव और संस्थान द्वारा सम्मानित किया गया है। इस सूची का उद्देश्य थीसिस विवरण और सार को व्यापक प्रारूप में समेकित कर शोधकर्ताओं के कार्य की दृश्यता बढ़ाना है। अब तक, 347 पीएचडी थीसिस एकत्र किए गए हैं और इस संकलित सूची को पुस्तकालय की वेबसाइट पर समुदाय के लिए सुलभ बनाया जा रहा है।

पैडलेट: एक वर्चुअल बुलेटिन बोर्ड: पैडलेट एक वर्चुअल बुलेटिन बोर्ड है, जो वेब पर सामग्री को अपलोड, व्यवस्थित और साझा करने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे पाठ और छवियों की

सौंदर्यपरक रूप से सुखद व्यवस्था की अनुमति मिलती है। फाउंडेशन कार्यक्रम और आरोहन के दौरान पुस्तकालय सत्रों से प्राप्त फीडबैक का विश्लेषण करते हुए, हमने अच्छी तरह से संरचित तरीके से भाग लेने वाले छात्रों से सुझावों, चिंताओं और फीडबैक के आयोजन के लिए समर्पित एक खंड बनाने के लिए पैडलेट का उपयोग किया है।

पुस्तकालय संपर्क सेवा: प्रत्येक विषय में छात्रों, संकाय और शोधकर्ताओं की सूचना जरूरतों को समझने के लिए और तदनुसार पुस्तकालय संग्रह का निर्माण और सेवाओं को डिजाइन करना।



केंद्र

पुरातात्विक विज्ञान केंद्र

पुरातत्व विज्ञान में विज्ञान के अनुप्रयोग में अनुसंधान की सुविधा और कार्य करने हेतु दिसंबर, 2012 में पुरातात्विक विज्ञान केंद्र (एएससी) की स्थापना की गई थी। इस केंद्र का उद्देश्य ऐसे अनुसंधान करने हेतु भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और पुरातत्व विभाग सहित विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग करना है। पुरातात्विक विज्ञान केंद्र में वोटैक्स शेकर (स्पिनिक्स एमसी-01), माइक्रोसेंट्रीफ्यूज (स्पिनविन एमसी-00) और ठोस संतुलन हेतु घनत्व किट जोड़ा गया। पुरातात्विक नमूनों की तैयारी में सभी तीन सहायता।

केंद्र की परियोजनाएं

- डी. ढोलवीरा, गुजरात, भारत के विश्व विरासत हड़प्पा स्थल पर मानव-पशु बातचीत का पुनर्निर्माण: पुरातात्विक हड्डी और दांतों की समस्थानिक संरचना से अनुमान, डीएसटी सर्ब- पावर (पीआई: प्रो शारदा चन्नारायपटना और सह-पीआई: प्रो देबाज्योति पॉल, आईआईटी कानपुर) द्वारा वित्त पोषित।
- वडनगर वाटरशेड क्षेत्र का हाइड्रो-जियोमोर्फिक विश्लेषण। गुजरात सरकार द्वारा वित्त पोषित। परियोजना की अवधि नौ महीने है, जो अप्रैल 2023 में शुरू होती है। (पीआई-प्रोस विमल मिश्रा, विक्रान्त जैन, कॉपी- प्रो वी एन प्रभाकर)
- कच्छ, गुजरात, पश्चिमी भारत के महान रण में पैलियो-लैंडस्केप, पैलियो-ड्रेनेज और संभावित भूजल जांच। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित (पीआई- प्रो देवज्योति पॉल, आईआईटी कानपुर, कॉपी-प्रो वी एन प्रभाकर)
- गुजरात के वडनगर के ऐतिहासिक शहर के पुरातात्विक सिरेमिक्स, मोड, शेल अवशेष और बाहरी व्यापार संबंधों का बहुआयामी विश्लेषण। पुरातत्व और संग्रहालय विभाग, गुजरात सरकार द्वारा वित्त पोषित (पीआई-प्रो वी एन प्रभाकर, सह-पीआई- प्रो श्रीहरिता रोथू)
- पुरातात्विक विज्ञान केंद्र, आईआईटी गांधीनगर में भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रकोष्ठ की स्थापना। आईकेएस सेल, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित (पीआई-प्रो वी एन प्रभाकर, सह-पीआई-प्रो मनीष जैन और मन शाह)

कार्यशालाएं

- वी.एन.प्रभाकर और एकता गुप्ता ने 7-23 दिसंबर, 2023 से पुरातात्विक और विरासत अध्ययन पाठ्यक्रम के लिए 15 दिवसीय ऑनलाइन भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का संचालन किया।
- 5-दिवसीय एमएचएसए, क्यूजीआई, सर्वेक्षण योजना और ओडीके प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 फरवरी से 1 मार्च, 2024 तक आयोजित किया गया था। संसाधन व्यक्ति कुइली सुकन्या और आजाद वाफडेरी, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय थे। प्रो. कैमरून पेटी, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय और प्रो. वी.एन.प्रभाकर, आईआईटी गांधीनगर ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय किया।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अध्यक्ष एंडोमेंट फंड के तत्वावधान में 'धातु कास्टिंग: पुरातत्व में खोई-मोम तकनीक' पर 2-3 मार्च, 2024 को 2-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई थी। संसाधन व्यक्ति हेरिटेज साइंस एंड सोसाइटी प्रोग्राम, स्कूल ऑफ ह्यूमनिटीज, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, बेंगलुरु के प्रोफेसर उदयकुमार एस और डॉ दिया मुखर्जी थे। प्रो. शारदा चन्नारायपटना और प्रो. वी.एन. प्रभाकर ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

पुरस्कार और अध्येतावृत्तियां

- हरिता के**, अर्ली करियर रिसर्चर, दुरहम विश्वविद्यालय, रिराइटिंग वर्ल्ड आर्कियोलॉजी: साउथ एशिया राइटिंग वर्कशॉप 2023-24, प्राचीनता ट्रस्ट द्वारा प्रायोजित।
- अहाना घोष** को पुरातत्व विज्ञान सोसायटी (एसएस) द्वारा दक्षिण एशिया के लिए छात्र राजदूत नियुक्त किया गया।

प्रकाशन

- हरिता कडप्पा : गुजरात, भारत में पुरातात्विक स्थलों के भूस्वल्पन जोखिम मूल्यांकन के लिए व्यापक ढांचा। रिमोट सेंसिंग और अंतरिक्ष विज्ञान मिक्स का जर्नल 27: 41-51. [https:// doi.org/10.1016/j.ejrs.2024.01.002](https://doi.org/10.1016/j.ejrs.2024.01.002) (2024)
- वी.एन.प्रभाकर, शिखा राय, विक्रान्त जैन, जे.एस.रे और रवि भूषण: खदिर द्वीप, कच्छ, गुजरात के ग्रेट रण पर प्रागैतिहासिक शिकार-संग्रहकर्ता समुदायों की उपस्थिति के लिए साक्ष्य। मानव और पर्यावरण XLVIII (1): 5-14। (2023)
- 2023 वी.एन.प्रभाकर: हड़प्पा चरण के दौरान कुलीन और अंतर्राज्यीय वैचारिक संचरण के प्रतीक धोलावीरा से प्राप्त हुए। राजेश एस.वी., अभयण, जी.एस., प्रीता नायर (ईडीएस) में हड़प्पा में सौ साल की खुदाई के मद्देनजर सिंधु सभ्यता पर अनुसंधान। केरल विश्वविद्यालय: 123-159. आईएसबीएन: 978-93-5602-886-9 (ई-बुक)। (2023)
- एल पी गोयल, जी एस अभयन और एस चन्नारायपटना (संपादक): पुरातत्व में जानवर, दक्षिण एशिया में परिदृश्य, पर्यावरण और मनुष्यों को एकीकृत करना - प्रो. पी.पी. के लिए एक उत्सव जोगलेकर त्रिवेन्द्रम: केरल विश्वविद्यालय। (आईएसबीएन 978-93-5810-902-3) (2023) एल)

एन नास्कर, सी शाह, एक घोष और के गंगोपाध्याय। पूर्वी भारत के पुरातात्विक स्थलों के मिट्टी और मिट्टी के बर्तनों के नमूनों में रेडियोन्यूक्लाइड के वितरण पर अध्ययन, रेडियोएनालिटिकल और परमाणु रसायन जर्नल, डीओआई: 10.1007/s10967-023-09214-71 (2023)

- पी वलेंसी, ए रसेल, एस चननारायापटना, के एल जिनओनी, डी कोच और वी माइकल एयू टेम्स डेस डर्नियर्स अच्यूलेन्स डु एसयूडी-एस्ट डे ला फ्रांस। नोवेल सिंथेस सुर लेस फ्यून्स डी ग्रैंडस मैमिफेरेस डू प्लेस्टोसीन मोयेन डे ला गोट्टे दू लाज़रेट (नाइस, फ्रांस)। बुलेटिन डू

मूसी डी'एंथ्रोपोलोजी प्रिहिस्ट्रिक डी मोनाको, एक्ट्स डु कोलोक इंटरनेशनल: लेस प्रीमियर पीपल्मेंट्स प्रिहिस्टोरिक्स डेस अल्पेस-मैरिटिम्स, डे मोनाको एट डी लिगुरी अउ सीन डे ल्यूस पैलियोएनवायरनमेंट, 61: 111-126 (2023)

- ए घोष और एस चननारायपटना, पाक परिदृश्य की खोज करना और रसदुइरा के अंदर लिंग भूमिका: धौलावीरा गांव, भाचाऊ तालुका, कच्छ, गुजरात के रण का एक अध्ययन, लिंग और परिदृश्य में (शर्मिष्ठा चटर्जी और मौमिता डे ईड्स।), प्राइमस बुक्स। (प्रेस में)

जैव-चिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र

आईआईटी गांधीनगर में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग केंद्र स्वास्थ्य देखभाल जरूरतों को पूरा करने हेतु लक्षित निदान/चिकित्सीय उपकरणों और तकनीकों, स्वचालित पुनर्वास और कृत्रिम तकनीकों और सार्वजनिक स्वास्थ्य तकनीकों पर केंद्रित अंतः विषय अनुसंधान करने पर केंद्रित है। इस केंद्र के मुख्य उद्देश्य हैं :-

- बायोमेडिकल इंजीनियरिंग और हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी में अनुसंधान और विकास।
- ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की सहायता करने के लिए स्वास्थ्य सेवा से संबंधित कम लागत वाली प्रौद्योगिकियों का

विकास करना।

- अनुसंधान और अकादमिक आदान-प्रदान के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग करना।

परियोजनाएं

- निवारक दृष्टिकोण और सिलिकोसिस, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), पीआई: प्रो भास्कर दत्ता का शीघ्र पता लगाने के लिए एक स्मार्ट डाई द्वारा जी-चौगुनी की चुनिंदा पहचान।
- एक केबल चालित रोबोटिक एक्सोस्केलेटन, गुजरात विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (Gujcost), PI: प्रो विनीत वशिष्ठ का उपयोग करके विकलांग व्यक्तियों की

सहायता के लिए एक मांसपेशी गतिविधि-आधारित नियंत्रण रणनीति।

- टेक्सटाइल-आधारित सॉफ्ट लेग एक्सोसूट, एलएसआरबी, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), पीआई: प्रो. विनीत वशिष्ठ का उपयोग कर मानव प्रदर्शन में वृद्धि।

सहयोग

यह केंद्र जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका; सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय; कोलंबिया विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका; शिकागो विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका; बर्मिंघम विश्वविद्यालय, ब्रिटेन; सेंट्रल लंकाशायर विश्वविद्यालय, ब्रिटेन; रॉयल मेलबोर्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आरएमआईटी), ऑस्ट्रेलिया; भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर, भारत; राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और न्यूरोसाइंसेज, बैंगलोर, भारत; सिविल मेडिकल अस्पताल, अहमदाबाद, भारत; एसबी बी अस्पताल, अहमदाबाद, भारत; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, भारत; एल वी प्रसाद आई संस्थान, भारत सहित प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ सहयोगी परियोजनाओं के साथ जुड़ा है।

कार्यशालाएं/बैठकें

- आईआईटी गांधीनगर- जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय (आईआईटी गांधीनगर) सहयोग बैठक का आयोजन दिनांक 04 मार्च, 2024 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में किया गया। जेएचयू के प्रोफेसर नीतीश ठाकोर ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया और प्रोफेसर अमीर मनबाची, पीएचडी, आविशा कुमार, मैक्स केरेन्स्की, एंजेलिका लोपेज़ और डेनिस रूटकेविच ने इसमें वर्चुअल रूप से भाग लिया।
- हम प्रो. अरुण थिट्टई (आईआईटी मद्रास), प्रो. हार्दिक पाण्ड्या (मधुमक्खी प्रयोगशाला, आईआईएससी बैंगलोर), और प्रो. बिस्वरूप मुखर्जी (आईआईटी दिल्ली), जिन्होंने आईआईटी, आईआईएससी और जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग अनुसंधान और अनुवाद में नए सहयोग के अवसरों की पहचान करने हेतु अपनी प्रयोगशालाओं के काम का अवलोकन किया। प्रो. उत्तमा लाहिड़ी, प्रो विनीत वशिष्ठ और मस लैब की प्रयोगशालाओं में छात्र पोस्टर सत्र और बायोमेडिकल सुविधाओं के दौरे आयोजित किए गए।

प्रख्यात आगंतुक

- प्रो. नीतीश ठाकोर, प्रोफेसर, बायो-मेडिकल इंजीनियरिंग, जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय; निदेशक, सीनाप्सेसंस्थान, राष्ट्रीयसिंगापुरविश्वविद्यालय(एनयूएस)
- प्रो अरुण थिट्टई, प्रोफेसर, एप्लाइड (व्यावहारिक)

मैकेनिक विभाग और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी मद्रास

- एचआरडीआईसी पांड्या, एसोसिएट प्रोफेसर, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम इंजीनियरिंग विभाग, आईआईएस

डिवीजन, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी),
बैंगलोर

- **बिस्वरूप मुखर्जी**, सहायक प्रोफेसर, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग केंद्र, आईआईटी दिल्ली

क्रिएटिव लर्निंग केंद्र (सृजनात्मक शिक्षा केंद्र)

सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग (सीसीएल) एक ऐसा स्थान है, जिसका मिशन स्टेम शिक्षा को बदलना और इसे व्यावहारिक टॉय के माध्यम से आकर्षक और प्रेरक बनाना, शिक्षकों की क्षमता, मीडिया कार्यक्रमों और संग्रहालय पहुंच को मजबूत करना है। इस वर्ष अर्थात 2023-24 में सीसीएल में कई रोचक कार्यक्रम, कार्यशालाएं और सहयोग आयोजित किए गए।

सहयोग एवं समझौता ज्ञापन

- समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश ने सभी 60,000 से अधिक आंगनवाड़ियों में वंडर बॉक्स प्राप्त करने, प्राथमिक ग्रेड हेतु 150 अनूठी गतिविधियों का निर्माण करने, 746 केजीबीवी स्कूलों में अनुभवात्मक शिक्षण को बढ़ावा देने और 570 से अधिक पीएम श्री स्कूलों में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- गुजरात के 30,000 प्राथमिक स्कूलों को केंद्र में डिज़ाइन की गई मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक (एफएलएन) किट प्राप्त हुई। किट में सोच प्रक्रिया को बढ़ाने और मूलभूत कौशल, तर्क और साक्षरता कौशल सीखने में जुड़ाव के लिए अद्वितीय टॉय/मॉडल/पहेली शामिल है।
- तेलंगाना के समग्र शिक्षा ने सभी 25,000 स्कूलों में अनुभव-जन्य शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। सभी स्कूलों को प्राथमिक स्कूलों के लिए गणित, विज्ञान, पहेली, एफएलएन हेतु स्टेम किट प्राप्त होगी। 300 मास्टर प्रशिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम और हैदराबाद में एकसमान केंद्र बनाना।
- दिल्ली के एससीईआरटी ने आईआईटी गांधीनगर में क्रिएटिव लर्निंग वर्कशॉप के माध्यम से 4000 शिक्षकों के

लिए क्षमता निर्माण पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

- यह केंद्र, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रेरणा कार्यक्रम हेतु आईआईएम अहमदाबाद के साथ पाठ्यक्रम तैयार कर रहा है। बच्चों के लिए वडनगर, गुजरात में साप्ताहिक आवासीय कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप भारतीय शिक्षा प्रणाली के सिद्धांतों और मूल्य आधारित शिक्षा को एकीकृत करेगा।
- दिसंबर, 2023 में राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शिक्षण शिक्षण सामग्री समिति (एनएसटीसी) द्वारा अभिनव शिक्षाशास्त्र पर प्राथमिक और मिडिल स्कूल के पाठ्य पुस्तकों के 300+ एनसीईआरटी लेखकों को संबोधित करने हेतु आमंत्रित किया गया।
- नागरिकों के बीच स्टेम को लोकप्रिय बनाने हेतु साइंस सिटी अहमदाबाद, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, गुजरात और क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भोपाल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

स्कूली छात्रों के लिए स्टेम कार्यक्रम

- 1.5 लाख लाख केजीबीवी कन्याओं हेतु जिज्ञासा कार्यक्रम - गणित और विज्ञान को आकर्षक बनाने पर साप्ताहिक-2 ऑनलाइन सत्र; सभी स्कूलों को आईआईटी गांधीनगर के लिए गतिविधियों को निष्पादित करने के लिए सामग्री मिल रही है; सभी केजीबीवी शिक्षकों के लिए कार्यशालाएं।
- गुजरात सरकार के अधीन 15000 हाई स्कूलों के लिए एकलव्य कार्यक्रम - स्कूल पाठ्यक्रम को आकर्षक और प्रेरक बनाने पर 80 साप्ताहिक ऑनलाइन एपिसोड की

श्रृंखला दशहरे से दिवाली के बीच 20 अनूठी स्टेम परियोजनाएं - यूट्यूब पर गणित, कला और विज्ञान से संबंधित डीआईवाई परियोजनाएं अपलोड/प्रकाशित की गईं। 50,000 परियोजनाएं प्राप्त हुईं।

- D20 श्रृंखला - दशहरा से दिवाली के बीच 20 अद्वितीय STEM परियोजनाएं - गणित, कला और विज्ञान से संबंधित DIY परियोजनाएं यूट्यूब पर प्रकाशित की गईं। 50,000 प्रोजेक्ट मिले।

एससीईआरटी, एसएसए और शिक्षा विभाग के साथ 1200 से अधिक स्कूल शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण पर कार्यशालाएं :

- आईआईटी गांधीनगर में पाँच दिवसीय कार्यशालाओं हेतु तेलंगाना के 300 मास्टर प्रशिक्षक इस परिसर में आए। ये मास्टर प्रशिक्षक तेलंगाना के 25,000 स्कूलों में अनुभवात्मक शिक्षाशास्त्र को बढ़ावा देंगे।
- एससीईआरटी दिल्ली से विज्ञान और गणित के 400 शिक्षकों ने जून, सितंबर और दिसंबर, 2024 के महीने में हमारे रचनात्मक ज्ञान पर कार्यशाला में भाग लिया।
- समझौता ज्ञापन के अनुसार, सभी 8000 मिडिल स्कूल

शिक्षकों को आगामी वर्षों में आईआईटी गांधीनगर से प्रशिक्षण प्राप्त होगा।

- जनवरी, 2024 में छत्तीसगढ़ से 300, मई, 2023 में मध्य प्रदेश से 100 और दिसंबर, 2023 में गोवा से 150 ने टॉय-आधारित शिक्षाशास्त्र पर कार्यशाला हेतु परिसर का दौरा किया।

प्रकाशन/प्रदर्शनी

- माह जुलाई, 2023 में हलीफैक्स, कनाडा में आयोजित ब्रिज कॉन्फ्रेंस में तीन गणितीय कला प्रदर्शनियों को प्रकाशित किया गया है। ब्रिज संगठन कला, संगीत, वास्तुकला और संस्कृति में गणितीय कनेक्शन पर वार्षिक

ब्रिज सम्मेलन का अवलोकन करता है।

- केंद्र में डिज़ाइन की गई वेब कारों को जनवरी, 2024 में सैन फ्रांसिस्को में आयोजित संयुक्त गणितीय बैठक में प्रकाशित किया गया है। जेएमएम विश्व की सबसे बड़ी

गणितीय सभा है।

- माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्टॉल का दौरा किया और प्रगति मैदान में अखिल भारतीय शिक्षा समागम जुलाई, 2023 में टीम के साथ 15 मिनट तक परिचर्चा की।
- दिनांक 26 जनवरी, 2024 को 30,000 स्टिकी नोट्स का उपयोग कर परिसर समुदाय के साथ बने डिजाइन ने वैश्विक कीर्तिमान स्थापित किया।
- राइजिंग लीडर्स समिट 2024: सीसीएल, आईआईटी गांधीनगर के सहयोग से दिनांक 8-10 फरवरी, 2024 स्कून्यूज द्वारा इसका आयोजन किया गया।

- जनवरी, 2024 में लंदन, यूनाइटेड किंगडम में आयोजित बेट सम्मेलन में स्टेम मॉडल की प्रदर्शनी, वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट-2024, इग्राइट एससीआई टेक फेयर, इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल-2023 का आयोजन किया गया।
- ए.अय्यर, ए.कोठियाल, ए भकुनी, जे ठक्कर, जे कृष्णन और एम जैन, "सक्रिय शिक्षक : सक्रिय शिक्षा-व्यवस्था हेतु शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रभाव", शिक्षा के लिए प्रौद्योगिकी पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन T4E 2023 का आयोजन किया गया। "

प्रख्यात आगंतुक

- श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री, भारत सरकार।
- गौतम बरुआ, निदेशक, आईआईटी गुवाहाटी, प्रो देबब्रत दास, निदेशक, आईआईआईटी बैंगलोर, प्रो सुम डेविड, प्रोफेसर (एचएजी), एनआईटी सूरतकल

- श्री संजय कुमार, सचिव (स्कूल शिक्षा और साक्षरता)
- श्री जीतू वाघानी, पूर्व शिक्षा मंत्री, गुजरात सरकार
- श्री भूपेंद्रभाई पटेल, मुख्यमंत्री, गुजरात
- श्री जैसन क्लेयर, ऑस्ट्रेलियाई शिक्षा मंत्री

संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान केंद्र

आईआईटी गांधीनगर में संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान केंद्र (सीसीबी) को मास्टर और पीएचडी स्तर पर अनुसंधान गतिविधियों और शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से आईआईटी में अग्रणी होने के लिए देश के भीतर मान्यता प्राप्त है। केंद्र का उद्देश्य देश के भीतर संज्ञानात्मक विज्ञान में अपने अंतः विषय चरित्र और उत्कृष्ट छात्र उपलब्धियों के साथ नेतृत्व की भूमिका निभाना भी है। केंद्र के अनुसंधान क्षेत्रों में मन, धारणा, जिज्ञासा, ध्यान, सीखने और निर्णय लेने, मोटर नियंत्रण और पुनर्वास और न्यूरो डेवलपमेंटल और न्यूरो- डीजेनरेटिव विकार जैसे ऑटिज्म और अल्जाइमर रोग इत्यादि शामिल हैं।

कार्यक्रम

इस केंद्र ने वर्ष 2023-24 के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रमों और संगोष्ठियों का आयोजन किया है :

- दिनांक 18 दिसंबर, 2023 को प्रो. जालको मत्जासिक द्वारा पुनर्वास रोबोट के विकास में अत्याधुनिक अवधारणाएं।
- डेटा से इन्साइट तक एफएमआरआई विश्लेषण पर दो दिवसीय कार्यशाला : डॉ वैभव त्रिपाठी ने दिनांक 6-7, जनवरी 2024 को व्यावहारिक एफएमआरआई कार्यशाला का सत्र लिया।
- समय के माध्यम से दृश्य अनुभव : डॉ. शनमुख आदित्य उपाध्याय ने दिनांक 11 जनवरी, 2024 को फिल्म और कथा बोध में दृश्य अर्थशास्त्र और व्याकरणिक संरचनाओं की भूमिका की विशेषता पर सत्र लिया।
- लैंडस्केप की डीकोडिंग : श्री मौक्तिक कुलकर्णी द्वारा दिनांक 15 जनवरी, 2024 को कलाकारों, पत्रकारों और लोकतांत्रिक संस्थानों पर एआई के प्रारंभिक प्रभाव विषय

पर सत्र लिया गया।

- डॉ. गियासिंटो बरेंसी, इस्टिटुटो इतालवी डी टेक्नोलोगिया (आईआईटी), इटली द्वारा दिनांक 13 फरवरी, 2024 अनेक स्कलेरोसिस वाले लोगों के लिए पुनर्वास प्रौद्योगिकियों पर सत्र लिया गया।
- डॉ. सौगात भट्टाचार्य ने दिनांक 26 फरवरी, 2024 को संज्ञानात्मक और भौतिक क्षमताओं को बढ़ाने में अपनी परिवर्तनकारी क्षमता को प्रदर्शित करते हुए सहयोगात्मक ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेसिंग (बीसीआई) के अग्रणी क्षेत्र में प्रवेश किया।
- डॉ विनोद गोयल ने दिनांक 7 मार्च 2024 को टिदर्ड रेशानिलिटी (रियल वर्ल्ड हेतु व्यावहारिक मॉडल) की जटिल अवधारणा पर प्रकाश डाला।

डिजाइन और इनोवेशन केंद्र

डिजाइन और इनोवेशन सेंटर (डीआईसी) डिजाइन और इनोवेशन पर सहयोगी परियोजनाओं, शोध और शैक्षिक पहलों को बढ़ावा देता है। डीआईसी पाठ्यक्रम और पाठ्येतर परियोजनाओं, जैसे कि वार्ता, सेमिनार, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं के माध्यम से अभिनव उत्पादों और समाधानों को विकसित करने के लिए छात्र और संकाय के प्रयासों को पोषित भी करता है।

परियोजना और सहयोग

- इंजीनियरिंग शिक्षा (एचआरईई) की समग्र पुनर्कल्पना: प्रोफेसर अदिति कोठियाल और समीर सहस्रबुद्धे के नेतृत्व वाली यह परियोजना आईआईटी गांधीनगर में शैक्षणिक-कार्यप्रणाली का आकलन करती है। इस टीम ने स्नातकों के लिए महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग विशेषताओं के साथ फाउंडेशन कार्यक्रम के संरक्षण का विश्लेषण किया है और

आईआईटी बॉम्बे के प्रौद्योगिकी 4 शिक्षा सम्मेलन 2023 में इस पर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने छात्र कैरियर विकास और ES115 और ES117 जैसे पाठ्यक्रमों पर माइक्रो क्रेडेंशियल्स के प्रभाव की जांच की है, जो डिजाइन और नवाचार कौशल को बढ़ावा देता है। इन विषयों पर दो पेपर एसईएफआई वार्षिक सम्मेलन-2024 हेतु

समीक्षाधीन हैं।

- SWAYAM उपयोगकर्ता अनुभव का अध्ययन: एसडब्ल्यूआईएम बोर्ड ने प्रयोक्ताओं के अनुभव को बेहतर बनाने हेतु एसडब्ल्यूआईएम पोर्टल के यूआई/यूएक्स में सुधार करने संबंधी रिपोर्ट बनाने हेतु आईआईटी गांधीनगर को आमंत्रित किया था। प्रो. समीर सहस्रबुद्धे के नेतृत्व में टीम ने वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन का गहन विश्लेषण किया और विशिष्ट/विशेषज्ञ सिफारिशों के साथ विस्तृत रिपोर्ट तैयार समेकित की। रिपोर्ट में

अन्वेषणात्मक मूल्यांकन, ई-टेक प्लेटफार्मों का तुलनात्मक विश्लेषण और सौ फर्स्ट-हैंड उपयोगकर्ताओं का सर्वेक्षण शामिल था।

- पहनने योग्य जैव-चिकित्सा उपकरण: प्रो. मानसी कानेटकर डायग्नोस्टिक्स और पुनर्वास के लिए पहनने योग्य जैव-चिकित्सा उपकरण हेतु प्रो. उत्तमा लाहिड़ी के साथ विभिन्न सरकारी वित्त पोषित और परामर्श परियोजनाओं पर काम कर रही हैं।

प्रमुख कार्यक्रम

- डीआईसी सलाहकार की बैठक: दिनांक 23 सितंबर, 2023 को एक परामर्शदाता/सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें डिजाइन कार्यक्रम के प्रक्षेप-पथ पर विचार-विमर्श और भविष्य के लिए उपयुक्त रूपरेखा तैयार करने हेतु डिजाइन संबंधी पेशेवरों और शिक्षाविदों को एक साथ लाया गया। विशेषज्ञ पैनल की चर्चा में कई महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल थे, जिसमें देश की डिजाइन और नवाचार मांगों को पूरा करने के लिए कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना, वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं के लिए तकनीकी संस्थानों के भीतर डिजाइन शिक्षा के पाठ्यक्रम को तैयार करना और शिक्षाविदों व उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के मॉडल की खोज करना शामिल था। समिति के सदस्यों में प्रो. दीपक पाठक (प्रोफेसर एमेरिटस, आईआईटी बॉम्बे/नीति निर्माता), प्रो. प्रवीण नहर (निदेशक, एनआईडी अहमदाबाद), अश्विनी देशपांडे (सह-संस्थापक, एलीफैन्ट डिजाइन, पुणे), प्रो. बी.के. चक्रवर्ती (प्रोफेसर, आईआईसी आईआईटी बॉम्बे), प्रो. भास्कर भट्ट (डिजाइन स्कूल ऑफ डिजाइन, अनंत राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, अहमदाबाद), प्रो. डी उदय कुमार (प्रोफेसर, आईआईटी गुवाहाटी), प्रो. मैनक दास (प्रोफेसर, डिजाइन विभाग, आईआईटी

कानपुर), और प्रो. मनीषा मोहन (डीन, यूआईडी, अहमदाबाद और पूर्व प्रमुख, टाटा इंटरैक्टिव सिस्टम, मुंबई) सम्मिलित थे।

- लर्नर आधारित एमओओसी डिजाइन करने पर कार्यशाला: छात्र सहभागिता को बढ़ावा देने और शिक्षार्थी आधारित एमओओसी बनाने पर प्रोफेसर समीर सहस्रबुद्धे द्वारा अर्ध-दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का आयोजन तकनीकी शिक्षा आयुक्तालय (सीटीई), गुजरात द्वारा किया गया था। इस कार्यशाला में गुजरात के 17 शहरों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 104 संकाय सदस्यों ने सहभागिता की।
- डिजाइन विकास पर कार्यशालाएं: डीआईसी के संकाय ने डिजाइन विकास पर विभिन्न कार्यशालाएं आयोजित की। प्रो. अंजका सेबेक ने नवोनमेषी एवं उद्यमिता केंद्र (आईआईसी) में निम्नलिखित विषयों पर जानकारी दी। बोइंग बिल्ड! प्रतिस्पर्धा और नेडो (जापान)। हैक द फ्यूचर ऑफ ट्रांसपोर्टेशन ऑफ कॉम्प्यूटेशन।सीसीअल हेतु फाउंडेशन कार्यक्रम, आरोहन और शिक्षक-प्रशिक्षण के दौरान, प्रो. समीर सहस्रबुद्धे ने विभिन्न सत्र आयोजित किए।

डीआईसी टीम

प्रो. मधु वडाली समन्वयक हैं और प्रो. मानसी कानेटकर केंद्र की सह-समन्वयक हैं। डीआईसी के अन्य संकाय में प्रो. समीर सहस्रबुद्धे, प्रैक्टिस ऑफ प्रोफेसर और प्रो. अदिति कोठियाल, सहायक शिक्षण प्रोफेसर शामिल हैं। प्रोफेसर एनेज्का सेबेक, प्रोफेसर एमेरिटस, पार्सन्स स्कूल ऑफ डिजाइन ने जनवरी, 2024 से मई, 2024 तक अतिथि संकाय के रूप में कार्य किया।

डॉ. किरण सी पटेल सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (केपीसीएसडी)

आईआईटी गांधीनगर स्थित डॉ. किरण सी. पटेल सतत विकास केंद्र (केपीसीएसडी) स्थिरता और उच्च सामाजिक महत्व की संबंधित चुनौतियों पर अत्याधुनिक अनुसंधान करता है तथा अपने मजबूत आउटरीच और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रमों के माध्यम से लागत प्रभावी और अथाई समाधानों को बढ़ावा देता है।

फोकस क्षेत्र

जल: वायु, जल और मृदा प्रदूषण, वायु गुणवत्ता, लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी, पार्टिकल इंजीनियरिंग, निर्मित पर्यावरण, कम लागत वाले वायु गुणवत्ता सेंसर, सतह अभियांत्रिकी, शहरी विकास, अपशिष्ट से संसाधन तकनीक, अपशिष्ट उपचार, शून्य तरल निर्वहन, उत्सर्जन नियंत्रण, इनडोर वायु गुणवत्ता, प्रदूषकों का क्षरण।

जलवायु परिवर्तन: जलवायु संकट, सर्वाधिक जलवायु घटनाएं, जलवायु परिवर्तनशीलता, खाद्य ऊर्जा-जल सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन प्रभाव, महत्वपूर्ण अधोसंरचना लचिलापन, बाढ़ संकट,

उष्ण-कटिबंधीय चक्रवात, लू, आंतरिक परिवर्तनशीलता, हाइड्रोमेटियोलॉजिकल सीमा, हाइड्रोलॉजिकल प्रक्रियाओं के लिए भौतिकी आधारित मशीन लर्निंग, हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग, कार्बन कैप्चर, समुद्री स्तर में उतार-चढ़ाव, नगरीय उष्णता द्वीप।

ऊर्जा: नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा प्रबंधन, ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकी, ईंधन सेल और हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी, ऊर्जा एप्लिकेशन में इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री, स्मार्ट वितरण ग्रिड/माइक्रोग्रिड, स्मार्ट पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, परिवहन विद्युतीकरण, ऊर्जा एप्लिकेशन में नैनोसाइंस, ऊष्मा संवातन (हीटिंग वेंटिलेशन) और वातानुकूलन।

प्राकृतिक संसाधन, वन्यजीव और पारिस्थितिक तंत्र: वन्यजीव संरक्षण, स्वदेशी जन, सामाजिक और पर्यावरणीय न्याय, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण पुरातत्व, स्थायी मॉडलिंग, पृथ्वी सतह की प्रक्रियाएं, स्थायी जलधारा प्रबंधन, पर्यावरण नीति, पुरातत्व

कार्यक्रम

अनुसंधान: स्थिरता पर अनुसंधान व परामर्श तथा राष्ट्रीय व वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना।

अभ्यास: परिसर और आस-पास के स्थानों पर लैब-टू-फील्ड प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण और कार्यान्वयन।

शिक्षा: आईआईटी गांधीनगर में पाठ्यक्रम का विकास तथा राष्ट्रीय एवं विश्व स्तर पर शिक्षा का उन्नयन।

गतिविधियां

- डॉ. किरण सी पटेल सतत विकास केंद्र (केपीसीएसडी) ने 2 से 8 अक्टूबर, 2023 तक राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह मनाया। वन्यजीव सप्ताह का उद्देश्य भारत के वनस्पतियों और जीवों की रक्षा और संरक्षण करना है। इसकी परिकल्पना 1952 में जानवरों की लुप्तप्राय और संकटग्रस्त प्रजातियों के जीवन की रक्षा करने के दीर्घकालिक लक्ष्य के साथ की गई थी। लाइब्रेरी, सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग, आर्ट@आई आई टी गांधीनगर, न्यासा और ग्रीन क्लब के सहयोग से कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- आईआईटी गांधीनगर और पड़ोसी तकनीकी संस्थानों के लगभग 100 छात्रों ने 9 सितंबर, 2023 को आयोजित 'स्थायित्व में थर्मोडायनामिक तर्क' पर एक दिवसीय

सतत सम्मेलन श्रृंखला

- प्रोफेसर मीनल पाठक, सहायक प्रोफेसर, ग्लोबल सेंटर फॉर एनवायरमेंट एंड एनर्जी, अहमदाबाद विश्वविद्यालय ने दिनांक 15 फरवरी, 2024 को शहरों में शून्य उत्सर्जन की ओर अग्रसर: ज्ञान और कार्रवाई विषय पर आयोजित सम्मेलन में संबोधित किया।
- वन्य जीव विज्ञानी प्रोफेसर बी.सी चौधरी द्वारा दिनांक 22 नवंबर, 2023 को व्हेल शार्क के भावी जीवन की रक्षा

केंद्र ने निम्नलिखित दो प्रतिष्ठित वक्ताओं के व्याख्यान का आयोजन किया :

- डॉ रामकृष्ण नेमानी, सेवानिवृत्त, नासा पृथ्वी वैज्ञानिक द्वारा 29 फरवरी, 2024 को जलवायु परिवर्तन को ट्रैक करने में सहायता करने वाले उपग्रह पर व्याख्यान दिया गया।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव, डॉ. शैलेश नायक

विज्ञान, पुरातत्व में विज्ञान, कोरल, कार्बोनेट, जन-जातीय विकास, स्थायी विरासत।

पहुंच: प्रबुद्ध छात्रों और व्यावसायिक वर्गों हेतु सम्मेलन, नेटवर्किंग, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं।

क्षमता निर्माण: संसाधनों और अवसरों तक पहुंच, उन्नत क्षमता निर्माण कार्यक्रम, अंतरविषयी सहयोग और ज्ञान साझा करना।

पाठ्यक्रम में भाग लिया।

- केंद्र ने 2 सितंबर, 2023 को "पॉलिसी पल्स, जलवायु वित्त और सतत परिवर्तन" विषय पर नेट-जीरो डायलॉग्स के तीसरे संस्करण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देश भर के विभिन्न हितधारकों को इस महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा करने और नेट-जीरो प्रक्रिया की दिशा में आगे बढ़ने के लिए कार्य योजना विकसित करने के लिए एक साथ लाया गया।
- मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर, केंद्र ने 26 जुलाई, 2023 को आईआईटी गांधीनगर में मैंग्रोव, तटीय समुदाय और स्थिरता पर पैनल चर्चा की मेजबानी की।

करना: भारत के पश्चिमी तट को शामिल करते हुए एक समुद्री मेगाफूना पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

- आर्कटिक महासागर में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव : वेने स्टेट यूनिवर्सिटी में पर्यावरण विज्ञान और भू-विज्ञान विभाग के प्रोफेसर और अध्यक्ष प्रो. मार्क बासकरन द्वारा दिनांक 21 जुलाई, 2023 को प्रमुख ट्रेस तत्वों और आइसोटोप का उपयोग कर निर्धारण किया गया।

(जो वर्तमान में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस कैम्पस, बेंगलुरु में निदेशक के रूप में कार्यरत हैं) ने दिनांक 29 अगस्त, 2023 को "महासागर विज्ञान से स्थायी समुद्री अर्थव्यवस्था तक" विषय पर प्रकाश डाला।

सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र

आईआईटी गांधीनगर में सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र (सीएसई) चुनौतियों और संभावित समाधानों की बेहतर समझ के माध्यम से भारत में जन-सुरक्षा में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालते हुए, उद्योग, सरकार और आईआईटी गांधीनगर के बीच सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से उत्पाद विकास में भारतीय विनिर्माण को बढ़ावा देने में सीएसई गौरवान्वित महसूस करता है।

कार्यक्रम

यूएल- आईआईटी गांधीनगर की बैठक

सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र ने दिनांक 13 अप्रैल, 2023 को अंडरराइटर्स प्रयोगशाला (लैबोरेटरीज) (यूएल) के प्रमुख अधिकारी और वीपी के साथ बैठक आयोजित की। निदेशक, आईआईटी गांधीनगर और अध्यक्ष महोदय ने आउटरीच प्रोग्राम, विशेषज्ञ विनिमय कार्यक्रम, छात्र अनुसंधान फेलोशिप इत्यादि के माध्यम से उद्योग-अकादमिक सहयोग के संदर्भ में रणनीतिक यूएल-आईआईटी गांधीनगर सहभागिता पर विचार करने हेतु बैठक को संबोधित किया।

विस्फोट और उनसे जुड़े कारणों पर कार्यशाला

आईआईटी गांधीनगर में सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र ने दिनांक 13-14 जुलाई, 2023 को "विस्फोट और उनके कारण विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। शिक्षाविद, उद्योग और परामर्श फर्मों के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को इससे संबंधित अपनी विशिष्ट जानकारी प्रदान की। इसमें "राज्य अग्निशमन सेवाओं, तेल और गैस क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों, शैक्षिक संस्थानों इत्यादि के प्रतिभागियों ने सहभागिता की और विविध प्रकार के विस्फोट, शमन तकनीकियों, सुरक्षा चुनौतियों, नवीनतम अनुसंधान आदि के क्षेत्र में संभावनाओं को पता लगाया।

एफईआरएल को एनएबीएल प्रत्यायन और बीआईएस मान्यता
अग्नि अभियांत्रिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (एफईआरएल) ने उल्लेखनीय प्रगति की है। माह अगस्त 2023 में, एफईआरएल ने एनएबीएल द्वारा आईएसओ/आईईसी 17025:2017 मान्यता प्राप्त की और (भवन घटकों) बिल्डिंग एलिमेंट्स की परीक्षण गतिविधियों हेतु बीआईएस द्वारा आईएस 3614:2021 मान्यता प्राप्त की। एफईआरएल में अत्याधुनिक परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं और यह भारत का एकमात्र ऐसा प्रयोगशाला है, जिसे परीक्षण के इस दायरे के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा मान्यता प्राप्त है। यह प्रयोगशाला व्यावसायिक/पेशेवर/वाणिज्यिक परीक्षण-गतिविधियों में शामिल है और इस प्रयोगशाला ने उद्योगों के साथ-साथ सरकारी परियोजनाओं हेतु दस से अधिक सफल वाणिज्यिक-परीक्षण कार्य पूर्ण कर लिए हैं।

मेट्रो अग्नि सुरक्षा पर कार्यशाला

आईआईटी गांधीनगर में सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र ने दिनांक 27 नवंबर, 2023 को मेट्रो फायर सेफ्टी पर कार्यशाला का आयोजन किया। प्रतिभागियों को विभिन्न संस्थानों जैसे- दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन, चेन्नई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन, बैंगलोर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन, दिल्ली फायर सर्विसेज, आईआईटी खड़गपुर, परामर्श फर्मों और उद्योगों से आमंत्रित किया गया था। कार्यशाला में प्रतिभागियों को मेट्रो अग्नि सुरक्षा में तकनीकी अग्नि-संबंधी चुनौतियों को दूर करने के समाधान, नए अनुसंधान क्षेत्रों की खोज आदि पर चर्चा करने में विशेष सहायता मिली। आईआईटी गांधीनगर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों ने ईग््रेस मॉडल से संबंधित अपने शोध को प्रतिभागियों के समक्ष प्रदर्शित किया।

आईआईटी गांधीनगर और डीजी-एफएस, सीडी और एचजी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

आईआईटी गांधीनगर और अग्नि सुरक्षा महानिदेशालय, सिविल डिफेंस और होम गार्ड (डीजी-एफएस, सीडी और एचजी), गृह मंत्रालय, ने दिनांक 27 दिसंबर, 2023 को इस क्षेत्र में अनुसंधान, विकास और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फायर इंजीनियरिंग के व्यापक क्षेत्र में संयुक्त कार्यक्रम और गतिविधियों को शुरू करने के लिए सहभागिता एवं सहयोग की स्थापना की और इस प्रकार एक अग्नि-सुरक्षित भारत के निर्माण में अपना योगदान दिया। डीजी-एफएस, सीडी और एचजी और उनसे जुड़े संस्थान जैसे नेशनल फायर सर्विसेज कॉलेज (एनएफएससी), नागपुर इस समझौता ज्ञापन के हिस्से के रूप में आईआईटी गांधीनगर के विभिन्न विभागों और केंद्रों के साथ जुड़े रहेंगे।

मेट्रो अग्नि सुरक्षा - डिजाइन, सामग्री, निकास, विनियम, कोड और मानक पर छात्र पेपर प्रतियोगिता

सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र ने मेट्रो अग्नि सुरक्षा : डिजाइन, सामग्री, निकास, विनियम, कोड और मानक पर छात्र पेपर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता आयोजित की। इस प्रतियोगिता ने मेट्रो अग्नि सुरक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने में सहायता की। इस प्रतियोगिता से अनुसंधान समुदाय, छात्र समुदाय और इस क्षेत्र में काम करने वाले उद्योगों को भी लाभ हुआ। प्रतियोगिता के लिए प्रस्तुत सभी 25 पेपरों में से, चार सर्वश्रेष्ठ पेपरों को पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया और 1-3 फरवरी, 2024 को मुंबई में आयोजित फायर सेफ बिल्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस और एक्सपो में अंतिम प्रस्तुति के लिए चुना गया।

सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र ने एफएसबीआई प्रदर्शनी 2024 में नॉलेज पार्टनर और प्रदर्शक के रूप में भाग लिया

सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र निष्क्रिय अग्नि सुरक्षा को बढ़ावा देता है। केंद्र ने फायर सेफ बिल्ड इंडिया (एफएसबीआई) के सहयोग से नॉलेज पार्टनर के रूप में गत वर्ष अपनी नव निर्मित परीक्षण सुविधा केंद्र पर निष्क्रिय अग्नि सुरक्षा प्रणाली परीक्षण, अनुसंधान और विकास और परामर्श के क्षेत्र में अपनी सक्रिय सहभागिता प्रतिनिधित्व किया है। विविध शासकीय संस्थानों, विभागों, निगमों, स्वतंत्र परामर्शदाताओं और अनुसंधान संस्थानों के व्यक्तियों ने स्टॉल का दौरा किया है। प्रदर्शनी का आयोजन एफएसबीआई द्वारा दिनांक 1-3 फरवरी, 2024 को मुंबई में किया गया था।

सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र ने कोलैब 2024 में एजीबिटर के रूप में सहभागिता की

सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र ने प्रभावी अकादमिक उद्योग सहभागिता को मजबूत करने हेतु दिनांक 2 मार्च, 2024 को आयोजित कोलैब-2024 नामक एक दिवसीय उद्योग ओपन हाउस कार्यक्रम में भाग लिया, ताकि अग्नि सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों का प्रभावी समाधान किया जा सके। पीआरएल एवं अन्य उद्योगों के साथ भावी सहभागिता की संभावनाओं को पता लगाने की दृष्टि से कोलैब-2024 सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र हेतु उत्कृष्ट मंच हो सकता है।



बाह्य मामले

समझौता ज्ञापन

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थानों और गैर-शैक्षणिक संगठनों के साथ लगातार मजबूत और पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध बना रहा है। वर्ष 2023-24 में बनाई गई कई साझेदारियां छात्रों और शिक्षकों को लाभान्वित करेंगी।

टीसीएस के साथ सहकार्यता

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने 2 मई, 2023 को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन सहयोगी अनुसंधान और इसके प्रकाशनों की सुविधा प्रदान करेगा; इनबाउंड और आउटबाउंड सब्बाटिकल्स, सेमिनार, सम्मेलनों और कार्यशालाओं के माध्यम से अनुसंधान के लिए विद्वानों का आदान-प्रदान; टीसीएस इनोवेशन लैब्स के साथ छात्रों के लिए इंटरनशिप, और विशिष्ट उद्योग समस्या के लिए टीसीएस द्वारा प्रस्तावों के लिए कॉल में भागीदारी।

जीयूजेसीओएसटी के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने संस्थान में गुजकोस्ट द्वारा वित्त पोषित चार अलग-अलग परियोजनाओं पर अनुसंधान कार्य करने के लिए मई और जून 2023 के बीच गुजरात विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (गुजकोस्ट) के साथ चार समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

व्यावसायिक अध्ययन के विवेकानंद संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन

संस्थान ने दोनों संस्थानों के बीच शिक्षा और अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए 25 मई, 2023 को हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन के माध्यम से विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज टेक्निकल कैंपस (वीआईपीएस-टीसी) को प्रशासनिक, शैक्षणिक और तकनीकी सहायता प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की है।

एआईसीटीई के साथ समझौता ज्ञापन

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने इंटरनशिप और अनुसंधान छात्रवृत्ति के माध्यम से छात्रों के कौशल को बढ़ाने के लिए 26 मई, 2023 को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग के एक हिस्से के रूप में, भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के उच्च शिक्षा संस्थानों और विभिन्न एआईसीटीई मान्यता प्राप्त संस्थानों के प्रशिक्षुओं को उनकी गर्मी और सर्दियों की छुट्टियों के दौरान इंटरनशिप के लिए प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत नामांकित करेगा।

टीईसीसी के साथ समझौता ज्ञापन

संस्थान ने संस्थान में ताइवान शिक्षा केंद्र की स्थापना और पाठ्यक्रमों और सेमिनारों के माध्यम से मंदारिन भाषा के बारे में ज्ञान का प्रसार करने के लिए 1 जून, 2023 को भारत में ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र (टीईसीसी) के शिक्षा प्रभाग के साथ भी भागीदारी की है।

गति शक्ति विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने 5 अगस्त, 2023 को गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) वडोदरा के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस नए सहयोग का उद्देश्य दोनों संस्थानों के अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देना और संबंधित संस्थानों के लिए प्रासंगिक वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रबंधन मुद्दों की समझ को गहरा करना है। यह समझौता ज्ञापन संयुक्त कार्यक्रमों के आयोजन, अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं और प्रायोजित अनुसंधान अवसरों के लिए प्रस्तुत करने में सहयोग और अनुसंधान और व्यावसायिक विकास के लिए संकाय, छात्रों और कर्मचारियों के आदान-प्रदान की सुविधा भी प्रदान करेगा।

समग्र शिक्षा, तेलंगाना के साथ समझौता ज्ञापन

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने अपने सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग (सीसीएल) और समग्र शिक्षा, तेलंगाना (टीएसएस) के माध्यम से तेलंगाना में शिक्षकों के क्षमता निर्माण और छात्रों और शिक्षकों के लिए सीखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए 10 अक्टूबर, 2023 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोगी साझेदारी के एक हिस्से के रूप में, सीसीएल मास्टर प्रशिक्षकों और शिक्षकों के लिए अनुभवात्मक शिक्षाशास्त्र-आधारित कार्यशालाओं और प्रशिक्षण का आयोजन करेगा; टीएसएस को एसटीईएम लर्निंग किट और गतिविधि बॉक्स प्रदान करेगा; शिक्षकों और राज्य के सभी केजीबीवी स्कूलों के लिए साप्ताहिक ऑनलाइन सत्र आयोजित करेगा ताकि छात्रों के लिए सीखने को आकर्षक और प्रेरणादायक बनाया जा सके। इसके अलावा, टीएसएस सी. सी. एल.- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के एक मॉडल का अनुसरण करते हुए हैदराबाद में एक प्रयोगशाला स्थापित करने में भी सहायता करेगा।

आईबीएम इंडिया के साथ सहकार्यता

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने क्वांटम कम्प्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एलएलएम मतिभ्रम के क्षेत्र में नवीन परियोजनाओं के लिए आईबीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर काम किया है। दोनों पक्षों की नेतृत्व टीमों ने 10 अक्टूबर, 2023 को भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में छात्र इंटरनशिप और परियोजनाओं, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, प्रायोजित बीटेक और एमटेक परियोजनाओं, प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, सेमिनारों, लघु पाठ्यक्रमों, सम्मेलनों, उद्यमिता संवर्धन और सीएसआर समर्थन के माध्यम से जुड़ाव पर सहयोग करने के लिए रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) पर हस्ताक्षर किए।

हेल के साथ सहकार्यता

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने 10 अक्टूबर, 2023 को हर्षा इंजीनियर्स इंटरनेशनल लिमिटेड (एचईआईएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए। एमओए के अनुसार, एचईआईएल भूकंपीय अलगाव उपकरणों के एक वर्ग को विकसित करने और व्यावसायीकरण करने के लिए भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में एक एमटेक थीसिस परियोजना को प्रायोजित करेगा जो इमारतों और अन्य संरचनाओं की भूकंप सुरक्षा को काफी बढ़ा सकता है।

डीजी-एफएस, सीडी और एचजी के साथ भागीदारी

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने इस क्षेत्र में अनुसंधान, विकास और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए फायर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में संयुक्त कार्यक्रमों और गतिविधियों को शुरू करने के लिए 12 दिसंबर, 2023 को महानिदेशालय-अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा और गृह रक्षक के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह अनुसंधान एवं विकास और प्रशिक्षण सुविधाओं को साझा करने के लिए संकाय, छात्रों और अधिकारियों के आदान-प्रदान को भी

प्रोत्साहित करेगा। यह सहयोग संयुक्त अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं, सम्मेलनों, कार्यशालाओं, पाठ्यक्रमों और उद्यमिता विकास कार्यक्रमों तक भी विस्तारित होगा।

एनएक्सपी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर और एनएक्सपी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन और संबंधित क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियों पर सहयोग करने के लिए 06 मार्च, 2024 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। सहयोग का उद्देश्य छात्रों के लिए ज्ञान प्रसार, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं और औद्योगिक प्रदर्शन को सुविधाजनक बनाना है। प्रमुख उद्देश्यों में अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन, संयुक्त रूप से परस्रातक/डॉक्टर अनुसंधान का मार्गदर्शन करना, सहयोगी छात्र परियोजनाओं और इंटरनशिप को सक्षम करना और कार्यशालाओं और डिजाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन करना शामिल है।

राष्ट्रीय

हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू)	उद्देश्य
टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड, मुंबई	अनुसंधान, प्रकाशन, सेमिनार, कार्यशालाओं के लिए विद्वानों, शोधकर्ताओं और छात्रों का आदान-प्रदान। टीसीएस इनोवेशन लैब्स के छात्रों के लिए इंटरनशिप
गुजरात विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद, गांधीनगर	"एकीकृत पर्ची का पता लगाने वाले फलों के लिए एक बल-संवेदनशील रोबोटिक ग्रिपर" पर शोध कार्य
भारत में ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र	मंदारिन भाषा के बारे में ज्ञान का प्रसार करना और ताइवान के शैक्षिक अवसरों को बढ़ावा देना
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली	इंटरनशिप और शोध छात्रवृत्ति के माध्यम से छात्रों के कौशल को बढ़ाना
विवेकानंद व्यावसायिक अध्ययन संस्थान-तकनीकी परिसर, दिल्ली	अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देना और विभिन्न शैक्षणिक प्रयासों में भाग लेना
गति शक्ति विश्वविद्यालय, वडोदरा	अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने और संबंधित संस्थानों के लिए प्रासंगिक वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रबंधन मुद्दों की समझ को गहरा करने के लिए सहयोग करना।
टेकफैब (इंडिया) इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुंबई	भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग और जियोसिंथेटिक्स पर टेकफैब इंडिया पहल की स्थापना करना
फुलक्रम-कैपिटलाइजिंग सीएसआर, वडोदरा	आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना
समग्र शिक्षा, तेलंगाना	तेलंगाना के स्कूलों में विभिन्न गतिविधियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और एसटीईएम किटों के प्रावधान को शामिल करने के लिए सीसीएल के साथ एक सहयोगी साझेदारी स्थापित करना।
महानिदेशालय-अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा और गृह रक्षक (DG - FS, CD & HG)	इस क्षेत्र में अनुसंधान, विकास और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फायर इंजीनियरिंग के व्यापक क्षेत्र में संयुक्त कार्यक्रम और गतिविधियाँ शुरू करना और इस प्रकार एक अग्नि सुरक्षा के निर्माण में योगदान करना।
जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा, उत्तर प्रदेश	एसआरआईपी के लिए छात्रों का आदान-प्रदान और जीएलए छात्र को भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में एक सेमेस्टर का अध्ययन करने का अवसर
एनएक्सपी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	अनुसंधान सहयोग, छात्रों के लिए सेमीकंडक्टर उद्योग में व्यावहारिक अनुसंधान और विकास परिदृश्य का प्रदर्शन और संकाय के लिए सेमिनार, कार्यशालाओं का आयोजन
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास	भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में छात्र विनिमय कार्यक्रम
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान मेघालय	छात्रों ने एसआरआईपी के लिए आदान-प्रदान किया, एनआईटीएम छात्रों को भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में एक सेमेस्टर के लिए अध्ययन करने का अवसर, भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में स्टार्ट अल्टी पीएचडी कार्यक्रम की पेशकश, संकाय के लिए अनुसंधान कार्य और आपसी रुचि के क्षेत्रों में अन्य शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग।
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जमशेदपुर	छात्र एसआरआईपी के लिए आदान-प्रदान करते हैं, एनआईटीजेएसआर के छात्रों को भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में एक सेमेस्टर के लिए अध्ययन करने का अवसर, भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में स्टार्ट-अल्टी पीएचडी कार्यक्रम की पेशकश करते हैं।

अंतरराष्ट्रीय

कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान	भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के छात्रों को एस. यू. आर. एफ. कार्यक्रम के हिस्से के रूप में कैलेटेक संकाय सलाहकारों के साथ व्यक्तिगत अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा करने का अवसर प्रदान करना।
ग्रेजुएट स्कूल ऑफ साइंस टोक्यो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी	समानता और पारस्परिकता के सिद्धांतों के आधार पर अकादमिक सहयोग और आदान-प्रदान को बढ़ावा देना
द यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा	अकादमिक और अनुसंधान सहयोग को सुगम बनाना
डीकिन विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया	शैक्षणिक संबंधों को विकसित करने और बढ़ावा देने के उद्देश्य से सहकारी संबंध
एशियाई प्रौद्योगिकी संस्थान, थाईलैंड	अकादमिक, अनुसंधान, क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और संकाय विकास गतिविधियों में सहयोग विकसित करके दो संस्थानों के बीच संबंधों को मजबूत करना।
सैन डिएगो विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका	अकादमिक, अनुसंधान, क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और संकाय विकास गतिविधियों में सहयोग विकसित करने के लिए दो संस्थानों के बीच शैक्षिक आदान-प्रदान को सक्षम करना।

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर नवाचार और उद्यमिता केंद्र

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर नवाचार और उद्यमिता केंद्र (आई. आई. ई. सी.) संस्थान की ऊष्मायन और प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण पहलों का समर्थन करने के लिए एक प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर है। इसका उद्देश्य एक अंतःविषय दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए नवीन और रचनात्मक सोच के माध्यम से तकनीकी-उद्यमिता को बढ़ावा देना है। वर्ष के दौरान, आई. आई. ई. सी. ने विभिन्न गहन तकनीक उत्पादों और समाधानों पर काम करने वाली लगभग 42 स्टार्टअप टीमों का समर्थन किया।

स्टार्ट-अप की उपलब्धियाँ

IIEC के पास MiCob (3D कंक्रीट प्रिंटिंग में एक स्टार्ट-अप) में 4% हिस्सेदारी (इन्क्यूबेशन शुरू करने के समय उपहार के रूप में प्राप्त हुए थे) थी, जिसकी स्थापना शशांक शेखर (PhD छात्र, IITGN), अंकिता सिन्हा (PhD, IITGN) और ऋषभ माथुर (MTech, IITGN) द्वारा की गई थी। IIEC ने 1.3 करोड़ रुपये के मूल्य के साथ इक्विटी को भुनाया है। आई. आई. ई. सी. को पहले ही धन प्राप्त हो चुका है।

प्रो. अतुल भार्गव द्वारा स्थापित सेल्लेगेंट एनर्जी को गुजरात सरकार से 20 लाख रुपये का स्टार्टअप अनुदान मिला

डॉ. हर्ष शाह द्वारा स्थापित एग्रोकास्ट टेक्नोलॉजीज ने छोटे भारतीय विज्ञान सम्मेलन 2023 में पर्यावरण विज्ञान सम्मेलन का समन्वय किया।

गुजरात सरकार से सृजन अनुदान (3-5 लाख रुपये):

- डॉ. हर्ष शाह द्वारा स्थापित एग्रोकाष्ट
- डॉ. चंदन कुमार झा द्वारा स्थापित गैलांटो इनोवेशन
- महक राठी द्वारा स्थापित कलम इनोवेशन

निधि प्रार्थना कार्यक्रम

IIEC को वर्ष 2022-23 के लिए निधि प्रयास कार्यक्रम को लागू करने के लिए 120 लाख रुपये की धनराशि प्राप्त हुई। इस कार्यक्रम के तहत, एक इनोवेटर/टीम/स्टार्टअप को विचार को प्रोटोटाइप में बदलने के लिए 10 लाख रुपये तक की अनुदान सहायता प्रदान की जाती है।



श्री धर्मेन्द्र प्रधान के साथ स्टार्टअप की बातचीत

माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने सिंगापुर इंडिया हैकाथॉन के लिए भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर की अपनी यात्रा के दौरान 16 जुलाई, 2023 को आयोजित उत्पाद प्रदर्शन सत्र के दौरान उद्यमियों और स्टार्टअप कंपनियों के साथ बातचीत की। श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने स्टार्टअप को बहुमूल्य प्रतिक्रिया प्रदान की और इनोवेटिव स्टार्टअप कंपनियों को पोषित करने में इन्क्यूबेशन सेंटर के प्रयासों की सराहना की।



टोक्यो के गवर्नर एम. एस. यूरिको कोइके के साथ बातचीत

जापान के टोक्यो की गवर्नर सुश्री यूरिको कोइके ने 8 जुलाई, 2023 को जापान के अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ संस्थान का दौरा किया। उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान आईआईसी द्वारा समर्थित डीप टेक स्टार्टअप के साथ बातचीत की। उन्होंने सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग और मेकर भवन का भी दौरा किया।



बिल्ड योर स्टार्टअप विद बी. वी. जगदीश

आई. आई. ई. सी. ने श्री बी. वी. जगदीश के साथ 'बिल्ड योर स्टार्टअप' नामक 5 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य उद्यमियों की अनूठी जरूरतों और चुनौतियों का समाधान करना था। यह वार्षिक कार्यक्रम 28 अक्टूबर से 01 नवंबर, 2023 के बीच आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पूरे गुजरात और पड़ोसी राज्यों से कुल 37 छात्र और स्टार्टअप आए थे। कार्यक्रम संकाय, श्री बी. वी. जगदीश एक धारावाहिक उद्यमी और एक अनुभवी एंजेल निवेशक हैं, जिन्होंने इस कार्यक्रम का पाठ्यक्रम तैयार किया और उत्पाद विकास से लेकर विपणन तक, धन उगाहने और स्केलिंग तक, अपने स्टार्टअप को कैसे बनाया जाए, इस पर एक समग्र दृष्टिकोण दिया।



फिनटेक मास्टरक्लास

09 नवंबर, 2023 को आयोजित फिनटेक मास्टरक्लास ने फिनटेक परिदृश्यता का एक व्यापक दृश्य प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया। भारतीय और वैश्विक दोनों तरह के तीन दशकों में फैले इस अवलोकन में वित्तीय प्रौद्योगिकी के विकास पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें तकनीकी और व्यावसायिक मॉडल दोनों के दृष्टिकोण से इसकी जांच की गई है। इस सत्र में, भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के छात्रों और हमारे कुछ नए स्टार्टअप ने गहरी रुचि दिखाई। इस सत्र के लिए स्पीकर, श्री रविशंकर, ऐक्टिव ऐ.आई के सह-संस्थापक होने के अलावा, एक बैंकर के रूप में 15 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वह एक दूरदर्शी नेता हैं जिनके पास सफल उद्यमशीलता उद्यमों का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। सत्र में भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के लगभग 20 छात्रों और आई. आई. ई. सी. के स्टार्टअप ने भाग लिया।

स्टार्टअप संस्थापकों के साथ बातचीत

तीन क्रमिक उद्यमियों-श्री मुरली मोहन थिरुमले, श्री जिगेश पटेल और सुश्री धरती देसाई-के साथ आईआईटीसी के उभरते उद्यमियों के साथ 14 दिसंबर, 2023 को एक गतिशील चर्चा आयोजित की गई थी, ताकि नए लोगों को चर्चा और मार्गदर्शन प्रदान किया जा सके, जिससे उन्हें आगे की यात्रा में मदद मिल सके। सत्र में कुल 13 उद्यमी शामिल हुए। सत्र की शुरुआत उपस्थित स्टार्टअप, उनके विचारों और उन्होंने अपनी वर्तमान स्थिति के साथ आगे बढ़ने की योजना कैसे बनाई, के संक्षिप्त परिचय के साथ हुई। सत्र का समापन संभावित भविष्य के सहयोग और जारी मार्गदर्शन के लिए मूल्यवान संपर्कों के साथ हुआ।

इंडिया स्टार्टअप फाउंडेशन के संस्थापक श्री जे ए चौधरी,

एसटीपीआई के संस्थापक निदेशक, लाइफसाइकुल के सीईओ श्री दीनानाथ हरपनहल्ली और आईआईटीसी से जुड़े स्टार्टअप संस्थापकों के बीच एक संवाद सत्र की शुरुआत स्टार्टअप, उनके विचारों और भविष्य की योजनाओं के परिचय के एक संक्षिप्त दौर के साथ की गई, जिसमें स्टार्टअप और सामान्य दोनों के लिए कुछ सुझाव शामिल थे। इस वार्ता में 20 स्टार्टअप के एक समूह ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह सत्र 10 दिसंबर, 2023 को आयोजित किया गया था।

जीडीसी, आईआईटी मद्रास के सीईओ श्री रघुनाथ राव और जीडीसी, आईआईटी मद्रास के सीओओ श्री राजीव जैन के नेतृत्व में इस संवादात्मक सत्र का प्राथमिक उद्देश्य नवीन प्रौद्योगिकी अवधारणाओं को डीप-टेक स्टार्टअप में बदलने के लिए प्रोत्साहित करना था। अतिथियों ने इस बारे में जानकारी साझा की कि वे जीडीसी, भा.प्रौ.सं मद्रास में इस लक्ष्य को सक्रिय रूप से कैसे प्राप्त कर रहे हैं। कुल 17 स्टार्टअप संस्थापकों ने इस विषय में रुचि दिखाई और सत्र में भाग लिया। सत्र का समापन स्टार्टअप के संक्षिप्त परिचय और नेटवर्किंग के अवसरों को सुगम बनाने, दोनों समूहों के साथ-साथ आईआईटीसी टीम के साथ सार्थक संबंधों को बढ़ावा देने के साथ हुआ। यह सेमिनार 14 दिसंबर, 2023 को आयोजित किया गया था।

आईडीई बैंगलोर बूटकैम्प

छात्रों में रचनात्मकता और उद्यमशीलता की भावना पैदा करने के लिए, आईआईटीसी ने आईडीई 2024 कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल ने छात्रों को संभावित व्यावसायिक उद्यमों के लिए आविष्कारशील अवधारणाओं का प्रस्ताव करने के लिए सशक्त बनाया। IIEC द्वारा नियुक्त एक निर्णायक-मंडल ने सबसे आशाजनक विचारों का मूल्यांकन और चयन किया, जिससे भारत के संपन्न स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक प्रदर्शन का अवसर मिला, जिसकी योजना 25 से 28 मार्च, 2024 को बैंगलोर में बनाई गई है। चयनित विचारों, नवाचारों और स्टार्टअप को आगे के विकास और इन्क्यूबेशन के लिए संरचित समर्थन प्राप्त होगा। यह कार्यक्रम दो दिनों, 13-14 मार्च, 2024 तक चला, जिसमें भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के लगभग 50 छात्रों को अपने विचारों को प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान किया गया।



भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर अनुसंधान पार्क

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर अनुसंधान उद्यान उद्योग और शिक्षाविदों के बीच एक मजबूत संबंध को बढ़ावा देकर नवाचार और अनुसंधान की सीमाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास करता है। उद्योग अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को अंजाम देने के लिए भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर अनुसंधान पार्क में अपने कार्यालय स्थापित कर सकते हैं। यह उन्हें एक जीवंत समुदाय का हिस्सा बनने और भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में अनुसंधान एवं विकास पेशेवरों, छात्रों और अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास बुनियादी ढांचे तक पहुंच प्राप्त करने की अनुमति देता है।

अनुसंधान पार्क में नई कंपनियां:

इस अवधि के दौरान 3 नई कंपनियां एग्रो कास्ट एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, गुजरात एनर्जी ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट और प्रॉम्प्ट इक्विपमेंट प्राइवेट लिमिटेड रिसर्च पार्क में शामिल हुईं। इसके अलावा, रिसर्च पार्क में अपने कार्यालय स्थापित करने के लिए कुछ और उद्योगों के साथ चर्चा चल रही है।

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर अनुसंधान पार्क में वर्तमान कंपनियां:

कंपनी का नाम	वर्तमान में व्याप्त क्षेत्र (वर्ग फीट)	रुचि का क्षेत्र
गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (GUVNL)	3760	विद्युत शक्ति
डी. पी. पल्लवराइज़र इंडस्ट्रीज	242	विनिर्माण
नैसकॉम	8000	आईओटी और आईटी
पैन आई आई टी अलम्राइ रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन (PARFI)	160	कौशल विकास
इन्फ़ीयू लैब्स प्राइवेट लिमिटेड	310	एग्रीटेक
फायरटेक इक्विपमेंट एंड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड	250	अग्निशमन और अग्नि सुरक्षा उपकरण
सिल्वर टच टेक्नोलॉजीज	350	आई. ओ. टी., क्लाउड प्रबंधन और आई. टी. समाधान
जिओ कारटे	250	निर्माण
एएमएनएस इंडिया	51,151	स्किल इंडिया 4.0
कॉर्टेक्स कंस्ट्रक्शन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	400	निर्माण
थर्डएआई प्राइवेट लिमिटेड	150	आईओटी और आईटी
शाह भोगीलाल जेठालाल एंड ब्रदर्स	500	अग्निशमन और अग्नि सुरक्षा उपकरण
बायोटेक विजन केयर प्राइवेट लिमिटेड	500	स्वास्थ्य देखभाल
एग्रो कास्ट एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड	आई. आई. ई. सी. में सह-कार्य स्थान	एग्रीटेक
गुजरात ऊर्जा प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान	1886	प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और ऊर्जा परिवर्तन
प्रॉम्प्ट इक्विपमेंट प्राइवेट लिमिटेड	250	उपकरण

सलाहकार परिषद

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर अनुसंधान पार्क और भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर नवाचार और उद्यमी केंद्र की सलाहकार परिषद की 8वीं बैठक 12 दिसंबर, 2023 को आयोजित की गई थी। विशिष्ट परिषद के सदस्यों ने संस्थान में उद्योग भागीदारी और उद्यमिता कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए विभिन्न रणनीतिक बिंदुओं पर चर्चा की।





पुरस्कार और सम्मान

- प्रोफेसर अर्का चट्टोपाध्याय, सहायक प्रोफेसर (मानविकी और सामाजिक विज्ञान) को 'बेकेट एंड कोटजी: मैथमेटिकल मोडेर्निज़्म' नामक उनकी परियोजना के लिए वर्ष '2023-2024 हैरी रैसम सेंटर रिसर्च फेलोशिप इन ह्यूमिनिटी' से सम्मानित किया गया है।
- प्रोफेसर विनोद नारायणन, सहायक प्रोफेसर (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) को वर्ष 2023-24 के लिए 'फुलब्राइट-नेहरू एकादमिक एंड प्रोफेशनल एक्सिलेंस फेलोशिप' से सम्मानित किया गया है।
- प्रोफेसर नीलधारा मिश्रा, श्रीमती अंबा और श्री वी एस शास्त्री, चेयर एसोसिएट प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग तथा प्रोफेसर धीरज भाटिया, सहायक प्रोफेसर, जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग को वर्ष 2023 के लिए भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी के सदस्य के रूप में चुना गया है।
- प्रोफेसर पंकज खन्ना, सहायक प्रोफेसर, पृथ्वी विज्ञान को भारत के एकमात्र अनुसंधान वैज्ञानिक और तलछट विज्ञानी के रूप में चुना गया है, जिन्हें 29 अगस्त से 1 नवंबर 2023 तक अंतरराष्ट्रीय महासागर खोज कार्यक्रम (आईओडीपी) के हवाई डूबे हुए रीफ अभियान (आई ओडीपी अभियान 389) के अपतटीय चरण में भाग लेने के लिए चुने गए हैं।
- प्रोफेसर आशीष खाखा, सहायक प्रोफेसर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान को विकास अध्ययन संघ, यूनाइटेड किंगडम में आजीवन सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। उन्हें यह सम्मान यूनाइटेड किंगडम के यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग में आयोजित डेवलपमेंट स्टडीज एसोसिएशन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में "डिस्मेटलिंग कोलोनियल कार्टोग्राफी: स्थानिकता के रूप में स्वदेशी शहरीकरण, भारत" नामक अपने लेख को प्रस्तुत करने के लिए दिया गया है। इसी लेख को 4 अक्टूबर, 2023 को संयुक्त राष्ट्र के खंड में भी प्रकाशित किया गया है।
- प्रोफेसर अर्पण भट्टाचार्य, सहायक प्रोफेसर, भौतिकी को भारतीय विज्ञान अकादमी (आईए एससी) 2023 के सहयोगी के रूप में चुना गया है।
- प्रोफेसर निपुण बत्रा, सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग को इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी दिल्ली द्वारा ज्ञान, तकनीकी नवाचार/अनुशासन में उल्लेखनीय योगदान के लिए वर्ष 2023 हेतु युवा पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- प्रोफेसर विमल मिश्रा, प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग को मौसम विज्ञान और विज्ञान व प्रौद्योगिकी के संबद्ध क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान हेतु भारतीय मौसम विज्ञान समाज के सहयोगी के रूप में चुना गया था।
- प्रोफेसर मनीष कुमार, सहायक प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग को विश्व आवास विश्वकोश कार्यकारी समिति (जो दुनिया भर में भूकंप से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्थाओं को बढ़ाने के लिए भूकंप इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान के तहत काम करती है।) के सह-अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया था।
- प्रोफेसर अरघा मन्ना, आर्टिस्ट-इन-रेजिडेंट, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग और प्रोफेसर लिडा बोरोइबा, प्रमुख जांचकर्ता, फ्लुड डाइनामिक्स ऑफ डीजेज़ ट्रांसमिशन लैबोरेटरी, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी), यूएसए को "संक्रामक रोगों में महत्वपूर्ण/प्रतिमान बदलाव" शीर्षक वाले सहयोगी कार्य को 4 से 14 दिसंबर, 2023 तक एमआईटी सेंटर फॉर आर्ट, साइंस एंड टेक्नोलॉजी में प्रदर्शित किया गया था।
- प्रोफेसर प्रोजेश नाथ चौधरी, सहायक प्रोफेसर, गणित को लंदन गणितीय समाज के बुलेटिन में प्रकाशित "कुल सकारात्मकता की विशेषता एकल वेक्टर परीक्षणों के माध्यम से रैखिक पूरकता, साइन नॉन रिवर्सल, और भिन्नता में कमी" के अपने पेपर के लिए "वर्ष 2023 के लिए भारतीय गणितीय समाज के सुभाष भट्ट पुरस्कार" से सम्मानित किया गया था।
- प्रोफेसर विनीत वशिष्ठ, सहायक प्रोफेसर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग को विज्ञान के माध्यम से समाज की सेवा के प्रति उनकी साख और प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें पांच वर्षों के लिए भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आईएनवाईएस) की सदस्यता के लिए चुना गया है।
- प्रोफेसर शिवप्रिया किरुबाकरण प्रोफेसर शिवप्रिया किरुबाकरण को मद्रास विश्वविद्यालय के एथिराज महिला कॉलेज के 75वीं वर्षगांठ समारोह के दौरान उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए पूर्व छात्र उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- प्रोफेसर श्रीनिवास रेड्डी, अतिथि प्रोफेसर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान को फुलब्राइट अकादमिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और वे 2024-25 शैक्षणिक वर्ष के लिए भारत में रहेंगे। प्रो. रेड्डी आई आई टी गांधीनगर में रहेंगे, जहाँ वे 'आधुनिक शैक्षिक स्थानों के लिए पारंपरिक भारतीय संगीत का प्रतिलेखन: हिंदुस्तानी राग संगीत संकेतन और शिक्षाशास्त्र में ऐतिहासिक रुझानों' नामक अपनी परियोजना से संबंधित पाठ्यक्रम पढ़ाएंगे और शोध करेंगे।

संकाय उत्कृष्टता पुरस्कार

संस्थान ने निम्नलिखित चार संकाय सदस्यों को संकाय उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया है :



शिक्षण में उत्कृष्टता के लिए

प्रोफेसर उदित भाटिया, सहायक प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग

शिक्षण में उनके उत्कृष्ट योगदान, उपलब्धियों और नवाचारों की मान्यता हेतु



संस्था निर्माण में उत्कृष्टता के लिए

प्रोफेसर अभिजीत मिश्रा, सहायक प्रोफेसर, मैटीरियल्स इंजीनियरिंग

संस्था निर्माण गतिविधियों में उनके उत्कृष्ट योगदान और उपलब्धियों की मान्यता हेतु



अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए

प्रोफेसर नितिन जॉर्ज, टीओसीओ चेयर एसोसिएट प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

अनुसंधान में उनके उत्कृष्ट योगदान और उपलब्धियों की पहचान हेतु



व्यापक गतिविधियों में उत्कृष्टता के लिए

प्रोफेसर नारायण पिंडोरिया, सहायक प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

व्यापक आउटरीच गतिविधियों में उनके उत्कृष्ट योगदान की पहचान हेतु



संकाय अध्यक्ष पद

संस्थान के कई शुभचिंतकों ने उत्कृष्टता को पुरस्कृत करने और उत्कृष्ट संकाय को बनाए रखने में सहायता के लिए आई आई टी गांधीनगर में अध्यक्ष पदों की स्थापना की है। इस वर्ष तीन संकाय सदस्यों को 5 सितंबर, 2023 से प्रभावी संकाय अध्यक्ष पद प्रदान किए गए हैं :-



प्रो. अमित प्रशांत, सिविल इंजीनियरिंग में प्रोफेसर (बीआईएस मानकीकरण अध्यक्ष)



प्रो. विमल मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग में प्रोफेसर (विक्रम साराभाई कुर्सी)



प्रो. गोपीनाथन कलोन, एसोसिएट प्रोफेसर इन फिजिक्स (कंचन और हरिलाल दोशी चेयर)

आईआईटी गांधीनगर में अन्य संकाय पीठों की सूची

संकाय अध्यक्ष का नाम	डोनर का नाम	वर्तमान पदाधिकारी
जसुभाई मेमोरियल चेयर	श्री मौलिक जसुभाई शाह	प्रो. जैसन ए मंजली, प्रोफेसर, दर्शन और संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान
बी एस गेलॉट चेयर	श्री गोरधनभाई बी गेलॉट	प्रो. चिन्मय घोरोई, प्रोफेसर, केमिकल इंजीनियरिंग
टीओको चेयर	श्री अतुल जैन	प्रो. नितिन वी. जॉर्ज, एसोसिएट प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
मौलाना अबुल कलाम आजाद चेयर	श्रीमती हमीदा चोपड़ा	इस पीठ के तहत, उर्दू के प्रख्यात विद्वानों को व्याख्यान, सेमिनार और अन्य विद्वानों के प्रयासों के लिए विजिटिंग प्रोफेसरों या स्टूडेंट-इन-रेजिडेंस के रूप में आमंत्रित किया जाता है
एन रामा राव	श्री एन आर नारायण मूर्ती	प्रो. अनिर्बान दासगुप्ता, प्रोफेसर कंप्यूटर, विज्ञान और इंजीनियरिंग
ए. आई में जीबाबेन पटेल चेयर	डॉ जगदीश पटेल	प्रो. शनमुगनाथन रमण, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के साथ संयुक्त रूप से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में एसोसिएट प्रोफेसर
सुधीर के जैन चेयर	आईआईटी गांधीनगर फाउंडेशन	प्रोफेसर रजत मूना, निदेशक एवं कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में प्रोफेसर
जीबाबेन पटेल चेयर	डॉ जगदीश पटेल	प्रोफेसर प्रतीक मुथा, जीव विज्ञान और इंजीनियरिंग में एसोसिएट प्रोफेसर
इर्मा और ऊषाकान्त ठक्कर चेयर	डॉ ऊषाकान्त ठक्कर	चेयर, संस्कृत भाषा और साहित्य संबंधी शिक्षण पाठ्यक्रम को सक्षम बनाएंगे।
कंकुबेन बक्शीरामभाई गेलॉट चेयर	श्री गोरधनभाई बी गेलॉट	प्रोफेसर सिवप्रिया किरुबाकरन, रसायन विज्ञान में एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ दिनेश ओ शाह चेयर	डॉ दिनेश ओ शाह	प्रोफेसर कबीर जसूजा, केमिकल इंजीनियरिंग में एसोसिएट प्रोफेसर
श्रीमती अम्बा और श्री वी एस शास्त्री चेयर	प्रोफेसर ए वी अनिलकुमार	प्रोफेसर नीलधरा मिश्रा, कंप्यूटर साइंस और अभियांत्रिकी में एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ विलास मजूमदार	डॉ विलास मजूमदार	प्रोफेसर गौरव श्रीवास्तव, सिविल इंजीनियरिंग में एसोसिएट प्रोफेसर
श्रीमती मीरा और प्रो. गिरीश के शर्मा चेयर	श्रीमती रश्मि शर्मा और मनीष शर्मा	प्रो समीर वी दलवी, केमिकल इंजीनियरिंग में प्रोफेसर
अनु और बी वी जगदीश चेयर	श्रीमती अनुराधा जगदीश और श्री बी वी जगदीश	यह पीठ हमारी उद्यमिता पहलों के लिए नेतृत्व और समर्थन प्रदान करेगी।
पाण्ड्या-शिवपुरी चेयर	डॉ दर्शन पाण्ड्या	इस पीठ का उद्देश्य अंतःविषय अनुसंधान में उत्कृष्टता और नेतृत्व को बढ़ावा देना है
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण चेयर	भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण	यह पीठ विभिन्न सहयोगी और विद्वतापूर्ण गतिविधियों के माध्यम से पुरातत्व विज्ञान के विभिन्न पहलुओं में अनुसंधान को बढ़ावा देगी।

छात्र पुरस्कार और सम्मान

- राशि कुमार, संज्ञानात्मक विज्ञान में एमएससी की छात्रा को वर्ष 2023-2024 के लिए एडवॉस अल्जाइमर रिसर्च एंड ट्रीटमेंट (आईएसटीएआरटी) एम्बेसडर के रूप में चुना गया है।
- याना घोष और श्रुति सिंह, मानविकी और सामाजिक विज्ञान और कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में पीएचडी विद्वानों ने क्रमशः प्रतिष्ठित फुलब्राइट-नेहरू डॉक्टरल रिसर्च फेलोशिप 2023-24 जीता है।
- विभिन्न विषयों के पांच आईआईटी गांधीनगर पीएचडी विद्वानों ने दिसंबर 2022 में प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री की शोध फेलोशिप प्राप्त किया है। इन प्राप्तकर्ताओं में हीरेन सोलंकी, पृथ्वी विज्ञान; के.के.गायत्री, प्रियदर्शिनी, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग; सप्तस्वा घोष, भौतिकी; शौहरदा घोष, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग; और श्रेयस ए शेनॉय, केमिकल इंजीनियरिंग शामिल हैं।
- सप्या नासिर, पीएचडी स्कॉलर को खोराना कार्यक्रम से सम्मानित किया गया है।
- आशीष तिवारी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी स्कॉलर और उनके संकाय सलाहकार प्रो. शनमुगनाथन रमन, जीबाबेन पटेल चेर एसोसिएट प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग को संयुक्त रूप से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग को वर्ष 2023-24 के लिए क्वालकॉम इनोवेशन फेलोशिप (क्यूआईएफ) से सम्मानित किया गया है।
- डॉ पोलामी नंदी, भौतिकी में पोस्टडॉक्टरल फेलो ने फुलब्राइट-नेहरू पोस्टडॉक्टरल रिसर्च फेलोशिप वर्ष 2023-24 जीता है।
- डॉ सोनम, पृथ्वी विज्ञान में अनुसंधान सहयोगी को पोस्टडॉक्टरल अनुसंधान हेतु फुलब्राइट-कलाम क्लाइमेट फेलोशिप से सम्मानित किया गया है।
- आलोक गंगोपाध्याय, प्रज्जवल सिंह, आशीष तिवारी और प्रो. शनमुगनाथन रमन सहित आईआईटी गांधीनगर टीम के एक पेपर ने दक्षिण कोरिया के डेजियन में पैसिफिक ग्राफिक्स 2023 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार जीता है।
- जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग के एमटेक 2024 के छात्र प्रतीक्षा रमेश और शुभंकर राहा को डीएएडी (जर्मन अकादमिक एक्सचेंज सर्विस) फेलोशिप 2023-24 से सम्मानित किया गया।
- ऋषिराज अधिकारी, पीएचडी छात्र, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग को यूबीकॉम्प गेटानो बोरिएलो उत्कृष्ट छात्र पुरस्कार के लिए फाइनलिस्ट के रूप में मान्यता दी गई।
- किशाले राज, एमटेक छात्र, मेटेरियल इंजीनियरिंग को प्रतिष्ठित रिलायंस फाउंडेशन पोस्ट ग्रेजुएट स्कॉलर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- अविनाश झा और भब्या ठाकुर और प्रो. सुशोभन सेन ने सूरत में भारतीय परिवहन अनुसंधान समूह (7वीं सीटीआरजी) के 7वें सम्मेलन में "फुटपाथ और मेटेरियल" श्रेणी के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ पेपर अवार्ड जीता।
- श्रुति डे और ऋतुपर्णा जना, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग ने कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (सीयूपएसएटी), कोच्चि में 11/13-12-2023 के दौरान आयोजित ऑप्टिक्स, फोटोनिक्स और क्वांटम इंफॉर्मेशन (ओपीटीआईक2023) (ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, ओएसआई का 46वां संगोष्ठी) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर अवार्ड जीता।
- श्रुति सिंह, पीएचडी छात्र, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, आई आई टी गांधीनगर को वर्ष 2023-24 के लिए प्रतिष्ठित "फुलब्राइट-नेहरू डॉक्टरल रिसर्च फेलोशिप" से सम्मानित किया गया है। छात्रवृत्ति के भाग के रूप में, वह याले विश्वविद्यालय में प्रोफेसर आर्मेन कोहन के साथ वैज्ञानिक ग्रंथों के पहलू प्रतिनिधित्व पर काम करेंगी।
- कैमेलिया विश्वास, पीएचडी स्कॉलर, ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, को कल्लिवेटिंग द ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज रिसर्च ग्रांट प्राप्त हुआ है, जो उनके पीएचडी थीसिस से चार महीने की प्रसार परियोजना में सहायता करेगा। इसके अतिरिक्त, उन्हें इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एंथ्रॉजूलॉजी (आईएसएजेड) 2024 डायवर्सिटी, इक्विटी, इंकलूजन, एंड बिलॉन्गिंग (डीईआईबी) पुरस्कार के लिए चुना गया है।
- प्रशांत पी नायर, पीएचडी स्कॉलर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग को पर्य्य विश्वविद्यालय में भारत के विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) ओवरसीज विजिटिंग डॉक्टरल फेलोशिप प्रोग्राम (ओवीडीएफ) के लिए चुना गया है।
- कैमेलिया विश्वास और अहाना घोष, पीएचडी विद्वान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग को शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए प्रतिष्ठित इंटीच रिसर्च स्कॉलरशिप से सम्मानित किया गया है।
- सतद्रु चक्रवर्ती, पीएचडी स्कॉलर, केमिकल इंजीनियरिंग, ने इंड्यास सारणशः इंजीनियरिंग साइंसेज श्रेणी में तीन मिनट की थीसिस प्रतियोगिता 2023 में पहला पुरस्कार प्राप्त किया।
- 'व्यसख' आर, पीएचडी स्कॉलर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में डॉक्टरल अध्ययन के एक वर्ष के लिए शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के लिए हार्वर्ड-येन्चिंग फेलोशिप प्राप्त की है। यह फेलोशिप भाषाविज्ञान और मानवशास्त्र के क्षेत्र में एशियाई विश्वविद्यालयों के उत्कृष्ट छात्रों को प्रदान की जाती है।
- एनआईएफटी गांधीनगर द्वारा आयोजित सिंगल श्रेणी में इंटर-कॉलेज बैडमिंटन टूर्नामेंट में आई आई टी गांधीनगर के छात्र गौरव रावत और वरद सरदेशपांडे ने क्रमशः स्वर्ण और चांदी के पदक जीते।
- प्रारंभिक पाठ्यक्रम के छात्र सुमित यादव ने 7वें यूपी राज्य पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2023 में लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीता और 12वें राष्ट्रीय जूनियर और उप-जूनियर पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में अंडर-19 लड़कों की श्रेणी में लंबी कूद और जेवेलिन थ्रो गेम में दो रजत पदक जीते। उन्होंने राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी अर्हता प्राप्त की है।
- गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित जस्टिस लीग में लड़कियों की बास्केटबॉल टीम ने रजत पदक जीता।
- स्टाफ क्रिकेट टीम ने डॉ विक्रम साराभाई अंतरिक्ष क्रिकेट टूर्नामेंट में रजत पदक प्राप्त किया।
- आई आई टी गांधीनगर छात्र निखिल बोरेस और वाईएस रघु ने खेल महाकुंभ प्रतियोगिता 2024 में पुरस्कार प्राप्त किए। निखिल ने अंचल स्तर पर पुरुषों की खुली श्रेणी में पहला स्थान जीता और खेल महाकुंभ प्रतियोगिता 2024 में जिला स्तर पर चौथा स्थान प्राप्त किया। रघु ने अंचल स्तर पर 200 मीटर पुरुषों की खुली श्रेणी में पहला स्थान प्राप्त किया और जिला स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- आईआईटी गांधीनगर के छात्रों ने दिनांक 10 फरवरी 2024 से 13 फरवरी 2024 तक आयोजित गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (जीएनएलयू) जस्टिस लीग में कुल 8 पदक जीते। कोमल, अभिमन्यु और विवेक यादव ने पावरलिफ्टिंग में विभिन्न

श्रेणियों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रणव पाटिल और जी गुन्जयाल ने टेनिस मिक्स्ड इवेंट में तीसरा पुरस्कार जीता। निखिल बोरासे, अश्विनी शंकर और अंकेश कुमार ने एथलेटिक्स में पुरस्कार जीते।

- निखिल बोरेज़ और हेमंत पूनिया ने क्रमशः जावेलिन थ्रो और डिस्कस थ्रो में पहला और दूसरा स्थान हासिल किया।

स्टाफ के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार

26 जनवरी, 2024 को 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रो. रजत मूना, निदेशक, आईआईटी गांधीनगर द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए निम्नलिखित स्टाफ उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए गए। इन पुरस्कारों के माध्यम से, संस्थान औपचारिक रूप से अपने कर्मचारियों की लगन व सेवा को मान्यता देता है:

श्री राहुलेन्द्र भास्कर, तकनीकी अधीक्षक
श्री राजेन्द्र वैष्णव, लेखा अधिकारी
श्री शैलेश पाटनी, कनिष्ठ सहायक
श्री नीरव भट्ट, जूनियर प्रयोगशाला सहायक
सुश्री जिनल पांचाल, वरिष्ठ सॉफ्टवेयर डेवलपर
सुश्री भारती मकवाना, खेल सहायक

श्री जिग्नेश कपाड़िया, सहायक कार्यक्रम प्रबंधक
श्री सुरेशसिंह ए राठीड़, सुरक्षा पर्यवेक्षक
श्री टिकू, मेस स्टाफ
सुश्री चंद्रिकाबेन परमार, हाउस कीपिंग स्टाफ
श्री हशमुख गुर्जर, हाउस कीपिंग स्टाफ
श्री वासुदेव लालभाई, अपशिष्ट प्रबंधन कर्मचारी

परिसर विकास पुरस्कार

संस्थान ने परिसर विकास और प्रबंधन संबंधी गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान के लिए 26 जनवरी, 2024 को 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर वर्ष 2023-24 के लिए परिसर विकास पुरस्कार के साथ निम्नलिखित सामुदायिक सदस्यों को सम्मानित किया :-

श्री नारायण सिंह, सुरक्षा गार्ड
श्री नरेंद्रसिंह चौहान, ग्राउंडमैन
सुश्री कैलाशबेन वाघेला, हाउसकीपिंग स्टाफ

श्री संजय कुमार बरिया, प्लम्बर
श्री रक्षित कुमार परमार, अमेज़ॉन डिलीवरी पर्सन
श्री प्रशांत मकवाना, सहायक, छात्र मामले





आईआईटी गांधीनगर को पुरस्कार और सम्मान

केंद्रीय आर्केड के लिए पुरस्कार

आईआईटी गांधीनगर के सेंट्रल आर्केड-स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर बिल्डिंग को 4 मार्च, 2023 को सार्वजनिक भवन श्रेणी में '32 वें जेके आर्किटेक्ट ऑफ द ईयर अवार्ड' प्राप्त हुआ। इस भवन को मितिमित्रा कंसल्टेंट्स द्वारा डिजाइन किया गया है।



आईआईटी गांधीनगर को 5जी यूज केस लैब से सम्मानित किया गया

आई आई टी गांधीनगर को 26 अक्टूबर, 2023 को इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2023 में भारत सरकार के दूरसंचार विभाग द्वारा घोषित 100 5जी यूज केस लैब्स में से एक से सम्मानित किया गया है। ये 5जी लैब स्वास्थ्य, कृषि और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में देश की जरूरतों के लिए नई पीढ़ी के एप्लिकेशन के विकास के लिए स्थानीय इनोवेटर्स, छात्रों, स्टार्ट-अप और एमएसएमई को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, ताकि नवीन उत्पाद और स्टार्ट-अप तैयार किए जा सकें।

ग्रीन यूनिवर्सिटी अवार्ड 2023

आई आई टी गांधीनगर ने अपनी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ते हुए, संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) के साथ विशेष सलाहकार का दर्जा रखने वाले गैर-सरकारी संगठन ग्रीन मेटर्स, यूएसए द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ग्रीन यूनिवर्सिटी अवार्ड 2023 जीता है। यह अवार्ड स्थायी प्रथाओं के प्रति समग्र दृष्टिकोण और छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरूक मूल्यों को स्थापित करने के लिए दिया गया है। आई आई टी गांधीनगर की ओर से रजिस्ट्रार श्री पी के चोपड़ा ने 15 सितंबर, 2023 को कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, यूएसए में आयोजित 7वें एनवाईसी ग्रीन स्कूल सम्मेलन में यह पुरस्कार प्राप्त किया।



आईआईटी गांधीनगर को एसीएस स्टूडेंट चैप्टर से सम्मानित किया

अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (एसीएस) ने फरवरी 2024 में एसीएस इंटरनेशनल स्टूडेंट चैप्टर के रूप में आई आई टी गांधीनगर को सम्मानित किया। सदस्य के रूप में, आई आई टी गांधीनगर के छात्रों के पास विभिन्न सम्मेलनों को आयोजित करने और क्षेत्र में प्रसिद्ध वैज्ञानिकों के साथ बातचीत करने का अवसर होगा। छात्र नेताओं में दीपिका खासा, अंजिला सिद्धीकी, तारिशा गुप्ता, गौरव राय, हरिता डी और सेहंजली बेहरा शामिल हैं। प्रोफेसर शिवप्रिया किरुबाकरण, कंकुबेन बख्शिरामभाई गेलोट चेर एसोसिएट प्रोफेसर, रसायन विज्ञान, संकाय सलाहकार हैं, जबकि प्रोफेसर विश्वजीत मंडल, सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान, छात्र अध्याय के लिए संकाय सह-सलाहकार हैं।

एनआईआरएफ की भारत रैंकिंग 2023

अकादमिक उत्कृष्टता की अपनी खोज में असाधारण प्रगति का प्रदर्शन करते हुए, आईआईटी गांधीनगर ने इंजीनियरिंग श्रेणी के शीर्ष 20 प्रमुख संस्थानों में 18 वें स्थान (2022 में 23 वें रैंक से) पर अपना कीर्तिमान स्थापित किया और पिछले वर्ष (2022 में 37 वें रैंक से ऊपर) से 13 पदों पर छलांग लगाई। 5 जून 2023 को राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचे (एनआईआरएफ) द्वारा घोषित भारत रैंकिंग 2023 की समग्र श्रेणी में 24 वें स्थान पर होगा। संस्थान ने 31 वें रैंक (2022 में 34 वें रैंक से) तक पहुंच कर अनुसंधान संस्थानों की श्रेणी में अपनी रैंक में सुधार किया है।



आउटरीच गतिविधियां

एनईईवी: भा०प्रौ०सं० गांधीनगर का सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम

एनईईवी भा०प्रौ०सं० गांधीनगर का एक सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम है जो कौशल विकास, उद्यमिता और आजीविका कार्यक्रमों के माध्यम से वंचित समुदायों की महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाता है। 2014 से, एनईईवी ने आसपास के 30 से अधिक गांवों सहित अहमदाबाद/गांधीनगर क्षेत्रों के 5200 से अधिक लाभार्थियों के लिए 150 से अधिक परियोजनाओं और गतिविधियों का संचालन किया है।

2023-24 के दौरान, एनईईवी ने पलाज, बासन, चिलोदा, दाभोड़ा, प्रांतिया, मगोडी, रतनपुर, कोलावाड़ा, आलमपुर, ढोलकुवा, लेकावाड़ा, पेथापुर, चला, लावरपुर, नवा धरमपुर, बोरिज, मोटा इसानपुर, रामपुरा, चंद्रला, धोलाराना वासना, धनाप, शाहपुर, वडोदरागाम, ववोल, भुंडिया, और गांधीनगर और अहमदाबाद शहरों में आसपास के शहरी क्षेत्र सहित 30 गांवों के 1284 लाभार्थियों के लिए 37 परियोजनाओं और गतिविधियों का आयोजन किया। इनमें से अधिकांश परियोजनाएँ द देसाई फाउंडेशन के साथ साझेदारी में संचालित की गईं।

सिलाई कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान देने के साथ, एनईईवी विभिन्न गांवों में सिलाई में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है। मॉड्यूल में कुशन कवर, कपड़े के बैग, बेबी फ्रॉक, सलवार-कमीज और महिलाओं के ब्लाउज जैसे विभिन्न उत्पादों को मापना, चिह्नित करना, काटना और सिलाई करना शामिल है। 2023-24 में सिलाई पाठ्यक्रमों के तीन बैच आयोजित किए गए:

- 21 महिलाओं के लिए बासन गांव में 03 अप्रैल - 09 जून, 2023 के दौरान 10-सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।
- 30 महिलाओं के लिए चिलोदा गांव में 02 अक्टूबर - 01 दिसंबर, 2023 के दौरान 8-सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।
- जनवरी 08 - मार्च 01, 2024 के दौरान दाभोदा गांव में 37 महिलाओं के लिए 8-सप्ताह का कोर्स आयोजित किया गया था।

ब्यूटीशियन कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

एनईईवी के ब्यूटीशियन कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, गांवों के भीतर ही आयोजित किए जाते हैं, जो महिलाओं को सजने-संवरने, हेयर स्टाइल, मेकअप और मेहंदी की मूल बातें सीखने में सक्षम बनाते हैं। 2023-24 में ब्यूटीशियन कोर्स के तीन बैच आयोजित किए गए:

- 3 अप्रैल से 09 जून 2023 के दौरान पालज गांव में 32 महिलाओं के लिए 10 सप्ताह का कोर्स आयोजित किया गया।
- 16 महिलाओं के लिए चिलोदा गांव में 02 अक्टूबर - 01 दिसंबर, 2023 के दौरान 8-सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।
- 16 महिलाओं के लिए चिलोदा गांव में 02 अक्टूबर - 01 दिसंबर, 2023 के दौरान 8-सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।

कंप्यूटर कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

इस कोर्स का उद्देश्य गांव के युवाओं और महिलाओं में कंप्यूटर साक्षरता बढ़ाना है। प्रतिभागियों को बुनियादी कंप्यूटर संचालन, एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, एमएस पावरपॉइंट, नेटवर्क में लॉग इन करना, इंटरनेट का उपयोग, ईमेल की मूल बातें, खोज इंजन आदि सिखाया जाता है। 2023-24 में बुनियादी कंप्यूटर कौशल पाठ्यक्रमों के तीन बैच आयोजित किए गए:

- प्रत्येक बैच में क्रमशः 40 और 41 प्रतिभागियों के लिए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में 01 मई - 09 जून, 2023 के दौरान 6-सप्ताह के पाठ्यक्रम के दो बैच आयोजित किए गए।
- 26 प्रतिभागियों के लिए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में 02 अक्टूबर - 10 नवंबर, 2023 के दौरान 6 सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।

विशिष्ट कंप्यूटर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

- 30 प्रतिभागियों के लिए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में 17 जुलाई - 25 अगस्त, 2023 के दौरान 6 सप्ताह का डेटा-एंट्री और टाइपिंग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (डेटा एंट्री, अंग्रेजी और गुजराती टाइपिंग, एमएस एक्सेल, गूगल ड्राइव) आयोजित किया गया था।
- 11 प्रतिभागियों के लिए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में 24 जुलाई - 01 सितंबर, 2023 के दौरान 6 सप्ताह का वेबसाइट डिजाइनिंग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (शुरुआती स्तर का वर्डप्रेस, डोमेन बुकिंग, होस्टिंग सूचना) आयोजित किया गया था।
- 24 प्रतिभागियों के लिए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में 02 अक्टूबर - 10 नवंबर, 2023 के दौरान 6 सप्ताह का सोशल मीडिया ग्राफिक डिजाइनिंग कोर्स (शुरुआती स्तर ग्राफिक डिजाइन फंडामेंटल, कैनवा बेसिक, कैनवा का उपयोग करके प्रिंट और डिजिटल मीडिया डिजाइन, सोशल मीडिया मार्केटिंग कौशल) आयोजित किया गया था।
- 16 प्रतिभागियों के लिए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में 22 जनवरी-मार्च 01, 2023 के दौरान 6 सप्ताह का टैली कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (टैली सॉफ्टवेयर का उपयोग करके बुनियादी से मध्यवर्ती लेखांकन संचालन का परिचय) आयोजित किया गया था।
- 20 प्रतिभागियों के लिए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में 05 फरवरी - 01 मार्च, 2023 के दौरान 4 सप्ताह का कंप्यूटर हार्डवेयर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (हार्डवेयर घटक और पेरिफेरल उपकरणों का परिचय, ओएस फॉर्मेटिंग) आयोजित किया गया था।

व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को अपना उद्यम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करना है। चर्चा किए गए विषयों में विचार निर्माण, बाजार अनुसंधान, व्यापार अंकगणित, व्यापार योजना निर्माण, विपणन, प्रचार, बातचीत कौशल आदि शामिल हैं। 2023-24 में तीन कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

- 21 प्रतिभागियों के लिए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में 26 जून - 01 जुलाई 2023 के दौरान 1 सप्ताह की कार्यशाला आयोजित की गई।
- 31 प्रतिभागियों के लिए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में 28 अगस्त - 02 सितंबर, 2023 के दौरान 1 सप्ताह की कार्यशाला आयोजित की गई थी।
- भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में 36 प्रतिभागियों के लिए 18-23 दिसंबर, 2023 के दौरान 1 सप्ताह की कार्यशाला आयोजित की गई।

स्पोकन इंग्लिश प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

एनईईवी बुनियादी व्याकरण, उच्चारण, दैनिक जीवन में आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले शब्दों, आत्म-परिचय, व्यक्तिगत साक्षात्कार की तैयारी, वर्णनात्मक लेखन और बोलने, भूमिका-खेल और समूह चर्चा की मदद से मॉड्यूल के साथ स्पोकन इंग्लिश प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है। 2023-24 में इस कोर्स के तीन बैच आयोजित किए गए:

- 40 प्रतिभागियों के लिए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में 01 मई - 09 जून 2023 के दौरान 6 सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।
- 30 प्रतिभागियों के लिए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में 17 जुलाई - 25 अगस्त, 2023 के दौरान 6 सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।
- 12 प्रतिभागियों के लिए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में 22 जनवरी - 01 मार्च 2024 के दौरान 6 सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।

व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सेक्टर 15, गांधीनगर के 66 छात्रों के लिए 15 मई - 09 जून, 2023 के दौरान कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंग में 4-सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सेक्टर 15, गांधीनगर के 17 छात्रों के लिए 15 मई से 02 जून, 2023 के दौरान मैकेनिकल इंजीनियरिंग लैब, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के सहयोग से सीएनसी मशीनिंग में 3 सप्ताह का परिचयात्मक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।

लघु अवधि के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

- भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में 18 महिलाओं के लिए 10-14 जुलाई, 2023 के दौरान 1 सप्ताह की चॉकलेट और मोमबत्ती बनाने की कार्यशाला आयोजित की गई थी।
- 16 महिलाओं के लिए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में 24-28 जुलाई, 2023 के दौरान 1 सप्ताह की चॉकलेट और मोमबत्ती बनाने की कार्यशाला आयोजित की गई।

- 25 महिलाओं के लिए एनईईवी प्रशिक्षण कक्ष, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में 11 से 15 मार्च, 2024 के दौरान सिलाई कौशल (उत्पाद अवलोकन, बाजार लिकेज, लागत, मूल्य

निर्धारण) में प्रशिक्षकों का 5 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।

मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता

एनईईवी आसपास के समुदायों की महिलाओं के लिए मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्त्री रोग संबंधी जागरूकता सत्र आयोजित करता है। 2023-24 में भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में निम्नलिखित सत्र आयोजित किए गए:

- 28 जून, 2023 को 40 के लिए बासन और पालज की महिलाओं का एक सत्र
- 07 अगस्त 2023 को पलाज गांव में 23 महिलाओं के लिए एक सत्र
- 29 नवंबर 2023 को चिलोदा गांव में 42 महिलाओं के लिए एक सत्र
- 27 फरवरी 2024 को दाभोदा गांव में 55 महिलाओं के लिए एक सत्र

कैरियर विकास सत्र

एनईईवी प्रभावी बायोडाटा लिखने, साक्षात्कार की तैयारी के लिए टिप्स, नौकरी खोज वेबसाइट जैसे विषयों पर जागरूकता सत्र आयोजित करता है। निम्नलिखित सत्र 2023-24 में भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में आयोजित किए गए थे:

- कैरियर डेवलपमेंट सर्विसेज भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के सहयोग से 06 जून, 2023 को 86 प्रतिभागियों के लिए एक सत्र आयोजित किया गया था।
- कैरियर डेवलपमेंट सर्विसेज भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के सहयोग से 23 अगस्त 2023 को 66 प्रतिभागियों के लिए एक सत्र आयोजित किया गया था।
- 11 अक्टूबर, 2023 को 47 प्रतिभागियों के लिए एक सत्र आयोजित किया गया था
- 29 फरवरी, 2023 को 43 प्रतिभागियों के लिए एक सत्र आयोजित किया गया था

बैंकिंग और वित्तीय साक्षरता

एनईईवी परिचालन बैंक खातों, डिजिटल भुगतान और सरकारी कल्याण योजनाओं के बारे में सामान्य जागरूकता पैदा करने के लिए जागरूकता सत्र आयोजित करता है। इस सत्र के संचालन के लिए स्थानीय बैंकों के विशेषज्ञ सुविधाप्रदाताओं को आमंत्रित किया जाता है। निम्नलिखित सत्र 2023-24 में आयोजित किए गए थे:

- 25 मई, 2023 को 51 महिलाओं के लिए बसान और पलाज गांव में सत्र आयोजित किए गए।
- 07 अगस्त, 2023 को पलाज गांव में 23 महिलाओं के लिए एक सत्र आयोजित किया गया था।
- 27 अक्टूबर 2023 को चिलोदा में 55 महिलाओं के लिए एक सेमिनार आयोजित किया गया
- 22 फरवरी 2024 को दाभोदा में 56 महिलाओं के लिए एक सेमिनार आयोजित किया गया।

सिलाई आजीविका - बाजार संपर्क

एनईईवी ने सम्मेलनों और कार्यशालाओं के लिए बैग और स्टोल जैसे उत्पादों के लिए थोक ऑर्डर और ड्रेस, ब्लाउज, कुर्ता आदि जैसे परिधानों के लिए कस्टम ऑर्डर की सुविधा प्रदान की। विशेष रूप से, लगभग 18 महिलाओं ने 2023-24 के दौरान ऐसे ऑर्डर के माध्यम से सामूहिक रूप से लगभग 4.2 लाख रुपये कमाए हैं।

नीव टीम

सुश्री सौम्या हरीश प्रोग्राम मैनेजर-II हैं, और सुश्री रोशनी पटेल एनईईवी की प्रोग्राम एसोसिएट-I हैं। टीम के अन्य सदस्यों में सुश्री रितु सिंह, सुश्री ममता पारेख, श्री आदर्श चौहान, सुश्री लक्ष्मी ठाकोर, सुश्री लक्ष्मी वंजारा और श्री भरत ठाकोर शामिल हैं।





न्यासा: भा०प्रौ०सं० गांधीनगर की सामाजिक पहुंच के लिए प्रतिबद्धता

न्यासा भा०प्रौ०सं०गां० में एक छात्र-नेतृत्व वाली पहल है, जो हमारे आसपास के सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर समुदायों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए समर्पित है। प्रमुख पहलों में शामिल हैं - न्यासा स्कूल, जो प्रवासी श्रमिकों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करता है, अनुभवात्मक ग्रीष्मकालीन शिविर, वितरण अभियान, आस-पास के बासन और पालज प्राथमिक सरकारी स्कूलों के मुख्य विषयों की दक्षता बढ़ाने वाला आकांक्षा कार्यक्रम, भा०प्रौ०सं०गां० समुदाय के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करने वाला चेतना कार्यक्रम। और न्यासा किड्स, उम्मीद भा०प्रौ०सं०गां० के संविदा कर्मियों के लिए डिजिटल अंतर को पाट रहे हैं और हमारा प्रमुख कार्यक्रम, संजीवनी - आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने वाला स्वास्थ्य मेला है।

समर कैंप 2023

सरकारी प्राथमिक विद्यालय, पालज और भा०प्रौ०सं०गां० के निर्माण श्रमिकों की कॉलोनियों के 100 से अधिक बच्चों के लिए 25 मई से 3 जून, 2023 तक 10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजित किया गया था। शिविर में विभिन्न विषयों और सीखने के मॉड्यूल पर रोमांचक व्यावहारिक गतिविधियों की एक बहुतायत शामिल थी, जो बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ प्रेरित करती थीं, आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देती थीं, नेतृत्व कौशल विकसित करती थीं और एक यादगार अनुभव बनाती थीं। भा०प्रौ०सं०गां० के छात्रों, संकाय सदस्यों और समुदाय के सदस्यों सहित लगभग 35 सलाहकारों ने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए।

संजीवनी 2024

वार्षिक स्वास्थ्य शिविर, संजीवनी का 8वां संस्करण 4 फरवरी, 2024 को गांधीनगर के बोरिज गांव में हुआ। प्रारंभिक शिविर के दौरान, बुनियादी स्वास्थ्य जांच की गई और उपस्थित लोगों को



तुरंत दवाएं वितरित की गईं। इस पहल से 30 से अधिक स्वयंसेवकों और 9 विशिष्ट चिकित्सा पेशेवरों के सहयोग से समुदाय के 500 से अधिक व्यक्तियों को लाभ हुआ। स्वास्थ्य जांच के अलावा, कार्यक्रम में कैसर जागरूकता स्टॉल, बच्चों के खेल भी शामिल थे। प्रारंभिक शिविर के बाद, चल रहे उपचार की आवश्यकता वाली स्थितियों से पीड़ित व्यक्तियों के लिए एक अनुवर्ती जांच कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिन लोगों को अनुवर्ती देखभाल की आवश्यकता थी उन्हें आगे के चिकित्सा मूल्यांकन के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया।

उम्मीद कार्यक्रम

अक्टूबर-दिसंबर की अवधि के दौरान, न्यासा ने उम्मीद कार्यक्रम को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया, जो भा०प्रौ०सं०गां० में संविदा कर्मियों, विशेष रूप से सुरक्षा गार्डों सहित, के कौशल को बढ़ाने के लिए समर्पित था। उम्मीद पहल रणनीतिक रूप से हमारे अनुबंधित कर्मचारियों के बीच डिजिटल विभाजन को संबोधित करती है, आवश्यक कंप्यूटर कौशल और अंग्रेजी दक्षता में व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करती है।

न्यासा स्कूल

पूरे वर्ष, न्यासा मेट्रो श्रमिकों के बच्चों, भा०प्रौ०सं०गां० के निर्माण श्रमिकों सहित विभिन्न समूहों तक पहुंची। इन प्रयासों का उद्देश्य उनके बुनियादी साक्षरता कौशल को बढ़ाना और सीखने के प्रति प्रेम पैदा करना है। उनकी पढ़ाई जारी रखने के लिए उन्हें स्टेशनरी उपलब्ध कराई गई। हमने उनके साथ कई त्योहार मनाए, जिनमें स्वतंत्रता दिवस, शिक्षक दिवस, गणेश चतुर्थी, राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह, दिवाली, ओणम, सरस्वती पूजा, गणतंत्र दिवस, होली शामिल हैं, जिससे पूरे वर्ष समुदाय और खुशी के क्षण बने।

चेतना कार्यक्रम

इस वर्ष चेतना 6.0 दो चरणों में आयोजित किया गया था, प्रत्येक सेमेस्टर के दौरान एक, जो न्यासा स्कूल में बच्चों के साथ जुड़ने, संवाद करने और ज्ञान को समृद्ध करने के लिए भा०प्रौ०सं०गां० समुदाय के भीतर एक मंच के रूप में कार्य करता था। चंचल किंडरगार्टन से लेकर महत्वाकांक्षी माध्यमिक छात्रों तक, विभिन्न आयु समूहों को सेवा प्रदान की जाती है। कुछ पुस्तकालय सत्र और कई अन्य सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें दीया पेंटिंग सत्र, कला सत्र और नियमित ड्राइंग सत्र शामिल थे।

वितरण अभियान

न्यासा ने विभिन्न समूहों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से चार वितरण अभियान आयोजित किए, जिनमें भा०प्रौ०सं०गां० के निर्माण श्रमिक, परिसर के सामने रहने वाले मेट्रो कर्मचारी और हाउसकीपिंग, बागवानी, मेस, कपड़े धोने और सुरक्षा विभागों के कर्मचारियों को शामिल करने वाले संविदा कर्मचारी शामिल थे। वितरित वस्तुओं में पुरुषों के कपड़े, महिलाओं के कपड़े और बच्चों के कपड़े, सादे कपड़े, चादरें, तकिए, जूते, खिलौने, कंबल, बैग और महिलाओं के सामान शामिल थे।

पालज और बासन प्राथमिक सरकारी स्कूलों के साथ कार्यक्रम: इंटर भा०प्रौ०सं० स्पार्ट्स मीट के दौरान दौरा

न्यासा ने इंटर भा०प्रौ०सं० स्पार्ट्स मीट के दौरान कक्षा 6-8 के प्रत्येक बासन और पालज स्कूल के छात्र की एक दिवसीय यात्रा की व्यवस्था की। गहन स्ववैश मुकाबलों से लेकर रोमांचक फुटबॉल संघर्षों तक, हर मैच उनके चेहरे पर खुशी लेकर आया। रोमांच और अविस्मरणीय यादों से भरे दिन में, बच्चों ने आपसी बातचीत भी की और विभिन्न समूहों के साथ हार्दिक समय बिताया।

आकांक्षा कार्यक्रम

न्यासा ने अपनी शैक्षणिक परियोजना, आकांक्षा, को लगन से चलाया, जिसका लक्ष्य पालज और बासन सरकारी स्कूलों में गणित और गुजराती जैसे प्रमुख विषयों में बुनियादी कौशल में सुधार करना है। स्वयंसेवकों ने 4-5 छात्रों के छोटे समूहों के साथ समय बिताया, प्रत्येक स्कूल में सप्ताह में तीन बार घंटे-लंबे सत्र आयोजित किए। इस व्यक्तिगत स्पर्श ने छात्रों की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रभावी संचार और पाठों को अनुकूलित करने में मदद की, जिससे एक आदर्श शिक्षण माहौल तैयार हुआ। दिवाली के शुभ अवसर पर, न्यासा ने दोनों स्कूलों के सभी छात्रों और कर्मचारियों को चॉकलेट वितरित करके खुशी फैलाई, जिससे उनके शैक्षिक अनुभव में उत्सव का स्पर्श जुड़ गया।



गणेश चतुर्थी उत्सव

बासन के बच्चे भा०प्रौ०सं०गां० में गणेश उत्सव समारोह में शामिल हुए और विभिन्न गतिविधियों का आनंद लिया। उन्होंने भगवान गणेश के चित्र बनाए, चंद्रयान 2 की थीम से प्रेरित हुए और भागीदारी के लिए स्टेशनरी किट प्राप्त की। इस आयोजन में संस्कृति, रचनात्मकता और शिक्षा का मिश्रण हुआ, जिससे इसमें शामिल सभी लोगों पर एक अमिट छाप पड़ी।

वन्य जीव सप्ताह समारोह

पालज सरकारी स्कूल के छात्रों ने 4-8 अक्टूबर, 2023 तक केपीसीएसडी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह के दौरान कई कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने वन्यजीव वृत्तचित्र स्क्रीनिंग, इंटरैक्टिव क्विज़, सीसीएल सत्र और सेवन बैड बर्ड्स टीम द्वारा जंगली प्रजातियों की प्रदर्शनियों का आनंद लिया। न्यासा ने "नेचर फेस्ट" कार्यक्रम को संभाला, जिसमें हमारे कैंपस और न्यासा स्कूल के बच्चों ने एक शानदार फैसी ड्रेस शो के साथ जंगल को जीवंत कर दिया, अपने पसंदीदा जानवरों का रूप धारण किया और उनकी नकल की।

तारे जमीन पर

न्यासा ने खगोल विज्ञान क्लब ओडिसी के सहयोग से बासन सरकारी स्कूल के छात्रों के लिए एक सितारा-दर्शन सत्र का आयोजन किया। 20 मार्च, 2024 को, छात्रों ने बृहस्पति और चंद्रमा का निरीक्षण करने के लिए एक मैनुअल रिफ्लेक्टर टेलीस्कोप का उपयोग किया, जबकि ईवीस्कोप 2 डिजिटल टेलीस्कोप के माध्यम से ओरियन के नेबुला के दृश्यों का भी आनंद लिया। ओडिसी टीम ने ब्रह्मांड, लेजर और दूरबीनों के बारे में बच्चों की जिज्ञासा को संतुष्ट किया।

कार्यक्रम और गतिविधियां

संस्थान की प्रमुख उपलब्धियां



संस्थान की प्रमुख उपलब्धियां चरण 1बी आधारभूत संरचना का समर्पण और चरण 2ए का शिलान्यास

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दिनांक 20 फरवरी, 2024 को चरण 1बी आधारभूत संरचना को समर्पित किया और संस्थान के चरण 2ए निर्माण के लिए आईआईटी गांधीनगर के छात्रावास और कर्मचारी आवास की आधारशिला रखी। आईआईटी गांधीनगर में आयोजित इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत थे। आईआईटी गांधीनगर के नए शैक्षणिक भवनों में संस्थान का पुस्तकालय, छात्रों हेतु अनेक अध्ययन कक्ष (क्लास रूम) प्रयोगशालाएँ, संकाय कक्ष और मेकर स्पेस (वह स्थान जहां विद्यार्थियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है) शामिल हैं। चरण 1बी परियोजना के तहत एक जल मंडप और 4 लॉन टेनिस कोर्ट का भी निर्माण किया गया है।

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के साथ आभासी (वर्चुअल) बातचीत

आईआईटी गांधीनगर के छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने 13 मार्च, 2024 को माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आभासी (वर्चुअल) बातचीत में भाग लिया। प्रधानमंत्री जी का संबोधन भारत के अर्धचालक मिशन पर आधारित था। कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने गुजरात और असम में स्थित तीन अर्धचालक परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। आईआईटी गांधीनगर से इस कार्यक्रम में गांधीनगर और अहमदाबाद के 500 से अधिक छात्रों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और स्कूली छात्रों ने भाग लिया।

श्री संजीव पुरी, अध्यक्ष, बीओजी के रूप में नियुक्त

भारत के अग्रणी समूह आईटीसी लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री संजीव पुरी को आईआईटी गांधीनगर के गवर्नर बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति को भारत के राष्ट्रपति द्वारा 25 अगस्त 2023 से तीन साल की अवधि के लिए अनुमोदित किया गया है। आईआईटी,



कानपुर और व्हार्टन स्कूल ऑफ बिजनेस, संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व छात्र श्री पुरी ने अपने करियर के दौरान आईटीसी और उसकी सहायक कंपनियों में तीन दशकों से अधिक समय तक कई व्यावसायिक प्रमुख पदों पर कार्य किया है। वर्तमान में, वह सीआईआई के नामित अध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर रहे हैं।



प्रो. विमल मिश्रा को शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार-2022

प्रो. विमल मिश्रा, प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग को भारत का सर्वोच्च विज्ञान पुरस्कार - वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), भारत द्वारा भारत में हाइड्रोलॉजिक चरम सीमाओं और जल संसाधनों पर मानवजनित और प्राकृतिक कारकों की भूमिका की जांच करने में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार-2022 प्रदान किया गया है। प्रो. मिश्रा इस वर्ष पृथ्वी, वायुमंडल, महासागर और ग्रहीय विज्ञान श्रेणी में एकमात्र पुरस्कार विजेता हैं।



प्रो. इंद्रनाथ सेनगुप्ता को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2023

प्रोफेसर इंद्रनाथ सेनगुप्ता, प्रोफेसर, गणित को उच्च शिक्षा में उनके समर्पण और योगदान और अपने छात्रों के जीवन को समृद्ध करने के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2023 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उन्हें भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने दिनांक 5 सितंबर 2023 को प्रदान किया था।



डीकिन विश्वविद्यालय के साथ सहयोग

आईआईटी गांधीनगर और डीकिन विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया ने शैक्षिक एवं अनुसंधान सहयोग हेतु दिनांक 6 नवंबर, 2023 को परस्पर हाथ मिलाया है। दोनों देशों के शिक्षा मंत्रियों के बीच भारत-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय बैठक के दौरान माननीय जैसन क्लेयर एमपी, शिक्षा मंत्री, ऑस्ट्रेलिया सरकार और श्री धर्मेन्द्र प्रधान, शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री, भारत सरकार की उपस्थिति में प्रो आईएन मार्टिन, कुलपति, डीकिन विश्वविद्यालय और प्रो रजत मूना, निदेशक, आईआईटी गांधीनगर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस नई साझेदारी से अनुसंधान, शिक्षण और शिक्षा के लिए दोनों संस्थानों के बीच छात्र, संकाय, कर्मचारियों और ज्ञान के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान की जाएगी।

आईआईटी गांधीनगर के 20 पीएचडी विद्वानों को पीएमआरएफ से सम्मानित किया गया

आईआईटी गांधीनगर के 20 पीएचडी विद्वानों को 11वें चक्र में प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री अनुसंधान फेलोशिप (पीएमआरएफ) प्राप्त हुई है, जिससे संस्थान में कुल पीएमआरएफ विद्वानों की संख्या 67 हो गई है। प्रतिस्पर्धी फेलोशिप संस्थान में इन पुरस्कृत लोगों द्वारा किए जा रहे प्रभावी अनुसंधान को महत्वपूर्ण वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा।

संस्थान सहयोगी पुरस्कार

पहली बार, आईआईटी गांधीनगर ने 29 जुलाई, 2023 को संस्थान के 12वें दीक्षांत समारोह के दौरान आईआईटी गांधीनगर के विकास और विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के सम्मान हेतु श्री कुशल सचेती, सीरियल उद्यमी, निवेशक और परोपकारी को संस्थान सहयोगी पुरस्कार और कई प्रौद्योगिकी कंपनियों के संस्थापक और संयुक्त राज्य अमेरिका में आईआईटी गांधीनगर फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष श्री राजेश (राज) मश्रुवाला को संस्थान सहयोगी पुरस्कार की घोषणा और प्रदान किया है। सुश्री पूनम सचेती और श्री पीयूष शाह को क्रमशः श्री सचेती और श्री मश्रुवाला की ओर से पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

आईआईटी गांधीनगर में टोकियो गवर्नर

टोक्यो के गवर्नर सुश्री कोइके यूरिको ने जापान के अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ 8 जुलाई 2023 को आईआईटी गांधीनगर का दौरा किया और संस्थान के नेतृत्व में बैठक की। बैठक के बाद, सुश्री कोइके यूरिको और प्रतिनिधिमंडल ने आईआईटीसी द्वारा समर्थित कुछ डीप टेक स्टार्टअप के साथ भी बातचीत की और आईआईटी गांधीनगर में निर्माता भवन - एक विश्व स्तरीय निर्माता स्थान और सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग (सीसीएल) का दौरा किया।

छात्रों के मानसिक विकास पर कार्यशाला

आईआईटी गांधीनगर ने दिनांक 4-5 मार्च 2024 को 'आवासीय कार्यक्रमों में छात्रों के कल्याण हेतु बिल्डिंग स्केलेबल सिस्टम' शीर्षक से छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य पर दो दिवसीय कार्यशाला की मेजबानी की। इस कार्यशाला का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों की शीघ्र पहचान, प्रभावी रणनीतियों और छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक कल्याण को प्राथमिकता देने वाले सहायक वातावरण को बढ़ावा देने की सर्वोत्तम प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए मजबूत प्रणाली बनाना है। कार्यशाला में प्रमुख विशेषज्ञों, मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों, मनोवैज्ञानिकों, मनोचिकित्सकों, न्यूरोलॉजिस्ट और शिक्षाविदों ने भाग लिया।

दो नए यूजी कार्यक्रम

संस्थान ने शैक्षणिक वर्ष 2023-24 से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में बीटेक और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक-एमटेक दोहरी डिग्री के दो नए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं, जिसमें आईआईटी गांधीनगर में स्नातक कार्यक्रमों में लगभग 80 नई सीटें शामिल हैं। एआई में बीटेक की शुरुआत के साथ, संस्थान छात्रों को ऐसी प्रणालियां बनाने में सक्षम बनाएगा, जो महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों के समाधान हेतु डेटा संग्रह और गणना का उपयोग करें। सांख्यिकीय और कम्प्यूटेशनल तकनीकों के साथ, यह कार्यक्रम एआई के जिम्मेदार उपयोग के साथ-साथ अंतःविषय डोमेन ज्ञान के विकास पर जोर देता है।

दो नई प्रयोगशालाओं का उद्घाटन

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में हमारे उन्नत अनुसंधान बुनियादी ढांचे का विस्तार करते हुए, संस्थान ने 28 अप्रैल 2023 को अपने परिसर में दो अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का उद्घाटन किया। आईआईटी गांधीनगर के एक अत्यंत सौम्य एवं उदार

समर्थक, स्वर्गीय श्री गोरधनभाई बी गेलोट की पत्नी श्रीमती सरिता जी गेलोट ने अपने परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में 'गोरधनभाई बी गेलोट लेबोरेटरी फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस' और 'सरिता जी जेलोट लेबोरेटरी' का उद्घाटन किया।

11वीं शैक्षणिक सलाहकार परिषद की बैठक

8 जनवरी, 2024 को आईआईटी गांधीनगर की 11वीं अकादमिक सलाहकार परिषद (एएसी) में आने वाले वर्षों में संस्थान के विकास के लिए कुछ सबसे महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा और अपनी विशेषज्ञता साझा करने के लिए भारत और विदेशों के लगभग 20 प्रतिष्ठित शिक्षाविद और आईआईटी गांधीनगर के कई संकाय सदस्य एक साथ आए हैं। परिषद के सदस्यों ने संकाय मूल्यांकन और विकास पर विचार-विमर्श किया, छात्र कल्याण को बढ़ावा दिया, समग्र कर्मचारी विकास, नए शैक्षणिक कार्यक्रम और पहल को बढ़ावा दिया, और उद्योग-अकादमिक साझेदारी को बढ़ावा दिया।

12वीं लीडरशिप कॉन्क्लेव मीटिंग

गतिशील चर्चा और अंतर्दृष्टि ने 9 जनवरी, 2024 को आयोजित आईआईटी गांधीनगर के 12 वें नेतृत्व सम्मेलन (एलसी) को चिह्नित किया। इस प्रतिष्ठित वार्षिक कार्यक्रम में लगभग 40 प्रख्यात विचारकों, उद्योग के दिग्गजों, शिक्षाविदों, उद्यम पूंजीपतियों और भारत और विदेश के स्टार्टअप सलाहकारों ने विचार मंथन के लिए मेजबानी की और संस्थान के दूरगामी विकास और विस्तार के लिए रणनीतिक कार्रवाइयों की सिफारिश की। कुछ फोकस क्षेत्रों में शिक्षाविदों के लिए नेतृत्व बनाना, सरकार के साथ निरंतर जुड़ाव और उद्योग-अकादमिक भागीदारी को बढ़ावा देना शामिल था।



आईआईटी गांधीनगर में जापानी प्रतिनिधिमंडल

विभिन्न जापानी संगठनों के एक विशेष प्रतिनिधिमंडल ने उद्योग अनुसंधान सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने और संस्थान में नवाचार से संबंधित सर्वोत्तम प्रक्रिया को समझने के लिए 12 जनवरी, 2024 को आईआईटी गांधीनगर का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने अन्य सदस्यों के साथ प्रो. रजत मूना, निदेशक, आईआईटी गांधीनगर के साथ मुलाकात की और आकर्षक चर्चा की। यात्रा का समन्वय करियर विकास सेवा आईआईटी गांधीनगर द्वारा जापानी कंपनियों के साथ इंटरशिप और प्लेसमेंट के लिए संभावित सहयोग के लिए किया गया था।



सिंगापुर-भारत हैकाथॉन 2023

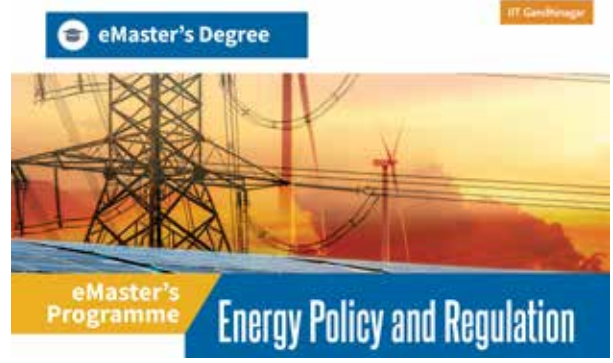
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के साथ आईआईटी गांधीनगर ने 14-16 जुलाई 2023 से सिंगापुर-भारत हैकाथॉन 2023 के तीसरे संस्करण की मेजबानी की। “फिनटेक, स्थिरता और ईएसजी” विषय के आसपास वास्तविक दुनिया की वैश्विक समस्याओं के समाधान हेतु 36 घंटे लंबे हैकाथॉन के लिए भारतीय और सिंगापुर के छात्रों के साथ कुल 12 छात्र टीमों ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया। इसके अलावा, 24 वैश्विक स्टार्टअप्स ने एक प्रतिष्ठित जूरी पैनल के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत किए। अंतिम पुरस्कार समारोह 16 जुलाई को हुआ, जिसमें श्री धर्मेन्द्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री तथा श्री लॉरेंस वॉंग, उप प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री, सिंगापुर ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

स्मार्ट परिवहन पर हैकाथॉन

आई आई टी गांधीनगर ने न्यू एनर्जी एंड इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (एनईडीओ), जापान के सहयोग से 10-12 मार्च, 2024 को आईआईटी गांधीनगर रिसर्च पार्क में स्मार्ट ट्रांसपोर्टेशन पर ‘हैक द फ्यूचर 2024’ नामक हैकाथॉन का आयोजन किया। हैकाथॉन का उद्देश्य स्मार्ट, सुरक्षित और अत्यधिक सुरक्षित भविष्य के लिए परिवहन और यात्रा में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले समाधानों की कल्पना और उनका प्रस्ताव करना था। हैकाथॉन में देश भर के उच्च शिक्षा संस्थानों के 50 छात्रों ने भाग लिया। 36 घंटे तक चलने वाले इस कार्यक्रम में भारत में परिवहन परिदृश्य में नवाचार और प्रभावशाली बदलाव लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

ऊर्जा नीति और विनियमन में ई-मास्टर

ऊर्जा क्षेत्र की उभरती मांगों के अनुसार कौशल विकास को पूरा करने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए, आई आई टी गांधीनगर ने 10 सितंबर, 2023 को “ऊर्जा नीति और विनियमन” (ईपीआर)



में कार्यरत पेशेवरों के लिए अपना पहला ई-मास्टर डिग्री कार्यक्रम शुरू किया। कार्यक्रम का पहला बैच जनवरी 2024 से शुरू होगा। दो साल के कार्यक्रम को लचीली, कार्यकारी-अनुकूल संरचना के साथ डिज़ाइन किया गया है, ताकि नामांकित उम्मीदवारों को अपनी कार्य प्रतिबद्धताओं को एक साथ समायोजित करने में सक्षम बनाया जा सके।

स्थापना दिवस समारोह

आईआईटी गांधीनगर ने अपनी नींव के 15 गौरवशाली वर्ष और अकादमिक नवाचारों, उल्लेखनीय उपलब्धियों की एक असाधारण यात्रा और 5 अगस्त, 2023 को एक जीवंत हरित परिसर का निर्माण किया। स्थापना दिवस समारोह में सुश्री रीता टीओटिया, आईएएस (आरटीडी) और पूर्व अध्यक्ष, एफएसएसएआई मुख्य अतिथि थे। इस कार्यक्रम में आई आई टी गांधीनगर के निर्माण और पोषण की यात्रा को इसके सभी दूरदर्शी और हितधारकों द्वारा दर्शाया गया, जिन्होंने इसे “एक अभियान से अब एक अनुभव” में बदलने में योगदान दिया है। इस कार्यक्रम में एक प्रदर्शनी गैलरी भी शामिल थी, पिछले 15 वर्षों में संस्थान के विकास पर एक कैलेंडर का अनावरण, और छात्रों के साथ-साथ संकाय और कर्मचारियों के सदस्यों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रदर्शन भी शामिल थे।

छात्राओं के लिए विज्ञान शिविर

आईआईटी गांधीनगर ने 8-9 जनवरी, 2024 को गुजरात क्षेत्र के जवाहर नवोदय विद्यालयों (जेएनवी) की 91 छात्राओं के लिए दो दिवसीय आवासीय विज्ञान शिविर का आयोजन किया। यह कार्यक्रम डीएसटी-विज्ञान ज्योति पहल के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य छात्रों के प्रयोगात्मक, महत्वपूर्ण सोच और समस्या-समाधान कौशल को विकसित करना और उन्हें विज्ञान में उनकी जिज्ञासा और रचनात्मकता को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना था।

गणतंत्र दिवस समारोह

आईआईटी गांधीनगर समुदाय ने 26 जनवरी, 2024 को भारत का 75वां गणतंत्र दिवस बड़े ही देशभक्तिपूर्ण उत्साह के साथ मनाया। संस्थान ने आईआईटी गांधीनगर इन न्यूज नामक पुस्तक का विमोचन किया, जिसमें 2023 के दौरान मीडिया घरानों द्वारा कवर किए गए संस्थान के बारे में सभी महत्वपूर्ण समाचारों का संकलन है। संकाय और कर्मचारियों को संस्थान उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए गए।

महत्वपूर्ण गतिविधियां

इन्वेंशन फेक्ट्री इंडिया 2023

आई आई टी गांधीनगर ने 29 मई से 14 जुलाई, 2023 तक इन्वेंशन फेक्ट्री इंडिया के चौथे संस्करण की मेजबानी की, जो आविष्कार के क्षेत्र में अपनी तरह का गहन ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम है। इस वर्ष के संस्करण में 16 आईआईटी और चार एनआईटी के 20 छात्रों ने भाग लिया, जिन्होंने विभिन्न सामाजिक और उपभोक्ता आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दस यूनिक आविष्कारों की कल्पना, प्रोटोटाइप और प्रस्तुति के लिए छह सप्ताह तक दो-दो की टीमों में काम किया। प्रत्येक टीम ने अपने आविष्कारों के लिए भारतीय अनंतिम पेटेंट आवेदन भी किए हैं, जो यूएसए में अनंतिम पेटेंट आवेदन दाखिल किए जाएंगे। आई आई टी गांधीनगर के प्रोफेसर मधु वडाली, तान्या श्रीवास्तव और तरुण अग्रवाल द्वारा टीम को प्रत्यक्ष रूप से मार्गदर्शन किया गया।

आई आई टी गांधीनगर-दक्षणा नेतृत्व कार्यक्रम

संस्थान ने 7-30 जून, 2023 के दौरान 16 भारतीय राज्यों के ग्रामीण और साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले लगभग 70 आईआईटी और इंजीनियरिंग के इच्छुक छात्रों के लिए आई आई टी गांधीनगर-दक्षणा नेतृत्व कार्यक्रम का दूसरा संस्करण आयोजित किया। इस कार्यक्रम को श्री रुइयंतन (रॉन) मेहता और मेकर भवन फाउंडेशन द्वारा सहायता किया गया था और छात्रों को नेतृत्व, आलोचनात्मक सोच और संचार कौशल में प्रशिक्षित करने हेतु फाउंडेशन फॉर एक्सीलेंस, दक्षणा फाउंडेशन और कॉम्पिटिटिव माइंडसेट इंस्टीट्यूट की टीमों को भी एक साथ लाया गया था, ताकि उन्हें अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने में सहायता मिल सके। इस कार्यक्रम का समन्वयन प्रोफेसर जैसन मंजली ने किया।

जी-20 इग्नाइट मेला

आई आई टी गांधीनगर ने 15 अप्रैल, 2023 को कक्षा 10 से 12 तक के स्कूली छात्रों के लिए एक विशिष्ट रूप से डिज़ाइन किए गए विज्ञान और प्रौद्योगिकी मेला 'जी20-इग्नाइट' का आयोजन किया। सैकड़ों स्कूली छात्रों ने अपने माता-पिता, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) से जुड़ने और आई आई टी गांधीनगर की अनूठी शोध परियोजनाओं का अनुभव करने के लिए मेले का दौरा किए और इसमें भाग लिए। पूरे दिन चलने वाला यह मेला कई रोमांचक गतिविधियों, व्यावहारिक प्रशिक्षण मॉड्यूल, इंटरैक्टिव शोकेस और प्रदर्शनियों और इमर्सिव वर्कशॉप और प्रतियोगिताओं से भरा हुआ था।

जेईई ओपन हाउस

आई आई टी गांधीनगर ने 21 जून, 2023 को आई आई टी गांधीनगर के इच्छुक छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए एक वर्चुअल जेईई ओपन हाउस की मेजबानी की, ताकि आई आई टी गांधीनगर के संकाय, छात्रों और पूर्व छात्रों के साथ सीधे बातचीत के माध्यम से उनकी जिज्ञासा और शंकाओं का समाधान किया जा सके। इस लाइव कार्यक्रम में निदेशक, शैक्षणिक मामलों के डीन, छात्र मामलों के डीन, परामर्श सेवाओं के प्रमुख, कैरियर विकास सेवाओं के प्रमुख और आई आई टी गांधीनगर के छात्रों और पूर्व छात्रों के साथ संवाद आधारित सत्र थे। पूरे देश से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने इन सत्रों में भाग लिया। 25 जून, 2023 को संस्थान ने आई आई टी गांधीनगर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बीटेक और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग कार्यक्रमों में बीटेक पर एक

विशेष ऑनलाइन जेईई ओपन हाउस सत्र की भी मेजबानी की।



वी एस लक्ष्मण ने आईआईटी गांधीनगर के छात्रों से मुलाकात की

31 मई, 2023 को पूर्व भारतीय क्रिकेटर और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के निदेशक वीवीएस लक्ष्मण ने आई आई टी गांधीनगर के उन छात्रों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की, जिन्हें उनके द्वारा स्थापित छात्रवृत्तियां दी गई थीं। उन्होंने छात्रों को कड़ी मेहनत करने और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। क्रिकेट के दिग्गज से मिलने वाले छात्र साधारण पृष्ठभूमि से हैं और आई आई टी गांधीनगर में 'सत्यराम छात्रवृत्ति' और एनजीओ युवा अनस्टॉपेबल के माध्यम से 'युवा छात्रवृत्ति' के प्राप्तकर्ता हैं।

युवा संगम

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के तहत छात्र विनिमय कार्यक्रम 'युवा संगम' के लिए गुजरात में एक नोडल संस्थान के रूप में, आई आई टी गांधीनगर को असम के छात्रों और ऑफ-कैंपस युवाओं के दो समूहों के लिए एक्सपोजर विजिट की मेजबानी और सुविधा प्रदान करने का सौभाग्य मिला। पहले चरण में, असम के कुल 18 छात्रों और ऑफ-कैंपस युवाओं ने 24 फरवरी से 2 मार्च, 2023 के बीच गुजरात का दौरा किया और गुजरात के 53 छात्रों और ऑफ-कैंपस युवाओं ने कला, संस्कृति, जीवन और स्थलों के विभिन्न पहलुओं का व्यापक अनुभव प्राप्त करने और इन राज्यों के युवाओं से जुड़ने के लिए असम का दौरा किया। 29 मार्च से 3 अप्रैल, 2023 तक चलने वाले कार्यक्रम के दूसरे संस्करण में, असम के 29 छात्रों और ऑफ-कैंपस युवाओं ने पोरबंदर जिले के प्रसिद्ध माधवपुर घेड मेले सहित गुजरात के विभिन्न स्थानों का दौरा किया।

स्मार्ट विनिर्माण अनुसंधान सम्मेलन

आईआईटी गांधीनगर ने नैसकॉम सीओई-आईओटी के साथ मिलकर 27-28 अप्रैल 2023 को 'स्मार्ट मैनुफैक्चरिंग रिसर्च कॉन्क्लेव' की मेजबानी की। स्मार्ट मैनुफैक्चरिंग में नवीनतम रुझानों पर दो दिवसीय सम्मेलन ने विनिर्माण क्षेत्र में उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकियों के सफल कार्यान्वयन के लिए चर्चा, अन्वेषण और रणनीतियों को विकसित करने के लिए शिक्षाविदों, अनुसंधान और उद्योग के उज्वल दिमाग को एक साथ लाया। इस कार्यक्रम का समन्वय प्रो. मधु वडाली ने किया।

मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नामित नोडल एजेंसी के रूप में, आईआईटी गांधीनगर ने 9-10 जून, 2023 को पश्चिमी क्षेत्र के सभी संस्थानों / विश्वविद्यालयों के लिए 'मानसिक कल्याण और तनाव प्रबंधन' पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में कई संस्थानों के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विभिन्न विषयों के छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का समन्वय प्रो. भास्कर दत्ता ने किया।

पुस्तक विज्ञप्ति- 'पारिस्थितिक संगतियां'

विश्व पृथ्वी दिवस से पहले, आईआईटी गांधीनगर ने 13 अप्रैल 2023 को 'पारिस्थितिक समस्या: प्रभाव, अवतार और देखभाल की नैतिकता' नामक पुस्तक का विमोचन किया। प्रोफेसर अंबिका ऐयदुरै, अर्का चट्टोपाध्याय और निशांत चोक्सी, आईआईटी गांधीनगर में मानविकी और सामाजिक विज्ञान के संकाय सदस्यों द्वारा संपादित पुस्तक को आईआईटी गांधीनगर के निदेशक प्रो. रजत मूना द्वारा जारी किया गया था। ओरिएंट ब्लैकस्वान द्वारा प्रकाशित पुस्तक पारिस्थितिकी के सामाजिक, भौतिक और सांस्कृतिक आयामों को एकीकृत करने वाले ढांचे को तैयार कर पारिस्थितिक संकट को दूर करने के नए तरीकों का आह्वान करती है।

न्यास और नीव की ग्रीष्मकालीन गतिविधियाँ

सैकड़ों वंचित बच्चों, महिलाओं और युवाओं के जीवन में रोशनी फैलाने के लिए, आई आई टी गांधीनगर के दो सामाजिक आउटरीच कार्यक्रमों, न्यासा और नीव ने कुछ सबसे शानदार और उपयोगी ग्रीष्मकालीन गतिविधियाँ आयोजित कीं, ताकि उन्हें अपनी छिपी हुई क्षमता को खोजने में सहायता मिल सके। न्यासा ने 25 मई से 3 जून, 2023 तक आई आई टी गांधीनगर के पड़ोसी गाँवों और विनिर्माण श्रमिकों की बस्तियों के 100 से अधिक बच्चों के लिए 10-दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का सफलतापूर्वक समापन किया। देसाई फाउंडेशन ट्रस्ट के सहयोग से नीव ने एक बार फिर 257 ग्रामीण महिलाओं और युवाओं के लिए अप्रैल से जून 2023 तक छः कौशल विकास ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

डॉ. शेखर मंडे के साथ टाउन हॉल

आई आई टी गांधीनगर ने एआईसीटीई के साथ साझेदारी में, 11 सितंबर, 2023 को आई आई टी गांधीनगर के प्रतिष्ठित मानद प्रोफेसर और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) के पूर्व सचिव और सीएसआईआर, भारत सरकार के महानिदेशक डॉ. शेखर सी मांडे के साथ "हाल के समय में विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एसएंडटी) की उपलब्धियाँ" विषय पर टाउन हॉल का आयोजन किया। यह वार्ता "अमृत काल विमर्श विकसित भारत @2047" श्रृंखला के तहत आयोजित की गई थी।

सिंपली स्पीकिंग

लीडरशिप डेवलपमेंट इनिशिएटिव (एलडीआई), आई आई टी गांधीनगर ने 16 अप्रैल, 2023 को अपने प्रमुख कार्यक्रम, "सिंपली स्पीकिंग" के दूसरे संस्करण की मेजबानी की। ग्रैंड फिनाले में विभिन्न विषयों के कुल 25 छात्रों ने भाग लिया, जिन्होंने आम लोगों के लिए अपने शोध कार्य को सरल बनाने में अपने कौशल का प्रदर्शन किया और इसे "3 मिनट-3 स्लाइड" प्रारूप में प्रस्तुत किया।

धर्मार्थ पूर्व छात्रों का योगदान

अपने अल्मा मैटर को उल्लेखनीय समर्थन देते हुए, आईआईटी गांधीनगर के 50.7% पूर्व छात्रों ने वित्तीय वर्ष (वित्तीय) 2023-2024 के दौरान संस्थान को कुल 72 लाख रुपये का वित्तीय योगदान दिया है। यह लगातार पाँचवाँ वर्ष है, जब आईआईटी गांधीनगर ने पूर्व छात्रों के दान में 50% का आंकड़ा पार किया है। उल्लेखनीय रूप से, संस्थान की स्थापना के बाद से, सभी आईआईटी गांधीनगर के पूर्व छात्रों में से 83% ने कम से कम एक बार दान दिया है।

विशेष दिनों का उत्सव

आईआईटी गांधीनगर के छात्रों, कर्मचारियों और निवासियों ने 13 और 14 अप्रैल 2023 को डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर की 132वीं जयंती मनाई। दो दिवसीय कार्यक्रम में महान नेता के जीवन और विरासत को उजागर करने वाली विभिन्न गतिविधियाँ और प्रदर्शन शामिल थे। आईआईटी गांधीनगर में ग्रीन क्लब ने 21-22 अप्रैल 2023 को परिसर और आसपास के गांवों में कई कार्यक्रमों और पहलों का आयोजन कर विश्व पृथ्वी दिवस के रूप में चिह्नित किया, जिसमें प्राथमिक स्कूलों में रैली, जागरूकता सत्र, परिसर में वृक्षारोपण और प्लॉगिंग ड्राइव और बच्चों के लिए पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता शामिल है। संस्थान समुदाय ने 5 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस भी मनाया और बड़े उत्साह के साथ परिसर में लगभग 350 पेड़ लगाए। आईआईटी गांधीनगर ने परिसर में रक्तदान शिविर आयोजित कर 14 जून, 2023 को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया। नौवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2023 को मनाया गया, जिसमें इसके कई लाभों के लिए योग के अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए कई गतिविधियों के साथ मनाया गया। संस्थान के शारीरिक शिक्षा अनुभाग ने भी 23 मई 2023 से योग सत्रों और चुनौतियों की एक श्रृंखला के साथ 9 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए 30 दिन की गिनती का आयोजन किया।



मेस स्टाफ के लिए खाना बनाना

संस्थान के समुदाय को प्रतिदिन भोजन कराने वाले मेस कर्मचारियों के प्रति आभार प्रकट करने के लिए, आई आई टी गांधीनगर के छात्र मामले कार्यालय ने 23 अप्रैल, 2023 को आई आई टी गांधीनगर के तीनों भोजनालयों के लगभग सौ मेस कर्मचारियों के लिए भोजन पकाने और परोसने की पहल की। इस टीम में लगभग दस छात्र और 20 कर्मचारी और संकाय सदस्य शामिल थे, जिनमें आई आई टी गांधीनगर के निदेशक प्रोफेसर रजत मूना, उनकी पत्नी श्रीमती रजनी मूना और छात्र मामले की डीन प्रोफेसर शिवप्रिया किरुबाकरण शामिल थे।



स्थापना कार्यक्रम 2023

इस वर्ष 20 भारतीय राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश से कुल 368 छात्र आईआईटी गांधीनगर में बीटेक और बीटेक-एमटेक के दोहरी डिग्री कार्यक्रमों में शामिल हुए हैं। यूआईडीएआई की उप महानिदेशक श्रीमती एनी जॉयस ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ाई। संस्थान ने 1 से 25 अगस्त, 2023 तक अपने प्रमुख फाउंडेशन प्रोग्राम (एफपी) के साथ छात्रों के आने वाले बैच का स्वागत किया, जिसे कई रोमांचक गतिविधियों के माध्यम से उन्हें पूर्ण व्यक्तित्व में ढालने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एफपी 2023 का समन्वय एलडीआई से प्रोफेसर अभिनय संपत, बी प्रसन्ना वेंकटेश, हरमीत सिंह, सुशोभन सेन, क्रिस्टा खियांगटे और अनुपमा प्रदीपन और सुष्मिता बागची ने किया।

आरोहण 2023

आई आई टी गांधीनगर ने 17-28 जुलाई, 2023 तक संस्थान के एमएससी, एमटेक, एमए और पीएचडी छात्रों के लिए फाउंडेशन प्रोग्राम आरोहण 2023 का आयोजन किया। इस वर्ष, कुल 402 छात्रों ने इस दो सप्ताह के गहन कार्यक्रम में भाग लिया और विभिन्न रोमांचक कार्यक्रमों और गतिविधियों में खुद को शामिल किया। कार्यक्रम का समन्वयन एलडीआई के प्रोफेसर बिस्वजीत साहा, सौम्यदीप सेठ और अनुपमा प्रदीपन और सुष्मिता बागची ने किया।

प्रो अशोक सेन का व्याख्यान

आईआईटी ने 29 सितंबर, 2023 को पद्म भूषण से सम्मानित प्रतिष्ठित सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी प्रोफेसर अशोक सेन की मेज़बानी की। उन्होंने “गुरुत्वाकर्षण तरंगों पर कुछ अवलोकन” विषय पर व्याख्यान दिया। प्रोफेसर सेन को स्ट्रिंग थ्योरी, क्वांटम फ़िल्ड थ्योरी और ब्लैक होल भौतिकी में उनके अग्रणी योगदान के लिए जाना जाता है।

लक्षद्वीप नॉलेज समिट

आई आई टी गांधीनगर ने हैबिटैट्स ट्रस्ट और नेचर कंजर्वेशन फाउंडेशन (एनसीएफ) के सहयोग से 3-6 दिसंबर, 2023 को

पहला लक्षद्वीप नॉलेज समिट आयोजित किया। यह लक्षद्वीप के लिए अपनी तरह का पहला बहु-विषयक कार्यक्रम था, जिसमें 14 संगठनों के विभिन्न शोधकर्ताओं के साथ-साथ द्वीपों के स्थानीय लोगों को लक्षद्वीप द्वीपसमूह के अतीत, वर्तमान और भविष्य के विज्ञान, अनुसंधान और सामाजिक पहलुओं पर चर्चा करने के लिए एक साथ लाया गया था। इस कार्यक्रम में कुल 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसका समन्वय आई आई टी गांधीनगर के प्रोफेसर पंकज खन्ना और एनसीएफ के डॉ रोहन आर्थर ने किया।

होमी प्रोजेक्ट द्वारा अनंत अंतर्दृष्टि

आई आई टी गांधीनगर में भारत में गणित के इतिहास (एचओएमआई) परियोजना ने 16-17 नवंबर, 2023 को ‘अनंत अंतर्दृष्टि: भारत के गणितीय चमत्कारों के माध्यम से एक यात्रा’ का आयोजन किया। इस वार्तालाप श्रृंखला में आई आई टी गांधीनगर के अतिथि प्रोफेसर एम डी श्रीनिवास और आईआईटी बॉम्बे में संस्कृत में भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ के संस्थान अध्यक्ष प्रोफेसर के रामसुब्रमण्यम के साथ भारत की विरासत के समृद्ध ताने-बाने के माध्यम से आकर्षक यात्रा की खोज की गई। संयुक्त सत्रों का संचालन आई आई टी गांधीनगर के अतिथि संकाय प्रोफेसर राघवसिम्हन थिरुनारायणन और प्रोफेसर तान्या श्रीवास्तव ने किया।

राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह

आईआईटी गांधीनगर ने 12 जनवरी, 2024 को स्वामी विवेकानंद जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया। डॉ. उमाशंकर सिंह मुख्य अतिथि थे और अन्य विशिष्ट वक्ताओं ने स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं और दर्शन पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की।



राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह

आई आई टी गांधीनगर ने 28 फरवरी, 2024 को 'विज्ञान दिवस' का आयोजन कर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया और कई वैज्ञानिक अवधारणाओं को मज़ेदार और आकर्षक तरीके से समझाते हुए वैज्ञानिक और रोमांचक प्रदर्शनों की एक श्रृंखला प्रदर्शित की। अहमदाबाद और गांधीनगर के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के लगभग 1000 छात्रों ने आई आई टी गांधीनगर परिसर का दौरा किया और इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूली छात्रों में जिज्ञासा को बढ़ावा देना और विज्ञान व STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) क्षेत्रों में उनकी रुचि को जारी रखने के लिए प्रेरित करना था। भाग लेने वाले छात्रों ने विज्ञान के चमत्कारों के बारे में विस्तार से जाना, कई तरह की इंटरैक्टिव गतिविधियों में भाग लिया और विज्ञान व प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति के बारे में सीखा।

कोलैब 2024

2 मार्च, 2024 को संस्थान के प्रमुख उद्योग ओपन हाउस कार्यक्रम, कोलैब 2024 में विविध क्षेत्रों के 150 से अधिक उद्योग प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस एक दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य स्थायी उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देना था। प्रतिभागियों को आई आई टी गांधीनगर में सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी, सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग, मार्कर भवन, आईआईटी गांधीनगर रिसर्च पार्क और विभिन्न प्रयोगशालाओं सहित कुछ अत्याधुनिक सुविधाओं को देखने का अवसर मिला। इसके अतिरिक्त, प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए, जिनमें विविध क्षेत्रों में कई परियोजनाओं और प्रगति को प्रदर्शित किया गया।

महिला दिवस समारोह

आईआईटी गांधीनगर के सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम नीव ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 7 मार्च, 2024 को महिला हाट नामक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भोजन, हस्तशिल्प, परिधान और आभूषणों के अलावा अन्य कई तरह के स्टॉल लगाए गए, जिनमें नीव द्वारा प्रशिक्षित कई ग्रामीण महिलाओं के विविध कौशल और उद्यमशीलता के उपक्रमों को प्रदर्शित किया गया। चार उत्कृष्ट महिला पूर्व छात्राओं को उनके कौशल को स्थायी आय सृजन में बदलने में उनकी उपलब्धियों का सम्मान करने के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार भी प्रदान किए गए।



भारत-जापान नवाचार संगोष्ठी

आई आई टी गांधीनगर ने 11 मार्च, 2024 को अनुसंधान, नेटवर्किंग और उद्योग साझेदारी को आगे बढ़ाने पर भारत-जापान नवाचार संगोष्ठी का आयोजन किया। न्यू एनर्जी एंड इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (एनईडीओ) जापान द्वारा समर्थित इस संगोष्ठी का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में जापानी उद्योगों, विश्वविद्यालयों, सरकारी निकायों, गुजरात स्थित उद्योग सदस्यों और आईआईटी गांधीनगर के प्रतिनिधियों के बीच संभावित सहयोग के अवसरों का पता लगाना था। इस कार्यक्रम में उद्योगों, विश्वविद्यालयों और सरकारी संगठनों के 60 से अधिक प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिन्होंने विभिन्न तरीकों से आई आई टी गांधीनगर के साथ सहयोग करने में अपनी रुचि व्यक्त की। उपस्थित लोगों ने आई आई टी गांधीनगर के संकाय सदस्यों और जापानी कंपनियों तथा विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के नेतृत्व में पूरे दिन सत्रों में भाग लिया।



कॉमिक्स कॉन्क्लेव 2.0

16 और 17 मार्च, 2024 को आई आई टी गांधीनगर में कॉमिक्स कॉन्क्लेव 2.0 में कॉमिक्स के प्रति उत्साही, कलाकार, लेखक और विद्वानों के विविध समूह कॉमिक्स और विजुअल स्टोरीटेलिंग की जीवंत दुनिया की गहन खोज हेतु एक साथ आए। कॉन्क्लेव का आयोजन आर्ट@आई आई टी गांधीनगर और क्यूरियोसिटी लैब द्वारा किया गया था। दो दिवसीय कार्यक्रम में पूरे भारत के प्रसिद्ध कॉमिक्स कलाकारों, लेखकों और प्रकाशकों द्वारा विजुअल स्टोरीटेलिंग पर कई विविध सत्र शामिल थे। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध कलाकारों, कॉमिक्स विद्वानों, आई आई टी गांधीनगर के छात्रों और अहमदाबाद के इंडी कलाकारों की ग्राफिक कथाओं की एक प्रदर्शनी भी दिखाई गई।

भावी नेतृत्व कार्यक्रम का पोषण

शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) का एक घटक, नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम (एनएफएलपी) 18-22 मार्च, 2024 के दौरान आईआईटी जीएन में आयोजित किया गया था। लीडरशिप डेवलपमेंट इनिशिएटिव (एलडीआई) द्वारा संचालित इस कार्यक्रम को विभिन्न कैरियर चरणों में संकाय सदस्यों को पोषित करने के लिए डिज़ाइन



किया गया था। पांच दिवसीय आवासीय शिविर ने अनुभव आधारित शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापक नेतृत्व विकास अनुभव प्रदान किया। कार्यक्रम में पूरे भारत के विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों के कुल 24 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कुछ वक्ताओं में आईआईटी कानपुर के एमएचआरडी आईपीआर चेयर प्रोफेसर प्रोफेसर अशोक के मित्तल; बीएचयू के कुलपति प्रोफेसर सुधीर के जैन; सीबीआई के पूर्व निदेशक श्री सुबोध जायसवाल और अहमदाबाद विश्वविद्यालय के कुलपति और अध्यक्ष प्रोफेसर पंकज चंद्रा शामिल थे।

स्वच्छता पखवाड़ा 2023

स्वच्छता पखवाड़ा 2023 के एक भाग के रूप में, आईआईटी गांधीनगर ने 21 सितंबर, 2023 को 2.5 किलोमीटर की स्वच्छता दौड़ और 1 अक्टूबर, 2023 को पलाज गांव में सामूहिक स्वच्छता अभियान “एक तारीख एक घंटा” का आयोजन किया, ताकि महात्मा गांधी की जयंती से पहले उन्हें ‘स्वच्छजलि’ दी जा सके। छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और निदेशक सहित आईआईटी गांधीनगर समुदाय के सैकड़ों सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रमों में भाग लिया।

गांधीपीडिया के प्रति योगदान

आई आई टी गांधीनगर ने गांधीपीडिया के विकास में महत्वपूर्ण



योगदान दिया है - महात्मा गांधी के जन्म के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में परियोजना - जिसका उद्घाटन 27 दिसंबर, 2023 को किया गया। आई आई टी गांधीनगर की टीम के उल्लेखनीय योगदानों में पत्र समयरेखा सुविधा को लागू करना, महात्मा गांधी द्वारा लिखी गई पुस्तकों का डिजिटलीकरण करना और महत्वपूर्ण घटनाओं पर फ़ीड पोस्ट करने और प्रत्येक घटना की विशिष्ट तिथि पर प्रासंगिक दस्तावेजों को टैग करने के लिए ट्विटर बॉट बनाना शामिल है।

राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह

डॉ. किरण सी पटेल सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (केपीसीएसडी), आई आई टी गांधीनगर ने 2-8 अक्टूबर, 2023 तक राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह मनाया और इस उत्सव के हिस्से के रूप में व्याख्यान, कार्यशालाएं, मजेदार गतिविधियां, संसाधन प्रदर्शन, पोस्टर प्रस्तुति, पक्षी दर्शन और प्रकृति उत्सव सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें आई आई टी गांधीनगर के छात्र, कर्मचारी और निवासी, पलाज सरकारी स्कूल के स्कूली बच्चे, आई आई टी गांधीनगर के शैक्षिक आउटरीच कार्यक्रम न्यासा के बच्चे और अहमदाबाद गांधीनगर क्षेत्र के कॉलेज के छात्र शामिल थे।

स्वतंत्रता दिवस 2023

संस्थान समुदाय ने 15 अगस्त, 2023 को देशभक्ति की भावना और कई खेल व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ 77वां स्वतंत्रता दिवस 2023 मनाया। इस अवसर पर, संस्थान ने दस वर्षों के लिए संस्थान को उनकी समर्पित सेवा का सम्मान करने के लिए 14 कर्मचारियों (10 संकाय और 4 स्टाफ सदस्यों सहित) को दीर्घावधि सेवा पुरस्कारों से सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में आईआईटी गांधीनगर के प्रमुख ग्रीष्मकालीन अनुसंधान इंटरशिप कार्यक्रम (एसआरआईपी) 2023 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तीन प्रशिक्षुओं को अनुसंधान शोकेस इवेंट, पिछले शैक्षणिक कार्यकाल में शैक्षिक उत्कृष्टता के एक निश्चित स्तर को प्राप्त करने के लिए छात्रों को डीन की सूची पुरस्कार और भालोदिया-खेतान ग्रीष्मकालीन अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार के प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्रदान किए गए।



छात्रों की गतिविधियाँ

हैकरश 2023

आई आई टी गांधीनगर की छात्र शैक्षणिक परिषद और टीम हैकरश ने 14-16 अप्रैल, 2023 के दौरान 36 घंटे के वार्षिक हैकथॉन हैकरश 2023 के छठे संस्करण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 90 टीमों (लगभग 300 प्रतिभागियों) ने भाग लिया, जिनमें से प्रत्येक ने दीर्घकालिक सॉफ्टवेयर/गेम विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए वक्तव्यों पर काम किया और साइबर सुरक्षा, एमएल चैलेंज, एल्गोरिथम ऑप्टिमाइजेशन, क्वान्टिटेटिव फाइनेंस और प्रतिस्पर्धी प्रोग्रामिंग सहित विविध डोमेन से अल्पकालिक प्रतियोगिताओं में भाग लिया।



अमलथिया 2023

आई आई टी गांधीनगर के छात्रों द्वारा संचालित वार्षिक तकनीकी शिखर सम्मेलन अमलथिया का आयोजन 4 और 5 नवंबर, 2023 को 'ज्ञान का समन्वय' विषय पर किया गया। अमलथिया 2023 में कई रोमांचक कार्यक्रम हुए, जिसमें ड्रोन, रोबोट, इलेक्ट्रिक बाइक और बहुत कुछ प्रदर्शित करने वाला तकनीकी एक्सपो; उद्योग जगत के जाने-माने नेताओं के साथ सम्मेलन; रोमांचक ड्रोन रेसिंग; और अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट पर आकर्षक ड्रोन शो शामिल है।

ब्लिथक्रॉन 2024

आईआईटी गांधीनगर का वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव, बहुप्रतीक्षित ब्लिथक्रॉन 2024, 15-17 मार्च, 2024 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गेमिंग बैटल, नुक्कड़ नाटक, अचानक स्ट्रीट डांस प्रतियोगिता, संगीत प्रदर्शन और पॉप कल्चर क्विज़ सहित कई रोमांचक कार्यक्रम हुए।

विशेष दिनों का उत्सव

आईआईटी गांधीनगर के छात्रों, कर्मचारियों और निवासियों ने 13 और 14 अप्रैल 2023 को डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर की 132वीं जयंती मनाई। दो दिवसीय कार्यक्रम में महान नेता के जीवन और विरासत को उजागर करने वाली विभिन्न गतिविधियाँ और प्रदर्शन शामिल थे।

आईआईटी गांधीनगर में ग्रीन क्लब ने 21-22 अप्रैल 2023 को परिसर और आसपास के गांवों में कई कार्यक्रमों और पहलों का आयोजन कर विश्व पृथ्वी दिवस के रूप में चिह्नित किया, जिसमें प्राथमिक स्कूलों में रैली, जागरूकता सत्र, परिसर में वृक्षारोपण और प्लांटिंग ड्राइव, और बच्चों के लिए एक पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता

शामिल है। संस्थान समुदाय ने 5 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस भी मनाया और बड़े उत्साह के साथ परिसर में लगभग 350 पेड़ लगाए।

आईआईटी गांधीनगर ने परिसर में रक्तदान शिविर आयोजित कर 14 जून, 2023 को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया। नौवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2023 को मनाया गया, जिसमें इसके कई लाभों के लिए योग के अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए कई गतिविधियों के साथ मनाया गया। संस्थान के शारीरिक शिक्षा अनुभाग ने भी 23 मई से योग सत्रों और चुनौतियों की एक श्रृंखला के साथ 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए 30 दिन की गिनती का आयोजन किया।

खेल गतिविधियाँ



आईआईटी गांधीनगर स्ववैश ओपन

आईआईटी गांधीनगर ने स्ववैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसआरएफआई), सभी गुजरात स्ववैश रैकेट एसोसिएशन और पाइन लैब्स के सहयोग से 4-7 मई 2023 से आईआईटी गांधीनगर स्ववैश के दूसरे संस्करण की मेजबानी की। 19 राज्यों के लगभग 280 प्रतिभागियों ने इस राष्ट्रीय सर्किट टूर्नामेंट में भाग लिया।

आईआईटी गांधीनगर में आईएम नुबैरशाह शेख

प्रसिद्ध शतरंज खिलाड़ी आईएम नुबैरशाह शेख ने 29 मई, 2023 को आईआईटी गांधीनगर का दौरा किया और संस्थान के छात्रों और शतरंज के खिलाड़ियों के साथ बातचीत की। उनके सम्मान में, शतरंज क्लब ने एक प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें 15 शतरंज खिलाड़ियों ने उन्हें चुनौती दी।

प्रथम जल पोलो टूर्नामेंट

आईआईटी गांधीनगर ने 27-28 मई, 2023 के दौरान पहला वाटर पोलो टूर्नामेंट आयोजित किया। टूर्नामेंट में छात्रों के साथ-साथ कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

OCTOBER 4 - 8, 2023



अंतर-आईआईटी खेल बैठक-बोर्ड की बैठक

आई आई टी गांधीनगर इंटर-आईआईटी स्पोर्ट्स मीट 2023 का मेजबान है। संस्थान ने 5-6 अगस्त, 2023 को आई आई टी गांधीनगर में 37वीं इंटर-आईआईटी एक्वेटिक्स मीट, 56वीं इंटर-आईआईटी स्पोर्ट्स मीट और 28वीं इंटर-आईआईटी स्टाफ मीट की बोर्ड बैठक की मेजबानी की। पैरा टेबल टेनिस चैंपियन, अर्जुन पुरस्कार विजेता, टोक्यो 2020 पैरालिंपिक में रजत पदक विजेता और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक विजेता सुश्री भावना पटेल ने कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम के शुभंकर "नीलस्वरा" (एक नीलगाय/नीला बैल, जिसे अक्सर गांधीनगर में देखा जाता है) का अनावरण किया।

इंटर-आईआईटी एक्वाटिक्स मीट

संस्थान ने 4 से 8 अक्टूबर, 2023 तक 37वें अंतर-आईआईटी एक्वेटिक्स मीट की मेजबानी की, जिसमें पुरुष और महिला श्रेणियों में कुल 24 विभिन्न कार्यक्रम और वॉटर पोलो मैचों की एक श्रृंखला थी। जलीय कौशल के रोमांचक प्रदर्शन के लिए पांच दिवसीय टूर्नामेंट में 17 आईआईटी के लगभग 300 तैराकों और अधिकारियों ने भाग लिया। पहली बार एक शानदार जीत में, आई आई टी गांधीनगर पुरुषों और महिलाओं के लिए विभिन्न तैराकी चैंपियनशिप में 5 स्वर्ण, 3 रजत और 2 कांस्य सहित कुल 10 पदक अर्जित करके सर्वोच्च पदक विजेता के रूप में उभरा। संस्थान ने महिला तैराकी स्पर्धाओं में 28 अंकों के साथ प्रथम रनर अप का स्थान भी हासिल किया। आई आई टी गांधीनगर के तैराकी सितारों (जिन्होंने संस्थान को इस उल्लेखनीय स्थान पर पहुंचाया) में आदित रंभिया, तान्या व्यास, अनन्या बालिके, श्रीजया मैती, कावुरी मोनिशा और कलश कांकरिया शामिल हैं।

अंतर-आईआईटी स्पोर्ट्स मीटिंग

प्रतिस्पर्धा और खेल भावना के साथ, आई आई टी गांधीनगर ने 14 दिसंबर, 2023 से इंटर-आईआईटी स्पोर्ट्स मीट 2023 की मेजबानी की। आई आई टी गांधीनगर और आईआईटी बॉम्बे द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित छात्रों के लिए 56वीं इंटर-आईआईटी स्पोर्ट्स मीट 14 से 22 दिसंबर, 2023 तक आई आई टी गांधीनगर में आयोजित की गई और 28वीं इंटर-आईआईटी स्टाफ मीट, पूरी तरह से आई आई टी गांधीनगर द्वारा आयोजित, 24 से 29 दिसंबर, 2023 तक आयोजित की गई। सामूहिक रूप से, देश भर के सभी 23 आईआईटी के 3000 से अधिक छात्रों और कर्मचारियों ने आई आई टी गांधीनगर के अत्याधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित खेल आयोजनों में अपने एथलेटिक कौशल का प्रदर्शन किया। 28वीं अंतर-आईआईटी स्टाफ स्पोर्ट्स मीट के दौरान संस्थान की स्ववैश टीम, जिसमें प्रोफेसर हरीश पी एम, प्रोफेसर प्रत्यूष दयाल, प्रोफेसर जैसन मंजली और श्री शशांक यादव शामिल थे, ने स्वर्ण पदक जीता, और सुश्री लक्ष्मी हिरानी ने शॉटपुट में रजत पदक जीता।

राष्ट्रीय खेल दिवस 2023

आई आई टी गांधीनगर समुदाय ने 21-29 अगस्त, 2023 के दौरान राष्ट्रीय खेल दिवस 2023 मनाने के लिए एक साथ मिलकर काम किया, ताकि महान फील्ड हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती मनाई जा सके। नौ दिनों के इस उत्सव में टीम के खेल, व्यक्तिगत चुनौतियाँ, योग आसन चुनौतियाँ, साइकिल चलाना, प्लैकिंग अभ्यास, दौड़ आदि शामिल थे, जो "समावेशी और फिट समाज के लिए खेल एक सहायक के रूप में" थीम पर केंद्रित थे। 29 अगस्त, 2023 को पैरा एथलीट निमिषा सीएस की उपस्थिति में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया।

हल्लाबोल

आई आई टी गांधीनगर ने 3-14 फरवरी, 2024 के दौरान हल्लाबोल 2024 की मेजबानी की, जिसमें आई आई टी गांधीनगर समुदाय के 1500 से अधिक प्रतिभागियों ने विभिन्न खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की टीमों के साथ बारह खेल खेले गए। इस वर्ष छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के अलावा, केयरटेकर, गार्ड और इंटरन ने भी खेलों में भाग लिया।

दिशा कप 2024

शारीरिक शिक्षा अनुभाग ने संस्थान के आउटसोर्स मानव संसाधनों के लिए वार्षिक खेल टूर्नामेंट दिशा कप के 7वें संस्करण का आयोजन 15-20 मार्च, 2024 के दौरान किया, जिसमें विभिन्न खेल आयोजनों में खेल भावना और सौहार्द का एक सप्ताह तक चलने वाला उत्सव शामिल था। इस वर्ष के दिशा कप का विषय था 'धूम्रपान को न कहें'।

स्टाफ की गतिविधियाँ

कर्मचारी विकास प्रकोष्ठ ने सितंबर 2024 में टीम का पुनर्गठन किया गया, जिसके अध्यक्ष प्रोफेसर लेस्ली लाजर थे। टीम ने एसडीसी से उनकी अपेक्षाओं का आकलन करने के लिए कई स्टाफ सदस्यों के साथ विस्तृत साक्षात्कार किए और कई नए उपक्रम शुरू किए। टीम ने दो परस्पर संबंधित उद्देश्यों के साथ चिंताओं को दूर करने का फैसला किया था: स्टाफ सदस्यों के बीच मजबूत सामुदायिक संबंध बनाना और कौशल और पेशेवर विकास के अवसरों को बढ़ाना। इन उद्देश्यों के अनुरूप, एसडीसी ने पहला स्टाफ स्पोर्ट्स टूर्नामेंट "आरंभ" आयोजित किया। एसडीसी ने विभिन्न कैम्पस विभागों के स्टाफ सदस्यों द्वारा आयोजित मासिक 'चाय टाइम' की शुरुआत की है।

आरएएमबीएच - कर्मचारी खेल टूर्नामेंट का उद्घाटन

कर्मचारी विकास प्रकोष्ठ ने 20-24 फरवरी, 2024 तक आईआईटी गांधीनगर में एक इंद्रा स्टाफ स्पोर्ट्स प्रतियोगिता आयोजित की। स्टाफ सदस्यों ने ट्रेजर हंट, सेवन स्टोन्स, गली क्रिकेट, फुटसल, डॉजबॉल, 3x3 बास्केटबॉल, डबल्स/मिक्स्ड डबल्स - बैडमिंटन, टग ऑफ वॉर जैसे 8 खेलों में भाग लिया। श्री मंगेशकर कराडे, श्री प्रवीण सिंह चौहान, श्री हरीश सिंह, सुश्री मनस्वी सीएम और श्री जिग्नेश परमार की टीम "शूटिंग स्टार्स" ने ओवरऑल चैंपियन ट्रॉफी जीती। एसडीसी को पूरे स्टाफ समुदाय की उत्साही भागीदारी देखकर खुशी हुई।



चाय टाइम

कर्मचारी विकास समिति (एसडीसी) ने स्टाफ सदस्यों के बीच सौहार्द और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मासिक 'चाय टाइम' शुरू किया। हर बार, इस पहल को एक अलग विभाग द्वारा एक अलग स्थान पर होस्ट किया गया था। एक अलग विभाग द्वारा आयोजित प्रत्येक सीएचएआई समय सत्र, संस्थान भर में विभिन्न गतिविधियों और पहलों में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, क्रॉस-विभागीय जुड़ाव को बढ़ावा देता है।

- उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन पुस्तकालय टीम द्वारा 5 दिसंबर, 2023 को किया गया था और डॉ. टीएस कुंभार और उनकी टीम द्वारा क्यूरेट की गई आकर्षक गतिविधियों को चित्रित किया गया था, जो सभी उपस्थित लोगों के लिए एक पुरस्कृत अनुभव सुनिश्चित करता है।
- पहले कार्यक्रम की सफलता के बाद, दूसरी चाय का समय 3 जनवरी, 2024 को आईआईटी गांधीनगर रिसर्च पार्क में आयोजित किया गया था। इस यात्रा ने स्टाफ सदस्यों को अकादमिक और उद्योग को पाटने वाली पहलों का पता लगाने की अनुमति दी। उपस्थित लोगों ने अनुसंधान पार्क टीम को उनके आतिथ्य और सूचनात्मक प्रस्तुतियों के लिए धन्यवाद दिया।
- तीसरे कार्यक्रम की मेजबानी एनईईवी में सुश्री सौम्या हरीश और उनकी टीम द्वारा अप्रैल 4, 2024 को की गई थी। स्टाफ

सदस्यों ने मजेदार गतिविधियों में भाग लिया और अग्रणी परियोजनाओं और सामुदायिक आउटरीच प्रयासों के बारे में सीखा, जिन्होंने पड़ोसी गांवों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है।

बाहरी प्रशिक्षण 5.0

एसडीसी ने 2 मार्च, 2024 को वनांचल जंगल रिजॉर्ट, जम्बुघोडा, गुजरात में पांचवीं बार लोकप्रिय आउटबाउंड प्रशिक्षण (ओबीटी) का आयोजन किया। 52 कर्मचारी सदस्य शिविर स्थल पर गए और कर्मचारियों के बीच नेतृत्व, टीम वर्क और प्रेरणा में सुधार हेतु डिज़ाइन की गई गतिविधियों के माध्यम से अनुभव सीखने में पूरा दिन बिताया।

मरीन वॉक और लखोटा झील, जामनगर का दौरा

एसडीसी ने 27 जनवरी 2024 को आई आई टी गांधीनगर स्टाफ के लिए जामनगर में नारारा रीफ, समुद्री राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य और शांत लाखोटा झील में एक दिवसीय समुद्री सैर का भी आयोजन किया। इस भ्रमण ने प्रतिभागियों को प्राकृतिक सुंदरता, समुद्री जीवन अन्वेषण और ऐतिहासिक विसर्जन का एक यूनिक मिश्रण प्रदान किया।

आउटरीच

आई आई टी गांधीनगर के निदेशक प्रोफेसर रजत मूना को कई कार्यक्रमों में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था, जिसमें 29 अप्रैल, 2023 को सोसाइटी फॉर इंजीनियरिंग एजुकेशन-इंडिया द्वारा 'फ्यूचर इंजीनियरिंग एजुकेशन' पर ऑनलाइन सेमिनार, 2 मई, 2023 को एसवीएनआईटी द्वारा 'नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग: एन एड फॉर इंकलूजन' पर वर्चुअल सेमिनार और 20 मई, 2023 को सूरत में एसआरके सस्टेनेबिलिटी कॉन्क्लेव शामिल हैं।

आईआईटी गांधीनगर प्रतिनिधिमंडल की संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा

आईआईटी गांधीनगर के संकाय सदस्यों की एक टीम जिसमें प्रोफेसर रजत मूना, अमित प्रशांत, जैसन मंजली, प्रतीक मुथा, कबीर जसुजा, चेल्व कुमार, पल्लवी भारद्वाज और श्री निर्मल झा शामिल हैं, ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने, संस्थागत नेटवर्क का विस्तार करने और पूर्व छात्रों और शुभचिंतक नेटवर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से दिनांक 5-27 जून 2023 तक संयुक्त राज्य अमेरिका में कई स्थानों और उच्च शिक्षा संस्थानों का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान, संयुक्त राज्य अमेरिका के मियामी विश्वविद्यालय में 23-24 जून 2023 को आयोजित 'साबरमती पूर्व छात्र और संकाय अनुसंधान और व्यापक नेटवर्क' सहित सैन डिएगो, तम्पा, कैलिफोर्निया, इलिनॉइस, पश्चिम लाफ़ाएट्टे और न्यू जर्सी में कई बैठकें, इंटरैक्टिव कार्यक्रम और पैनल चर्चा आयोजित की गईं, ताकि संभावित संकाय उम्मीदवारों और अग्रणी शिक्षाविदों और उद्योग के नेताओं को आईआईटी गांधीनगर नेतृत्व, संकाय और पूर्व छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए एक साथ लाया जा

सके। इसके अलावा, आईआईटी गांधीनगर ने दोनों पक्षों के बीच अकादमिक और अनुसंधान सहयोग की सुविधा के लिए दिनांक 26 जून, 2023 को साउथ फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए।





परिसर

निर्माण कार्य संबंधी अद्यतन जानकारी

चरण 1बी शैक्षणिक भवन का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और भवनों पर कब्जा हो चुका है। चरण 2ए आवासीय और छात्रावास भवनों के डिजाइन को अंतिम रूप दिया जा चुका है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 फरवरी, 2024 को चरण 1बी शैक्षणिक भवनों का लोकार्पण और चरण 2ए आवासीय और छात्रावास भवनों की आधारशिला रखी थी।

हरित परिसर

आईआईटी, गांधीनगर कई तरह की पहलों के माध्यम से हरित और स्वच्छ परिसर बनाए रखने की संस्कृति को बढ़ावा देता है। इनमें नए छात्रों के लिए फाउंडेशन कार्यक्रम, विश्व पर्यावरण दिवस और पृथ्वी दिवस समारोह, सफाई और वृक्षारोपण अभियान आदि शामिल हैं। ग्रीन कैम्पस कमेटी और स्टूडेंट ग्रीन क्लब कचरा प्रबंधन, पृथक्करण और खाद्य अपशिष्ट को कम करने पर जागरूकता सत्र और कार्यक्रम आयोजित करने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इसके अतिरिक्त, वे स्कूली छात्रों को बायोगैस संयंत्र का दौरा भी करवाते हैं और हाउसकीपिंग स्टाफ, कार्यालय परिचारकों और निवासियों के लिए अपशिष्ट प्रबंधन सत्र आयोजित करते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस के दौरान "एक सतत भविष्य के लिए वृक्षारोपण" थीम के तहत परिसर में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। स्टूडेंट ग्रीन क्लब ने पृथ्वी दिवस के लिए कई तरह की गतिविधियों का आयोजन किया, जिसमें फोटोग्राफी और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिताएं और बासन गांव में नो फूड वेस्टेज प्रतियोगिता और प्लांटिंग अभियान शामिल हैं। 15 सितंबर से 02 अक्टूबर, 2023 तक, आईआईटी, गांधीनगर ने "स्वच्छता ही सेवा" थीम के साथ "स्वच्छता पखवाड़ा" मनाया। कई तरह के कार्यक्रम जैसे ब्लॉग लेखन प्रतियोगिता, पर्यावरण से जुड़ी फिल्मों की

स्क्रीनिंग, सभी उम्र और फिटनेस स्तर के लिए खुली 2.5 किलोमीटर की स्वच्छता दौड़, स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देना, और पलाज गांव में "श्रमदान" नामक सामूहिक स्वच्छता अभियान आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में समुदाय से काफ़ी लोग शामिल हुए।

हरित प्रथाओं में योगदान करने वाले कुछ बुनियादी ढांचे की संपत्ति और पहलुओं में सावधानीपूर्वक नियोजित वास्तुकला, पर्यावरण के अनुकूल सीवेज उपचार संयंत्र, वर्षा जल संचयन प्रणाली, बायोगैस और कम्पोस्टिंग प्रणाली, छात्रावासों में पानी रहित यूरिनल, ड्रिप सिंचाई प्रणाली और सौर फोटोवोल्टिक प्रतिष्ठान शामिल हैं।

- अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक, संस्थान ने 7,13,134 किलोवाट सौर ऊर्जा उत्पन्न किया है, जो उस अवधि के दौरान परिसर की कुल ऊर्जा खपत के 5% के बराबर है।
- वर्ष 2023 में जल मंडपों में कुल 15.88 मिलियन लीटर वर्षा जल संग्रहित किया गया है।
- अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक बागवानी के लिए 49,567 किलोग्राम खाद की आपूर्ति की गई थी, जो परिसर में स्थित बायोगैस संयंत्र और खाद गड्डों के माध्यम से जैविक कचरे से बनाई गई थी।

परिसर का अनुभव

आंतरिक परिवहन के लिए दो सीएनजी वाहनों की सेवा जारी है। ये दो ग्रीन शटल (ईईसीओ कार) सुबह से शाम तक हर 15 मिनट में हाउसिंग ब्लॉक और अकादमिक बिल्डिंग के बीच चलती हैं।

कार्यक्रम

पहली "ऑल आईआईटी इंफ्रास्ट्रक्चर चर्चा बैठक" 02 मार्च, 2024 को कैम्पस विकास कार्यालय द्वारा ऑनलाइन मोड में बुलाई गई थी।

इसमें कैपस निर्माण और रखरखाव में शामिल विभिन्न आईआईटी के डीन, एसोसिएट डीन, फैकल्टी-इन-चार्ज और फैकल्टी समन्वयक शामिल हुए थे। बैठक आईआईटी के बीच चल रहे सहयोग को बढ़ावा देने, आम चुनौतियों का समाधान करने और कैपस विकास में सामूहिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए उनकी संयुक्त विशेषज्ञता और अनुभवों का लाभ उठाने की आम सहमति के साथ संपन्न हुई।

मेकर भवन

मेकर भवन आईआईटी गांधीनगर की सृजनात्मक संस्कृति का प्रतीक है, जो संस्थान के शैक्षणिक ढांचे में सक्रिय शिक्षण को सहजता से बुनता है। इसके द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले कार्यक्रमों में इमर्सिव लर्निंग प्रोग्राम, अकादमिक पाठ्यक्रम, शोध सहायता और स्टार्टअप-इंडस्ट्री इंटरफ़ेस शामिल हैं। यहाँ, छात्रों को कार्यात्मक प्रोटोटाइप और मूर्त उत्पादों की अवधारणा बनाने और डिज़ाइन करने का अधिकार दिया जाता है। मेकर भवन "करके सीखने" के शैक्षणिक सिद्धांत के प्रति संस्थान के समर्पण का प्रतीक है। इसका आधुनिक बुनियादी ढाँचा, अंतःविषय चरित्र और इंटरैक्टिव कक्षाएँ छात्रों की शैक्षिक यात्रा में एक मौलिक मूल्य के रूप में सक्रिय शिक्षण के लिए समृद्ध वातावरण का मार्ग प्रशस्त करती हैं। मेकरस्पेस का उपयोग विविध कक्षाओं, सेमिनारों और कार्यशालाओं के लिए किया गया है, जिससे इसकी स्थापना के बाद से आईआईटी गांधीनगर के लगभग 4,000 छात्र लाभान्वित हुए हैं। मेकरस्पेस सुविधा के अत्याधुनिक संसाधन स्टार्टअप और औद्योगिक संगठनों के लिए भी खुले हैं, जो इसे संस्थान के भीतर एक अत्यधिक सहयोगात्मक स्थान बनाता है।

पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान, प्रोफ़ेसर मधु वडाली द्वारा डिज़ाइन इनोवेशन और प्रोटोटाइपिंग कोर्स, प्रोफ़ेसर सौम्यदीप सेठ द्वारा हीट एंड मास ट्रांसफ़र और प्रोफ़ेसर हिमांशु शेखर द्वारा वर्ल्ड ऑफ़ इंजीनियरिंग कोर्स मेकर भवन से संचालित किए गए हैं। अनिरुद्ध माली के नेतृत्व में मेकर भवन की कार्यालयीन विशेषज्ञ टीम स्वतंत्र प्रोजेक्ट कोर्स तैयार और संचालित करती है, जो छात्रों को संपूर्ण उत्पाद-विकास जीवनचक्र में इमर्सिव अनुभव प्रदान करते हैं। अवधारणा और डिज़ाइन से लेकर प्रोटोटाइपिंग, परीक्षण और अंतिम सत्यापन तक, ये कोर्स छात्रों को व्यावहारिक जुड़ाव प्रदान करते हैं। वर्ष 2023-2024 के दौरान स्नातक छात्रों द्वारा एक पोर्टेबल विंड मिल, एक सबमर्ज्ड रिमोट कंट्रोल व्हीकल (एसआरसीवी) और एक पिक एंड प्लेस रोबोटिक आर्म को 4 क्रेडिट के साथ पूर्ण सेमेस्टर मेकर भवन प्रोजेक्ट कोर्स के हिस्से के रूप में विकसित किया गया था।

व्यापक कार्यशालाओं, सेमिनारों और लघु पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिससे प्रतिभागियों को प्रमुख व्यावहारिक कौशल विकसित करने में मदद मिली है। इस तरह की गतिविधियों के उदाहरणों में तेजी से प्रोटोटाइपिंग, बनाने की भावना, डार्ड रोबोटिक आर्म चैलेंज, वेट प्रोसेसिंग पीसीबी समाधान शामिल हैं।

मेकर मैजिक: एक्सप्लोर, क्रिएट, इनोवेट! - 29 नवंबर से 1 दिसंबर, 2023 तक एआईएफ फाउंडेशन, यूएसए के सहयोग से गुजरात के अमरेली जिले के 6वीं, 7वीं और 8वीं कक्षा के छात्रों के लिए दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया था। छात्रों और शिक्षकों सहित कुल 50 प्रतिभागियों ने शुरुआत से ही "मेकिंग इकोसिस्टम" की खोज की और 3डी प्रिंटिंग, 3डी स्कैनिंग और लेजर कटिंग के मूल कौशल को सीखा। छात्रों ने अपने कौशल का उपयोग किया

और दो दिवसीय कार्यक्रम के भीतर एक डांसिंग रोबोट बनाया था। इसके अलावा, मेकर भवन ने इन्वेंशन फैक्ट्री 2023 की मेजबानी की, जो 6 सप्ताह का कार्यक्रम था, जिसमें विभिन्न आईआईटी के 20 छात्र एक साथ आए और 10 अनोखे आविष्कारों को विकसित किया, जो भारत और अमेरिका में पेटेंट योग्य हैं। मेकर भवन ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस और कोलैब 2024 में सक्रिय रूप से भाग लिया। संस्थान मेकर भवन और परिसर में नवाचार और रचनात्मकता की संस्कृति को पोषित करने में इसके योगदान का जश्न मनाता है।

टिकटर्स लैब

टिकटर्स लैब (टीएल) व्यावहारिक शिक्षा और रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए संस्थान की मजबूत प्रतिबद्धता का प्रमाण है। आईआईटी गांधीनगर के छात्रों द्वारा पूरी तरह से प्रबंधित और संचालित, टीएल चौबीसों घंटे खुला रहता है, आईआईटी, गांधीनगर समुदाय को अत्याधुनिक मेकर स्पेस के साथ सेवा प्रदान करता है, जहाँ नवाचार की कोई सीमा नहीं है। 3डी प्रिंटर और लेजर कटर से लेकर सोल्डरिंग स्टेशन और पावर टूल्स तक कई तरह के उपकरणों से सुसज्जित यह लैब उपयोगकर्ताओं को अपनी अवधारणाओं को आसानी से मूर्त प्रोटोटाइप में बदलने की शक्ति प्रदान करती है। चाहे आप छात्र हों, शोधकर्ता हों या उत्साही हों, प्रयोगशाला तकनीकी कौशल को निखारने और एक जीवंत तथा सहायक पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर रचनात्मकता को उजागर करने के लिए एक मंच प्रदान करती है। छात्रों के नेतृत्व वाली पहल के रूप में, टीएल एक अप्रतिबंधित वातावरण को बढ़ावा देता है, जहाँ सबसे अजीब विचार भी उड़ान भर सकते हैं।

इस पूरे वर्ष के दौरान, टीएल टीम ने छात्र समुदाय में तकनीकी कौशल और आनंद का मिश्रण पैदा करने के लिए एक ठोस प्रयास किया। छात्रों को पारंपरिक सोच से मुक्त होने और जोखिम उठाने के लिए प्रेरित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे रचनात्मकता और टीमवर्क का वातावरण बना। छात्रों को प्रयोगशाला में उपलब्ध सभी प्रोटोटाइपिंग मशीनों को संचालित करने के लिए आवश्यक बुनियादी कौशल प्रदान करने के लिए कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। इसके अतिरिक्त, छात्रों को स्वयं-करें (डीआईवाई) प्रोजेक्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे उन्हें प्रोटोटाइपिंग, सोल्डरिंग, प्रोग्रामिंग और सेंसर एकीकरण में मूल्यवान व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम

1. कार्यशाला: आईआईटी गांधीनगर के छात्रों को 3डी प्रिंटिंग, लेजर कटिंग, विनाइल कटिंग और पीसीबी मिल पर कार्यशालाओं के माध्यम से विभिन्न प्रोटोटाइप कौशल में प्रशिक्षित किया गया था।
2. बिल्ड-ए-थॉन: यह कार्यक्रम 48 घंटे की प्रोटोटाइप-बिल्डिंग टीम का कार्यक्रम है, जिसमें छात्रों को बिना किसी रेडी-टू-यूज क्लॉक या कम्प्यूटेशनल डिवाइस का उपयोग की बिना 15 सेकंड का टाइमर बनाने की आवश्यकता होती है।

सूचना प्रणाली प्रौद्योगिकी सुविधा (आईएसटीएफ)

सूचना प्रणाली प्रौद्योगिकी सुविधा (आईएसटीएफ) आई आई टी गांधीनगर समुदाय को उपयोगकर्ता स्तर की सेवाएं प्रदान करना जारी रखती है। आईएसटीएफ का अत्याधुनिक नेटवर्किंग इंफ्रास्ट्रक्चर परिसर में और बाहर रहने वाले उपयोगकर्ताओं को सूचना प्रणाली और कम्प्यूटेशनल सुविधाएं प्रदान करता है। आईएसटीएफ निम्नलिखित के प्रबंधन के लिए उत्तरदायी है:

- सर्वर, कक्षाएं, कैपस नेटवर्क, इंटरनेट और ई-मेल सेवाएं, फायरवॉल, और संचार उपकरण
- हार्ड परफॉर्मस कंप्यूटिंग (एचपीसी) सुविधा और कंप्यूटर लैब
- कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का रखरखाव
- आईएसटीएफ में राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) लाइन के माध्यम से वीडियो कॉन्फ्रेंस रूम

कमरों का बुनियादी ढांचा हाइब्रिड वर्चुअल कक्षाओं की सुविधा के लिए भी सुसज्जित है। हाइब्रिड क्लासरूम एक उन्नत शिक्षण वातावरण है, जिसे क्लासरूम शिक्षण में मदद करने के लिए हाई-स्पीड इंटरनेट, सप्लीकेटेड वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरणों और अन्य उपकरणों का उपयोग कर बनाया गया है। ये कक्षाएं ई-लर्निंग के लिए इंटरैक्टिव और लचीले दृष्टिकोण प्रदान करती हैं और सहयोगी चर्चाओं और मेजबान संगोष्ठियों/वेबिनार और कार्यशालाओं की सुविधा के लिए भी इसका उपयोग किया जा सकता है। आईएसटीएफ ऑनलाइन लर्निंग सुविधाओं को सुविधाजनक बनाने में सक्रिय रहा है और इसने सदस्यों को सॉफ्टवेयर और अन्य उपकरणों जैसे जूम, गूगल मीट और माइक्रोसॉफ्ट टीम का अधिकतम उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया है। छात्रों को वीपीएन सेवा प्रदान की गई है, ताकि वे दूर से काम कर सकें। इसके अलावा, हमने ऑनलाइन प्रॉक्टिंग सॉफ्टवेयर (एमटीटीएल) को लागू किया है, जिसका निर्बाध रूप से ऑनलाइन मूल्यांकन करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। पुराने परिदृश्य से नए उन्नत हार्डवेयर में आभासी सर्वर को निर्बाध रूप से स्थानांतरित कर दिया गया, जो बेहतर थ्रूपुट और समग्र प्रदर्शन की पेशकश करता है।

आईएसटीएफ अपने कौशल सेट को बढ़ाने और हाल की तकनीक के साथ अद्यतन रहने के लिए लगातार विभिन्न कार्यालयीन परियोजनाओं पर कार्य करता है। टीम ने निम्नलिखित परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है:-

- सभी विषयों / वर्गों के सरलीकृत, उत्तरदायी, प्रभावी और पारदर्शी कामकाज को प्राप्त करने के लिए हमने ई-ऑफिस एप्लिकेशन को लागू किया है।
- हमने विभिन्न एप्लिकेशन में निर्बाध रूप से लॉगिन के लिए उपयोग किया जाने वाला एक सिंगल-साइन एप्लिकेशन, एसएसओ एप्लिकेशन और माइक्रोसॉफ्ट 365 ऑफिस सूट, उत्पादक उपकरणों के बंडल (जिसमें लोकप्रिय एप्लिकेशन जैसे वर्ड, एक्सेल, पावर प्वाइंट और आउटलुक शामिल हैं) को भी लागू किया है। माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस सुविधाओं के साथ, उपयोगकर्ता आसानी से दस्तावेज, स्प्रेडशीट, प्रस्तुति और ई-मेल का निर्माण, संपादित और साझा कर सकते हैं।

चिकित्सा केंद्र

आईआईटी गांधीनगर मेडिकल सेंटर ने हाल ही में अपने कर्मचारियों और सुविधाओं में कई उल्लेखनीय अद्यतन और वृद्धि किया है, जिससे संस्थान के समुदाय को व्यापक चिकित्सा देखभाल प्रदान करने की क्षमता बढ़ गई है। चिकित्सा केंद्र अब तीन नर्सों की एक टीम बनाया है, जिसमें एक पुरुष और दो महिला पेशेवर शामिल हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि चिकित्सा देखभाल सुलभ और समावेशी हो सके। परामर्श विषय पर, मेडिकल सेंटर को डॉ. दीपा शाह, डॉ. भावना पांचाल और डॉ. केवी मेहता द्वारा सहायता प्रदान किया जाता है, जो अंशकालिक चिकित्सा परामर्शदाता के रूप में कार्य करते हैं। इसके अतिरिक्त, डॉ. मीरा बुटनी अंशकालिक स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में अपनी विशेषज्ञता का योगदान देती हैं, जबकि डॉ. दर्शन पटेल ने केंद्र की कार्यालयीन चिकित्सा क्षमताओं को बढ़ाते हुए निवासी चिकित्सा चिकित्सक की भूमिका निभाया है।

आधारभूत संरचना के संदर्भ में, चिकित्सा केंद्र ने एशियाई स्वास्थ्य सेवा से एक अत्याधुनिक टोकन नंबर डिस्प्ले सिस्टम लागू किया है, जिसमें नवीनतम माइक्रोकंट्रोलर-आधारित तकनीक शामिल है। इस प्रणाली को स्पष्ट और कुशल टोकन-आधारित कतार प्रबंधन प्रदान करके, विशेष रूप से भीड़ होने के दौरान रोगी प्रवाह को सुव्यवस्थित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह बहु भाषा आवाज घोषणा (गुजराती, हिंदी, अंग्रेजी), एक मजबूत संचालन प्रणाली और वापस बुलाने की संख्या के लचीलेपन से युक्त है, जिससे सुचारू संचालन और रोगी संतुष्टि में वृद्धि होती है।

इसके अलावा, चिकित्सा केंद्र ने खेल संबंधी चोटों के विशेष देखभाल के महत्व को पहचानते हुए, खेल फिजियोथेरेपी को शामिल करने के लिए अपनी सेवाओं का विस्तार किया है। इस नई सेवा में सहायता हेतु फिजियोथेरेपी सलाहकार के रूप में डॉ. दर्शन पटेल और डॉ. हिमानी पटेल को हाल ही में नियुक्त किया गया है। ये परिवर्धन न केवल केंद्र की चिकित्सा प्रस्ताव को समृद्ध करते हैं, बल्कि अपने समुदाय की विविध स्वास्थ्य और कल्याण जरूरतों को पूरा करने के लिए आईआईटी गांधीनगर की प्रतिबद्धता को भी उजागर करते हैं।

डे केयर सेंटर

मार्च 2014 में आईआईटी गांधीनगर डे केयर सेंटर की स्थापना ने आईआईटी गांधीनगर परिवारों के बच्चों के लिए एक सुरक्षित और पोषण वातावरण प्रदान करने के लिए समर्पित समुदाय के भीतर एक सहयोगी प्रयास को चिह्नित किया है। आवासीय क्वार्टरों में, यह सुविधा प्रत्येक बच्चे के आराम और कल्याण को प्राथमिकता देती है, जिससे एक वास्तविक घर में खुशनुमा माहौल का निर्माण होता है। समर्पित समुदाय के सदस्यों की एक टीम के साथ, डेकेयर एक पाठ्यक्रम को पूरा करता है, जो बच्चों की व्यक्तिगत जरूरतों और हितों को दर्शाता है, सुचारू संचालन सुनिश्चित करता है और देखभाल करने वालों और युवाओं के बीच सार्थक संबंधों को बढ़ावा देता है।

केंद्र को नवीन विकास कार्यक्रम आयोजित करने में गर्व है, जो सीखने के लिए मूलभूत उपकरणों के रूप में संगीत, नृत्य, खेल और अन्वेषण का उपयोग करते हैं। कुछ उल्लेखनीय पहलों में शामिल हैं:

मॉर्निंग प्रोग्राम: जुलाई 2018 में शुरू किया गया यह कार्यक्रम एक प्री-पूल सेटअप है, जिसमें नवीन गतिविधियों के साथ पारंपरिक शिक्षण विधियों को निर्बाध रूप से मिश्रण है। गिफ्ट सिटी फायर

स्टेशन और इंड्रोडा नेचर पार्क का दौरा जैसे भ्रमण से बच्चों के अनुभव बढ़ते हैं और उनके क्षितिज व्यापक होते हैं।

बच्चों से समर्थित कृषि (केएसए) : एक प्रिय कार्यक्रम, जो हैंड-ऑन बागवानी को प्रोत्साहित करता है, जिससे बच्चों को विभिन्न प्रकार के फलों और सब्जियों की खेती करने की अनुमति मिलती है, जिससे प्रकृति के लिए संवेदी अन्वेषण और प्रशंसा का पोषण होता है।

खाना पकाने के सत्र: हमारा अद्वितीय ज्वलनशील खाना पकाने का कार्यक्रम बच्चों को विभिन्न पाक गतिविधियों, सेंडविच बनाने और अलंकरण करने से लेकर केले के पॉप्सिकल्स और मकई की चैट बनाने में शामिल करता है। इन सत्रों में एक सुरक्षित और सुखद वातावरण में पाक कौशल और रचनात्मकता के महत्व पर जोर दिया जाता है।

खेल गतिविधियाँ: खेल और शारीरिक गतिविधि का जश्न मनाने के लिए, केंद्र एक गैर-पारंपरिक खेल कार्निवाल का आयोजन करता है, जो ओपन-एंडेड खेल और अन्वेषण पर जोर देता है और यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक बच्चा अपनी एथलेटिक क्षमताओं की

परवाह किए बिना भाग ले सके और पनप सके।

अन्य कार्यक्रम : पायजामा पार्टियों से लेकर दिवाली, क्रिसमस और नवरात्रि जैसे उत्सव समारोह तक, केंद्र सामाजिक जुड़ाव और उत्सव को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों की एक विविध श्रृंखला आयोजित करता है, जो बच्चों और उनके परिवारों के सांस्कृतिक अनुभवों को समृद्ध करता है।

बच्चों की दैनिक दिनचर्या बच्चों की एकाग्रता, रचनात्मकता और मोटर कौशल, शारीरिक, सामाजिक और बौद्धिक क्षमताओं में समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए संगीत, कला, योग, कहानी सुनाने और संवेदी खेल को भी एकीकृत करती है।

जैसा कि इस साल डे केयर 10 साल पूरे कर रहा है, यह समर्पण, सेवा और सामुदायिक बच्चों और परिवारों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव के एक दशक पर वापस परिलक्षित होता है। भविष्य को देखते हुए, केंद्र असाधारण देखभाल और सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रत्येक बच्चा आने वाले कई वर्षों तक हमारे पोषण वातावरण में पनपता और बढ़ता रहे।



संस्थान के लिए सहायता

छात्रवृत्तियाँ

पूर्व छात्र अमेय जोशी द्वारा निर्धारित तीन छात्रवृत्तियाँ



2014 के बी. टेक के पूर्व छात्र **अमेय जोशी** ने **प्रो. के.वी.वी. मूर्ति**, **प्रो. डी.वी. पाई** और **प्रो. रमेश गांवकर** के सम्मान में प्रदत्त तीन छात्रवृत्ति की स्थापना की है। प्रत्येक वर्ष एक लाख रुपये की छात्रवृत्ति, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के द्वितीय वर्ष के तीन स्नातक छात्रों की सहायता करेगी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक के साथ स्नातक करने के बाद, **अमेय जोशी** ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में एमएस किया। उन्होंने सात वर्षों से अधिक समय तक ऐपल इंक, अमेरिका में काम किया और हाल ही में स्टार्टअप परिदृश्य में एक उद्यमशीलता की यात्रा शुरू की है। उनके पास संयुक्त राज्य पेटेंट और ट्रेडमार्क कार्यालय (USPTO) द्वारा प्रदान किए गए तीन पेटेंट हैं।



प्रो. के.वी.वी. मूर्ति छात्रवृत्ति: प्रो. के. वी. वेंकटेश मूर्ति सात वर्षों से अधिक समय तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में विजिटिंग प्रोफेसर थे। वे दिसंबर 2009 में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में शामिल हुए। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में शामिल होने से पहले, वे लगभग 40 वर्षों तक आईआईटी बॉम्बे में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर थे। प्रो. मूर्ति का मार्च 2017 में निधन हो गया।



प्रो. डी. वी. पाई छात्रवृत्ति: प्रो. डी. वी. पाई 2008 में स्थापना के बाद से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में प्रारंभिक संकाय सदस्यों में से एक थे। वे जुलाई 2018 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में गणित के विजिटिंग प्रोफेसर थे। वे 1984 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे से गणित के प्रोफेसर के रूप में सेवानिवृत्त हुए। प्रो. पाई का फरवरी 2021 में निधन हो गया।



प्रो. रमेश गांवकर छात्रवृत्ति: प्रो. रमेश गांवकर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर के पूर्व छात्र और सेंट लुइस में वाशिंगटन विश्वविद्यालय से एमबीए करने वाले **श्री वरुण सिंगला** ने अपने माता-पिता के सम्मान में सुशीला प्रभा और सतीश सिंगला छात्रवृत्ति की स्थापना की है। 2016 में, कैसर के साथ सुशीला प्रभा की साहसिक लड़ाई ने न केवल उनके परिवार पर एक गहरी छाप छोड़ी, बल्कि अपने पीछे शक्ति की विरासत और शिक्षा की शक्ति में एक अटूट विश्वास भी छोड़ा। प्रति वर्ष

गांधीनगर में अतिथि प्रोफेसर हैं और संयुक्त राज्य अमेरिका में ओनोडोआगा कम्युनिटी कॉलेज (ओसीसी) में प्रोफेसर एमेरिटस हैं। उन्होंने लगभग 40 वर्षों तक ओ. सी. सी. में पढ़ाया। अपने अध्यापन करियर से पहले, प्रो. गांवकर ने विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के लिए एक डिजाइन इंजीनियर और सलाहकार के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

डॉ. माया एवं डॉ. विश्वनाथ तिवारी छात्रवृत्ति

2019 के बीटेक के पूर्व छात्र **अभिरूप मिश्रा** ने अपने नाना व नानी के सम्मान में डॉ. माया और डॉ. विश्वनाथ तिवारी छात्रवृत्ति की स्थापना की है। यह 1 लाख रुपये की छात्रवृत्ति, हर साल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में मैटेरियल्स इंजीनियरिंग की एक स्नातक महिला छात्र को सहायता प्रदान करेगी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग के बीटेक छात्र के रूप में, अभिरूप ने एसएन बोस फेलो के रूप में अमेरिका के इलिनोइस अर्बाना-शैपेन विश्वविद्यालय में एक शोध इंटरनशिप की। वर्तमान में, वह लिथियम-आयन बैटरियों के क्षरण का अध्ययन करने वाले लिंक फाउंडेशन फेलो के रूप में इलिनोइस अर्बाना-शैपेन



विश्वविद्यालय में पी. एच. डी कर रहे हैं।

मालिनी विजय देसाई छात्रवृत्ति

संयुक्त राज्य अमेरिका के फ्लोरिडा से टाम्पा के **श्री नैनन विजय देसाई** और **श्रीमती देवयानी नैनन देसाई** ने अपनी माँ और संस्कृत भाषा की विरासत और संबंधित अध्ययन के प्रति उनके प्रेम के सम्मान में मालिनी विजय देसाई छात्रवृत्ति की स्थापना की है। श्रीमती मालिनी विजय देसाई (1929-2018) सार्वजनिक और नगरपालिका स्कूलों के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए बहुत भावुक थीं। प्रति वर्ष 1 लाख रुपये की यह छात्रवृत्ति सभी स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए उपलब्ध है और हर वर्ष एक छात्र को प्रदान की जाएगी। श्री नैनन विजय देसाई ने 1978 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास से बी. टेक किया और उसके बाद एम. बी. ए. किया। श्रीमती देवयानी नैनन देसाई एमडी और बाल और किशोर मनोचिकित्सक हैं। वे दोनों भारतीय विरासत के संरक्षण और संवर्धन के कारणों का पूरे दिल से समर्थन करते हैं।

सुशीला प्रभा और सतीश सिंगला छात्रवृत्ति



1 लाख रुपये की यह छात्रवृत्ति हर वर्ष एक स्नातक छात्र को सहायता प्रदान करेगी। श्री वरुण सिंगला वर्तमान में अमेज़न, सिप्टल में वरिष्ठ प्रबंधक के रूप में काम कर रहे हैं।

प्रोफेसर जी वी राव छात्रवृत्ति

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में सिविल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर और अनुसंधान एवं विकास के डीन प्रो. अमित प्रशांत ने दिसंबर 2015 से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में सिविल इंजीनियरिंग विभाग में विजिटिंग प्रोफेसर प्रो. जीवी राव के सम्मान में प्रो. जीवी राव छात्रवृत्ति की स्थापना की थी। कई पाठ्यक्रमों और व्याख्यान श्रृंखलाओं के संचालन के अलावा, प्रो. राव ने सक्रिय उद्योग साझेदारी के माध्यम से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में परामर्श और अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति और विविधीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रति वर्ष 1 लाख



रुपये की यह छात्रवृत्ति प्रत्येक वर्ष एक स्नातक छात्र को प्रदान की जाएगी। प्रो. अमित प्रशांत के शोध हितों में दानेदार सामग्री के लिए संरचनात्मक मॉडलिंग, भू-तकनीकी संरचनाओं का संख्यात्मक मॉडलिंग, भूकंप भू-तकनीकी इंजीनियरिंग और भू-संश्लेषण के अनुप्रयोग आदि शामिल हैं।

साधना और पृथ्वी पति सिंह छात्रवृत्ति

2017 की बीटेक की पूर्व छात्रा डॉ. प्रेरणा सिंह ने अपने माता-पिता को सम्मानित करते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में साधना और पृथ्वी पति सिंह छात्रवृत्ति की स्थापना की है और एक स्नातक छात्र की सहायता के लिए सालाना 1 लाख रुपये प्रदान किए हैं। डॉ. प्रेरणा, एक सिविल इंजीनियरिंग स्नातक, ने जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए में आगे की पढ़ाई की, और अब जलवायु लचीलापन और अनुकूलन पर ध्यान केंद्रित करते हुए ट्रांजिशन रिसर्च में एक रिसर्च फेलो हैं। शिक्षण और इंजीनियरिंग में अपने माता-पिता के करियर से प्रेरित, प्रेरणा की छात्रवृत्ति भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर के पूर्व छात्रों द्वारा पावर ऑफ 5 पहल के तहत 29 अन्य लोगों को जोड़ती है, जो उनके प्रभावशाली योगदान को दर्शाती है।



सीएसआर दान

टेकफैब इंडिया के साथ सीएसआर साझेदारी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर ने 'टेकफैब इंडिया इनिशिएटिव ऑन जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग एंड जियोसिंथेटिक्स' की संस्थान में स्थापना के लिए 22 नवंबर, 2023 को टेकफैब (इंडिया) इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ भागीदारी की है। इस सहयोग का उद्देश्य इन क्षेत्रों को आगे बढ़ाने के लिए भू-तापीय इंजीनियरिंग, भूसंश्लेषण और अन्य संबंधित क्षेत्रों में कई गतिविधियों और पहलों को बढ़ावा देना है, जिसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर के छात्रों, संकाय और अनुसंधान कर्मचारियों को अनुसंधान अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति प्रदान करना; अनुसंधान एवं विकास और क्षमता निर्माण गतिविधियों का समर्थन करना; उत्कृष्ट विशेषज्ञों को अतिथि पदों की पेशकश करना शामिल है।

के के विठानी फाउंडेशन

फार्मसन फार्मास्युटिकल गुजरात प्राइवेट लिमिटेड की सीएसआर शाखा, के के विठानी फाउंडेशन ने आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि

के होनहार छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर के साथ सहयोग किया है, जिन्होंने अपनी वित्तीय बाधाओं के बावजूद भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर जैसे प्रमुख संस्थान में स्थान हासिल किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य इन योग्य छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच बढ़ाना है।

सी. एस. आर. को पूर्ण पूंजीकरण के साथ समझौता ज्ञापन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर ने आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए एक छात्रवृत्ति कार्यक्रम संयुक्त रूप से विकसित करने के लिए 30 नवंबर, 2023 को फुलक्रम-कैपिटलाइजिंग सीएसआर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते के एक हिस्से के रूप में, फुलक्रम-कैपिटलाइजिंग सीएसआर अपने कॉरपोरेट/सीएसआर भागीदारों के माध्यम से इन छात्रवृत्ति के लिए धन भी जुटाएगा।

दान सूची

नाम	वर्ग	जगह
1,00,00,000 रुपये से 4,99,99,999 रुपये		
परिमल करणी	शुभचिंतक	अहमदाबाद
बी वी जगदीश	शुभचिंतक	सारोटोगा
मेकर भवन फाउंडेशन	शुभचिंतक	वाशिंगटन डीसी
एल एंड टी टेक्नोलॉजीज सर्विसेज लिमिटेड	शुभचिंतक	बेंगलुरु
फैवले ट्रांसपोर्ट रेल टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	शुभचिंतक	बेंगलुरु
नवीन दोशी	शुभचिंतक	लॉस एंजिल्स
के के विठानी फाउंडेशन	शुभचिंतक	वडोदरा
रेडिक्स इलेक्ट्रो सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड	शुभचिंतक	मुंबई
देसाई फाउंडेशन	शुभचिंतक	बेडफोर्ड
रॉन मेहता फंड	शुभचिंतक	वाचुंग, एनजे
25,00,000 रुपये से 99,99,999 रुपये		
टेकफैब इंडिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड	शुभचिंतक	मुंबई
मिलालक्रोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	शुभचिंतक	अहमदाबाद
हेफ्रा	शुभचिंतक	नई दिल्ली
अमेय जोशी	बीटेक/ईई/2014	सैन फ्रांसिस्को
कुशल सचेती	शुभचिंतक	न्यूयॉर्क
वरुण सिंगला	शुभचिंतक	गांधीनगर
युवा अजेय	शुभचिंतक	अहमदाबाद
विपिन कुमार	शुभचिंतक	सिएटल
नैनन विजय देसाई	शुभचिंतक	यूएसए
5,00,000 से 24,99,999 रुपये		
निर्मल कुमार झा	कर्मचारी	गांधीनगर
आभीरूप मिश्रा	बीटेक/एमएसई/2019	मैदान
रजत मूना	संकाय	गांधीनगर
क्यूम्यलस साइट्स प्राइवेट लिमिटेड	शुभचिंतक	पुणे
1,00,000 रुपये से 4,99,999 रुपये		
रमेश गांवकर	संकाय	सिराक्यूज़
अक्षय जावेरी	शुभचिंतक	गांधीनगर
सुधीर के जैन	शुभचिंतक	गांधीनगर
सुदर्शन कुमार सराफ	शुभचिंतक	मुंबई
जितिन प्रभा	बीटेक/एमई/2016	वेस्ट लाफायेट
यश कोटक	बीटेक/ईई/2014	बैंगलोर
प्रेरणा सिंह	बीटेक/सीई/2017	अटलांटा
प्रदीप सैनी	बीटेक/एमई/2022	बैंगलोर
रौनक मेहता	बीटेक/एमई/2015	सैन फ्रांसिस्को
मदन तालदेवकर	बीटेक/एमई/2015	बैंगलोर
इंशा मंसूरी	बीटेक/एमई/2023	गांधीनगर
चावली भरत चंद्र	बीटेक/ईई/2020	अहमदाबाद
गौरांगी निकुंज पटेल	शुभचिंतक	गांधीनगर
भाविन दिनेशभाई चौहान	बीटेक/एमई/2013	सिंगापुर
25,000 रुपये से 99,999 रुपये		
अमलिन जोस	बीटेक/सीई/2022	कोच्ची
गुडिवाडा वेंकट प्रुडवी तेज	बीटेक/ईई/2022	गुंटूर
मोहम्मद असलम	बीटेक/सीएल/2022	चेन्नई
चितकायला वेणु गोपाल	बीटेक/सीई/2021	कोडाद
राम भगवान प्रजापत	बीटेक/सीएसई/2021	नागौर
अखिलेश गोटमारे	बीटेक/ईई/2016	दिल्ली
अरविन्द जैन	शुभचिंतक	यूएसए

अमन शर्मा	बीटेक/सीएल/2022	पुणे
टेला सेल्वा सौम्या रानी	बीटेक/सीएल/2022	हैदराबाद
अक्षत मंगल	बीटेक/सीएल/2022	बैंगलोर
निसर्ग उज्जैनकर	बीटेक/एमई/2021	रोचेस्टर
दीप दास	बीटेक/एमई/2021	अहमदाबाद
यशी गौड़	बीटेक/सीई/2022	पुणे
जीतेन्द्र कुमार	बीटेक/सीई/2021	हमीरपुर
साहिल पुरुषोत्तम इंगले	बीटेक/सीई/2023	जलगांव
उर्जित याज्ञिक	संकाय	गांधीनगर
जयसूर्या नालामोलू	बीटेक/सीएसई/2023	गांधीनगर
प्रशांत बोर्डे	बीटेक/ईई/2012	औरंगाबाद
मोहम्मद शमीर टी एम	बीटेक/एमई/2022	बैंगलोर
शाह भोगीलाल जेठालाल एंड ब्रदर्स	शुभचिंतक	अहमदाबाद
आर के सिंथेसिस लिमिटेड	शुभचिंतक	अहमदाबाद
फायरटेक इन्विपमेंट एंड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड	शुभचिंतक	अहमदाबाद
मल्टीस्यैन कंट्रोल इंस्ट्रुमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड	शुभचिंतक	अहमदाबाद
बुबना राकेश ऋषि	बीटेक/एमई/2017	सिएटल
जयदीप काकडिया	बीटेक/एमई/2022	सूरत
स्नेहल ज्ञानेश्वर गोहद	बीटेक/सीई/2023	टोक्यो
एन रामकृष्णन	संकाय	गांधीनगर
मदन जनार्दन तालदेवकर	बीटेक/एमई/2015	बैंगलोर
आगम राजीव शाह	बीटेक/एमएसई/2019	मैदान
हरिहरन ज्ञानेश्वर परमार	बीटेक/सीएल/2023	धुले
एस पी मेहरोत्रा	संकाय	गांधीनगर
रागवन के	संकाय	गांधीनगर
ध्वनि मनीष शाह	बीटेक/एमई/2023	वडोदरा
तुषार अंचन	बीटेक/एमई/2016	सिएटल
प्रत्युल कपूर	बीटेक/सीएल/2012	बैंगलोर
अपर्णा एन तुमकुर	बीटेक/ईई/2019	स्टैनफोर्ड
5,000 रुपये से 24,999 रुपये		
राहिल सांवला	बीटेक/एमई/2020	जामनगर
वसुधा विनायक नातु	शुभचिंतक	कॉलेज स्टेशन
अतुल भार्गव	संकाय	गांधीनगर
अक्षता नायकू कोकणे	बीटेक/एमई/2023	कोल्हापुर
भय्या गुप्ता	बीटेक/सीएल/2022	जयपुर
-अखिलेश रवि	बीटेक/ईई/2021	बैंगलोर
प्रशांत पटेल	बीटेक/एमई/2013	एडमंटन
किरात मधुसूदन पटेल	शुभचिंतक	मुंबई
सरस्वतीभट्टला आश्रित कौंडिन्य	बीटेक/एमई/2015	मैडिसन
तन्मय गुप्ता	बीटेक/ईई/2021	बैंगलोर
अभिषेक विक्रान्त मुंगेकर	विद्यार्थी	गांधीनगर
मीरा मैरी सनी	संकाय	गांधीनगर
सोनार चिन्मय नरेन्द्र	बीटेक/एमई/2019	सैता बारबरा
ईशा बयाद	बीटेक/सीएल/2023	वेस्ट लाफायेट
विनोद रामकृष्णन	बीटेक/एमई/2018	ला जोला
तेजस मेहता	बीटेक/ईई/2019	पिट्सबर्ग
स्पंदन दास	बीटेक/एमई/2014	गुवाहाटी
अमन कमलेश सिंह	बीटेक/एमएसई/2019	ईक्यूब्लेन्स
निर्मल जे नायर	बीटेक/एमई/2016	मैदान
सालेचा कुशल	बीटेक/ईई/2016	बैंगलोर

मणिधर एम	बीटेक/सीएल/2022	लंदन	नकुल नुवाल	बीटेक/एमई/2014	मैदान
प्रजापति प्रदीपभाई दहयाभाई	बीटेक/ईई/2022	आनंद	गोहिल करण नितिनभाई	बीटेक/एमई/2018	वेस्ट लाफायेट
बैंक ऑफ बड़ौदा	शुभचिंतक	गांधीनगर	मिता वेंकट साई विश्वनाथ	बीटेक/एमई/2018	कडपा
रजत जैन	बीटेक/एमई/2013	मुंबई	रुशाली अतुल प्रकाश सक्सैना	बीटेक/एमई/2019	मुंबई
प्रथमेश उपाध्याय	एमटेक/सीएसई/2020	बैंगलोर	पीयूष राठी	एमटेक/सीएसई/2019	राजस्थान
पुनीत स्वामी	बीटेक/सीई/2019	अल्बुर्क	अजय देवेड़वाल	बीटेक/एमई/2015	जयपुर
मेदारामटला सिद्धार्थ रेड्डी	बीटेक/ईई/2016	नेल्लोर	मुला साई रुथविक रेड्डी	बीटेक/ईई/2023	हैदराबाद
वैष्णवी सुनील पाटिल	बीटेक/ईई/2018	मुंबई	दीपिका सोनी	बीटेक/ईई/2021	इंदौर
शुभांशु सिंह	बीटेक/ईई/2020	पिट्सबर्ग	विश्वजीत मंडल	संकाय	गांधीनगर
इंप्सित तिवारी	बीटेक/एमई/2015	बैंगलोर	तमालिका पॉल	एमटेक/बीई/2021	बैंगलोर
शर्मिष्ठा मजूमदार	संकाय	गांधीनगर	शुभम भार्गव	बीटेक/एमई/2014	कैम्ब्रिज
टी एस कुम्बर	कर्मचारी	गांधीनगर	राकेश रंजन	बीटेक/एमई/2016	देवगढ़
वाघ विद्यानंद गिरीश	बीटेक/सीएल/2016	मुंबई	सुधांशु शर्मा	संकाय	गांधीनगर
मोहक पटेल	बीटेक/एमई/2013	सैन फ्रांसिस्को	अरूप लाल चक्रवर्ती	संकाय	गांधीनगर
निहार कोटक	बीटेक/एमई/2014	सैन होजे	निहार रंजन महापतर्ता	संकाय	गांधीनगर
अनिमेष रस्तोगी	बीटेक/सीई/2020	ऑस्टिन	शानदार के मिश्रा	संकाय	गांधीनगर
हर्ष भार्गव	शुभचिंतक	केडल पार्क	विनोद नारायणन	संकाय	गांधीनगर
वोरा आत्मा चन्द्रेश	बीटेक/ईई/2017	हनोवर	जयकुमार नंदगोपाल	कर्मचारी	गांधीनगर
अदित गुप्ता	बीटेक/सीएल/2013	मुंबई	मीना जोशी	कर्मचारी	गांधीनगर
नवीन दीपक वी	बीटेक/ईई/2012	करीमनगर	संतोष राऊत	कर्मचारी	गांधीनगर
प्रथमेश जुवतकर	बीटेक/ईई/2012	सैन फ्रांसिस्को	गुल्लापल्ली साई चौधरी	बीटेक/ईई/2016	ग्रेटर बोस्टन
किशन सुथार	बीटेक/ईई/2013	सिरोही	अशर अखिल पराग	बीटेक/एमई/2020	सुनहरा
अंश जोशी	बीटेक/ईई/2019	इंदौर	सूर्य प्रताप सिंह	एमएससी/सीएच/2018	कानपुर
अभिषेक उमराव	बीटेक/सीएल/2012	बैंगलोर	मोहम्मद शाहिद शरीफ	बीटेक/सीएसई/2022	वारंगल
कवीश कुमार	बीटेक/सीएल/2019	अहमदाबाद	यश शाह	बीटेक/एमई/2013	सनीवेल
अंचित गौरव	बीटेक/एमई/2012	आबू धाबी	रूपांजली गुरुप्रसाद प्रसाद	पीएचडी/सीएल/2021	अटलांटा
यश बोहरे	बीटेक/एमई/2018	मुंबई	विशाल रंजन प्रसाद	एमटेक/ईई/2020	मुंबई
उज्ज्वल अशोककुमार पमनानी	एमएससी/सीजी/2015	पुणे	शीतल शाह	शुभचिंतक	गांधीनगर
हितविक बनर्जी	एमटेक/ईई/2014	ईंक्यूब्लेन्स	निशिकंत परमार	बीटेक/सीएसई/2022	मन्दसौर
कदम सुजय दिलीप	पीएचडी/ईई/2021	सतारा	माधवी इसानाका	शुभचिंतक	गांधीनगर
ऋचा त्रिपाठी	पीएचडी/पीएच/2021	उन्नाव	शशांक किशोर पारेता	बीटेक/एमई/2016	इंदौर
बालगोपाल कोमरथ	कर्मचारी	गांधीनगर	चेचला साई रमण रेड्डी	बीटेक/ईई/2017	बैंगलोर
पीयूष मजूमदार	कर्मचारी	अहमदाबाद	दीप्ति गौतम	बीटेक/सीएल/2019	मुंबई
ज्यॉन्ग किम	कर्मचारी	गांधीनगर	सच्चित वेकारिया	बीटेक/एमई/2015	बालादिया
शकील तिमिजी	कर्मचारी	गांधीनगर	गमेति नीरव	बीटेक/सीएल/2020	पानीपत
सुमन कुमारी	बीटेक/सीएल/2017	मैसफ्रील्ड	नवीन मथं सुन्दरम्	बीटेक/सीएल/2018	सिएटल
स्मित अलकेश शाह	बीटेक/सीएल/2014	हिल्सबोरो	हरिओम भार्गव	बीटेक/एमई/2014	धार
श्यामल किशोर	बीटेक/एमई/2013	किन्टाल	गगन कनौजिया	बीटेक/ईई/2014	ग्वालियर
जोशी अंकिता अभय	बीटेक/एमएसई/2018	ऐन आर्बर	अनुषा गुप्ता	बीटेक/सीई/2018	लखनऊ
नितिन रमेश	बीटेक/एमई/2018	चेरियानाड	त्रिवेदी शुभांग कृष्णकांत	बीटेक/सीई/2022	राजकोट
चेतस जोशी	बीटेक/ईई/2013	सैन फ्रांसिस्को	किशन सिंह	बीटेक/सीई/2022	दिल्ली
जैनीश नीलेशकुमार चौहान	बीटेक/ईई/2021	सैन डिएगो	कंचन पटेल	बीटेक/सीएल/2012	बैंगलोर
लव गुप्ता	बीटेक/सीएल/2012	सैन फ्रांसिस्को	दिव्यांक सिंह	बीटेक/सीएल/2013	ऑस्टिन
प्रतीक वर्मा	बीटेक/सीएल/2019	बैंगलोर	मनजोत सिंह	बीटेक/सीएल/2016	अर्बाना
रविक राणा	बीटेक/एमई/2022	सिएटल	अभिषेक वर्मा	बीटेक/सीएल/2016	बैंगलोर
अरुल मोझी देवन पी	बीटेक/सीएल/2018	एडमंटन	रजत गोयल	बीटेक/सीएल/2019	नोएडा
पी आर वैद्यनाथन	एमटेक/ईई/2019	वियना	प्रियंका	बीटेक/सीएल/2019	मुंबई
सुष्मिता पूर्णिमा कोट्टु	बीटेक/सीएल/2013	सेंट लुई	कनिष्क कालरा	बीटेक/सीएसई/2021	फरीदाबाद
हरिका वक्कंतुला	बीटेक/सीएल/2014	अटलांटा	शाह रुशिल राजीव	बीटेक/सीएसई/2021	अहमदाबाद
आयुषी पटेल	बीटेक/सीएल/2015	एमहर्स्ट	जानवी विनोदकुमार ठक्कर	बीटेक/सीएसई/2022	लंदन
अनुषा कामथ मंजेश्वर	बीटेक/सीएल/2019	मिनीपोलिस	अंकित अग्रवाल	बीटेक/ईई/2012	दिल्ली
शशांक त्यागी	बीटेक/ईई/2014	क्यूपर्टिनो	नितिन जी कुमार	बीटेक/ईई/2012	बैंगलोर
स्मित दिलीपकुमार सोनी	बीटेक/ईई/2014	सैन होजे	तारकेश्वर सिंह	बीटेक/ईई/2013	बैंगलोर
मालिरेड्डी श्री रघु	बीटेक/ईई/2016	वैक्वर	विभव कटरे	बीटेक/ईई/2014	बैंगलोर

हुसैन सफदरी	बीटेक/ईई/2014	बैंगलोर	तेजस हॉटिकर	कर्मचारी	गांधीनगर
राज शेखर	बीटेक/ईई/2016	सुरत	नितिन वी जॉर्ज	संकाय	गांधीनगर
मांडलेम मणिकांता	बीटेक/ईई/2019	इवानस्टन	चंद्रेश शर्मा	एमटेक/ईई/2014	दिल्ली
अनुषा मालानी	बीटेक/ईई/2019	मुंबई	धनुर्धर रामस्वामी	एमटेक/एमई/2019	पुणे
विष्णु कातिकेय	बीटेक/ईई/2021	हैदराबाद	अनुरक्ति शर्मा	एमए/एचएसएस/2019	मुंबई
विराज कल्पेश शाह	बीटेक/ईई/2022	मुंबई	राहुल राजीव	बीटेक/एमएसई/2020	CLEMSON
काबरा अर्पिता संजय	बीटेक/ईई/2022	वडोदरा	पाटिल रोहन प्रशांत	बीटेक/सीएसई/2021	ला जोला
शुभांगी बंसुदे	बीटेक/एमई/2014	मैसफ्रील्ड	परब अमोघ विश्राम	एमएससी/एमए/2019	मुंबई
ध्वनिल शुक्ला	बीटेक/एमई/2014	मुंबई	अंकित घनघस	बीटेक/सीई/2019	वेस्ट लाफायेट
-सौरभ सिंघल	बीटेक/एमई/2015	दिल्ली	किमती मनाववा	एमटेक/सीई/2019	जम्मू
अहमद नाजी शाहम	बीटेक/एमई/2018	कोझिकोड	-नीरज कुमार	पीएचडी/सीजी/2014	मॉन्ट्रियल
तुषार पारीक	बीटेक/एमई/2019	इंदौर	कुशवाह अमरकुमार अयोध्यासिंह	एमटेक/ईई/2017	वडोदरा
अर्णपूर्णा रथ	संकाय	गांधीनगर	अनुप अगलावे	बीटेक/सीएसई/2021	गांधीनगर
श्रीराम के गुंडीमेडा	संकाय	गांधीनगर	मयंक जैन	बीटेक/सीई/2017	मुंबई
शौविक मंडल	संकाय	गांधीनगर	अनुराग सिंघानिया	बीटेक/सीएल/2017	ईक्यूब्लेन्स
जैसन ए मंजलि	संकाय	गांधीनगर	देवांश रस्तोगी	बीटेक/सीएल/2017	कानपुर
चेतन देवकिशन पहलाजानी	संकाय	गांधीनगर	कुकुनुरी साई वेंकट रत्न ऋत्विक्	बीटेक/सीएसई/2020	विजयवाड़ा
आकाश वर्मा	एमटेक/सीएल/2020	बैंगलोर	पृथ्वी काकुमनी	बीटेक/सीएसई/2021	प्रकाशम
राहुल जैन	एमटेक/सीएस/2019	बैंगलोर	अरवा पवन किशोर	बीटेक/ईई/2012	हैदराबाद
मोहित चंद	एमटेक/ईई/2015	वडोदरा	अजिंक्य तुपकर जैन	बीटेक/ईई/2016	मुंबई
करनबीर सिंह सिद्धू	एमटेक/एमई/2021	बैंगलोर	शशांक मेहरा	बीटेक/ईई/2017	बैंगलोर
रोहित गहलोट	एमटेक/एमएसई/2021	रुड़की	-आदित्य गोयल	बीटेक/ईई/2018	नवी मुंबई
टोनी थॉमस	पीएचडी/सीजी/2019	रुड़की	-अंशुल गुप्ता	बीटेक/एमई/2015	दिल्ली
विक्रम अशोक कार्डे	पीएचडी/सीएल/2017	लंदन	धनंजय सिंह	बीटेक/एमएसई/2022	हदोई
शरद जोशी	पीएचडी/ईई/2021	बैंगलोर	एनेज़्का सेसिल सेबेक	संकाय	गांधीनगर
अंकिता सिन्हा	पीएचडी/एमई/2021	गांधीनगर	प्रीति एस	एमटेक/ईई/2019	वडोदरा
सुबीर मंडल	पीएचडी/पीएच/2021	अहमदाबाद	ऋषभ माथुर	एमटेक/एमई/2020	गांधीनगर
अग्रिवो सरकार	पीएचडी/पीएच/2022	बरूईपुर	सीतालक्ष्मी पी	पीएचडी/सीई/2019	कालीकट
दीपक अग्रिहोत्री	कर्मचारी	गांधीनगर	कोंडुरु वेंकट नागा साई रवि तेजा	बीटेक/एमई/2016	गुंटूर
तान्या श्रीवास्तव	संकाय	गांधीनगर	अथर्व अभय पाटिल	बीटेक/एमई/2014	मैसाचुसेट्स
सौम्यब्रत चक्रवर्ती	संकाय	गांधीनगर	दिव्या बंसल	बीटेक/सीएल/2013	दिल्ली
प्रदीप भार्गव	शुभचिंतक	पुणे	राहुल कुमार	बीटेक/सीई/2017	भिवानी
गुरकिरत सचदेवा	शुभचिंतक	गांधीनगर	मृणाल चौहान	एमएससी/सीजी/2023	गांधीनगर
5,000 तक			रीपल दिनेश शाह	पीएचडी/सीई/2017	मुंबई
मोहित प्रकाशभाई कनाड़ा	शुभचिंतक	गांधीनगर	सूरज सोनकर	बीटेक/ईई/2013	नागपुर
गवास रामचन्द्र बबली	एमटेक/सीएल/2018	फ़िलाडेल्फिया	संजय सरोज	बीटेक/सीएल/2014	मुंबई
प्रथमेश बडवे	बीटेक/एमई/2019	ब्लैक्सबर्ग	हर्ष मध्यान	बीटेक/सीएल/2019	मुंबई
पुरुषोत्तम कुमार	बीटेक/सीएल/2017	ब्लैक्सबर्ग	अंकुर सिंह	बीटेक/सीएल/2019	रांची
नील नाडकर्णी	बीटेक/ईई/2012	कैम्ब्रिज	खिली खमेशरा	बीटेक/सीएल/2020	कोझिकोड
योगेश गोयल	बीटेक/सीएल/2012	शिकागो	बुकुनमी एडवुमी	एमएससी/सीजी/2021	बैंगलोर
गौरव महामुनि	बीटेक/एमई/2015	जयपुर	आर्य पी. आदित्यन	एमए/एचएसएस/2019	Tallahassee
नंदन परेश वीरा	बीटेक/सीएल/2015	अहमदाबाद	कोमल तरुणकुमार संगतानी	कर्मचारी	गांधीनगर
राज शाह	बीटेक/ईई/2015	Bellevue	एकता प्रश्रानी	बीटेक/ईई/2013	सैता बारबरा
कश्यप पटेल	बीटेक/ईई/2017	डलास	अंकित शर्मा	एमएससी/एमए/2021	कालानी बाग
नीतीश ए रतन	बीटेक/एमई/2012	सैन फ्रांसिस्को	अंबर कोठारी	बीटेक/एमई/2017	बैंगलोर
प्रकाशभाई वडोरा से मिलें	बीटेक/एमई/2016	सेंट लुई	गौरव कुमार	एमटेक/एमएसई/2014	रायपुर
तरुणा यादव	एमटेक/ईई/2015	ह्यूस्टन	पुनीथ चक्रवर्थुला	बीटेक/एमई/2012	सैता बारबरा
सागरदीप भक्त	एमटेक/एमई/2019	मिनीपोलिस	-हिमांशु शर्मा	एमटेक/एमई/2014	वेस्टमोंट
अमन पंवार	एमएससी/सीएच/2015	ऑस्टिन	सुशील शाह	शुभचिंतक	गांधीनगर
सनत चंद्र मैती	पीएचडी/सीएल/2019	बैंगलोर	ऋषभ जैन	बीटेक/सीई/2017	दिल्ली
तन्मय हीरालाल बलवा	बीटेक/एमई/2012	पुणे	सुनील भाई मंजेरी	शुभचिंतक	अहमदाबाद
मेश्राम यश अरुण	बीटेक/एमई/2022	चंद्रपुर	पटेल ध्रुविन पंकजकुमार	बीटेक/ईई/2022	बैंगलोर
शीतल रमेशचंद्र पंड्या	पीएचडी/एमएसई/2022	अहमदाबाद	ओंकारम कोम्मु	बीटेक/एमई/2012	उधममंडलम
वरुण गर्ग	शुभचिंतक	गांधीनगर	एलरिक सिरिल डिसूज़ा	बीटेक/एमई/2019	सनीवेल
प्रिंस कुमार वर्मा	बीटेक/सीएल/2017	चेन्नई	गुंटूरकर चैतन्य शशिकांत	बीटेक/एमएसई/2023	मुंबई
रॉय निखिल आदित्य	बीटेक/सीएल/2018	गेन्सविले	पंवार हृषिकेश विनोद	एमएससी/एमए/2022	पुणे

अयन रक्षित	बीटेक/एमएसई/2020	मुंबई	मंगेश पोपटराव गंगाडें	बीटेक/एमई/2014	जयपुर
निहारिका	बीटेक/ईई/2017	पटना	नवनीत मीना	बीटेक/एमई/2014	इंगूरपुर
हरे महतो	बीटेक/एमई/2014	हो चि मिन्ह	अनु विवेक	बीटेक/एमई/2014	अहमदाबाद
अरुंधति बी	एमए/एचएसएस/2018	हैदराबाद	रमेश कुमार	बीटेक/एमई/2015	चेन्नई
हर्ष ओझा	एमटेक/ईई/2018	पोरबंदर	प्रसित पाल	बीटेक/एमई/2015	वडोदरा
प्रणव त्रिवेदी	एमटेक/एमएसई/2020	गांधीनगर	विशाल यादव	बीटेक/एमई/2015	दिल्ली
दुथडे संकेत राजेश	बीटेक/ईई/2018	बीड	अनुराग अग्रवाल	बीटेक/एमई/2017	दिल्ली
प्रदीप कुमार यादव	एमएससी/सीएच/2021	उत्तर प्रदेश।	निशांत	बीटेक/एमई/2017	बैंगलोर
हेमन्त गिते	एमटेक/सीएल/2013	मुंबई	अमित यादव	बीटेक/एमई/2017	पुणे
व्योम मुद्गल	बीटेक/सीएल/2021	इंदौर	कदम ओंकार देवीदास	बीटेक/एमई/2020	नांदेड़
प्रणवकुमार एस	बीटेक/सीई/2018	मुंबई	सोनी अनिरुद्ध प्रदीपकुमार	बीटेक/एमई/2021	मुंबई
सुमित देशमुख	बीटेक/एमई/2014	थाइन	वैभव सैनी	बीटेक/एमई/2022	जयपुर
गौरव जोगी	एमटेक/एमएसई/2021	गांधीनगर	सुदीप्त बसु	संकाय	गांधीनगर
राजा शेखर भूमा	बीटेक/ईई/2012	हैदराबाद	नितिन जॉर्ज	संकाय	गांधीनगर
भोईर मंदार सुरेश स्मिता	एमटेक/ईई/2015	महाराष्ट्र	-हिमांशु शेखर	संकाय	गांधीनगर
रोहित पाटिल	बीटेक/सीएसई/2021	बैंगलोर	एंजेल मारिया वर्गीस	एमए/एचएसएस/2022	गांधीनगर
रसिका रामकृष्ण	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर	पास्ताकिया टैरोनिस अस्ताद	एमएससी/सीजी/2017	अहमदाबाद
प्रगदीश आर आर	बीटेक/एमई/2018	सलेम	-हिमांशु कुमार सिंह	एमएससी/सीएच/2017	आनंद
अक्षय बिश्रीई	बीटेक/सीएल/2012	जोधपुर	संदीप शर्मा	एमएससी/सीएच/2022	बल्ली बल्ली
अनरसे आशीष प्रल्हाद	बीटेक/एमई/2016	औरंगाबाद	अरित्र कुमार भादुड़ी	एमएससी/एमए/2018	पुणे
साकेतराम नरारुला	एमटेक/सीएल/2021	वडोदरा	मेघाली गर्ग	एमएससी/एमए/2019	बरनाला
हर्ष जनककुमार शाह	एमटेक/सीई/2018	सूरत	अंकित फोगाट	एमएससी/पीएच/2019	दिल्ली
दसारी यशवन्त कुमार	बीटेक/सीएल/2014	विशाखापत्तनम	मो सहनवाज़ आलम	एमएससी/पीएच/2020	उत्तर दिनाजपुर
रंजना मेहता	पीएचडी/एमए/2019	उत्तराखंड	कौस्तुभ जयन्त उदास	एमटेक/सीई/2015	पुणे
राघवेंद्र चारी	बीटेक/ईई/2014	डेढ्रायट	कौस्तुभ देशपांडे	एमटेक/सीई/2018	ग्वालियर
अमित रेजा	पीएचडी/पीएच/2021	गांधीनगर	यश गोयल	एमटेक/सीई/2020	इंदौर
मोहित वर्मा	बीटेक/सीएल/2013	इंदौर	प्रीति राठी	एमटेक/सीएल/2015	खड़गपुर
अंकित सिंह	बीटेक/सीएल/2019	मुंबई	रवि आनंद सिंह	एमटेक/सीएल/2019	पटना
आकाश केशव सिंह	बीटेक/एमई/2015	पुणे	अरुण गोपालकृष्णन नायर	एमटेक/ईई/2014	वडोदरा
निशांत	बीटेक/सीई/2021	पुणे	मनीष कुमार विश्वकर्मा	एमटेक/ईई/2016	मुंबई
माधव तिवारी	बीटेक/सीई/2021	हरिद्वार	कुमार गौरव	एमटेक/ईई/2016	चेन्नई
पलक सदानी	बीटेक/सीएल/2016	दिल्ली	मनीष पिल्लई	एमटेक/एमई/2014	बैंगलोर
-सौरभ सोनी	बीटेक/सीएल/2017	मुंबई	नीलेश भंडारी	एमटेक/एमई/2014	मुंबई
कार्तिक हिलाल	बीटेक/सीएल/2022	पुणे	जटेगांवकर चिन्मय शिरीष	एमटेक/एमई/2021	भोपाल
-आदित्य गर्ग	बीटेक/सीएसई/2021	गोमती नगर	उमंग भूपतराय देसाई	एमटेक/एमएसई/2016	मुंबई
पुष्कर मुजुमदार	बीटेक/सीएसई/2022	नागपुर	ऋषि धवन	एमटेक/एमएसई/2018	दिल्ली
मिहिर विक्रम जैन	बीटेक/सीएसई/2022	बैंगलोर	आशीष यादव	एमटेक/एमएसई/2019	अहमदाबाद
नवीन कुमार एंडला	बीटेक/ईई/2012	उदयपुर	सिद्धार्थ विजय कुलकर्णी	पीएचडी/सीएल/2017	मुंबई
सिद्धार्थ गोरा	बीटेक/ईई/2013	कोटा	आशा लिज़ा जेम्स	पीएचडी/सीएल/2020	कोट्टायम
सत्येन्द्र सिंह जादौन	बीटेक/ईई/2013	चेन्नई	कोमल पांडे	पीएचडी/सीएल/2021	धनबाद
मुदित राठोर	बीटेक/ईई/2016	दिल्ली	शीतल अरुणभाई अमीन	पीएचडी/सीएल/2021	अहमदाबाद
दिनेन्द्र प्रताप सिंह तोमर	बीटेक/ईई/2017	दिल्ली	दीपेश कुमार	पीएचडी/ईई/2018	वाराणसी
रचित गोयल	बीटेक/ईई/2018	गांधीनगर	हार्दिक श्याम व्यास	पीएचडी/ईई/2021	गांधीनगर
अमित परिहार	बीटेक/ईई/2019	टोंक शहर	आकर्ष ए	पीएचडी/ईएच/2020	पोहांग
अरिक पमनानी	बीटेक/ईई/2019	बैंगलोर	नमन जैन	बीटेक/सीई/2019	बैंगलोर
प्रियोलकर नेहा सत्येन्द्र	बीटेक/ईई/2020	मुंबई	सुजाता सिन्हा	एमटेक/सीएस/2018	मॉन्ट्रियल
शुभम् अशोक कलगुंडे	बीटेक/ईई/2020	हैदराबाद	बोरसे प्रोजलि अनिल	बीटेक/सीई/2021	नासिक
श्वेता परदेशी	बीटेक/ईई/2021	बैंगलोर	जानी पुरविल राहुलभाई	बीटेक/सीएल/2018	इथाका
अभिनव मीना	बीटेक/ईई/2022	जयपुर	सुनील नायर	बीटेक/ईई/2014	डलास
कौस्तुभ कपूरे	बीटेक/एमई/2012	नोएडा	जतिनदीप सिंह	बीटेक/ईई/2016	न्यूयॉर्क
-सौरभ गंगवाल	बीटेक/एमई/2012	दिल्ली	बेदमुथा मानस सतीष	बीटेक/ईई/2020	नासिक
निखिल हरिदास	बीटेक/एमई/2012	बैंगलोर	पाटिल राधिका प्रमोद	बीटेक/एमई/2016	स्टैनफोर्ड
श्रेयस वैद्य	बीटेक/एमई/2013	बैंगलोर	जुगल मेहता	बीटेक/एमएसई/2018	डेविस
अजिंक्य पी दहाले	बीटेक/एमई/2013	मुंबई	नेहा मीना नेहा मीना	बीटेक/एमएसई/2020	पुणे
शालीवाहन सिंह राठौड़	बीटेक/एमई/2014	धार	अंकुरी सकसैना	एमएससी/सीजी/2016	नोएडा
सुयश सुभाष पाटकर	बीटेक/एमई/2014	मुंबई	शिवांश कौशिक	एमएससी/सीएच/2018	नदी के किनारे

ओजस्वी वर्मा	एमएससी/सीएच/2020	ह्यूस्टन
मोहम्मद मोहसिन ठाकुर	एमटेक/सीई/2016	Knoxville
सोजित्र कंदर्प अशोक	एमटेक/सीएल/2021	कॉलेज स्टेशन
आबिला थरज़ीन	एमटेक/ईई/2021	ढाका
प्रीरिट टेरेवे	बीटेक/ईई/2012	प्रिंसटन
बोरे दिनेश अनिल	बीटेक/सीई/2018	गांधीनगर
झावेरी अंशल जयेशभाई	एमटेक/एमई/2016	सूरत
गौरव कुमार	बीटेक/ईई/2012	बैंगलोर
अभिषेक सिंह	बीटेक/ईई/2015	बैंगलोर
जतिन आशीष ढोलकिया	बीटेक/ईई/2020	बैंगलोर
राहुल गर्ग	बीटेक/एमई/2016	लखनऊ
श्रीनिधि भिडे	बीटेक/एमई/2020	मुंबई
राहुल गुप्ता	एमटेक/बीई/2019	दिल्ली
सिल्की अग्रवाल	एमटेक/सीई/2015	गांधीनगर
अनुभा अग्रवाल	एमटेक/सीएल/2017	दिल्ली
सायक चौधरी	एमटेक/सीएसई/2020	बैंगलोर
शुभम् पाटिल	एमटेक/ईई/2020	मुंबई
दीक्षी अंगिरा	पीएचडी/सीएच/2020	बैंगलोर
गौरव शर्मा	बीटेक/एमई/2016	बाल्टीमोर
हरि एस नायर	एमटेक/बीई/2022	नाहरलगुन
कामनुरू वामसीधर रेड्डी	बीटेक/ईई/2016	सैन फ्रांसिस्को
मोदीहर्ष जशवंतभाई	बीटेक/एमई/2018	पुणे
प्रियंका तेनान	शुभचिंतक	हनुमानगढ़
त्रिवेदी जलधीर संजय	बीटेक/एमई/2018	पिट्सबर्ग
अभय वाण्येय	बीटेक/सीई/2018	रोपड़
देवव्रत जोशी	बीटेक/सीएसई/2022	बैंगलोर
राहुल पटसारिया	एमटेक/सीएल/2016	झांसी
मनु चौधरी	बीटेक/सीई/2017	अहमदाबाद
अनुराग गोयल	बीटेक/सीई/2017	बैंगलोर
पुलकित सिंघल	बीटेक/सीई/2019	दिल्ली
सुशील कुमार	बीटेक/सीएल/2016	मुंबई
पंकज वाटवानी	बीटेक/ईई/2020	बैंगलोर
पंकज तिवारी	एमए/एचएसएस/2019	बलरामपुर
मोहित कुमार	एमएससी/सीएच/2021	गांधीनगर
खुशवंत फतनानी	एमटेक/सीएल/2019	रायपुर
आशीष कुमार	एमटेक/ईई/2020	चेन्नई
कुणाल भारद्वाज	एमटेक/सीई/2020	जयपुर
प्राकृत कंसारा	बीटेक/सीई/2018	कोलंबिया
अनाशुसेन सैय्यद	एमटेक/एमई/2018	आनंद
अमनदीप कौर	बीटेक/सीएल/2014	दिल्ली
गौरव सोनकुसले	बीटेक/सीएल/2022	गांधीनगर
चौधरी मनीष	बीटेक/सीएल/2023	मुंबई
पार्थ मदान	बीटेक/सीएल/2023	फरीदाबाद
आदित्य दिलीप पुसलकर	बीटेक/सीएसई/2022	पुणे
अभिज्ञान मार्टिन निनामा	बीटेक/सीएसई/2023	झाबुआ
ओटेड्डु राम कृष्ण रेड्डी	बीटेक/ईई/2021	कुरनूल
पुलकित जैन	बीटेक/ईई/2023	जयपुर
पुरुषोत्तम लाल सुमन	बीटेक/एमई/2014	नोएडा
समानवे दास	एमएससी/सीएच/2023	गांधीनगर
मुकुंद कुमार मिश्रा	एमएससी/एमए/2015	पटना
नीलाचल चक्रवर्ती	एमएससी/पीएच/2023	बीरभूम
सोहम आचार्य	एमएससी/पीएच/2023	गांधीनगर
पंकज यादव	एमटेक/बीई/2021	जयपुर
स्पंदना एम हरिदास	एमटेक/सीई/2021	त्रिशूर
सुरुचि शर्मा	एमटेक/ईई/2019	अलीगढ़
अजय कुमार उचेनिया	एमटेक/ईई/2020	जयपुर

कुमार भानु खंडेलवाल	एमटेक/ईई/2021	हैदराबाद
अक्षय राजीव	एमटेक/ईएसएस/2021	इथाका
सुमित सुभाष सिंह	एमटेक/एमई/2016	बैंगलोर
सारथ दुबे	एमटेक/एमई/2021	सूरत
अरूप डेका	पीजीडीआईआईटी/ एमई/2019	गुवाहाटी
कुमारी नीरज कौशल	पीएचडी/ईई/2023	बैंगलोर
शिवानी शर्मा	पीएचडी/एचएसएस/2023	संबलपुर
सौमेन रॉय	पीएचडी/पीएच/2021	यूटेक्ट, नीदरलैंड
पाटिल सत्यजीत जयवंत	पीएचडी/पीएच/2023	Darmstadt
अथर्व चेवाले	बीटेक/सीएसई/2021	परभनी
अशीम राज कोंवर	बीटेक/ईई/2018	दिल्ली
जैनेन्द्र जैन	एमटेक/ईई/2021	दाहोद
विक्रम विश्वोई	बीटेक/एमई/2014	जालीर
ध्येय शाह	बीटेक/एमई/2015	अहमदाबाद
बाला साई किरण पटनम्	पीएचडी/ईई/2021	हैदराबाद
वखारिया विस्मय दिलीपकुमार	बीटेक/एमई/2018	जामनगर
मरगज ओम विजय	बीटेक/एमई/2016	औरंगाबाद
सोलेटी गीतम	बीटेक/एमई/2018	आंध्र प्रदेश
सलीम खान	एमटेक/सीई/2021	मुंबई
मानसी कुलदीप शाह	एमटेक/ईई/2021	बैंगलोर
चौधरी सौरभ सुनील	बीटेक/सीई/2019	महाराष्ट्र
वैशाली सी	एमटेक/बीई/2019	पांडिचेरी
वंदन पटेल	बीटेक/सीएसई/2021	पुणे
सककारी आकाश गौड़	बीटेक/सीई/2017	निर्मल
मोनिश भंगाले	बीटेक/सीएल/2015	थाइन
संजय कुमार गिल	बीटेक/ईई/2014	झंझुनूं
गौरव द्विवेदी	पीएचडी/एमए/2017	उतार प्रदेश
यशोवर्धन	बीटेक/ईई/2018	इंदौर
श्रीकांत पटेल	बीटेक/ईई/2016	पन्ना
लवलेश कुमार बाजपेयी	बीटेक/सीई/2019	गांधीनगर
जितेश साह	एमटेक/ईई/2020	नैनीताल
भोगे शशांक विलास	बीटेक/सीई/2019	अमरावती
वर्षा सिंह	बीटेक/सीएल/2020	बैंगलोर
उपेन्द्र कुमार उपेन्द्र कुमार	बीटेक/एमई/2020	दिल्ली
अभिषेक सैनी	एमएससी/सीएच/2019	राजस्थान
वाघेला विशाल घनश्यामभाई	पीजीडीआईआईटी/ सीई/2020	अहमदाबाद
दिनेशराज डी	बीटेक/एमएसई/2021	कोयंबटूर
एकता	एमटेक/सीई/2023	रेवाडी
वरुण पांडे	शुभचिंतक	गांधीनगर
करंदीकर ऋतुपर्ण प्रमोद	बीटेक/सीएल/2014	पुणे
सरकार आदित्य अंजन	एमटेक/एमएसई/2016	पुणे
सार्थक जैन	बीटेक/ईई/2012	यूपएसए
आर्य	बीटेक/एमई/2015	मुजफ्फरपुर
अरबल रेशमा मल्लीनाथ	एमटेक/सीएल/2017	उस्मानाबाद
प्रत्युष शास्त्री	बीटेक/सीएल/2014	भिलाई
दतला सूर्या विक्रंत वर्मा	बीटेक/सीएल/2012	काकीनाडा
गौरव गर्ग	बीटेक/सीएल/2012	अलवर
वैभव गांधी	बीटेक/ईई/2015	सैन डिएगो
दशरथ मीना	एमएससी/एमए/2019	राजस्थान
गंधम महेंद्रनाथ	बीटेक/ईई/2012	काकीनाडा
शशांक निगम	बीटेक/एमई/2016	गुनाह
राजेश कुमार मीना	बीटेक/ईई/2016	दौसा
विवेक चैतन्य पेद्दिराजू	एमटेक/एमएसई/2018	गुंटूर
यश मर्दा	बीटेक/सीएल/2012	मुंबई
मानवेन्द्र सिंह चौहान	बीटेक/एमई/2020	जयपुर

संतोष एस	बीटेक/एमई/2019	चेन्नई
शाह आम्बिन शीतलभाई	बीटेक/सीएल/2019	अहमदाबाद
अनुष्का ओझा	एमएससी/सीजी/2020	अहमदाबाद
गीतांजलि एस डी	विद्यार्थी	गांधीनगर
अश्विनी कुमार मिश्र	एमएससी/सीजी/2015	लखनऊ
-अखिलेश भट्ट	बीटेक/एमई/2018	फ़िलाडेल्फ़िया
स्मृति साहू	एमटेक/ईई/2018	टोंक
पी जयकृष्ण साहित	बीटेक/सीएसई/2020	हैदराबाद
निखिल सिंह	एमटेक/ईई/2016	अलवर
देवु महेसन	एमएससी/सीजी/2016	मुंबई
सर्वदीप सांगवान	एमएससी/पीएच/2020	चरखी दादरी
महेश कुमार	बीटेक/एमई/2015	बीकानेर
धर्मेन्द्र कुमार	बीटेक/सीई/2017	दिल्ली
नरेंद्र सारस्वत	बीटेक/सीई/2017	दिल्ली
अजय सिंह शेखावत	बीटेक/सीई/2018	बैंगलोर
बुलाबाई श्रीधर गोपीकृष्ण	बीटेक/सीई/2018	मुंबई
ऐश्वर्य ओंकार	बीटेक/सीई/2019	मुंबई
चेक्कला साई श्रीशाल	बीटेक/सीई/2020	हैदराबाद
गरिमा रघुवंशी	बीटेक/सीएल/2013	बैंगलोर
दुर्गेश बागरी	बीटेक/सीएल/2014	बारां
ध्रुव पंचोली	बीटेक/सीएल/2015	बैंगलोर
अभिषेक संचेती	बीटेक/सीएल/2015	बैंगलोर
वीरेंद्र सिंह पंवार	बीटेक/सीएल/2016	पुणे
अंकित पंडोले	बीटेक/सीएल/2016	बैंगलोर
चौधरी कुणाल रामकिशुन	बीटेक/सीएल/2016	मुंबई
लवदीप कौर	बीटेक/सीएल/2016	झुंझुनू
सरगम जैन	बीटेक/सीएल/2017	बैंगलोर
अडप्पा आश्रय अमरनाथ	बीटेक/सीएल/2017	नोएडा
कुशाग्र भार्गव	बीटेक/सीएल/2017	कोलकाता
देवांशु मनोज जैन	बीटेक/सीएल/2017	उदयपुर
अक्षय कुमार वर्मा	बीटेक/सीएल/2017	बैंगलोर
आयुष माथुर	बीटेक/सीएल/2018	बैंगलोर
अभिनय राणा	बीटेक/सीएल/2018	दिल्ली
शिव कुमार	बीटेक/सीएल/2019	बांका
अभिषेक दुबे	बीटेक/सीएल/2020	बैंगलोर
अरुण शाक्य	बीटेक/सीएल/2021	झांसी
अभव्या चंद्रा	बीटेक/सीएल/2021	बैंगलोर
राहुल धमनिया	बीटेक/सीएल/2021	दिल्ली
शांतनु जना	बीटेक/सीएल/2021	बैंगलोर
पार्थ उपाध्याय	बीटेक/सीएल/2021	मुंबई
चव्हाण आशीष किशोर	बीटेक/सीएल/2022	वाघोली
राहुल चल्ला	बीटेक/सीएसई/2020	कोलकाता
अंकुश चौहान	बीटेक/सीएसई/2021	कोटा
दयावरशेट्टी पीयूष	बीटेक/सीएसई/2021	करीमनगर
देबरिया दास	बीटेक/सीएसई/2021	दुर्ग
-अंशुमान यादव	बीटेक/सीएसई/2021	बैंगलोर
चेन्ना केशव तिरुनगरी	बीटेक/सीएसई/2021	बैंगलोर
सचिन यादव	बीटेक/सीएसई/2022	दिल्ली
क्रिस फ्रांसिस	बीटेक/सीएसई/2022	ला जोला
-भार्गव कुमार ठाडम	बीटेक/ईई/2012	मुंबई
राहुल कवाडकर	बीटेक/ईई/2012	दिल्ली
प्रीतीश जैन	बीटेक/ईई/2013	चेन्नई
मोहित मालू	बीटेक/ईई/2013	टेम्पे
पार्थ एम शाह	बीटेक/ईई/2013	दिल्ली
अंकिता शर्मा	बीटेक/ईई/2014	मुंबई
पार्थ गुड्डका	बीटेक/ईई/2015	गांधीनगर

वैभव माथुर	बीटेक/ईई/2015	जोधपुर
प्रिंस कुमार सिंह	बीटेक/ईई/2016	दिल्ली
आयुष्मान त्रिपाठी	बीटेक/ईई/2018	अहमदाबाद
आयुष श्रोते	बीटेक/ईई/2018	तिरुवनंतपुरम
-अंशुल शिवहरे	बीटेक/ईई/2020	बैंगलोर
प्रतीक पुरी गोस्वामी	बीटेक/ईई/2020	भावनगर
नयन चौधरी	बीटेक/ईई/2021	मुंबई
स्वाति वर्मा	बीटेक/एमई/2012	दिल्ली
हरिकृष्णन सी.बी	बीटेक/एमई/2013	त्रिशूर
रोहित चौकसे	बीटेक/एमई/2013	मुंबई
रौनक खंडेलवाल	बीटेक/एमई/2015	बैंगलोर
निकिता पट्टा	बीटेक/एमई/2016	स्टैनफोर्ड
वैभव गुप्ता	बीटेक/एमई/2017	दिल्ली
देवेन्द्र मीना	बीटेक/एमई/2017	कोझिकोड
रोहित नानावटी	बीटेक/एमई/2017	मुंबई
जगमोहन	बीटेक/एमई/2019	डेविस
सौरव नगर	बीटेक/एमई/2019	बैंगलोर
सक्षम सिंगल	बीटेक/एमई/2019	बैंगलोर
संदीप कुमार यादव	बीटेक/एमई/2019	बैंगलोर
सुकुल लावास	बीटेक/एमई/2020	मुंबई
ससालिकर पुष्करराज श्यामप्पा	बीटेक/एमई/2020	बुलढाणा
वंदित गोयल	बीटेक/एमई/2021	जयपुर
कुंवर शिवम प्रताप	बीटेक/एमएसई/2020	कानपुर
पंकज कुमार सैनी	बीटेक/एमएसई/2020	गुवाहाटी
बी रत्ना भारती	एमए/एचएसएस/2016	दिल्ली
तुषार मेश्राम	एमए/एचएसएस/2016	दिल्ली
सिनी सुसान वर्गीस	एमए/एचएसएस/2016	अहमदाबाद
पवन शर्मा	एमए/एचएसएस/2018	एडीलेड
ऋतुपर्णा राणा	एमए/एचएसएस/2018	बर्लिन
अभिषेक रमेश	एमए/एचएसएस/2021	अनंतपुर
गोल्डी यादव	एमएससी/सीजी/2015	ब्रसेल्स
राखी	एमएससी/सीजी/2016	अहमदाबाद
श्रीकांत सी	एमएससी/सीजी/2019	बैंगलोर
प्राणकुर सक्सेना	एमएससी/सीजी/2019	बैंगलोर
प्रणीता तराणेकर	एमएससी/सीजी/2022	दिल्ली
अमरज्योति दास महापात्र	एमएससी/सीएच/2015	गांधीनगर
पायल अरोरा	एमएससी/सीएच/2016	गुडगांव
कोठा श्रीनु	एमएससी/सीएच/2017	हैदराबाद
मृदुपवन सोनोवाल	एमएससी/सीएच/2017	तिनसुकिया
अनन्या राणा	एमएससी/सीएच/2021	गांधीनगर
बालू राम	एमएससी/एमए/2017	डेगाना
योगेश कुमार गुप्ता	एमएससी/एमए/2020	जयपुर
विकास कुमार पांडे	एमएससी/एमए/2022	पटना
गौरव पाल	एमएससी/एमए/2022	झज्जर
लीमा सैकिया	एमएससी/पीएच/2017	दिल्ली
अपेक्षा श्रीवास्तव	एमटेक/बीई/2019	गांधीनगर
कैमेलिया चक्रवर्ती	एमटेक/बीई/2019	पेरिस
-शुभम सोनी	एमटेक/सीई/2017	इंदौर
अमज्जेश बशीर	एमटेक/सीई/2018	शारजाह
शिवेश शांडिलय	एमटेक/सीई/2021	मुंबई
सचिन वर्मा	एमटेक/सीएल/2018	बाराबंकी
साईराम एस	एमटेक/सीएल/2019	चेन्नई
मोहम्मद जफर अहमद	एमटेक/सीएल/2020	पुणे
चैत्रा बोरकर	एमटेक/सीएल/2021	दिल्ली
मयंक श्रीवास्तव	एमटेक/सीएल/2021	गांधीनगर
सुबिषा वी	एमटेक/सीएस/2019	बैंगलोर

के एस अशिन शैनली	एमटेक/सीएसई/2022	त्रिशूर	सुधा गौतम	एमटेक/एमएसई/2020	मुंबई
सनी वर्मा	एमटेक/ईई/2016	दिल्ली	प्रभात कुमार	पीएचडी/सीई/2021	झांसी
चन्द्र शेखर रावुरी	एमटेक/ईई/2018	बैंगलोर	जीतेन्द्र पुखराज पंवार	कर्मचारी	गांधीनगर
शुभांशु गुप्ता	एमटेक/ईई/2018	दिल्ली	सागरकुमार भरतभाई गजेरा	एमएससी/एमए/2019	सूरत
पायल व्यंकट दहीवाले	एमटेक/ईई/2019	मुंबई	केसनि कल्याणी	बीटेक/सीएल/2017	मेडचाल
जाँयदीप कुमार देवनाथ	एमटेक/ईई/2019	गुवाहाटी	रूपक शर्मा	बीटेक/ईई/2022	बैंगलोर
विनीता बोडेमपुडी	एमटेक/ईई/2019	हैदराबाद	शिरीष शेल्ले	बीटेक/एमई/2021	मुंबई
अंकित वर्मा	एमटेक/ईई/2021	बैंगलोर	जयेष्ठी माली	एमएससी/पीएच/2021	मुंबई
शिवांगी सिंह	एमटेक/ईएसएस/2018	गांधीनगर	प्रियंका प्रकाश श्रीवास्तव	एमटेक/बीई/2019	दिल्ली
रजनीकांत अतुल घाटे	एमटेक/एमई/2016	पुणे	जयेश सोलंकी	शुभचिंतक	गांधीनगर
अखिल पटनायक	एमटेक/एमई/2017	बैंगलोर	कार्तिक मंडलेकर	बीटेक/सीई/2019	चेन्नई
ब्रिजेश कुमार	एमटेक/एमई/2017	सुल्तानपुर	राठी आदित्य मनीष	बीटेक/एमई/2020	पिट्सबर्ग
पिंकी यादव	एमटेक/एमई/2019	दिल्ली	आशुतोष सोनपाल	एमटेक/सीई/2018	मुंबई
डुडयाला राहुल रेड्डी	एमटेक/एमई/2021	कुरुनूल	प्रशांत कुमार	बीटेक/ईई/2016	मुंबई
रोहित मिश्रा	एमटेक/एमएसई/2014	दिल्ली	-शुभम गर्ग	एमएससी/पीएच/2018	दिल्ली
दर्शन अजमेरा	एमटेक/एमएसई/2015	इंदौर	शालीन छाजेड़	बीटेक/सीई/2017	डिगबोई
करिश्मा गौरीपट्टु	एमटेक/एमएसई/2022	गोपालगंज	शिवजी भगत	बीटेक/सीएसई/2020	कोलकाता
पीयूष कुमार	पीजीडीआईआईटी/ईई/2020	दिल्ली	कविता वैष्णव	बीटेक/सीएसई/2021	दिल्ली
शशि प्रभाकर	पीएचडी (पीआरएल)/ पीएच/2015	अहमदाबाद	निरल पंकज पारिख	बीटेक/ईई/2013	बैंगलोर
नसर अहमद खान	पीएचडी/सीई/2022	गया	राजेश पाटीदार	बीटेक/एमई/2015	दिल्ली
कतला जगदीश कुमार	पीएचडी/सीएच/2020	हैदराबाद	-शुभम गोंड	बीटेक/एमएसई/2020	गांधीनगर
अल्लाफ शेख	पीएचडी/सीएच/2020	बाल्टीमोर	श्याम कुमार	एमएससी/पीएच/2017	दिल्ली
अभिजीत मधुकर सरकाले	पीएचडी/सीएच/2021	वापी	सियाराम मीना	एमएससी/पीएच/2020	दिल्ली
हरिहरन पी	पीएचडी/सीएल/2016	कोयंबटूर	-पुनम रात्रे	पीएचडी/एमएसई/2021	आयरलैंड
बैजू राजा शेखर	पीएचडी/ईई/2020	हैदराबाद	प्रशांत कुमार सिंह	बीटेक/सीएल/2014	गांधीनगर
नमन दीप सिंह	पीएचडी/ईएच/2021	आगरा	प्रदुम्न पांडे	बीटेक/सीएल/2021	झांसी
पूजा सुसान थॉमस	पीएचडी/एचएसएस/2016	अहमदाबाद	विवेक उपेन्द्रकुमार मोदी	बीटेक/सीएसई/2022	ग्रेटर फिलाडेल्फिया
रामबरन वर्मा	पीएचडी/एमए/2018	मुंबई	लवप्रीत सिंह	बीटेक/सीएसई/2023	बैंगलोर
रमेशकुमार एम भोरनिया	पीएचडी/एमई/2018	अहमदाबाद	एरंडी सेनीथ	बीटेक/ईई/2023	बैंगलोर
प्रियांक पाराशरी	पीएचडी/पीएच/2022	बदायूं	कौशिक चंद्र चेन्ना	बीटेक/ईई/2023	बैंगलोर
सुजीतकुमार आर शाह	कर्मचारी	गांधीनगर	वशिष्ठ गौतम प्रशांत	बीटेक/ईई/2023	अहमदाबाद
राजेंद्र वैष्णव	कर्मचारी	गांधीनगर	राम प्रकाश	बीटेक/एमई/2012	जयपुर
कृति कपिल	एमएससी/सीएच/2019	पिट्सबर्ग	श्रीपाद आर जी कृष्ण तेजा	बीटेक/एमई/2013	हैदराबाद
उत्पल के भट्टाचार्य	शुभचिंतक	इंदौर	ऋषभ रोहिल	बीटेक/एमई/2023	अलीगढ
आयुष अग्रवाल	बीटेक/सीएसई/2021	जयपुर	ध्रुव दर्डा	बीटेक/एमई/2023	बैंगलोर
प्रवीण वैकटेश	बीटेक/ईई/2022	पिट्सबर्ग	मुंददा यशम अमर	बीटेक/एमएसई/2021	राज्य का कॉलेज
आदित्य सामंत	बीटेक/सीएल/2015	लंदन	शिरोडकर सोहम राजेश	बीटेक/एमएसई/2023	मुंबई
स्पंद भरत मेहता	बीटेक/सीएल/2020	भरूच	मुदावत श्रीनिवास	एमए/एचएसएस/2016	हैदराबाद
एस वीनू शंकर	बीटेक/सीएसई/2020	कॉलेज पार्क	सफा फातिम	एमए/एचएसएस/2023	दिल्ली
कार्तिक सक्सेना	बीटेक/ईई/2014	सैन फ्रांसिस्को	अनिशा मोहंती	एमए/एचएसएस/2023	गांधीनगर
मेहता यश संजय	बीटेक/ईई/2016	मुंबई	दिव्या रेजी	एमएससी/सीजी/2020	दिल्ली
वरुण अग्रवाल	बीटेक/ईई/2018	डरहम	अशला सेल्वम	एमएससी/सीजी/2023	चेन्नई
गोहिल वासुदेव अरविंदकुमार	बीटेक/ईई/2018	कॉलेज स्टेशन	अत्रि घोष	एमएससी/सीजी/2023	कोलकाता
अमित कुमार सिंह यादव	बीटेक/ईई/2020	बैंगलोर	रवि कनवंत	एमएससी/सीएच/2021	झंझुनूं
भर्ग मेहता	बीटेक/एमई/2020	सूरत	नचिकेत किशोर प्रधान	एमएससी/सीएच/2023	थाइन
कनिका गुप्ता	एमटेक/सीई/2017	वेस्ट लाफायेट	अश्वनी शर्मा	एमएससी/सीएच/2023	दिल्ली
पटेल वले परेश	एमटेक/ईई/2017	साउथ प्लेनफ्रील्ड	तुषार कर्माकर	एमएससी/एमए/2023	पुरुलिया
सरला यादव	एमएससी/सीएच/2018	रेवाड़ी	स्वर्णदीप बागची	एमएससी/एमए/2023	ओटावा
ओझा भार्गव हिरेन	एमए/एचएसएस/2016	अहमदाबाद	आशा कुमारी	एमएससी/पीएच/2021	हर
पवित्रा अशोक कुमार	एमएससी/सीजी/2018	बैंगलोर	मौसमी मित्रा	एमएससी/पीएच/2023	हावड़ा
सचिन कुमार	एमएससी/पीएच/2019	दिल्ली	आकृति बंसल	एमटेक/बीई/2021	दिल्ली
मांडले भ्रैहल धार्मिक प्रमिला	एमटेक/सीएल/2017	टोरंटो	रुजूता अविनाश भट्ट	एमटेक/सीई/2015	नागपुर
आकाश कुमार	बीटेक/सीएल/2012	दिल्ली	वेद प्रकाश	एमटेक/सीई/2021	दिल्ली
अमित कुमार	एमएससी/एमए/2018	दिल्ली	साहिल वानी	एमटेक/सीई/2021	चेन्नई
वैभवकुमार टंडेल	एमटेक/एमई/2021	कानपुर	प्रकाश कुमार	एमटेक/सीई/2023	मधुबनी

अनुराधा	एमटेक/ईई/2015	समस्तीपुर
देबाशीष नाथ	एमटेक/ईएसएस/2021	माजुली
श्रीकेश एस अय्यर	एमटेक/एमई/2019	हैदराबाद
गौरव चक्रवर्ती	एमटेक/एमई/2023	गांधीनगर
तुरपति सुनीलकुमार	एमटेक/एमई/2023	कोलकाता
भूपेन्द्र कुमार	एमटेक/एमएसई/2018	बरेली
अजय सिंह	एमटेक/एमएसई/2018	मिर्जापुर
मेधावी केतन जरीवाला	पीजीडीआईआईटी/सीएल/2023	मुंबई
सुधाकर कुमावत	पीएचडी/सीएसई/2021	सुइता, जापान
इंद्र दीप मस्तान	पीएचडी/सीएसई/2021	जयपुर
शांतमय गुहा	पीएचडी/ईएच/2021	प्राग, जो गणतंत्र
ऋषितोष	पीएचडी/ईएच/2023	अहमदाबाद
ओम प्रकाश	पीएचडी/एमए/2023	मुंबई
शेफाली उत्तम	पीएचडी/पीएच/2021	दिल्ली
निधि त्रिपाठी	पीएचडी/पीएच/2021	मेन्ज, जर्मनी
परवीन कुमार	एमएससी/एमए/2017	नोएडा
संजय कुमार	पीएचडी/बीई/2020	वस्त्रपुर
श्रीधर पवार	बीटेक/सीएसई/2023	परभनी
चिमने प्रतीक तुलसीराम	एमटेक/एमई/2017	हैदराबाद
बाला हर्ष सृष्टि	एमटेक/सीई/2020	महबूबनगर
किशोर कुमार जगिनी	एमएससी/सीजी/2016	वारंगल
हमजा मोहम्मद जुबैर	एमएससी/सीजी/2015	उतार प्रदेश।
जेसिका सत्यार्थी	बीटेक/ईई/2022	ग्वालियर
सिसारा प्रतीककुमार धीरुभाई	बीटेक/एमएसई/2019	सूरत
नेविलकुमार पांचाल	एमटेक/एमई/2018	वडोदरा
श्री शिव गणेश गोदादा	बीटेक/एमई/2014	दिल्ली
आकाश	एमएससी/पीएच/2022	दिल्ली
पब्बथी अखिल कुमार	बीटेक/ईई/2017	बैंगलोर
अमित जांगिड़	बीटेक/एमई/2020	जयपुर
कौसिक लोहो	एमएससी/पीएच/2018	उत्तर दिनाजपुर
नीतिक्षा	बीटेक/सीएसई/2020	बरनाला
चौहान संतोष	बीटेक/सीएल/2016	वेस्ली नगर
शिव कृष्ण सरमा परिमी	बीटेक/ईई/2014	कोथापेटा
थारन सुरेश	एमएससी/सीजी/2021	तमिलनाडु
कृष्ण एम पटेल	एमटेक/सीएल/2020	नोएडा
श्रीनिधि पवार	एमएससी/पीएच/2022	बैंगलोर
प्रीत शाह	बीटेक/ईई/2015	मुंबई
बालाजी सुक्कल	बीटेक/एमई/2021	चेन्नई
तन्नु कौशिक	एमएससी/सीएच/2020	हिसार
बायरापुरम वेंकट विजया भरत आर	बीटेक/ईई/2016	नांदयाल कुरनूल
हीरालाल	बीटेक/एमई/2012	जालौर
गोट्टुमुकला साई राम कृष्ण	बीटेक/ईई/2018	अंबरपेट
बोतलपति श्री साहिथ	एमटेक/सीई/2017	नेल्लोर
रवि पटेल	पीजीडीआईआईटी/एमई/2016	मेरठ
कोल्ली मोहन कृष्णा	एमटेक/सीई/2017	गांधीनगर
इंदुमति सतीसरन	पीएचडी/बीई/2021	बैंगलोर
पुजारी ओंकार अभय	एमटेक/ईई/2016	नागपुर
वैभव पाल	बीटेक/एमई/2020	देहरादून
इशांत आनंद	एमटेक/ईई/2018	हरयाणा
अजय कुमार	एमएससी/सीएच/2019	झारखंड
सुजीत सिंह माथुर	बीटेक/एमएसई/2020	कानपुर
रोशनी अग्रवाल	एमटेक/ईई/2020	सूरत
सुगुरु कुन्दन	बीटेक/ईई/2012	हैदराबाद
सुयश धनवीर पासी	एमए/एचएसएस/2019	अहमदाबाद

राष्ट्र गौरव	शुभचिंतक	गांधीनगर
अनमोल गौड़	बीटेक/ईई/2018	ब्यावर
वेणु गोपाल अग्रवाल	बीटेक/सीई/2021	उत्तराखंड
हर्ष काकड़िया	बीटेक/एमई/2021	बैंगलोर
पेनुमाका अरुणा कुमारुडु	बीटेक/एमई/2016	कृष्णा जिला
संघवी हीरल मनोजकुमार	पीएचडी/बीई/2021	गांधीनगर
शेख सिद्धीख हुसैन	बीटेक/ईई/2012	हैदराबाद
महाजन समीक्षा सतीश	एमएससी/एमए/2018	डोंबिवली
अनिर्बान मंडल	एमएससी/पीएच/2017	पश्चिम बंगाल
तनय पटेल	बीटेक/ईई/2014	गुजरात
कृष्णेश शांतिलाल मेहता	पीएचडी/सीजी/2020	अहमदाबाद
श्रीजीत रवीन्द्रन	एमटेक/ईई/2014	पलक्कड़
शाह आदित्य सुरेश	बीटेक/ईई/2017	मुंबई
पुष्पक धोटे	एमटेक/ईई/2021	बैंगलोर
प्रसीता एक	पीएचडी/सीएच/2019	कन्नूर
भंडारी सौम्य नरेशकुमार	एमए/एचएसएस/2016	अहमदाबाद
सुमीत कटारिया	एमएससी/सीएच/2018	दिल्ली
इशिता अरुण	एमएससी/सीजी/2020	दिल्ली
शुभंकर राहा	विद्यार्थी	गांधीनगर
अपर्णा मेनन	एमटेक/सीएल/2014	हैदराबाद
केविन पटेल	बीटेक/एमई/2020	अहमदाबाद
स्वरा जोशी	एमए/एचएसएस/2018	अहमदाबाद
हेडा शशांक कमलेश	बीटेक/ईई/2015	अमृतसर
शाह उत्सव मिनेशभाई	एमटेक/एमई/2016	अहमदाबाद
अंकुर मीना	बीटेक/ईई/2014	सीकर
ऋत्विंक शुक्ला	बीटेक/एमई/2016	झांसी
भगवाना राम	एमटेक/सीई/2019	राजस्थान
साहिलकुमार ताबियाड	बीटेक/सीएल/2018	विजयनगर
सुहैर के	एमए/एचएसएस/2019	केरल
-विपिन प्रजापति	बीटेक/ईई/2017	अहमदाबाद
ज्योत्सना सैनी	एमएससी/सीएच/2017	अहमदाबाद
राजेश घोष	एमएससी/पीएच/2019	गांधीनगर
गोयल प्रथम राजकुमार सरोज	बीटेक/ईई/2017	मुंबई
अभिषेक पांडे	पीएचडी/सीई/2022	धनबाद
शशांक नाइक बी एस	एमटेक/एमएसई/2018	बैंगलोर
अंजना सी.पी	एमएससी/सीजी/2021	बैंगलोर
अक्षय नांदुरकर	एमटेक/सीई/2018	अमरावती
प्रकाश गौला	बीटेक/सीएल/2012	हैदराबाद
पटेल मेघ वसंतकुमार	एमटेक/ईई/2016	वी वी नगर
चेतन पाटिल	बीटेक/सीएल/2015	महाराष्ट्र
रविंदर कुमार दरोच	एमटेक/एमई/2018	हमीरपुर
-शुभम अग्रवाल	बीटेक/ईई/2013	बैंगलोर
-शुभम बाहेती	बीटेक/सीई/2021	पुणे
मंजीत चौधरी	बीटेक/एमई/2017	दिल्ली
चल्ला सै अजय नरेंद्र	एमटेक/एमई/2020	काकीनाडा
सरोजिनी तिवारी	एमटेक/सीएल/2015	नैहाजी
सरवनन बी	एमएससी/सीजी/2018	कोयंबटूर
ध्रुव बुकिनकेरे	बीटेक/एमएसई/2022	हरयाणा
यशोदीप चौहान	बीटेक/सीएल/2016	अहमदनगर
राऊत अभिषेक सतीश	बीटेक/एमई/2017	बैंगलोर
साक्षी यादव	बीटेक/ईई/2017	बैंगलोर
सत्या श्रीवास्तव	एमटेक/एमई/2016	बहादुरगढ़
हिमानी वर्मा	बीटेक/एमएसई/2020	इंदौर
किशनकुमार चौहान	एमटेक/एमई/2019	जूनागढ़
शाह उज्ज्वल सतीशकुमार	बीएससी/सीएसई/2022	सूरत

पुनित कुमार	बीटेक/सीई/2017	रुड़की	अमित भोंगाडे	बीटेक/ईई/2018	दिल्ली
मयंक खेरिया	बीटेक/सीई/2017	दिल्ली	नवीन कुमार	बीटेक/ईई/2019	बैंगलोर
विकास यादव	बीटेक/सीई/2018	गांधीनगर	पेनुमाका गोपी किशोर	बीटेक/ईई/2020	कृष्ण
-कमलेश चौधरी	बीटेक/सीई/2018	बैंगलोर	छक्का स्नेहिय	बीटेक/ईई/2020	पूर्वी गोदावरी
यशवन्त रापोलु	बीटेक/सीई/2018	दिल्ली	राहुल यादव	बीटेक/ईई/2020	बैंगलोर
गरिमा चौधरी	बीटेक/सीई/2018	मुंबई	के एस संतोष कुमार	बीटेक/ईई/2020	चित्तूर
होमित सिंह पाल	बीटेक/सीई/2018	मंडीदीप	संकेश देहाडे	बीटेक/ईई/2021	औरंगाबाद
निकेश पंवार	बीटेक/सीई/2019	बालोतरा	उत्सव जेठवा	बीटेक/ईई/2021	जुनागढ़
अविनाश सिंह सोडा	बीटेक/सीई/2019	बिलासपुर	अर्पित कौशल	बीटेक/ईई/2022	गांधीनगर
अनुराग कुमार गुप्ता	बीटेक/सीई/2019	बलिया	कुमार आयुष परमहंस	बीटेक/ईई/2022	गांधीनगर
प्रवीण पांडे	बीटेक/सीई/2020	भोपाल	बाबूलाल	बीटेक/एमई/2013	सीकर
हंसराज बिजारनिया	बीटेक/सीई/2020	अजमेर	अभय सी ए	बीटेक/एमई/2015	पटना
जितेश मित्तल	बीटेक/सीई/2020	कोलकाता	श्रेयांस नाहर	बीटेक/एमई/2015	मुंबई
प्रणव पीपरे	बीटेक/सीई/2020	मुंबई	करण पलस्कर	बीटेक/एमई/2016	मुंबई
आरा श्रीया	बीटेक/सीई/2020	अहमदाबाद	कौशिक मणि	बीटेक/एमई/2016	गुवाहाटी
विशेष रॉय	बीटेक/सीई/2021	गांधीनगर	यश प्रताप सिंह	बीटेक/एमई/2016	दिल्ली
सारंग पाटिल	बीटेक/सीई/2021	बुरहानपुर	अंकित मित्तल	बीटेक/एमई/2017	मुंबई
यशस्वी सोनी	बीटेक/सीई/2021	पुणे	सुमित कुमार	बीटेक/एमई/2017	दिल्ली
आकाश अजनारे	बीटेक/सीई/2021	इंदौर	पवन	बीटेक/एमई/2017	दिल्ली
जीनम जिंदल	बीटेक/सीएल/2012	मुंबई	कपिल शर्मा	बीटेक/एमई/2018	दिल्ली
सुनील सहारा	बीटेक/सीएल/2016	मथुरा	अयाज़ लखानी	बीटेक/एमई/2019	बैंगलोर
सुरेंद्र बेनीवाल	बीटेक/सीएल/2016	मुंबई	उके विशाल हेमराज	बीटेक/एमई/2020	भंडारा
हर्ष खंडेलवाल	बीटेक/सीएल/2017	मुंबई	चिटिपोलु गौतम	बीटेक/एमई/2020	अहमदाबाद
विजेंद्र मौर्य	बीटेक/सीएल/2019	बैंगलोर	रजत बिलुनिया	बीटेक/एमई/2020	अलवर
अदिति शर्मा	बीटेक/सीएल/2019	मुंबई	पुत्सला अनिरुद्ध	बीटेक/एमई/2020	अहमदाबाद
नवप्रीत सिंह	बीटेक/सीएल/2019	लुधियाना	पार्थ अग्रवाल	बीटेक/एमई/2021	ओधव
यश मकवाना यश मकवाना	बीटेक/सीएल/2020	उदयपुर	जैनम शाह	बीटेक/एमई/2021	मुंबई
अनीश दुवे	बीटेक/सीएल/2020	पुणे	रोहन शिरोडकर	बीटेक/एमई/2022	पुणे
बुद्धि प्रधवी	बीटेक/सीएल/2020	बैंगलोर	मैडेला सिद्धार्थ	बीटेक/एमई/2022	सिकंदराबाद
-सौरभ सैनी	बीटेक/सीएल/2020	गांधीनगर	देव पटेल	बीटेक/एमई/2022	चेन्नई
स्पर्श जैन	बीटेक/सीएल/2020	दिल्ली	भूपेन्द्र कुमार	बीटेक/एमएसई/2018	खड़गपुर
सम्यक जैन	बीटेक/सीएल/2021	बैंगलोर	दिलीप सिंह	बीटेक/एमएसई/2018	पुणे
लावण्या नाइक	बीटेक/सीएल/2022	बैंगलोर	जम्मू तरुण कुमार	बीटेक/एमएसई/2019	विजयनगरम
एन टी रामकृष्णन	बीटेक/सीएल/2022	मुंबई	रतुल चक्रवर्ती	बीटेक/एमएसई/2020	बैंगलोर
मैत्रेय ठाकुर	बीटेक/सीएल/2022	मुंबई	जयशंकर शर्मा	बीटेक/एमएसई/2020	अहमदाबाद
मृत्युंजय सराफ	बीटेक/सीएल/2022	बैंगलोर	इंगल वरद जीतेंद्रकुमार	बीटेक/एमएसई/2020	औरंगाबाद
अपूर्व अग्निहोत्री	बीटेक/सीएसई/2020	बैंगलोर	शिवानी पटले	बीटेक/एमएसई/2021	कोझिकोड
रेंडला आदित्य	बीटेक/सीएसई/2020	बैंगलोर	अनुज यादव	बीटेक/एमएसई/2021	दिल्ली
सौमित्र शर्मा	बीटेक/सीएसई/2021	बैंगलोर	पिन्निबोइना मुनीस्वर	बीटेक/एमएसई/2021	चित्तूर
अनुभव जैन	बीटेक/सीएसई/2021	अहमदाबाद	सागर सिंह मीना	बीटेक/एमएसई/2022	करौली
गजपुरे क्षितिज देवानन्द	बीटेक/सीएसई/2021	गोंदिया	सूर्याश कुमार	बीटेक/एमएसई/2022	दिल्ली
अनिता धारावथ	बीटेक/सीएसई/2021	हैदराबाद	कातिके प्रणय दीप रेड्डी	बीटेक/एमएसई/2022	हैदराबाद
अमित आशेर	बीटेक/ईई/2012	मुंबई	दलिया एन	एमए/एचएसएस/2019	गांधीनगर
राहुल कमलेश जैशानानी	बीटेक/ईई/2013	पुणे	सायंतनी सरस्वती	एमए/एचएसएस/2020	जोधपुर
रवीन्द्र मीना	बीटेक/ईई/2014	नागपुर	वसुन्धरा कृष्णन	एमए/एचएसएस/2020	बैंगलोर
नित्या पवार	बीटेक/ईई/2014	दिल्ली	अजय देवड़ा	एमए/एचएसएस/2021	गांधीनगर
मुकेश सिंह रावत	बीटेक/ईई/2015	राजकोट	औसुला प्रशांत	एमए/एचएसएस/2022	कोच्चि
अभिषेक सोनी	बीटेक/ईई/2015	गुडगाँव	आदित्य सिंह	एमएससी/सीजी/2015	गांधीनगर
विनित संजय जोशी	बीटेक/ईई/2015	मुंबई	किनले कुसेरा मेहरा	एमएससी/सीजी/2015	कोट्टायम
प्रतीक बल्दवा	बीटेक/ईई/2015	नोएडा	अभिषेक गहतराज	एमएससी/सीजी/2016	दिल्ली
संजय कुमार मीना	बीटेक/ईई/2015	बैंगलोर	सोहोम बंधोपाध्याय	एमएससी/सीजी/2017	कोलकाता
सोमानी दीपेन ओमप्रकाश	बीटेक/ईई/2016	बैंगलोर	सबा नासिर पठान	एमएससी/सीजी/2019	मुंबई
चित्रांशु कुमार	बीटेक/ईई/2016	पुणे	ल्यूक निहाल दसारी	एमएससी/सीजी/2019	दिल्ली
गौरव गुप्ता	बीटेक/ईई/2016	जयपुर	ईशा शर्मा	एमएससी/सीजी/2020	मुंबई
विकास कुमार मीना	बीटेक/ईई/2018	दिल्ली	सान्या जैन	एमएससी/सीजी/2021	फिरोजाबाद
मयूर माधव विशे	बीटेक/ईई/2018	बैंगलोर	पलाश जाना	एमएससी/सीएच/2015	दिल्ली

गोविंद कुमार शर्मा	एमएससी/सीएच/2018	दिल्ली
राजवीर सिंह	एमएससी/सीएच/2018	सिरसा
सचिन देव	एमएससी/सीएच/2018	फरीदाबाद
तन्वु	एमएससी/सीएच/2020	मुंबई
मृत्युंजय कुमार झा	एमएससी/सीएच/2021	गांधीनगर
विकाश कुमार	एमएससी/सीएच/2022	जयपुर
सुदामा कुमार महतो	एमएससी/सीएच/2022	उरई
श्वेता सिंह	एमएससी/सीएच/2022	दिल्ली
भरत लाल मीना	एमएससी/एमए/2017	दौसा
प्रियंका राणा	एमएससी/एमए/2017	दिल्ली
विकाश पटेल	एमएससी/एमए/2017	गोंदिया
राहुल कुमार बंसल	एमएससी/एमए/2018	अलवर
सजल कुमार	एमएससी/एमए/2018	जालौन
श्रीकांत शेखर	एमएससी/एमए/2019	भोपाल
राहुल रोहिल्ला	एमएससी/एमए/2020	मुंबई
आशिमा कौशल	एमएससी/एमए/2020	दिल्ली
तन्वु कुमारी	एमएससी/एमए/2020	रेवाड़ी
भुनेश नागर	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
सुशबू अग्रवाल	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
रमन शर्मा	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
सिद्धार्थ प्रकाश	एमएससी/एमए/2022	गांधीनगर
सूरज कुमार रविदास	एमएससी/एमए/2022	गोबिंदगढ़
प्रतीक चौहान	एमएससी/पीएच/2018	लातूर
-अनूप सिंह	एमएससी/पीएच/2018	गांधीनगर
संदीप कुमार सिंह	एमएससी/पीएच/2018	पूर्वी चंपारण
संजय साहा	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर
श्रद्धा मोहनानी	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर
-शुभम मलिक	एमएससी/पीएच/2021	पुणे
आकांशा वर्मा	एमएससी/पीएच/2022	सोनीपत
प्रिया द्रष्टि	एमएससी/पीएच/2022	एटा
प्रीतिका गौरी	एमटेक/बीई/2018	अहमदाबाद
अदिति सिंघल	एमटेक/बीई/2018	टोंक
सीतेश कुमार	एमटेक/बीई/2018	बेगूसराय
कौशिक भौमिक	एमटेक/बीई/2019	सिपाहीजला
आरती हरिहरन	एमटेक/बीई/2020	चेन्नई
चंदन नंदी	एमटेक/बीई/2021	कोलकाता
अमर मंथन	एमटेक/सीई/2015	वडोदरा
गुनदीप कौर सूदन	एमटेक/सीई/2015	आयोवा
दीपक कुमार सामल	एमटेक/सीई/2015	दिल्ली
रोजन मैथ्यू	एमटेक/सीई/2017	तिरुवनंतपुरम
अभिजीत टी.के	एमटेक/सीई/2018	दिल्ली
अपर्णा श्रीवास्तव	एमटेक/सीई/2019	गांधीनगर
प्रेरणा सरकार	एमटेक/सीई/2020	मुंबई
सुकृत शर्मा	एमटेक/सीई/2020	दिल्ली
मोहित लखानी	एमटेक/सीई/2020	मुंबई
गौरव खंडेलवाल	एमटेक/सीई/2020	जयपुर
सुजाता कुलकर्णी	एमटेक/सीई/2021	दिल्ली
सुधांशु दीक्षित	एमटेक/सीई/2021	इलाहाबाद
सुविल महागांवकर	एमटेक/सीई/2021	मुंबई
अंकुश जैन	एमटेक/सीई/2021	मुंबई
मोहम्मद नईम सिद्दीकी	एमटेक/सीई/2022	मुंबई
मोहम्मद उमैर इकबाल	एमटेक/सीएल/2016	गांधीनगर
श्रेया बंक	एमटेक/सीएल/2016	बैंगलोर
एहतेशामुल हक	एमटेक/सीएल/2020	बैंगलोर
प्रत्याशा भारद्वाज	एमटेक/सीएल/2022	सोलापुर
आशीष द्विवेदी	एमटेक/सीएस/2019	बैंगलोर

नीलय जगदीप उपाध्याय	एमटेक/सीएसई/2020	मुंबई
सौविक रॉय	एमटेक/सीएसई/2020	बैंगलोर
सौमिता कुंडू	एमटेक/सीएसई/2020	पुणे
दर्शिता जैन	एमटेक/सीएसई/2020	पुणे
विवेक श्रीवास्तव	एमटेक/सीएसई/2020	पुणे
सुदीप दास	एमटेक/सीएसई/2022	गांधीनगर
राहुल आनंद कौशिक	एमटेक/ईई/2014	बैंगलोर
पुचलापल्ली संवासिवैया	एमटेक/ईई/2016	दिल्ली
भूमिका सोनाने	एमटेक/ईई/2016	दिल्ली
राहुल साधवानी	एमटेक/ईई/2016	जयपुर
नीतेश कुमार शर्मा	एमटेक/ईई/2017	बैंगलोर
सोहिनी धार	एमटेक/ईई/2018	बैंगलोर
अथिरा हरिदास	एमटेक/ईई/2019	मुंबई
कौशल डडसेना	एमटेक/ईई/2020	अलीगढ़
प्रियंजना पाल	एमटेक/ईई/2020	दुर्ग
पीयूष देवांगन	एमटेक/ईई/2020	बैंगलोर
-शुभम जैन	एमटेक/ईई/2020	दिल्ली
प्रारब्ध रायपुरकर	एमटेक/ईई/2021	दिल्ली
कार्तिक कुमार गुडीबोइना	एमटेक/ईई/2021	वडोदरा
-सतीश कुमार सिंह	एमटेक/ईई/2021	बैंगलोर
बच्चू वरुण तेज	एमटेक/ईई/2021	बैंगलोर
संजीत दत्ता	एमटेक/ईई/2022	पुणे
विकास शर्मा	एमटेक/एमई/2016	दिल्ली
टिबिन एम थॉमस	एमटेक/एमई/2016	चेन्नई
विष्णु कुमार गुप्ता	एमटेक/एमई/2016	नवी मुंबई
रोनित डे	एमटेक/एमई/2017	बैंगलोर
रितम चटर्जी	एमटेक/एमई/2017	मुंबई
प्रगति प्रदीप जोशी	एमटेक/एमई/2017	मुंबई
अतुल शर्मा	एमटेक/एमई/2018	पुणे
शुभंकर गुरव	एमटेक/एमई/2019	पुणे
दीप बरुशी	एमटेक/एमई/2019	मुंबई
आशु गुप्ता	एमटेक/एमई/2019	दिल्ली
अरुण चर्किल	एमटेक/एमई/2019	इंदौर
अरुणव चौधरी	एमटेक/एमई/2020	मुंबई
दिनेश बौस्कर	एमटेक/एमई/2020	मुंबई
उत्कर्ष श्रीवास्तव	एमटेक/एमई/2022	दिल्ली
अभिषेक सरकार	एमटेक/एमई/2022	गांधीनगर
अक्षय श्रीवास्तव	एमटेक/एमएसई/2020	टोक्यो
प्रिया तिवारी	एमटेक/एमएसई/2020	मुंबई
अंकित जयसवाल	एमटेक/एमएसई/2020	सिंगापुर
प्रिया सूर्यकांत गाडेकर	एमटेक/एमएसई/2021	गांधीनगर
अश्विन सिंह	पीएचडी/सीई/2022	रांची
जे राम प्रभाकर	पीएचडी/ईई/2016	बैंगलोर
चंदन कुमार झा	पीएचडी/ईई/2021	गांधीनगर
रामेन्द्र साहू	पीएचडी/ईएच/2020	हैदराबाद
हरीश	पीएचडी/ईएच/2022	रोहतक
कृपा शाह	पीएचडी/एचएसएस/2019	पांडिचेरी
अंकिता आर शाह	पीएचडी/एचएसएस/2022	अहमदाबाद
रजत गुप्ता	पीएचडी/एमए/2022	ताइवान
पंकज	पीएचडी/एमएसई/2018	गांधीनगर
सौमिक बंदोपाध्याय	पीएचडी/पीएच/2020	ट्रेंटो
कौस्तव चक्रवर्ती	पीएचडी/पीएच/2021	मुंबई
राणादीप सरकार	पीएचडी/पीएच/2021	दार्जिलिंग
पवन पटेल	शुभचिंतक	गांधीनगर
-शुभम वर्मा	शुभचिंतक	नवसारी
चेन्नुरी प्रतीक चेन्नुरी प्रतीक	बीटेक/ईई/2021	हैदराबाद

प्रेरणा सुब्रमण्यन	एमए/एचएसएस/2018	किन्टाल	प्रज्वल पाटीदार	एमटेक/सीई/2020	दिल्ली
-कुलदीप जाजोरिया	एमटेक/ईई/2021	गांधीनगर	उपेन्द्र कुमार सिंह कुशवाहा	पीएचडी (पीआरएल)/ पीएच/2016	इलाहाबाद
विक्रम अलरिया	बीटेक/ईई/2017	जयपुर	प्रशांत शेखर	बीटेक/सीएल/2016	झांसी
कुणाल सिंहमार	बीटेक/सीएल/2019	बैंगलोर	नवीन कुमार	बीटेक/एमई/2016	बैंगलोर
कदीजा नौराह बी एच	एमए/एचएसएस/2019	कालीकट	आदित्य आर	बीटेक/एमई/2021	चेन्नई
कौमुदी सहस्रबुद्धे	शुभचिंतक	गांधीनगर	वैष्णवी कोकड़द्वार	बीटेक/एमई/2022	पुणे
अखिल मरकाम	बीटेक/सीएल/2019	हैदराबाद	रोहित सारस्वत	एमटेक/सीएल/2018	आगरा
आकाशसिंह राजपूत	पीजीडीआईआईटी/ ईएसएस/2018	अहमदाबाद	आकिब खान	एमटेक/सीएल/2019	गांधीनगर
चट्टे अमृत भारत	एमटेक/सीएल/2016	परभनी	जाहू भारद्वाज	पीएचडी/एचएसएस/2020	बारेपेटा
करंजी उमा नागा श्रीकर	बीटेक/एमएसई/2021	ला जोला	पार्थ सचान	बीटेक/सीई/2023	गाजियाबाद
खंतील प्रकाशभाई पटेल	एमएससी/सीएच/2023	वखाल	अनुष्का नीति	बीटेक/सीई/2023	बैंगलोर
प्रियाश वर्मा	एमएससी/सीएच/2023	लखनऊ	दीपक पटेल	बीटेक/सीएल/2023	रीवा
अनिकेत चंद्रकांत वालेकर	एमएससी/एमए/2023	लासलगांव	ताहिर नक्रवाश	बीटेक/सीएल/2023	पेरम्बरा
अरिंदम गोगोई	एमटेक/ईएसएस/2021	हैदराबाद	पारस जैन	बीटेक/सीएसई/2023	पुणे
-शुभम चौकसे	एमटेक/एमई/2018	जबलपुर	स्वार जतिन उपाध्याय	बीटेक/ईई/2023	गांधीनगर
हेराम नाइक भुक्क्या	बीटेक/एमई/2021	गांधीनगर	प्रयागी ईशान सुनील	बीटेक/एमई/2023	बैंगलोर
वरुण गुप्ता	बीटेक/एमई/2013	बैंगलोर	समीर खान मेहर	बीटेक/एमएसई/2023	गुरुग्राम
कोक्कोडा प्रशांत	बीटेक/सीई/2020	Hanamkonda	सागर सुधाकर	एमए/एचएसएस/2023	कलबुर्गी
अतुल पाटीदार	बीटेक/सीएल/2022	गांधीनगर	नम्रता गोयल	एमएससी/सीएच/2023	दिल्ली
लोकेश सिंह	बीटेक/ईई/2017	सहरसा	निशंक चौहान	एमएससी/सीएच/2023	गोरखपुर
राम उदित साध	बीटेक/ईई/2021	जयपुर	नीलाभ्र अधिकारी	एमएससी/पीएच/2023	नादिया
वेदांत कृष्णा भूटानी	बीटेक/ईई/2021	जयपुर	अनन्या शर्मा	एमटेक/बीई/2021	बैंगलोर
भगत राजन बालिस्टर	बीटेक/एमई/2017	बैंगलोर	पांडरंगी आदित्य	एमटेक/ईई/2021	कानपुर
करणम अविनाश	बीटेक/एमई/2021	इंदौर	जेटे अंजानी	एमटेक/एमएसई/2022	हैदराबाद
राकेश नायडू पेदामाजी	बीटेक/एमई/2022	विजयवाड़ा	दहिवाडकर राहुल बंदोपंत	पीएचडी/सीएच/2023	गुवाहाटी
आदित्य कुमार	बीटेक/एमएसई/2018	मुंबई	सुप्रतिम शिट	पीएचडी/सीएसई/2021	दिल्ली
अल्फा जेनिथ टोपनो	एमएससी/सीजी/2022	नोएडा	पंकज पांडे	पीएचडी/सीएसई/2023	किन्टाल
दीपक सिंह	एमएससी/एमए/2018	अहमदाबाद	हर्ष राज	पीएचडी/ईएच/2021	गोवा
समतेन भूटिया	एमएससी/पीएच/2018	गंगटोक	यूसुफ जमाल	पीएचडी/पीएच/2019	पोंडा
एस स्मिता	एमटेक/सीई/2015	कोझिकोड	सोहिनी खान	विद्यार्थी	गांधीनगर
शेख महबूब जानी बाशा	एमटेक/सीएसई/2021	वाराणसी	कल्याणी पत्रकार	कर्मचारी	गांधीनगर
यदुकृष्ण एम	एमटेक/ईई/2019	बैंगलोर	जयदीप कानूनगो	विद्यार्थी	गांधीनगर
अमर दीप तिवारी	पीएचडी/सीई/2022	पूर्वी लांसिंग	जेनिशकुमार चौहान	बीटेक/ईई/2021	गांधीनगर
रचित छाया	पीएचडी/सीएसई/2022	जालंधर	तुलसी नरेंद्र दास त्रिपुराणा	बीटेक/एमएसई/2019	आंध्र प्रदेश
सुयश पाटीदार सुयश पाटीदार	बीटेक/एमई/2020	पुणे	नीलकुमार माथुर	एमटेक/एमई/2018	पुणे
चौधरी दिव्य जीवराज	बीटेक/सीई/2019	औरंगाबाद	सेट्टी सत्य साई वेंकट रवि तेजा	बीटेक/सीएल/2018	अजारा
दर्शन दिलीपकुमार पंड्या	विद्यार्थी	गांधीनगर	कुंजांग डोलकर	एमएससी/सीएच/2021	जम्मू एवं कश्मीर
पटेल अजजकुमार दहियालाल	बीटेक/ईई/2021	बैंगलोर	विश्वनाथ हिरेमठ	एमटेक/ईई/2018	हावेरी
वरुण राजकुमार भट्ट	बीटेक/एमई/2019	अकोला	रश्मी मेहता	एमएससी/पीएच/2021	हरयाणा
दीक्षा गौतम	एमए/एचएसएस/2023	गांधीनगर	हर्षल थूल	बीटेक/सीएल/2021	वर्धा
अहिला शेखर	एमए/एचएसएस/2020	तमिलनाडु	धर्म रत्न	बीटेक/ईई/2014	लखनऊ
-सुबोध कुमार	बीटेक/एमई/2018	अहमदाबाद	सिद्धार्थ कश्यप	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर
राहुल सैनी	बीटेक/सीई/2019	राजस्थान	भास्कर ज्योति सैकिया	बीटेक/सीएल/2018	असम
शाह जय आशीष	बीटेक/सीएल/2022	नेवार्क	पीयूषा वर्मा	एमए/एचएसएस/2019	वडोदरा
आयुष गर्ग	बीटेक/सीएसई/2020	दिल्ली	चांदनी ठक्कर	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
आलोक सिंह	बीटेक/ईई/2016	नोएडा	पूषन पटेल	बीटेक/एमई/2022	पुणे
हैदराली एम टी	बीटेक/एमई/2016	बाड़मेर	राणा सिंह	एमटेक/एमएसई/2018	दिल्ली
रॉकी डोंगरे	बीटेक/एमई/2016	चेन्नई	तरुण कुमार	एमएससी/सीएच/2019	हरयाणा
श्रीराम श्रीहर्ष श्रीराम श्रीहर्ष	बीटेक/एमएसई/2020	महबूबनगर	साक्षी काबरा	बीटेक/सीएल/2022	वडोदरा
स्वरूपा भटकर	एमए/एचएसएस/2020	विजाग	-मनोज कुमावत	बीटेक/ईई/2021	सीकर
नशरा अहमद	एमएससी/सीजी/2021	पयप्पार	नितेश कुमार	एमएससी/एमए/2016	हरयाणा
दीपिका परमार	एमएससी/एमए/2018	फर्रुखाबाद	आयुषी त्यागी	एमएससी/सीएच/2017	अहमदाबाद
अभिषेक ठाकुर	एमएससी/एमए/2022	सिरसा	वामशि निखिल पांडिपति	बीटेक/ईई/2021	नांदयाल
लोकेश शर्मा	एमएससी/एमए/2022	फर्रुखाबाद	पाटन अमीर खान	एमटेक/सीएल/2014	नगरी
अविसीना चैरिटेज रेड्डी	एमटेक/सीई/2020	बैंगलोर	अक्षय कुमार मेहता	विद्यार्थी	इलाहाबाद

गुरनानी सागरकुमार विजयकुमार	एमटेक/एमई/2016	बैंगलोर	मंजरी शर्मा	कर्मचारी	गांधीनगर
इन्द्रजीत नरः	एमएससी/एमए/2018	धेमाजी	संगीत धीमान	कर्मचारी	गांधीनगर
विवेक प्रकाश	बीटेक/एमई/2015	झारखंड	जय खेमचंदानी	कर्मचारी	अहमदाबाद
प्रणव कुमार गुप्ता	बीटेक/सीई/2018	दिल्ली	सुष्मिता बागची	कर्मचारी	गांधीनगर
साहिल जैन	बीटेक/सीई/2020	बैंगलोर	अनुपमा प्रदीपन	कर्मचारी	गांधीनगर
भानु जारवाल	बीटेक/सीई/2022	दिल्ली	गुंतास सिंह सारण	शुभचिंतक	गांधीनगर
पटेल मिलनभाई	बीटेक/सीएल/2020	नवसारी	ढाके यश नीलकंठ	बीटेक/एमई/2021	जलगांव
दीपेंद्र कुमार	बीटेक/सीएल/2021	चेन्नई	दिव्यांशु मीना	बीटेक/सीएसई/2023	गुडगाँव
परिचय ठाकोर	बीटेक/सीएल/2021	बैंगलोर	वत्सल केतनकुमार जोशी	बीटेक/एमई/2021	पिट्सबर्ग
शिवांश चौधरी	बीटेक/सीएसई/2020	हैदराबाद	सोनम	पीएचडी/ईएच/2019	धनबाद
चंदन माजी	बीटेक/सीएसई/2021	आसनसोल	मानव राज	बीटेक/ईई/2017	पुणे
राघव गोयल	बीटेक/सीएसई/2022	दिल्ली	स्वस्ति मेधा	एमटेक/सीएल/2016	दिल्ली
कल्याण रेड्डी एस	बीटेक/सीएसई/2022	बैंगलोर	नीरव भट्ट	कर्मचारी	गांधीनगर
-हिमांशु पाल	बीटेक/ईई/2018	दिल्ली	सरवनन वी	एमए/एचएसएस/2016	दिल्ली
साई चंद्र उत्तरापल्ली	बीटेक/ईई/2021	बैंगलोर	अभिलाषा हजारिका	एमए/एचएसएस/2023	गुवाहाटी
सत्यम कुमार	बीटेक/ईई/2022	भागलपुर	श्री विष्णु प्रिया बी	एमएससी/एमए/2022	चेन्नई
हर्ष गुप्ता	बीटेक/एमई/2015	बैंगलोर	देसाडला रुषभ प्रवीण	बीटेक/सीएल/2017	पुणे
तनय कनकने	बीटेक/एमई/2017	बैंगलोर	अजय भारद्वाज	बीटेक/सीई/2020	करौली
अक्षत बंसल	बीटेक/एमई/2020	मुंबई	धर्मेन्द्र सबलानिया	बीटेक/एमएसई/2020	गांधीनगर
अनुपम स्वर्णकार	बीटेक/एमई/2021	चेन्नई	कृष गुप्ता	बीटेक/एमएसई/2022	मुंबई
सुरभि ए फटी	बीटेक/एमएसई/2021	वडोदरा	कोमल बजाज	एमएससी/सीएच/2018	दिल्ली
रशीद के	एमए/एचएसएस/2021	गांधीनगर	चारु गुप्ता	एमएससी/एमए/2017	दिल्ली
उमेश कुमार	एमएससी/सीएच/2017	दिल्ली	स्नेहा कुमारी	एमएससी/एमए/2020	पटना
आलोक कुमार	एमएससी/सीएच/2021	ओटारी-मुरा	-भार्गव चौहान	बीटेक/एमई/2017	राजकोट
अमित ठकरान	एमएससी/सीएच/2022	झुंझुनू	लिखिता बासवानी	बीटेक/सीएसई/2023	बैंगलोर
हर्षिता सी	एमएससी/एमए/2018	तिरुपति	खुशबू सहरावत	एमए/एचएसएस/2021	गांधीनगर
पुलकित	एमएससी/एमए/2019	अमरोहा	तेज बहादुर गुहंग	कर्मचारी	गांधीनगर
रवि महला	एमएससी/एमए/2020	बैंगलोर	पायल चट्टोपाध्याय मुखर्जी	पीएचडी/एचएसएस/2016	अहमदाबाद
चारु गर्ग	एमएससी/एमए/2022	दिल्ली	राज विनोदभाई चौहान	एमएससी/एमए/2023	अहमदाबाद
पबित्रा मंडल	एमएससी/एमए/2022	रुड़की	साबू अनिरुद्ध सतीशकुमार	पीएचडी/सीई/2023	सूरत
माहेश्वरी धीरेन रामजी	एमएससी/एमए/2022	कोटपुतली	कुमार सौरव	एमटेक/ईई/2018	मुंबई
दफिशा मैरी नोचुलू	एमएससी/पीएच/2018	शिलांग	सोमपुरा जय नीलेशभाई	एमटेक/ईई/2017	दिल्ली
शानू कुमार गंगवार	एमएससी/पीएच/2018	बरेली	शादाब अली	एमएससी/एमए/2019	उत्तर प्रदेश
नीलाभा चटर्जी	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर	कौशिक भैया	बीटेक/एमएसई/2021	बैंगलोर
-शुभम रस्तोगी	एमएससी/पीएच/2021	पुणे	बलानी मोहित	बीटेक/ईई/2020	अहमदाबाद
नियति भूपेन्द्र शाह	एमएससी/पीएच/2022	वापी	गजेंद्र राजपूत	एमटेक/ईई/2021	मुंबई
ऐश्वर्या विजयकुमार	एमटेक/बीई/2018	गुवाहाटी	रवि राठीड़	बीटेक/ईई/2021	अहमदाबाद
तनुश्री हलदर	एमटेक/बीई/2021	बैंगलोर	वला वेदांगराज	बीटेक/एमई/2021	गांधीनगर
रंगवानी किरण प्रकाशकुमार	एमटेक/सीई/2016	क्राइस्टचर्च	आशीष कुमार मीना	बीटेक/सीई/2022	जोधपुर
राहुल उपाध्याय	एमटेक/सीई/2019	गांधीनगर	भानु प्रताप सिंह	बीटेक/सीई/2022	जोधपुर
जतिन अरेन	एमटेक/सीई/2019	मुंबई	क्षितिज सिंह	बीटेक/ईई/2017	दिल्ली
हिमांशी देवांगन	एमटेक/सीई/2021	बिलासपुर	देशपांडे शुभम् गोपाल	बीटेक/एमई/2021	अहमदाबाद
करण कुमार	एमटेक/सीएसई/2020	अहमदाबाद	रामप्रताप कुमार	बीटेक/एमएसई/2021	हावड़ा
जतिन कुमार	एमटेक/सीएसई/2021	बैंगलोर	विशाल वर्मा	एमए/एचएसएस/2021	कासरगोड
अंकिता नंदी	एमटेक/ईई/2020	बैंगलोर	-शुभम कुमार	एमएससी/एमए/2020	मेरठ
नवीन पुरी	एमटेक/ईई/2021	नैनीताल	तुलसा पुजारी	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
गुंजल श्रीहरि एकनाथ	एमटेक/ईई/2021	दिल्ली	दीपेंद्र द्विवेदी	एमएससी/एमए/2022	गुडगाँव
इंद्र मणि त्रिपाठी	एमटेक/ईएसएस/2020	गांधीनगर	नितीश गोयल	एमएससी/पीएच/2020	समाना
-ब्रजेश सिंह	एमटेक/एमएसई/2019	गांधीनगर	जिग्नेश जोशी	एमटेक/सीएल/2013	वलसाड
मनीषा केसरवानी	एमटेक/एमएसई/2021	गांधीनगर	विवेक सिंह	एमटेक/ईई/2021	जयपुर
अंकिता शाही	एमटेक/एमएसई/2021	काशीपुर	-अंशुल गौड़	एमटेक/एमई/2022	कोझिकोड
प्रयोद्युति प्रधान	पीजीडीआईआईटी/ सीएस/2017	इंदौर	नीतीश कुमार	एमटेक/एमएसई/2018	दिल्ली
जीतेन्द्र प्रसाद अग्रवाल	पीजीडीआईआईटी/ईई/2020	दिल्ली	रविकान्त प्रसाद	पीएचडी/ईएच/2021	रांची
तवरित अशोकभाई पटेल	पीएचडी/एमएसई/2020	सूरत	-हिमांशु सिंघल	बीटेक/सीई/2023	लक्समबर्ग
शिखा राय	कर्मचारी	गांधीनगर	यावलकर अभिषेक गणपति	बीटेक/सीई/2023	अहमदाबाद
			केशव कुमार वर्मा	बीटेक/सीई/2023	जयपुर

संजीत कुमार यादव	बीटेक/सीएल/2021	बैंगलोर
पवार अजिंक्य शिरीष	बीटेक/सीएसई/2022	बैंगलोर
अमिरेड्वी मनीषा	बीटेक/सीएसई/2022	नलगोंडा
माहिका ओम जगुस्ते	बीटेक/सीएसई/2023	थाइन
विरमगामी गौरव	बीटेक/सीएसई/2023	गुरुग्राम
पारस गुप्ता	बीटेक/सीएसई/2023	मुंबई
श्रेयशी सिंह	बीटेक/सीएसई/2023	अहमदाबाद
पीयूष अरुण मेश्राम	बीटेक/ईई/2013	गांधीनगर
दीपक बट्ट	बीटेक/ईई/2019	हैदराबाद
उदित व्यास	बीटेक/ईई/2022	अहमदाबाद
श्रील परेश मोदी	बीटेक/ईई/2022	ला जोला शोर्स
संचित मित्तल	बीटेक/ईई/2023	दिल्ली
अभिराज भसीन	बीटेक/एमई/2022	बैंगलोर
डालमिया गौरव रवि	बीटेक/एमई/2022	मुंबई
निकिता	बीटेक/एमई/2023	जमशेदपुर
सौरव यादव	बीटेक/एमई/2023	थाइन
उमंग अग्रवाल	बीटेक/एमएसई/2023	मुंबई
दुर्गेश पाटिल	बीटेक/एमएसई/2023	पालनपुर
वैरेन फ्रेलिशिया जे	एमएससी/सीजी/2021	बैंगलोर
तपस्वी सिमरन संदीप	एमएससी/सीजी/2022	पुणे
गोपिका वेलायुधन	एमएससी/सीजी/2023	बैंगलोर
राम्या वारियर	एमएससी/सीजी/2023	जर्मनी
मालविका कृष्ण कुमार	एमएससी/सीजी/2023	त्रिशूर
सुसान अजित	एमएससी/सीजी/2023	एनाकुलम
देवांगशु नंदी	एमएससी/सीजी/2023	बैंगलोर
पलक	एमएससी/सीएच/2023	गांधीनगर
निशा सिंगला	एमएससी/सीएच/2023	दिल्ली
वर्तिका माथुर	एमएससी/एमए/2022	फर्रुखाबाद
सौरव	एमएससी/एमए/2023	जींद
शुवो रॉय	एमएससी/एमए/2023	हावड़ा
अमगोथ श्रीनिवास	एमएससी/एमए/2023	हैदराबाद
प्रवीण कुमार गुप्ता	एमएससी/पीएच/2019	बरेली
तंदुलजे अक्षय पद्माकर	एमएससी/पीएच/2021	बैंगलोर
योगेश कुमार यादव	एमएससी/पीएच/2021	बहरोड़
राज कुमार गढ़वाल	एमएससी/पीएच/2022	सीकर
कौस्तुभ गुहा	एमएससी/पीएच/2023	मुर्शिदाबाद
भागचंद मीना	एमएससी/पीएच/2023	जयपुर
डेनिश नरेंद्रभाई त्रिवेदी	एमएससी/पीएच/2023	गांधीनगर
ऋषभ कुमार सिंह	एमएससी/पीएच/2023	वाराणसी
सुरभि जगदीश मेनन	एमएससी/पीएच/2023	तिरुवनंतपुरम
शिगणे सोमेश नाना	एमटेक/बीई/2021	बैंगलोर
-विमल पनारा	एमटेक/सीई/2022	जामनगर
जयदीप सिंह बनकोटी	एमटेक/सीएसई/2021	बैंगलोर
मयंक नौटियाल	एमटेक/ईई/2021	गांधीनगर
दिव्यप्रकाश	एमटेक/एमई/2017	दिल्ली
समीक्षा दास	एमटेक/एमएसई/2021	गांधीनगर
सुष्मिता मंडल	पीजीडीआईआईटी/ सीएसई/2023	कोलकाता
प्रज्ञा नंदन बंजारे	एमटेक/एमएसई/2015	पेंड्रावां
यथार्थ वकील	बीटेक/एमई/2022	अहमदाबाद
देवानंद	बीटेक/सीई/2018	बिहार
अरविन्द रोशन	बीटेक/ईई/2018	हैदराबाद
सारंग कुलकर्णी	एमटेक/एमएसई/2018	पुणे
अजिंक्य मुकुंद कुलकर्णी	बीटेक/एमई/2012	मुंबई
शास्त्री राहुल किशोरभाई	एमएससी/पीएच/2017	वलसाड
अलका बलियान	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर

प्रियंग प्रियदर्शी	बीटेक/एमएसई/2019	गांधीनगर
परम सिंह	एमटेक/एमएसई/2018	गांधीनगर
विशाल कुशवाह	एमटेक/ईई/2018	देहरादून
आयुष गुप्ता	बीटेक/एमएसई/2019	कानपुर
बविस्कर पुष्पक कैलास	बीटेक/सीई/2019	औरंगाबाद
आरती विश्वकर्मा	एमएससी/सीएच/2022	दमन
गजेंद्र सैनी	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर
रिमझिम	एमएससी/सीएच/2020	दिल्ली
वेगाड उर्मिन	एमटेक/सीई/2021	बीजापुर
श्रीवास्तव निष्कर्ष रामेश्वरनाथ	एमटेक/एमएसई/2020	गुजरात
गुगुलोथ श्रीनिवास	बीटेक/एमई/2017	महबुबाबाद
मुर्तुजा हदियानावाला	पीएचडी/सीएच/2017	बैंगलोर
कहकशां बंसल	एमटेक/बीई/2021	टोहाना
पोट्टूरु अपूर्वा	बीटेक/एमई/2016	कृष्णा जिला
दीपा दीक्षित	पीएचडी/सीएल/2020	दिल्ली
संगीता यादव	शुभचिंतक	दिल्ली
मिट्टिरेड्वी रवि तेजा	एमटेक/एमएसई/2019	श्रीकाकुलम
मुजम्मिल रावूत	बीटेक/एमई/2016	मुंबा
पूर्ण कुकड़िया	एमटेक/ईई/2021	कानपुर
सनिका गुप्ता	एमएससी/सीजी/2019	उतार प्रदेश
श्रेया पामेचा	बीटेक/ईई/2021	राजस्थान
सुरभि वरकडे	एमएससी/एमए/2020	भोपाल
बैशाली पांडा	एमटेक/एमई/2017	भुवनेश्वर
श्रेयस श्रीराम	बीटेक/एमएसई/2020	चेन्नई
हेमन्त कृष्णन आर	एमटेक/एमई/2020	पलक्कड़
रेम्या पी के	एमए/एचएसएस/2022	बैंगलोर
कमले मयंक श्रीकांत	बीटेक/सीएल/2020	नागपुर
भूमिका साधवानी	एमटेक/सीई/2019	मुगलसराय
पतुरु वीरभद्र लोकेश	बीटेक/ईई/2016	नेल्लोर
प्रथमेश विभूते	बीटेक/एमई/2022	मुंबई
यश पटेल	बीटेक/एमई/2019	चेन्नई
उपेन्द्र कुमार शुक्ल	एमटेक/सीएल/2014	उतार प्रदेश।
मोहित गर्ग	एमटेक/एमई/2016	चंडीगढ़
मोहित मीना	बीटेक/सीएसई/2021	फरीदाबाद
भास्कर शुक्ला	पीजीडीआईआईटी/ एमई/2019	भोपाल
सचिन शुक्ला	एमएससी/पीएच/2022	अहमदाबाद
वैभव त्रिवेदी	एमटेक/सीएल/2019	फर्रुखाबाद
प्रशांत झा	पीजीडीआईआईटी/ईई/2020	मधुबनी
अंकुर मित्तल	एमटेक/सीएल/2019	ओडिशा
सुरेंद्र चौधरी	एमएससी/एमए/2020	अजमेर
कमल तिवारी	एमटेक/एमई/2017	नैनीताल
गौतम वरंगती	बीटेक/सीई/2021	गांधीनगर
भवानी शंकर	एमएससी/एमए/2020	बाड़मेर
रूशी जरीवाला	बीटेक/ईई/2017	मुंबई
टंडेले मोहित मुकुंदराज	बीटेक/एमएसई/2018	लातूर
प्रीति सिंह	एमटेक/ईई/2019	झुंझुनू
परिवीक्षा जोशी	एमटेक/सीई/2017	इंदौर
दीपक कुमार	एमटेक/सीई/2020	जहानाबाद
प्रसाद आठवे	बीटेक/सीएसई/2022	हिंगोली
संगीता छबरवाल	एमएससी/एमए/2018	छोटी सीकर
रोहित श्रीवास्तव	एमएससी/एमए/2018	उतार प्रदेश।
दीप मेहता	एमटेक/सीई/2021	उदयपुर
महेश वी.पी	पीएचडी/एमएसई/2020	तिरुवनंतपुरम
आनंदसिंह चौहान	एमटेक/ईई/2020	अहमदाबाद
अनिता यादव	एमएससी/एमए/2022	जयपुर

आशीष नारंग	पीएचडी/पीएच/2021	सहारनपुर	शाह जुगल सौरिन	बीटेक/एमई/2017	दिल्ली
दिव्यराज नकुम	शुभचिंतक	गांधीनगर	कनक शर्मा	बीटेक/एमई/2017	मुंबई
देवर्षण घोष	एमटेक/बीई/2020	कोलकाता	तुषार निर्मल	बीटेक/एमई/2018	अहमदाबाद
सुमीतावा मुखर्जी	पीएचडी/सीजी/2014	अहमदाबाद	तुष्कानी संदीप रेड्डी	बीटेक/एमई/2019	गुवाहाटी
अनिमेष सिंह कुमावत	बीटेक/ईई/2016	उदयपुर	वैभव मित्तल	बीटेक/एमई/2019	रायपुर
शैलेन्द्र कुमार	बीटेक/सीई/2017	दिल्ली	रजत रंजन	बीटेक/एमई/2019	गांधीनगर
पोमराज प्रजापत	बीटेक/सीई/2017	बरौनी	शिखर राजपूत	बीटेक/एमई/2019	भोपाल
रोशन अग्रवाल	बीटेक/सीई/2017	बैंगलोर	यश गौड़	बीटेक/एमई/2021	हैदराबाद
हेमन्त कुमार	बीटेक/सीई/2017	दिल्ली	रितु वर्मा	बीटेक/एमई/2022	दौसा
तरूण शर्मा	बीटेक/सीई/2019	मुंबई	जयदीप गुलाब रामनानी	बीटेक/एमई/2022	पिट्सबर्ग
सार्थक मित्तल	बीटेक/सीई/2019	जयपुर	तन्मय जैन	बीटेक/एमई/2022	मुंबई
मुकेश कुमार	बीटेक/सीई/2020	पटना	बुक्या विनय	बीटेक/एमएसई/2020	हैदराबाद
अक्षय मित्तल	बीटेक/सीई/2020	चेन्नई	बिदयान बसुमतारी	बीटेक/एमएसई/2020	गांधीनगर
मयंक कुमार	बीटेक/सीई/2020	अजमेर	गोदिना गंगा हृषिकेश	बीटेक/एमएसई/2022	दिल्ली
आयुष सिंह	बीटेक/सीई/2020	रुड़की	तन्वी जैन	एमए/एचएसएस/2019	दिल्ली
कौशल छीपा	बीटेक/सीई/2020	चुरू	आद्यशा बेहरा	एमए/एचएसएस/2021	अनकापल्ली
दीपक मीना	बीटेक/सीई/2021	सवाई माधोपुर	सेहा सत्यन	एमए/एचएसएस/2021	विजयवाड़ा
साई गौरी झांसी बोड्डू	बीटेक/सीई/2022	विजाग	प्रिया जैन	एमए/एचएसएस/2022	दिल्ली
हादिक खीची	बीटेक/सीई/2022	जोधपुर	तनुरिमा शौ	एमए/एचएसएस/2022	गांधीनगर
अविनाश	बीटेक/सीई/2022	झुंझुनू	एकता खेमचंदानी	एमएससी/सीजी/2020	दिल्ली
मालवे ऐश्वर्या अजय	बीटेक/सीई/2022	नांदेड़	विक्रम सिंह नेगी	एमएससी/सीजी/2021	गांधीनगर
अमन	बीटेक/सीई/2022	पटना	कृतिका मुजमेर	एमएससी/सीजी/2021	ब्रिस्टल
देवेन्द्र सिंह	बीटेक/सीई/2022	नागौर	श्रद्धा गोकुल मतकर	एमएससी/सीजी/2022	इटारसी
विवेक मैडा	बीटेक/सीएल/2016	दिल्ली	उज्जा सरवत	एमएससी/सीजी/2022	दिल्ली
लाखचंद	बीटेक/सीएल/2017	वारंगल	दिव्या कुंडानी	एमएससी/सीजी/2022	पुणे
निशा रावत	बीटेक/सीएल/2017	दिल्ली	मोहम्मद हसन	एमएससी/सीएच/2017	बैंगलोर
बट्टी विशाल मीना	बीटेक/सीएल/2018	अहमदाबाद	सचिन गिरी	एमएससी/सीएच/2018	डलास
सुरेश कुमार	बीटेक/सीएल/2019	चुरू	राकेश यादव	एमएससी/सीएच/2018	भिवानी
रितिक जैन	बीटेक/सीएल/2020	बैंगलोर	तान्या हंस	एमएससी/सीएच/2019	दिल्ली
-लखन अग्रवाल	बीटेक/सीएल/2020	मुंबई	गरिमा भूटानी	एमएससी/सीएच/2019	हिसार
अविनाश जॉय बारा	बीटेक/सीएल/2021	अहमदाबाद	निखिल शर्मा	एमएससी/सीएच/2019	मथुरा
आयुष्मान बहुगुणा	बीटेक/सीएल/2021	इंदौर	बनवारी कुमार मंडल	एमएससी/सीएच/2021	गांधीनगर
मनराज मीना	बीटेक/सीएल/2022	सवाई माधोपुर	देदानिया हिरेनकुमार जीतेन्द्रभाई	एमएससी/सीएच/2021	गांधीनगर
प्रसन्ना डी	बीटेक/सीएल/2022	मुंबई	केशव चौधरी	एमएससी/सीएच/2022	बालासोर
ठाकर देवांशु नीलेश	बीटेक/सीएल/2022	पुणे	गौतम पात्रा	एमएससी/सीएच/2022	मुंबई
स्मित वीरा	बीटेक/सीएसई/2020	मुंबई	निक्की मित्तल	एमएससी/सीएच/2022	दिल्ली
रोहित शर्मा	बीटेक/सीएसई/2020	सोनभद्र	अमन कुमार	एमएससी/सीएच/2022	श्रीगंगानगर
रेयान गात	बीटेक/सीएसई/2020	पटियाला	बबीता	एमएससी/एमए/2017	नोएडा
प्रतीक कयाल	बीटेक/सीएसई/2020	गुवाहाटी	राहुल	एमएससी/एमए/2018	दिल्ली
मृदुल शर्मा	बीटेक/सीएसई/2020	फतेहाबाद	मोनु	एमएससी/एमए/2018	गुडगाँव
कुणाल वर्मा	बीटेक/सीएसई/2020	मुंबई	पारुल पुनिया	एमएससी/एमए/2018	दिल्ली
अभिष्ट तिवारी	बीटेक/सीएसई/2021	इंदौर	विनोद कुमार	एमएससी/एमए/2018	बैंगलोर
सागर बिसेन	बीटेक/सीएसई/2022	बैंगलोर	सियाराम गुर्जर	एमएससी/एमए/2018	दिल्ली
हर्षित कुमार	बीटेक/सीएसई/2022	अहमदाबाद	अर्चित अग्रवाल	एमएससी/एमए/2018	इंदौर
अनुपम कुमार	बीटेक/सीएसई/2022	बैंगलोर	टीकम चंद सोयल	एमएससी/एमए/2018	जयपुर
नितेश गुप्ता	बीटेक/ईई/2012	बैंगलोर	प्रियंका शूरा	एमएससी/एमए/2018	चंदवा
निशांत जोशी	बीटेक/ईई/2012	मुंबई	सलोनी गुप्ता	एमएससी/एमए/2019	दौसा
सुश्रुत प्रमोद मेश्राम	बीटेक/ईई/2014	मुंबई	गौतम बर्मन	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
-जितेंद्र कुलदीप	बीटेक/ईई/2017	बैंगलोर	अभिजीत दुग्गानी	एमएससी/एमए/2021	चंडीगढ़
रवि श्रीमाल	बीटेक/ईई/2019	दिल्ली	मयंक नगर	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
रवि जांगिड़	बीटेक/ईई/2020	सीकर	मोहम्मद नावेद	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
चंद्रहास पुंडरू	बीटेक/ईई/2021	गांधीनगर	मिल्टन बिस्वास	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
पटेल उर्विशकुमार जयरामभाई	बीटेक/ईई/2021	अंकलेश्वर	यश राठीड़	एमएससी/एमए/2022	डाल्टनगंज
भावेश कुमार सोलंकी	बीटेक/ईई/2022	बाड़मेर	जीतेन्द्र कुमार	एमएससी/एमए/2022	पश्चिम चंपारण
शिवांशु शर्मा	बीटेक/ईई/2022	मोहाली	शिवम अवस्थी	एमएससी/पीएच/2018	वाराणसी
अभिक पटेल	बीटेक/एमई/2012	बैंगलोर	अभिजीत जाना	एमएससी/पीएच/2018	अलौती

आशीष जोसेफ	एमएससी/पीएच/2019	दिल्ली	-प्रीतम नंदा	एमएससी/पीएच/2016	कोलकाता
गौतम एम	एमएससी/पीएच/2019	मुंबई	अनिकेत रजनीश	बीटेक/एमई/2023	लिविंगस्टन सेंट.
ऋचा डोबाल	एमएससी/पीएच/2019	अल्मोडा	दिग्विजय वैभव माली	बीटेक/सीएल/2023	सतारा
अरविन्द कुमार	एमएससी/पीएच/2019	जीबी नगर	हेमा नाहटा	शुभचिंतक	गांधीनगर
कपिल देव	एमएससी/पीएच/2019	दिल्ली	सोलंकी हिरेन राजेशभाई	एमटेक/ईएसएस/2022	देहरादून
कमल कांत चंद्रा	एमएससी/पीएच/2019	गाजियाबाद	प्रंजल सिंह	बीटेक/सीई/2021	आगरा
सज्जन	एमएससी/पीएच/2019	दिल्ली	रजत कुमार गुप्ता	बीटेक/सीएल/2017	मुंबई
नीरज कुमार मीना	एमएससी/पीएच/2020	करौली	अभिनव सिंह	बीटेक/एमई/2016	मुंबई
निविधा	एमएससी/पीएच/2020	लखनऊ	आशीष शुक्ला	एमएससी/एमए/2019	मुंबई
अपर्णा राठी	एमएससी/पीएच/2020	गांधीनगर	पटेल विदेह प्रेरक भाई	बीटेक/एमई/2023	बैंगलोर
प्रियांशु शर्मा	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर	आदर्श गोलाईट	बीटेक/एमई/2023	मुंबई
पंकज शर्मा	एमएससी/पीएच/2022	भरतपुर	ईपी सरफ्रास	एमए/एचएसएस/2023	तिरुवनंतपुरम
मीनू एस ए	एमएससी/पीएच/2022	थानेसर	मुर्शीद हुसैन	एमएससी/सीजी/2023	पलक्कड़
जूही सिंह	एमएससी/पीएच/2022	जामनगर	गायत्री नारायण नेरपागर	एमएससी/सीजी/2023	गांधीनगर
रूपल चंदना	एमएससी/पीएच/2022	दिल्ली	दिनेश कुमार शर्मा	एमएससी/एमए/2022	सीकर
धृवी किरिटकुमार पटेल	एमएससी/पीएच/2022	अहमदाबाद	विनय कुमार राणा	एमएससी/पीएच/2022	दौसा
पावनी दिगंत पंड्या	एमटेक/सीई/2014	बोईसर	अभि मित्तल	एमटेक/सीई/2021	बीकानेर
राजदीप घोष	एमटेक/सीई/2018	कोलकाता	पुष्पेंद्र कुमार कुंतल	बीटेक/सीई/2019	उतार प्रदेश
उष्मा गर्ग	एमटेक/सीई/2022	पुणे	जेनिल वागडिया	एमटेक/सीएसई/2021	लंका
राजपूत वंदना	एमटेक/सीएल/2016	गांधीनगर	डेव सोविल	बीटेक/एमई/2018	सूरत
कुसुम पंवार	एमटेक/सीएल/2018	अहमदाबाद	आशु	एमएससी/सीएच/2023	दिल्ली
सैकत सेन	एमटेक/सीएल/2018	पुणे	अमर बरोलिया	बीटेक/सीई/2020	जयपुर
मनीस कुमार लेंका	एमटेक/सीएल/2019	दिल्ली	रचना चौधरी	एमएससी/पीएच/2020	सीकर
उत्पल पोद्दार	एमटेक/सीएसई/2021	कानपुर	नेहा पटेल	एमएससी/पीएच/2018	खरगोन
अतुलकुमार आर	एमटेक/सीएसई/2022	रायपुर	अनुराग देबाना	बीटेक/सीई/2019	झुंझुनू
राकेश गुंडाबाथिनी	एमटेक/ईई/2016	चेन्नई	अनुभव मीना	बीटेक/सीई/2020	टोडाभीम
रचिता अग्रवाल	एमटेक/ईई/2016	दिल्ली	राजकुमार सैन	बीटेक/सीएल/2021	जयपुर
सचिनकुमार बाबूभाई सुथार	एमटेक/ईई/2019	गांधीनगर	मृणाल आनंद	बीटेक/सीएसई/2021	बैंगलोर
त्रिसरोटा देब	एमटेक/ईई/2019	जिरानिया	-हिमांशु राय -हिमांशु राय	बीटेक/ईई/2021	वाराणसी
बिप्लब नाथ	एमटेक/ईई/2020	अलीगढ़	डिंपल खट्टर	एमए/एचएसएस/2020	कोच्चि
-अनूप कुमार	एमटेक/ईई/2021	बैंगलोर	खुशबू कुमारी	एमए/एचएसएस/2022	कोयंबटूर
शिवानी सिंघल	एमटेक/ईई/2021	सारण	एहसान के	एमएससी/सीजी/2020	गांधीनगर
प्रतीक शर्मा	एमटेक/ईई/2021	हैदराबाद	वर्धा	एमएससी/सीजी/2022	गांधीनगर
अनिमेष शर्मा	एमटेक/ईई/2022	भिलाई	सुदीप पंडित	एमएससी/एमए/2018	गांधीनगर
हिमांशु	एमटेक/ईएसएस/2021	गोलाघाट	शिवानी हुवोर	एमएससी/एमए/2018	बागीदौरा
मकवाना गुंजनकुमार कलाभाई	एमटेक/ईएसएस/2022	कोलकाता	भाविन रसिकभाई जोशी	एमएससी/एमए/2020	राजकोट
सवाडियावाला चिराग योगेशकुमार	एमटेक/एमई/2016	इलाहाबाद	अक्षय कुमार	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
प्रियांक मेहता	एमटेक/एमई/2018	झुंजारपुर	उदय सिंह	एमएससी/पीएच/2019	तिरुवनंतपुरम
प्रतीक प्रजापति	एमटेक/एमई/2019	गांधीनगर	जायद अहमद	एमएससी/पीएच/2020	पुंछ
आकाश उन्नीकृष्णन	एमटेक/एमई/2019	गांधीनगर	कौशल मीना	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर
देवकी वर्मा	एमटेक/एमई/2020	पुणे	सेलिम स्क	एमएससी/पीएच/2022	रेवाड़ी
परितोष कावरा	एमटेक/एमई/2021	संगमनेर	पिंटू प्रजापत	एमएससी/पीएच/2022	लछमनगढ़
राजनंदन बोरठाकुर	एमटेक/एमई/2022	गांधीनगर	रूपशा मुखर्जी	एमटेक/बीई/2020	सूरत
धृतिमान डे	एमटेक/एमएसई/2019	गुवाहाटी	शैलेश गर्ग	एमटेक/सीई/2019	करौली
अक्षय कुमार सोनी	एमटेक/एमएसई/2021	गुवाहाटी	दीपेश सिंह चुफाल	एमटेक/सीई/2022	काठगोदाम
अभिजीत छोत्रे	एमटेक/एमएसई/2022	गांधीनगर	सम्यब्रता चटर्जी	एमटेक/सीएल/2020	खड़गपुर
भानु प्रताप सिंह गंगवार	पीएचडी/सीएच/2020	बरेली	आयुष नेमा	एमटेक/सीएल/2020	चेन्नई
नेहा मानव	पीएचडी/सीएच/2021	दिल्ली	मो नसरे आलम	एमटेक/सीएल/2020	धमतरी
मुरली कृष्ण एंडुरी	पीएचडी/सीएस/2018	गुंटूर	प्रज्वल कुमार	एमटेक/सीएसई/2021	जामनगर
बालागोश बी	पीएचडी/ईई/2022	राजपालयम	आकांक्षा डेका	एमटेक/एमई/2022	अगरतला
नीलाभ डिश	पीएचडी/एमएसई/2022	हैदराबाद	भदाणे प्रथमेश किरण मनीषा	एमटेक/एमएसई/2021	गांधीनगर
फैरूस सी	पीएचडी/पीएच/2020	पथियाराक्करा	कुशल अग्रवाल	बीटेक/सीई/2019	इंदौर
रविशंकर बंकर	शुभचिंतक	पटना	रुतुजा जगदीश गोगाने	एमए/एचएसएस/2023	खलासा
दीपक धारीवाल	बीटेक/एमएसई/2018	ब्लैक्सबर्ग	कार्तिक वीर	शुभचिंतक	गांधीनगर

छक्का यशवन्त साई किरण	एमटेक/ईई/2018	प्रकाशम
श्रुति कटपरा	बीटेक/सीएसई/2022	गांधीनगर
उत्कर्ष नंदा	बीटेक/सीई/2022	रांची
पत्यलवथ प्रशान्त	बीटेक/सीएसई/2020	नलगोंडा
भास्कर वर्मा	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
सरोज यादव	एमएससी/पीएच/2020	मुंबई
पोलमपल्ली बाला श्रीमन्नारायण	बीटेक/एमई/2021	गुंटूर
मुडे हर्षवर्द्धन नाइक	बीटेक/सीएल/2023	कडपा
नारायण शशिकोत मेहता	शुभचिंतक	गांधीनगर
अभिषेक कंदोई	बीटेक/एमई/2012	जोधपुर
बेबी ज़िलिया ना	एमएससी/सीजी/2018	मलप्पुरम

पवन मीना	बीएससी/सीई/2022	करौली
रवि अग्रवाल	बीटेक/एमई/2013	सिंगापुर
उत्सव वाई मिस्त्री	बीटेक/एमई/2015	मुंबई
हामा बालाकृष्णन	एमए/एचएसएस/2022	बैंगलोर
ऋत्विंक नारायणन	एमएससी/सीजी/2022	पुणे
प्रशांत चौहान	एमएससी/पीएच/2018	जोधपुर
नेहा चौधरी	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर
खुशवंत सिंह	एमएससी/पीएच/2022	भरतपुर
रूप चौधरी	एमटेक/सीएसई/2020	मुंबई
गावसने ऋतु मिलिंद	बीटेक/एमई/2014	पुणे
किशन कुशावाहा	शुभचिंतक	गांधीनगर



विभूतियाँ

विशिष्ट मानद प्रोफेसर

प्रो. सुरेंद्र प्रसाद



प्रोफेसर सुरेंद्र प्रसाद ने निदेशक के पद सहित कई शैक्षणिक और प्रशासनिक क्षमताओं में चार दशकों से अधिक समय तक आईआईटी दिल्ली की सेवा की है। उन्हें इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार में विक्रम

साराभाई अनुसंधान पुरस्कार (1987), इंजीनियरिंग विज्ञान के लिए शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार (1988), इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार में अनुसंधान के लिए ओम प्रकाश भसीन पुरस्कार (1994), सूचना प्रौद्योगिकी के लिए वीएसवीआईके पुरस्कार (2006), सिस्टम सोसाइटी ऑफ इंडिया का लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार (2011), आईआईटी खड़गपुर का विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार मिला है। उन्हें 2007 में यूके के लॉफोरो विश्वविद्यालय द्वारा मानद डॉक्टरेट की उपाधि से भी सम्मानित किया गया था। वह भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारतीय विज्ञान अकादमी और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के सदस्य हैं।

प्रो. नीतीश ठाकोर



प्रोफेसर नीतीश ठाकोर जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग और न्यूरोलॉजी के प्रोफेसर हैं और न्यूरो इंजीनियरिंग

प्रयोगशाला का नेतृत्व करते हैं। वह सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में सिंगापुर इंस्टीट्यूट फॉर न्यूरोटेक्नोलॉजी के निदेशक भी हैं। उन्होंने 1974 में आईआईटी बॉम्बे से स्नातक की डिग्री और 1981 में विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय, मैडिसन से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। प्रोफेसर ठाकोर विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग (2008) से शताब्दी पदक, अल्फा एटा म्यू बीटा बायोमेडिकल इंजीनियरिंग छात्र ऑनर सोसाइटी की मानद सदस्यता के प्राप्तकर्ता हैं। उन्होंने आईआईटी इंजीनियरिंग इन मेडिसिन एंड बायोलॉजी सोसाइटी से न्यूरोइंजीनियरिंग में तकनीकी उत्कृष्टता का पुरस्कार और 2012 में आईआईटी बॉम्बे से विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार प्राप्त किया है।

डॉ. ए एस किरण कुमार



डॉ. ए एस किरण कुमार 2015 से अंतरिक्ष आयोग के अध्यक्ष हैं। इसके अलावा, वे अंतरिक्ष विभाग के सचिव और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष के पद पर भी हैं। डॉ. कुमार ने 1971 में नेशनल कॉलेज,

बैंगलोर से भौतिकी में ऑनर्स की डिग्री, 1973 में बैंगलोर विश्वविद्यालय से एमएससी डिग्री (इलेक्ट्रॉनिक्स) और 1975 में भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर से भौतिक इंजीनियरिंग में एमटेक की डिग्री प्राप्त की है। उनके योगदान हेतु उन्हें 2014 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने 1979 में भास्कर टीवी पेलोड से लेकर 2013

में मार्स ऑर्बिटर मिशन पर पेलोड तक अंतरिक्ष-जनित प्लेटफार्मों पर उड़ाए गए 50 से अधिक इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल इमेजिंग सेंसर के डिजाइन और विकास में योगदान दिया है।

प्रो. शेखर सी मंडे



प्रो. प्रोफेसर शेखर मंडे नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंस कॉम्प्लेक्स के मानद प्रतिष्ठित संकाय और वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के पूर्व

मंडे ने 1984 में नागपुर विश्वविद्यालय से भौतिकी में एमएससी और 1991 में आईआईएससी बैंगलोर से आणविक जैवभौतिकी में पीएचडी प्राप्त की। पीएचडी के बाद, उन्होंने नीदरलैंड में रिज्क्सयुनिवर्सिटी ग्रोनिंगन में पोस्टडॉक्टरल शोधकर्ता के रूप में काम किया है। वह वर्तमान में सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के जैव सूचना विज्ञान केंद्र में प्रतिष्ठित प्रोफेसर हैं, यह पद डॉ. आनंद देशपांडे द्वारा उदारतापूर्वक वित्त पोषित है। वह तीनों विज्ञान अकादमियों अर्थात् भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद; भारतीय विज्ञान अकादमी, बैंगलोर और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली के निर्वाचित सदस्य हैं। उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें सबसे उल्लेखनीय 2005 में जैविक विज्ञान के लिए शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार है। उन्होंने अक्टूबर 2018-अप्रैल 2022 के दौरान सीएसआईआर के महानिदेशक और भारत सरकार के डीएसआईआर के सचिव के रूप में कार्य किया है।

स्कॉलर-इन-रेजिडेंस

डॉ. मारिया जोआओ अमन्ते



डॉ. मारिया जोआओ अमन्ते, पीएचडी जुलाई 2022 से पुर्तगाली संसद पुस्तकालय (पुर्तगाल) की निदेशक हैं। सितंबर 2020 से जुलाई 2022 तक, उन्होंने ब्रागा पब्लिक लाइब्रेरी (पुर्तगाल) की निदेशक के रूप में कार्य किया है। वर्ष 2004 से 2019 तक, उन्होंने आईएससीटीई - इंस्टीट्यूटो यूनिवर्सिटारियो डी लिस्बोआ (पुर्तगाल) में लाइब्रेरी निदेशक के रूप में कार्य किया है। वर्ष 2017 से, वह आई आई टी गांधीनगर लेखन स्टूडियो और आई आई टी गांधीनगर लाइब्रेरी के साथ भी सहयोग कर रही हैं। वह कई पेशेवर संघों की सदस्य हैं और सूचना साक्षरता, अनुसंधान सूचना प्रबंधन, नागरिक विज्ञान, खुली पहुंच, संकाय/पुस्तकालयाध्यक्ष संबंध, योग्यता विकास और वैज्ञानिक लेखन जैसे विषयों पर कई लेखों और पुस्तक अध्यायों की लेखिका हैं। उन्होंने कई वैज्ञानिक समितियों में भी भाग लिया है।

प्रो. कामियार अमीनियन



प्रोफेसर कामियार अमीनियन ने ईपीएफएल, स्विटजरलैंड से एमएस और पीएचडी की है। उनकी शोध रुचि सेंसर और इंस्ट्रुमेंटेशन, एम्बुलेटरी मॉनिटरिंग, चाल विश्लेषण, शारीरिक गतिविधि निगरानी, संतुलन

मूल्यांकन, खेल और पुनर्वास, आर्गोप्लास्टी, परिणाम, बुजुर्गों में गिरने का जोखिम, जीवन की गुणवत्ता, पार्किंसंस में है। वह वर्तमान में बायोइंजीनियरिंग संस्थान में प्रोफेसर हैं और ईपीएफएल में मूवमेंट एनालिसिस एंड मेजरमेंट की प्रयोगशाला के निदेशक हैं। उन्होंने समीक्षा की गई पत्रिकाओं में प्रकाशित 600

से अधिक वैज्ञानिक पत्रों का लेखन और सह-लेखन किया है, और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किया है और चिकित्सा उपकरणों से संबंधित 12 पेटेंट हैं।

डॉ. गबोर रिबारिक



डॉ. गैबोर रिबारिक ने 2009 में ईओट्रोस विश्वविद्यालय, बुडापेस्ट, हंगरी से भौतिकी में पीएचडी (सम्मा कम लाउड) की है। वह 2016 से ईओट्रोस विश्वविद्यालय, सामग्री भौतिकी विभाग, बुडापेस्ट, हंगरी में सहायक शोध रुचियों में एफएफटी-आधारित मॉडलिंग, एक्स-रे लाइन प्रोफाइल विश्लेषण, माइक्रोस्ट्रक्चर मॉडलिंग, 2039 और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एल्गोरिदम शामिल हैं।

डॉ. शूंगो कवानिशी



डॉ. शूंगो कवानिशी जापान में एक राष्ट्रीय स्नातकोत्तर विश्वविद्यालय, जापान एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (जेएआईएसटी) के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के उपाध्यक्ष और ग्लोबल कम्युनिकेशन सेंटर के निदेशक हैं। उन्होंने जापान में कीओ विश्वविद्यालय (1977) से स्नातक की डिग्री, जॉर्जिया विश्वविद्यालय (1980, 1995) से मास्टर और डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने सभी स्कुलों से सम्मानित छात्र के रूप में स्नातक किया है। हवाई में रहते हुए, उन्हें अपने वैश्विक शिक्षा दृष्टिकोण के लिए एसीआईआईई से अंतरराष्ट्रीय शिक्षा में सर्वश्रेष्ठ अभ्यास पुरस्कार मिला है। प्रोफेसर कवानिशी 2015 से आई आई टी गांधीनगर के साथ स्कॉलर इन रेसिडेंस के रूप में जुड़े हुए हैं और हर गर्मियों में जापान अध्ययन पर गहन पाठ्यक्रम पढ़ाते हैं।

डॉ. पाउलो रॉबर्टो स्केल्को



डॉ. पाउलो रॉबर्टो स्केल्को संघीय विश्वविद्यालय गोइआस में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं, जिन्होंने यूजीएफ से अप्लाइड अर्थशास्त्र में पीएचडी की है। उनकी रुचि क्षेत्र अप्लाइड अर्थशास्त्र है, जिसमें औद्योगिक संगठन,

मात्रात्मक विधियों और सार्वजनिक नीति मूल्यांकन पर जोर दिया जाता है। उनके शोध का वर्तमान क्षेत्र ब्राजील के कृषि व्यवसाय में बाजार की शक्ति की पहचान करना और मापना है, और वे अन्य क्षेत्रों में रुचि रखते हैं जैसे: औद्योगिक अर्थव्यवस्था (अपूर्ण बाजार, बाजार संरचनाएं, बाजार शक्ति, दक्षता और उत्पादकता), व्यावसायीकरण (प्रशिक्षण और मूल्य संचरण, बाजार एकीकरण, लेनदेन लागत), अपराध का अर्थशास्त्र (अपराध के निर्धारक, अपराध का मुकाबला, नशीली दवाओं के उपयोग का वैधीकरण और सार्वजनिक नीतियां) और सामान्य रूप से सार्वजनिक नीतियों का मूल्यांकन।

प्रो. नुनो गुडमराय



प्रोफेसर गुडमारेस आईएससीटीईआईएफएल में पूर्ण प्रोफेसर (प्रोफेसर कैटेड्रेटिको) हैं। उन्होंने 1983 में लिस्बन के तकनीकी विश्वविद्यालय, इंस्टीट्यूटो सुपीरियर टेक्निको, पुर्तगाल में इलेक्ट्रोटेक्निकल

इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है, वहीं से उन्होंने एमएससी (1987) और पीएचडी (1992) भी

पुरी की है। जुलाई 1999 में उन्हें लिस्बन विश्वविद्यालय से एग्रीगैडो एम इंफॉर्मेटिका की उपाधि मिली है। वर्ष 1986 से 1997 तक, उन्होंने आईएसटी/यूटीएल के इलेक्ट्रोटेक्निकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में और 1997 से 2012 तक लिस्बन विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के सूचना विज्ञान विभाग में पढ़ाया है।

डॉ. आंद्रे ड्रॉक्सलर



डॉ. आंद्रे ड्रॉक्सलर, पीएचडी, जुलाई 2020 में अपनी हालिया सेवानिवृत्ति तक, राइस विश्वविद्यालय में पृथ्वी, पर्यावरण और ग्रह विज्ञान विभाग में प्रोफेसर थे, वर्तमान में एमेरिटस प्रोफेसर हैं। उनका शोध कोरल रीफ और कार्बोनेट प्लेटफॉर्म के आसपास ढलानों और बेसिन तल पर जमा होने वाली तलछट की आकृति विज्ञान और अध्ययन पर केंद्रित रहा है। पिछले 40 वर्षों में, उन्होंने बहामास, अपतटीय जमैका, बेलीज मार्जिन के साथ, मैक्सिको की पश्चिमी खाड़ी में, मालदीव (हिंद महासागर), ऑस्ट्रेलियाई ग्रेट बैरियर रीफ के साथ और पापुआ की खाड़ी (पापुआ न्यू गिनी) में शोध कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

डॉ. कस्तूरी वेंकटेश्वरन



डॉ. कस्तूरी वेंकटेश्वरन ने 1981 में भारत के अन्नामलाई विश्वविद्यालय से समुद्री सूक्ष्म जीव विज्ञान में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है और 1990 में जापान के हिरोशिमा विश्वविद्यालय से कृषि में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। वर्तमान में, डॉ. वेंकट नासा - जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला में एक वरिष्ठ शोध वैज्ञानिक हैं और जैव प्रौद्योगिकी और ग्रह संरक्षण समूह की सहायता करते हैं। उन्होंने समुद्री, खाद्य और पर्यावरण सूक्ष्म जीव विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान में 40 से अधिक वर्ष बिताए हैं। उन्होंने सूक्ष्मजीवों के पारिस्थितिक पहलुओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए आणविक सूक्ष्मजीव विश्लेषण में अपने शोध को लागू किया है।

डॉ. सत्यनारायणन मुन्दयूर



डॉ. सत्यनारायणन मुन्दयूर ने बॉम्बे विश्वविद्यालय से भाषा विज्ञान में बीएससी और एमए, दिल्ली विश्वविद्यालय से वयस्क और सतत शिक्षा में पोस्ट-एमए डिप्लोमा, भवन्स, मुंबई से पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा किया है। वे लोहित यूथ लाइब्रेरी नेटवर्क, तेजू, अरुणाचल प्रदेश में समन्वयक हैं। उनकी शोध रुचियों में स्कूली शिक्षा, पठन कौशल, ग्रामीण और आदिवासी समुदायों में अनौपचारिक शिक्षा, और हाशिए पर पड़ी पूर्वोत्तर भाषाओं में पठन सामग्री का उत्पादन, पूर्वोत्तर क्षेत्रों के संबंध में स्वतंत्र भारत में विमानन का इतिहास शामिल है।

डॉ. जियासिंटो बर्सेसी



डॉ. जियासिंटो बर्सेसी (रोबोटिक्स, संज्ञान और अंतःक्रिया प्रौद्योगिकी में पीएचडी, जेनोआ विश्वविद्यालय; प्रायोगिक मनोविज्ञान और संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान में बीएससी-एमएससी, पडुआ विश्वविद्यालय) रिहैब टेक्नोलॉजीज लैब में रोबोटिक और डिजिटल सिस्टम के मानव-केंद्रित डिजाइन के लिए न्यूरोएगॉनॉमिक्स में शोधकर्ता हैं। यह इस्टिटूटो इटालियनो डी टेक्नोलॉजीज (आईआईटी) की शोध

लाइन और आईआईटी और इटैलियन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंश्योरेंस अगेंस्ट एक्सीडेंट्स एट वर्क (आईएनएआईएल) की संयुक्त प्रयोगशाला है। डॉ. बर्सेसी ईएनएसटी की समन्वयक हैं, जो इतालवी मल्टीपल स्केलेरोसिस फाउंडेशन (एफआईएसएम) द्वारा समर्थित परियोजना है, जो लिगुरिया क्षेत्र में नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र आरएआईएसई के साथ तालमेल में है, जिसे इतालवी राष्ट्रीय पुनर्प्राप्ति और लचीलापन योजना (पीएनआरआर) द्वारा समर्थित किया गया है। वह शैक्षिक पहल गेमएबिलिटी का भी नेतृत्व करते हैं।

श्री सारनाथ बनर्जी (आर्टिस्ट-इन-रेजिडेंस)



श्री सारनाथ बनर्जी ने दिल्ली विश्वविद्यालय से बायोकेमिस्ट्री में बीएससी (ऑनर्स) और गोल्डस्मिथ कॉलेज, लंदन विश्वविद्यालय से इमेज एंड कम्युनिकेशन में एमए किया है। श्री बनर्जी ने पांच ग्राफिक उपन्यास (पेंगुइन और हार्पर कॉलिन्स द्वारा प्रकाशित) लिखे हैं और वर्तमान में अपना छठा उपन्यास लिख रहे हैं, जिसे बर्लिन सीनेट से छात्रवृत्ति मिल रही है। उनका पहला उपन्यास, कॉरिडोर (2004), पेंगुइन बुक्स, इंडिया द्वारा प्रकाशित किया गया था, जिसे मैकआर्थर फाउंडेशन, शिकागो द्वारा प्रदान की गई फेलोशिप के एक भाग के रूप में कमीशन किया गया था और भारत के पहले ग्राफिक उपन्यास के रूप में विपणन किया गया था।

श्री डॉन चाको पलाथारा (आर्टिस्ट-इन-रेजिडेंस)



श्री डॉन पालथारा ने कोट्टायम के महात्मा गांधी विश्वविद्यालय के सेंट बर्कमैन कॉलेज से भौतिकी में बीएससी, होबार्ट के तस्मानिया विश्वविद्यालय से सूचना प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर और सिडनी के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म स्कूल से निर्देशन, पटकथा लेखन और निर्माण में डिप्लोमा किया है। श्री पालथारा केरल के एक फिल्म निर्देशक, पटकथा लेखक और वृत्तचित्र फिल्म निर्माता हैं। छोटे बजट पर काम करने के लिए जाने जाने वाले, उनकी फिल्में स्थानीय केरल संस्कृति और मानव स्वभाव का अध्ययन हैं। पालथारा की फिल्मों ने मॉस्को अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव रॉटरडैम और केरल के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव सहित कई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में प्रशंसा प्राप्त की है।

अतिथि प्राध्यापक

डॉ. शर्मिला मंडे



डॉ. शर्मिला मंडे ने आईआईएससी बैंगलोर से भौतिकी में पीएचडी की है। उनकी शोध रुचियाँ बड़े पैमाने पर जैविक डेटा का विश्लेषण करने और मानव स्वास्थ्य को समझने के लिए उसी को लागू करने के लिए सिस्टम बायोलॉजी और एल्गोरिदम विकास के इर्द-गिर्द घूमती हैं। उनके काम का मुख्य फोकस बीमारियों और विकारों में मानव माइक्रोबायोम की भूमिका को समझना है। उनके पास कई पेटेंट किए गए एल्गोरिदम हैं, जो बड़े पैमाने पर जैविक डेटा का विश्लेषण करने में शोधकर्ताओं के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करते हैं। वह टीसीएस प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पुरस्कार की प्राप्तकर्ता हैं।

प्रो. रवि बनवर



प्रोफेसर रवि बनवर आईआईटी बॉम्बे में सिस्टम और कंट्रोल इंजीनियरिंग समूह में प्रोफेसर हैं, जो देश में यूनिक्स अंतःविषय समूह हैं और विशेष रूप से इस क्षेत्र में स्नातक शिक्षा (मास्टर और डॉक्टरेट कार्यक्रम) प्रदान करते हैं। उनकी शोध रुचियाँ ज्यामितीय यांत्रिकी, गैर-रेखीय और इष्टतम नियंत्रण, एयरोस्पेस, मैकेनिकल और माइक्रोरोबोटिक्स में एप्लिकेशन सहित लोकोमोशन के क्षेत्र में हैं। उन्होंने आईआईटी मद्रास से बीटेक, क्लेम्सन यूनिवर्सिटी से एमएस और टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स में प्रशिक्षक के रूप में अल्प कार्यकाल के बाद, वह 1993 में आईआईटी बॉम्बे में सिस्टम और नियंत्रण समूह में शामिल हो गए।

डॉ. राघवसिंहन थिरुनारायणन



डॉ. राघवसिंहन थिरुनारायणन ने ईपीएफएल, लॉजैन, स्विट्ज़रलैंड से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में एमएस और पीएचडी की है। वर्तमान में वे 3डीबी टेक्नोलॉजीज, ज्यूरिख में वरिष्ठ एनालॉग/आरएफ डिजाइन इंजीनियर के रूप में काम करते हैं, जहाँ वे अगली पीढ़ी के कीलेस एक्ससेस के लिए सिस्टम और चिप डिजाइन में शामिल हैं। वे भारतीय गणित पर भी काम करते हैं, प्राचीन गणितीय तकनीकों और आधुनिक गणित में उनकी प्रयोज्यता की खोज करते हैं।

डॉ. नितिन जोनाथन मेयर्स



डॉ. नितिन जोनाथन मायर्स डेल्टा सेंटर फॉर सिस्टम्स एंड कंट्रोल, टीयू डेल्टा में सहायक प्रोफेसर हैं। उनकी शोध रुचियाँ मजबूत सिग्नल प्रोसेसिंग और डेटा-संचालित अनुकूलन में हैं, जिसमें कम्युनिकेशन और सेन्सिंग के एप्लिकेशन शामिल हैं। डॉ. मायर्स ने 2020 में ऑस्टिन में टेक्सास विश्वविद्यालय से ईसीई में पीएचडी की है और 2016 में आईआईटी, मद्रास से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में दो डिग्री (बीटेक और एमटेक) प्राप्त की है। टीयू डेल्टा में शामिल होने से पहले, उन्होंने सैमसंग सेमीकंडक्टर इंक., सैन डिएगो और सैमसंग रिसर्च इंस्टीट्यूट-बैंगलोर की उन्नत प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाओं में 5जी मॉडेम अररएंडडी टीम में वरिष्ठ इंजीनियर के रूप में काम किया है।

प्रो फ्रेडरिक कूलिज



प्रो. कूलिज कोलोराडो विश्वविद्यालय, कोलोराडो स्प्रिंग्स (यूसीसी) में मनोविज्ञान के प्रोफेसर हैं। प्रो. कूलिज ने फ्लोरिडा विश्वविद्यालय (यूएफ) से अपना बीए, एमए और पीएचडी किया है और यूएफ में क्लीनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी में दो साल की पोस्टडॉक्टरेटल फेलोशिप पूरी की है। वे वर्तमान में मनोविज्ञान में स्नातक शिक्षा के सह-निदेशक और संज्ञानात्मक पुरातत्व केंद्र के सह-निदेशक हैं। उन्हें आजीवन पदनाम, कोलोराडो राष्ट्रपति शिक्षण विज्ञान विश्वविद्यालय सहित तीन शिक्षण पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। उन्होंने यूसीसीएस एलएएस वार्षिक उत्कृष्ट अनुसंधान और रचनात्मक कार्य पुरस्कार (2004) और यूसीसीएस वार्षिक संकाय पुरस्कार अनुसंधान में

उत्कृष्टता (2006) भी प्राप्त किया।

डॉ. सुबीर वर्मा



डॉ. सुबीर वर्मा एक वैकल्पिक निवेश प्रबंधन फर्म जनरल कॉन्ग्रिटिक्स के संस्थापक हैं, जहां वे एल्गोरिथम डिजाइन और ट्रेडिंग रणनीतियों के विकास के लिए जिम्मेदार हैं और दिन-प्रतिदिन के आधार पर कंपनी की रणनीति का प्रबंधन भी करते हैं। वह सांता क्लारा विश्वविद्यालय में लीवी स्कूल ऑफ बिजनेस में सहायक प्रोफेसर के रूप में भी कार्य करते हैं। उनके पास 50 से अधिक अमेरिकी पेटेंट हैं और उन्होंने डीप लर्निंग और इंटरनेट कंजक्शन कंट्रोल पर किताबें लिखी हैं। उनके पास प्रौद्योगिकी उद्योग में पच्चीस से अधिक वर्षों का अनुभव है, जिसके दौरान उन्होंने बड़ी कंपनियों के साथ-साथ कई सिलिकॉन घाटी आधारित स्टार्ट-अप के लिए अग्रणी पदों पर काम किया है। डॉ. वर्मा के पास कॉलेज पार्क में मैरीलैंड विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी और एमएस और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से बीटेक की डिग्री है।

डॉ. रामकृष्ण सोडे



डॉ. रामकृष्ण आर सोडे वर्तमान में थर्मैक्स लिमिटेड के साथ मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी और कार्यकारी उपाध्यक्ष - अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के रूप में काम कर रहे हैं। उनके अनुसंधान के रुचि के क्षेत्रों में सौर ऊर्जा प्रणाली, विशेष रूप से ऑप्टिक्स, संरचनात्मक डिजाइन, कोटिंग, अवशोषक डिजाइन और नियंत्रण प्रणाली डिजाइन सहित सौर तापीय ऊर्जा प्रणाली शामिल हैं। अनुसंधान हितों में निम्न श्रेणी की ऊर्जा के लिए उच्च दक्षता वाले बिजली रूपांतरण उपकरणों का विकास भी शामिल है। डॉ. सोडे भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी के सदस्य हैं। वह राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के बोर्ड में हैं और भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर हैं। उन्हें परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 2006 में प्रधान मंत्री द्वारा डॉ. होमी भाभा गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया था।

डॉ. आर एस बिष्ट



डॉ. आर एस बिष्ट, संयुक्त महानिदेशक (सेवानिवृत्त), भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, राष्ट्रीय स्मारकों और प्रशासन के पुरातात्विक अनुसंधान, संरक्षण और पर्यावरणीय विकास में 35 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वह पुरातत्व और संग्रहालय, हरियाणा विभाग और पुरातत्व और संग्रहालय, पंजाब विभाग से भी जुड़े हुए हैं। उन्हें 2013 में पद्मश्री और आचार्य नरेन्द्र देव अलंकार मिला है।

डॉ. बिरन्चिनाथ साहू



डॉ. बिरन्चिनाथ साहू ग्रीन वाट सेमीकंडक्टर प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और निदेशक हैं। उनके पास परिवर्तनकारी और प्रभाव उन्मुख नेतृत्व अर्थात् व्यवसाय के लिए इंजीनियरिंग, सिस्टम और उत्पादों के लिए सर्किट-स्टार्ट-अप और कॉर्पोरेट दुनिया और सेमीकंडक्टर (एसओसी और पीएमआईसी, कैटलॉग एनालॉग/मिश्रित सिग्नल और पावर चिप्स) में 22 साल का वैश्विक अनुभव और एंड-टू-एंड सेमीकंडक्टर सप्लाई चैन इकोसिस्टम। उनके पास

बहु-सांस्कृतिक और वैश्विक सहयोगी पारिस्थितिक तंत्र में नेतृत्व का अनुभव है: अमेरिका, भारत, चीन, जापान, यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया।

प्रो. पी. सैनाथ



प्रो. पी. सैनाथ ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से स्नातक, लोयोला कॉलेज, मद्रास से स्नातकोत्तर, और एडमोंटन, कनाडा में अल्बर्टा विश्वविद्यालय से मानद पीएचडी किया है। वह एशियन कॉलेज ऑफ जर्नलिज्म, चेन्नई में सहायक प्रोफेसर के रूप में काम कर रहे हैं। उन्हें अपनी रिपोर्टिंग के लिए 40 से अधिक वैश्विक और राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं (और पद्म भूषण सहित कई को ठुकरा दिया है)।

प्रो. लक्ष्मीकांत वी. काले



प्रो. लक्ष्मीकांत काले ने आईआईएससी, बैंगलोर से एमई पूरा किया है और स्टोनी ब्रुक के सनी से एमएस और पीएचडी किया है। उनके शोध रुचि में आर्किटेक्चर, कंपाइलर और समानांतर कंप्यूटिंग, और वैज्ञानिक कंप्यूटिंग शामिल हैं। वे वर्तमान में अर्बाना-चंपेन में इलिनोइस विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं। उन्होंने समीक्षा की गई पत्रिकाओं में प्रकाशित और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत 150 से अधिक वैज्ञानिक पत्रों का लेखन या सह-लेखन किया है और वेब के माध्यम से विकसित और वितरित आठ सॉफ्टवेयर पैकेजों में योगदान दिया है।

प्रो. पार्थसारथी मुखोपाध्याय



प्रो. पार्थसारथी मुखोपाध्याय ने कलकत्ता विश्वविद्यालय से एमएससी और एमटेक किया है और भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) पुणे विश्वविद्यालय से पीएचडी की है। उनके अनुसंधान रुचि में संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान, पैरामीटरकरण का विकास विशेष रूप से उच्च-रिज़ॉल्यूशन मॉडल के संख्यात्मक मॉडल में बादल और संवहनी प्रक्रिया, अत्यधिक वर्षा की घटनाओं की भविष्यवाणी करना, और मेसोस्केल प्रणालियों/प्रक्रियाओं को मॉडलिंग शामिल हैं। दो दशकों से अधिक के अनुसंधान अनुभव वाले वैज्ञानिक, प्रोफेसर मुखोपाध्याय के काम का सुपर-पैरामीटराइज्ड कपल्ड फोरकास्ट सिस्टम (एसपी-सीएफएस) मॉडल के विकास और सीएफएसवी2 के नए संस्करण के विकास में प्रमुख योगदान रहा है और उन्होंने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत कई कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

प्रो ए वी अनिलकुमार



प्रोफेसर अनिलकुमार अमर्तूर वेडरबिल्ट विश्वविद्यालय के संकाय में एयरोस्पेस इंजीनियर हैं। वे अंतरिक्ष शटल उड़ानों और अंतराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर माइक्रोग्रैविटी द्रव प्रवाह घटना के नासा अन्वेषक रहे हैं। उनके शोध फोकस में प्रायोगिक द्रव गतिकी, रॉकेट प्रणोदन, ड्रॉप और बबल गतिकी, बायो-एनर्जेटिक्स; ऊर्जा रूपांतरण, पवन, थर्मोइलेक्ट्रिक्स, बायोडीजल; सामग्री प्रसंस्करण: फ्लोट ज़ोन, दिशात्मक ठोसकरण शामिल हैं।

श्री वी अशोक



राजदूत वी अशोक ने 1981 में आईआईटी दिल्ली से सिल्विल इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री प्राप्त की है। विभिन्न पदों पर 34 से अधिक वर्षों तक भारतीय विदेश सेवा में सेवा देने के बाद, वे अक्टूबर 2018 में भारत सरकार के सचिव के पद पर सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्यदूत के रूप में सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय में पोस्टिंग के अलावा हांगकांग, मलेशिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका में भारतीय मिशनों में राजनयिक पद संभाले हैं। उन्हें 2007 में जिम्बाब्वे गणराज्य और 2011 में चेक गणराज्य में भारत के राजदूत के रूप में मान्यता दी गई थी।

डॉ. निखिल बलराम



डॉ. निखिल बलराम, कैलिफोर्निया, यूएसए में सैन जोस स्थित कंपनी आईवे विजन इंक (ईवीआई) के सीईओ हैं। आईवे में शामिल होने से पहले, डॉ. बलराम सभी गूगल हार्डवेयर उत्पादों (एआर/वीआर सहित) के लिए डिस्प्ले आरएंडडी का नेतृत्व कर रहे थे। एक अनुभवी प्रौद्योगिकी कार्यकारी, डॉ. बलराम के पिछले पदों में रिको इन्वेंशन में सीईओ, मार्वल में वीपी और जीएम और नेशनल सेमीकंडक्टर के डिस्प्ले ग्रुप के सीटीओ शामिल हैं। उन्हें 9वें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय व्यापार पुरस्कारों में इलेक्ट्रॉनिक्स श्रेणी में वर्ष के कार्यकारी के लिए 2012 गोल्ड स्टीवी पुरस्कार, सोसाइटी ऑफ इंफॉर्मेशन डिस्प्ले (एसआईडी) द्वारा 2012 फेलो पुरस्कार और कानैंगी मेलन विश्वविद्यालय द्वारा 2011 पूर्व छात्र उपलब्धि पुरस्कार सहित कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

श्री हर्ष भार्गव



श्री हर्ष भार्गव वाशिंगटन डीसी स्थित प्रमुख प्रबंधन परामर्श कंपनी, जिसके पास उभरते बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए उद्यमिता विकास कार्यक्रमों पर परियोजनाओं के नेतृत्व सहित 75 से अधिक देशों में अनुभव वाले बैकवर्ल्ड इनकोर्पोरेट के पूर्व अध्यक्ष हैं। उन्होंने 1977 में हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से एमबीए की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने युवाओं के लिए करियर विकल्प के रूप में उद्यमिता पर विस्तार से लिखा है और वित्तीय साक्षरता और उद्यमिता पर प्रशिक्षण मैनुअल और किताबें लिखी हैं। वह आई आई टी गांधीनगर में स्थापित इकाई प्रतिस्पर्धात्मकता मानसिकता पहल के मुख्य संरक्षक भी हैं।

प्रो राजेन्द्र बोर्डिया



प्रोफेसर रेजेन्द्र बोर्डिया सिरेमिक्स एवं मैटेरियल्स इंजीनियरिंग के जॉर्ज जे बिशप, तृतीय एंडोव्ड चेरर प्रोफेसर हैं। वे आईआईटी गांधीनगर में मैटेरियल इंजीनियरिंग के अनुशासन में अतिथि प्रोफेसर भी हैं। उन्होंने क्लेम्सन विश्वविद्यालय (2013-2019) में मैटेरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। वर्ष 2013 में क्लेम्सन में शामिल होने से पहले, वे वाशिंगटन विश्वविद्यालय (यूडब्ल्यू) में मैटेरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में संकाय सदस्य थे। वर्ष 1998 से

2005 तक, वे यूडब्ल्यू में अपने विभाग के अध्यक्ष थे।

प्रोफेसर आर.पी. छाबड़ा



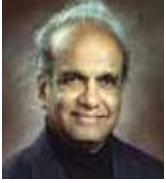
प्रोफेसर आर.पी. छाबड़ा ने रुड़की विश्वविद्यालय से केमिकल इंजीनियरिंग में बीई, आईआईएससी बैंगलोर से एमई और ऑस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय से पीएचडी की है। वे आईआईटी कानपुर, न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय, सिडनी, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ स्वानसी, मोनाश विश्वविद्यालय, क्लेटन और सिडनी विश्वविद्यालय से जुड़े रहे हैं। प्रोफेसर छाबड़ा को केमिकल इंजीनियरिंग में मूल अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए भारतीय रासायनिक इंजीनियर्स संस्थान के हर्डिलिया पुरस्कार और अनुसंधान और विकास में उत्कृष्टता के लिए भारतीय रासायनिक इंजीनियर्स संस्थान के अमर डाई-केम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

डॉ. प्रवीणराय डी. गांधी



डॉ. प्रवीणराय डी. गांधी वर्तमान में अंडरराइटर लेबोरेटरी (यूपएल), यूएसए में कॉर्पोरेट फेलो, रिटेल और इंडस्ट्री आरएंडडी हैं। उन्होंने आईआईटी दिल्ली से बीटेक और यूनिवर्सिटी ऑफ नोट्रे डेम से पीएचडी की है। उनका ध्यान अग्नि जोखिमों और खतरों को मापने पर है और वे नए परीक्षण विधियों और मानकों को विकसित करने में शामिल रहे हैं। वे वर्तमान में अग्नि सुरक्षा समुदाय और विश्वविद्यालयों के साथ अग्नि विज्ञान शिक्षा में सुधार के लिए काम कर रहे हैं।

प्रोफेसर रमेश गोनकर



प्रोफेसर रमेश गोनकर आई आई टी गांधीनगर में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के अनुशासन में अतिथि प्रोफेसर हैं। उन्होंने सिरैक्यूज़ विश्वविद्यालय, सिरैक्यूज़, न्यूयॉर्क से निर्देशात्मक प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में अंत-विषय पीएचडी की डिग्री प्राप्त की है। उन्हें अपने शिक्षण और विद्वत्तापूर्ण गतिविधियों के लिए कई पुरस्कार मिले हैं, जिनमें अमेरिकन सोसाइटी फॉर इंजीनियरिंग एजुकेशन (एएसईई) उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार, सेंट लॉरेंस सेक्सन (1984), सनी चांसलर अवार्ड फॉर क्रिएटिव एंड स्कॉलरली एक्टिविटीज़ (2003), सीएनवाई टेक्नोलॉजी - उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार (2003), और ओसीसी बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज़ अवार्ड फॉर आउटस्टैंडिंग कर्नलियूशन (1982, 1989 और 2007) शामिल हैं।

डॉ. राजेन जस्वा



डॉ. राजेन जस्वा एक सफल सीरियल टेक्नोलॉजी उद्यमी हैं। उनकी सबसे हालिया भूमिका 2009-2012 तक डायनो के सीईओ और अध्यक्ष की थी। वर्ष 2003-2008 तक, उन्होंने टाई सिलिकॉन वैली के लिए पूर्णकालिक स्वैच्छिक सेवा की, वर्ष 2005-2008 तक अध्यक्ष और वर्ष 2003-2004 तक निदेशक के रूप में कार्य किया। डॉ. जस्वा वर्ष 1996-2002 तक सेलेक्टिका के सह-संस्थापक, अध्यक्ष और सीईओ थे।

प्रोफेसर दुर्गेश सी राय

प्रोफेसर दुर्गेश राय आईआईटी कानपुर में सिविल इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर हैं। आईआईटी कानपुर



में शामिल होने से पहले, वे मिशिगन विश्वविद्यालय (1996-1997) में रिसर्च सदस्य थे और आईआईटी रुड़की (1997-2001) में भूकंप इंजीनियरिंग विभाग के संकाय में थे। उनकी शोध रुचि भूकंप भार के अंतर्गत संरचनाओं के डिज़ाइन और व्यवहार, प्रायोगिक जांच, सप्लिमेंटिंग डम्पिंग, भूकंपीय पुनर्वास, मेसनरी संरचनाओं और भूकंपीय डिज़ाइन कोड में है। उन्होंने संरचनात्मक और भूकंप इंजीनियरिंग के क्षेत्र में पत्रिकाओं और सम्मेलनों में 150 से अधिक सहकर्मी-समीक्षित पत्र प्रकाशित किए हैं। उन्हें मेशनरी अनुसंधान में उत्कृष्ट, आजीवन योगदान के लिए द मेसनरी सोसाइटी, यूएसए से 2021 जॉन बी स्काल्ज़ी रिसर्च अवार्ड मिला है।

प्रोफेसर मैथिली रामास्वामी



प्रोफेसर मैथिली रामास्वामी टीआईएफआर सेंटर फॉर एप्लीकेबल मैथमेटिक्स, बेंगलुरु में प्रोफेसर हैं। उन्हें वर्ष 2016-17 में फुलब्राइट-नेहरू अकादमिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता फेलोशिप मिला है। उन्हें वर्ष 2004 में महिला वैज्ञानिकों के लिए कल्पना चावला पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वह भारतीय विज्ञान अकादमी, बैंगलोर, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद की सदस्य हैं और रामानुजन मैथमेटिकल सोसाइटी, प्रोसीडिंग्स ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज मैथमेटिकल साइंसेज और बाउंड्री वैल्यू प्रॉब्लम्स के जर्नल के संपादकीय बोर्ड में काम करती हैं।

प्रोफेसर श्रीनिवास रेड्डी



डॉ. श्रीनिवास रेड्डी ने ब्राउन विश्वविद्यालय से दक्षिण एशियाई अध्ययन में स्नातक किया है। उन्होंने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले से दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशियाई अध्ययन में एमए और पीएचडी किया है। प्रोफेसर रेड्डी विद्वान, अनुवादक और संगीतकार हैं। उन्होंने यूसी बर्कले में शास्त्रीय दक्षिण एशियाई भाषाओं और साहित्य (संस्कृत, तमिल और तेलुगु) का अध्ययन किया और अपने गुरु और संरक्षक श्री पार्थ चटर्जी से संगीत सीखा, जो दिवंगत सितार वादक पंडित निखिल बनर्जी के शिष्य थे। प्रोफेसर रेड्डी आईआईटी गांधीनगर में दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशियाई अध्ययन के अतिथि प्रोफेसर और ब्राउन विश्वविद्यालय में धार्मिक अध्ययन और चिंतन अध्ययन के विजिटिंग सहायक प्रोफेसर हैं। रेड्डी एक प्रख्यात लेखक हैं। पेंगुइन बुक्स के माध्यम से उन्होंने कालिदास के दो अनुवाद प्रकाशित किए हैं: द डांसर एंड द किंग (मालविकाग्निमित्रम्) और द क्लाउड मैसेज (मेघदूतम्)। उनकी सबसे हालिया कृति है राया: विजयनगर के कृष्णदेवराय (जगनॉट 2020), जो विजयनगर के कृष्णदेवराय की आलोचनात्मक जीवनी है।

प्रोफेसर धीरज सांची



प्रोफेसर धीरज सांची वर्तमान में जे के लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति हैं। प्रोफेसर सांची आईआईटी कानपुर में कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग के प्रोफेसर रहे हैं। आईआईटी कानपुर के साथ अपने 27 से अधिक वर्षों के जुड़ाव के दौरान उन्होंने विभिन्न नेतृत्व पदों पर कार्य किया है। उन्होंने एलएनएमआईआईटी, जयपुर के निदेशक, आईआईआईटी दिल्ली में अकादमिक मामलों के डीन

और बाहरी संबंधों के डीन और पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक जैसे विभिन्न नेतृत्व पदों पर भी कार्य किया है। प्रोफेसर सांची ने आईआईटी कानपुर से बीटेक और मैरीलैंड विश्वविद्यालय से एमएस और पीएचडी की है।

प्रोफेसर श्याम सुंदर



प्रोफेसर श्याम सुंदर ने आईआईटी खड़गपुर और जमालपुर में भारतीय रेलवे यांत्रिक एवं विद्युत इंजीनियरिंग संस्थान से इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त की है और कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय से औद्योगिक प्रशासन में एमएस और पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। वह येल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में लेखांकन, अर्थशास्त्र और वित्त के जेम्स एल फ्रैंक प्रोफेसर एमेरिटस और अर्थशास्त्र विभाग में प्रोफेसर हैं। इन्होंने पहले शिकागो विश्वविद्यालय, कार्नेगी मेलन और कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान के संकायों में कार्य किया है। प्रोफेसर सुंदर ने अपने शोध के लिए कई पुरस्कार प्राप्त हैं, जिसमें लेखांकन, अर्थशास्त्र और वित्त के प्रमुख पत्रिकाओं के साथ-साथ लोकप्रिय मीडिया में दस पुस्तकें और 236 से अधिक लेख शामिल हैं। प्रोफेसर सुंदर के वर्तमान शोध में नियामक निरीक्षण और बाजार प्रतिस्पर्धा के बीच विवेकपूर्ण और कुशल संतुलन प्राप्त करने के लिए अमेरिकी और अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन और लेखा परीक्षा संस्थानों की संरचना की समस्या शामिल है।

डॉ. महेश टंडन



डॉ. महेश टंडन स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ हैं और टंडन कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं। वह इंडियन एसोसिएशन ऑफ स्ट्रक्चरल इंजीनियर्स (2015-16) के अध्यक्ष और इंडियन सोसाइटी ऑफ विंड इंजीनियरिंग (2015-16) के अध्यक्ष रह चुके हैं। वे इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग (आईएनईई) के सदस्य हैं, आईआईटी कानपुर में भूकंप इंजीनियरिंग के लिए राष्ट्रीय सूचना केंद्र के पूर्व अध्यक्ष और इंडियन कंक्रीट इंस्टीट्यूट के पूर्व अध्यक्ष हैं।

श्री एम वेंकटरमन



श्री एम. वेंकटरमन इंटरनेशनल जियोसिंथेटिक्स सोसाइटी के भारतीय चैटर के तत्काल पूर्व अध्यक्ष हैं। उन्होंने 1971 में आईआईटी मद्रास से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक और मृदा यांत्रिकी और नींव में एमटेक की डिग्री प्राप्त की है। वर्ष 1971-1980 तक, उन्होंने बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को डिज़ाइन करने और निष्पादित करने के लिए अर्ध-सरकारी संगठनों में काम किया है। वह वर्ष 2005 में गरवारे से एवीपी के रूप में सेवानिवृत्त हुए हैं। वह 2013 से एक स्वतंत्र भू-तकनीकी और भू-संश्लेषण सलाहकार के रूप में काम कर रहे हैं। श्री वेंकटरमन ने विभिन्न भू-तकनीकी पत्रिकाओं में 50 से अधिक तकनीकी पत्र लिखे और प्रकाशित किए हैं।

प्रोफेसर पी पी जोगलेकर



प्रोफेसर जोगलेकर पुणे के डेक्कन कॉलेज में एआईएचसी और पुरातत्व विभाग के पूर्व प्रोफेसर हैं। प्रोफेसर जोगलेकर को शिक्षण का 25 साल से

ज्यादा का अनुभव है। उन्होंने जूलॉजी में बीएससी और एमएससी, सांख्यिकी में एमफिल, इंडोलॉजी में एमए और पुरातत्व में पीएचडी की है। उनकी शोध रुचियाँ विज्ञान और प्रौद्योगिकी का इतिहास, पुरातत्व विज्ञान, अतीत में मनुष्य, पौधे और जानवरों की परस्पर क्रिया, जैव-आणविक पुरातत्व और विज्ञान और समाज के क्षेत्र में हैं।

प्रोफेसर अरूप आर गांगुली



प्रोफेसर अरूप आर गांगुली बोस्टन, एमए में नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी में कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के प्रसिद्ध प्रोफेसर हैं, जहाँ वे इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सपीरियंस एआई के भीतर स्थिरता और डेटा विज्ञान प्रयोगशाला और जलवायु और स्थिरता के लिए एआई (AI4CaS) फोकस क्षेत्र का निर्देशन करते हैं। उनका शोध जलवायु परिवर्तन के तहत मौसम और हाइड्रोलॉजिकल चरम सीमाओं, मिश्रित चरम सीमाओं के तहत जीवन रेखा अवसंरचनाओं के लचीलेपन तथा मशीन लर्निंग और गैर-रेखीय भौतिकी को जोड़ता है। प्रोफेसर गांगुली अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स के सदस्य हैं, एसोसिएशन ऑफ कंप्यूटिंग मशीनरी के वरिष्ठ सदस्य हैं और इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स के वरिष्ठ सदस्य हैं और उन्होंने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से पीएचडी की है।

डॉ. जिमी थॉमस



डॉ. जिमी थॉमस एक परामर्शदाता इंजीनियर हैं, जो भू-तकनीकी इंजीनियरिंग, भू-संश्लेषण, प्रबलित मृदा संरचनाओं और फुटपाथ इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता रखते हैं। उन्होंने क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज कालीकट (1986) से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग त्रिवेंद्रम (1988) से भू-तकनीकी इंजीनियरिंग में एमटेक और आईआईटी कानपुर (1997) से भू-तकनीकी इंजीनियरिंग में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। नेटलॉन इंडिया, गवारे-वॉल रोप्स लिमिटेड और टेकफैब इंडिया इंडस्ट्रीज

लिमिटेड जैसी कंपनियों के साथ अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने सड़क, रेलवे, लैंडफिल, कटाव नियंत्रण, प्रबलित मृदा संरचनाओं और भूमि सुधार जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में परियोजनाओं पर काम किया है।

प्रो के कृष्णन



प्रोफेसर के कृष्णन महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा में पुरातत्व और प्राचीन इतिहास विभाग में प्रोफेसर हैं। इस विश्वविद्यालय में अपने 30 साल के करियर के दौरान, उन्होंने विभिन्न पदों पर कार्य किया है। उनके शोध ने उन्हें बढ़िया बर्तनों का विश्लेषण करने, शिल्प विशेषज्ञता को समझने और प्रौद्योगिकी के विकास और प्राचीन दक्षिण एशियाई समाज पर इसके प्रभाव का आकलन करने के लिए पद्धति विकसित करने में सक्षम बनाया है, जिससे कई छात्रों को दक्षिण एशियाई चीनी मिट्टी के बर्तनों पर शोध करने के लिए प्रेरणा मिली है। प्रोफेसर कृष्णन ने मध्य और पश्चिमी भारत में पुरापाषाण जलवायु के पुनर्निर्माण की दिशा में काम किया है।

प्रो. अजित प्रसाद पी



प्रो अजित प्रसाद, बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय (एमएसयू) में पुरातत्व और प्राचीन इतिहास विभाग में प्रोफेसर हैं। उन्होंने कालीकट विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक की उपाधि ग्रहण की है। एमएसयू, बड़ौदा से स्नातकोत्तर और पुरातत्व कॉलेज, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से स्नातकोत्तर में डिप्लोमा किया है और एमएसयू, बड़ौदा से पीएचडी किया है। प्रो. अजित प्रसाद वर्ष 1990 से एमएसयू, बड़ौदा से जुड़े हुए हैं। उनका शोध प्रागैतिहासिक पुरातत्व, क्वाटरनेरी पर्यावरणीय अनुकूलन और हड़प्पा अध्ययन पर केंद्रित है। उन्हें प्रागैतिहासिक और क्वाटरनेरी शैक्षणिक निकायों और भारतीय पुरातत्व समाज की आजीवन सदस्यता प्राप्त है और वे भारतीय भूवैज्ञानिक समाज के भी सदस्य हैं।



संकाय सदस्य

विषय	पदनाम	पीएचडी/अंतिम उपाधि	विशेषज्ञता
पुरातत्व विज्ञान			
मिशेल डेनीनो	अभ्यागत प्राध्यापक	इकोल सुपेरियूरे डिइलेक्ट्रिसाइट (जिफ-सुर्येटे, फ्रांस), 1977	पुरातत्व विज्ञान, प्राचीन भारत का इतिहास एवं संस्कृति
जीवविज्ञान अभियांत्रिकी			
शरद गुप्ता	सह-प्राध्यापक	पिट्सबर्ग विवि, 2009	अलजाइमर और हटिंगटन रोगों में प्रोटीन मिसफोल्डिंग
शर्मिष्ठा मजुमदार	सह-प्राध्यापक	कॉर्नेल विवि, 2006	ट्रांसपोसेस एवं ट्रांसपोसेस होमोलोग्स में जीनोमिक एवं प्रोटियोमिक जांच
उमाशंकर सिंह	सह-प्राध्यापक	उप्सला विवि, स्वीडन, 2006	साइटोप्रोटेक्शन
धीरज डी भाटिया	सह-प्राध्यापक	टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, 2013	डी.एन.ए. सूक्ष्मप्रौद्योगिकी एवं रासायनिक जीव विज्ञान
कारला पेट्रीशिया मरकाडो-शेखर	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	रॉचेस्टर विवि, 2015	कोषिका लचीलापन चित्रण एवं अल्ट्रासाउंड तकनीकें
आशुतोष श्रीवास्तव	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	सीएसआईआर कोषिका व अणु जीव विज्ञान केंद्र, हैदराबाद, 2015	सूक्ष्म अणुओं की जटिलताओं के आंतरिक प्रतिमान
विजय थिरुवेण्कटम	सह-अनुसंधान प्राध्यापक	जीवाजी विवि, 2009	छोटे अणुओं की एक्स-रे क्रिस्टेलोग्राफी
सुब्रमणियम शंकरानारायण	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	केलेग्री विवि, कनाडा, 2015	पादप विकासत्मक जीवविज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, आनुवंशिकी, आणविक जीवविज्ञान, कोशिका जीवविज्ञान
मुकेश धनका	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2019	जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी: जैवपदार्थ, औषधि वितरण, जैव सूक्ष्मप्रौद्योगिकी, आर्थोपेडिक अनुप्रयोग, रीजनरेटिव दवा, छाया-उष्मा चिकित्सा, तथा कर्करोग
रासायनिक अभियांत्रिकी			
चिन्मय घोरोई	प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2007	कण अभियांत्रिकी एवं चूर्ण प्रसंस्करण
समीर वी दलवी	प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2007	सुपरक्रिटिकल तरल प्रसंस्करण
प्राची थरेजा	सह-प्राध्यापक	पिट्सबर्ग विवि, 2008	क्रिस्टेलाइजिंग फैटी एसिड पेस्ट की इन-सिटू रियोलॉजी
कबीर जसुजा	सह-प्राध्यापक	केंसस राजकीय विवि, 2011	दो आयामी सूक्ष्मपदार्थों का संश्लेषण
प्रत्युष दयाल	सह-प्राध्यापक	आकरोन विवि, 2007	स्व-कम्पन-पॉलीमर जैल
नितिन यू पधियार	सह-प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2008	प्रक्रिया संतुलन और नियंत्रण
कौस्तुभ राणे	सह-प्राध्यापक	बफैलो विवि, 2014	इंटरफेशियल प्रणालियों की थर्मोडायनामिक्स एवं सांख्यिकीय यांत्रिकी
मिथुन राधाकृष्ण	सह-प्राध्यापक	कोलंबिया विवि, 2014	मुलायम पदार्थ प्रणालियों का सैद्धांतिक एवं आणविक रूपांतरण द्वारा अध्ययन
हरी साई गणेश	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	ऑस्टिन का टेक्सस विश्वविद्यालय, 2018	प्रतिरूपण और अनुकरण
कार्तिक सुब्रमण्यम पुष्पवनम	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	एरिज़ोना राजकीय विवि, 2019	नेनोपदार्थ प्रोटीन और अभिकल्पन तथा अभियांत्रिकी
बिस्वजीत साहा	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	सिंगपुर एमआईटी गठबंधन: नानयांग प्रौद्योगिकी विवि - सिंगापुर व मेसेसुशेस प्रौद्योगिकी संस्थान, संराअ, 2012	परिष्कृत पदार्थ व सेंसर विकास
अभिनय संपत	सहायक प्राध्यापक श्रेणी II	इलिनॉइस विवि, अरबाना-शेम्पेन, 2022	विषम उत्प्रेरण, रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी, मास स्पेक्ट्रोस्कोपी, उत्प्रेरक संश्लेषण, विद्युत रासायनिक संश्लेषण, सतह विज्ञान तकनीक, हवाविहीन विज्ञान तकनीकें, हवाविहीन विज्ञान, इन-सिटू स्पेक्ट्रोस्कोपी
रसायन विज्ञान			

विषय	पदनाम	पीएचडी/अंतिम उपाधि	विशेषज्ञता
इति गुप्ता	सह-प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2005	मेक्रोसाइक्लिक रिसेप्टर्स एवं विखित पोरफाइरीनोइड्स
श्रीराम वी गुंडीमेदा	सह-प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2001	जैविक-आरोगिक रसायन विज्ञान
भास्कर दत्ता	सह-प्राध्यापक	कार्नेजी मेल्लन विस्वविद्यालय, 2004	न्यूक्लीक अम्ल आधारित रसायन जैविकी
सुदीप्ता बासु	सह-प्राध्यापक	आणविक शरीर क्रिया विज्ञान का मेक्स-प्लेक संस्थान, जर्मनी 2006	माइटोकॉन्ड्रिया और एंडोप्लास्मिक रेटीक्यूलम का रासायनिक जीव विज्ञान
शिवप्रिया किरुबाकरण	सह-प्राध्यापक	भा०वि०सं० बेंगलोर, 2007	औषधि खोज एवं कर्करोग रसायन विज्ञान जैविकी
चंद्रकुमार अप्पायी	सह-प्राध्यापक	भा०वि०सं० बेंगलोर, 2008	एसिमेट्रिक केटालिसिस
सौम्यकांति खट्टा	सह-प्राध्यापक	राइस विवि, 2011	प्लासमोनिक्स
सुधांशु शर्मा	सह-प्राध्यापक	भा०वि०सं० बेंगलोर, 2009	पदार्थ, विद्युतरसायन विज्ञान
साइराम स्वरूप मल्लाजोस्युल्ला	सह-प्राध्यापक	जे०एन०सी०ए०एस०आर०, बेंगलोर, 2009	कार्बोहाइड्रेट-प्रोटीन संपर्क
अनिर्बन मंडल	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बेंगलोर, 2016	भौतिक रसायन विज्ञान, ऊष्मप्रवैगिकी, मात्रा रसायन विज्ञान, स्पेक्ट्रोस्कोपी
बिस्वजीत मंडल	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	भारतीय विज्ञान विकास संघ (जादवपुर विवि), 2017	(फोटो)-विद्युतरसायन विज्ञान, मूल्य वर्धित रसायनों का विद्युत रासायनिक रूपांतरण, नवीकरणीय ऊर्जा, स्पेक्ट्रोस्कोपी (यूवी-विस कायनेटिक्स, एफटीआईआई, अनुनाद रमन, क्रायोजेनिक इंटरमीडिएट टैपिंग और प्रतिक्रिया तंत्र की व्याख्या)
प्रियव्रता घाना**	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	बॉन विवि, जर्मनी, 2017	ऑर्गेनोमेटेलिक रसायन विज्ञान व मुख्य रसायन विज्ञान
सिविल अभियांत्रिकी			
अमित प्रशांत	प्राध्यापक	टेनेस्सि विवि, 2004	ग्रेनुलर पदार्थों के निर्माण की मांडलिंग
विमल मिश्रा	प्राध्यापक	पर्ड्यू विवि, 2010	सतही जल की हाइड्रोलॉजी
अजंता सचान	सह-प्राध्यापक	टेनेस्सि विवि, 2005	पदार्थों का विशेषीकरण
धीमन बासु	सह-प्राध्यापक	सनी, बफैलो 2012	चक्रानुक्रम सीसमोलॉजी, जटिल ढांचे
गौरव	सह-प्राध्यापक	मिनेसोटा विवि, 2011	अनिश्चितता को परिमाणित करना
मनीश कुमार	सह-प्राध्यापक	न्यू यॉर्क राजकीय विवि, बफैलो, 2015	प्रदर्शन आधारित भूकंप अभियांत्रिकी
समीर पटेल	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुई, संराअ, 2017	एयरोसॉल व वायु गुणवत्ता
उदित भाटिया	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	नॉर्थईस्टर्न विवि, 2018	महत्वपूर्ण आधारभूत ढांचे का लचीलापन तथा तंत्र विज्ञान
सुधीर कुमार अरोड़ा	अभ्यास के प्राध्यापक	के०एस०ओ०यू०, 2011 (एमबीए)	बुनियादी ढांचा विकास, जल आपूर्ति (शहरी/ग्रामीण), सीवर नेटवर्क और एसटीपी, उपचारित अपशिष्ट का पुनः उपयोग, कम लागत वाली स्वच्छता, वर्षा जल संचयन
सी एन पाण्डे	अभ्यास के प्राध्यापक	पूर्वी गुजरात विवि, 2011	वानिकी, वन्य जीवन, पर्यावरण
जी वी राव	अभ्यागत प्राध्यापक	भा०वि०सं० बेंगलोर, 1973	जियोतकनीकी परीक्षण एवं आंकलन
एस आर गांधी	अभ्यागत प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० मद्रास, 1985	ढेर की नींव, जमीन में सुधार, फ्लाइं ऐश निपटान क्षेत्र का साधन
सुशोभन सेन	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	इलिनॉइस विवि, अरबाना-शेमपेन, 2019	सिविल अभियांत्रिकी के अंतर्गत परिवहन अभियांत्रिकी, तथा फुटपाथ मांडलिंग, डिजाइन, तथा स्थिरता और लचीलापन।
कृष्ण सिवा तेजा चौप्पलरा**	सहायक प्राध्यापक श्रेणी II	ओरेगन राजकीय विवि, संराअ, 2021	लो कार्बन कंक्रीट, कंक्रीट स्थायित्व, वैकल्पिक पूरक सीमेंट सामग्री, बाइंडरों का प्रदर्शन मूल्यांकन
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी			

विषय	पदनाम	पीएचडी/अंतिम उपाधि	विशेषज्ञता
अनिर्बन दासगुप्ता	प्राध्यापक	कॉर्नेल विवि, 2005	विशाल डेटा के एलगोरिदम
बिरेश्वर दास	सह-प्राध्यापक	गणित विज्ञान संस्थान, चेन्नई, 2010	गणनात्मक जटिलता सिद्धांत एवं एलगोरिदम
नीलधारा मिश्रा	सह-प्राध्यापक	गणित विज्ञान संस्थान, चेन्नई, 2012	एलगोरिदम का अभिकल्पन तथा विश्लेषण
मनोज डी गुप्ता	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	भा०प्रौ०सं० दिल्ली, 2013	गत्यात्मक आलेख एलगोरिदम
समीर जी कुलकर्णी	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुई, संराअ, 2018	नेटवर्क कार्यप्रणाली का आभासी स्वरूप
निपुन बत्रा	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	भा०सू०प्रौ०सं० दिल्ली, 2017	सेंसर नेटवर्क्स, मशीन लर्निंग एवं संगणक स्थिरता
बालगोपाल कोमरथ	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	भा०प्रौ०सं० मद्रास, 2016	सर्किट की जटिलता तथा अन्य कम लागत के संगणक प्रतिमान
अभिषेक बिच्छावत	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	यूनिवर्सिटी डेस सालेंडेस, जर्मनी, 2018	भाषा आधारित सुरक्षा
मयंक सिंह	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	भा०प्रौ०सं० खड़गपुर, 2019	टेक्स्ट खनन भाषा प्रसंस्करण तथा मशीन लर्निंग
योगेश कुमार मीणा	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	यूके अल्सटर विवि, 2018	मानव-कंप्यूटर इंटरैक्शन (आई-ट्रैकिंग, ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस, मल्टीमॉडल इंटरएक्टिव प्रणाली, सस्टेनेबल इंटरएक्टिव सरफेस, सेंसिंग), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) यंत्र, कृत्रिम बुद्धि
शौविक मंडल	सहायक प्राध्यापक श्रेणी II	Indian Institute of Technology मद्रास, 2021	सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी तथा प्रणाली
रजत मूना	निदेशक व प्राध्यापक	पीएचडी (भा०वि०सं० बेंगलोर)	कंप्यूटर आर्किटेक्चर, वीएलएसआई डिजाइन, ऑपरेटिंग प्रणाली, अंतर्निहित प्रणाली, सुरक्षा, स्मार्ट कार्ड और आरएफआईडी
मनीषा पदाला**	सहायक प्राध्यापक श्रेणी II	हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, 2023	यंत्र अधिगम, गेम थ्योरी, मैकेनिज्म डिजाइन में निष्पक्षता
संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान			
प्रतीक मुथा	सह - प्राध्यापक	पेंसिलवेनिया राजकीय विवि, 2009	सेंसरिमोटर नियंत्रण एवं अधिगम
मीरा मैरी सनी	सह - प्राध्यापक	वारविक विश्वविद्यालय, 2011	दृश्य ध्यान, ध्यान आकर्षण
कृष्ण प्रसाद मियापुरम	सह - प्राध्यापक	कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, 2008	मस्तिष्क इमेजिंग (एफ एम आर आई) और संज्ञानात्मक विज्ञान
रचनात्मक अधिगम			
मनीषा जैन	शिक्षण प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० कानपुर, 1993 (बीटेक)	3डी ज्यामिति, बहुफलक, भू-आकृति विज्ञान, मशीनें और तंत्र, तथा मनोरंजक गणित
अदित कोठियाल	सहायक शिक्षण प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2019	शिक्षण प्रौद्योगिकी
ज्योति कृष्णन**	सहायक शिक्षण प्राध्यापक	केलिफोर्निया विवि, 2016	सातत्य यांत्रिकी और आंशिक अंतर समीकरण
अभिकल्प			
मानसी ए कानेटकर	सहायक शिक्षण प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2006 (एमडेस)	अभिकल्पना शिक्षण की पद्धति एवं सेमियोटिक्स और अभिकल्प
समीर सहस्रबुद्धे	अभ्यास के प्राध्यापक	यशवंतराओ चावण महाराष्ट्र मुक्त विवि, नाशिक, 2015	शैक्षिक एनिमेशन बनाने के लिए डिजाइन संबंधी विचार
अनेज़का सेबेक	अभ्यागत प्राध्यापक	द न्यू स्कूल फॉर सोशल रिसर्च, 2016	इमर्सिव न्यू मीडिया, शिक्षा और प्रौद्योगिकी, पारिस्थितिक और सामाजिक न्याय, किफायती आवास
भू विज्ञान			
विक्रान्त जैन	प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० कानपुर, 2001	पृथ्वी की सतह की प्रक्रियाएँ
वी एन प्रभाकर	सह-प्राध्यापक	कुरुक्षेत्र विवि, 2013	आद्य ऐतिहासिक भारत का पुरातत्व

* वर्ष के उस भाग के लिए

** वर्ष के दौरान शामिल हुए

विषय	पदनाम	पीएचडी/अंतिम उपाधि	विशेषज्ञता
शारदा वी चन्नारायापटना	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	दक्खन विद्यालय, 2014; फेरारा विवि, 2018	आर्कियोजूलॉजी और टैफोनोमी और बायोआर्कियोजूलॉजी
उत्सव मनु	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	ईटीएच ज्यूरिक, 2016	भूगतिकीय प्रक्रियाओं का समग्र मूल्यांकन
पंकज खन्ना	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	राइस विवि, 2017	संख्यात्मक मॉडलिंग
प्रदीप श्रीवास्तव	सह-प्राध्यापक	पीपुल्स फ्रेंडशिप यूनिवर्सिटी, मॉस्को, रूस, 1983	सैद्धांतिक यांत्रिकी नियंत्रण प्रणाली
आर एन सिंह	सह-प्राध्यापक	बनारस हिंदू विवि, वाराणसी, 1969	निकट-सतह भूभौतिकीय और पर्यावरणीय प्रक्रियाओं की मॉडलिंग
राजकृष्ण दत्ता	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	प्रिंसटन विवि, 2019	प्रायोगिक और सैद्धांतिक उच्च दबाव खनिज भौतिकी।
विद्युत अभियांत्रिकी			
निहार रंजन मोहापात्रा	प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2003	सेमीकंडक्टर उपकरण और प्रौद्योगिकी
अरूप लाल चक्रवर्ती	प्राध्यापक	स्ट्रेथक्लाइड विवि, यूके, 2010	गैस पैरामीटर माप के लिए ट्यून करने योग्य डायोड लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी
उत्तमा लाहिड़ी	प्राध्यापक	वांडरबिल्ट विवि, 2011	आभासी वास्तविकता आधारित मानव कंप्यूटर इंटरैक्शन का उपयोग भावात्मक कंप्यूटिंग में किया जाता है
रागवन के	सह-प्राध्यापक	भा०वि०सं० बेंगलूर, 2006	ट्रांसफार्मर निदान
नारण एम पिंडोरिया	सह-प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० कानपुर, 2009	बिजली प्रणालियों का पुनर्गठन- तकनीकी और आर्थिक मुद्दे
शंभुगनाथन रमण	सह-प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2011	कम्प्यूटेशनल फोटोग्राफी
नितिन जॉर्ज	सह-प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० भुवनेश्वर, 2012	सक्रिय शोर नियंत्रण, अनुकूली सिग्नल प्रोसेसिंग
जॉयसी मेकी	सह-प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2009	वीएलएसआई डिजाइन
रवि हेगड़े	सह-प्राध्यापक	मिशिगन विश्वविद्यालय, ऐन, आर्ब, 2008	नैनोसंरचनाओं के ऑप्टिकल गुण
हिमांशु शेखर	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	रोचेस्टर विश्वविद्यालय, 2014	चिकित्सीय अल्ट्रासाउंड और नॉनलाइनियर इमेजिंग
तरुण कुमार अग्रवाल	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	केयू ल्यूवेन, 2018	उभरते हुए का मॉडलिंग और अनुकरण नैनोस्केल डिवाइस
झुमा साहा	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2019	III-V सेमीकंडक्टर सामग्री और उपकरण, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और वीएलएसआई डिजाइन
आनंद कुमार	अभ्यास के प्राध्यापक	लखनऊ विश्वविद्यालय, 1998	विद्युत क्षेत्र विनियमन, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, नीति और वित्त, नवीकरणीय ऊर्जा नीति और विनियमन, लोड पूर्वानुमान, टैरिफ डिजाइन और कार्य मॉडल, विद्युत खरीद समझौते, ऊर्जा मूल्य निर्धारण, ऊर्जा पहुंच, प्रदर्शन मानक और सुरक्षा मानक
एस बी चक्रवर्ती	अभ्यागत प्राध्यापक (नियुक्ति)	भा०प्रौ०सं० खड़गपुर, 1995	विद्युत क्षेत्र विनियमन, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, नीति और वित्त, नवीकरणीय ऊर्जा नीति और विनियमन, लोड पूर्वानुमान, टैरिफ डिजाइन और कार्य मॉडल, विद्युत खरीद समझौते, ऊर्जा मूल्य निर्धारण, ऊर्जा पहुंच, प्रदर्शन मानक और सुरक्षा मानक
एस राजेन्द्रन	सहायक शिक्षण प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० मद्रास (एमटेक), 1988	उच्च गति पैकेजिंग मशीनें-वीएफएफएस और एचएफएफएस प्रौद्योगिकियां
पल्लवी भारद्वाज	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	भारतीय विज्ञान संस्थान, 2019	स्मार्ट और निम्न-कार्बन ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र की दृष्टि से नवीकरणीय ऊर्जा रूपांतरण प्रणालियों, बहु-ऊर्जा वाहक और ऊर्जा भंडारण प्रणालियों का डिजाइन, मॉडलिंग और अनुकूलन।

विषय	पदनाम	पीएचडी/अंतिम उपाधि	विशेषज्ञता
संदीप लश्करे**	सहायक प्राध्यापक श्रेणी II	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2020	अर्धचालक उपकरण भौतिकी, उभरती गैर-वाष्पशील यादें (प्रतिरोधक, फेरोइलेक्ट्रिक), सीएमओएस प्रौद्योगिकी के साथ गैर-वाष्पशील यादों का सिस्टम एकीकरण, न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग और ईएसडी के लिए हार्डवेयर प्लेटफॉर्म
माधव किरितीकुमार पाठक**	सहायक प्राध्यापक श्रेणी II	लोवा स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए, 2022	परिवेशीय माइक्रो-पावर ऊर्जा संचयन, कम-शक्ति अनुप्रयोगों के लिए पावर प्रबंधन सर्किट और IoT सेंसर सिस्टम डिजाइन
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान			
जयसन ए मंजली	प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० खड्गपुर, 2008	अनुभव, चेतना, तर्कसंगतता
शर्मिता लाहिड़ी	सह-प्राध्यापक	ह्यूस्टन विश्वविद्यालय, 2008	उत्तर औपनिवेशिक साहित्य और रचना
अर्नपूर्णा रथ	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2010	दक्षिण-एशियाई साहित्य, आलोचनात्मक सिद्धांत, बख्तीन अध्ययन, रचनात्मक लेखन
मधुमिता सेनगुप्ता	सह-प्राध्यापक	कलकत्ता विश्वविद्यालय, 2009	औपनिवेशिक भारत और असम का सामाजिक-राजनीतिक इतिहास
अंबिका अय्यादुराई	सह-प्राध्यापक	सिंगापुर राष्ट्रीय विवि, 2015	प्रकृति संरक्षण का मानवविज्ञान और स्थानीय समुदायों की भूमिका
आर्का चट्टोपाध्याय	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	दक्षिण सिडनी विवि, 2016	20वीं सदी का साहित्य: आधुनिकतावाद और उत्तरआधुनिकतावाद, आधुनिक रंगमंच, यूरोपीय अवंत गार्डे कथा साहित्य
निशांत चोकसी	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	मिशिगन विश्वविद्यालय, एन आर्बर, 2014	लाक्षणिकता; भाषाई नृवंशविज्ञान; स्क्रिप्ट और लेखन प्रणाली
दीपक सिंघानिया	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, रिवरसाइड, 2017	विकास अर्थशास्त्र, सार्वजनिक नीति और राजनीतिक अर्थव्यवस्था की सहभागिता
आलोक कुमार कानूनगो	सहायक अनुसंधान प्राध्यापक	डेक्कन कॉलेज, 2003	कांच का इतिहास और उत्पत्ति
मो. मुबाशिर हसन	व्याख्याता	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 2016	भारत में अरबी और इस्लामी अध्ययन
माना ए शाह	व्याख्याता	गुजरात विश्वविद्यालय, 2012 (एमए)	संस्कृत और प्राकृत व्याकरण, जैन काव्य और स्तोत्र साहित्य, पांडुलिपि विज्ञान
रोज़ा मारिया डे फिगिरेडो पेरेज़	अभ्यागत प्राध्यापक	आईएससीटीई, लिस्बन, 1992	सामाजिक संरचनाएं, सामाजिक अलगाव, सबाल्टर्न अध्ययन, फील्डवर्क पद्धति, पुर्तगाली उपनिवेशवाद और भारत में उपनिवेशवाद के बाद, वैश्वीकरण और प्रवासी। नृविज्ञान और सिनेमा
लेसली लाज़र	सहायक शिक्षण प्राध्यापक	राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, भारत, 2013	डिज़ाइन का तंत्रिका विज्ञान, विज्ञान संचार, सांस्कृतिक अनुभूति, व्यवहार परिवर्तन
जूयंग किम	सहायक शिक्षण प्राध्यापक	डेलावेयर विश्वविद्यालय, 2018	भाषाविज्ञान वाक्यविन्यास और शब्दार्थ
एंगस मेकब्लेन	अभ्यागत सहायक प्राध्यापक	कार्डिफ विश्वविद्यालय, 2014	सांस्कृतिक सिद्धांत, अवतार, पर्यावरण मानविकी
आशीष सासा	सहायक प्राध्यापक श्रेणी II	टाटा समाज विज्ञान संस्थान, 2021	विकास अध्ययन, शहरी समाजशास्त्र, जनजातीय समाजशास्त्र, सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीतियां, स्थानीय स्वशासन
पदार्थ अभियांत्रिकी			
एमिता पाण्डा	सह-प्राध्यापक	मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट, जर्मनी, 2009	पतली फिल्मों और नैनोसंरचित सामग्रियों की जांच
अभिजीत मिश्रा	सह-प्राध्यापक	इलिनोइस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शैपेन, 2010	एक्स-रे विवर्तन, झिल्ली गुण
सुपर्ब कुमार मिश्रा	सह-प्राध्यापक	इंपीरियल कॉलेज लंदन, 2007	बायोमैटिरियल्स और टिशू अभियांत्रिकी
अमित अरोड़ा	सह-प्राध्यापक	पेंसिल्वेनिया स्टेट विश्वविद्यालय, 2011	घर्षण हलचल वेल्डिंग, गर्मी हस्तांतरण और विस्को-प्लास्टिक प्रवाह
अभय राज सिंह गौतम	सह-प्राध्यापक	वर्जीनिया विश्वविद्यालय, 2009	इंटरफ़ेस संरचना और गतिशीलता
प्रदीप्ता घोष	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	भा०वि०सं० बेंगलुरु, 2014	नैनोक्रीस्टलाइन धातु मिश्रधातुओं और समिश्रणों का संश्लेषण, नैनोक्रीस्टलाइन सामग्रियों का सूक्ष्म संरचना लक्षण वर्णन
राघवन रंगनाथन	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	रेससेलर पॉलिटेक्निक संस्थान, 2016	संरचना-संपत्ति संबंध और नरम पदार्थ की गतिशीलता के परमाणु/आणविक सिमुलेशन

* वर्ष के उस भाग के लिए
** वर्ष के दौरान शामिल हुए

विषय	पदनाम	पीएचडी/अंतिम उपाधि	विशेषज्ञता
श्रीहरिता रोउथू	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	इकोले पॉलिटेक्निक फेडेरल डी लॉज़ेन, 2016	गीलापन और ओसीकरण की घटनाएँ
एस. पी. मेहरोत्रा	अभ्यागत प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० कानपुर, 1973	खनिज प्रसंस्करण और प्रक्रिया धातुकर्म
प्रफुल्ल पांडे	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर, 2019	भौतिक धातुकर्म, चरण परिवर्तन, मिश्र धातु डिजाइन, उच्च तापमान मिश्र धातु, सुपर मिश्र धातु, अल मिश्र धातु, Cu मिश्र धातु, सुपरइलास्टिक मिश्र धातु, ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी, विरूपण तंत्र
गणित			
इंद्रनाथ सेनगुप्ता	प्राध्यापक	भा०वि०सं० बैंगलोर, 2001	क्रमविनिमेय बीजगणित, बीजगणितीय ज्यामिति
जगमोहन त्यागी	सह-प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० कानपुर, 2008	साधारण अवकल समीकरण, अण्डाकार आंशिक अवकल समीकरण
अतुल अभय दीक्षित	सह-प्राध्यापक	अर्बाना-शैपेन में इलिनोइस विश्वविद्यालय, 2012	विश्लेषणात्मक संख्या सिद्धांत
संजयकुमार अमृत्य	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	हरीश-चंद्र अनुसंधान संस्थान, इलाहाबाद, 2012	तन्नाक्रियन समूह योजनाएं, मॉड्यूलि स्पेस, वेक्टर बंडल
चेतन पहलजानी	सह-प्राध्यापक	इलिनोइस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शैपेन, 2007	संभाव्यता सिद्धांत और स्टोकेस्टिक प्रक्रियाएं
अक्षा वटवानी	सह-प्राध्यापक	क्वींस विश्वविद्यालय, 2016	विश्लेषणात्मक संख्या सिद्धांत, चलनी विधियों और बीजगणितीय संख्या सिद्धांत
बिपुल सौरभ	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	भारतीय सांख्यिकी संस्थान, दिल्ली, 2016	ऑपरेटर बीजगणित, गैर-अनुवांशिक ज्यामिति और क्वांटम समूह
अर्नब साहा	सह-प्राध्यापक	न्यू मैक्सिको विश्वविद्यालय, 2012	अंकगणितीय जेट स्थान
रोहित कुमार मिश्रा	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	टीआईएफआर सेंटर फॉर एप्लिकेबल मैथमेटिक्स बैंगलोर, 2017	इंटीग्रल ज्योमेट्री, आंशिक अंतर समीकरण, माइक्रोलोकल विश्लेषण और मेडिकल इमेजिंग से संबंधित व्युत्क्रम समस्याओं का क्षेत्र
तान्या कौशल श्रीवास्तव	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	फ्री यूनिवर्सिटी बर्लिन जर्मनी, 2018	बीजीय ज्यामिति (गणित)
वी डी शर्मा	सह-प्राध्यापक	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, 1972	आंशिक अंतर समीकरणों की क्वासिलिनियर प्रणाली
गदाधर मिश्र	सह-प्राध्यापक	स्टोनी ब्रुक विश्वविद्यालय, एनवाई, 1982	जटिल ज्यामिति और प्रतिनिधित्व सिद्धांत के उपकरणों का उपयोग करके ऑपरेटर सिद्धांत का व्यापक क्षेत्र
प्रोजेश नाथ चटर्जी	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	भा०प्रौ०सं० मद्रास, 2018	मैट्रिक्स सिद्धांत, सकारात्मकता और कॉम्बिनेटोरिक्स के संबंध में
यांत्रिक अभियांत्रिकी			
अतुल भार्गव	प्राध्यापक	मैरीलैंड विश्वविद्यालय, कॉलेज पार्क, 2010	ईंधन सेल सिस्टम डिजाइन और सिमुलेशन
हरीष जे. पालनथंडलम-मादापुसि	सह-प्राध्यापक	मिशिगन विश्वविद्यालय, एन आर्बर, 2007	सिस्टम और नियंत्रण सिद्धांत, सिस्टम पहचान (डेटा-आधारित मॉडलिंग)
विनोद नारायणन	सह-प्राध्यापक	जेएनसीएसआर, बैंगलोर, 2006	द्रव यांत्रिकी
दिलीप श्रीनिवास सुंदरम	सह-प्राध्यापक	जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान, 2013	थर्मोफ्लूइड विज्ञान, दहन, और ऊर्जावान सामग्री
विनीत वशिष्ठ	सह-प्राध्यापक	कोलंबिया विश्वविद्यालय, 2015	यांत्रिक प्रणालियों का डिजाइन और नियंत्रण
रवि शास्त्री अय्यागरी	सह-प्राध्यापक	इलिनोइस प्रौद्योगिकी संस्थान, 2013	ठोस यांत्रिकी, संवैधानिक मॉडलिंग, कम्प्यूटेशनल यांत्रिकी
के आर जयप्रकाश	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	इलिनॉइस विवि, अरबाना शेम्पेन, 2013	एक और दो-आयामी दानेदार मीडिया में तरंग प्रसार
वेण्कट मधुकांत वडाली	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय, मैडिसन, 2013	गतिशील प्रणालियाँ, नियंत्रण प्रणालियाँ, विनिर्माण, मेकट्रोनिक्स, रोबोटिक्स
उदीप्ता घोष	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	भा०प्रौ०सं० खड़गपुर, 2016	कम-रेनॉल्ड्स संख्या हाइड्रोडायनामिक्स, जटिल प्रणालियों के इलेक्ट्रोकेनेटिक्स पर विशेष ध्यान देने के साथ

विषय	पदनाम	पीएचडी/अंतिम उपाधि	विशेषज्ञता
सौम्यदीप सेट	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	शिकागो में इलिनोइस विश्वविद्यालय, 2016	ऊर्जा अभियांत्रिकी, थर्मो-तरल पदार्थ, गर्मी हस्तांतरण, इंटरफेशियल घटनाएँ और सूक्ष्म/नैनोस्केल
जी के शर्मा	अभ्यागत प्राध्यापक	मॉस्को ऊर्जा अभियांत्रिकी संस्थान, 1974	थर्मल अभियांत्रिकी
एन. रामकृष्णन	अभ्यागत प्राध्यापक	भा0प्रौ0सं0बॉम्बे, 1980	विनिर्माण, स्वचालन और मिश्रित सामग्री
हरमीत सिंह	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	वर्जीनिया टेक, 2018	शास्त्रीय सातत्य यांत्रिकी; लोच; एक आयामी पतले पिंडों जैसे तार, लोचदार छेड़ें और पतली पट्टियों की यांत्रिकी; अनुप्रयुक्त विभेदक ज्यामिति; विविधताओं की गणना.
चेलवा कुमार	सह-प्राध्यापक	कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, 1985	सौर ऊर्जा: सेल भौतिकी, पैनल उत्पादन, ऑफ-शोर इंस्टॉलेशन और सौर ऊर्जा अर्थशास्त्र और वित्त, इंजीनियरों के लिए वित्त और प्रबंधन, हेल्थकेयर वित्त और ई-अभियांत्रिकी यांत्रिकी
हरिणी सुब्रमणियन**	सहायक प्राध्यापक श्रेणी II	भा0प्रौ0सं0 मद्रास, 2022	गठनात्मक मॉडलिंग, सातत्य क्षति यांत्रिकी, प्लास्टिसिटी, कंपोजिट के यांत्रिकी, विस्कोइलास्टिसिटी और स्व-उपचार सामग्री
भौतिक विज्ञान			
आनंद सेनगुप्ता	सह-प्राध्यापक	आईयूसीएए पुणे, 2005	गुरुत्वाकर्षण तरंगों का पता लगाना, सीएमबी डेटा विश्लेषण के पहलू
सुदीप्ता सरकार	सह-प्राध्यापक	पुणे विश्वविद्यालय, आईयूसीएए, 2009	सामान्य सापेक्षता और ब्लैक होल थर्मोडायनामिक्स
विनोद चंद्र	सह-प्राध्यापक	भा0प्रौ0सं0कानपुर, 2009	क्वार्क-ग्लूऑन-प्लाज्मा और सापेक्ष भारी आयन टकराव
भारद्वाज कोलप्पा	सह-प्राध्यापक	मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, 2009	मानक मॉडल से परे - मॉडल निर्माण और एलएचसी, नए राज्यों की घटना विज्ञान
रूपक बनर्जी	सह-प्राध्यापक	कलकत्ता विश्वविद्यालय (साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स), 2012	भूतल भौतिकी और सामग्री विज्ञान
कृष्ण कान्ति डे	सह-प्राध्यापक	भा0प्रौ0सं0 गुवाहाटी, 2011	सक्रिय पदार्थ, कोलाइडल गतिकी, नैनोटेक्नोलॉजी
गोपीनाथन कालन	सह-प्राध्यापक	भा0प्रौ0सं0 दिल्ली, 2008	प्रायोगिक संचनित पदार्थ भौतिकी, नैनोफ्लूइडिक्स/अलवणीकरण तकनीक, सतह और इंटरफेस भौतिकी का उपयोग करने वाली डिवाइस कार्यक्षमताएं, द्वि-आयामी हेटरो-संरचनाएं
प्रसन्न वेण्कटेश बालासुब्रमण्यम	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	मैकमास्टर विश्वविद्यालय, 2013	क्वांटम ऑप्टिक्स और नैनोफिजिक्स, अल्ट्राकोल्ड परमाणु भौतिकी में सैद्धांतिक अनुसंधान
अर्पण भट्टाचार्य	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	भा0वि0सं0 बेंगलुरु, 2015	कई-शरीर प्रणालियों में क्वांटम उलझाव
चंदन कुमार	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, बैंगलोर, 2017	प्रायोगिक नरम संचनित पदार्थ भौतिकी
आर आर पुरी	सह-प्राध्यापक	बॉम्बे विश्वविद्यालय, 1981	सैद्धांतिक क्वांटम प्रकाशिकी, क्वांटम यांत्रिकी, क्वांटम अराजकता का यादृच्छिक मैट्रिक्स सिद्धांत
रुसा मंडल	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	गणितीय विज्ञान संस्थान, चेन्नई, 2018	उच्च ऊर्जा कण भौतिकी
कृष्णा रोलुआपुड्या खियांगते	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, 2018	प्रायोगिक संचनित पदार्थ भौतिकी
नवीन सिसोदिया**	सहायक प्राध्यापक श्रेणी I	भा0प्रौ0सं0 दिल्ली, 2020	लॉजिक-इन-मेमोरी उपकरणों का विकास जो मेमोरी और लॉजिक तत्वों दोनों के रूप में चुंबकीय स्क्रिर्मियन का उपयोग करता है
उर्जित याजनिक**	सह-प्राध्यापक	ऑस्टिन में टेक्सास विश्वविद्यालय, 1986	भव्य एकीकृत सिद्धांत, सामान्य सापेक्षता, अर्ध-कैल्सिकल गुरुत्वाकर्षण, ब्रह्मांड विज्ञान। टोपोलॉजिकल तरीके.

* वर्ष के उस भाग के लिए

** वर्ष के दौरान शामिल हुए

गैर शैक्षणिक स्टाफ नियमित पदों पर

कर्मचारी का नाम	पद	संकरी नारायण अय्यर**	कनिष्ठ सहायक
ईशा अग्रवाल**	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक	योगेश दत्तात्रय जेठे	अधीक्षक
पुनित अग्रवाल**	कनिष्ठ लेखा अधिकारी	सुदर्शिनी जैन*	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
कुणाल अग्निहोत्री	कनिष्ठ लेखा सहायक	निविता नवल जैन*	कनिष्ठ लेखा सहायक
ज्योतिष कुमार ए पी	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक	पीयूष जयसवाल	सहायक अभियंता
एम अर्मुगम	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक	लोकेश जालोरा**	कनिष्ठ अधीक्षक
सुगन्या अरुमुगम	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक	अचिन्त्य जना	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
बब्लू	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक	एन जयकुमार	सहायक अभियंता
पलक आर बगिया	प्रयोगशाला सहायक	संतोष कुमार जोशी	सहायक शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक
खुशबू बैस**	कनिष्ठ अधीक्षक	मीना जोशी	सहायक कुलसचिव
सुवाकांत बारिक	तकनीकी अधीक्षक	जितेश वी के	सहायक कुलसचिव
राजू बीरासेंट	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक	पायल कबरिया*	कनिष्ठ सहायक
तिमिर यंकुंज बेरावाला	सहायक	नवदीवाला अंकुर कंचनलाल	प्रयोगशाला सहायक
राम बाबू भगत	संयुक्त कुलसचिव	आशीष सोहनलाल कनौजिया	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
राहुलेंद्र भास्कर	तकनीकी अधीक्षक	धर्मेशकुमार वी. कपाड़िया	प्रयोगशाला परिचर/सहायक
नीरव मदनभाई भट्ट	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक	मंगेशकर कराडे	कनिष्ठ अभियंता
कंदर्प भट्ट	कनिष्ठ लेखा अधिकारी	हानी एम खमार	सहायक
साबरमती भट्टाचार्य	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक	चिराग डी खुहा	कनिष्ठ लेखा सहायक
पवन बोहरा**	कनिष्ठ लेखा सहायक	ए रघुवीर कुमार**	पुस्तकालय सूचना सहायक
तुषार एच. ब्रह्मभट्ट	प्रयोगशाला परिचर/सहायक	शिवम कुमार**	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
सप्तमी चट्टराज	कनिष्ठ अभियंता	सुजीत कुमार**	अधिकांश अभियंता
बीरेश चौबे	सहायक कुलसचिव	विकाश कुमार**	सहायक कुलसचिव
पन्नाबेन चौधरी	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	विकास कुमार*	कार्यकारी अभियंता
रोहित चौधरी	तकनीकी अधीक्षक	तुषित कुमार**	कनिष्ठ अधीक्षक
बिपुल कुमार चौधरी**	उप पंजीयक	अनिल कुमार	कनिष्ठ लेखा सहायक
प्रवीण सिंह चौहान	कनिष्ठ अधीक्षक	जयेश सुरेश कुरील**	कनिष्ठ सहायक
कृपेश चौहान	वरिष्ठ लेखाकार	दीपककुमार के लालपुरा	कनिष्ठ सहायक
नीलेश भरतभाई चौहान**	कनिष्ठ सहायक	पीयूष मजूमदार	सहायक कुलसचिव
प्रतीककुमार कीर्तिभाई चावड़ा	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक	प्रेम जयरामभाई मखीजा**	कनिष्ठ लेखा सहायक
हितेश मोहन छतानी**	पुस्तकालय सूचना सहायक	प्रशांत जी मकवाना	सहायक
प्रेम कुमार चोपड़ा	कुलसचिव	परेश बी मकवाना	कनिष्ठ लेखा सहायक
आकाश चौबे	कनिष्ठ सहायक	मृगांका मंडल**	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
अक्षय कुमार चौधरी	कनिष्ठ सहायक	विजय मीना	वरिष्ठ लेखाकार
अरविंद चढ़ार*	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक	पार्थ आर मेहता	कनिष्ठ सहायक
हरेशकुमार बाबूभाई चौधरी*	सहायक स्टाफ नर्स	लक्ष्मी कांत मिश्रा	सहायक कार्यकारी अभियंता
पारुलबेन पी क्रिश्चियन	सहायक स्टाफ नर्स	अर्चिताबेन एम मुछड़िया	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
तापस कुमार दास*	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक	प्रीतेश कुमार मुंदड़ा**	सहायक अभियंता
राजीव कुमार दास**	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक	नरेश**	कनिष्ठ अधीक्षक
राग दीपक**	कनिष्ठ सहायक	सिद्ध नाथ*	कनिष्ठ अधीक्षक
दिनेश बारबर भाई देसाई	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक	प्रदीपभाई कामाजीभाई निनामा	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
लव देशवाल	सहायक अभियंता	धर्मेन्द्र एस पांचाल	सहायक अभियंता
जयेश धाभाई*	कनिष्ठ अभियंता	आशीष कुमार पांडे	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
भावना वी धरणी	जूनियर लेखाकार	संजीव कुमार पांडे	लेखा अधिकारी
तेज बहादुर गौरांग	सहायक	प्रमेश पारेख	तकनीकी अधीक्षक
विशाल गौरव**	कनिष्ठ अधीक्षक	अविनाश परिदा**	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
नीलेशकुमार एच गोलानी**	कनिष्ठ लेखा सहायक	दिनेश एच. परमार	वरिष्ठ शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक
सुपिन गोपी	तकनीकी अधीक्षक	भाविक परमार	कनिष्ठ लेखा सहायक
पुतुल गौराई**	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक	शैलेशकुमार जे पटानी	कनिष्ठ सहायक
हेमन्त कुमार गुप्ता	कनिष्ठ सहायक	संकेत पटेल	तकनीकी अधीक्षक
लक्ष्मी पी हिरानी	प्रयोगशाला सहायक	संजय टी पटेल	प्रयोगशाला सहायक
जनराजन इलियाराजा**	कनिष्ठ लेखा अधिकारी	भीखाभाई आर पटेल	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक

जिग्नेश एस. पटेल	प्रयोगशाला सहायक	तरुण शर्मा**	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
सचिन मगनलाल पटेल	वरिष्ठ सिस्टम विश्लेषक	हृदेश कुमार शर्मा	संयुक्त कुलसचिव
लिपि विनोदकुमार पटेल**	सहायक स्टाफ नर्स	नेहा शर्मा**	सहायक कुलसचिव
ट्रिकल पटेल	लेखा अधिकारी	नितिन शुक्ला	तकनीकी अधीक्षक
हर्षद पटेल	लेखा अधिकारी	गौरव शुक्ला	अधीक्षक
कामिनी पटेल	कनिष्ठ अधीक्षक	रलेश कुमार सिंह	सहायक शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक
अरिका पटेल	कनिष्ठ लेखा अधिकारी	बिक्रम कुमार सिंह**	सहायक शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक
दर्शन सी पटेल	सहायक	मंतशा नदीम सिद्दीकी*	पुस्तकालय सूचना सहायक
भाविनकुमार रामभाई पटेल*	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक	गौरव कुमार सिंह	कनिष्ठ अधीक्षक
जीतेन्द्र पुखराज पंवार	जूनियर लेखाकार	हरीश सिंह	कनिष्ठ सहायक
-नीरज पिपलौदा	अधीक्षण अभियंता	गौतम कुमार सिंह*	कनिष्ठ अधीक्षक
कृष्णा पिपलौदा*	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक	तेनिल्स सोलंकी	अधीक्षक
डॉन ऑगस्टी प्लैकल	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक	मृगेश आर सोलंकी	अधीक्षक
जयेश प्रजापति	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक	जतिनकुमार एम. सोनी*	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
आशीष पुंडीर*	कनिष्ठ सहायक	निकुंज प्रवीणभाई सोलंकी**	कनिष्ठ अधीक्षक
अरविन्द कुमार पुरोहित**	कनिष्ठ सहायक	रवि सुभाष सोनी	सहायक कार्यकारी अभियंता
नरेंद्र जे रबाडिया	सहायक	हीरल सूचक	जूनियर लेखाकार
पांचाल श्रेया राजेशकुमार**	कनिष्ठ सहायक	रविराज विजयकुमार सुखाडिया	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
राजजी	कनिष्ठ अभियंता	इशानी एम सुतारिया	सहायक कुलसचिव
हिरनकुमार एस रालोलिया**	कनिष्ठ सहायक	विजय मोहनभाई सुत्रेजा	कनिष्ठ सहायक
राजेंद्र सिंह राठौड़**	कनिष्ठ सहायक	सचिन एस तावडे	तकनीकी अधीक्षक
वैभवी राउलजी	कनिष्ठ सहायक	प्रभुजी ठाकोर	प्रयोगशाला परिचर/सहायक
संतोष राऊत	अधीक्षक	सुप्रेम थलेशरी	प्रयोगशाला परिचर/सहायक
प्रणव रोहित	सहायक कुलसचिव	शुभम् राजेंद्र टोगिरे	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
पवित्र कुमार राउत	जूनियर लेखाकार	अमन त्रिपाठी	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
शाश्वती रॉय*	सहायक कुलसचिव	परम डी त्रिवेदी**	कनिष्ठ सहायक
कुमार अंकित साहा*	कनिष्ठ लेखा सहायक	सूर्यकान्त त्यागी	कनिष्ठ अभियंता
शिबाराम साहू	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक	राजेंद्र वैष्णव	लेखा अधिकारी
रूपाली एम साल्वे	कनिष्ठ सहायक	लक्ष्मीप्रिया जी वलपिल	कनिष्ठ अधीक्षक
जय हितेश संपत	कनिष्ठ लेखा सहायक	पटेल राजेंद्रभाई वसंतभाई*	जूनियर हेल्पर
कोमल संगतानी	सहायक	पीयूषभाई पी वनकर	सहायक
शुभ सक्सेना**	कनिष्ठ सहायक	मनीष यादव	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
हरदीबेन बी. शाह**	पुस्तकालय सूचना सहायक	शशांक यादव**	सहायक शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक
विरल वाई शाह	सहायक कुलसचिव	देवेन्द्रसिंह दहियाजी जाला	चालक
हर्षिल विजयकुमार शाह**	कनिष्ठ लेखा अधिकारी	अंजनाबा आर जाला	जूनियर लेखाकार
सुजीत कुमार साह	सहायक		
मुकेश शर्मा	वरिष्ठ स्टाफ नर्स		
दीपक शर्मा	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक		

* वर्ष के उस भाग के लिए
** वर्ष के दौरान शामिल हुए



पूर्व छात्र संबंध

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर के पूर्व छात्र अनुदान संचयन के अभियानों, मास्टरक्लास सत्रों, पूर्व छात्रों की बैठकों और वार्षिक पूर्व छात्रों के पुनर्मिलन सहित कई गतिविधियों में लगे हुए हैं। इन वर्षों में, पूर्व छात्रों की भागीदारी में कई तरीकों से सुधार हुआ है, जिसमें प्रभावी पारस्परिक संचार, वैयक्तिकरण, नेटवर्किंग कार्यक्रम, कैरियर सेवाएं, अवसर वृद्धि और पूर्व छात्रों के मार्गदर्शन कार्यक्रम शामिल हैं।

पूर्व छात्रों द्वारा वार्षिक अंशदान

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर के 50% से अधिक पूर्व छात्रों ने लगातार पांचवें वर्ष संस्थान में योगदान दिया है।
- वित्त वर्ष 2023-2024 में, 50.7% पूर्व छात्रों ने संस्थान में कुल 72 लाख रुपये का वित्तीय योगदान दिया।
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के 3,575 पूर्व छात्रों में से 1,814 पूर्व छात्रों ने सामूहिक रूप से वित्तीय वर्ष 2023-2024 के दौरान 72 लाख रुपये की रिकॉर्ड-उच्च राशि दान की। इन योगदानों ने अंतर्राष्ट्रीय इंटरशिप, छात्र सहायता और छात्रवृत्ति, Art@IITGN, सामाजिक आउटरीच पहल, हाउसकीपिंग और श्रमिकों के कल्याण, खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों और उद्यमिता सहित विभिन्न निधियों का समर्थन किया।

वित्तीय वर्ष 2023-2024 में पूर्व छात्रों का समर्थन

- कुल पूर्व छात्र: 3575
- पूर्व छात्र दानदाता: 1814/50.7%
- पूर्व छात्रों का दान: 72 लाख रुपये
- पूर्व छात्रों का औसत दान: 4 हजार रुपये
- 43%/192 हाल ही में 2023 के स्नातक छात्रों ने बैच उपहार के लिए 4 लाख रुपये दान किए
- 83%/2968 पूर्व छात्रों ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना के बाद से कम से कम एक बार दान किया

पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान दान देने वाले पूर्व छात्र:

वित्तीय वर्ष	पूर्व छात्रों की संख्या	पूर्व छात्र दानदाता	दानदाताओं का प्रतिशत
2019-20	1,762	883	50.1 %
2020-21	2,208	1,215	55.0 %
2021-22	2,749	1,381	50.2 %
2022-23	3,140	1,723	54.9 %
2023-24	3,575	1,814	50.7 %

युवा पूर्व छात्र उत्कृष्टता पुरस्कार

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान ने 8 जनवरी, 2024 को जिबाबेन पटेल (कनिसा) मेमोरियल ऑडिटोरियम में यंग एलुमनी एक्सीलेंस अवार्ड 2023 प्रदान किया। यंग एलुमनी एक्सीलेंस अवार्डस भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर के पूर्व छात्रों की शुरुआती करियर सफलताओं का जश्न मनाते हैं, जो प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, उद्यमिता या सामाजिक परिवर्तन में उनके योगदान को प्रदर्शित करते हैं। यंग एलुमनी एक्सीलेंस अवार्ड संस्थान के पूर्व छात्रों की उपलब्धियों को स्वीकार करने और उनका जश्न मनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

निम्नलिखित चार पूर्व छात्र उत्कृष्टता पुरस्कारों को घर वापसी 2023 के दौरान विभिन्न श्रेणियों में एक पदक और एक प्रशंसा के साथ सम्मानित किया गया:

असाधारण उद्यमशीलता

ऐश्वर्या अग्रवाल
सहायक प्रोफेसर, मॉन्ट्रियल विश्वविद्यालय, कनाडा

उत्कृष्ट उद्यमिता

सिल्की अग्रवाल
संस्थापक, जियोकार्ट रडार टेक्नोलॉजी

सौर्य प्रकाश
सह-संस्थापक और सीईओ, रेको

प्रशांत बोर्डे
सह-संस्थापक और सीटीओ, रेको



Outstanding
Academic Achievement

Aishwarya Agrawal
(BTech/EE /2014)
Assistant Professor
University of Montreal

Outstanding
Entrepreneurship

Silky Agrawal
(MTech/CE /2015)
Founder, GeoCarte Radar
Technology

Outstanding
Entrepreneurship

Saurya Prakash
(BTech/EE /2013)
Co-Founder & CEO
Recko

Outstanding
Entrepreneurship

Prashant Borde
(BTech/EE /2012)
Co-Founder & CTO
Recko

पूर्व छात्र कार्यक्रम

दिल्ली में पूर्व छात्रों की बैठक

दिल्ली में पूर्व छात्रों की बैठक का आयोजन अंकित अग्रवाल, बीटेक, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, 2012 बैच और उनके परिवार द्वारा 29 अप्रैल, 2023 को साकेत, दिल्ली में उनके आवास पर किया गया था। प्रो. जेसन मंजली प्रोफेसर-प्रभारी, पूर्व छात्र संबंध ने पूर्व छात्रों के साथ बातचीत की और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पूर्व छात्रों के लिए विभिन्न पहलों पर चर्चा की। दिल्ली एन. सी. आर. के 60 से अधिक पूर्व छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

यूरोप में पूर्व छात्रों की बैठक

यूरोप में पूर्व छात्रों की बैठक की मेजबानी पंकज तिवारी, एमए, एचएसएस, 2019 बैच ने 20 मई, 2023 को एम्स्टर्डम में अपने स्टूडियो में की थी। प्रो. जेसन मंजली, प्रोफेसर-प्रभारी, पूर्व छात्र संबंध और हरीश पी. एम, डीन, सामान्य प्रशासन ने एम्स्टर्डम में पूर्व छात्रों के साथ एक सुखद समय बिताया।

संयुक्त राज्य अमेरिका में पूर्व छात्रों की बैठक

संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पूर्व छात्रों की बैठक जून 8-18, 2023 के दौरान सिएटल, शिकागो, पर्ड्यू विश्वविद्यालय, यूआईयूसी, यूसीएसडी, कैलटेक, सैन फ्रांसिस्को और न्यू जर्सी में आयोजित की गई थी। अमेरिका में रहने वाले 400 से अधिक पूर्व छात्रों में से, 130 से अधिक पूर्व छात्र और अमेरिकी विश्वविद्यालयों में इंटरनशिप करने वाले 5 वर्तमान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान छात्रों ने संयुक्त राज्य अमेरिका में बैठकों में भाग लिया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की टीम में प्रोफेसर प्रतीक मुथा, अमित प्रशांत, रजत मूना, चेल्ला कुमार, निर्मल झा, पल्लवी भारद्वाज, कबीर जसुजा, जेसन मंजली शामिल थे। रौणक मेहता, लव गुप्ता, चिन्मय अजनदकर, डॉ. योगेश गोयल, जवीना हुसैन, हर्ष पटेल और मानस बेदमुथा सहित पूर्व छात्रों ने मुलाकात की सुविधा प्रदान की।

होमकमिंग 2023

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पूर्व छात्रों के वार्षिक पुनर्मिलन का पांचवां संस्करण, 'होमकमिंग', 16-17 दिसंबर, 2023 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान परिसर में आयोजित किया गया था। इस

कार्यक्रम में ऐसे सत्र शामिल थे जो पूर्व छात्रों को शामिल करते थे और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में पूर्व छात्रों, संकाय और वर्तमान छात्रों के बीच बातचीत को सक्षम बनाते थे। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में होमकमिंग 2023 में स्नातक और स्नातकोत्तर बैचों के 80 से अधिक पूर्व छात्रों ने भाग लिया। पूर्व छात्र अपने प्रोफेसरों और निदेशक प्रो. रजत मूना के साथ व्यावहारिक बातचीत में लगे हुए थे। संस्थान समुदाय के भीतर मौजूदा और नए संपर्कों को मजबूत करने के लिए एक नेटवर्किंग रात्रिभोज और दोपहर के भोजन का आयोजन किया गया। आयोजन की मुख्य विशेषताओं में आर्ट @आई आई टी गांधीनगर टीम द्वारा एक फ्लैट मार्केट की स्थापना शामिल थी, जिसमें छात्रों, निवासियों, पूर्व छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों सहित 500 से अधिक आगंतुकों को आकर्षित किया गया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में घर वापसी कार्यक्रम परिसर में इंटर आई आई टी गांधीनगर स्टूडेंट्स स्पोर्ट्स मीट के साथ हुआ, जिसमें पूर्व छात्रों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में खेल उत्सव का अनुभव करने का मौका मिला। पूर्व छात्रों ने अपनी यात्रा के दौरान परिसर में आयोजित विभिन्न खेलों को देखा।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान 2024 वैश्विक सम्मेलन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान 2024 वैश्विक सम्मेलन यूएसए की मेजबानी 12-14 जनवरी, 2024 को वाशिंगटन डीसी, यूएसए में की गई थी। यह सम्मेलन पैन आई आई टी यू एस ए एलुमनी एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सभा है। प्रो. जेसन मंजली प्रोफेसर-प्रभारी, पूर्व छात्र संबंध ने सम्मेलन में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान का प्रतिनिधित्व किया और कई भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पूर्व छात्रों के साथ बातचीत की, जो सम्मेलन का हिस्सा थे। इस सम्मेलन में 1300 से अधिक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

पांच शहरों में पूर्व छात्रों की बैठक

प्रो. जेसन मंजली ने फरवरी-मार्च, 2024 के दौरान मुंबई, पुणे, बैंगलोर, हैदराबाद और दिल्ली में पूर्व छात्रों की बैठकों की मेजबानी की। इस बैठक में 300 से अधिक पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

पूर्व छात्रों की संलग्नता

पूर्व छात्र का नाम	पहल
सुभा माझी (एमटेक/सीई/2015)	ऑस्ट्रेलिया में पुल निगरानी में लहर-आधारित तकनीक कैसे क्रांति ला रही है, इस पर ऑनलाइन मास्टरक्लास सत्र
अभिषेक पांडे (पीएचडी/सीई/2022)	भा. प्रौ. सं में संकाय का पद सुनिश्चित करने के लिए ऑफलाइन मास्टरक्लास सत्र का आयोजन।
गौरव डालमिया (बीटेक/एमई/2022)	वार्षिकी वित्त क्लब, भा. प्रौ. सं गांधीनगर द्वारा 'वित्त में करियर का निर्माण' विषय पर ऑनलाइन सत्र आयोजित
प्रवीण वेंकटेश (बीटेक/ईई/2022) और ईशा बयाद (बीटेक/सीएल/2023)	अन्वेषण भा. प्रौ. सं गांधीनगर छात्र अनुसंधान क्लब द्वारा सुगम ऑनलाइन सत्र 'जर्नी टू एम. एस. या डायरेक्ट पी. एच. डी. अग्रैंड'
दर्शिल दोशी (बीटेक/ईई/2017)	'डीप लर्निंग मॉडल क्या सीखते हैं?' पर ऑफलाइन मास्टरक्लास
सुजय कदम (पीएचडी/ईई/2021) और चंदन कुमार झा (पीएचडी/ईई/2021)	प्रारंभिक प्रवेश पीएचडी छात्रों के लिए फाउंडेशन कार्यक्रम, आरोहन के दौरान पीएचडी फ्रेशर्स के साथ अनौपचारिक बातचीत
रोहित नानावती (बीटेक/एमई/2017)	स्वायत्त रोबोट और एयरोस्पेस वाहनों में रुचि रखने वाले छात्रों के साथ अनौपचारिक बातचीत
श्रद्धा मोहनानी (एमएससी/पीएच/2021)	'गामा रे बर्ट्स: डिफेंडिंग द टेल ऑफ डाइंग स्टार्स' पर ऑनलाइन मास्टरक्लास सत्र

5 की शक्ति

द पावर ऑफ 5 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की एक साहसिक पहल है जो आने वाले वर्षों में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पूर्व छात्रों द्वारा 5 लाख रुपये के व्यक्तिगत दान के साथ 50 छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए है। इस पहल के अनुसार, पूर्व छात्र 5 लाख रुपये का दान करने से सालाना 1 लाख रुपये की स्थायी छात्रवृत्ति मिलेगी।

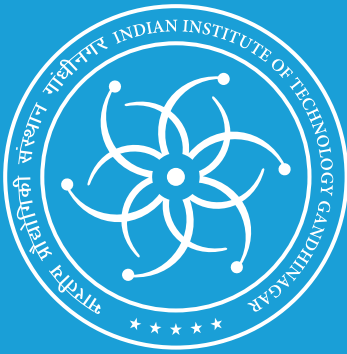
- पूर्व छात्रों ने दिए 5 लाख रुपये
- इस राशि को 10 लाख रुपये बनाने के लिए एक निजी दाता के साथ समान रूप से मिलान किया जाता है
- यह संस्थान 10 लाख रुपये के संयुक्त योगदान का मिलान करके कुल 20 लाख रुपये का कोष तैयार करता है
- 20 लाख रुपये का कोष उपयुक्त रूप से निवेश किया जाता है और वार्षिक रूप से 1 लाख रुपये की स्थायी छात्रवृत्ति प्रदान करता है

पूर्व छात्रों द्वारा अनुमोदित स्कॉलरशिप

पूर्व छात्रों के नाम	छात्रवृत्ति का नाम
अमेय जोशी (बीटेक/ईई/2014)	प्रो. केवी वेंकटेश मूर्ति छात्रवृत्ति प्रो. डी वी पाई छात्रवृत्ति प्रो. रमेश गांवकर छात्रवृत्ति
अभिरूप मिश्रा (बीटेक/एमएसई/2019)	डॉ. माया और डॉ. विश्वनाथ तिवारी छात्रवृत्ति
प्रेरणा सिंह (बीटेक/सीई/2017)	साधना और पृथ्वी पति सिंह छात्रवृत्ति







भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
पालज, गांधीनगर - 382 055, गुजरात